प्रतियोगिता दर्पण

फरवरी 2019 मूल्य ₹ 80.00

हिन्दी मासिक

शिक्षित युवा वर्ग के स्वर्णिम भविष्य के लिये

For e-magazine:
http://emagazine.pdgroup.in

साथ में
रंगीन कलेण्डर

हल प्रश्न-पत्र

- उ.प्र. लोक सेवा आयोग (मुख्य), 17
- बिहार लोक सेवा आयोग (प्रा.), 18
- छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता (SET), 18
- एस.वी.आई. पी.ओ. (प्रा.), 18
- एन.आई.सी.एल. ए.ओ. (प्रा.), 17
- बैंक ऑफ बड़ौदा (पी.ओ.), 16

- देश के सबसे लम्बे रेल-सह-सड़क पुल बोगीबील ब्रिज का लोकार्पण
- जीसैट-11 व जीसैट-7ए के सफल प्रक्षेपण
- मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान में कांग्रेस की सरकारें : मिजोरम में कांग्रेस सत्ता से बाहर
- भारत की कृषि निर्यात नीति 2018
- ज्ञानपीठ पुरस्कार (2018), साहित्य अकादमी पुरस्कार (2018)
- उर्जित पटेल के त्यागपत्र के पश्चात् शक्तिकांत दास रिजर्व बैंक के नए गवर्नर
- फिच रेटिंग ने भारत में जीडीपी वृद्धि का पूर्वानुमान घटाया
- मिस यूनिवर्स (2018), मिस वर्ल्ड (2018) व मिस इण्डिया वर्ल्डवाइड (2018)
- विश्व की सबसे शक्तिशाली महिलाओं की फोर्ब्स सूची (2018) में भारत की चार महिलाएँ
- फ्रांस में 'यलो वैस्ट' मूवमेंट • नासा का एस्टेरॉयड सैम्पल रिटर्न मिशन

आगामी प्रतियोगिता परीक्षाएं

2019

12 जनवरी—उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग नलकूप चालक (सामान्य चयन) भर्ती परीक्षा, 2016

13 जनवरी—एस.एस.सी. जूनियर हिन्दी ट्रांसलेटर, जूनियर ट्रांसलेटर, सीनियर हिन्दी ट्रांसलेटर व हिन्दी प्राध्यापक परीक्षा, 2018 (प्रथम प्रश्न-पत्र)

13 जनवरी—उत्तर प्रदेश सैनिक स्कूल, लखनऊ प्रवेश परीक्षा, 2019-20 (कक्षा VII व IX)

17–24 जनवरी—मध्य प्रदेश राज्य पात्रता परीक्षा (SET) 2018 (ऑनलाइन)

20 जनवरी—आई.बी.पी.एस. बैंक लिपिकीय संवर्ग मुख्य परीक्षा, 2018

20 जनवरी—राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तर प्रदेश पैरा-मेडिकल स्टॉफ के अन्तर्गत विभिन्न पदों की भर्ती परीक्षा

27 जनवरी—बैंक विशेषज्ञ अधिकारी मुख्य परीक्षा, 2018 (CRP SPL-VIII)

27-28 जनवरी—उत्तर प्रदेश आरक्षी नागरिक पुलिस एवं आरक्षी प्रादेशिक आर्म्ड कान्सटेबुलरी सीधी भर्ती परीक्षा, 2018

30 जनवरी—द न्यू इण्डिया एश्योरेंस कम्पनी लि. ऑफिसर्स (जनरलिस्ट एवं स्पेशलिस्ट) स्केल-I संवर्ग ऑनलाइन परीक्षा (फेज-I)

फरवरी—भारतीय नौसेना नाविक आर्टिफिसर अप्रेन्टिस भर्ती परीक्षा

फरवरी—भारतीय नौसेना नाविक मैट्रिक रिक्रूट (MR) भर्ती परीक्षा

फरवरी—भारतीय नौसेना नाविक (सीनियर सेकण्डरी रिक्रूट–SSR) भर्ती परीक्षा

1-2 फरवरी—उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा चयन बोर्ड पीजीटी भर्ती परीक्षा, 2016

2 फरवरी—जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा, 2019-20 (कक्षा IX)

3 फरवरी—सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा (I), 2019

5 से 7 फरवरी—एस.एस.सी. स्टेनोग्राफर ग्रेड 'C' एवं 'D' कम्प्यूटर आधारित परीक्षा, 2018

10 फरवरी—दिल्ली न्यायिक सेवा परीक्षा, 2018

11 फरवरी-11 मार्च—एस.एस.सी. केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल कॉस्टेबिल (जनरल ड्यूटी) भर्ती परीक्षा, 2018 (ऑनलाइन)

16-17 फरवरी—तेलंगाना जिला सहकारी बैंकों में असिस्टेंट मैनेजर व स्टॉफ असिस्टेंट भर्ती परीक्षा (ऑनलाइन)

16, 17 एवं 19 फरवरी—भारतीय वायुसेना कॉमन एडमिशन टेस्ट (AFCAT) 2019 (फ्लाइंग ब्रांच)

17 फरवरी—छत्तीसगढ़ पी.एस.सी. राज्य सेवा प्रारम्भिक परीक्षा, 2018

23 फरवरी—मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय सिविल न्यायाधीश वर्ग-2 (प्रवेश स्तर) प्रा. परीक्षा, 2019 (ऑनलाइन) **(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 20 जनवरी, 2019)**

24 फरवरी—कलकत्ता उच्च न्यायालय लोअर डिवीजन असिस्टेंट प्रारम्भिक स्क्रीनिंग परीक्षा **(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 19 जनवरी, 2019)**

2 मार्च—द न्यू इण्डिया एश्योरेंस कम्पनी लि. ऑफिसर्स (जनरलिस्ट एवं स्पेशलिस्ट) स्केल-I संवर्ग ऑनलाइन परीक्षा (फेज-II)

8-9 मार्च—उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा चयन बोर्ड टीजीटी भर्ती परीक्षा, 2016

12–16 मार्च—केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल/दिल्ली पुलिस सब-इंस्पेक्टर परीक्षा, 2018 (ऑनलाइन)

14–17 मार्च—भारतीय वायुसेना एयरमैन ग्रुप 'X' एवं ग्रुप 'Y' परीक्षा **(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 21 जनवरी, 2019)**

6 अप्रैल—जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा, 2019 (कक्षा VI)

28 अप्रैल—उत्तर प्रदेश पॉलिटेक्निक संयुक्त प्रवेश परीक्षा, 2019

28-29 अप्रैल—उत्तराखण्ड पॉलिटेक्निक संयुक्त प्रवेश परीक्षा, 2019 **(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 15 मार्च, 2019)** **(ऑफलाइन अन्तिम तिथि : 28 फरवरी, 2019)**

निबन्ध प्रतियोगिता

विषय—"संकट में भारतीय कृषि और कृषक"

अन्तिम तिथि—28 फरवरी, 2019.

शब्द संख्या—लगभग 2000 शब्द.

1. निबन्ध कागज के एक ओर ही टंकित अथवा स्वहस्तलिखित होना चाहिए.
2. निबन्ध के साथ प्रतियोगी अपना पासपोर्ट आकार का छायाचित्र भेजें. प्रथम तीन निबन्धों पर क्रमशः ₹ 1500, ₹ 1000 व ₹ 500 चेक के माध्यम से व प्रमाण-पत्र पुरस्कार के रूप में दिए जाएंगे. अन्य 5 अनुशंसित निबन्धों को आकर्षक प्रमाण-पत्र व उपकार प्रकाशन की ₹ 200 मूल्य तक की वांछित पुस्तक पुरस्कारस्वरूप दी जाएगी.

चन्दे की दरें

प्रतियोगिता दर्पण

	हिन्दी	अंग्रेजी
एक प्रति मूल्य	80.00	80.00
वार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	725·00	720·00
रजिस्टर्ड डाक से	945.00	940·00
द्विवार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	1350·00	1345·00
रजिस्टर्ड डाक से	1790·00	1785·00

सामान्य ज्ञान दर्पण

एक प्रति मूल्य	₹ 35.00
वार्षिक मूल्य :	
साधारण डाक से	₹ 315.00
रजिस्टर्ड डाक से	₹ 530.00
द्विवार्षिक मूल्य :	
साधारण डाक से	₹ 580.00
रजिस्टर्ड डाक से	₹ 1020.00

- कृपया अपना सदस्यता-शुल्क मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट द्वारा ही प्रेषित करें. चेक स्वीकार नहीं होंगे. आप हमारी Website : www.pdgroup.in द्वारा भी सदस्यता शुल्क अदा कर सकते हैं.
- अपने स्पष्ट पते के साथ यह भी सूचित करें कि आप किस माह से किस माह तक के लिए ग्राहक बन रहे हैं.
- पुराने ग्राहक कृपया अपनी ग्राहक संख्या का उल्लेख अवश्य करें.
- मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट **'प्रतियोगिता दर्पण'** के नाम से आगरा में देय ही स्वीकार किए जाएंगे.

ऑर्डर फार्म

मैं प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी/अंग्रेजी मासिक)/ सामान्य ज्ञान दर्पण (हिन्दी मासिक) का वार्षिक/ द्विवार्षिक नियमित ग्राहक बनना चाहता हूँ/चाहती हूँ. कृपया मेरी प्रति मुझे निम्नांकित पते पर प्रेषित करने की कृपा करें.

नाम _____

पता _____

_____

_____

पिन ☐☐☐☐☐☐

मो. नं.....

मैं ₹.....मनीऑर्डर/बैंक ड्राफ्ट द्वारा प्रेषित कर रहा हूँ/रही हूँ.

दिनांक _____ प्रेषक के हस्ताक्षर _____

प्रतियोगिता दर्पण

2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, **आगरा**—282 002

फोन : 4053333, 2530966, 2531101

फैक्स : (0562) 4053330, 4031570

Website : www.pdgroup.in

E-mail : care@pdgroup.in

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

सम्पादक
महेन्द्र जैन

प्रधान सलाहकार
डॉ. रवि कान्त

रजिस्टर्ड ऑफिस
2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–282 002

सम्पादकीय ऑफिस
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, बन चेतना केन्द्र के
सामने आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन–4053333, 2531101, 2530966
फैक्स–(0562) 4053330
ईमेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयर : care@pdgroup.in

दिल्ली ऑफिस
4845, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली–110 002
फोन–011-23251844, 43259035

हैदराबाद ऑफिस
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा
आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद–500 036
(तेलंगाना) फोन–040-24557283
मो.–09391487283

पटना ऑफिस
पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड,
पटना–800 004
फोन–0612-2303340
मो.–09334137572

कोलकाता ऑफिस
H-3, ब्लॉक-B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस
No. 15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर,
कोलकाता–700 003 (W.B.)
फोन–033-25551510

लखनऊ ऑफिस
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवईया,
लखनऊ–226 004
फोन–0522-4109080
मो.–09760181118

नागपुर ऑफिस
1461, जूनी शुक्रवारी, सक्करदरा
रोड, हनुमान मन्दिर के सामने,
नागपुर–440 009 (महाराष्ट्र)
मो.–09370877776

इन्दौर ऑफिस
30-31, जिन्सी हाट मैदान,
बाबा रामदेव मन्दिर के निकट,
मल्हारगंज, इन्दौर–452 002 (म.प्र.)
फोन–9203908088

हल्द्वानी ऑफिस
8-310/1, ए.के. हाउस हीरानगर,
हल्द्वानी, जिला–नैनीताल–263 139
(उत्तराखण्ड) मो.–07060421008

के पाठकों से

प्रिय पाठको !

आपकी सर्वाग्रगण्य एवं लोकप्रिय पत्रिका **'प्रतियोगिता दर्पण'** का फरवरी 2019 अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें हर्ष एवं सन्तोष की अनुभूति हो रही है. पत्रिका के प्रस्तुत अंक को आपकी आकांक्षाओं के अनुरूप अधिक-से-अधिक उपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है. प्रकाशन से सम्बन्धित सभी लोगों के सामूहिक प्रयास एवं सहयोग से यह अंक इतना अधिक परीक्षोपयोगी बन पाया है.

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी बनाने की दृष्टि से इस अंक में अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सारगर्भित एवं विश्लेषणात्मक निबन्ध दिए गए हैं. इनमें से कुछ लेख इस प्रकार हैं– नोटबंदी के परिलक्षित होते परिणाम, भारत में केन्द्र-राज्य सम्बन्ध, भारत में वामपंथी उग्रवाद : एक समीक्षा, सागरीय बायोम, अदृश्य सूक्ष्मजीवों की अद्भुत दुनिया, संचार प्रक्रिया : बहुआयामी विश्लेषण, जल संकट और जल प्रबन्धन, नदी प्रदूषण : गंगा नदी के परिप्रेक्ष्य में.

पत्रिका के सर्वाधिक महत्वपूर्ण भाग में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के चयनित हल प्रश्न-पत्र आवश्यक व्याख्या एवं संकेतों के साथ दिए गए हैं. इनमें से कुछ प्रश्न-पत्र इस प्रकार हैं–

वस्तुनिष्ठ सामान्य अध्ययन–उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (मुख्य) परीक्षा, 2017. छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता परीक्षा, 2018. बिहार लोक सेवा आयोग (प्रा.) परीक्षा, 2018.

तर्कशक्ति–एस.बी.आई.पी.ओ. (प्रा.) परीक्षा, 2018. बैंक ऑफ बड़ौदा (पी.ओ.) परीक्षा, 2016.

हम आपको स्मरण कराना चाहते हैं कि **"कठिन परिश्रम एवं उचित और सामयिक मार्गदर्शन सफलता प्राप्त करने का मूलमंत्र है." प्रतियोगिता दर्पण** आपका सही एवं सामयिक मार्गदर्शन करने में बेजोड़ है. आप प्रयास कीजिए, आपकी सुनिश्चित सफलता के लिए प्रतियोगिता दर्पण आपके साथ है.

नियमित रूप से एवं समझदारी के साथ प्रतियोगिता दर्पण पढ़िए. यह आपको अभीष्ट सफलता दिलाने एवं आपके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने में पूर्णतः सक्षम है.

आपकी चतुर्दिक सफलता एवं स्वर्णिम भविष्य की हार्दिक शुभकामनाओं सहित

महेन्द्र जैन
(सम्पादक)

All rights reserved. No part of this Magazine may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form by any means, Electronic, Mechanical, Photocopying, Recording or otherwise, without the prior written permission of the publisher. While every effort has been made to ensure accuracy of the information published in this edition, neither publisher nor any of its employees accept any responsibility for any error or omission. Articles that cannot be used are returned to the authors if accompanied by a self addressed and sufficiently stamped envelope. But no responsibility is taken for any loss or delay in returning the material. Pratiyogita Darpan assumes no responsibility for statements and opinions advanced by the authors nor for any claims made in the advertisements published in the Magazine.

486 वाँ सफलतम अंक

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

वर्ष 41
सप्तम् अंक
फरवरी 2019

इस अंक में...

10 सम्पादकीय
11 राष्ट्रीय घटनाक्रम
21 अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
28 आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य
32 नवीनतम सामान्य ज्ञान
42 खेलकूद
45 रोजगार समाचार
47 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
49 व्यक्तित्व परीक्षण (साक्षात्कार) 2018 : अपने व्यक्तित्व की क्षमताओं और व्यवहार कौशल का प्रदर्शन
52 सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 2018 में दिए गए ऐतिहासिक फैसले

फोकस

54 (1) संयुक्त राष्ट्र संघ सम्पोषणीय विकास लक्ष्यों में भारत और उसके राज्यों की उपलब्धियाँ
56 (2) कृषि 4·0
58 (3) गुणवत्तापरक शिक्षा : किन्तु कब तक
60 (4) भारत में लैंगिक समानता : सभी महिलाओं और लड़कियों का सशक्तिकरण
62 युवा प्रतिभाएं
72 स्मरणीय तथ्य
75 विश्व परिदृश्य
81 भारत के प्रमुख ऐतिहासिक व्यक्तित्व
84 वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं
87 आर्थिक लेख—नोटबंदी के परिलक्षित होते परिणाम
89 राजनीतिक लेख—भारत में केन्द्र-राज्य सम्बन्ध
108 समसामयिक संवैधानिक लेख—जम्मू-कश्मीर में लागू 'अनुच्छेद-35 ए' की संवैधानिक वैधता का समीक्षात्मक मूल्यांकन
111 सामयिक लेख— (i) भारत में वामपंथी उग्रवाद : एक समीक्षा
114 (ii) ओजोन परत का विनाश एवं अनुरक्षण
116 भौगोलिक लेख—सागरीय बायोम
118 वैज्ञानिक लेख—अदृश्य सूक्ष्मजीवों की अद्भुत दुनिया
120 संचार लेख—संचार प्रक्रिया : बहुआयामी विश्लेषण
125 कृषि लेख—पर्यावरण सुरक्षा हेतु जैविक खेती
128 प्राकृतिक संसाधन लेख—जल संकट और जल प्रबन्धन
131 टेक्नोलॉजी लेख—कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) नए आयाम
132 पर्यावरण लेख—नदी प्रदूषण : गंगा नदी के परिप्रेक्ष्य में
134 सार संग्रह
138 वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान— (i) उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (मुख्य) परीक्षा, 2017
150 (ii) छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता परीक्षा, 2018
154 (iii) बिहार लोक सेवा आयोग (प्रा.) परीक्षा, 2018
163 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न
165 उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता

विविध/सामान्य

167 वार्षिक रिपोर्ट 2017-18–पशुपालन, डेयरी और मत्स्य-पालन के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के बढ़ते चरण : एक दृष्टि में
170 सामान्य जानकारी—दहेज सम्बन्धित आईपीसी की धारा 498 ए का समीक्षात्मक मूल्यांकन
172 समसामयिक घटनाक्रम—योजना-आयोजना पर आधारित महत्वपूर्ण गतिविधियाँ
175 तर्कशक्ति—(i) एस.बी.आई.पी.ओ. (प्रा.) परीक्षा, 2018
178 (ii) एन.आई.सी.एल. ए.ओ. (प्रा.) परीक्षा, 2017
181 बैंक ऑफ बड़ौदा (पी.ओ.) परीक्षा, 2016
187 क्या आप जानते हैं ?
188 अपना ज्ञान बढ़ाइए
189 प्रथम पुरस्कृत निबन्ध—सामाजिक न्याय की कसौटी पर भारतीय लोकतंत्र
191 निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक—475 का परिणाम
192 सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक—189

प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. –सम्पादक

• E-mail : publisher@pdgroup.in • Website : www.pdgroup.in

सम्पादकीय

आचरण की सभ्यता का विकास कीजिए

"व्यवहार कुशल बनना है, तो महान् और सफल लोगों के व्यवहार का अनुकरण करो."

विद्या, कला, कविता, साहित्य, धन और राजस्व से भी आचरण की सभ्यता अधिक महत्वपूर्ण एवं व्यक्तित्व का महत्व प्रदान करने वाली होती है, किन्तु वह सहज प्राप्त होने वाली वस्तु नहीं है, पैतृक संस्कार, वातावरण तथा व्यक्तिगत साधना की त्रिवेणी के मध्य उसका विकास होता है. प्रसिद्ध विदेशी यात्री अलबरूनी ने एक स्थान पर लिखा है कि आचरण की सभ्यता की प्राप्ति उतना ही कठिन कार्य है, जितना एक उस्तरे से किसी पहाड़ को काटना. महर्षि वाल्मीकि ने रामायण में यह महत्वपूर्ण कथन किया है कि, "मनुष्य का आचरण ही यह बताता है कि वह कुलीन है अथवा अकुलीन, शूर अथवा भीरू है, पवित्र है अथवा अपवित्र है."

हिन्दी के प्रसिद्ध निबन्धकार अध्यापक पूर्णसिंह ने आचरण की सभ्यता के विकास की तुलना पर्वतराज हिमालय के निर्माण से करते हुए लिखा है कि "बर्फ का दुपट्टा बाँधे हुए हिमालय इस समय तो अति सुन्दर, अति ऊँचा और गौरवान्वित मालूम होता है, परन्तु प्रकृति ने अगणित शताब्दियों के परिश्रम से रेत का एक-एक परमाणु समुद्र के जल में डुबो-डुबो कर और उसको अपने विचित्र हथौड़ों से सुडौल कर-करके इस हिमालय के दर्शन कराए हैं. आचरण भी हिमालय की तरह एक ऊँचे कलश वाला मन्दिर है."

आचरण की सभ्यता को सदाचार या सुसंस्कृत व्यवहार भी कहते हैं. इसका विकास केवल स्वतंत्रता के मध्य होता है, अर्थात् जब व्यक्ति स्वयं इसका विकास करने के लिए उत्सुक और प्रयत्नशील होता है. प्रसिद्ध विचारक कृष्णमूर्ति के शब्दों में, "आचरण की सभ्यता न तो बल प्रयोग की धरती पर विकसित हो सकती है और न विवशता या पुरस्कार के माध्यम से ही यह किसी अनुकरण में ही प्रदर्शित की जा सकती है. इसको भय द्वारा भी विकसित नहीं किया जा सकता है. यह तो संवेदनशील व्यवहार के मध्य स्वभावतः झाँकती हुई दिखाई देती है. यह सद्गुण कर्मों में दिखाई देता है." पुस्तकों को पढ़कर तथा व्याख्यानों एवं प्रवचनों को सुनकर ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है. प्रभाव सदा आचरण का पड़ता है, शब्दों का नहीं. कथनी के अनुसार जिसका आचरण है, उसके आचरण का प्रभाव श्रोताओं पर अवश्य पड़ता है, परन्तु जिसकी करनी उसकी कथनी के अनुसार नहीं है, उसके शब्द श्रोताओं के लिए रामरौला मात्र अथवा मनोरंजन की सामग्री होते हैं. इसी को लक्ष्य करके एक विद्वान् ने लिखा है कि "साधारण उपदेश तो हर गिरजे, हर मठ और हर मस्जिद में होते हैं, परन्तु उनका प्रभाव हम पर तभी पड़ता है, जब गिरजे का पादरी स्वयं ईसा होता है, मन्दिर का पुजारी स्वयं महर्षि होता है, मस्जिद का मुल्ला स्वयं पैगम्बर और रसूल होता है." परन्तु आचरण की सभ्यता तभी प्राप्त होती है, जब व्यक्ति उस ज्ञान को अपने व्यवहार में उतार दे, अन्यथा वह "पर उपदेश कुशल बहुतेरे" वाली बात चरितार्थ करता हुआ दिखाई देता है. आचार्य विनोबा भावे ने तो यहाँ तक कह दिया है कि "जिसने ज्ञान को आचरण में उतार लिया, उसने ईश्वर को ही मूर्तिमान कर लिया."

कुछ लोग समझते हैं कि अच्छाई का विपरीत बुरा या कुकर्म है, सदाचरण की प्राप्ति दुराचार को दूर करने से हो सकती है. आचरण की सभ्यता की प्राप्ति निर्दयता के परित्याग द्वारा सम्भव हो सकती है. यह मान्यता आंशिक रूप में ही सत्य है. मनुष्य ने अच्छा बनने के लिए निरन्तर संघर्ष किया है, लेकिन वह स्वभावतः अच्छा नहीं बन सका है. कारण स्पष्ट है–सद्गुण अथवा आचरण की सभ्यता का विकास स्वतंत्र वातावरण में स्वतंत्र रूप से होता है. जब तक संघर्ष या हिंसा जारी है, तब तक अच्छाई आ ही नहीं सकती है. हाँ, इतना अवश्य है कि बुराई के विरुद्ध संघर्षशील वातावरण में अच्छाई के समावेश के लिए कोई मार्ग निकल आता है.

हमारा व्यवहार किसी कर्म और उसके प्राप्त फल के सन्दर्भ में निश्चित किया जाता है. वह यदि बँधी-बँधाई लीक पर यंत्रवत् चलता है, तो निरर्थक है, क्योंकि उसमें संवेदनशीलता का अभाव होता है और वह सम्बन्ध-भावना से रहित होता है. इस प्रकार का व्यवहार, औपचारिकताओं की सीमाओं में आबद्ध हो जाता है और जरा-सा भी व्यवधान उत्पन्न होने पर उसका मुलम्मा उतर जाता है या बखिया उधड़ जाती है.

इस औपचारिकता के व्यवहार की पर्त बहुत हल्की होती है, जिसे हम Skin deep कहते हैं, जबकि आचरण की सभ्यता जीवन का अभिन्न अंग होती है और उसकी जड़ें हमारे अस्थि पंजर (Bone deep) तक पहुँचती हैं, सभ्य आचरण हमारे वास्तविक रूप को प्रकट करता है–हम दिखावे-भर के लिए सभ्य हैं अथवा वास्तव में, हृदय से सभ्य हैं. इसी आधार पर समाज हमारी सभ्यता के स्तर को निर्धारित करता है और स्वयं हम भी अपने असली रूप को जान जाते हैं. हिन्दी के उपन्यास सम्राट प्रेमचंद ने कहा है कि "आचरण एक शीशे के समान है, जिसमें प्रत्येक मानव अपना प्रतिबिम्ब दिखाता है." हम स्वयं भले ही अपने को धोखा देते रहें, परन्तु समाज धोखा नहीं खाता है, वह हमारे आचरण के आधार पर तुरन्त हमारा सांस्कृतिक स्तर निर्धारित कर लेता है, क्योंकि हमारे साथ हमारी पारिवारिक मान्यताएं प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी रहती हैं. मनोविज्ञान के विद्वान् हमारे व्यवहार एवं हमारी प्रतिक्रियाओं के आधार पर ही हमारे व्यक्तित्व का विश्लेषण प्रस्तुत करते हैं. अतः महत्वपूर्ण यह नहीं है कि हम क्या कहते हैं, महत्वपूर्ण है यह कि हम क्या करते हैं ?

अपने आचरण का स्वतंत्रतापूर्वक निर्धारण करने के लिए हमें मनुस्मृति एवं चीन के दार्शनिक कन्फ्यूशियस के इस कथन को ध्यान में रखना चाहिए– दूसरों का जो आचरण तुमको पसन्द नहीं है, वैसा आचरण दूसरों के प्रति मत करो, आप यह तथ्य कभी न भूलें कि सभ्यता का आचरण यंत्रवत् नहीं होता है. अपने लिए उपयुक्त सभ्य आचरण का निर्धारण एवं विकास आपको स्वयं करना होगा.

सभ्य आचरण की भाषा सदा मौन रहती है. सभ्य व्यक्ति अपने आचरण द्वारा सभ्यता को मूर्तिमंत करता है. नम्रता, दया, प्रेम और उदारता आदि गुण सभ्याचरण की भाषा के मौन व्याख्यान हैं. इस प्रकार का मौन व्याख्यान रूपी आचरण व्यक्ति पर स्थायी प्रभाव डालता है. "जीवन के अरण्य में घुसे हुए पुरुष के हृदय पर प्रकृति और मनुष्य के जीवन के मौन व्याख्यानों के यत्न से, सुनार के छोटे हथौड़े की मन्द-मन्द चोटों की तरह आचरण का रूप प्रत्यक्ष होता है." आचरण वाले नयनों का मौन व्याख्यान केवल यह है–सब कुछ अच्छा है, सब कुछ भला है.

अमरीका के प्रसिद्ध दार्शनिक एवं साहित्यकार इमर्सन का यह कथन हमारा मार्गदर्शक होना चाहिए–"सुन्दर आचरण सुन्दर देह से अच्छा है, मूर्ति और चित्र की अपेक्षा यह अधिक उच्चकोटि का आनन्द प्रदान करता है. वह सभी कलाओं से श्रेष्ठ कला है." हम इस कला को आत्मसात करने का प्रयत्न करें. ●●●

राष्ट्रीय घटनाक्रम

- सतह से सतह पर मार करने वाली अग्नि-V मिसाइल का सफल परीक्षण
- एरियन-5 रॉकेट के जरिए भारत में निर्मित सबसे भारी उपग्रह जीसैट-11 का प्रक्षेपण
- जीएसएलवी-एफ 11 के जरिए जीसैट-7ए का प्रक्षेपण
- लंदन की अदालत के प्रत्यर्पण आदेश के विरुद्ध उच्च न्यायालय में अपील का विजय माल्या का इरादा
- देश के सबसे लम्बे रेल-रोड पुल–बोगीबील का लोकार्पण
- भारत के सबसे लम्बे 10 पुल
- विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली 100 महिलाओं की वर्ष 2018 की फोर्ब्स सूची में भारत की चार महिलाएँ
- विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली 100 महिलाओं में भारत की चार महिलाएँ
- जम्मू-कश्मीर में अब राष्ट्रपति शासन
- गगनयान मिशन हेतु ₹ 10 हजार करोड़ स्वीकृत
- खालिस्तान लिबरेशन फोर्स पर प्रतिबन्ध
- छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश व राजस्थान में कांग्रेस सरकारें, जबकि मिजोरम में कांग्रेस ने सत्ता गवांई
- अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह के तीन द्वीपों को नए नाम : रॉस द्वीप अब हुआ नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वीप
- संक्षिप्तकी

सतह से सतह पर मार करने वाली अग्नि-V मिसाइल का सफल परीक्षण

भारत ने परमाणु क्षमतायुक्त अग्नि-V मिसाइल का एक और सफल परीक्षण, जो कि इसका सातवाँ परीक्षण था, 10 दिसम्बर, 2018 को किया. सतह से सतह (Surface to Surface) पर लम्बी दूरी तक मार करने वाली इस मिसाइल का यह परीक्षण सेना की सामरिक बल कमान (Strategic Force Command—SFC) द्वारा रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) के वैज्ञानिकों की देखरेख में ओडिशा के तट के निकट डॉ. अब्दुल कलाम द्वीप पर एक मोबाइल लांचर से किया गया. इस मिसाइल का विकास रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा ही किया गया है.

5000 किमी से भी अधिक रेंज की यह मिसाइल अग्नि शृंखला की अन्य सभी मिसाइलों की तुलना में अधिक उन्नत है.

इस शृंखला की अन्य मिसाइलों में अग्नि-I की मारक क्षमता 750–1200 किमी, अग्नि-II की 2000–2500 किमी, अग्नि-III की 3000–3500 किमी तथा अग्नि-IV की मारक क्षमता 3000–4000 किमी बताई जाती है. अग्नि-V का 10 दिसम्बर, 2018 का यह परीक्षण इस मिसाइल का सातवाँ सफल परीक्षण है. इसका पहला परीक्षण 19 अप्रैल, 2012 को किया डॉ. अब्दुल कलाम द्वीप (तत्कालीन नाम व्हीलर द्वीप) स्थित इसी एकीकृत परीक्षण रेंज से किया गया था. दूसरा परीक्षण 15 सितम्बर, 2013 को, तीसरा 31 जनवरी, 2015 को, चौथा 26 दिसम्बर, 2016 को, पाँचवाँ परीक्षण 18 जनवरी, 2018 को तथा पिछला छठा परीक्षण 3 जून, 2018 को किया गया था. इस प्रकार 10 दिसम्बर, 2018 का इसका परीक्षण इस मिसाइल का वर्ष 2018 में किया गया. तीसरा परीक्षण था. **यह परीक्षण सेना की सामरिक बल कमान द्वारा किया गया. इससे यह संकेत मिलता है कि यह मिसाइल अब शीघ्र ही सेना को सौंपी जा सकती है.**

अग्नि शृंखला की सभी पाँचों मिसाइलें परमाणु शक्ति सम्पन्न हैं. इनमें अग्नि-I, अग्नि-II व अग्नि-III सेना को सौंपी जा चुकी हैं, जबकि अग्नि-IV व अग्नि-V अभी परीक्षणों के दौर में हैं.

एरियन-5 रॉकेट के जरिए भारत में निर्मित सबसे भारी उपग्रह जीसैट-11 का प्रक्षेपण

वर्ष 2018 के दिसम्बर माह में दो महत्वपूर्ण संचार उपग्रहों–जीसैट-11 व जीसैट-7ए को पृथ्वी की भूस्थैतिक कक्षा में इसरो ने स्थापित किया. इनमें जीसैट-11 **देश में निर्मित अब तक का सबसे भारी उपग्रह है. 5854 किग्रा वजन वाले इस उपग्रह का प्रक्षेपण यूरोप की एरियन स्पेस कम्पनी के एरियन 5 VA-रॉकेट के जरिए फ्रेंच गुयाना के कौरू (Kourou) स्थित प्रक्षेपण केन्द्र से** 5 दिसम्बर, 2018 को **किया गया.** (अत्यधिक वजन वाले संचार उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए यूरोप की इस एजेंसी के साथ 'इसरो' का अनुबन्ध है,) जबकि कम वजन वाले उपग्रहों का प्रक्षेपण अब श्रीहरिकोटा से ही जीएसएलवी के जरिए किया जाने लगा है. जीएसएलवी-एमके III रॉकेट के जरिए 4000 किग्रा से कम वजन वाले उपग्रहों का प्रक्षेपण किया जा सकता है.

जीसैट-11 का यह प्रक्षेपण मूलतः 25 मई, 2018 को किया जाना था, किन्तु जीसैट-6ए के मार्च 2018 के प्रक्षेपण की विफलता के पश्चात् कुछ जाँचों के लिए 'इसरो' ने जीसैट-11 को कौरू से वापस मँगा लिया था. कू (Ku) बैंड व का (Ka) बैंड के कुल 40 यूजर बीमायुक्त इस उपग्रह का प्रक्षेपण 5 दिसम्बर, 2018 को जिस **एरियन-5** रॉकेट द्वारा किया गया, उसकी इस उड़ान द्वारा कोरिया के मौसम विज्ञान से सम्बन्धित उपग्रह **जियो कॉम्पसैट-2ए** (GEO–KOMPSAT) को भी भूसम-स्थानिक कक्षा में स्थापित किया गया. भू-समस्थानिक कक्षा में स्थापना के साथ ही जीसैट-11 नियंत्रण कर्नाटक में हासन (Hassan) स्थित मास्टर कन्ट्रोल फैसिलिटी (MCF) ने अपने हाथों में ले लिया, जहाँ से इसके प्रोपल्शन सिस्टम में फायर करके चार चरणों में इसका कक्षा (Orbit) को बढ़ाया गया तथा 10 दिसम्बर को इसे 36000 किमी ऊँची भूस्थैतिक कक्षा (Geo Stationary Orbit–GSO) में इसके लिए निर्धारित स्थान पर इसे पहुँचा दिया गया. जीसैट-11 देशभर में ब्रॉडबैंड सेवाओं को गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. इसका जीवनकाल 15 वर्ष अनुमानित है.

जीएसएलवी-एफ 11 के जरिए जीसैट-7ए का प्रक्षेपण

जीसैट-11 के प्रक्षेपण के दो सप्ताह पश्चात् ही एक अन्य संचार उपग्रह जीसैट-

भारत 2018

- भारत के सौवें उपग्रह के सफल प्रक्षेपण के साथ इसरो ने एक और मील का पत्थर पार किया, 12 जनवरी
- उच्चतम न्यायालय ने सख्त दिशानिर्देशों के साथ इच्छा मृत्यु को मंजूरी दी, सर्वोच्च अदालत ने कहा कि इंसान को सम्मान के साथ मरने का हक है, 9 मार्च
- असम में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के प्रारूप से लगभग 40 लाख निवासियों के नाम बाहर, निर्वासन के भय से विरोध प्रदर्शन, 30 जुलाई
- केरल में पिछले सौ साल की सबसे विनाशकारी बाढ़, करीब 500 लोगों की मौत और हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति नष्ट, अगस्त
- 12 साल से कम उम्र की लड़कियों के साथ बलात्कार के दोषी के लिए मृत्युदंड के प्रावधान वाला विधेयक संसद में पारित, 6 अगस्त
- उच्चतम न्यायालय ने भारतीय दंड संहिता की धारा 377 को खारिज करके समलैंगिकता को अपराध के दायरे से बाहर किया, 6 सितंबर
- उच्चतम न्यायालय ने केरल के सबरीमाला मंदिर में सभी आयुवर्ग की महिलाओं को प्रवेश का अधिकार दिया. परंपराओं के तहत् माहवारी की उम्र वाली लड़कियों और महिलाओं के मंदिर में प्रवेश पर रोक थी, 28 सितंबर
- उच्चतम न्यायालय ने ऐतिहासिक फैसले में विवाहेतर संबंध को अपराध मानने वाले ब्रितानी–शासन से कायम कानून को खारिज किया, 27 सितंबर
- अमृतसर के पास रेलवे लाइन के समीप दशहरा के मौके पर रावण दहन कार्यक्रम देख रहे लोगों को ट्रेन ने कुचला, हादसे में 61 लोगों की मौत और 70 के अधिक घायल, 19 अक्टूबर
- कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को 1984 के सिख दंगों में भूमिका के लिए उम्रकैद की सजा; पहले एक और दोषी को फांसी की सजा सुनाई गयी थी, 17 दिसंबर

राजनीतिक परिदृश्य

जम्मू और कश्मीर
- पीडीपी की मेहबूबा मुफ्ती ने बीजेपी के गठबंधन से नाता टूटने के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया, 19 जून; राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने राज्य विधानसभा भंग की, 21 नवंबर

दिल्ली
- राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने लाभ के पद के मामले में आम आदमी पार्टी के 27 विधायकों को अयोग्य ठहराने वाली याचिका खारिज की, 25 अक्टूबर

राजस्थान
- विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने बीजेपी से सत्ता छीनी, अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, 17 दिसंबर

मध्य प्रदेश
- विधानसभा चुनावों में बीजेपी के साथ कांटे के मुकाबले में चुनाव जीत कर कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनी; कमलनाथ ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, 17 दिसंबर

कर्नाटक
- जेडी (एस) के एच.डी. कुमारस्वामी ने कांग्रेस के समर्थन से सरकार बनाकर मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, जबकि बीजेपी राज्य के विधानसभा चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी, 23 मई

बिहार
- राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव को चारा घोटाले के दो अलग-अलग मामलों में 5 और 14 वर्ष की कैद, 24 जनवरी / 24 मार्च

मेघालय
- विधानसभा चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी कांग्रेस को बीजेपी ने जोड़-तोड़ करके सरकार बनाने से रोका, एनपीपी के कोनराड संगमा नए मुख्यमंत्री बने, 5 मार्च

त्रिपुरा
- दो दशकों तक सीपीएम का किला रहे राज्य में बीजेपी ने विधानसभा चुनावों में जीत हासिल की. सीपीएम की माणिक सरकार का शासन खत्म कर बिप्लब कुमार देब मुख्यमंत्री बने, 9 मार्च

नगालैंड
- चुनावों के बाद एनडीपीपी के नेफियू रियो ने बीजेपी के समर्थन से चौथे कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, 8 मार्च

मिजोरम
- विधानसभा चुनावों में एमएनएफ को बड़ी जीत; कांग्रेस के ललथनहवला के स्थान पर जोरामथांगा नए मुख्यमंत्री बने, 15 दिसंबर

छत्तीसगढ़
- कांग्रेस को विधानसभा चुनावों में भारी बहुमत मिला जिससे बीजेपी के 15 साल के शासन का अंत हुआ, भूपेश बघेल मुख्यमंत्री बने, 17 दिसंबर

तेलंगाना
- टीआरएस को विधानसभा चुनावों में बड़ी जीत मिली, के. चंद्रशेखर राव दूसरी बार मुख्यमंत्री बने, 13 दिसंबर

आंध्र प्रदेश
- चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली टीडीपी ने आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा नहीं देने के कारण केन्द्र में एनडीए सरकार से समर्थन वापस लिया

खेल

एशियाई खेल:
- भारत 15 स्वर्ण, 24 रजत और 30 कांस्य पदक के साथ आठवें स्थान पर रहा

एथलेटिसम:
- हिमा दास ने 2018 के अंडर-20 विश्व चैम्पियनशिप में 400 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण जीता

बैडमिंटन:
- पीवी सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल जीता

बिलियर्ड्स:
- पंकज आडवाणी ने आईबीएसएफ विश्व चैंपियनशिप के लंबे और छोटे दोनों प्रारूपों में जीत हासिल करके अपने विश्व खिताबों की संख्या बढ़ाकर 21 कर ली

बॉक्सिंग:
- एम.सी. मैरी कॉम ने रिकॉर्ड छठा विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण पदक जीता

राष्ट्रमंडल खेल:
- भारत 26 स्वर्ण, 20 रजत और 20 कांस्य पदक जीतकर तीसरे स्थान पर रहा

क्रिकेट:
- सर. डॉन ब्रैडमैन के बाद विराट कोहली सबसे तेज 25 टेस्ट शतक बनाने वाले खिलाड़ी तथा एक साल में दक्षिण अफ्रीका, इंगलैंड और आस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच जीतने वाले पहले भारतीय कप्तान बने

गोल्फ:
- शुभंकर शर्मा ने यूरोप की मेबैंक चैम्पियनशिप जीती; एशियाई टूर ऑर्डर ऑफ मेरिट जीतने वाले सबसे युवा भारतीय गोल्फर बने

फुटबॉल:
- भारत ने 2011 के बाद पहली बार एएफसी एशियन कप के लिए क्वालिफाई किया

जिम्नास्टिक:
- अरुणा बी रेड्डी ने 2018 के विश्व कप जिम्नास्टिक में कांस्य पदक जीता; दीपा करमाकर ने एफआईजी आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स विश्व चैलेंज कप में स्वर्ण पदक जीता

निशानेबाजी:
- किशोर उम्र के खिलाड़ी मनु भाकर, अनीश भानवाल और सौरभ चौधरी ने आईएसएसएफ के पदक जीते

कुश्ती:
- बजरंग पुनिया (61 किलो) और पूजा ढांडा (57 किलो) ने विश्व चैम्पियनशिप में रजत और कांस्य पदक जीता

जो नहीं रहे

- मशहूर सरोद वादक बुद्धदेव दास गुप्ता, 15 जनवरी ■ बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री श्रीदेवी, 24 फरवरी ■ कांची मठ के प्रमुख शंकराचार्य श्री जयेन्द्र सरस्वती, 28 फरवरी ■ विकलांग अधिकारों के लिए संघर्षशील रहे सामाजिक कार्यकर्ता जावेद आबिदी, 4 मार्च ■ प्रसिद्ध सूफी गायक प्यारेलाल वडाली, 9 मार्च ■ द्रमुक नेता और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि, 7 अगस्त ■ वरिष्ठ वामपंथी नेता और पूर्व लोक सभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी, 13 अगस्त ■ पूर्व क्रिकेट कप्तान अजीत वाडेकर, 15 अगस्त ■ पूर्व प्रधानमंत्री और बीजेपी के दिग्गज नेता अटल बिहारी वाजपेयी, 16 अगस्त ■ वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और पूर्व मंत्री गुरुदास कामत, 22 अगस्त ■ विख्यात पत्रकार और पूर्व राजनयिक, कुलदीप नैयर, 23 अगस्त ■ वरिष्ठ कांग्रेसी नेता नारायण दत्त तिवारी, 20 अक्टूबर ■ दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी के प्रमुख नेता मदन लाल खुराना, 28 अक्टूबर ■ केन्द्रीय मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता अनंत कुमार, 12 नवंबर

KBK Infographics

7ए का प्रक्षेपण 'इसरो' ने 19 दिसम्बर, 2018 को किया. यह प्रक्षेपण देश में ही विकसित जीएसएलबी–एफ-11 रॉकेट के जरिए श्री हरिकोटा (आन्ध्र प्रदेश) स्थित सतीश धवन अन्तरिक्ष केन्द्र से किया गया. इस केन्द्र से उड़ान भरने के 19 मिनट पश्चात् ही इस रॉकेट ने जीसैट-7ए को भू-समस्थानिक कक्षा (Geosynchronous Transfer Orbit–GTO) में स्थापित कर दिया. जहाँ से इसका नियंत्रण हासन (कर्नाटक) स्थित **मास्टर कन्ट्रोल फैसिलिटी** (MCF) ने अपने हाथों में ले लिया. उपग्रह की लिक्विड आपोजी मोटर (LAM) में फायरिंग करके इसे अगले चार दिन में पृथ्वी की वृत्ताकार भू स्थैतिक कक्षा Geo Stationary Orbit–GSO) में इसके लिए निर्धारित स्थान पर एमसीएफ द्वारा पहुँचा दिया गया. जीसैट-7ए के सफल प्रक्षेपण को इसरो की एक बड़ी उपलब्धि इसरो चेयरमैन डॉ. के. सिवन ने बताया है.

2250 किग्रा वजन का जीसैट-7ए स्वदेशी क्रायोजेनिक चरण युक्त जीएसएलवी द्वारा प्रक्षेपित अब तक का सबसे भारी उपग्रह है. वैसे इसरो द्वारा निर्मित सबसे भारी उपग्रह जीसैट-11 है.

- *नवम्बर-दिसम्बर 2018 में 35 दिनों के भीतर तीन उपग्रह प्रक्षेपण मिशन इसरो द्वारा श्री हरिकोटा से सम्पन्न किए गए हैं. इनमें 14 नवम्बर, 2018 को जीएसएलवी-एमके III डी-2 के जरिए जीसैट-29 का प्रक्षेपण, 29 नवम्बर, 2018 को पीएसएलवी-सी 43 के जरिए 380 किग्रा के अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट हाइसिस (Hysis) व 30 अन्य छोटे उपग्रहों का प्रक्षेपण तथा 19 दिसम्बर, 2018 को जीएसएलवी-एफ 11 के जरिए 2250 किग्रा वजन के जीसैट-7ए. का प्रक्षेपण शामिल है.*

  इनके अतिरिक्त इसरो के संचार उपग्रह जीसैट-11 का प्रक्षेपण यूरोपियन स्पेस एजेंसी के एरियन स्पेस रॉकेट द्वारा कौरू (फ्रेंच गुयाना) से 5 दिसम्बर, 2018 को किया गया है.
- *जीसैट-7ए का 19 दिसम्बर, 2018 का प्रक्षेपण सतीश 'धवन' अन्तरिक्ष केन्द्र से इसरो का वर्ष 2018 का सातवाँ मिशन है.*
- *जीएसएलवी-एफ 11 की 19 दिसम्बर, 2018 की उड़ान स्वदेश निर्मित इस रॉकेट की 13वीं उड़ान थी, जबकि स्वदेशी क्रायोजेनिक चरण के साथ इसकी यह सातवीं उड़ान थी.*
- ***जीसैट-7ए का प्रक्षेपण 'इसरो' का वर्ष 2018 का अन्तिम प्रक्षेपण मिशन है.***
- *जीसैट- 29 का जीवनकाल 10 वर्ष, जीसैट-11 का 15 वर्ष तथा जीसैट-7ए का जीवन-काल 8 वर्ष अनुमानित है.*

ENGLISH
FOR
UPSC, PCS, SSC, PO, JUDICIARY, CDS etc.
Batch Starts Every Month
by Mrs. Annie
UNCOMPARABLE IN ENGLISH LANGUAGE TEACHING
ASCENT STUDY CIRCLE PVT. LTD.
202, A-40/41, Ansal Building (near UCO Bank), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-9
011-27654594

- *विजय माल्या को भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम-2018 के तहत् भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने के लिए भी प्रवर्त्तन निदेशालय (ED) ने एक याचिका मुम्बई की मनी लाउंड्रिंग मामलों की विशेष अदालत में दायर की हुई है. इस पर फैसला 5 जनवरी, 2019 को सुनाए जाने की सम्भावना है. अदालत द्वारा इस फैसले में माल्या को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किए जाने पर प्रवर्त्तन निदेशालय को माल्य की सम्पत्तियाँ जब्त करने का अधिकार मिल जाएगा.*

विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली 100 महिलाओं की वर्ष 2018 की फोर्ब्स सूची में भारत की चार महिलाएँ

अमरीकी पत्रिका फोर्ब्स (Forbes) द्वारा विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली 100 महिलाओं (Most Powerful Women) की सूची वर्ष 2004 से प्रतिवर्ष जारी की जाती रही है. इस सूची के लिए 6 विभिन्न श्रेणियों में शक्तिशाली महिलाओं का चिह्नांकन किया जाता है. इनमें सम्पन्नता, व्यापार, लाइफ-स्टाइल (मनोरंजन व फैशन सहित), मीडिया, नॉन प्रॉफिट व पॉलिटिक्स शामिल हैं. वर्ष 2018 की ऐसी सूची जो इस शृंखला में फोर्ब्स की 15वीं वार्षिक सूची है, दिसम्बर 2018 में जारी की गई. इसमें भारत की चार महिलाओं को ही स्थान प्राप्त हुआ है. इनमें आई टी क्षेत्र की कम्पनी एचसीएल की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) रोशनी नडार मल्होत्रा 51वें स्थान पर, बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र की कम्पनी बायोकॉन की संस्थापक किरण मजूमदार शॉ (60वें स्थान पर), एचटी मीडिया की शोभना भरतिया (88वें स्थान पर) तथा बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा (94वें स्थान पर) शामिल हैं. फोर्ब्स की वर्ष 2017 की ऐसी सूची में इन चार के अतिरिक्त आईसीआईसीआई बैंक की तत्कालीन प्रबंध निदेशक चंदा कोचर को भी स्थान प्राप्त हुआ था, किन्तु इस वर्ष उनका नाम फोर्ब्स की इस सूची में शामिल नहीं है–

- *विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली महिलाओं की फोर्ब्स की वर्ष 2018 की इस सूची में शीर्ष स्थान जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल (Angela Merkel) का है विगत 15 वर्षों में 13 बार इस सूची में शीर्ष स्थान मर्केल का रहा है तथा इस वर्ष यह लगातार आठवाँ वर्ष है, जब फोर्ब्स की इस इस सूची में शीर्ष स्थान उन्हें दिया गया है, जबकि ब्रिटेन की प्रधानमंत्री टेरीजा में लगातार दूसरे वर्ष इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं. वर्ष 2018 की फोर्ब्स की इस सूची में तीसरा स्थान अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की प्रबन्ध निदेशक क्रिस्टीन लगार्ड (Christine Lagarde) का, चौथा जनरल मोटर्स की सीईओ मैरी बार्रा (Mary Barra) का व पाँचवाँ स्थान फिडेलिटी इन्वेस्टमेंट्स की सीईओ अबिगेल जॉनसन (Abigail Johnson) का है.*
- सूची में शामिल अन्य महिलाओं में न्यूजीलैण्ड की प्रधानमंत्री जेसिंडा आर्डेन (Jacinda Arden), ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ-II, सर्बिया की प्रधानमंत्री एना बर्नाबिक (Ana Bernabic), इथियोपिया की राष्ट्रपति ज़ेवडे साहले-वर्क (Zewde Sahle-Work) आदि भी शामिल हैं.
- विभिन्न क्षेत्रों की 20 महिलाओं ने इस वर्ष फोर्ब्स की वर्ष 2018 की इस सूची में पहली बार स्थान प्राप्त किया है. इनमें 23 ग्राण्ड स्लैम खिताबों व 4 ओलम्पिक स्वर्ण पदक विजेता सेरेना विलियम्स (अमरीका) भी शामिल हैं. 37 वर्षीय सेरेना विलियम्स इस सूची में स्थान पाने वाली एकमात्र खिलाड़ी हैं तथा उन्हें इस वर्ष की सूची में 79वाँ स्थान दिया गया है.

फोर्ब्स की वर्ष 2018 की सूची में विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली 10 महिलाएँ

क्रमांक	नाम	क्षेत्र
1.	एंजेला मर्केल (जर्मनी)	जर्मनी की चांसलर
2.	टेरीजा मे (ब्रिटेन)	ब्रिटेन की प्रधानमंत्री
3.	क्रिस्टीन लगार्ड (फ्रांस)	आईएमएफ की प्रबन्ध निदेशक
4.	मैरी बर्रा (अमरीका)	जनरल मोटर्स की सीईओ
5.	एबिगेल जॉनसन (अमरीका)	इन्वेस्टमेंट फर्म फिडेलिती इन्वेस्टमेंट की सीईओ
6.	मेलिंडा गेट्स (अमरीका)	बिल एण्ड मेलिंडा गेट्स फाउण्डेशन की सह संस्थापक
7.	सुसन बोजसिक्की (अमरीकी)	यू ट्यूब की सीईओ
8.	एना पैट्रासिया बोटिन (स्पेन)	स्पेन के वाणिज्यिक बैंक बैंकों सैन टैंडर की एक्जी-क्यूटिव चेयरपर्सन
9.	मैरिलिन ह्यूसन (अमरीका)	लॉकहीड मार्टिन की अध्यक्ष एवं सीईओ
10.	गिन्नी रोमेटी (अमरीका)	आईबीएम की सीईओ

Read Upkar's Books For

N.D.A./C.D.S. EXAMINATIONS

Including Previous Years' Solved Papers

Upkar N.D.A. Exam. (By : Dr. H.P. Sharma & Yash Srivastava)	499/-	उपकार एन. डी. ए. सॉल्वड् पेपर्स	225/-
Upkar N.D.A. Exam. (By : Jain & Gupta)	375/-	उपकार एन.डी.ए. परीक्षा (सम्पादक मण्डल : प्रतियोगिता दर्पण)	555/-
Upkar N. D. A. Exam. (By : Editorial Board Competition Science Vision)	570/-	उपकार सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा (लेखद्वय : जैन एवं किशोर)	390/-
Upkar N. D. A. Solved Papers	210/-	Upkar C.D.S. Exam. (By : Jain & Kishore)	340/-
Upkar Practice Work Book N. D. A. Exam.	260/-	Upkar C.D.S. Mathematics	180/-
उपकार एन. डी. ए. परीक्षा (लेखद्वय : जैन एवं गुप्ता)	450/-	Upkar C.D.S. Solved Papers	225/-
उपकार प्रैक्टिस वर्क बुक एन. डी. ए. परीक्षा	255/-		

UPKAR PRAKASHAN ☎ Agra 2530966 ● E-mail : care@upkar.in ● Website : www.upkar.in

विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली 100 महिलाओं में भारत की चार महिलाएं

रोशनी नडार मल्होत्रा

रोशनी नडार मल्होत्रा

37 वर्षीय रोशनी नडार मल्होत्रा एचसीएल के संस्थापक चेयरमैन शिव नडार की इकलौती संतान हैं. वह आई टी क्षेत्र की इस मल्टीनेशनल कम्पनी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं. वर्ष 2010 में शिखर मल्होत्रा के साथ उनका विवाह हुआ था. शिखर मल्होत्रा एचसीएल के वाइस चेयरमैन हैं.

किरण मजूमदार शॉ

65 वर्षीय किरण मजूमदार शॉ (Kiran Mazumdar-Shaw) बायो टेक्नोलॉजी क्षेत्र की बेंगलूरू स्थित कम्पनी बायोकॉन की चेयरपर्सन हैं. वह बेंगलूरू स्थित इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (IIM) की चेयरपर्सन भी हैं. फोर्ब्स ने वर्ष की सर्वाधिक शक्तिशाली महिलाओं की वर्ष 2014, 2015, 2016 व 2017 की सूची में भी स्थान उन्हें प्रदान किया था. टाइम पत्रिका ने भी विश्व की सर्वाधिक प्रभावशाली 100 महिलाओं की वर्ष 2010 की अपनी सूची में उन्हें स्थान प्रदान किया था. ***उद्योग व्यापार जगत के अनेक पुरस्कारों से वह सम्मानित किरण मजूदार शॉ को भारत सरकार ने पद्म श्री (1989) व पद्म भूषण (2005) से सम्मानित किया है.***

किरण मजूमदार शॉ

शोभना भरतिया

शोभना भरतिया

61 वर्षीय शोभना भरतिया देश के प्रसिद्ध उद्यमी कृष्ण कुमार बिड़ला की पुत्री व घनश्याम दास बिड़ला की पौत्री हैं. वह बिड़ला परिवार द्वारा स्थापित हिन्दुस्तान टाइम्स समाचार-पत्र समूह की चेयरपर्सन हैं एवं फार्मास्यूटिकल क्षेत्र की अग्रणी कम्पनी ज्यूबिलैंट लाइफ साइंसेज के चेयरमैन श्याम सुन्दर भारतीय की पत्नी हैं. 2005 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया था. 2006-2012 के दौरान राज्य सभा की मनोनीत सदस्य वह रही थीं.

प्रियंका चोपड़ा

बॉलीवुड की अत्यधिक सफल अभिनेत्री एवं निर्माता प्रियंका चोपड़ा वर्ष 2000 में विश्व सुन्दरी रह चुकी हैं. सिने जगत के अनेक पुरस्कारों की विजेता प्रियंका चोपड़ा यूनीसेफ की सद्भावना राजदूत रह चुकी हैं. उन्हें प्राप्त फिल्म जगत के अनेक पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार (2008 में फैशन के लिए) शामिल है. 2016 में पद्मश्री से उन्हें सम्मानित किया गया था. 36 वर्षीय प्रियंक चोपड़ा ने हाल ही में, उम्र में अपने से 10 वर्ष छोटे अमरीकी गायक एवं अभिनेता निक जोनास (Nick Jonas) के साथ विवाह 1 दिसम्बर, 2018 को किया है.

प्रियंका चोपड़ा

जम्मू-कश्मीर में अब राष्ट्रपति शासन

6 माह से राज्यपाल शासन के अधीन चल रहे जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन 20 दिसम्बर, 2018 से लागू किया गया है. प्रदेश में किसी भी दल अथवा गठबंधन को सरकार बनाने की स्थिति में न पाने पर तत्कालीन राज्यपाल एन.एन. वोहरा की संस्तुति पर विधान सभा को निलम्बित रखते हुए राज्यपाल शासन 20 जून, 2018 से लागू किया गया था. इसी दौरान मौजूदा राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने 21 नवम्बर, 2018 को विधान सभा भंग कर दी थी, जिससे राज्य में राष्ट्रपति शासन के लिए मार्ग वहाँ प्रशस्त हो गया था. राज्य के संविधान के अनुच्छेद 92 के तहत् राज्यपाल शासन की अधिकतम 6 माह ही हो सकती है. यह अवधि 19 दिसम्बर, 2018 को समाप्त हो रही थी. इसी के चलते राज्य में राष्ट्रपति शासन की संस्तुति राज्यपाल मलिक द्वारा की गई थी. तदुनुरूप केन्द्रीय मंत्रिमंडल के अनुमोदन पर राष्ट्रपति ने इसके लिए मंजूरी 19 दिसम्बर को प्रदान की. 22 वर्ष के अन्तराल के पश्चात् राष्ट्रपति शासन वहाँ लागू किया गया है.

गगनयान मिशन हेतु ₹ 10 हजार करोड़ स्वीकृत

स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगाँठ (2022) से पूर्व ही अन्तरिक्ष में मानवयुक्त गगनयान भेजने की सरकार की योजना है. इस मिशन के तहत् तीन भारतीय अन्तरिक्ष यात्री सात दिन तक लगभग 400 किमी की ऊँचाई पर पृथ्वी की परिक्रमा करेंगे. इससे भारत अन्तरिक्ष में मानव मिशन भेजने वाला अमरीका, रूस व चीन के बाद चौथा देश हो जाएगा. मिशन के लिए ₹ 10 हजार करोड़ के बजट को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की 28 दिसम्बर, 2018 की बैठक में मंजूरी दी गई है.

- *इस मिशन के लिए जीएसएलवी-एमके-III के जरिए क्रू मॉड्यूल (Crew Module) का सफल परीक्षण 'इसरो' ने 18 दिसम्बर, 2014 को किया था. तीन अन्तरिक्ष यात्रियों को ले जाने में सक्षम इस क्रू मॉड्यूल को अन्तरिक्ष में ले जाकर वापस पृथ्वी पर लाने में सफलता इसरो के इस परीक्षण के तहत् प्राप्त की गई थी. इसे बंगाल की खाड़ी में सुरक्षित उतारने के लिए 31 मीटर व्यास के पैराशूट का इस्तेमाल किया गया था.*

खालिस्तान लिबरेशन फोर्स पर प्रतिबन्ध

केन्द्र सरकार ने मुख्यतः पंजाब में सक्रिय खालिस्तानी लिबरेशन फोर्स (KLF) को आतंकी संगठन घोषित करते हुए इस पर प्रतिबन्ध दिसम्बर 2018 में आरोपित किया है. गृह मंत्रालय द्वारा इस आशय की अधिसूचना 26 दिसम्बर, 2018 को जारी की गई. इसमें कहा गया है कि निर्दोष लोगों एवं पुलिस अधिकारियों की हत्या, नागरिक ठिकानों पर बमबारी, आतंकी गतिविधियाँ चलाने के लिए फिरौती हेतु अपहरण व बैंक डकैती आदि के मामलों में लिप्तता तथा ऐसे मामलों में पाकिस्तान के इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (ISI) की सहायता की जानकारियाँ प्राप्त होने पर गैर कानूनी गतिविधियाँ प्रतिबन्ध अधिनियम (Unlawful Activities Prevention Act–UAPA), 1967 की धारा 7 के तहत् इस संगठन को प्रतिबन्धित किया गया है. आतंकी घटनाओं के पीछे इस संगठन का हाथ पाए जाने की रिपोर्टों पर इसे प्रतिबन्धित करने की संस्तुति नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) ने की थी.

- *हिंसा के जरिए पंजाब को भारत से अलग कर पृथक् खालिस्तान राष्ट्र के गठन के लिए खालिस्तान लिबरेशन फोर्स का गठन 1986 में हुआ था तथा यह पहला ही अवसर है, जब इस पर प्रतिबन्ध गृह मंत्रालय द्वारा आरोपित किया गया है.*
- *खालिस्तान लिबरेशन फोर्स को प्रतिबन्धित किए जाने से गैर कानूनी गतिविधियाँ प्रतिबन्ध अधिनियम के तहत् प्रतिबन्धित संगठनों की संख्या अब 40 हो गई है. इनमें बब्बर खालसा इंटरनेशनल, खालिस्तान कमाण्डो फोर्स, खालिस्तान जिन्दाबाद फोर्स व इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन शामिल हैं.*

गैर कानूनी गतिविधियाँ प्रतिबन्ध अधिनियम के तहत् प्रतिबन्धित अन्य संगठनों में अखिल भारतीय नेपाली एकता समाज, ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स, अल कायदा, अल उमर मुजाहिदीन, इण्डियन मुजाहिदीन, जैश-ए-मोहम्मद, जम्मू एण्ड कश्मीर इस्लामिक फ्रंट, लश्कर-ए-तयैबा, लिबरेशन, टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (LTTE), मणिपुर पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ऑफ मणिपुर, नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा, स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इण्डिया (SIMI) व यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (ULFA) आदि शामिल हैं.

छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश व राजस्थान में कांग्रेस सरकारें, जबकि मिजोरम में कांग्रेस ने सत्ता गवांई

छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश व राजस्थान में नवम्बर-दिसम्बर 2018 में सम्पन्न विधान सभाई चुनावों में भारी सफलता कांग्रेस ने प्राप्त की है तथा इन राज्यों में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार को अपदस्थ कर सरकारों का गठन उसने किया है. राजस्थान में 5 वर्ष से, मध्य प्रदेश में 15 वर्ष से तथा छत्तीसगढ़ में 15 वर्ष से भाजपा की सरकारें थीं. इन तीनों ही राज्यों में कांग्रेस ने नई सरकारों का गठन किया है. दक्षिण के तेलंगाना तथा पूर्वोत्तर के मिजोरम में भी चुनाव इन तीनों राज्यों के साथ ही कराए गए थे. इनमें मिजोरम में सत्ता परिवर्तन जहाँ हुआ है तथा 10 वर्षों से सत्तारूढ़ कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई है, जबकि तेलंगाना में के. चन्द्रशेखर राव (KCR) के नेतृत्व वाली तेलंगाना राष्ट्र समिति ने सत्ता पर अपना कब्जा बरकरार रखा है. इन पाँच राज्यों में मध्य प्रदेश व मिजोरम में मतदान एक ही चरण में 28 नवम्बर को सम्पन्न कराया गया था, जबकि छत्तीसगढ़ में मतदान दो चरणों में 12 व 20 नवम्बर को तथा तेलंगाना व राजस्थान में एक-एक चरण में क्रमशः 7-7 दिसम्बर को कराया गया था.

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री

रविशंकर शुक्ल (कांग्रेस) 1 नवंबर 1956 से 31 दिसंबर 1956	श्यामाचरण शुक्ल (कांग्रेस) 23 दिसंबर 1975 से 29 अप्रैल 1977	सुंदरलाल पटवा (बीजेपी) 5 मार्च 1990 से 15 दिसंबर 1992
भगवंतराव मण्डलोई (कांग्रेस) 1 जनवरी 1957 से 30 जनवरी 1957	राष्ट्रपति शासन 30 अप्रैल 1977 से 25 जून 1977	राष्ट्रपति शासन 16 दिसंबर 1992 से 6 दिसंबर 1993
कैलाशनाथ काटजू (कांग्रेस) 31 जनवरी 1957 से 14 अप्रैल 1957	कैलाश जोशी (जनता पार्टी) 26 जून 1977 से 17 जनवरी 1978	दिग्विजय सिंह (कांग्रेस) 7 दिसंबर 1993 से 1 दिसंबर 1998
कैलाशनाथ काटजू (कांग्रेस) 15 अप्रैल 1957 से 11 मार्च 1962	वीरेन्द्र सखलेचा (जनता पार्टी) 18 जनवरी 1978 से 19 जनवरी 1980	दिग्विजय सिंह (कांग्रेस) 1 दिसंबर 1998 से 8 दिसंबर 2003
भगवंतराव मण्डलोई (कांग्रेस) 12 मार्च 1962 से 29 सितंबर 1963	सुंदरलाल पटवा (जनता पार्टी) 20 जनवरी 1980 से 17 फरवरी 1980	उमा भारती (बीजेपी) 8 दिसंबर 2003 से 23 अगस्त 2004
द्वारिका प्रसाद मिश्र (कांग्रेस) 30 सितंबर 1963 से 8 मार्च 1967	राष्ट्रपति शासन 18 फरवरी 1980 से 8 जून 1980	बाबूलाल गौर (बीजेपी) 23 अगस्त 2004 से 29 नवंबर 2005
द्वारिका प्रसाद मिश्र (कांग्रेस) 9 मार्च 1967 से 29 जुलाई 1967	अर्जुन सिंह (कांग्रेस) 9 जून 1980 से 10 मार्च 1985	शिवराज सिंह चौहान (बीजेपी) 29 नवंबर 2005 से 11 दिसंबर 2008
गोविन्द नारायण सिंह (एसवीडी) 30 जुलाई 1967 से 12 मार्च 1969	अर्जुन सिंह (कांग्रेस) 11 मार्च 1985 से 12 मार्च 1985	शिवराज सिंह चौहान (बीजेपी) 12 दिसंबर 2008 से 12 दिसंबर 2013
राजा नरेशचंद्र सिंह (एसवीडी) 13 मार्च 1969 से 25 मार्च 1969	मोतीलाल वोरा (कांग्रेस) 13 मार्च 1985 से 13 फरवरी 1988	शिवराज सिंह चौहान (बीजेपी) 12 दिसंबर 2013 से 17 दिसंबर 2018
श्यामाचरण शुक्ल (कांग्रेस) 26 मार्च 1969 से 28 जनवरी 1972	अर्जुन सिंह (कांग्रेस) 14 फरवरी 1988 से 24 जनवरी 1989	**कमलनाथ** (कांग्रेस) 17 दिसंबर 2018 को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली
प्रकाश चन्द्र सेठी (कांग्रेस) 29 जनवरी 1972 से 22 मार्च 1972	मोतीलाल वोरा (कांग्रेस) 25 जनवरी 1989 से 8 दिसंबर 1989	
प्रकाश चन्द्र सेठी (कांग्रेस) 23 मार्च 1972 से 22 दिसंबर 1975	श्यामाचरण शुक्ल (कांग्रेस) 9 दिसंबर 1989 से 4 मार्च 1990	

KBKInfographics

छत्तीसगढ के मुख्यमंत्री

अजीत जोगी
(कांग्रेस)
1 नवंबर 2000 से
7 दिसंबर 2003

रमन सिंह
(बीजेपी)
7 दिसंबर 2003 से
17 दिसंबर 2018

भूपेश बघेल
(कांग्रेस)
17 दिसंबर 2018 को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली

KBK

लगातार दूसरे कार्यकाल हेतु तेलंगाना के मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करते हुए के. चन्द्रशेखर राव.

राजस्थान के मुख्यमंत्री

हीरा लाल शास्त्री (कांग्रेस) 7 अप्रैल 1949 से 5 जनवरी 1951	मोहन लाल सुखदिआ (कांग्रेस) 26 अप्रैल 1967 से 9 जुलाई 1971	हरि देव जोशी (कांग्रेस) 4 दिसंबर 1989 से 4 मार्च 1990
सीएस वेंकटाचारी (कांग्रेस) 6 जनवरी 1951 से 25 अप्रैल 1951	बरकतुल्ला खान (कांग्रेस) 9 जुलाई 1971 से 11 अक्टूबर 1973	भैरोसिंह शेखावत (बीजेपी) 4 मार्च 1990 से 15 दिसंबर 1992
जय नारायण व्यास (कांग्रेस) 26 अप्रैल 1951 से 3 मार्च 1952	हरि देव जोशी (कांग्रेस) 11 अक्टूबर 1973 से 29 अप्रैल 1977	राष्ट्रपति शासन 15 दिसंबर 1992 से 4 दिसंबर 1993
टीकाराम पालीवाल (कांग्रेस) 3 मार्च 1952 से 31 अक्टूबर 1952	राष्ट्रपति शासन 29 अप्रैल 1977 से 22 जून 1977	भैरोसिंह शेखावत (बीजेपी) 4 दिसंबर 1993 से 1 दिसंबर 1998
जय नारायण व्यास (कांग्रेस) 1 नवंबर 1952 से 12 नवंबर 1954	नैरोसिंह शेखावत (जनता पार्टी) 22 जून 1977 से 16 फरवरी 1980	अशोक गहलोत (कांग्रेस) 1 दिसंबर 1998 से 8 दिसंबर 2003
मोहन लाल सुखदिआ (कांग्रेस) 13 नवंबर 1954 से 11 अप्रैल 1957	राष्ट्रपति शासन 16 फरवरी 1980 से 6 जून 1980	वसुंधरा राजे (बीजेपी) 8 दिसंबर 2003 से 13 दिसंबर 2008
मोहन लाल सुखदिआ (कांग्रेस) 11 अप्रैल 1957 से 11 मार्च 1962	जगन्नाथ पहाड़िया (कांग्रेस) 6 जून 1980 से 13 जुलाई 1981	अशोक गहलोत (कांग्रेस) 13 दिसंबर 2008 से 13 दिसंबर 2013
मोहन लाल सुखदिआ (कांग्रेस) 12 मार्च 1962 से 13 मार्च 1967	शिव चरण माथुर (कांग्रेस) 14 जुलाई 1981 से 23 फरवरी 1985	वसुंधरा राजे (बीजेपी) 13 दिसंबर 2013 से 13 दिसंबर 2018
राष्ट्रपति शासन 13 मार्च 1967 से 26 अप्रैल 1967	हीरा लाल देवपुरा (कांग्रेस) 23 फरवरी 1985 से 10 मार्च 1985	**अशोक गहलोत** (कांग्रेस) 17 दिसंबर 2018 को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली
	हरि देव जोशी (कांग्रेस) 10 मार्च 1985 से 20 जनवरी 1988	
	शिव चरण माथुर (कांग्रेस) 20 जनवरी 1988 से 4 दिसंबर 1989	

KBKInfographics

तेलंगाना में मुख्यमंत्री राव ने निर्धारित समय से नौ माह पूर्व, सितम्बर 2018 में ही

विधान सभा भंग करा दी थी, जिससे निर्धारित समय से पूर्व ही चुनाव वहाँ कराए गए थे. मुख्यमंत्री के.सी.आर. का यह दाव काफी सफल रहा. 119 सदस्यीय विधान सभा में 88 सीटें ताजा चुनाव में उनकी पार्टी ने जीतीं, जबकि पिछले जून 2014 के चुनाव में 119 में से 63 सीटें जीतकर ही सरकार का गठन उन्होंने किया था. **इस प्रकार समय पूर्व कराए गए इस चुनाव में 25 सीटों का फायदा उन्हें हुआ**. मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की सीटों की संख्या 21 से घटकर 19 जहाँ रह गई, वहीं तेलुगुदेशम पार्टी की सीटें 15 से घट कर 2 ही इस बार रह गईं. इन परिणामों के चलते के. चन्द्रशेखर राव ही मुख्यमंत्री वहाँ बने रहे हैं. अपने इस लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए 13 दिसम्बर को शपथ उन्होंने ग्रहण की. हैदराबाद में राजभवन के उद्यान में आयोजित

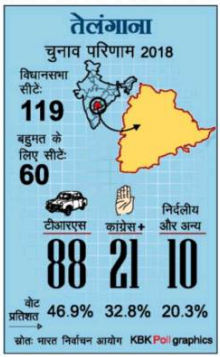

तेलंगाना विधान सभा में दल गत स्थिति

	2014	2018
तेलंगाना राष्ट्र समिति (TRS)	63	88
कांग्रेस	21	19
तेलुगुदेशम पार्टी (TDP)	15	2
भारतीय जनता पार्टी	5	1
ऑल इण्डिया मजलिस-ए-इत्तिहादुल मुस्लिमीन (AIMIM)	7	7
बसपा	2	—
भाकपा	1	—
माकपा	1	—
फॉरवर्ड ब्लॉक	—	1
वाईएसआर कांग्रेस	3	—
निर्दलीय	1	1
योग	**119**	**119**

समारोह में राज्यपाल ईएसएल नरसिम्हन ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई. उनके नेतृत्व वाली उनकी पहली सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे मोहम्मद महमूद अली ने भी उनके साथ ही कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की. अपनी मंत्रिपरिषद् का विस्तार उन्होंने बाद में किया है. 62 वर्षीय के.सी.आर. 2 जून, 2014 को गठित देश के इस 29वें राज्य के पहले ही मुख्यमंत्री हैं.

मिजोरम की 40 सदस्यीय विधान सभा में पूर्व मुख्यमंत्री जोराम थांगा (Zoramthanga) के नेतृत्व वाले मिजो नेशनल फ्रंट (MNF) ने 26 सीटों पर विजय दर्ज कर 10 वर्षों से सत्तारूढ़ कांग्रेस को सत्ता से बाहर किया है. इससे पूर्व 2008 के चुनाव में 40 में से 34 सीटों पर तथा पिछले 2013 के चुनाव में 34 सीटों पर विजय दर्ज कर कांग्रेस ने सरकार का गठन वहाँ किया था, जबकि मिजो नेशनल फ्रंट को 2008 में 3 व 2013 में 5 सीटों पर विजय प्राप्त हुई थी. 10 वर्षों से सत्तारूढ़ रही कांग्रेस को दिसम्बर 2018 के चुनाव में 5 सीटें ही प्राप्त हुई हैं. निवर्तमान कांग्रेसी मुख्यमंत्री ललथन हवला ने दो सीटों से चुनाव लड़ा था. वह दोनों ही सीटों पर पराजित हुए. ताजा चुनावों में पहली बार एक सीट भारतीय जनता पार्टी को भी इस प्रदेश में प्राप्त हुई है,

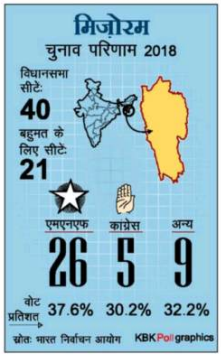

मिजोरम : विधान सभा में दल गत स्थिति

	2013	2018
मिजो नेशनल फ्रंट (MNF)	5	26
कांग्रेस	34	5
जोराम पीपुल्स मूवमेन्ट	—	8
भारतीय जनता पार्टी	—	1
अन्य	1	—
योग	**40**	**40**

जबकि 8 सीटों पर जोराम पीपुल्स मूवमेन्ट के उम्मीदवार विजयी रहे हैं.

मिजोरम में मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करते हुए जोराम थांगा 10 वर्ष पश्चात् पुनः मुख्यमंत्री बने.

चुनाव के इन परिणामों के चलते एम.एन.एफ. नेता जोराम थांगा ही नए मुख्यमंत्री वहाँ बने हैं. 15 दिसम्बर को राजधानी ऐजॉल (Aizawl) में राज्यपाल के. राजशेखरन ने पद एवं गोपनीयता की शपथ उन्हें दिलाई. उनके साथ 11 अन्य मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण की. इनमें पाँच कैबिनेट मंत्री व 6 राज्य मंत्री हैं. **84 वर्षीय जोराम थांगा तीसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं. वह इससे पूर्व 1998-2008 के दौरान 10 वर्ष तक इस प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके हैं. उनके नेतृत्व में मिजोरम में सरकार के गठन से पूर्वोत्तर के किसी भी राज्य में अब कांग्रेस सरकार नहीं बची है.**

छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ की 90 सदस्यीय विधान सभा के लिए मतदान दो चरणों में 12 व

मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करते भूपेश बघेल

20 नवम्बर, 2018 को कराया गया था. (91 सीटों वाली विधान सभा में एक सीट मनोनीत सदस्य के लिए है) **इनमें 68 सीटों पर विजय दर्ज कर कांग्रेस ने 15 वर्षों से सत्तारूढ़ भाजपा को सत्ता से बाहर किया है.** भारतीय जनता पार्टी जिसने पिछले 2013 के चुनाव में 49 सीटें जीत कर सरकार का गठन किया था, को 15 सीटों पर ही विजय इस बार प्राप्त हुई.भाजपा सरकार के लगभग 10 मंत्री इस बार विधान सभा में पहुँचने में असफल रह हैं. **पिछले चुनाव में 39 सीटों पर ही विजयी रही कांग्रेस ने दो-तिहाई बहुमत इस बार प्राप्त किया है.** पूर्व कांग्रेसी नेता व पूर्व मुख्यमंत्री अजित जोगी की नवगठित जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (JCC) ने पाँच सीटों पर विजय इस चुनाव

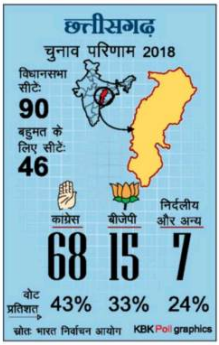

छत्तीसगढ़ दलगत स्थिति

	2013	2018
कांग्रेस	39	68
भाजपा	49	15
जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़	—	5
बसपा	1	2
अन्य	1	—
योग	90	90

में दर्ज की, जबकि बहुजन समाज पार्टी, जिसे एक ही सीट पिछले चुनाव में प्राप्त हुई थी, की सीटों की संख्या बढ़कर दो इस बार हो गई है.

छत्तीसगढ़ में 15 वर्ष के अन्तराल के पश्चात् स्पष्ट बहुमत हासिल करने वाली कांग्रेस में सरकार के नेतृत्व का मुद्दा अति विवादास्पद रहा. मुख्यमंत्री पद हेतु चार प्रमुख दावेदार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेश बघेल, निवर्तमान नेता प्रतिपक्ष टीएस सिंह देव, पार्टी के चुनाव प्रचार अभियान समिति के अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत तथा कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य एवं सांसद ताम्रध्वज साहू आदि मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार थे. लगभग एक सप्ताह की कशमकश के पश्चात् भूपेश बघेल को विधायक दल का नेता अन्ततः चुना गया. 57 वर्षीय भूपेश बघेल को प्रदेश के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने रायपुर में 17 दिसम्बर को ग्रहण कराई. मुख्यमंत्री पद के दो अन्य दावेदारों टीएस सिंह देव व ताम्रध्वज साहू ने कैबिनेट मंत्री के रूप में उनके साथ ही शपथ ग्रहण की. मंत्रिपरिषद् का विस्तार श्री बघेल ने बाद में किया है. **प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेश बघेल दुर्ग जिले के पाटन निर्वाचन क्षेत्र से विधान सभा के लिए निर्वाचित हैं.**

मध्य प्रदेश में सत्ता के लिए कांटे का संघर्ष इस चुनाव में रहा. विधान सभा की

मध्य प्रदेश के नवनियुक्त मुख्यमंत्री कमलनाथ

230 चुनावी सीटों के लिए मतदान एक ही चरण में 28 नवम्बर, 2018 को सम्पन्न हुआ. (प्रदेश की 231 सदस्यीय विधान सभा में एक सीट मनोनीत सदस्य के लिए आरक्षित है) इनमें 114 सीटों पर विजय दर्ज कर कांग्रेस ने 15 वर्षों से सत्तारूढ़ भाजपा को सत्ता से बाहर किया है. पिछले 2013 के चुनाव में 58 सीट ही कांग्रेस को प्राप्त थी. पिछले चुनाव में 165 सीटों के साथ सरकार गठित करने वाली भाजपा की सीटों की संख्या 109 इस बार रही है. ताजा चुनाव में एक सीट समाजवादी पार्टी को भी प्राप्त हुई है, जबकि बहुजन समाज पार्टी की सीटों की संख्या 4 से घट कर 2 रह गई है.

विभिन्न दलों की उपर्युक्त स्थिति के चलते कांग्रेस ने नई सरकार का गठन वहाँ किया है. **छिंदवाड़ा से सांसद कमलनाथ, जिन्हें छह माह पूर्व ही प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया था, के अतिरिक्त ग्वालियर के शाही सिंधिया परिवार के**

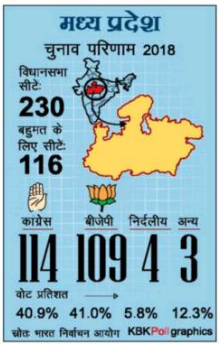

दलगत स्थिति

	2013	2018
कांग्रेस	58	114
भाजपा	165	109
बसपा	4	2
समाजवादी पार्टी	–	1
निर्दलीय	3	4
योग	**230**	**230**

ज्योतिरादित्य सिंधिया मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार थे. अन्ततः सहमति कमलनाथ के पक्ष में बनी. 9 बार छिंदवाड़ा से लोक सभा सदस्य रहे 72 वर्षीय कमलनाथ को राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने 17 दिसम्बर को भोपाल में मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई. अपनी मंत्रिपरिषद् का गठन उन्होंने बाद में किया है.

राजस्थान

राजस्थान विधान सभा की 200 चुनावी सीटों में से 199 सीटों के लिए ही मतदान 7 दिसम्बर, 2018 को कराया गया था. (बसपा प्रत्याशी के निधन के कारण सीट पर मतदान वहाँ स्थगित कर दिया गया था.) विगत पाँच वर्षों से सत्तारूढ़ भाजपा

को करारी पराजय का सामना इस चुनाव में करना पड़ा. पिछले 2013 के चुनाव में 162 सीटों पर विजय दर्ज कर तीन-चौथाई बहुमत भाजपा ने प्राप्त किया था, जबकि इस चुनाव में 73 सीटें ही उसे प्राप्त हो सकीं तथा **99 सीटों पर विजयी रही कांग्रेस ने नई सरकार का गठन वहाँ 17 दिसम्बर को किया है. इस प्रकार राजस्थान में हर पाँच वर्ष बाद सत्ता परिवर्तन की 1993 से चल रही परम्परा इस चुनाव में भी बरकरार रही है.**

दिसम्बर 2018 के चुनावों में 6 सीटें बहुजन समाज पार्टी को प्राप्त हुई हैं. पिछले 2013 के चुनावों में उसकी सीटों की संख्या 3 ही थी. माकपा की सीटों की संख्या 2 पर ही बरकरार रही है. नवगठित राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को 3 व भारतीय ट्राइबल पार्टी

(BTB) को 2 सीटें इस चुनाव में प्राप्त हुई हैं, जबकि 13 सीटें निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीती हैं.

राजस्थान विधान सभा में दल गत स्थिति

	2013	2018
कांग्रेस	21	99
भाजपा	163	73
बसपा	3	6
माकपा	–	2
राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी	—	3
भारतीय ट्राइबल पार्टी	—	2
राष्ट्रीय लोक दल	—	1
नेशनल पीपुल्स पार्टी	4	—
नेशनल यूनियनिस्ट जमींदार पार्टी	2	—
निर्दलीय	7	13
योग	**200**	**199***

* बसपा प्रत्याशी के निधन के कारण एक सीट (रामगढ़) पर मतदान स्थगित

चुनाव के इन परिणामों के चलते निवर्तमान मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे ने 11 दिसम्बर को ही त्याग पत्र दे दिया था तथा कांग्रेस ने नई सरकार का गठन वहाँ 17 दिसम्बर को किया है. मुख्यमंत्री पद के लिए दावेदारों में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट के अतिरिक्त अनुभवी नेता

अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह के तीन द्वीपों को नए नाम : रॉस द्वीप अब हुआ नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वीप

*अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह के तीन द्वीपों–रॉस द्वीप (Ross Island), नील द्वीप (Neil Island) व हैवलॉक द्वीप (Havelock Island) को नए नाम सरकार ने दिसम्बर 2018 में दिए हैं. इनके लिए नए नामों की घोषणा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 दिसम्बर, 2018 को, पोर्ट ब्लेयर में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वारा तिरंगा फहराए जाने की 75वीं वर्षगाँठ के अवसर पर पोर्ट ब्लेयर में ही की. नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के नाम पर ही रॉस द्वीप को अब नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वीप नाम दिया गया है, जबकि नील द्वीप को **शहीद द्वीप** तथा हैवलॉक द्वीप को **स्वराज द्वीप** नाम दिया गया है. द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अण्डमान-निकोबार पर जापानी सेना के कब्जे के पश्चात् 30 दिसम्बर, 1943 को वहाँ पहुँचे नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने ही वहाँ तिरंगा फहराते हुए अण्डमान व निकोबार का ही नाम बदल कर शहीद और स्वराज द्वीप करने की सलाह दी थी. पोर्ट ब्लेयर की अपनी इस यात्रा के दौरान एक समारोह में तिरंगा भी श्री मोदी ने फहराया तथा नेताजी की स्मृति में ₹ 75 का स्मारक सिक्का व डाक टिकट भी उन्होंने जारी किया.*

अशोक गहलोत आगे थे, जिनमें गहलोत का पलड़ा भारी रहा. उन्हें मुख्यमंत्री व सचिन पायलट को उपमुख्यमंत्री वहाँ बनाया गया है. 17 दिसम्बर को जयपुर में आयोजित समारोह में राज्यपाल कल्याण सिंह ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई. **67 वर्षीय अशोक गहलोत तीसरी बार राजस्थान के मुख्यमंत्री बने हैं**. वह इससे पूर्व 1998-2003 व 2008-2013 के दौरान मुख्यमंत्री रह चुके हैं. केन्द्र में श्रीमती इंदिरा गांधी, राजीव गांधी व पीवी नरसिंह राव के नेतृत्व वाली सरकारों में भी वह मंत्री रहे थे. **उत्तर भारत के इन तीनों राज्यों, जहाँ कांग्रेस की सरकारें दिसम्बर 2018 में बनी हैं, में मुख्यमंत्रियों व अन्य मंत्रियों के चयन में पार्टी अध्यक्ष श्री राहुल गांधी की विशेष भूमिका रही है.**

शेष पृष्ठ 31 पर

अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

- करों के बोझ व रहन-सहन की लागत में वृद्धि के विरोध में फ्रांस में पीली जैकेट (येलो वैस्ट) आन्दोलन
- नासा का 'ओसिरिस-रेक्स' यान बेन्नु एस्टेरॉयड के निकट पहुँचा (एस्टेरॉयड सैम्पल रिटर्न मिशन)
- 100 रुपए से अधिक मूल्य की भारतीय करेंसी पर नेपाल में रोक
- आयरलैण्ड में गर्भपात की अनुमति हेतु विधेयक पारित
- कतर ने ओपेक की सदस्यता छोड़ी
- राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की म्यांमार यात्रा
- 2018 के दौरान राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की विदेश यात्राएं
- मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह की भारत यात्रा
- भूटान के प्रधानमंत्री लोटे शेरिंग की भारत यात्रा
- श्रीलंका में रानिल विक्रमसिंघे पुनः प्रधानमंत्री बने
- संक्षिप्तकी

करों के बोझ व रहन-सहन की लागत में वृद्धि के विरोध में फ्रांस में पीली जैकेट (येलो वैस्ट) आन्दोलन

फ्रांस में राष्ट्रपति इमैन्युएल मैक्रों (Emmanuel Macron) की नीतियों के

येलो वैस्ट मूवमेंट को समाप्त करने के लिए राष्ट्र को सम्बोधित करते हुए फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैन्युएल मैक्रों.

विरुद्ध सुलग रहे असन्तोष ने व्यापक एवं उग्र रूप नवम्बर 2018 में ले लिया. पहले ही महँगाई व करों का बोझ महसूस कर रहे लोगों, विशेषतः कामगारों व पेंशनभोगियों में सुलग रहे असन्तोष में उग्रता, ईंधन कर (Fuel Tax) में 1 जनवरी, 2019 से वृद्धि की सरकार की घोषणा से आई. सरकारी नीतियों के विरुद्ध हस्ताक्षर अभियान से शुरू हुआ यह आन्दोलन 17 नवम्बर, 2018 से व्यापक प्रदर्शनों में रूपान्तरित हो गया. ईंधन कर में वृद्धि के विरोध के साथ-साथ महँगाई के परिणामस्वरूप रहन-सहन की बढ़ती हुई लागतें भी आन्दोलन एवं प्रदर्शनों के मुद्दों में शामिल हो गईं. प्रदर्शनकारियों का यह भी मानना था कि सरकार की कर नीति का बोझ सम्पन्न लोगों की तुलना में निर्धनों पर ही अधिक पड़ रहा था. निरन्तर उग्र होते आन्दोलन एवं प्रदर्शनों व पुलिस के साथ आन्दोलनकारियों की हिंसक झड़पों में बड़ी संख्या में लोग घायल हुए एवं बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियाँ भी हुईं. पीले रंग की फ्लोरसेंट जैकेट (Yellow Vests) पहन कर किए जा रहा यह आन्दोलन येलो वेस्ट आन्दोलन नाम से प्रसिद्ध हुआ, जोकि फ्रांस में इस दशक का सबसे उग्र एवं भीषण आन्दोलन माना गया है. आन्दोलन को दबाने के लिए आपातकाल लागू करने पर भी विचार सरकार ने किया, किन्तु जनता के हिंसक विरोध को देखते हुए अपनी नीतियों पर यू टर्न सरकार को दिसम्बर 2018 में लेना पड़ा. ईंधन कर में 1 जनवरी, 2019 से की जाने वाली प्रस्तावित वृद्धि को छह महीने तक टालने के साथ-साथ गैस एवं विद्युत् की लागत में वृद्धि के इरादे को भी तीन माह तक टालने की घोषणा प्रधानमंत्री एडवर्ड फिलिप ने 4 दिसम्बर, 2018 को की. इन घोषणाओं से भी आन्दोलनकारियों के पूरी तरह सन्तुष्ट नहीं होने पर अन्ततः राष्ट्रपति मैक्रों ने इस मामले में अपनी चुप्पी 11 दिसम्बर, 2018 को तोड़ी. पेरिस स्थित राष्ट्रपति भवन एलीसी पैलेस (Elysee Palace) से 11 दिसम्बर को राष्ट्र के नाम अपने अत्यंत भावपूर्ण सम्बोधन में लोगों को हुई तकलीफों के लिए जिम्मेदारी स्वयं अपने ऊपर उन्होंने ली. संघर्षरत् कामगारों एवं पेंशनधारकों के लिए करों में व्यापक राहतों की घोषणा भी राष्ट्रपति मैक्रों ने अपने इस सम्बोधन में की. हिंसक प्रदर्शनों की निंदा भी उन्होंने अपने सम्बोधन में की, किन्तु साथ ही यह भी उन्होंने स्वीकार किया कि हो सकता है कि अपने शब्दों से लोगों का दिल उन्होंने दुखाया हो. कामगारों के न्यूनतम वेतन में सरकारी कोष से 100 यूरो की वृद्धि, ओवरटाइम काम पर लगने वाले कर को समाप्त करने तथा कामगारों के लिए करमुक्त बोनस की घोषणा भी राष्ट्रपति ने अपने इस सम्बोधन में की. इन घोषणाओं के पश्चात् फ्रांस में आन्दोलन फिलहाल कुछ शांत हुआ

विश्व 2018

जनवरी

20 तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने अमेरिका समर्थित कुर्दिश सेना के कब्जे वाले उत्तरी सीरिया के एक हिस्से को हासिल करने के लिए सैन्य कार्रवाई का आदेश दिया

20-22 अमेरिका में दूसरे देशों से आये बच्चों से संबंधित आव्रजन नीति पर उभरे विवाद के चलते संघीय सरकार में कामकाज ठप्प

31 पृथ्वी पर पूर्ण चंद्रग्रहण. इस दौरान चंद्रमा पृथ्वी से निकटतम दूरी पर था

फरवरी

8 भ्रष्टाचार के मामले में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को पांच वर्ष की जेल

9 दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के प्रतिनिधियों ने प्योंगचांग में आयोजित शीतकालीन ओलंपिक में एक ही झंडे के साथ मार्च किया

14 नौ वर्ष तक पद संभालने के बाद दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति जैकब जुमा ने भ्रष्टाचार के आरोपों की वजह से इस्तीफा दिया. सिरिल रामफोसा ने पद ग्रहण किया

मार्च

4 रूस के पूर्व जासूस सर्गेई स्क्रिपल और उनकी बेटी यूलिया की सेलिसबरी, इंगलैंड में ज़हर से मौत. संदेह की सुई रूस पर

11 चीन ने संवैधानिक व्यवस्था में बदलाव को मंजूरी देते हुए नेताओं के लिए कार्यकाल की अवधि की सीमा खत्म कर दी. इस बदलाव के तहत् शी जिनपिंग को 'जीवनपर्यंत राष्ट्रपति' का दर्जा हासिल हुआ

14 ब्लैक होल्स व रिलेटीविटी पर अपने काम से दुनिया भर में मशहूर वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग की कैम्ब्रिज में 76 वर्ष की आयु में मृत्यु

19 विश्व के एकमात्र उत्तरी श्वेत प्रजाति के नर गैंडे की केन्या में मौत

अप्रैल

8 सीरियाई सेना के 'रासायनिक हमले' में विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाके में 70 लोगों की मौत और सैकड़ों घायल

10 फेसबुक डाटा लीक विवाद में गवाही देने के लिए मार्क जुकरबर्ग अमेरिकी कांग्रेस के समक्ष पेश

18 सऊदी अरब में 1983 के बाद पहली बार सिनेमा घर खुले

27 किम जोंग-उन सीमा पार करके दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे-इन से मुलाकात करने वाले उत्तर कोरिया के पहले सर्वोच्च नेता

मई

7 व्लादिमीर पुतिन चौथी बार रूस के राष्ट्रपति बने

8 अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान परमाणु समझौते से किनारा करके ईरान पर नये प्रतिबंधों का मार्ग प्रशस्त किया

9 93 साल के महातिर मोहम्मद ने दूसरी बार मलेशियाई प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाला. अप्रत्याशित चुनावी जीत के बाद वह विश्व के सर्वाधिक उम्र वाले राष्ट्राध्यक्ष बने

19 ब्रिटेन के प्रिंस हैरी ने अमेरिका की पूर्व अभिनेत्री मेगन मर्केल के साथ शादी रचाई

25 आयरलैंड में एक जनमत संग्रह के दौरान गर्भपात पर लगा प्रतिबंध वापस लेने के पक्ष में भारी मतदान

जून

3 ग्वाटेमाला में फ्यूगो ज्वालामुखी फटने से 110 लोगों की मौत और सैकड़ों घायल

12 उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सिंगापुर में ऐतिहासिक बैठक

24 दशकों पुराने प्रतिबंध को हटाते हुए सऊदी अरब ने महिलाओं को वाहन चलाने की अनुमति दी

जुलाई

9 इरिट्रिया और इथियोपिया ने 20 साल पुराने टकराव को खत्म करने की आधिकारिक घोषणा की

10 थाईलैंड की एक गुफा में बाढ़ का पानी भरने की वजह से 17 दिनों से फंसे 12 बच्चों और उनके फुटबाल कोच को सफलतापूर्वक निकाला गया

15 रूस द्वारा फीफा विश्व कप की मेज़बानी; फ्रांस ने क्रोएशिया को फाइनल में हराकर 20 साल बाद खिताब जीता

23 ग्रीस में भीषण गर्मी की वजह से जंगल में लगी आग के कारण करीब 100 लोगों की मौत

अगस्त

2 एप्पल एक खरब डॉलर बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) वाली विश्व की पहली कंपनी बनी

14 इटली के जेनोवा शहर में तेज तूफान से मोरांडी पुल का 200 मीटर लंबा हिस्सा गिरा, हादसे में 43 लोगों की मौत

18 पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी इमरान खान हिंसा से प्रभावित चुनावों में जीत हासिल करके पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बने

24 स्कॉट मॉरिसन आस्ट्रेलिया में मैल्कम टर्नबुल के स्थान पर प्रधानमंत्री बने. मॉरिसन ने लिबरल पार्टी के नेता का चुनाव जीतकर ये पद हासिल किया

सितंबर

2 रियो डि जनेरो में ब्राज़ील का 200 साल पुराना नेशनल म्यूजियम आग में तबाह

28 7.5 की तीव्रता वाले भूकंप के कारण सुलावेसी, इंडोनेशिया में आई सुनामी में 2,200 से ज्यादा लोगों की मौत और 10,600 से ज्यादा घायल

अक्टूबर

2 सऊदी अरब के पत्रकार जमाल खशोगी की इस्तांबुल स्थित सऊदी दूतावास में हत्या. वह सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस के कटु आलोचक थे

15 संयुक्त राष्ट्र ने युद्ध से प्रभावित यमन में भुखमरी के हालात को देखते हुए सऊदी अरब के नेतृत्व में जारी हवाई हमलों को रोकने का आह्वान किया

26 श्रीलंका में यूनिटी सरकार का पतन. राष्ट्रपति मैत्रीपाल सिरिसेना ने रानिल विक्रमसिंघे के स्थान पर महिंदा राजपक्षे को प्रधानमंत्री नियुक्त किया

28 अपराध और भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के वादे के साथ चुनाव लड़ने वाले दक्षिणपंथी विचारधारा के जेयर बोलसोनारो ब्राजील के राष्ट्रपति निर्वाचित

नवंबर

6 अमेरिका के मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेट पार्टी ने हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में बहुमत हासिल किया, जबकि रिपब्लिकन पार्टी ने सीनेट में अपने बहुमत को मजबूत किया

8 अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत के जंगल में लगी भीषण आग से कई लोगों की मौत

16 दक्षिणी अटलांटिक में अर्जेन्टीना की पनडुब्बी का मलबा मिला. 44 कर्मियों के साथ यह पनडुब्बी एक साल पहले लापता हो गयी थी

25 रूस ने विवादित कर्च खाड़ी में यूक्रेन के तीन जहाजों को जब्त किया. इसके चलते यूक्रेन ने दो दिन बाद मार्शल लॉ का ऐलान किया

दिसंबर

1 महंगाई के खिलाफ 'येलो वेस्ट' विरोध प्रदर्शनों के हिंसक होने के कारण फ्रांस में अशांति

1 मेक्सिको में वामपंथी नेता एन्ड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्राडोर ने भारी मतों से चुनाव जीतने के बाद राष्ट्रपति पद की शपथ ली

13 ब्रिटिश प्रधानमंत्री थेरेसा मे ब्रेक्सिट सौदे पर यूरोपीय संघ के नेताओं के साथ संशोधन संबन्धी बातचीत में विफल

16 श्रीलंका में महिंदा राजपक्षे का इस्तीफा, अक्टूबर में सत्ता से बाहर किये गये रानिल विक्रमसिंघे फिर से प्रधानमंत्री बने

22 इंडोनेशिया में सुंदा खाड़ी से सटे शहरों में विनाशकारी सुनामी से 400 से अधिक लोगों की मौत

24 पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को सऊदी अरब में स्टील मिल के स्वामित्व से संबंधित भ्रष्टाचार मामले में सात साल कैद की सजा सुनाई गई

KBK Infographics

अंगोला, ईक्वेडोर इक्वेटोरियल गिनी, गैबॉन, ईरान, कुवैत, लीबिया, नाइजीरिया, कांगो, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात एवं वेनेजुएला शामिल हैं. इनमें पाँच देश मध्य पूर्व (एशिया) के, सात अफ्रीका के व दो देश दक्षिण अमरीका के हैं. इस संगठन की स्थापना मूलतः पाँच देशों (ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब एवं वेनेजुएला) के साथ 1960 में हुई थी.

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की म्यांमार यात्रा

भारत के राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने म्यांमार की सपत्नीक यात्रा 10–13 दिसम्बर, 2014 को की. रेल राज्य मंत्री श्री राजन गोहिल व दो सांसद राम प्रसाद शर्मा (लोक सभा) व के. भावनंदा सिंह (राज्य सभा) इस यात्रा पर उनके साथ गए राजनीतिक शिष्टमण्डल में शामिल थे. **12 वर्षों के अंतराल के पश्चात् किसी भारतीय राष्ट्रपति की इस देश की यह यात्रा थी. उनकी इस यात्रा से पूर्व मार्च 2006 में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने म्यांमार की यात्रा की थी.** मार्च 2018 में विन मिंट (Win Myint) के राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार सँभालने के पश्चात् किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष की भी म्यांमार की यह पहली यात्रा थी. **उनकी इस यात्रा से पूर्व प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सितम्बर 2017 में म्यांमार की यात्रा की थी, जबकि म्यांमार की स्टेट काउंसलर डॉ. आंग सान सू की (Dr. Aung San Suu Kyi) जनवरी 2018 में भारत आसियान स्मारक सम्मेलन में भागीदारी के लिए नई दिल्ली आई थीं.**

ने पी तॉ में राष्ट्रपति भवन में मेजबान राष्ट्रपति विन मिंट के साथ राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद.

पाँच दिन की अपनी इस यात्रा के लिए राष्ट्रपति कोविंद 10 दिसम्बर को ही सायं म्यांमार पहुँच गए थे, जहाँ राजधानी ने पी तॉ (Nay Pyi Taw) में उनका औपचारिक स्वागत 11 दिसम्बर को हुआ, जिसके बाद मेजबान राष्ट्रपति यू विन मिंट (U Win Myint) व स्टेट काउंसलर आंग सान सू की के साथ द्विपक्षीय महत्व के विभिन्न मुद्दों पर उनकी वार्ताएं हुईं. भारतीय पर्यटकों के लिए ने पी तॉ यांगून व मांडले (Mandalay) अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों पर आगमन पर वीज़ा (Visa-on-arrival) की घोषणा म्यांमार की ओर से वार्ता में की गई. **पारस्परिक महत्व के दो समझौतों/समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर वार्ताओं के पश्चात् सम्पन्न हुए. इनमें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र के समझौते के अतिरिक्त दूसरा समझौता न्यायाधीशों व न्यायिक अधिकारियों की क्षमता निर्माण से सम्बन्धित है.** म्यांमार के साथ सम्पन्न एक समझौते के तहत् भारत म्यांमार के राखिने (Rakhine) प्रांत में रोहिंग्या मुस्लिम अल्पसंख्यकों के लिए 250 आवासीय इकाइयों का निर्माण करवा रहा है. इनमें से पहली 50 इकाइयाँ सम्बन्धित अधिकारियों को राष्ट्रपति ने 11 दिसम्बर को सौंपी.

अपने सम्मान में मेजबान राष्ट्रपति मिंट द्वारा आयोजित भोज के अवसर पर राष्ट्रपति कोविंद ने अपने सम्बोधन में म्यांमार को दक्षिण पूर्व एशिया व आसियान के लिए एक 'नेचुरल ब्रिज' करार देते हुए कहा कि यह

भारत के अन्तिम मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर की म्यांमार स्थित मजार पर पुष्पांजलि अर्पित करते राष्ट्रपति कोविंद.

भारत की सीमा पर स्थित ऐसा देश है, जो भारत की 'एक्ट ईस्ट' व 'पड़ोसी पहले' (Neighbours First) दोनों ही नीतियों के लिए साझीदार है. म्यांमार की विकास योजनाओं में भारत की भागीदारी पर गर्व जताते हुए भारत-म्यांमार-थाइलैण्ड राजमार्ग परियोजना को आगे बढ़ाने का आह्वान भी उन्होंने किया.

अगले दिन ने पी तॉ में भारत की सहायता से स्थापित **एडवांस्ड सेंटर फॉर एग्रीकल्चरल रिसर्च एण्ड एज्यूकेशन** तथा **राइस बायो पार्क,** का अवलोकन राष्ट्रपति ने 12 दिसम्बर को किया, जिसके पश्चात् वह यांगून पहुँचे जहाँ शहीद स्मारक, जहाँ आंग सान सू की के पिता जनरल आंग सान की समाधि भी है, पर पुष्पांजलि उन्होंने अर्पित की तथा प्रसिद्ध श्वेडागॉन पैगोड़ा (Shwedagon Pagoda) का अवलोकन उन्होंने किया. आजाद हिन्द फौज के कुछ जीवित बचे सेनानियों से मुलाकात भी उन्होंने की. अगले दिन यांगून में काली मंदिर के अतिरिक्त भारत के अन्तिम मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर की मजार का अवलोकन उन्होंने किया. धम्मा जोति-वियासना ध्यान केन्द्र का अवलोकन तथा भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) द्वारा आयोजित 'एंटरप्राइज इंडिया' प्रदर्शनी का उद्घाटन 13 दिसम्बर के उनके अन्य कार्यक्रम थे. इन सबके पश्चात् 14 दिसम्बर को प्रातः ही राष्ट्रपति कोविंद स्वदेश रवाना हुए.

मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह की भारत यात्रा

अपने देश के उच्चस्तरीय शिष्टमंडल के साथ मालदीव गणराज्य के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह (Ibrahim Mohamed Solih) ने 16–18 दिसम्बर, 2018 को भारत की राजकीय यात्रा की. नवम्बर 2018 में ही राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार सँभालने के पश्चात् उनकी यह पहली ही विदेश यात्रा थी. उनकी पत्नी व मंत्रिपरिषद् के कई वरिष्ठ सदस्यों के अतिरिक्त एक व्यापारिक दल भी इस यात्रा पर उनके साथ आए शिष्टमंडल में शामिल था. एक महत्वपूर्ण शिष्टाचार के तहत् भारतीय राष्ट्रीय के विशेष अतिथि के रूप में नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में ही उन्हें ठहराया गया था. उनकी इस यात्रा से एक माह पूर्व राष्ट्रपति सोलिह ने शपथ ग्रहण समारोह में भागीदारी के लिए भारतीय

2018 के दौरान राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की विदेश यात्राएं

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की 10–13 दिसम्बर, 2018 की म्यांमार की यह यात्रा राष्ट्रपति के रूप में उनकी आठवीं विदेश यात्रा जहाँ थी, वर्ष 2018 में उनकी यह सातवीं अन्तिम विदेश यात्रा थी. राष्ट्रपति के रूप में उनकी सभी 8 विदेश यात्राएं निम्नलिखित रही हैं (2018 के अंत तक की स्थिति)–

क्रमांक	तिथि	यात्रा के गंतव्य राष्ट्र
I.	3–6 अक्टूबर, 2017	जिबूति व इथियोपिया
II.	11–15 मार्च, 2018	मॉरिशस व मैडागास्कर
III.	7–12 अप्रैल, 2018	इक्वेटोरियल गिनी, स्वाजीलैण्ड (एस्वातिनि व जाम्बिया)
IV.	16–24 जून, 2018	ग्रीस, सूरीनाम व क्यूबा
V.	2–9 सितम्बर, 2018	साइप्रस, बुल्गारिया व चैक गणराज्य
VI.	7–9 अक्टूबर, 2018	ताजिकिस्तान
VII.	18–24 नवम्बर, 2018	वियतनाम व आस्ट्रेलिया
VIII.	10–13 दिसम्बर, 2018	म्यांमार

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 17 नवम्बर, 2018 को एक दिन के लिए मालदीव गए थे.

मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह व उनकी पत्नी का राष्ट्रपति भवन में स्वागत

इस यात्रा के लिए 16 दिसम्बर को नई दिल्ली पहुँचने पर पालम हवाई हड्डे पर राष्ट्रपति सोलिह की अगवानी आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने की, जहाँ से उन्हें राष्ट्रपति भवन, जहाँ उन्हें ठहराया गया था, ले जाया गया. राष्ट्रपति भवन में ही गार्ड ऑफ ऑनर के साथ उनका औपचारिक स्वागत अगले दिन 17 दिसम्बर को हुआ. उसके पश्चात् राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि उन्होंने अर्पित की. उसी दिन दोपहर में हैदराबाद हाउस में भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता उनकी हुई जिससे पूर्व विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने उनसे राष्ट्रपति भवन में भेंट की. प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता के पश्चात् उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने भी मेहमान राष्ट्रपति से भेंट राष्ट्रपति भवन में ही की.

प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ हैदराबाद हाउस में अत्यंत सौहार्दपूर्ण एवं मैत्रीपूर्ण परिवेश में सम्पन्न वार्ता में दोनों देशों के आपसी सम्बन्धों को और अधिक मजबूत एवं पुष्ट बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को दोनों पक्षों ने दोहराया. भारत की पड़ोसी प्रथम (Neighbourhood First) की नीति के आलोक में मालदीव के सामाजिक आर्थिक विकास के लिए हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के भारत के आश्वासन को श्री मोदी ने दोहराया. इस सन्दर्भ में बजटीय सहायता, करेंसी स्वैप तथा रियायती लाइन ऑफ क्रेडिट के रूप में 1·4 अरब डॉलर तक की वित्तीय सहायता के प्रावधान की घोषणा उन्होंने की. मेहमान राष्ट्रपति ने भी अपनी सरकार की भारत-प्रथम नीति (India-First Policy) की पुष्टि करते हुए भारत के साथ घनिष्ठता से कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की. भारत द्वारा मालदीव को उपलब्ध कराई जा रही उदार सहायता की प्रशंसा उन्होंने की. हिन्द महासागर क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए आपसी सहयोग को सुदृढ़ बनाने पर सहमति दोनों पक्षों ने व्यक्त की. क्षेत्र के भीतर व अन्यत्र स्थानों पर आतंकवाद एवं संगठित अपराधों, समुद्री दस्युता, नशीले पदार्थों एवं मानवों के अवैध व्यापार आदि से निपटने के लिए सम्वर्धित सहयोग के लिए प्रतिबद्धता भी दोनों पक्षों ने व्यक्त की. द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश सम्बन्धों को बढ़ाने पर भी चर्चा वार्ता में हुई. संयुक्त राष्ट्र संघ में सुधार एवं विस्तृत सुरक्षा परिषद् में भारत की सदस्यता के दावे के प्रति मालदीव का समर्थन मेहमान राष्ट्रपति ने दोहराया. राष्ट्रमंडल में पुनः शामिल होने के मालदीव के निर्णय भारतीय तथा भारतीय सामुद्रिक रिम एसोसिएशन (Indian Ocean Rim Association) के नवीनतम सदस्य के रूप में मालदीव का भारतीय प्रधानमंत्री ने स्वागत किया.

पारस्परिक सहयोग के विभिन्न समझौतों/समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर द्विपक्षीय वार्ता के पश्चात् किए गए सांस्कृतिक सहयोग, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी में सहयोग तथा कृषि व्यवसाय के लिए पारिस्थिति (Ecosystem) को सुदृढ़ करने के अतिरिक्त बीजा व्यवस्थाओं से सम्बन्धित समझौते इनमें शामिल थे. बाद में उसी दिन भारत-मालदीव बिजनेस फोरम की बैठक को मालदीव के राष्ट्रपति ने नई दिल्ली में सम्बोधित किया.

मेजबान राष्ट्रपति के रात्रि भोज की मेजबानी राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में ही की. इस अवसर पर अपने सम्बोधन में श्री कोविंद ने इस बात पर हर्ष व्यक्त किया कि राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार सँभालने के पश्चात् श्री सोलिह ने अपनी पहली यात्रा भारत की ही की है. मालदीव सरकार की कार्य योजनाओं में भारत के सहयोग की घोषणा राष्ट्रपति कोविंद ने की. आतंकवाद व हिन्द महासागर क्षेत्र की अन्य विभिन्न समस्याओं से मिलकर निपटने का आह्वान राष्ट्रपति कोविंद ने भी इस अवसर पर किया.

18 दिसम्बर को मेजबान राष्ट्रपति का कार्यक्रम आगरा में ताजमहल के अवलोकन का था, जिसके बाद वह स्वदेश रवाना हुए.

भूटान के प्रधानमंत्री लोटे शेरिंग की भारत यात्रा

अपने मंत्रिमण्डल के वरिष्ठ सहयोगियों के साथ भूटान के प्रधानमंत्री डॉ. लोटे शेरिंग (Lotay Tshering) ने तीन दिन की भारत की आधिकारिक यात्रा 27-29 दिसम्बर, 2018 को की. **वर्ष 2018 में किसी विदेशी शासन प्रमुख की भारत की यह अंतिम यात्रा थी.** भारत व भूटान के राजनयिक सम्बन्धों की स्वर्ण जयंती वर्ष में यह सम्पन्न की गई थी. **डॉ. लोटे शेरिंग ने प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार नवम्बर 2018 में ही सँभाला था तथा यह कार्यभार संभालने के पश्चात् उनकी यह पहली ही विदेश यात्रा थी. चार वर्ष पूर्व भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार सँभालने के पश्चात् नरेन्द्र मोदी ने भी अपनी पहली विदेश यात्रा भूटान की ही थी.**

तीन दिन की इस यात्रा के लिए भूटानी प्रधानमंत्री 27 दिसम्बर को नई दिल्ली पहुँच गए थे. भारत के विदेश सचिव विजय गोखले ने उनसे भेंट ताजमहल होटल, जहाँ उन्हें ठहराया गया था, में की. राष्ट्रपति भवन में उनका औपचारिक स्वागत 28 दिसम्बर को प्रातः हुआ, जिसके पश्चात् राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि उन्होंने अर्पित की. द्विपक्षीय एवं पारस्परिक महत्व के अन्य मुद्दों पर मेजबान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी वार्ता उसी दिन हैदराबाद हाउस में सम्पन्न हुई. उससे पूर्व विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने ताजमहल होटल में उनसे भेंट की. भारतीय प्रधानमंत्री के साथ उनकी वार्ता के पश्चात् भारत के वित्त मंत्री श्री अरुण जेटली, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री सुरेश प्रभु तथा विद्युत् एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री राजकुमार सिंह ने

भी उनसे अलग-अलग वार्ताएं ताजमहल होटल में ही कीं.

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ भूटान के प्रधानमंत्री डॉ. लोटे शेरिंग

भूटान के विकास की विभिन्न योजनाओं व उनमें भारत के सहयोग पर चर्चाएं इन वार्ताओं में मुख्यतः हुईं. मेजबान प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ विस्तृत वार्ता में अपने 'Narrowing the Gap' विजन से मेहमान प्रधानमंत्री ने अवगत कराया. भूटान में शीघ्र ही RuPay Card लांच करने के इरादे से भी उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री को अवगत कराया. श्री मोदी ने मेजबान प्रधानमंत्री को आश्वस्त किया कि भूटान के विकास में भारत हमेशा की तरह एक भरोसेमंद मित्र एवं साझेदार की भूमिका निभाएगा. भूटान की 12वीं पंचवर्षीय योजना में भारत की ₹ 5500 करोड़ की मदद की घोषणा श्री मोदी ने इस अवसर पर की. इस योगदान की भूटान की आवश्यकताओं व प्राथमिकताओं के अनुरूप उन्होंने बताया. भारत के सहयोग से भूटान में चल रही परियोजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा वार्ता में हुई. इनमें मान्गदेछू (Mangdechhu) व अन्य जलविद्युत् परियोजनाएं शामिल हैं. 720 मेगावाट की मान्गदेछू परियोजना पर काम शीघ्र ही पूरा होने वाला है **दक्षिण एशियाई उपग्रह** (South Asian Satellite) **से लाभ उठाने के लिए भूटान में एक ग्राउंड स्टेशन का निर्माण 'इसरो' द्वारा किया जा रहा है. इस मिशन के भी शीघ्र ही पूरा होने की सम्भावना है. इससे भूटान को दूरदराज के क्षेत्रों की मौसम सम्बन्धी जानकारियों, आपदा प्रबन्धन व टेली मेडिसिन आदि में विशेष मदद प्राप्त होगी.** किसी ताजा समझौते पर हस्ताक्षर भूटानी प्रधानमंत्री की इस यात्रा के दौरान नहीं हुए हैं. अगले दिन 29 दिसम्बर को राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद से भूटानी प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति भवन में भेंट की. राष्ट्रपति कोविंद ने भी भारत-भूटान के औपचारिक राजनयिक सम्बन्धों की स्थापना की स्वर्ण जयंती वर्ष में उनकी इस यात्रा पर हर्ष व्यक्त किया तथा भूटान की विभिन्न जरूरतों के लिए भारत की हरसम्भव सहायता का आश्वासन भी किया. राष्ट्रपति से भेंट के पश्चात् ही भूटानी प्रधानमंत्री डॉ. शेरिंग की स्वदेश वापसी हुई.

स्टार्ट-अप इण्डिया : राज्यों की उपलब्धियाँ

औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग की ओर से पहली बार 2018 में स्टार्ट-अप को लेकर की गयी रैंकिंग में स्टार्ट-अप शुरू करने के लिए गुजरात सबसे बेहतर राज्य है. उसके बाद कर्नाटक, केरल, ओडिशा और राजस्थान का स्थान आता है. यह रैंकिंग स्टार्ट-अप नीति, इन्क्यूबेशन हब, नवोन्मेष, वित्तियामकीय, प्रावधानों, खरीदने वाले कारोबारी तथा सम्प्रेषण जैसे मानकों पर आधारित है.

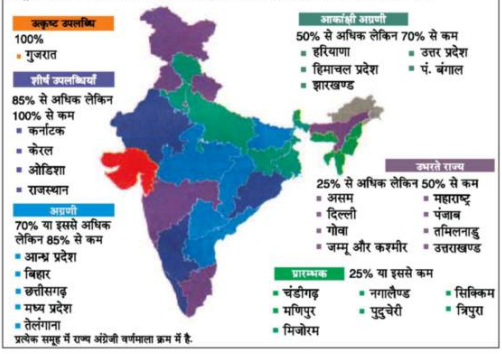

प्रत्येक समूह में राज्य अंग्रेजी वर्णमाला क्रम में है.

श्रीलंका में रानिल विक्रमसिंघे पुनः प्रधानमंत्री बने

श्रीलंका में लगभग दो माह तक चले राजनीतिक एवं संवैधानिक संकट का पटाक्षेप 16 दिसम्बर, 2018 को उस समय हो गया जब अपदस्थ किए गए प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे को ही पुनः प्रधानमंत्री राष्ट्रपति मैत्रिपाला सिरिसेना ने नियुक्त कर दिया. कोलम्बो में राष्ट्रपति सचिवालय में एक सादे समारोह में राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री पद की शपथ विक्रमसिंघे को दिलाई. अत्यधिक विवादास्पद करार दिए गए एक कदम के तहत् राष्ट्रपति सिरिसेना ने जनवरी 2015 में विधिवत् निर्वाचित प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे को बर्खास्त कर पूर्व राष्ट्रपति महिन्दा राजपक्षे, जिन्हें संसद में बहुमत प्राप्त नहीं था, को प्रधानमंत्री 26 अक्टूबर, 2018 को नियुक्त कर दिया था. राजपक्षे को राजनीतिक संकट से बचाने के लिए राष्ट्रपति ने संसद को पहले 16 नवम्बर तक के लिए निलम्बित कर दिया था तथा बाद में 9 नवम्बर को इसे भंग कर नए चुनाव कराने के आदेश उन्होंने जारी कर दिए थे. संसद भंग करने की राष्ट्रपति की घोषणा पर सर्वोच्च न्यायालय ने रोक आरोपित कर दी थी, जिससे मध्यावधि चुनाव की तैयारियों पर भी रोग लग गई थी. इस प्रकार रानिल विक्रमसिंघे व महिंदा राजपक्षे दोनों ही वैध प्रधानमंत्री होने का दावा कर रहे थे. **राजपक्षे के प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्ति को अवैध करार देते हुए कोलम्बो स्थित एक अदालत ने उनके प्रधानमंत्री के** रूप में काम करने पर रोक 3 दिसम्बर, 2018 को आरोपित की, जिसके बाद विक्रमसिंघे ने संसद में अपना बहुमत भी 12 दिसम्बर, 2018 को साबित कर दिया. 225 सदस्यीय सदन में 117 मत, जिनमें विपक्षियों के 14 मत भी शामिल थे, श्री विक्रमसिंघे के पक्ष में पड़े. इन परिस्थितियों में राजपक्षे ने प्रधानमंत्री पद से त्यागपत्र 15 दिसम्बर को दे दिया था. उधर, राजसिंघे के पक्ष में **संसद में विश्वास प्रस्ताव पारित होने से पूर्व ही इस आशय की घोषणा राष्ट्रपति सिरिसेना ने की थी कि यदि संसद के सभी 225 सदस्य विक्रमसिंघे के साथ रहें, तब भी वह उन्हें प्रधानमंत्री नियुक्त नहीं करेंगे.** इस इरादे के बावजूद सिरिसेना को अन्ततः संसद के अनुकूल ही निर्णय लेना पड़ा तथा 16 दिसम्बर, 2018 को विक्रमसिंघे को प्रधानमंत्री पद की शपथ उन्होंने ग्रहण कराई. इससे 51 दिन तक चला राजनीतिक संकट वहाँ समाप्त हो गया है.

रानिल विक्रमसिंघे : 51 दिन बाद पुनः प्रधानमंत्री बने

संक्षिप्तकी

गितेगा बुरुंडी की नई राजधानी

अफ्रीकी देश बुरुंडी ने बुजुंबुरा (Bujumbura) के स्थान पर गितेगा (Gitega) शहर को अपनी राजनीतिक राजधानी दिसम्बर 2018 में घोषित किया है. बुजुंबुरा, जो आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख केन्द्र है, देश की आर्थिक राजधानी बनी रहेगी. राष्ट्रपति भवन से इस आशय की घोषणा 22 दिसम्बर, 2018 को की गई ●●●

उपकार

Just Released

रेलवे भर्ती बोर्ड

जूनियर इंजीनियर

कम्प्यूटर आधारित परीक्षा

(प्रथमचरण)

RRB JE

For

- JE
- JE (IT)
- Depot Material Superintendent (DMS)
- Chemical & Metallurgical Assistant (CMA)

Code 2627 ₹ 340/-

Code 2000 ₹ 370/-

Code 2001 ₹ 175/-

Code 2626 ₹ 150/-

उपकार प्रकाशन | 2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-282 002 फोन : (0562) 4053333, 2530966; फैक्स : (0562) 4053330
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in
• नई दिल्ली 23251844, 43259035 • हैदराबाद 24557283 • पटना 2303340 • कोलकाता 25551510 • लखनऊ 4109080 • हल्द्वानी मो. 07060421008 • नागपुर मो. 09370877776 • इन्दौर 9203908088

आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य

- **2018-19 की पाँचवीं द्वैमासिक समीक्षा में रेपो दर अपरिवर्तित**
- **रिजर्व बैंक के गवर्नर उर्जित पटेल का त्यागपत्र : शक्तिकांत दास नए गवर्नर नियुक्त**
- **फिच ने 2018-19 में भारत में जीडीपी वृद्धि का पूर्वानुमान घटाया**
- **ईरान से तेल आयात के लिए रुपए में भुगतान करेगा भारत**
- **भारत व संयुक्त अरब अमीरात के बीच मुद्रा अदला बदली समझौता**
- **1986 के उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम को विस्थापित करने के लिए नया उपभोक्ता संरक्षण विधेयक लोक सभा में पारित**
- **भारत की कृषि निर्यात नीति – 2018 (Agriculture Export Policy – 2018)**
- **अनेक उत्पादों पर जीएसटी दरों में कटौती**
- **अन्य महत्वपूर्ण तथ्य**

2018-19 की पाँचवीं द्वैमासिक समीक्षा में रेपो दर अपरिवर्तित

चालू वित्तीय वर्ष 2018-19 की पाँचवीं द्वैमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा भारतीय रिज़र्व बैंक ने 5 दिसम्बर, 2018 को की (इस नीति की घोषणा के पाँच दिन बाद ही बैंक के गवर्नर उर्जित पटेल ने अपने इस पद से त्यागपत्र 10 दिसम्बर, 2018 को दे दिया था). मुख्य नीतिगत दर, रेपो दर में कोई परिवर्तन 5 दिसम्बर, 2018 को घोषित नीति में नहीं किया गया है, जिससे रेपो दर 6·5 प्रतिशत के अपने पूर्व स्तर पर बरकरार है. रिवर्स रेपो दर 6·25 प्रतिशत, नकद आरक्षण अनुपात (CRR) 4·0 प्रतिशत तथा बैंक दर व सीमान्त स्थायी सुविधा दर (Marginal Standing Facility Rate) भी 6·75-6·75 प्रतिशत के अपने पूर्व स्तरों पर बरकरार है. इससे पूर्व 5 अक्टूबर, 2018 को घोषित चौथी द्वैमासिक नीति में भी इन दरों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया था. नई नीति के एक प्रावधान के चलते 1 जनवरी, 2019 से सांविधिक तरलता अनुपात (SLR) 19·50 प्रतिशत से घटकर 19·25 प्रतिशत हो गई है.

एक महत्वपूर्ण नीतिगत कदम के तहत् सांविधिक तरलता अनुपात में प्रत्येक तिमाही में 0·25–0·25 प्रतिशत बिन्दु की कटौती की घोषणा रिजर्व बैंक ने 5 दिसम्बर, 2018 की नीति के साथ की है. 1 जनवरी, 2019 से यह कटौती तब तक प्रत्येक तिमाही में जारी रहेगी, जब तक यह दर 18·0 प्रतिशत तक न आ जाए.

प्रमुख बैंकिंग दरें एक दृष्टि में

(दिसम्बर 2018 के मध्य की स्थिति)

बैंक दर	6·75 प्रतिशत
नकद आरक्षण अनुपात (CRR)	4·00 प्रतिशत
सांविधिक तरलता अनुपात (SLR)	19·50 प्रतिशत*
रेपो दर	6·50 प्रतिशत
रिवर्स रेपो दर	6·25 प्रतिशत

* 1 जनवरी, 2019 से इसमें 0·25–0·25 प्रतिशत बिन्दु की कटौती प्रत्येक तिमाही में तब तक की जाती रहेगी, जब तक यह दर 18·0 प्रतिशत पर न आ जाए.

चालू वित्तीय वर्ष 2018-19 में देश में आर्थिक वृद्धि 7·4 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान रिज़र्व बैंक ने अप्रैल 2018 में इस वित्तीय वर्ष की पहली द्वैमासिक मौद्रिक नीति में व्यक्त किया था. इस पूर्वानुमान को ही अभी तक आरबीआई ने बरकरार रखा है, जबकि 2019-20 की पहली छमाही में आर्थिक वृद्धि 7·5 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान बैंक ने 5 दिसम्बर, 2018 की द्वैमासिक मौद्रिक नीति में व्यक्त किया है.

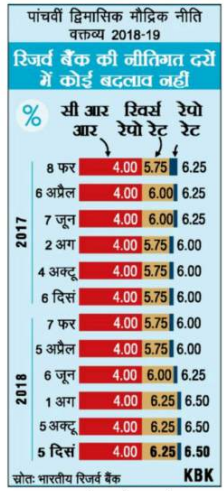

2018-19 की दूसरी छमाही (अक्टूबर-मार्च 2019) के दौरान मुद्रास्फीति की दर 2·7 से 3·2 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान रिजर्व बैंक की इस नीति में व्यक्त किया गया है, जबकि 2019-20 की पहली छमाही (अप्रैल-सितम्बर 2019) में यह 3·8-4·2 प्रतिशत रहने का अनुमान है.

चालू वित्तीय वर्ष की अगली (छठी) द्वैमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा 7 फरवरी, 2018 को की जाएगी, जो इस वित्तीय वर्ष की अंतिम द्वैमासिक मौद्रिक नीति होगी.

रिजर्व बैंक के गवर्नर उर्जित पटेल का त्यागपत्र : शक्तिकांत दास नए गवर्नर नियुक्त

केन्द्र सरकार के साथ विभिन्न मुद्दों पर मतभेदों के बीच रिजर्व बैंक के गवर्नर

उर्जित पटेल

उर्जित पटेल ने अप्रत्याशित रूप से अपने इस पद से 10 दिसम्बर, 2018 को त्यागपत्र दे दिया है. **अपने इस त्यागपत्र को निजी कारणों से दिया गया उन्होंने यद्यपि बताया है, तथापि आमतौर पर यह माना जा रहा है कि कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर वित्त मंत्रालय के साथ उनकी असहमति बनी हुई थी.** केन्द्रीय बैंक की स्वायत्तता व रिजर्व बैंक के सरप्लस को सरकार को हस्तांतरित करने के मुद्दे इनमें शामिल बताए जा रहे हैं. मीडिया रिपोर्टों के अनुसार वित्त मंत्रालय ने आरबीआई एक्ट की धारा 7 को लागू करने के मामले में विचार-विमर्श शुरू कर दिया था. **यह धारा जनहित के मुद्दों पर रिजर्व बैंक को निर्देश देने का अधिकार सरकार को प्रदान करती है**. रिजर्व बैंक के पास उपलब्ध ₹ 9·69 लाख करोड़ के आधिक्य में से ₹ 3·60 लाख करोड़ सरकार को सौंपने की सलाह से भी श्री पटेल सहमत नहीं थे. ऐसी खबरों के बीच उन्होंने गवर्नर पद से त्यागपत्र ऐसे समय में दिया है जब चार दिन पश्चात् ही बैंक के गवर्निंग बोर्ड की बैठक 14 दिसम्बर, 2018 को होनी थी. इस बैठक में रिजर्व बैंक की स्वायत्तता सहित उन अन्य मुद्दों पर भी विचार किया जाना था, जिन पर सरकार के साथ उनके मतभेद बने हुए थे. इनके त्यागपत्र के पश्चात् भारतीय प्रशासनिक सेवा के शक्तिकांत दास को बैंक का नया गवर्नर सरकार ने दिसम्बर 2018 में ही नियुक्त किया है.

उर्जित पटेल के दादा 20वीं सदी में गुजरात से कीनिया प्रवास कर गए थे तथा उर्जित पटेल का जन्म कीनिया में ही नैरोबी में हुआ था. नैरोबी में प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात् स्नातकस्तरीय शिक्षा लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से उन्होंने प्राप्त की. ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से एम फिल की उपाधि प्राप्त करने के पश्चात् येल यूनिवर्सिटी (अमरीका) से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि उन्होंने 1990 में प्राप्त की थी.

1990-95 के दौरान कीनिया के नागरिक के रूप में ही अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) से वह संबद्ध रहे, जिसके पश्चात् आईएमएफ द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक में प्रतिनियुक्ति पर वह भेजे गए थे. 1998 में उन्हें वित्त मंत्रालय में सलाहकार के रूप में नियुक्ति प्राप्त हुई. बाद में केन्द्र एवं राज्य सरकारों में सलाहकार के रूप में विभिन्न पदों पर वह रहे. इस दौरान विभिन्न उच्चस्तरीय समितियों में भी वह रहे थे. ***भारत की नागरिकता जुलाई 2013 में रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर के रूप में कार्यभार सँभालने के समय ही उन्होंने प्राप्त की थी.***

- *55 वर्षीय उर्जित पटेल रिजर्व बैंक के 24वें गवर्नर थे तथा इस पद पर कार्यभार 4 सितम्बर, 2016 से उन्होंने ग्रहण किया था तथा इस पद पर उनके कार्यकाल में 9 माह अभी शेष थे. गवर्नर के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान ही ₹ 500 व ₹ 1000 के नोटों का विमुद्रीकरण सरकार ने नवम्बर 2016 में किया था.*
- *गवर्नर के रूप में नियुक्ति से पूर्व 7 जुलाई, 2013 से सितम्बर 2016 के दौरान श्री पटेल रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर रहे थे.*

फिच ने 2018-19 में भारत में जीडीपी वृद्धि का पूर्वानुमान घटाया

रेटिंग एजेंसी फिच (Fitch) ने चालू वित्त वर्ष (2018-19) के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अपने पूर्वानुमान को 7·8 प्रतिशत से घटाकर दिसम्बर 2018 में 7·2 प्रतिशत कर दिया है. वित्त पोषण की लागतों में वृद्धि और ऋण उपलब्धता में कमी के चलते फिच ने भारत में वृद्धि के अपने पूर्वानुमान में यह कटौती की है. फिच के 6 दिसम्बर, 2018 को जारी **वैश्विक आर्थिक परिदृश्य** (Global Economic Outlook) में यह कटौती दर्शाते हुए कहा गया है कि 2019-20 और 2020-21 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर क्रमशः 7·0 प्रतिशत और 7·1 प्रतिशत रहने का अनुमान है, इससे पूर्व 2017-18 में देश में जीडीपी में वृद्धि 6·7 प्रतिशत रही थी.

चालू वित्तीय वर्ष 2018-19 में भारत में वृद्धि 7·4 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान फिच ने जून 2018 में व्यक्त किया था. इस पूर्वानुमान को बढ़ाकर 7·8 प्रतिशत सितम्बर 2018 में किया गया था. फिच का नया अनुमान 2018-19 के लिए आरबीआई के 7·4 प्रतिशत के अनुमान से कम है. फिच की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि जीडीपी आँकड़ों में अपेक्षा से कम तेजी, उच्च वित्तपोषण लागत और ऋण उपलब्धता में कमी के चलते उसने अपने अनुमान को घटाया है, जिसे घटाकर अब 7·2 प्रतिशत किया गया है.

फिच का कहना है कि 2019 में होने वाले आम चुनावों को देखते हुए भारत की राजकोषीय नीतियाँ वृद्धि को बढ़ावा देने के अनुकूल रहेंगी. साथ ही वर्ष 2019 के अंत तक रुपया डॉलर के मुकाबले ₹ 75 प्रति डॉलर तक गिर सकता है.

ईरान से तेल आयात के लिए रुपए में भुगतान करेगा भारत

ईरान पर अमरीका के ताजा प्रतिबन्धों के बीच भारत व सात अन्य देशों (चीन, इटली, ग्रीस, जापान, द. कोरिया, ताइवान व टर्की) को ईरान से तेल आयात करने की छूट अमरीका ने प्रदान की है. इस आयात के लिए भारत द्वारा रुपए में भुगतान ईरान को किया जाएगा. इस आशय के समझौता ज्ञापन पर भारत व ईरान के बीच हस्ताक्षर के ताजा अमरीकी प्रतिबन्धों, जो 5 नवम्बर, 2018 से लागू हुए हैं, के बाद सम्पन्न हुए हैं. तय हुई भुगतान प्रक्रिया के तहत् आयात करने वाली भारतीय रिफायनरियाँ यह भुगतान ईरान की नेशनल ईरानियन ऑइल कम्पनी (NIUC) को उसके यूको बैंक (UCO Bank) खाते में रुपए में करेंगी. इसमें से आधी राशि ईरान को भारत द्वारा किए गए निर्यातों के भुगतान के निपटान के लिए रखी जाएगी. अमरीकी प्रतिबन्धों के बावजूद भारत द्वारा ईरान को खाद्यान्न, दवाओं व चिकित्सा उपकरणों आदि का निर्यात किया जा सकता है. भारत को अमरीका से 180 दिन के लिए यह छूट ईरान से तेल आयात घटाने के लिए सहमत होने के बाद मिली है. इस छूट के दौरान भारत ईरान से अधिकतम तीन लाख बैरल तेल का ही आयात कर सकेगा. इससे पूर्व इस वर्ष भारत का ईरान से औसत तेल आयात 5,62,000 बैरल प्रतिदिन रहा था.

- ***भारत अमरीका व चीन के पश्चात् विश्व में खनिज तेल का तीसरा बड़ा उपभोक्ता है तथा अपनी जरूरत के 80 प्रतिशत से अधिक भाग की आपूर्ति आयात द्वारा ही वह करता है.***
- *इराक व सऊदी अरब के पश्चात् ईरान भारत के लिए तेल का तीसरा बड़ा आपूर्तिकर्ता है. भारत के तेल आयात के लगभग 10 प्रतिशत भाग की आपूर्ति ईरान द्वारा की जाती है.*
- *ताजा समझौते से पूर्व भारत द्वारा ईरान को उससे आयातित तेल के लिए भुगतान यूरोपीय बैंकिंग चैनल के माध्यम से यूरो में किया जा रहा था, किन्तु ताजा प्रतिबन्धों के चलते यह चैनल अब नवम्बर 2018 से 'ब्लॉक' किए जा चुके हैं.*
- *अमरीका द्वारा ईरान के विरुद्ध ताजा प्रतिबन्ध 2015 के समझौते से हटने की उसकी घोषणा के बाद आरोपित किए गए हैं. इनमें से कुछ प्रतिबन्ध 6 अगस्त, 2018 से लागू किए गए थे, जबकि तेल एवं बैंकिंग क्षेत्र से सम्बन्धित प्रतिबन्ध 9 नवम्बर, 2018 से आरोपित किए गए हैं.*

भारत व संयुक्त अरब अमीरात के बीच मुद्रा अदला बदली समझौता

भारत व संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने आपसी वाणिज्यिक हित के एक मुद्रा अदला

आबू धाबी में भारत-यूएई संयुक्त आयोग की बैठक के दौरान विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज व यूएई के विदेश मंत्री.

बदली समझौते (Currency Swap Agreement) पर हस्ताक्षर दिसम्बर 2018 में किए हैं, जिससे आपसी व्यापार के लिए अपनी-अपनी मुद्राओं का इस्तेमाल दोनों देश कर सकेंगे तथा इसके लिए डॉलर या किसी अन्य 'हार्ड करेंसी' पर निर्भरता नहीं रहेगी. इससे दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश में वृद्धि होगी. दोनों देशों के बीच इस समझौते पर हस्ताक्षर आबू धाबी में 4 दिसम्बर, 2018 को भारत-यूएई संयुक्त आयोग की 12वीं बैठक में किए गए. बैठक की सहअध्यक्षता भारतीय विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज व उनके यूएई के समकक्ष मंत्री ने की. मुद्रा की अदला बदली का यह समझौता 200 करोड़ धिरम (यूएई की मुद्रा)/3500 करोड़ रुपए (लगभग 95 अरब डॉलर) के लिए है तथा दोनों देशों के केन्द्रीय बैंकों में से कोई भी अपनी आवश्यकतानुसार इसके लिए पहल कर सकेगा. दोनों देशों के बीच सालाना व्यापार 2017 में लगभग 52 अरब डॉलर का रहा है.

उल्लेखनीय है कि चीन के साथ संयुक्त अरब अमीरात का मुद्रा अदला बदली का इस तरह का समझौता पहले ही लागू है.

1986 के उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम को विस्थापित करने के लिए नया उपभोक्ता संरक्षण विधेयक लोक सभा में पारित

उपभोक्ताओं के अधिकारों के बेहतर संरक्षण व उनसे जुड़े विवादों के समय से प्रभावी निपटानों के लिए नया उपभोक्ता संरक्षण विधेयक 2018 लोक सभा ने 21 दिसम्बर, 2018 को पारित किया है. राज्य सभा में इसका पारित होना अभी शेष है. उपभोक्ता मामलों के केन्द्रीय मंत्री राम विलास पासवान ने इस विधेयक को 5 दिसम्बर, 2018 को प्रस्तुत किया था. भ्रामक विज्ञापनों, डिजिटल लेनदेन व ई-कॉमर्स से जुड़ी समस्याओं को बेहतर तरीके से दूर करके उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना नए विधेयक के उद्देश्यों में शामिल है. **अधिनियमित होने पर 1986 के उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम (Consumer Protection Act, 1986) का स्थान यह लेगा.**

विधेयक की प्रमुख विशेषताएँ

उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (Central Consumer Protection Authority – CCPA) के गठन का प्रावधान इस विधेयक में किया गया है. यह उपभोक्ता के अधिकारों के उल्लंघन, गलत विज्ञापनों व गलत व्यापार से उपभोक्ता के अधिकारों का संरक्षण करेगा.

- *झूठे या भ्रामक प्रचार करने के मामलों में, जो उपभोक्ताओं के हितों के विरुद्ध हों, 2 वर्ष तक की सजा व ₹ 10 लाख तक के जुर्माने का प्रावधान विधेयक में किया गया है. अपराध दोहराए जाने पर जुर्माने की राशि ₹ 50 लाख तक व कारावास की अवधि पाँच वर्ष तक की जा सकेगी.*
- *उपभोक्ता को नुकसान होने के मामलों में सजाओं के अलग-अलग प्रावधान विधेयक में किए गए हैं.*
- *उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम को लागू करने के लिए तीन स्तरीय नियामक का प्रावधान विधेयक में किया गया है. इसमें सबसे ऊपर राष्ट्रीय आयोग, उसके नीचे राज्य आयोग व सबसे नीचे के स्तर पर जिला आयोग होगा. जिला आयोग के आदेश के विरुद्ध राज्य आयोग में तथा राज्य आयोग के आदेश के विरुद्ध राष्ट्रीय आयोग में अपील की जा सकेगी.*
- *उपभोक्ता हितों से सम्बन्धित विवादों को शीघ्रता से निपटाने तथा इन वादों का खर्च कम बनाए रखने के लिए अनेक प्रावधान नए विधेयक में किए गए हैं.*

अनेक उत्पादों पर जीएसटी दरों में कटौती

डेढ़ वर्ष पूर्व ही लागू किए गए जीएसटी (Goods and Service Tax) के सरलीकरण व इसे अधिक कंज्यूमर फ्रैंडली बनाने के उद्देश्य से अनेक उत्पादों एवं सेवाओं पर इस कर की दरों में कटौती 1 जनवरी, 2019 से की गई हैं. कर दरें घटाने का निर्णय वित्त मंत्री अरुण जेटली की अध्यक्षता वाली जीएसटी काउंसिल की नई दिल्ली में 22 दिसम्बर, 2018 को सम्पन्न 31वीं बैठक में किया गया. कर दरों में इस कटौती से सालाना राजस्व में ₹ 5500 करोड़ का प्रभाव पड़ेगा.

- *जीएसटी काउंसिल की 22 दिसम्बर, 2018 की बैठक में लिए गए निर्णयों के तहत् जीएसटी की सर्वोच्च 28 प्रतिशत दर अब ऑटो पार्ट्स व सीमेन्ट के अतिरिक्त कुछ लक्जरी गुड्स व 'सिन गुड्स' (शीतल पेय, सिगरेट, बीड़ी, तम्बाकू उत्पाद, पान मसाला, धूम्रपान, पाइप, याट, रिवॉल्वर, पिस्तौल तथा गैंबलिंग लॉटरी आदि) पर ही लागू रह गई है.*
- *28 प्रतिशत के टैक्स स्लैब में शामिल उत्पादों में से 7 को 1 जनवरी, 2019 से इस स्लैब से बाहर किया गया है. इनमें से 6 उत्पादों ((i) 32 इंच तक की स्क्रीन वाले टीवी एवं मॉनिटर (ii) लीथियम बैटरी वाले पॉवर पैक, (iii) वीडियो गेम व*

भारत की कृषि निर्यात नीति – 2018 (Agriculture Export Policy – 2018)

वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुना करने के उद्देश्य से कृषिगत निर्यातों को बढ़ावा देने के लिए नई समग्र कृषिगत निर्यात नीति (Agriculture Export Policy) को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की 6 दिसम्बर, 2018 की बैठक में मंजूरी प्रदान की गई है. सरकार का मानना है कि कृषिगत निर्यातों को दोगुना करके किसानों की आय दोगुना करने में मदद मिलेगी. इसके साथ ही भारत को कृषि के क्षेत्र में एक वैश्विक शक्ति बनाने में भी यह सहायक होगी. नई ***कृषि निर्यात नीति को लागू करने का दायित्व वाणिज्य विभाग को सौंपा गया है. इस नीति के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं–***

- *2022 तक कृषि निर्यात को 30 अरब डॉलर के मौजूदा स्तर से बढ़ाकर 60 अरब डॉलर करना तथा एक टिकाऊ व्यापार नीति के माध्यम से अगले कुछ वर्षों में इसे 100 अरब डॉलर तक पहुँचाना.*
- *निर्यात किए जाने वाले कृषि उत्पादों में विभिन्नता लाना तथा उनके लिए नए बाजार तलाशना और इसके साथ ही जल्दी खराब होने वाले कृषि उत्पादों सहित अन्य किस्म के कृषि उत्पादों को विभिन्न तरीके से इस्तेमाल करने लायक बनाकर उनका मूल्य संवर्धन करना.*
- *स्वदेशी, नवीन, जैविक, स्थानीय प्रजाति, पारम्परिक और गैर-पारम्परिक कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देना.*
- *कृषि उत्पादों के लिए बाजार पहुँच को आसान बनाने के लिए एक संस्थागत प्रणाली विकसित करना तथा इनके व्यापार के रास्ते में आने वाली बाधाओं को दूर करना.*
- *वैश्विक मूल्य शृंखला (Global Value Chain) से जुड़कर कृषि उत्पादों के वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी को बढ़ाकर जल्द ही इसे दोगुना करना.*
- *किसानों को वैश्विक बाजारों में निर्यात के अवसर उपलब्ध कराना.*

जीएसटी काउंसिल की 31वीं बैठक में वित्त मंत्री अरुण जेटली व अन्य सदस्य.

डिजिटल कैमरा रिकॉर्डर, (iv) रिट्रीटेड रबर टायर, (v) खेल के सामान तथा (vi) ₹ 100 से ज्यादा मूल्य वाले सिनेमा टिकटें *पर यह कर 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है, जबकि एक उत्पाद–दिव्यांगों के सहायक उपकरणों के पार्ट्स पर इसे 28 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया गया है.* ***इससे 28 प्रतिशत के सर्वोच्च स्लैब में उत्पादों की संख्या घटकर अब 27-28 ही रह गई है.*** *सीमेन्ट व ऑटो पार्ट्स को आम इस्तेमाल की वस्तु मानते हुए भी इन्हें अभी 28 प्रतिशत के दायरे में रखा गया है. इन पर कर घटाने से राजस्व हानि काफी ज्यादा होने की संभावना है.*

- *18 प्रतिशत कर के दायरे के 4 उत्पादों पर कर की दर को घटाया गया है. इनमें से तीन उत्पादों (₹ 100 से कम मूल्य वाले सिनेमा टिकटों व माल वाहक वाहनों के थर्ड पार्टी बीमा तथा वाकिंग स्टिक्स व नेचुरल कॉर्क के उत्पाद) पर इसे 18 प्रतिशत से घटाकर 12 प्रतिशत किया गया है, जबकि एक उत्पाद (मार्बल रूबल). पर इसे 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया गया है.*
- *5 प्रतिशत कर के दायरे वाले कुछ उत्पादों को अब शून्य कर के तहत् ला दिया गया है. इनमें बैंकों में बेसिक बचत खातों व जन धन योजना के तहत् खोले गए खातों पर दी जाने वाली सेवाएं शामिल हैं.*
- *1 जुलाई, 2017 को जब जीएसटी लागू हुआ था, 226 उत्पाद 28 प्रतिशत कर के दायरे में थे, जिनकी संख्या अब 27-28 ही रह गई है. वैसे सरकार का इरादा अब 28 प्रविशत की दर को समाप्त करने का ही है.*

जीएसटी के मामले में पाँच दरें (शून्य, 5, 12, 18 व 28 प्रतिशत) वर्तमान में लागू हैं. इनमें सीमेंट को शीघ्र ही निचले कर स्लैब में लाए जाने की सम्भावना है. सरकार की नीति जीएसटी की तीन दरों की है. इनमें 0 प्रतिशत व 5 प्रतिशत की रियायती दरों के अतिरिक्त एक सामान्य दर (इसके लिए 12 प्रतिशत व 18 प्रतिशत की मौजूदा सामान्य दरों को 15–15·5 प्रतिशत की एक दर पर लाया जा सकता है) तथा लक्जरी व सिन गुड्स के लिए अपवाद दर हो सकती है.

जीएसटी काउंसिल की अगली 32वीं बैठक जनवरी 2019 में होनी है. कुछ अन्य कर रियायतें इस बैठक में दिए जाने की सम्भावना है.

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

कन्नूर केरल में चौथा अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा

केरल में कन्नूर हवाई अड्डे से अन्तर्राष्ट्रीय उड़ानें दिसम्बर 2018 में प्रारम्भ हुई हैं यहाँ से एयर इंडिया की फ्लाइट 9 दिसम्बर को आबू धाबी के लिए रवाना हुई. केरल में तीन अन्य अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तिरुवनंतपुरम्, कोच्चि व कोझीकोड में हैं. इससे केरल चार अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों वाला देश का पहला राज्य हो गया है. ●●●

शेष पृष्ठ 20 का

संक्षिप्तकी

1 जुलाई, 2021 से विश्वविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति हेतु पी.एच-डी. अनिवार्य

भारतीय विश्वविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर सीधी नियुक्ति हेतु पी.एच-डी की उपाधि अनिवार्य योग्यता कर दी गई है. मानव संसाधन राज्य मंत्री डॉ. सत्यपाल सिंह ने यह जानकारी देते हुए 20 दिसम्बर, 2018 को राज्य सभा में बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा इस आशय की अधिसूचना जुलाई 2018 में ही जारी कर दी गई थी, जोकि 1 जुलाई, 2021 से लागू हो जाएगी उन्होंने बताया कि ऐसे विदेशी विश्वविद्यालयों की पी.एच-डी. डिग्री ऐसी नियुक्तियों के लिए मान्य होगी, जिसने (i) ब्रिटेन की **क्वाक्वेरेली सिमोंड्स** (Quacquarelli Symonds–QS) (ii) टाइम्स हायर एज्युकेशन (THE) अथवा (iii) शंघाई जियाओ तौंग यूनीवर्सिटी की **एकेडमिक रैंकिंग ऑफ वर्ल्ड यूनीवर्सिटीज़** (ARWU) की रैंकिंग में शीर्ष 500 स्थानों में स्थान प्राप्त किया हो.

उल्लेखनीय है कि महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर सीधी नियुक्ति हेतु पीएच डी धारकों के साथ-साथ स्नातकोत्तर उपाधि के साथ 'नैट (NET) उत्तीर्ण अभ्यर्थी भी पात्र बने रहेंगे. ●●●

भूल सुधार

गलत आँकड़े उपलब्ध हो जाने के कारण 2018-19 की पहली तिमाही (Q_1) में अर्थ-व्यवस्था के विभिन्न उप क्षेत्रों में वृद्धि के त्रुटिपूर्ण आँकड़े प्रतियोगिता दर्पण के जनवरी 2019 अंक में पृष्ठ 31 पर प्रकाशित हो गए थे. तदुनुरूप आँकड़ों के विश्लेषण में भी गलती हुई. इस त्रुटि के लिए हम क्षमाप्रार्थी हैं. 2018-19 की पहली दोनों तिमाहियों में वृद्धि के सही आँकड़े यहाँ दिए जा रहे हैं–

जीवीए में क्षेत्रवार वृद्धि

(प्रतिशत में)

क्षेत्र	2018-19	
	पहली तिमाही	दूसरी तिमाही
कृषि	5·3	3·8
खनन	0·1	– 2·4
मैन्यूफैक्चरिंग	13·1	7·4
बिजली, गैस, आदि	7·3	9·2
कंस्ट्रक्शन	8·7	7·8
व्यापार, होटल, ट्रांसपोर्ट, संचार सेवाएं	6·7	6·8
वित्तीय सेवाएं	6·5	6·3
पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन	9·9	10·9
जीवीए	**8·0**	**6·9**

इस त्रुटि के लिए पाठकों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है. **सम्पादक**

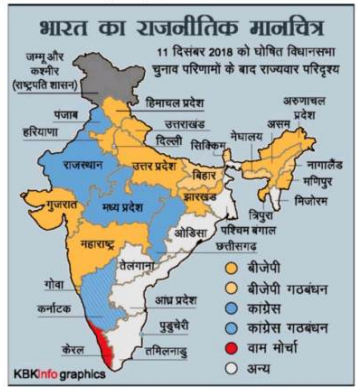

शब्द संक्षेप (Abbreviation)

सीसीपीए–सेन्ट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी

CCPA—Central Consumer Protection Authority

व्याख्या–उपभोक्ताओं के अधिकारों के संरक्षण के लोक सभा में पारित नए उपभोक्ता संरक्षण विधेयक (2018) के तहत् इस प्राधिकरण के गठन का प्रावधान किया गया है. केन्द्र सरकार द्वारा गठित किया जाने वाला यह प्राधिकरण गलत एवं भ्रामक विज्ञापनों व गलत व्यापार व्यवहारों से उपभोक्ताओं की धोखाधड़ी के विरुद्ध कार्यवाही करेगा.

नियुक्तियाँ (Appointments)

एम. नागेश्वर राव

अक्टूबर 2018 से सीबीआई में अन्तरिम निदेशक के रूप में कार्यभार सँभाले हुए एम. नागेश्वर राव को इस खुफिया एजेंसी के अतिरिक्त निदेशक (Additional Director) के रूप में सरकार ने दिसम्बर 2018 में प्रोन्नत किया है.

निदेशक आलोक वर्मा एवं विशेष **निदेशक राकेश अस्थाना** के बीच **अक्टूबर 2018 में उपजे टकराव के पश्चात् सरकार ने दोनों को ही अनिवार्य छुट्टी पर भेजते हुए भारतीय पुलिस सेवा के ओडिशा कैडर के 1986 बैच के एम. नागेश्वर राव को इस एजेंसी का अन्तरिम निदेशक नियुक्त किया था. उस समय श्रीराव सीबीआई में संयुक्त निदेशक थे.**

माधवी दीवान

सर्वोच्च न्यायालय में अधिवक्ता माधवी गोराडिया दीवान (Madhavi Goradia Divan) को सरकार ने **अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल** (Additional Solicitor General) दिसम्बर 2018 में नियुक्त किया है. शीर्ष अदालत में अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के रूप में नियुक्त की जाने वाली वह तीसरी महिला हैं.

एडिशनल सॉलिसिटर जनरल नियुक्त की जाने वाली पहली महिला इंदिरा जयसिंह थीं. ऐसी नियुक्ति पाने वाली दूसरी महिला पिंकी आनन्द हैं, जो जुलाई 2014 में इस पद पर नियुक्त की गई थीं तथा अभी भी इस पद पर बरकरार हैं. माधवी दीवान की इस पद पर नियुक्ति 30 जून, 2020 तक के लिए की गई है.

संदीप सोमानी फिक्की के नए अध्यक्ष

सेनेटरी उत्पादों की फर्म एचएसआईएल (HSIL) के चेयरमैन सह प्रबन्ध निदेशक

संदीप सोमानी

(CMD) संदीप सोमानी ने सत्र 2018-19 के लिए उद्योग व्यापार जगत् के देश के अग्रणी संगठन फिक्की (FICCI–Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry) के नए अध्यक्ष के रूप में कार्यभार दिसम्बर 2018 में इस संगठन की 91वीं वार्षिक बैठक में सँभाला है. इस नियुक्ति से पूर्व पिछले एक वर्ष से वह फिक्की के सीनियर वाइस प्रेज़ीडेंट के रूप में कार्यरत् थे.

- *अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप की संयुक्त प्रबन्ध निदेशक संगीता रेड्डी, जो विगत एक वर्ष से फिक्की की वाइस प्रेजीडेंट थीं, अब 2018-19 के लिए सीनियर वाइस प्रेजीडेंट बनाई गई हैं.*
- *स्टार इंडिया के चेयरमैन सह सीईओ उदय शंकर को 2018-19 के लिए फिक्की का वाइस प्रेजीडेंट संगठन की उपर्युक्त सालाना बैठक में चुना गया है.*

ब्रिजेन्द्र पाल सिंह

प्रसिद्ध धारावाहिक सीआईडी के निर्माता-निर्देशक ब्रिजेन्द्र पाल सिंह पुणे स्थित फिल्म एवं टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (FTII) के गवर्निंग बोर्ड के नए चेयरमैन दिसम्बर 2018 में बनाए गए हैं. इस पद पर अनुपम खेर, जिन्होंने अपनी अन्तर्राष्ट्रीय व्यस्तताओं के चलते अक्टूबर 2018 में यह पद छोड़ दिया था, का स्थान ब्रिजेन्द्र पाल सिंह ने लिया है.

- *अनुपम खेर को 2017 में इस इंस्टीट्यूट का चेयरमैन नियुक्त किया गया था तथा ब्रिजेन्द्र पाल सिंह की नियुक्ति उनके शेष कार्यकाल के लिए की गई है.*
- *इस नियुक्ति से पूर्व भी ब्रिजेन्द्र पाल सिंह इस इंस्टीट्यूट के गवर्निंग बोर्ड के वाइस चेयरमैन थे.*

हर्षवर्द्धन श्रिंगला

भारतीय विदेश सेवा के 1984 बैच के अधिकारी हर्षवर्द्धन श्रिंगला अमरीका में भारत के नए राजदूत होंगे. इस पद पर उनकी नियुक्ति की घोषणा विदेश मन्त्रालय ने दिसम्बर 2018 में की है. वर्तमान में बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त के रूप में कार्यरत् श्री श्रिंगला अमरीका में राजदूत पद पर नवतेज सरना का स्थान लेंगे. नवतेज सरना नवम्बर 2016 से अमरीका में भारत के राजदूत हैं.

रीवा गांगुली दास

भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् (ICCR) की महानिदेशक (DG) रीवा गांगुली दास बांग्लादेश में भारत की नई उच्चायुक्त होंगी. इस पद पर हर्षवर्द्धन श्रिंगला, जिन्हें अब अमरीका में राजदूत नियुक्त किया गया है, का स्थान वह लेंगी. श्रीमती रीवा गांगुली दास भारतीय विदेश सेवा की 1986 बैच की अधिकारी हैं.

अतुल सहाय

ओरियण्टल इश्योरेंस कम्पनी के महा-प्रबन्धक के रूप में कार्यरत् रहे अतुल सहाय सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कम्पनी न्यू इण्डिया इंश्योरेन्स कम्पनी के नए चेयर-मैन सह-प्रबन्ध निदेशक (CMD) दिसम्बर 2018 में नियुक्त किए गए. इस पद पर उनकी यह नियुक्ति पाँच वर्ष के लिए की गई है.

पूर्व सीएमडी जी. श्रीनिवासन की जुलाई 2018 में हुई सेवानिवृत्ति के बाद से ही यह पद रिक्त था.

ए. एन. झा भारत के नए वित्त सचिव

वित्त मन्त्रालय में व्यय सचिव रहे ए. एन. झा भारत के नए वित्त सचिव दिसम्बर 2018 में बनाए गए. वित्त सचिव पद पर डॉ. हसमुख आधिया, जो राजस्व सचिव (Revenue Secretary) रहने के साथ-साथ वित्त सचिव भी थे तथा जो 30 नवम्बर, 2018 को सेवानिवृत्त हुए, का स्थान भारतीय प्रशासनिक सेवा के श्री झा ने लिया है. वित्त सचिव रहने के साथ-साथ व्यय सचिव का कार्यभार वह सँभाले रहेंगे.

वित्त मन्त्रालय में राजस्व सचिव का कार्यभार जो हसमुख आधिया के पास था, सँभालने के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के अजय भूषण पाण्डे की नियुक्ति दिसम्बर 2018 में की गई है.

वित्त मन्त्रालय में राजस्व विभाग व व्यय विभाग के अतिरिक्त तीन अन्य विभाग- आर्थिक मामलों का विभाग (Department of Economic Affairs), वित्तीय सेवा विभाग (Department of Financial Services) तथा निवेश एवं सार्वजनिक परिसम्पत्ति प्रबन्धन विभाग (Department of Investment and Public Asset. Managment–DIPAM) हैं. इनमें आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव सुभाषचन्द्र गर्ग, वित्तीय सेवा विभाग के सचिव राजीव कुमार तथा दीपम के सचिव अतनु चक्रवर्ती वर्तमान में हैं.

भारत भूषण व्यास

भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी भारत भूषण व्यास संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) के सदस्य दिसम्बर 2018 में बनाए गए. आयोग के अध्यक्ष श्री अरविंद सक्सेना ने 13 दिसम्बर को उन्हें इसकी शपथ दिलाई. इस नियुक्ति से पूर्व वह जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल के सलाहकार के रूप में कार्यरत थे.

कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यम सरकार के नए प्रधान आर्थिक सलाहकार

निजी क्षेत्र के इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (ISB) में वित्तीय क्षेत्र के प्रोफेसर कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यम को सरकार का प्रधान आर्थिक सलाहकार दिसम्बर 2018 में नियुक्त किया गया. 6 माह पूर्व अरविन्द सुब्रमण्यम के त्यागपत्र के बाद से ही यह पद रिक्त था तथा इस पद पर कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यम की नियुक्ति तीन वर्ष के लिए की गई है.

कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यम

- *इस नियुक्ति से पूर्व श्री सुब्रमण्यम निजी क्षेत्र के इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (ISB) में फाइनेंस के असिस्टेंट प्रोफेसर रहे हैं तथा वह कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर 'सेबी' (SEBI) की तथा बैंक गवर्नेंस पर रिजर्व बैंक की समिति के सदस्य रहे हैं.*
- *पूर्व वर्षों में आईआईटी व आईआईएम के छात्र रहे कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यम ने शिकागो बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है.*

हीथर नॉअर्ट

अमरीका में विदेश विभाग में प्रवक्ता हीथर नॉअर्ट (Heather Nauert) अब संयुक्त राष्ट्र संघ में अमरीका की नई राजदूत होंगी. इस दायित्व हेतु राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनका चयन दिसम्बर 2018 में किया. सीनेट की पुष्टि के पश्चात् इस पद पर निक्की हेली (Nikki Haley), जिन्होंने पद त्यागने की इच्छा जाहिर की है, का स्थान वह लेंगी.

हीथर नॉअर्ट

अरुंधति भट्टाचार्य

भारतीय स्टेट बैंक की पूर्व चेयरपर्सन अरुंधति भट्टाचार्य को स्विफ्ट इण्डिया (SWIFT India) का चेयरपर्सन दिसम्बर 2018 में नियुक्त किया गया. इस पद पर एम. वी. नायर (देना बैंक व यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया के पूर्व अध्यक्ष) का स्थान श्रीमती भट्टाचार्य ने लिया है तथा इस पद पर उनकी यह नियुक्ति पाँच वर्ष के लिए की गई है.

स्विफ्ट इण्डिया भारत के सार्वजनिक व निजी क्षेत्र के शीर्ष बैंकों का स्विफ्ट (SWIFT–Society for Worldwide Inter bank Financial Telecommunication), जो बैंकों के वित्तीय लेन देनों से सम्बन्धित सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए एक व्यवस्था है, के साथ संयुक्त उपक्रम है.

शक्तिकांत दास रिजर्व बैंक के नए गवर्नर

उर्जित पटेल के त्यागपत्र के पश्चात् भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1980 बैच के सेवानिवृत्त अधिकारी शक्तिकांत दास भारतीय रिजर्व बैंक के नए गवर्नर दिसम्बर 2018 में नियुक्त किए गए. इस पद पर उनकी यह नियुक्ति तीन वर्ष के लिए की गई है तथा उन्होंने अपना यह कार्यभार 12 दिसम्बर 2018 से ग्रहण किया है. वह रिजर्व बैंक के 25वें गवर्नर हैं.

- *भारतीय प्रशासनिक सेवा में रहते हुए शक्तिकांत दास केन्द्र सरकार में आर्थिक मामलों के सचिव एवं राजस्व सचिव सहित विभिन्न उच्च पदों पर रह चुके हैं.*
- *भारतीय प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत्ति के पश्चात् शक्तिकांत दास एन के सिंह की अध्यक्षता वाले 15वें वित्त आयोग के सदस्य रहे हैं.*
- *वह जी-20 में भारत के आधिकारिक प्रतिनिधि (Sherpa) भी रहे हैं.*
- ***भारतीय रिजर्व बैंक में डिप्टी गवर्नर के चार पद हैं. इन पदों पर एन. एस. विश्वनाथन 4 जुलाई, 2016 से, डॉ. विरल आचार्य 23 जनवरी, 2017 से बी.पी. कानूनगो 3 अप्रैल, 2017 से तथा एम. के. जैन 3 जून, 2018 से कार्यरत हैं.***
- *61 वर्षीय शक्तिकांत दास भारतीय रिजर्व बैंक के 25वें गवर्नर हैं. बैंक के अब तक के सभी 25 गवर्नरों की सूची व गवर्नर के रूप में उनका कार्यकाल निम्नलिखित है–*

शक्तिकांत दास

क्र.	गवर्नर	कार्यकाल	क्र.	गवर्नर	कार्यकाल
1.	सर ओसबोर्न स्मिथ	1-4-35 से 30-6-37	14.	आई.जी. पटेल	1-12-77 से 15-9-82
2.	सर जेम्स टेलर	1-7-37 से 17-2-43	15.	डॉ. मनमोहन सिंह	16-9-82 से 14-1-85
3.	सर सी.डी. देशमुख	11-8-43 से 30-6-49	16.	ए. घोष	15-1-85 से 4-2-85
4.	सर बैनेगल रामाराउ	1-7-49 से 14-1-57	17.	आर एन. मल्होत्रा	4-2-85 से 22-12-90
5.	के. जी. अंबेगांवकर	14-1-57 से 28-2-57	18.	एस. वेंकटरमण	22-12-90 से 21-12-92
6.	एच.वी.आर. आयंगर	1-3-57 से 28-2-62	19.	डॉ. सी. रंगराजन	22-12-92 से 21-11-97
7.	पी.सी. भट्टाचार्य	1-3-62 से 30-6-67	20.	डॉ. बिमल जालान	22-12-97 से 6-9-03
8.	एल.के. झा	1-7-67 से 3-5-70	21.	डॉ. वाई.वी. रेड्डी	6-9-03 से 5-9-08
9.	बी.एन. अदारकर	4-5-70 से 15-6-70	22.	डी. सुब्बाराव	5-9-08 से 4-9-13
10.	एस. जगन्नाथन	16-6-70 से 19-5-75	23.	डॉ. रघुराम जी राजन	5-9-13 से 4-9-16
11.	एन.सी. सेनगुप्ता	19-5-75 से 19-8-75	24.	डॉ. उर्जित आर पटेल	4-9-16 से 11-12-18
12.	के.आर. पुरी	20-8-75 से 2-5-77	25.	शक्तिकांत दास	12-12-18·····
13.	एम. नरसिंहम	2-5-77 से 30-11-77			

भारत की गीता गोपीनाथ अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रधान अर्थशास्त्री

भारतीय मूल की अमरीकी अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) में प्रधान अर्थशास्त्री (Chief Economist) के रूप में कार्यभार 1 जनवरी, 2019 से सँभाला है. इस पद पर अमरीका के मॉरिस ऑब्स्फेल्ड (Maurice Obstfald) का स्थान उन्होंने लिया है.

गीता गोपीनाथ

48 वर्षीय गीता गोपीनाथ मूलतः केरल की हैं तथा लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर विमेन (दिल्ली) से स्नातक की शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात् दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से स्नातकोत्तर उपाधि 1994 में उन्होंने प्राप्त की थी. बाद में वाशिंगटन विश्वविद्यालय में अध्ययन के पश्चात् प्रिंसले यूनीवर्सिटी से डॉक्टरेट की उपाधि उन्होंने प्राप्त की थी.

- *हॉर्वर्ड विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र की प्रोफेसर गीता गोपीनाथ की गणना विश्व के अग्रणी अर्थशास्त्रियों में की जाती है. वर्ष 2016 में केरल के मुख्यमन्त्री पी. विजयन की आर्थिक सलाहकार उन्हें नियुक्त किया गया था.*

- *अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के प्रधान अर्थशास्त्री पद पर नियुक्ति पाने वाली वह दूसरी भारतीय हैं. उनसे पूर्व रघुराम राजन 2003-06 के दौरान इस पद पर रहे थे. डॉ. रघुराम राजन को बाद में सितम्बर 2013 में भारतीय रिजर्व बैंक का गवर्नर बनाया गया था.*

पुरस्कार/सम्मान (Awards/Honours)

अंग्रेजी भाषा के साहित्यकार अमिताव घोष को ज्ञानपीठ पुरस्कार (2018)

अंग्रेजी के प्रतिष्ठित साहित्यकार अमिताव घोष को वर्ष 2018 के (55वें) ज्ञानपीठ पुरस्कार हेतु चुना गया है. उन्हें यह पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय ज्ञानपीठ चयन समिति की नई दिल्ली में 14 दिसम्बर, 2018 को सम्पन्न बैठक में लिया गया. **साहित्य के क्षेत्र में देश के इस सर्वोच्च पुरस्कार के तहत् बागदेवी की प्रतिमा व प्रशस्ति-पत्र के साथ ₹ 11 लाख की राशि उन्हें प्रदान की जाएगी.**

अमिताव घोष

- *ज्ञानपीठ पुरस्कार भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भारतीय भाषाओं में से ही किसी भाषा में उत्कृष्ट साहित्यिक योगदान के लिए 1965 से दिया जाता रहा है तथा यह पहला ही अवसर है, जब अंग्रेजी भाषा के लिए यह पुरस्कार दिया गया है.*
- *अमिताव घोष ज्ञानपीठ पुरस्कार पाने वाले पहले ही अंग्रेजी साहित्यकार हैं. वह साहित्य अकादमी पुरस्कार व पद्म श्री सहित अनेक पुरस्कारों से सम्मानित हैं.*
- *अमरीका में रह रहे अमिताव घोष की प्रसिद्ध रचनाओं में **द सर्किल ऑफ रीज़न** (1986) **द शैडो लाइंस** (1988), **द कैलकटा क्रोमोसोम** (1995), **द ग्लास पैलेस** (2000), द हंगरी टाइड (2004) **सी ऑफ पॉपीज़** (2008), **रिवर ऑफ स्मोक** (2011) व **फ्लड ऑफ फायर** (2015) शामिल हैं. इनके अतिरिक्त कुछ नॉन फिक्शन रचनाएं भी उनकी हैं.*

साहित्य अकादमी अनुवाद पुरस्कार–2018

अंग्रेजी व नेपाली सहित 24 भाषाओं में विभिन्न कृतियों के अनुवाद के लिए वर्ष 2018 के अपने अनुवाद पुरस्कारों (Translation Prizes) की घोषणा भी साहित्य अकादमी ने 5 दिसम्बर, 2018 को की. इन पुरस्कारों के वितरण हेतु विशेष समारोह का आयोजन 2019 में किया जाएगा.

- *इस पुरस्कार के तहत् ₹ 50-50 हजार की राशि अनुवादक को प्रदान की जाती है.*
- *वर्ष 2018 के इस पुरस्कार हेतु 1 जनवरी, 2012 से 31 दिसम्बर, 2016 के दौरान पहली बार प्रकाशित अनुवादित रचनाओं पर ही विचार किया गया था.*

भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाएँ

(i) असमी, (ii) बंगाली, (iii) गुजराती, (iv) हिन्दी, (v) कन्नड़, (vi) कश्मीरी, (vii) कोंकणी, (viii) मलयालम, (ix) मणिपुरी, (x) मराठी, (xi) नेपाली, (xii) उड़िया, (xiii) पंजाबी, (xiv) संस्कृत, (xv) सिंधी, (xvi) तमिल, (xvii) तेलुगु (xviii) उर्दू, (xix) बोडो, (xx) संथाली, (xxi) मैथिली तथा (xxii) डोंगरी.

ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित साहित्यकार

वर्ष	पुरस्कार विजेता	वर्ष	पुरस्कार विजेता
1965	जी. शंकर कुरूप (मलयालम)	1992	नरेश मेहता (हिन्दी)
1966	ताराशंकर बंध्योपाध्याय (बांग्ला)	1993	डॉ. सीताकान्त महापात्र (ओडिया)
1967	(1) के. वी. पुटप्पा (कन्नड़),	1994	प्रो. यू. आर. अनंतमूर्ति (कन्नड़)
	(2) उमाशंकर जोशी (गुजराती)	1995	एम. टी. वासुदेवन नायर (मलयालम)
1968	सुमित्रानन्दन पन्त (हिन्दी)	1996	श्रीमती महाश्वेता देवी (बांग्ला)
1969	फिराक गोरखपुरी (उर्दू)	1997	अली सरदार जाफरी (उर्दू)
1970	विश्वनाथ सत्यनारायण (तेलुगू)	1998	गिरीश कर्नाड (कन्नड़)
1971	विष्णु डे (बांग्ला)	1999	(1) निर्मल वर्मा (हिन्दी),
1972	रामधारी सिंह 'दिनकर' (हिन्दी)		(2) गुरदयाल सिंह (पंजाबी)
1973	(1) डॉ. दत्तात्रेय रामचन्द्र बेन्द्रे (कन्नड़)	2000	इन्दिरा गोस्वामी (असमिया)
	(2) गोपीनाथ मोहन्ती (ओडिया)	2001	राजेन्द्र केशवलाल (गुजराती)
1974	विष्णु सखा खाण्डेकर (मराठी)	2002	डी. जयकांतन (तमिल)
1975	ए. वी. अकिलन्दम (तमिल)	2003	विंदा करंदीकर (मराठी)
1976	श्रीमती आशापूर्णा देवी (बांग्ला)	2004	रहमान राही (कश्मीरी)
1977	शिवराम कारन्थ (कन्नड़)	2005	कुँवर नारायण (हिन्दी)
1978	एच. एस. अज्ञेय (हिन्दी)	2006	(1) रवीन्द्र केलकर (कोंकणी),
1979	डॉ. वीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य (असमिया)		.(2) सत्यव्रत शास्त्री (संस्कृत)
1980	एस. के. पोट्टेकट (मलयालम)	2007	ओ. एन. वी. कुरूप (मलयालम)
1981	अमृता प्रीतम (पंजाबी)	2008	अखलाख मोहम्मद खान (शहरयार)
1982	महादेवी वर्मा (हिन्दी)	2009	(1) अमरकांत (हिन्दी) (2) श्री लाल शुक्ला (हिन्दी)
1983	मस्ति वेंकटेश आयंगर (कन्नड़)	2010	चन्द्रशेखर कंवर (कन्नड़)
1984	तक्षी शिवशंकर पिल्लई (मलयालम)	2011	प्रतिभा राय (ओडिया)
1985	पन्नालाल पटेल (गुजराती)	2012	डॉ. रावुरी भारद्वाज (तेलुगू)
1986	सच्चिदानन्द राउतराय (ओडिया)	2013	प्रो. केदारनाथ सिंह (हिन्दी)
1987	वि. वा. शिरवाडकर (मराठी)	2014	भालचन्द्र नेमाड़े (मराठी)
1988	सी. नारायण रेड्डी (तेलुगू)	2015	रघुवीर चौधरी (गुजराती)
1989	कुर्रतुल एन. हैदर (उर्दू)	2016	शंख घोष (बांग्ला)
1990	विनायक कृष्ण गोकाक (कन्नड़)	2017	कृष्णा सोबती (हिन्दी)
1991	सुभाष मुखोपाध्याय (बांग्ला)	2018	अमिताव घोष (अंग्रेजी)

साहित्य अकादमी पुरस्कार (2018)

वर्ष 2018 के साहित्य अकादमी पुरस्कारों की घोषणा अकादमी द्वारा 5 दिसम्बर, 2018 को की गई. अंग्रेजी व नेपाली सहित 24 भाषाओं की कृतियों के लिए यह पुरस्कार निम्नलिखित साहित्यकारों को दिए गए हैं–

- ***हिन्दी भाषा की पुस्तकों में यह पुरस्कार चित्रा मुद्गल को उनके उपन्यास पोस्ट बॉक्स नम्बर 203—नाला सोपारा के लिए दिया गया है.***
- *इस पुरस्कार हेतु* ***पुरस्कार वर्ष से एक वर्ष पूर्व के पाँच वर्षों*** *अर्थात् 1 जनवरी, 2012 से 31 दिसम्बर, 2016 के दौरान पहली बार प्रकाशित पुस्तकों पर ही विचार ज्यूरी द्वारा किया गया था.*
- *वर्ष 2018 के इस पुरस्कार हेतु चयनित 24 कृतियों में 7 काव्य रचनाएँ 6 उपन्यास, 6 लघु कथा संग्रह, 3 साहित्यक आलोचना व 2 निबन्ध संग्रह शामिल हैं. इन कृतियों व इनके लेखकों के नाम निम्नलिखित हैं–*

भाषा	पुस्तक का शीर्षक	विधा	लेखक का नाम
असामिया	काइलेर दिनटो आमार हब	कविता	नवनत तौंती
बांग्ला	श्रीकृष्णेर शेष कटा दिन	कहानी	संजीव चट्टोपाध्याय
बोडो	दोंसे लामा	कहानी	रिंगराज बसुमतारी
डोगरी	भागीरथ	उपन्यास	इंदरजीत केसर
अंग्रेजी	द ब्लाइंड लेडीज डीसेंडेंट्स	उपन्यास	अनीस सलीम
गुजराती	विभाजननी व्यथा	निबन्ध	शरीफ़ा वीजलीवाला
हिन्दी	**पोस्ट बॉक्स नं. 203–नाला सोपारा**	**उपन्यास**	**चित्रा मुद्गल**
कन्नड	अनुश्रेणी–यजामणिके	आलोचना	के.जी. नागराजप्पा
कश्मीरी	आख	कहानी	मुश्ताक अहमद मुश्ताक
कोंकणी	चित्रलिपी	कविता	परेश नरेन्द्र कामत
मैथिली	परिणीता	कहानी	वीणा ठाकुर
मलयालम	गुरुपउर्णमी	कविता	एस. रमेशन नायर
मणिपुरी	डमखैगी वाडमदा	कहानी	बुधिचन्द्र हैस्नाम्बा
मराठी	सर्जनप्रेरणा आणि कवित्वशोध	आलोचना	म. सु. पाटिल
नेपाली	किन रोयौ उपमा	कहानी	लोकनाथ उपाध्याय चापागाई
ओड़िया	प्रसंग पुरुणा भावना नूआ	आलोचना	दाशरथि दास
पंजाबी	कोने दा सूरज	कविता	मोहनजीत
राजस्थानी	कविता देवै दीठ	कविता	राजेश कुमार व्यास
संस्कृत	मम जननी	कविता	रमाकांत शुक्ल
संताली	मारोम	उपन्यास	श्याम बेसरा 'जीवी रारेक'
सिंधी	जिया मे टांडा	कविता	खीमण यू. मुलाणी
तमिल	संचारम	उपन्यास	एस. रामकृष्णन
तेलुगू	दिमर्शिनी	निबन्ध	कोलकलुरी इनोक
उर्दू	रोहज़िन	उपन्यास	रहमान अब्बास

- *उपर्युक्त पुरस्कारों के तहत् प्रशस्ति पत्र के साथ ₹ 1-1 लाख की राशि पुरस्कृत साहित्यकारों को दी जाएगी. पुरस्कारों का वितरण नई दिल्ली में 29 जनवरी, 2019 को आयोजित समारोह में किया जाएगा.*

वर्ष (2018) के सर्वश्रेष्ठ एथलीट

कीनिया के लम्बी दूरी के धावक एल्युड किपचोगे (Eliud Kipchoge) को पुरुषों में तथा कोलम्बिया की तिहरी कूद एथलीट कैटरिन इबारगुएन (Caterine Ibarguen) को महिलाओं में वर्ष की सर्वश्रेष्ठ एथलीट का पुरस्कार अन्तर्राष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ (IAAF–International Association of Athletics Federation) ने 5 दिसम्बर, 2018 को मोनाको में एक समारोह में प्रदान किया गया. पिछले वर्ष 2017 में अन्तर्राष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ के यह पुरस्कार क्रमशः मुताज़ बरशीम (कतर) व नफीसातौ थियाम (बेल्जियम) को प्रदान किए गए थे.

एल्युड किपचोगे व कैटरिन इबारगुएन अपनी ट्रॉफियों के साथ.

- ***वर्ष 2018 के सर्वश्रेष्ठ पुरुष एथलीट का पुरस्कार जीतने वाले 34 वर्षीय किपचोगे ने 2018 के दौरान लन्दन मैराथन जीतने के साथ-साथ बर्लिन मैराथन दौड़ में 2 घण्टे, 1 मिनट व 39 सेकण्ड का विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया था.***
- ***अन्तर्राष्ट्रीय एथलेटिक महासंघ के वर्ष 2018 के अन्य पुरस्कारों में वर्ष के उदीयमान एथलीट (Rising Star of the Year) का पुरस्कार स्वीडन के 19 वर्षीय पोल वाल्टर अरमांड डुप्लांटिस (Armand Duplantis) को दिया गया, जबकि महिलाओं में यह पुरस्कार अमरीकी धाविका सिडनी मैक्लाघ्लिन (Sydney McLaughlin) को दिया गया.***

बैलन डि'ओर (2018) : पहली बार महिला फुटबॉलर को भी दिया गया बैलन डि'ओर फैमिनिन

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर का बैलन डि'ओर (Ballon d'Or) पुरस्कार क्रोएशिया के लूका मॉड्रिक (Luka Modric) को प्रदान किया गया है. फ्रांसीसी फुटबाल पत्रिका फ्रांस फुटबाल (France Football) द्वारा दिए जाने वाले इस पुरस्कार के लिए अल्प-सूचीबद्ध खिलाड़ियों में पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो व अर्जेन्टीना के लियोनिल मैसी भी शामिल थे, किन्तु अन्ततः यह पुरस्कार मॉड्रिक को दिया गया. पुरस्कारों का वितरण 3 दिसम्बर, 2018 को पेरिस में हुआ.

एडा हैगरबर्ग, लूका मॉड्रिक व कीलियन मबापे अपनी ट्रॉफियों के साथ.

- *रियल मैड्रिड के लिए खेलने वाले लूका मॉड्रिक को ही 'फीफा' के वर्ष 2018 के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार 2018 में प्राप्त हुआ था.*
- *अर्जेन्टीना के लियोनिल मैसी व पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो पाँच-पाँच बार बैलन डि'ओर के विजेता रहे हैं. मैसी ने 2009, 2010, 2011, 2012 व 2015 में यह पुरस्कार जीता था, जबकि क्रिस्टियानो रोनाल्डो 2008, 2013, 2014 व 2017 में इसके विजेता रहे हैं.*

इस वर्ष से महिलाओं के लिए भी बैलन डि'ओर फैमिनिन

फुटबाल पत्रिका फ्रांस फुटबाल का बैलन डि'ओर पुरस्कार अभी तक केवल पुरुष फुटबॉलरों को ही दिया जाता था. इस वर्ष से पहली बार महिला फुटबॉलरों के लिए भी यह पुरस्कार शुरू किया गया है, तथा यह पहला **बैलन डि'ओर फैमिनिन** (Ballon d'Or Feminin) पुरस्कार फ्रांस के ल्योंन (Lyon) क्लब के लिए खेलने वाली नॉर्वे की फुटबॉलर एडा हैगरबर्ग (Ada Hegerberg) को दिया गया है.

सर्वश्रेष्ठ युवा फुटबॉलर के लिए कोपा ट्रॉफी

21 वर्ष से कम उम्र के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर के लिए कोपा ट्रॉफी (Kopa

Trophy) की शुरूआत भी फ्रांस फुटबाल द्वारा इसी वर्ष से की गई है. वर्ष 2018 के लिए यह पहली ट्रॉफी फ्रांस के ही कीलियन मबापे (Kyllian Mbappe) को 3 दिसम्बर, 2018 को पेरिस में बैलन डि'ओर पुरस्कारों के साथ ही प्रदान की गई है.

टाइम पर्सन ऑफ द ईयर (2018)

अमरीकी पत्रिका टाइम (Time) ने चार ऐसे पत्रकारों, जिनकी या तो हत्या की गई या फिर जिन्हें अपने काम के लिए सजा एवं उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है, के अतिरिक्त एक पत्रिका **कैपिटल गजट** (Capital Gazzette) के स्टाफ को वर्ष 2018 के लिए 'पर्सन ऑफ द ईयर' दिसम्बर 2018 में घोषित किया है. इन पत्रकारों को **सच के रक्षक (गार्डियन्स –Guardians)** टाइम ने करार दिया है. टाइम पर्सन ऑफ द ईयर चुने गए गार्डियन्स में वाशिंगटन पोस्ट के स्तम्भकार जमाल खशोगी (Jamal Khashoggi), जिनकी इस्तांबुल (तुर्की) स्थित सऊदी दूतावास में अक्टूबर 2018 में हत्या कर दी गई थी तथा जिनका शव अभी तक नहीं मिला है, शामिल हैं. खशोगी सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान (MBS) के आलोचक रहे थे तथा हाल ही में उनका नाम उस समय बहुचर्चित हुआ जब अक्टूबर 2018 में तुर्की स्थित सऊदी दूतावास में अपने दस्तावेजों के सम्बन्ध में किसी कार्य के लिए वह गए थे, जिसके पश्चात् वह लापता हो गए थे. सऊदी अरब ने उनके लापता होने के पीछे अपना हाथ होने से इनकार किया था, किन्तु बाद में बताया गया कि उनकी मौत हो चुकी है. खशोगी की हत्या सऊदी दूतावास में ही हो गई थी. उनकी मौत से पश्चिमी देशों व सऊदी अरब के सम्बन्धों में खटास पैदा हुई है.

टाइम के पर्सन ऑफ द ईयर के चार कवर्स.

खशोगी के अतिरिक्त फिलीपींस की पत्रकार मारिया रेसा (Maria Ressa) तथा रॉयटर के म्यांमार स्थित रिपोर्ट्स वा लोन (Wa Lone) व क्याव सोइ उ (Kyaw Soe Oo) को भी पर्सन ऑफ द ईयर का सम्मान टाइम पत्रिका ने दिया है. स्टेट सीक्रेट्स एक्ट के उल्लंघन के मामले में 7-7 वर्ष के कारावास की सजा उन्हें सितम्बर 2018 में म्यांमार में सुनाई गई थी. 'कैपिटल गजट' के एनापोलिस (Annapolis) स्थित कार्यालय में 28 जुलाई, 2018 को एक बंदूक धारी ने अंधाधुन्ध गोलियाँ चलाकर स्टाफ के पाँच लोगों को मौत के घाट उतार दिया था.

टाइम पत्रिका द्वारा पर्सन ऑफ द ईयर की घोषणा प्रति वर्ष दिसम्बर माह में की जाती है. इसके लिए व्यक्ति/व्यक्तित्व/समूह का चयन जनमत व अन्य विभिन्न मानकों के आधार पर किया जाता है तथा ऐसे चुने हुए व्यक्ति को पत्रिका के मुखपृष्ठ पर स्थान दिया जाता है. इस वर्ष के पर्सन्स ऑफ द ईयर को मुखपृष्ठ पर स्थान देने के लिए चार अलग-अलग मुखपृष्ठ टाइम द्वारा दिसम्बर 2018 में प्रकाशित किए गए हैं.

पिछले वर्ष 2017 में टाइम का यह सम्मान अमरीका में यौन शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने वाली महिलाओं व पुरुषों के आन्दोलन 'द साइलेंस ब्रेकर्स' (The Silence Breakers) को दिया गया था.

फिलीपींस की कैट्रियोना ग्रे मिस यूनीवर्स (2018)

वर्ष 2018 की मिस यूनीवर्स प्रतियोगिता का फाइनल थाइलैण्ड में बैंकॉक में 17 दिसम्बर, 2018 को सम्पन्न हुआ. इसका ताज फिलीपीन्स की 24 वर्षीय कैट्रियोना ग्रे (Catriona Gray) ने जीता. पूर्व वर्ष 2017 की मिस यूनीवर्स द. अफ्रीका की डेमी-ले-नेल-पीटर्स (Demi-Leigh Nel-Peters) ने उन्हें यह ताज पहनाया. द. अफ्रीका की तमारिन ग्रीन (Tamaryn Green) इस प्रतियोगिता में प्रथम उपविजेता रहीं, जबकि द्वितीय उपविजेता का श्रेय वेनेजुएला की स्थेफैनी गुटिरेज़ (Sthefany Gutierrez) को प्राप्त हुआ.

भारत सहित 94 देशों की सुन्दरियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया था. प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व मुम्बई की 22 वर्षीय नेहल चुड़ासामा (Nehal Chudsama) जिन्हें अगस्त 2018 में मिस डीवा 'यूनीवर्स' चुना गया था, ने किया जो शीर्ष 20 प्रतिभागियों में भी स्थान नहीं बना सकीं.

- ***भारत की केवल दो सुन्दरियाँ अब तक मिस यूनीवर्स प्रतियोगिता का ताज जीतने में सफल रही हैं. इनमें सुष्मिता सेन (1994) व लारा दत्ता (2000) शामिल हैं.***
- *इस वर्ष (2018 में) मिस यूनीवर्स प्रतियोगिता का यह 67वाँ आयोजन था.*

मेक्सिको की वेनेसा पॉस डि लियोन विश्व सुन्दरी (2018)

मेक्सिको की 26 वर्षीय वेनेसा पॉस डि लियोन (Vanessa Ponce de Leon) वर्ष 2018 की विश्व सुन्दरी (Miss World) चुनी गई हैं. इस प्रतियोगिता का फाइनल दौर चीन में सान्या (Sanya) शहर में 8 दिसम्बर, 2018 को सम्पन्न हुआ. भारत सहित 118 देशों की चुनींदा सुन्दरियाँ फाइनल में शामिल थीं. इनमें शीर्ष स्थान मेक्सिको की वेनेसा पॉस ने प्राप्त किया. गत वर्ष की विश्व सुन्दरी मानुषी छिल्लर (भारत) ने उन्हें इसका ताज पहनाया. थाइलैण्ड की निकोलेन लिम्सनुकान (Nicolene Limsnukan) इस वर्ष उपविजेता रहीं.

वर्ष 2018 की विश्व सुन्दरी वेनेसा पॉस डि लियोन को इसका ताज पहनाते हुए पिछले वर्ष की विश्व सुन्दरी मानुषी छिल्लर.

- *वर्ष 2018 की इस प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व अनुकृति वास, जो **जून 2018 में ही फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड चुनी गई थीं** ने किया था, जो शीर्ष 30 तक पहुँचने के पश्चात् पहली 12 प्रतियोगियों में स्थान नहीं बना सकीं.*
- ***भारत की कुल 6 सुन्दरियाँ अब तक विश्व सुन्दरी चुनी जा चुकी हैं, जिनमें रीता फारिया (1966), एश्वर्य राय (1994), डायना हैडेन (1997), युक्तामुखी (1999), प्रियंका चोपड़ा (2000) व मानुषी छिल्लर (2017) शामिल हैं.***
- *इस वर्ष मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता का यह 68वाँ वार्षिक आयोजन था.*

भारतीय मूल की अमरीकी सुन्दरी श्री सैनी को (मिस इंडिया वर्ल्डवाइड (2018) का ताज

भारतीय मूल की अमरीकी सुन्दरी श्री सैनी (Shree Saini) ने वर्ष 2018 की मिस इंडिया वर्ल्डवाइड प्रतियोगिता का ताज दिसम्बर 2018 में जीता है. इस प्रतियोगिता का आयोजन अमरीका में फोर्ल्स सिटी में 15 दिसम्बर में हुआ. आस्ट्रेलिया की साथी सिन्हा व ब्रिटेन की अनुषा सरीन क्रमशः प्रथम व द्वितीय उपविजेता इसमें चुनी गईं.

- *विदेशों में रह रही भारतीय मूल की सुन्दरियों के लिए आयोजित की जाने वाली इस प्रतियोगिता का यह 27वाँ आयोजन था.*
- *आगामी, वर्ष 2019 की मिस इंडिया वर्ल्ड वाइड प्रतियोगिता का आयोजन मुम्बई में होगा.*

साइलेंस ब्रेकर्स ऐसे लोगों का समूह है, जो अपने ही यौन शोषण का खुलासा करते हुए **'मी टू' (Mee Too) आन्दोलन** से जुड़े हैं.

टाइम के पर्सन ऑफ द ईयर–

2017 द साइलेंस ब्रेकर्स
2016 डोनाल्ड ट्रंप
2015 एंजेला मर्केल
2014 इबोला फाइटर्स
2013 पोप फ्रांसिस
2012 बराक ओबामा
2011 द प्रोटेस्टर
2010 मार्क जुकरबर्ग (फेसबुक नेटवर्किंग साइट के संस्थापक)
2009 बेन बर्नांके (फेडरल रिजर्व के तत्कालीन प्रमुख)
2008 बराक ओबामा
2007 व्लादिमीर पुतिन

राष्ट्रीय एकता हेतु सरदार पटेल पुरस्कार

देश के पहले उपप्रधानमन्त्री व पहले गृह मन्त्री सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति में एक नया राष्ट्रीय पुरस्कार प्रारम्भ करने की घोषणा प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 22 दिसम्बर, 2018 को गुजरात में केवड़िया में पुलिस उच्चाधिकारियों के एक सम्मेलन में की है. यह पुरस्कार राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए विशेष योगदान के लिए प्रतिवर्ष दिया जाएगा.

मध्य प्रदेश शासन का तानसेन सम्मान (2018)

मध्य प्रदेश शासन का शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र का वर्ष 2017-18 का तानसेन सम्मान जानी मानी सितारवादक मंजू मेहता को प्रदान किया गया है. केन्द्रीय मन्त्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने ग्वालियर में तानसेन संगीत समारोह (2018) में उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया. इस पुरस्कार के तहत् प्रशस्ति पत्र के साथ ₹ 2 लाख की राशि उन्हें प्रदान की गई.

पिछले वर्ष 2016-17 का यह पुरस्कार हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायक पंडित उल्हास कशालकर को दिया गया था.

आईटीएफ के वर्ल्ड चैम्पियन (2018)

टेनिस के संचालन की वैश्विक संस्था इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन (ITF) ने खिलाड़ियों के वर्ष भर के प्रदर्शन के आधार पर सर्बिया के नोवाक जोकोविच (Novak Djokovic) को पुरुषों में तथा रूमानिया की सिमोना हालेप (Simona Halep) को महिलाओं में वर्ष 2018 के विश्व चैम्पियन दिसम्बर 2018 में घोषित किया है. आईटीएफ के इन पुरस्कारों की घोषणा 13 दिसम्बर, 2018 को लन्दन में की गई. विभिन्न श्रेणियों में यह पुरस्कार अग्रलिखित को दिए गए हैं–

पुरुष एकल	:	नोवाक जोकोविच (सर्बिया)
महिला एकल	:	सिमोना हालेप (रोमानिया)
पुरुष युगल	:	माइक ब्रायन व जैक सौक (दोनों अमरीका)
महिला युगल	:	बारबरा क्रेजसिकोवा व कैटरिना सिनियाकोवा (दोनों चैक गणराज्य)

नोवाक जोकोविच सिमोना हालेप
आईटीएफ के वर्ष 2018 के विश्व चैम्पियन.

एकल वर्ग में नोवाक जोकोविच को यह पुरस्कार छठी बार जहाँ दिया गया है वहीं महिलाओं में सिमोना हालेप को पहली बार ही यह प्राप्त हुआ है.

विश्व बैडमिंटन महासंघ के वर्ष 2018 के पुरस्कार

विश्व बैडमिंटन महासंघ (BWF) ने वर्ष 2018 के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के लिए अपने पुरस्कारों का वितरण गुआंगझू (चीन) में 9 दिसम्बर, 2018 को किया. पाँच श्रेणियों में दिए गए इन पुरस्कारों में **सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार गत वर्ष के इस पुरस्कार की विजेता इंडोनेशियाई जोड़ी फर्नाल्डी गिडियॉन व केविन सांजया सुकामुलजो को ही दिया गया है. प्रमुख पुरस्कारों की सूची निम्नलिखित है–**

सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी–मार्कस फर्नाल्डी गिडियॉन (Marcus Fernaldi Gidion) व केविन सांजया सुकामुलजो (Kevin Sanjaya Sukamuljo) (दोनों इण्डोनेशिया) को संयुक्त रूप से.

सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी–हुआंग याकियोंग (Huang Yaqiong) चीन.

मोस्ट प्रॉमिसिंग प्लेयर ऑफ द ईयर का एडंडी चूंग पुरस्कार–हांग चेंगकाई व झोउ हाउडोंग (चीन)

मोस्ट इम्प्रूव्ड प्लेयर (Most Improved Player)–मायु मात्सुमोटो व वकाना नगाहरा, जापान (संयुक्त रूप से)

बॉलीवुड की फिल्मों के स्टार स्क्रीन पुरस्कार (2018)

वर्ष 2018 में प्रदर्शित भारतीय फिल्मों के लिए स्टार स्क्रीन पुरस्कारों का वितरण मुम्बई में 16 दिसम्बर को किया गया. इनमें **सर्वश्रेष्ठ फिल्म** का पुरस्कार अमर कौशिक द्वारा निर्देशित फिल्म **स्त्री** के लिए दिया गया, जबकि **सर्वश्रेष्ठ निर्देशक** का पुरस्कार फिल्म अंधाधुन्ध के लिए श्रीराम राघवन को दिया गया. प्रमुख पुरस्कारों की सूची निम्नलिखित है–

सर्वश्रेष्ठ फिल्म–स्त्री (निर्देशक अमर कौशिक)

सर्वश्रेष्ठ फिल्म (क्रिटिक्स चॉइज)–मुल्क

सर्वश्रेष्ठ निर्देशक–श्रीराम राघवन

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता–रणवीर सिंह (पद्मावत्) व राजकुमार राव (स्त्री)

सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री–आलिया भट्ट (राज़ी)

मोस्ट प्रॉमिसिंग डेब्यू डायरेक्टर–अमर कौशिक (स्त्री)

सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता–पंकज त्रिपाठी (स्त्री)

सर्वश्रेष्ठ डेब्यू अभिनेता–इशान खट्टर (धड़क)

सर्वश्रेष्ठ डेब्यू अभिनेत्री–राधिका मदान (पटाखा)

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (क्रिटिक्स चॉइस)–आयुष्मान खुराना

सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (क्रिटिक्स चॉइस)–नीना गुप्ता (बधाई हो)

सर्वश्रेष्ठ संगीत (बैक ग्राउण्ड स्कोर)–अमित त्रिवेदी (मन मर्जियाँ)

सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक–अरिजीत सिंह (ऐ वतन, राज़ी)

सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका–हर्षदीप कौर (दिलवरो····, राज़ी)

सर्वश्रेष्ठ गीतकार–गुलजार (ऐ वतन, राज़ी)

सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी–पद्मावत्

सर्वश्रेष्ठ एक्शन–अहमद खान (बाग़ी 2)

सर्वश्रेष्ठ संवाद–स्त्री

लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार–शबाना आजमी

सोशल मीडिया पर रियल स्टार–कैटरिना कैफ

निधन (Death)

निरुपम सेन

मार्क्सवादी नेता निरुपम सेन का 72 वर्ष की आयु में 24 दिसम्बर, 2018 को कोलकाता में निधन हो गया. वह पश्चिम बंगाल की मार्क्सवादी सरकार में वाणिज्य एवं उद्योग मन्त्री रहे थे तथा इस राज्य में औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका उनकी रही थी.

मृणाल सेन

बांग्ला फिल्मों के जाने माने निर्माता निर्देशक मृणाल सेन का 95 वर्ष की आयु में

मृणाल सेन

30 दिसम्बर, 2018 को कोलकाता में निधन हो गया समानांतर सिनेमा के लिए विशेष ख्याति प्राप्त मृणाल सेन मार्क्सवादी विचारधारा के थे. 16 फिल्मों के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार उन्हें प्राप्त हुए थे. इनमें सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के चार पुरस्कार (भुवन शोम, 1969; कोरस, 1974; मृगया 1976 व अकालेट सांधाने 1980), सर्वश्रेष्ठ बांग्ला फिल्म के तीन पुरस्कार (पुनश्चा 1961, आकाश कुसुम 1965 व अंतरीन 1993) सर्वश्रेष्ठ तेलुगु फिल्म के लिए पुरस्कार (परशुराम 1978), सर्वश्रेष्ठ निर्देशन के लिए चार पुरस्कार तथा सर्वश्रेष्ठ पटकथा के लिए 3 पुरस्कार शामिल हैं. अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सवों में भी उनकी फिल्मों को विभिन्न पुरस्कार प्राप्त हुए थे. भारत में सिनेमा जगत् के सर्वोच्च दादा साहेब फाल्के पुरस्कार (2003) के अतिरिक्त पद्म भूषण से भी वह सम्मानित थे. अनेक विश्व विद्यालयों ने उन्हें डी. लिट की मानद उपाधि से सम्मानित किया था. वह राज्य सभा के मनोनीत सदस्य भी रहे थे.

जॉर्ज बुश सीनियर

अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश (बुश सीनियर) का 94 वर्ष की आयु में 30 नवम्बर, 2018 को टेक्सास में निधन हो गया. वह लम्बे समय से बीमार थे. 1989 से 1993 के दौरान वह अमरीका के 41वें राष्ट्रपति रहे थे. इससे पूर्व 1981 से 1989 तक वह अमरीका के उपराष्ट्रपति थे.

जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश

- *1992 में राष्ट्रपति के चुनाव में बिल क्लिंटन से वह पराजित हुए थे (बिल क्लिंटन 1993 से 2001 तक अमरीका के 42वें राष्ट्रपति रहे.)*
- *जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश के पुत्र जॉर्ज डब्ल्यू. बुश बाद में 2001 से 2009 के दौरान अमरीका के 43वें राष्ट्रपति रहे थे.*
- *उपराष्ट्रपति बनने से पूर्व जॉर्ज बुश सीनियर संयुक्त राष्ट्र संघ में अमरीका के राजदूत व सीआईए के निदेशक भी रहे थे.*

जगदीश ठक्कर

प्रधानमन्त्री कार्यालय में पब्लिक रिलेशंस ऑफिसर (PRO) के रूप में कार्यरत् रहे वरिष्ठ पत्रकार जगदीश ठक्कर का 10 दिसम्बर, 2018 को नई दिल्ली में निधन हो गया. 70 वर्षीय वरिष्ठ पत्रकार लम्बे समय से बीमार थे. गुजरात में एक समाचार-पत्र के साथ कॅरियर प्रारम्भ करने वाले श्री जगदीश ठक्कर गुजरात में सूचना विभाग में कार्यरत् रहने के पश्चात् 2014 में प्रधान-मन्त्री नरेन्द्र मोदी के कार्यालय में पीआरओ नियुक्त किए गए थे.

प्रधानमन्त्री कार्यालय में पीआरओ के रूप में नियुक्ति से पूर्व वह गुजरात में लगातार 9 मुख्यमन्त्रियों अमरसिंह चौधरी, माधव सिंह सोलंकी, चिम्मन भाई पटेल, छबीलदास मेहता, केशुभाई पटेल, सुरेश मेहता, शंकर सिंह बाघेला, दिलीप पारिख व नरेन्द्र मोदी के साथ पीआरओ रहे थे. इस प्रकार श्री नरेन्द्र मोदी के साथ 17 वर्षों तक (13 वर्ष 7 माह तक उनके मुख्यमन्त्री के कार्यकाल के दौरान तथा 4 वर्ष 7 माह तक उनके प्रधानमन्त्री के रहते) पीआरओ वह रहे थे.

मुशीरुल हसन

प्रसिद्ध इतिहासकार प्रो. मुशीरुल हसन का 69 वर्ष की आयु में 10 दिसम्बर, 2018 को दिल्ली के एक अस्पताल में निधन हो गया. अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय व कैम्ब्रिज यूनीवर्सिटी में शिक्षा प्राप्त प्रो. हसन जामिया मिलिया इस्लामिया के कुलपति रहे थे. वह इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस के अध्यक्ष तथा नेशनल आर्काइव्ज ऑफ इंडिया के महा-निदेशक भी रहे थे.

मुशीरुल हसन

चर्चित व्यक्ति
(Persons in the News)

ईशा अंबानी व आनन्द पीरामल

देश के सबसे बड़े उद्योगपति व सबसे धनी मुकेश अंबानी की पुत्री ईशा अंबानी का विवाह पीरामल रियलिटी के संस्थापक अजय पीरामल के पुत्र आनन्द पीरामल के साथ 12 दिसम्बर, 2018 को सम्पन्न हुआ. विवाह की रस्में मुकेश अंबानी के मुम्बई स्थित आवास एंटीलिया में पूरी की गईं. पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी, पूर्व अमरीकी विदेश मन्त्री हिलेरी क्लिंटन, केन्द्रीय गृह मन्त्री राजनाथ सिंह, बच्चन परिवार, सचिन तेंदुलकर, नव-विवाहित प्रियंका चोपड़ा व उनके पति निक जोनास, शाहरुख खान, सलमान खान, करीना कपूर खान व दीपिका पादुकोण सहित बॉलीवुड की जानी मानी हस्तियाँ इस अवसर पर उपस्थित मेहमानों में शामिल थे. विवाह से जुड़े कार्यक्रम पूरे सप्ताह तक जारी रहे. विवाह की पूर्व वेडिंग सेरेमनी 8–9 दिसम्बर को उदयपुर में हुई.

विवाह के दौरान ईशा अंबानी व आनन्द पीरामल.

साइना नेहवाल व पारुपल्ली कश्यप

भारत के दो स्टार बैडमिन्टन खिलाड़ी साइना नेहवाल व पारुपल्ली कश्यप 14 दिसम्बर, 2018 को विवाह बन्धन में बँध गए. हैदराबाद में कोर्ट मैरिज करने के पश्चात् विवाह के समाचार को उन्होंने सार्वजनिक किया तथा हैदराबाद में ही रिसेप्शन भी आयोजित किया.

विश्व की नम्बर एक खिलाड़ी रह चुकी 28 वर्षीय साइना नेहवाल अनेक अन्तर्राष्ट्रीय खिताबों की विजेता हैं. इस वर्ष (2018 में) गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमण्डल खेलों में दो स्वर्ण पदक उन्होंने जीते थे. वह अर्जुन पुरस्कार (2009) व राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार (2009-10) के अतिरिक्त पद्म श्री (2010) व पद्म भूषण (2016) से सम्मानित हैं.

साइना नेहवाल व पारुपल्ली कश्यप

32 वर्षीय पारुपल्ली कश्यप की सर्वोच्च रैंकिंग 6 (2013 में) रही है. ग्लासगो राष्ट्र-मण्डल खेलों में स्वर्ण पदक विजेता रहे कश्यप को 2012 में अर्जुन पुरस्कार प्रदान किया गया था.

विनेश फोगट व सोमवीर राठी

राष्ट्रीय कुश्ती में कांस्य पदक जीतने वाले पहलवान सोमवीर राठी अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त महिला पहलवान विनेश फोगट के साथ विवाह बन्धन में दिसम्बर 2018 में बँधे हैं. दोनों का विवाह चरखी दादरी (हरियाणा) में उनके पैतृक गाँव में 13 दिसम्बर को हुआ. 24 वर्षीय विनेश इस वर्ष गोल्ड

विनेश फोगट व सोमवीर राठी

कोस्ट राष्ट्रमण्डल खेलों व जकार्ता एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक विजेता रही हैं. वह अर्जुन पुरस्कार से भी सम्मानित हैं. 2014 में ग्लासगो राष्ट्रमण्डल खेलों में भी स्वर्ण पदक उन्होंने जीता था. विनेश व सोमवीर दोनों ही रेलवे में नौकरी करते हैं.

प्रियंका चोपड़ा व निक जोनास

बॉलीवुड की अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा, जो वर्ष 2000 में विश्व सुन्दरी चुनी गई थीं, ने अपने से 10 वर्ष कम उम्र के अमरीकी कम्पोजर, गायक एवं अभिनेता निक जोनास (Nick Jonas) के साथ विवाह 1 दिसम्बर, 2018

प्रियंका चोपड़ा व निक जोनास

को सम्पन्न किया. दोनों के विवाह की रस्में जोधपुर स्थित उम्मेद भवन पैलेस में सम्पन्न हुईं. विवाहोपरान्त 6 दिसम्बर को नई दिल्ली में आयोजित रिसेप्शन समारोह में प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी भी शामिल हुए.

दीपिका पादुकोण व रणवीर सिंह

बॉलीवुड के दो सितारे दीपिका पादुकोण व रणवीर सिंह नवम्बर 2018 में विवाह बन्धन

रणवीर सिंह व दीपिका पादुकोण

में बँध गए. उनके विवाह की रस्में इटली में लेककोमो में 14 नवम्बर को सम्पन्न हुईं. बाद में मुम्बई व बेंगलूरू में रिसेप्शन समारोह आयोजित किए गए.

पुस्तकें (Books)

चेंजिंग इंडिया (Changing India)
–डॉ. मनमोहन सिंह (18 दिसम्बर, 2018 को जारी)

ए रूरल मैनीफेस्टो : रिअलाइजिंग इंडियास फ्यूचर थ्रू हर विलेजेस (A Rural Manifesto : Realising Indias Future through Her Villages)
–फिरोज वरुण गांधी (दिसम्बर, 2018 में जारी)

ऑफ काउंसेल : द चैलेंजेस ऑफ द मोदी-जैटली इकोनॉमी (Of Counsel : The Challenges of the Modi-Jaitley Economy) –अरविंद सुब्रमण्यम
(5 दिसम्बर, 2018 को जारी)

मॉडर्न साउथ इंडिया : ए हिस्ट्री फ्रॉम द 17th सेंचुरी टु अवर टाइम्स (Modern South India : A History from the 17th Century to Our Times)
–राजमोहन गांधी
(10 दिसम्बर, 2018 को जारी)

नेहरू : द इन्वेंशन ऑफ इंडिया (Nehru : The Invention of India) –शशि थरूर

इंडिया अनमेड : हॉउ द मोदी गवर्नमेन्ट ब्रोक द इकोनॉमी (India Unmade : How the Modi Government Broke the Economy)
–यशवन्त सिन्हा व आदित्य सिन्हा
(20 दिसम्बर, 2018 को जारी)

वर्ष/दिवस/सप्ताह (Year/Days/Week)

दिसम्बर 2018 में महत्वपूर्ण दिवस

दिसम्बर 2018

1 दिसम्बर–विश्व एड्स दिवस
(एड्स के प्रति जागरूकता लाने के लिए जेम्स डब्ल्यू. बुन व थॉमस नैटर की पहल पर 1 दिसम्बर को विश्व एड्स दिवस के रूप में मनाने का निर्णय यूएन एड्स (UN AIDS) द्वारा 1988 में किया गया था. इस वर्ष 2018 में विश्व एड्स दिवस का थीम था–Know Your Status).

3 दिसम्बर–दिव्यांग जनों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय दिवस
(संयुक्त राष्ट्र संघ की पहल पर वर्ष 1992 से 3 दिसम्बर को दिव्यांग जनों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में प्रतिवर्ष मनाया जाता है).

3 दिसम्बर–पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयंती

4 दिसम्बर–नौसेना दिवस (भारत)
(1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भारतीय नौसेना की उपलब्धियों की स्मृति में 4 दिसम्बर को प्रतिवर्ष नौसेना दिवस के रूप में मनाया जाता है. इस दिन की कराची बन्दरगाह पर हमला करके शानदार सफलता प्राप्त की थी.)

5 दिसम्बर–विश्व मृदा दिवस (World Soil Day)
(वैश्विक खाद्य समस्या से निपटने में मृदा के महत्व को देखते हुए खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) की पहल पर वर्ष 2012 से 5 दिसम्बर को विश्व मृदा दिवस के रूप में प्रतिवर्ष मनाया जाता है. इस वर्ष 2018 में विश्व मृदा दिवस का थीम था–Be the Solution to Soil Pollution)

6 दिसम्बर–नागरिक सुरक्षा दिवस (Civil Defence Day) (**होमगार्ड स्थापना दिवस**)
(नागरिक सुरक्षा के लिए भारत में होमगार्ड की स्थापना 6 दिसम्बर, 1946 को सर्वप्रथम मुम्बई में की गई थी. 1962 में चीन के आक्रमण के समय पूरे देश के ऐसे विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों को एकजुट करके अखिल भारतीय स्तर पर इस स्वयंसेवी संगठन को मूर्त रूप दिया गया था.)

6 दिसम्बर–बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस
(भारतरत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का निधन 6 दिसम्बर, 1956 को हुआ था. उनका 63वाँ महापरिनिर्वाण दिवस 6 दिसम्बर, 2018 को मनाया गया.)

7 दिसम्बर–सशस्त्र बलों का झण्डा दिवस
(यह भारतीय सशस्त्र बलों के कर्मियों के कल्याण हेतु देश की जनता से धनसंग्रह को समर्पित दिन है, जोकि 1949 से प्रतिवर्ष 7 दिसम्बर को मनाया जाता है. सशस्त्र सेना के प्रतीक चिह्न झण्डे का वितरण कर धन संग्रह इस दिन किया जाता है.)

9 दिसम्बर–संयुक्त राष्ट्र भ्रष्टाचार निरोधी दिवस
(संयुक्त राष्ट्र संघ की पहल पर प्रतिवर्ष 9 दिसम्बर को भ्रष्टाचार निरोधी दिवस के रूप में वर्ष 2003 से मनाया जाता है.)

10 दिसम्बर–अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस
(संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र घोषणा-पत्र 10 दिसम्बर, 1950 को स्वीकार किया गया था. इस उपलक्ष्य में इस दिन को अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के रूप में प्रतिवर्ष मनाया जाता है.)

11 दिसम्बर–अन्तर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस
(पर्वतों के सतत् विकास पर ध्यान केन्द्रित करने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रतिवर्ष 11 दिसम्बर को अन्तर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव 2003 में पारित किया था.)

14 दिसम्बर–राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस
(विद्युत् मन्त्रालय के ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफीशियंसी के तत्वावधान में राष्ट्रीय ऊर्जा

संरक्षण दिवस का आयोजन वर्ष 1991 से प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को किया जाता है तथा वर्ष 2018 में ऐसा 28वाँ दिवस 14 दिसम्बर को मनाया गया. इस वर्ष राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस का थीम था.)

16 दिसम्बर–विजय दिवस

(1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत की विजय की स्मृति यह दिन विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है. 13 दिन तक चले इस युद्ध में पराजय के बाद 16 दिसम्बर, 1971 को पाकिस्तानी सेना ने तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में भारतीय सेना के समक्ष समर्पण किया था. इसके साथ ही बांग्लादेश अस्तित्व में आया था. इस युद्ध में भारत की विजय का 48वाँ विजय दिवस 16 दिसम्बर, 2018 को मनाया गया. यह दिवस भारत व बांग्लादेश दोनों में ही मनाया जाता है.)

19 दिसम्बर–गोवा, दमन व दियू मुक्ति दिवस

(भारतीय सेनाओं ने गोवा, दमन व दियू को पुर्तगाली शासन से 19 दिसम्बर, 1961 को मुक्त कराया था.)

20 दिसम्बर–विश्व मानव एकता दिवस (इंटरनेशनल ह्यूमन सॉलिडेरिटी डे)

(विविधता में एकता दर्शाने के लिए प्रतिवर्ष 20 दिसम्बर को विश्व मानव एकता दिवस के रूप में मनाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा 2005 में की गई थी.)

22 दिसम्बर–राष्ट्रीय गणित दिवस

(प्रसिद्ध गणितज्ञ श्रीनिवासन रामानुजन का जन्म 22 दिसम्बर, 1887 को हुआ था. उनके जन्म दिन को राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में मनाने की घोषणा 26 फरवरी, 2012 को तत्कालीन प्रधानमन्त्री डॉ. मनमोहन सिंह ने उनकी 125वीं जयंती के एक कार्यक्रम में की थी.)

23 दिसम्बर–राष्ट्रीय किसान दिवस

(23 दिसम्बर पूर्व प्रधानमन्त्री चौधरी चरणसिंह का जन्म दिवस है. इस दिन को किसान दिवस के रूप में मनाने की घोषणा वर्ष 2001 में श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा की गई थी.)

24 दिसम्बर–राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस

(उपभोक्ताओं को शोषण से बचाने के लिए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 को 24 दिसम्बर, 1986 से लागू किया गया था, जिसके उपलक्ष्य में इस दिन को राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के रूप में मनाया जाता है. वर्ष 2018 में इस दिवस का थीम–Timely Disposal of Consumer Complaints था)

इस वर्ष उपभोक्ता संरक्षण दिवस ऐसे समय में मनाया गया है जब सरकार 1986 के उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम को विस्थापित करने की तैयारी में है. इसके लिए नया उपभोक्ता संरक्षण विधेयक, 2018 लोक सभा ने 21 दिसम्बर, 2018 को पारित किया है. राज्य सभा में पारित होने के पश्चात् नया अधिनियम उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम (1986 को विस्थापित करेगा.)

25 दिसम्बर–भारतरत्न महामना मदन मोहन मालवीय की जयन्ती

(महामना मदन मोहन मालवीय का जन्म 25 दिसम्बर, 1861 को हुआ था.)

25 दिसम्बर–सुशासन दिवस

(पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस 25 दिसम्बर को सुशासन दिवस के रूप में मनाने की घोषणा नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार ने 2014 में की थी. श्री वाजपेयी को 2015 में भारतरत्न से सम्मानित किया गया था.)

28 दिसम्बर–कांग्रेस पार्टी का स्थापना दिवस

(28 दिसम्बर, 2018 को कांग्रेस का 134वाँ स्थापना दिवस था. इस पार्टी की स्थापना 28 दिसम्बर, 1885 को हुई थी.)

महोत्सव (Festival)

अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव (2018)

हरियाणा सरकार के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन कुरुक्षेत्र में 7–23 दिसम्बर, 2018 को हुआ. इस महोत्सव का औपचारिक उद्घाटन 13 दिसम्बर, 2018 को हरियाणा के राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य व मुख्यमन्त्री मनोहर लाल खट्टर की उपस्थिति में हुआ. मॉरिशस के कार्यवाहक राष्ट्रपति परमासिवम पिल्लै ब्यापूरी भी उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे. गीता यज्ञ अन्तर्राष्ट्रीय गीता संगोष्ठी, ध्वनि एवं प्रकाश शो, सन्त सम्मेलन, शिल्प मेला व पुस्तक मेला के अतिरिक्त विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी इस महोत्सव में हुआ. **उद्घाटन समारोह में उपस्थित मॉरिशस के कार्यवाहक राष्ट्रपति ने मॉरिशस में फरवरी 2019 में गीता महोत्सव के आयोजन की घोषणा की.**

विविध (Miscellaneous)

180 किमी प्रतिघण्टा की गति से टी–18 का परीक्षण

देश की सबसे आधुनिक इंजन रहित रेलगाड़ी टी-18 का परिचालन शीघ्र ही शुरू होने की सम्भावना है. चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (ICF) में निर्मित इस रेलगाड़ी का पहले परीक्षण मुरादाबाद-सहारनपुर रूट पर नवम्बर 2018 में हुए थे. बाद में सफदरजंग (दिल्ली)–आगरा कैंट के बीच इसका परीक्षण दिसम्बर के पहले सप्ताह में हुआ. जहाँ 180 किमी प्रतिघण्टा की गति इसने प्राप्त की. आईसीएफ के प्रमुख सुधांशु मणि के अनुसार ड्रैक व सिग्नल प्रणाली ठीक रहने पर यह रेलगाड़ी 200 किमी प्रति घण्टा की गति से दौड़ सकती है.

भारत व चीन के बीच हैण्ड इन हैण्ड शृंखला का सातवाँ सैन्याभ्यास

भारत व चीन की सेनाओं का वार्षिक हैण्ड इन हैण्ड संयुक्त अभ्यास चीन में चेंगदू (Chengdu) में 10-23 दिसम्बर, 2018 को सम्पन्न हुआ. दोनों देशों की सेनाओं के बीच निकटतापूर्ण सम्बन्ध बनाने तथा उसे बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस संयुक्त अभ्यास में दोनों देशों के 100-100 सैन्यकर्मी दो सप्ताह के इस संयुक्त अभ्यास में शामिल थे.

- ***दोनों देशों के बीच हैण्ड इन हैण्ड शृंखला का यह सातवाँ संयुक्त अभ्यास था.*** *ऐसा पिछला छठा संयुक्त अभ्यास भारत में पुणे में 15-17 नवम्बर, 2016 को सम्पन्न हुआ था.*
- *भारत व चीन की सेनाओं के संयुक्त अभ्यास को **हैण्ड इन हैण्ड** नाम दिया गया है. इसकी शुरुआत दिसम्बर 2007 में हुई थी, जब पहला **हैण्ड इन हैण्ड** संयुक्त सैन्य अभ्यास चीन में कुनिंग (Kuming) में सम्पन्न हुआ था.*
- *दूसरा हैण्ड इन हैण्ड संयुक्त अभ्यास दिसम्बर 2008 में भारत में बेलगाम (कर्नाटक) में, तीसरा नवम्बर 2013 में चीन में चेंगदू (Chengdu) में, चौथा नवम्बर 2014 में भारत में पुणे में, पाँचवाँ अक्टूबर 2015 में चीन में कुनिंग में तथा छठा संयुक्त अभ्यास नवम्बर 2016 में भारत में पुणे में सम्पन्न हुआ था.*

भारत व अमरीका की वायुसेनाओं का संयुक्त अभ्यास कोप इंडिया–2018

भारत व अमरीका की वायुसेनाओं का संयुक्त अभ्यास कोप इंडिया 2018 (Cope India 2018) प. बंगाल में कलाइकुंडा व पानगढ़ वायुसैनिक केन्द्रों पर 3-14 दिसम्बर, 2018 को सम्पन्न हुआ. दोनों देशों के बीच इस अभ्यास की शुरुआत 2014 से हुई थी तथा इस शृंखला में यह चौथा संयुक्त अभ्यास था. यह अभ्यास भारत में ही सम्पन्न किया जाता रहा है.

दिवंगत प्रधानमन्त्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में ₹ 100 का स्मारक सिक्का

दिवंगत पूर्व प्रधानमन्त्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में ₹ 100 का

शेष पृष्ठ 44 पर

एक सम्पूर्ण वार्षिक संदर्भ ग्रंथ के साथ

प्रतियोगिता परीक्षाओं में

सफलता

Code No. 870 ₹ 335/-

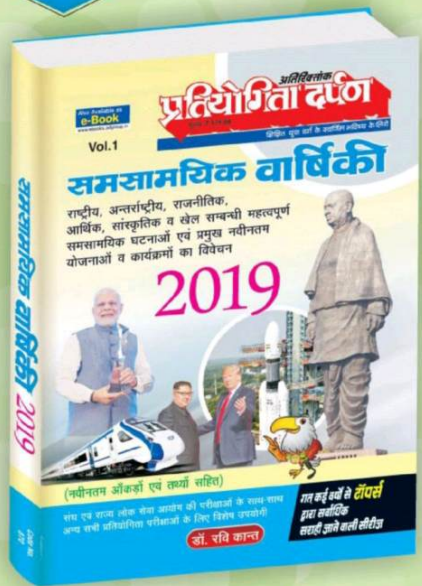

राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक व खेल सम्बन्धी महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाओं एवं प्रमुख नवीनतम योजनाओं व कार्यक्रमों का विवेचन

ताजा महत्वपूर्ण घटनाओं का विवेचन

नवीनतम आँकड़ों एवं तथ्यों सहित

संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं के साथ-साथ अन्य सभी प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए विशेष उपयोगी

Scan the QR Code with your mobile and open the link to see the range of extra issues.

QRPD0025

Download FREE QR Scanner app from the app store

English Edition
Code No. 801 ₹ 250.00

प्रतियोगिता दर्पण | 2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-282 002 फोन : (0562) 4053333, 2530966; फैक्स : (0562) 4053330
• E-mail : care@pdgroup.in • Website : www.pdgroup.in
• नई दिल्ली 23251844, 43259035 • हैदराबाद 24557283 • पटना 2303340 • कोलकाता 25551510 • लखनऊ 4109080 • हल्द्वानी मो. 07060421008 • नागपुर मो. 09370877776 • इन्दौर 9203908088

क्रिकेट

न्यूजीलैण्ड-पाकिस्तान शृंखला

अक्टूबर-दिसम्बर 2018 के दौरान पाकिस्तान व न्यूजीलैण्ड के बीच 3 टेस्ट, 3 ट्वेंटी-20 व 3 ही एकदिवसीय मैचों की शृंखलाएं संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में आबूधाबी व दुबई में खेली गईं. इनमें टी-20 मैचों की शृंखला पाकिस्तान ने 3–0 से जीती थी, जबकि एकदिवसीय मैचों की शृंखला 1-1 से बराबर रही थी.

टेस्ट शृंखला का तीसरा अन्तिम मैच 3–7 दिसम्बर को आबूधाबी में न्यूजीलैण्ड ने 123 रनों से जीता, जिससे न्यूजीलैण्ड ने यह शृंखला 2-1 से जीती. **न्यूजीलैण्ड ने 49 वर्ष के अन्तराल पर अपने देश से बाहर पाकिस्तान के विरुद्ध टेस्ट शृंखला में विजय दर्ज की है.**

वेस्टइंडीज-बांग्लादेश शृंखला

बांग्लादेश के दौरे पर वेस्टइंडीज की टीम ने दो टेस्ट मैचों की शृंखला दिसम्बर 2018 में खेली. इस शृंखला का पहला मैच जीतने के पश्चात् दूसरा टेस्ट बांग्लादेश ने तीसरे ही दिन पारी व 184 रनों से जीता. इससे दो टेस्ट मैचों की यह शृंखला 2–0 से बांग्लादेश ने जीती. बांग्लादेश ने पहली बार ही कोई टेस्ट मैच पारी के अंतर से जीतने में सफलता प्राप्त की.

विकेटकीपर के रूप में ऋषभ पंत के एक मैच में 11 कैच : विश्व रिकॉर्ड की बराबरी

6–10 दिसम्बर, 2018 को एडीलेड में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध टेस्ट मैच में विकेट-कीपर के रूप में 11 कैच लेकर विश्व रिकॉर्ड की बराबरी भारत के ऋषभ पंत ने की.

अगस्त 2018 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले 21 वर्षीय ऋषभ पंत का यह पाँचवाँ ही टेस्ट मैच था, जिसमें विश्व रिकॉर्ड की बराबरी उन्होंने की. इनसे पूर्व किसी एक मैच में विकेटकीपर के रूप में सर्वाधिक 11-11 कैच लेने का रिकॉर्ड इंगलैण्ड के जैक रसेल व द. अफ्रीका के डीविलियर्स के नाम था.

क्रिकेट के सभी प्रारूपों से गौतम गंभीर का संन्यास

अपने गंभीर व आक्रामक खेल के लिए प्रसिद्ध सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा दिसम्बर 2018 में की है. 2007 में टी-20 विश्व कप तथा 2011 में ओडीआई विश्व कप में भारतीय टीम की विजय में महत्वपूर्ण योगदान वाले गौतम गंभीर 2016 से भारतीय टीम से बाहर ही थे. अपना अंतिम टी-20 मैच दिसम्बर 2012 में पाकिस्तान के विरुद्ध, अंतिम ओडीआई मैच जनवरी 2013 में इंगलैण्ड के विरुद्ध तथा अंतिम टेस्ट मैच नवम्बर 2016 में इंगलैण्ड के विरुद्ध उन्होंने खेला था.

गौतम गंभीर : क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास.

- अपने लम्बे क्रिकेट कॅरियर में 58 टेस्ट, 147 ओडीआई व 37 ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय मैच उन्होंने खेले हैं तथा टेस्ट मैचों में 9 व एकदिवसीय मैचों में 11 शतक उन्होंने बनाए हैं. टेस्ट मैचों में उनका उच्चतम स्कोर 206 रन रहा.
- **वह भारत के ऐसे एकमात्र बल्लेबाज हैं, जिन्होंने लगातार पाँच टेस्ट मैचों में शतक बनाए हैं.** (विश्व में केवल तीन अन्य बल्लेबाजों ने ऐसी उपलब्धि प्राप्त की है.)
- **2010-11 के दौरान 6 एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय मैचों में भारतीय टीम का नेतृत्व उन्होंने किया था तथा यह सभी 6 मैच भारत ने जीते थे.**
- 2009 में आईसीसी ने **टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कार** उन्हें प्रदान किया था. वह अर्जुन पुरस्कार से भी सम्मानित थे.
- वर्ष 2012 व 2014 में उनकी कप्तानी में ही कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) टीम आईपीएल की विजेता रही थी.

एक मैच में सर्वाधिक कैच लेने वाले विकेटकीपर

नाम	देश	कैच	बनाम	कहाँ	कब
जैक रसेल	इंगलैण्ड	11	द अफ्रीका	जोहान्सबर्ग	नवम्बर 1995
डीविलियर्स	द. अफ्रीका	11	पाकिस्तान	जोहान्सनबर्ग	फरवरी 2013
ऋषभ पंत	**भारत**	11	**आस्ट्रेलिया**	**एडिलेड**	दिसम्बर 2018
बॉब टेलर	इंगलैण्ड	10	भारत	मुम्बई	फरवरी 1980
गिलक्रिस्ट	आस्ट्रेलिया	10	न्यूजीलैण्ड	हैमिल्टन	मार्च 2000

डब्ल्यू. वी. रमन भारत की महिला क्रिकेट टीम के नए मुख्य कोच

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज डब्ल्यू. वी. रमन (Woorkeri Venkat Raman) भारत की महिला क्रिकेट टीम के नए मुख्य कोच दिसम्बर 2018 में नियुक्त किए गए हैं. इस पद पर रमेश पोवार, जिनका कार्यकाल 30 नवम्बर, 2018 को समाप्त हुआ था, का स्थान उन्होंने लिया है.

डब्ल्यू. वी. रमन

- *हाल ही में (नवम्बर 2018 में) वेस्टइंडीज में खेले गए टी-20 विश्व कप के पश्चात् भारतीय टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज के कप्तान हरमनप्रीत व कोच रमेश पोवार के बीच अनबन के चलते मिताली राज को सेमीफानइल मैच से पूर्व ही प्लेइंग टीम से बाहर कर दिया था. ऐसे में मिताली राज ने जहाँ रमेश पोवार के कार्यकाल में वृद्धि न करने की अपील की थी, वहीं हरमनप्रीत व स्मृति मंधाना ने पोवार को ही 2021 तक कोच बनाए रखने की माँग बीसीसीआई को प्रेषित एक पत्र में की थी.*
- *53 वर्षीय डब्ल्यू. वी. रमन को कोचिंग का काफी अनुभव है तथा देश के सबसे अनुभवी कोचों में इनकी गणना की जाती है. भारत के लिए 11 टेस्ट व 27 ओडीआई मैच खेल चुके हैं. 2006–09 तथा 2013–15 के दौरान तमिलनाडु टीम के तथा 2010–12 के दौरान बंगाल टीम के कोच वह रहे हैं. इसके अतिरिक्त आईपीएल में किंग्स-XI पंजाब के सहायक कोच व केकेआर के बैटिंग कोच भी वह रहे हैं.*

श्रीलंका को हराकर लगातार चौथी टेस्ट शृंखला न्यूजीलैण्ड ने जीती

2 टेस्ट मैचों, 3 ओडीआई व एक ट्वेंटी-20 मैच की शृंखलाओं के लिए श्रीलंका की टीम दिसम्बर 2018–जनवरी 2019 में न्यूजीलैण्ड के दौरे पर है. इनमें टेस्ट शृंखला 1–0 से दिसम्बर माह में न्यूजीलैण्ड ने जीती. इस शृंखला का पहला मैच वेलिंगटन में ड्रा रहा, जबकि क्राइस्टचर्च में 20–30 दिसम्बर को खेला गया मैच न्यूजीलैण्ड ने जीता.

न्यूजीलैण्ड क्रिकेट के 88 वर्ष के इतिहास में यह पहला अवसर है, जब

लगातार चार टेस्ट शृंखलाएं उसने जीती हैं. इससे पूर्व वेस्टइंडीज, इंगलैण्ड व पाकिस्तान के विरुद्ध टेस्ट शृंखलाएं न्यूजीलैण्ड ने जीती हैं.

मुक्केबाजी

सी. ए. कुटप्पा पुरुषों की मुक्केबाजी के नए राष्ट्रीय कोच

द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता सी. ए. कुटप्पा भारत के पुरुषों की मुक्केबाजी के नए राष्ट्रीय कोच दिसम्बर 2018 में बनाए गए हैं. इस पद पर एस. आर. सिंह, जो सेवानिवृत्त हुए हैं, का स्थान 39 वर्षीय कुटप्पा ने लिया है. इस नियुक्ति से पूर्व वह सहायक कोच की जिम्मेदारी सँभाले हुए थे.

सी. ए. कुटप्पा

डियोनटे विल्डर का डब्ल्यूबीसी हैवीवेट खिताब बरकरार

डब्ल्यूबीसी (World Boxing Council) के हैवीवेट खिताबधारी डियोनटे विल्डर (Deontay Wilder) का 1 दिसम्बर, 2018 को लॉस एंजेल्स में ब्रिटेन के टाइसन फ्यूरी (Tyson Fury) के साथ मुकाबला बराबरी पर रहने से विल्डर का डब्ल्यूबीसी हैवीवेट खिताब बरकरार रहा. **अमरीका के 33 वर्षीय डियोनटे विल्डर वर्ष 2015 से डब्ल्यूबीसी के हैवीवेट खिताबधारी हैं.**

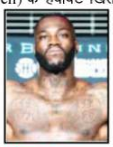

डियोनटे विल्डर : डब्ल्यूबीसी हैवीवेट चैम्पियन.

डब्ल्यूबीसी मुक्केबाजी के चार प्रमुख वैश्विक संगठनों में से एक हैं. तीन अन्य प्रमुख संगठन इंटरनेशनल बॉक्सिंग फेरडेशन (IBF), वर्ल्ड बॉक्सिंग एसोसिएशन (WBA) व वर्ल्ड बॉक्सिंग ऑर्गेनाइजेशन (WBO) हैं. इनके अतिरिक्त एक अन्य संगठन आईबीओ (International Boxing Organisation) भी है. ब्रिटेन के एंथनी जोशुआ (Anthony Joshua) इन चारों के हैवीवेट चैम्पियन वर्तमान में हैं.

कुश्ती

सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप

महिलाओं की 21वीं व पुरुषों की 63वीं सीनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैम्पियनशिप उत्तर प्रदेश में गोंडा में 29 नवम्बर-2 दिसम्बर, 2018 को सम्पन्न हुईं. इनमें ओवरऑल

गोंडा में राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में ओवरऑल चैम्पियन रेलवे की टीम को ट्रॉफी प्रदान करते कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह.

चैम्पियनशिप रेलवे के नाम रही, जबकि सेना व हरियाणा क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे. विभिन्न वर्गों में विजेताओं के नाम निम्नलिखित हैं–

पुरुष (फ्रीस्टाइल)	
57 किग्रा	नवीन (रेलवे)
61 किग्रा	राहुल आवरे (रेलवे)
65 किग्रा	हरफूल गूलिया (सेना)
70 किग्रा	रजनीश (चंडीगढ़)
74 किग्रा	अमित धनखड़ (हरियाणा)
79 किग्रा	जितेंदर (रेलवे)
86 किग्रा	प्रवीण (रेलवे)
92 किग्रा	सिकंदर (महाराष्ट्र)
97 किग्रा	मौसम खत्री (हरियाणा)
125 किग्रा	सुमित (रेलवे)

ग्रीको रोमन	
55 किग्रा	विजय रामचन्द्रन (सेना)
60 किग्रा	नितिन (रेलवे)
63 किग्रा	सागर (सेना)
67 किग्रा	सौरभ (झारखण्ड)
72 किग्रा	योगेश (सेना)
77 किग्रा	साजन (रेलवे)
82 किग्रा	हरप्रीत सिंह (पंजाब)
87 किग्रा	सुनील (रेलवे)
97 किग्रा	हरदीप (रेलवे)
120 किग्रा	नवीन (सेना)

महिला वर्ग (फ्रीस्टाइल)	
50 किग्रा	इंदु चौधरी
55 किग्रा	पिंकी
57 किग्रा	विनेश फोगट
59 किग्रा	सरिता
62 किग्रा	साक्षी मलिक
65 किग्रा	अनिता
68 किग्रा	नवजोत कौर
72 किग्रा	किरन बिश्नोइ
76 किग्रा	सुदेश

बैडमिन्टन

वर्ष 2018 का अंतिम वर्ल्ड टूर फाइनल्स का खिताब पी. वी. सिंधु ने जीता

भारत की स्टार बैडमिटन खिलाड़ी पी. वी. सिंधु ने वर्ष 2018 में अपना पहला खिताब चीन में गुआंगझू (Guanghou) में दिसम्बर 2018 में **वर्ल्ड टूर फाइनल्स** जीता. विश्व बैडमिंटन महासंघ (BWF) के वर्ष 2018 के इस अंतिम टूर्नामेन्ट में महिलाओं के एकल खिताब के लिए जापान की नोजोमी ओकुहारा (Nozomi Okuhara) को फाइनल में उन्होंने 21–17, 21–17 से पराजित किया. **विश्व बैडमिंटन महासंघ का वर्ल्ड टूर फाइनल्स जीतने वाली वह पहली भारतीय खिलाड़ी हैं.**

- **उपर्युक्त खिताब पी. वी. सिंधु का वर्ष 2018 का पहला खिताब है. इससे पूर्व इस वर्ष फरवरी माह में इंडिया ओपन में व जुलाई में थाइलैण्ड ओपन में उपविजेता रहने के साथ-साथ विश्व चैम्पियनशिप, एशियाई खेलों व राष्ट्रमण्डल खेलों में भी उपविजेता वह रही थी.**

पी. वी. सिंधु : वर्ष 2018 का अंतिम वर्ल्ड टूर फाइनल्स खिताब.

वर्ल्ड टूर फाइनल्स (2018) में पुरुषों का एकल चीन के शी यूकी (Shi Yuqi) ने फाइनल्स में जापान के केंटो मोमोटा को हराकर जीता. इस टूर्नामेन्ट का महिलाओं का युगल जापानी खिलाड़ियों की जोड़ी ने जहाँ जीता, वहीं पुरुषों के युगल व मिश्रित युगल खिताब पर चीनी खिलाड़ियों ने कब्जा किया.

फुटबाल

फीफा क्लब विश्व कप (2018)

'फीफा' (FIFA) के तत्वावधान में (15वाँ) फीफा क्लब विश्व कप फुटबाल टूर्नामेन्ट का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात में आबू धाबी व अल आइन (Al Ain) में 12–22 दिसम्बर, 2018 को हुआ. फीफा के 6 कंफेडरेशनों की 7 टीमें इस अन्तर-क्लब टूर्नामेन्ट में शामिल थीं. इसका खिताब स्पेन के रियल मैड्रिड ने यूएई के अल एन क्लब को फाइनल में 4–1 से हराकर जीता.

रियल मैड्रिड ने चौथी बार यह टूर्नामेन्ट जीतने में सफलता प्राप्त की है.

- *वर्ष 2000 में शुरू हुआ यह टूर्नामेन्ट सर्वाधिक चार बार (2014, 2016, 2017 व 2018 में) रियल मैड्रिड ने ही जीता है.*
- *स्पेन का ही बार्सीलोना क्लब तीन बार (2009, 2011 व 2015 में) इसका विजेता रहा है.*

हॉकी

बेल्जियम पुरुषों के विश्व कप (2018) का विजेता

पुरुषों की हॉकी के (14वें) विश्व कप का आयोजन भारत की मेजबानी में भुवनेश्वर में 28 नवम्बर–16 दिसम्बर, 2018 को हुआ. इसका खिताब नीदरलैण्ड्स को फाइनल में 3-2 से हराकर बेल्जियम ने जीता. कलिंग स्टेडियम पर निर्धारित समय तक फाइनल मुकाबला 0-0 से बराबरी पर रहने पर हार जीत का फैसला पेनल्टी शूट आउट में हुआ. तीसरा स्थान आस्ट्रेलिया का रहा. बेल्जियम ने पहली बार ही पुरुषों की हॉकी का विश्व कप जीतने में सफलता प्राप्त की है. **बेल्जियम के आर्थन वान डोरेन (Aurthen Van Doren) को इस टूर्नामेन्ट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया.**

- *भारत व पाकिस्तान सहित कुल 16 देशों की टीमें इस टूर्नामेन्ट में शामिल थीं. इनमें भारत का स्थान छठा रहा, जबकि पाकिस्तानी टीम 12वें स्थान पर रही. टूर्नामेन्ट में 16वाँ अंतिम स्थान द. अफ्रीका का रहा.*
- ***इस टूर्नामेन्ट में सर्वाधिक 7-7 गोल ब्लेक गोवर्स (आस्ट्रेलिया) व अलेक्जेंडर हैड्रिक्स (बेल्जियम) ने किए. सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार नीदरलैण्ड्स के पिरमिन ब्लाक (Pirmin Blaak) को दिया गया, जबकि बेल्जियम के आर्थन वान डोरेन को टूर्नामेन्ट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला. फेयर प्ले ट्रॉफी स्पेन की टीम को दी गई.***
- *पुरुषों के आगामी (15वें) विश्व कप का आयोजन 2022 में होगा.*

कबड्डी

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान अनूप कुमार का कबड्डी से संन्यास

भारत के दिग्गज कबड्डी खिलाड़ी व भारतीय टीम के कप्तान रहे अनूप कुमार ने

अनूप कुमार

अन्तर्राष्ट्रीय कबड्डी से संन्यास की घोषणा 19 दिसम्बर, 2018 को पंचकुला में प्रो. कबड्डी लीग (PKL) के छठे सत्र के दौरान की. वर्ष 2006 में दक्षिण एशियाई खेलों में श्रीलंका के विरुद्ध अपने कैरियर की शुरूआत करने वाले हरियाणा के अनूप कुमार 2010 व 2014 में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय कबड्डी टीम के सदस्य रहे थे. (2014 के एशियाई खेलों में भारतीय टीम का नेतृत्व उन्होंने ही किया था.) उनके नेतृत्व में ही 2016 में विश्व कप भारत ने जीता था.

अर्जुन पुरस्कार (2012) से सम्मानित अनूप कुमार ने प्रो कबड्डी लीग में भी अच्छा प्रदर्शन किया है तथा इन दिनों चल रहे छठे प्रो कबड्डी लीग (PKL-VI) में जयपुर पिंक पैंथर्स टीम के कप्तान वह हैं.

●●●

पुरुषों के विश्व कप हॉकी के विभिन्न आयोजनों में विजेता, उपविजेता एवं भारत की स्थिति

वर्ष	स्थान	भारत का स्थान	स्वर्ण	चाँदी	कांस्य
1971	स्पेन	3	पाकिस्तान	स्पेन	भारत
1973	हॉलैण्ड	2	हॉलैण्ड	भारत	प. जर्मनी
1975	मलेशिया	1	भारत	पाकिस्तान	प. जर्मनी
1978	अर्जेन्टीना	6	पाकिस्तान	हालैण्ड	आस्ट्रेलिया
1982	भारत	5	पाकिस्तान	प. जर्मनी	आस्ट्रेलिया
1986	ब्रिटेन	12	आस्ट्रेलिया	इंगलैण्ड	प. जर्मनी
1990	पाकिस्तान	10	हॉलैण्ड	पाकिस्तान	आस्ट्रेलिया
1994	आस्ट्रेलिया	5	पाकिस्तान	हॉलैण्ड	आस्ट्रेलिया
1998	हॉलैण्ड	9	हॉलैण्ड	स्पेन	जर्मनी
2002	मलेशिया	10	जर्मनी	आस्ट्रेलिया	हॉलैण्ड
2006	जर्मनी	11	जर्मनी	आस्ट्रेलिया	स्पेन
2010	भारत	8	आस्ट्रेलिया	जर्मनी	हॉलैण्ड
2014	नीदरलैण्ड्स	9	आस्ट्रेलिया	नीदरलैण्ड्स	अर्जेन्टीना
2018	भारत	6	बेल्जियम	नीदरलैण्ड्स	आस्ट्रेलिया

शेष पृष्ट 40 का

स्मारक सिक्का (Commumorative Coin) सरकार ने जारी किया है. उनकी जयन्ती की पूर्व संध्या पर 24 दिसम्बर, 2018 को ससंद भवन में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसे जारी किया. 35 ग्राम वजन के इस स्मारक सिक्के की त्रिज्या 2·2 सेमी है. चार धातुओं से बने इस सिक्के में 50 प्रतिशत चाँदी, 40 प्रतिशत ताँबा तथा 5–5 प्रतिशत निकेल व जस्ता है.

दिवंगत प्रधानमन्त्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में सिक्का जारी करते हुए प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी. साथ में हैं. लोक सभा की स्पीकर श्रीमती सुमित्रा महाजन व भाजपा अध्यक्ष अमित शाह.

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस द्वारा पोर्ट ब्लेयर में तिरंगा फहराने की 75वीं वर्षगाँठ के अवसर पर ₹ 75 का स्मारक सिक्का

स्वतन्त्रता आन्दोलन के दौरान नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने पोर्ट ब्लेयर में सेलुलर जेल में पहली बार तिरंगा 30 दिसम्बर, 1943 को फहराया था. 30 दिसम्बर, 2018 को इसकी 75वीं वर्षगाँठ के अवसर पर ₹ 75 मूल्य का एक स्मारक सिक्का सरकार ने जारी किया. 35 ग्राम वजन के इस सिक्के की त्रिज्या भी 2·2 सेमी है. चार धातुओं-चाँदी (50 प्रतिशत) तथा ताँबा (40 प्रतिशत) व जस्ता व निकिल (5–5 प्रतिशत) से बने इस सिक्के पर **प्रथम ध्वजारोहण दिवस** अंकित है.

उल्लेखनीय है कि स्मारक सिक्के केवल स्मारक के रूप में रखे जाते हैं तथा चलन में इनका इस्तेमाल नहीं होता है.

वायुसेनाध्यक्ष एयरचीफ मार्शल बीरेन्दर सिंह धनोआ की जापान यात्रा

द्विपक्षीय वायुसैनिक सम्बन्धों के विस्तार के सिलसिले में भारत के वायु-सेनाध्यक्ष एयरचीफ मार्शल बीरेन्दर सिंह धनोआ ने जापान की यात्रा 10–14 दिसम्बर, 2018 को की. पाँच दिन की इस यात्रा के दौरान जापानी सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ वहाँ के रक्षा मन्त्री ताकेशी इवाया (Takeshi Iwaya) के साथ वार्ताएं उन्होंने सम्पन्न कीं तथा वहाँ के कुछ सैन्य प्रतिष्ठानों का अवलोकन भी उन्होंने किया.

●●●

रोजगार समाचार

बीएसएनएल में मैनेजमेंट ट्रेनी (टेलीकॉम ऑपरेशंस) की भर्ती

भारत संचार निगम लि. (BSNL) में मैनेजमेंट ट्रेनी (टेलीकॉम ऑपरेशंस) के कुल मिलाकर 150 रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु इच्छुक उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन निगम द्वारा 26 जनवरी, 2019 तक आमंत्रित किए गए हैं (कुल मिलाकर 300 मैनेजमेंट ट्रेनीज की नियुक्ति की बीएसएनएल की योजना है, जिसमें से 150 पद ही बाहरी उम्मीदवारों द्वारा भरे जाते हैं, जिनके लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं). विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता—चुनींदा निर्दिष्ट विधाओं में इंजीनियरिंग की उपाधि कम-से-कम 60 प्रतिशत अंकों के साथ तथा साथ में एमबीए/एमटेक (अनु. जाति/जनजाति के मामलों में प्राप्तांक प्रतिशत में छूट उपलब्ध).

आयु सीमा (1 अगस्त, 2019 को)—अधिकतम 30 वर्ष. विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली तीन घण्टे की अवधि की ऑनलाइन परीक्षा में मैनेजमेंट एप्टीट्यूड, कॉग्निटिव एबिलिटी व टेक्निकल नॉलेज के प्रश्न होंगे.

इस भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु बीएसएनएल की वेबसाइट www.bsnl.co.in देखें.

मध्य प्रदेश सिविल न्यायाधीश वर्ग-2 (प्रवेश स्तर) परीक्षा 2019

मध्य प्रदेश शासन के अधीन सिविल न्यायाधीश (प्रवेश स्तर सीधी भर्ती) के 190 अस्थायी पदों की भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं. इस भर्ती के लिए सिविल न्यायाधीश वर्ग-2 (प्रवेश स्तर) परीक्षा 2019 का आयोजन तीन चरणों (ऑनलाइन प्रारम्भिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा व साक्षात्कार) में किया जाएगा. पहले चरण में 23 फरवरी, 2019 को ऑनलाइन प्रारम्भिक परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिसके आधार पर मुख्य प्रतियोगिता परीक्षा के लिए अर्ह उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा. प्रारम्भिक परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही दूसरे चरण की मुख्य परीक्षा में शामिल किए जाएंगे. वस्तुनिष्ठ किस्म के प्रश्नों वाली 150 अंकों की प्रारम्भिक परीक्षा में विधि सम्बन्धी प्रश्नों के अतिरिक्त सामान्य ज्ञान, कम्प्यूटर ज्ञान व अंग्रेजी ज्ञान की परीक्षा की होगी.

शैक्षणिक योग्यता—विधि स्नातक की उपाधि.

आयु सीमा (1 जनवरी, 2019 को)—21–35 वर्ष. विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु मध्य प्रदेश शासन की वेबसाइट www.mponline.gov.in देखें. इस वेबसाइट पर ही आवेदन के इच्छुक अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 20 जनवरी, 2019 है.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए उपकार प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक मध्य प्रदेश सिविल जज प्रारम्भिक परीक्षा का अध्ययन लाभकारी होगा.

उत्तराखण्ड में संयुक्त प्रवेश परीक्षा पॉलिटेक्निक्स (JEEP), 2019

उत्तराखण्ड प्राविधिक शिक्षा परिषद् रुड़की से सम्बद्ध राज्य की विभिन्न राजकीय/महिला, ग्रामीण/अनुदानित/निजी क्षेत्र की पॉलिटेक्निक/ तकनीकी संस्थाओं में चल रहे विभिन्न डिप्लोमा इंजीनियरिंग/ टेक्नोलॉजी/ होटल मैनेजमेंट एण्ड कैटरिंग टेक्नोलॉजी/ फार्मेसी एवं अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पॉलिटेक्निक्स संयुक्त प्रवेश परीक्षा (JEEP), 2019 का आयोजन प्राविधिक शिक्षा परिषद् संयुक्त प्रवेश परीक्षा एवं प्रशिक्षण अनुसंधान विकास प्रकोष्ठ, अपर आमवाला देहरादून के तत्वावधान द्वारा 28-29 अप्रैल, 2019 को किया जाएगा. इस प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन, दोनों तरह से आवेदन की सुविधा उपलब्ध है. ऑफलाइन आवेदन हेतु ओएमआर आवेदन-पत्र उत्तराखण्ड में स्थित व परिषद् से सम्बद्ध किसी भी पॉलिटेक्निक से निर्धारित शुल्क का भुगतान करके 15 जनवरी, 2019 से 28 फरवरी, 2019 तक प्राप्त किए जा सकते हैं. पूर्णरूप से भरे हुए आवेदन-पत्र पंजीकृत डाक से संयुक्त प्रवेश परीक्षा के संयुक्त सचिव के देहरादून स्थित कार्यालय में भेज सकते हैं. ऑनलाइन आवेदन के लिए तिथियाँ जहाँ 20 दिसम्बर, 2018 से 15 मार्च, 2019 तक हैं, वहीं ऑफलाइन आवेदन के लिए यह 15 जनवरी, 2019 से 28 फरवरी, 2019 तक हैं. इस प्रवेश परीक्षा के सम्बन्ध में अन्य विस्तृत जानकारी हेतु उत्तराखण्ड प्राविधिक शिक्षा परिषद् की वेबसाइट www.ubter.in व www.ubterjeep.in स्थानीय समाचार-पत्र देखें.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित **उत्तराखण्ड पॉलिटेक्निक संयुक्त प्रवेश परीक्षा** तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों से सम्बन्धित पुस्तकों का अध्ययन लाभकारी होगा.

उत्तर प्रदेश में पॉलिटेक्निक संस्थाओं में प्रवेश हेतु संयुक्त प्रवेश परीक्षा—2019

प्राविधिक शिक्षा परिषद् उत्तर प्रदेश से सम्बद्ध राजकीय/अनुदानित/निजी क्षेत्र की सभी पॉलिटेक्निक संस्थाओं में चल रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु **संयुक्त प्रवेश परीक्षा (पॉलिटेक्निक), 2019** का आयोजन 28 अप्रैल, 2019 को दो पालियों में होगा. इस परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थियों के ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे.

इस परीक्षा के सम्बन्ध में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि परीक्षा शुल्क व अन्य विस्तृत जानकारी परिषद् की वेबसाइट http://jeecup.nic.in पर उपलब्ध है. इस वेबसाइट पर ही ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रमों से सम्बन्धित पुस्तकों का अध्ययन लाभकारी होगा.

झारखण्ड उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता परीक्षा, 2018 (JECCE, 2018)

झारखण्ड में उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के अधीन उत्पाद सिपाही के पद पर नियुक्ति हेतु इस प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग (राँची) द्वारा किया जाएगा. परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आयोग द्वारा आमंत्रित किए गए हैं. झारखण्ड के स्थायी निवासी ही इस पद के लिए आवेदन के पात्र हैं. ऑनलाइन आवेदन सबमिट करने की अंतिम तिथि 9 फरवरी, 2019 है. परीक्षा शुल्क जमा करने के लिए ऑनलाइन आवेदन का लिंक 16 फरवरी, 2019 तक खुला रहेगा. इस भर्ती के

तहत् उपलब्ध रिक्त पदों की संख्या 518 है. विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता—मैट्रिक/दसवीं कक्षा उत्तीर्ण.

आयु सीमा (1 अगस्त, 2015 को)—18–35 वर्ष (झारखण्ड की स्थायी निवासी महिला उम्मीदवारों के मामले में 18–38 वर्ष). विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

यह प्रतियोगिता परीक्षा तीन चरणों में होगी. इसके पहले चरण में लिखित परीक्षा, दूसरे चरण में शारीरिक जांच परीक्षा व तीसरे चरण में चिकित्सकीय जांच की परीक्षा होगी. पहले चरण की लिखित परीक्षा में तीन प्रश्न-पत्र क्रमशः भाषा ज्ञान, क्षेत्रीय भाषा ज्ञान व सामान्य अध्ययन के होंगे. परीक्षा सम्बन्धी विस्तृत जानकारी आयोग की वेबसाइट www.jssc.nic.in पर उपलब्ध है. इस वेबसाइट पर ही अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं.

झारखण्ड में आरक्षियों के 1012 रिक्त पदों की भर्ती हेतु विशेष शाखा आरक्षी (क्लोज कैडर) प्रतियोगिता परीक्षा, 2018 (SBCCE, 2018)

झारखण्ड में विशेष शाखा आरक्षी (क्लोज कैडर) में आरक्षी के पद पर नियुक्ति हेतु इस प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग (राँची) द्वारा किया जाएगा. परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आयोग द्वारा आमंत्रित किए गए हैं. झारखण्ड के स्थायी निवासी ही आवेदन के पात्र हैं. ऑनलाइन आवेदन सबमिट करने की अंतिम तिथि 18 फरवरी, 2019 है. परीक्षा शुल्क जमा करने के लिए ऑनलाइन आवेदन का लिंक 22 फरवरी, 2019 तक खुला रहेगा. इस भर्ती के तहत् उपलब्ध रिक्त पदों की संख्या 1012 है. विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता—10+2 (बारहवीं) कक्षा उत्तीर्ण.

आयु सीमा (1 अगस्त, 2018 को)—19–25 वर्ष. विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

यह प्रतियोगिता परीक्षा तीन चरणों में होगी. इसके पहले चरण में लिखित परीक्षा, दूसरे चरण में शारीरिक दक्षता परीक्षा व तीसरे चरण में चिकित्सकीय जांच परीक्षा होगी. पहले चरण की लिखित परीक्षा में एक प्रश्न-पत्र में हिन्दी भाषा ज्ञान, सामान्य ज्ञान, सामान्य विज्ञान, गणित व अंग्रेजी भाषा ज्ञान सहित कुल पाँच उपखण्ड होंगे, जबकि दूसरा प्रश्न-पत्र भाषा का होगा. परीक्षा सम्बन्धी विस्तृत जानकारी आयोग की वेबसाइट www.jssc.nic.in पर उपलब्ध है. इस वेबसाइट पर ही अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए उपकार प्रकाशन द्वारा प्रकाशित झारखण्ड विशेष शाखा आरक्षी (क्लोज कैडर) भर्ती परीक्षा पुस्तक का अध्ययन लाभकारी होगा.

रेलवे में जूनियर इंजीनियर, जूनियर इंजीनियर (आईटी) आदि की रिक्तियाँ

भारतीय रेलवे के विभिन्न जोनों में जूनियर इंजीनियर्स के 13034, जूनियर इंजीनियर (आईटी) के 49, डिपो मैटीरियल सुपरिंटेंडेंट के 456 तथा कैमिकल एण्ड मेटलर्जिकल असिस्टेंट के 494 पदों सहित कुल मिलाकर 14033 रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन रेलवे भर्ती बोर्डों (RRBs) द्वारा 31 जनवरी, 2019 तक आमंत्रित किए गए हैं. इस भर्ती के तहत् विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता—इन पदों के लिए आवश्यक शैक्षणिक योग्यताओं की जानकारी हेतु विस्तृत विज्ञापन 29 दिसम्बर, 2018-4 जनवरी, 2019 के रोजगार समाचार में देखें.

आयु सीमा (1 जनवरी, 2019 को)—18–33 वर्ष. विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली पहले चरण की कम्प्यूटर आधारित परीक्षा में मैथमैटिक्स, जनरल इंटेलीजेंस एण्ड रीजनिंग, जनरल अवेयरनैस व जनरल साइंस के प्रश्न होंगे, जबकि दूसरे चरण के कम्प्यूटर वेस्ड टेस्ट में जनरल अवेयरनैस, फिजिक्स, कैमिस्ट्री, कम्प्यूटर ज्ञान आदि के प्रश्न होंगे. पहले चरण की परीक्षा के आधार पर ही दूसरे चरण की परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों को अल्पसूचीबद्ध किया जाएगा.

इस भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु 29 दिसम्बर, 2018-4 जनवरी 2019 का रोजगार समाचार व रेलवे की सम्बन्धित वेबसाइट देखें.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित की जा रही प्रथम चरण की पुस्तकों का अध्ययन लाभकारी होगा.

भारतीय वायुसेना में ग्रुप 'एक्स' व ग्रुप 'वाई' ट्रेड्स में एयरमैनों की भर्ती

भारतीय वायुसेना में ग्रुप 'एक्स' (शैक्षणिक प्रशिक्षक ट्रेड के अतिरिक्त) तथा ग्रुप 'वाई' ट्रेड्स (कुछेक ट्रेड्स के अतिरिक्त) में एयरमैन के रूप में भर्ती के लिए योग्य अविवाहित पुरुष उम्मीदवारों से 21 जनवरी, 2019 तक आवेदन ऑनलाइन आमंत्रित किए गए हैं. निर्धारित शैक्षणिक योग्यताधारक ऐसे अभ्यर्थी जिनका जन्म 19 जनवरी, 1999 से 1 जनवरी, 2003 (दोनों दिवसों सहित) के मध्य हुआ हो, इस भर्ती के लिए आवेदन के पात्र हैं.

शैक्षणिक योग्यता—उम्मीदवार गणित, भौतिकी व अंग्रेजी सहित न्यूनतम 50% अंकों के साथ इण्टरमीडिएट/10+2/ समकक्ष परीक्षा पास होना चाहिए या सरकारी मान्यता प्राप्त पॉलिटेक्निक/संस्थान से निर्धारित ट्रेड में इंजीनियरी तीन वर्षीय डिप्लोमा न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ (ग्रुप वाई ट्रेड के लिए 10+2 परीक्षा न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ). डिप्लोमाधारक अभ्यर्थी केवल ग्रुप एक्स ट्रेड में ही आवेदन के पात्र हैं. दोनों ही ट्रेड्स के लिए अंग्रेजी में न्यूनतम 50 प्रतिशत प्राप्तांक अनिवार्य हैं (शैक्षणिक योग्यता सम्बन्धी विस्तृत जानकारी हेतु वायुसेना की सम्बन्धित वेबसाइट पर विस्तृत विज्ञापन देखें).

यह भर्ती ऑनलाइन परीक्षा, शारीरिक दक्षता परीक्षा व साक्षात्कार के आधार पर होगी. ग्रुप एक्स ट्रेड्स के लिए यह परीक्षा 60 मिनट की अवधि की होगी, जिसमें अंग्रेजी, गणित एवं विज्ञान की परीक्षा होगी, जो सीबीएसई के 10+2 पाठ्यक्रम पर आधारित होगी. ग्रुप वाई ट्रेड्स के लिए ऑनलाइन परीक्षा की अवधि 45 मिनट होगी, जिसमें अंग्रेजी, रीज़निंग व जनरल अवेयरनैस के प्रश्न होंगे. दोनों ट्रेड्स के लिए यह परीक्षा 85 मिनट की अवधि की होगी. ऑनलाइन परीक्षा 14-17 मार्च, 2019 के दौरान आयोजित होगी.

इस भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु एम्प्लॉयमेंट न्यूज व भारतीय वायुसेना की सम्बन्धित वेबसाइट www.airmen selection.cdac.in अथवा www.careerindianairforce.cdac.in देखें. इन वेबसाइट्स पर ही ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध है.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित **वायु सैनिक भर्ती परीक्षा ग्रुप 'X'** (तकनीकी ट्रेड) एवं **ग्रुप 'Y'** का अध्ययन लाभकारी होगा.

●●●

अब सम्भव है हैकर द्वारा यादों की चोरी और दिमाग में झूठी यादें भरना

हैकरों की प्रौद्योगिकी और तकनीक इतनी उन्नत हो गई है कि वे केवल डेटा ही नहीं, हमारी यादें भी चुरा सकते हैं, इसमें सेंध भी लगा सकते हैं. विशेषज्ञों ने इस खतरे से आगाह किया है. इनके अनुसार हैकर मनुष्य के दिमाग में भी हेरफेर कर सकता है; यहाँ तक कि आपकी यादों में भी बदलाव ला सकता है.

न्यूरॉनों की असीमित गतिविधियाँ

कुछ समय पहले मेसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) के शोध-कर्ताओं ने चूहे के दिमाग में झूठी यादें भरी थीं. अब इस तकनीक से बुरी यादों को दिमाग से हटाकर, मनुष्य के दर्द को कम किया जा सकता है.

अब इसके दुरुपयोग का खतरा भी बना हुआ है. वैज्ञानिकों को आशंका है कि इसके जरिए सम्पूर्ण आबादी के दिमाग में झूठी यादें भरकर, उन्हें बरगलाया जा सकता है. भविष्य में साइबर चोर इसका लाभ उठा सकते हैं. यह काफी मायने रखती है, क्योंकि आज की तकनीक ही भविष्य की बुनियाद होती है.

दिमाग पर अध्ययन करने वाले विशेषज्ञ जल्द ही 'ब्रेन-कम्प्यूटर इंटरफेस' और 'सेंसर लाइन्ड कैप' जैसी नई तकनीकों का इस्तेमाल रोबोटिक अंगों, ह्वीलचेयर को नियन्त्रित करने के लिए कर सकते हैं. 'कैस्परस्काई लैब' और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस तरह की तकनीक विकसित कर ली गई है, जिसके जरिए दिमाग के गहरे हिस्से में उपकरण को प्रत्यारोपित किया जा सकता है.

माना जा रहा है कि पाँच साल के भीतर वैज्ञानिक यादें तैयार करने वाले दिमाग के सिग्नलों को रिकॉर्ड कर सकेंगे. इसके बाद वे इसमें बदलाव कर फिर से दिमाग में भर सकेंगे. बर्मिंघम यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, जो दिमाग के लिए खतरों की जाँच कर सकेंगे. किसी खास काम या शब्द पर दिमाग कैसे बर्ताव करता है, इसका पता लगाया जा सकेगा.

राफेल युद्धक विमान-उन्नत टेक्नोलॉजी का विशिष्ट कीर्तिमान

इस समय भारतीय वायुसेना के मुख्य युद्धक विमान मिग-29 और सुखोई-30 हैं. मिग-29 से सुखोई उन्नत है. फ्रांस से आने वाले राफेल युद्धक विमान को सुखोई पर बढ़त हासिल है. सुखोई की प्रहार रेंज 400–550 किमी है, जबकि राफेल की रेंज 780–1055 किमी है. राफेल 24 घण्टे में 5 चक्कर मारने में सक्षम है, जबकि सुखोई तीन चक्कर.

राफेल युद्धक विमान अपने आप में असाधारण है, परन्तु भारतीय जरूरतों के अनुसार इसमें निम्न बदलाव किए गए हैं–

- शार्ट नोटिस पर हथियारों को मार गिराने के लिए हेलमेट माउंटेड साइट्स और टारगेटिंग सिस्टम.
- लेह जैसे अधिक ऊँचाई पर स्थित एयर बेस से उड़ान भरने के लिए अतिरिक्त क्षमता के साथ क्विक रिएक्शन डिप्लॉयमेंट.
- मिसाइल हमलों को छकाने की प्रणाली.

राफेल समझौते को लेकर शुरूआती बातचीत के बाद मूल पैकेज में दूसरे हथियारों को भी शामिल किया जाए.

स्कैल्प–लम्बी दूरी की जमीन से हमला करने वाली अचूक मिसाइल. मारक क्षमता 300 किमी, मिसाइल टेक्नोलॉजी कंट्रोल रिजीम प्रतिबन्धों से लैस.

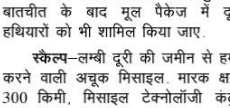

मीटियोर–विजुअल रेंज से परे हवा-से-हवा में मार करने वाली मिसाइल अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ, 100 किमी दूर से ही दुश्मन के विमान को निशाना बनाने में सक्षम.

इस समझौते में फ्रांस भारत को कल-पुर्जों के साथ उन्नत श्रेणी की मीटिओर और स्कैल्प मिसाइलें भी उपलब्ध कराएगा. इन मिसाइलों को दुनिया की सबसे आधुनिक में गिना जाता है.

नासा के यान ने खोजा 'बेनू' क्षुद्र ग्रह पर पानी

'बेनू' नामक क्षुद्र ग्रह के नमूने को एकत्र करके लाने के लिए भेजा गया नासा का पहला अंतरिक्ष यान अपने गंतव्य तक पहुँच गया है. इस यान का नाम 'द ओरिजन्स स्पेक्ट्रल इंटरप्रीटेशन, रिसोर्स आइडेन्टीफिकेशन, सिक्यूरिटी-रीगोलिथ एक्सप्लोरर (ओएसआईआर आईएस आरईएक्स) है. इससे पहले इस यान ने दो वर्ष से अधिक समय में दो अरब किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की.

'बेनू' क्षुद्र ग्रह और नासा का यान

यह अंतरिक्ष यान लगभग एक साल तक पाँच वैज्ञानिक उपकरणों के साथ क्षुद्र ग्रह का सर्वेक्षण करेगा. यह यान सुरक्षित और वैज्ञानिक रूप से दिलचस्प नमूने एकत्र करने के लिए एक स्थान का चुनाव करेगा और सितम्बर 2023 में पृथ्वी पर वापस आ जाएगा.

अब इस यान ने बेनू क्षुद्र ग्रह पर पानी की उपस्थिति की सूचना दी है. अंतरिक्ष यान के दो स्पेक्ट्रोमीटर, ओएसआईआर आईएस-आरईएक्स विजिबल और इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोमीटर (ओवीआईआरएस) व ओएसआईआर आईएस-आरईएक्स थर्मल एमिशन स्पेक्ट्रोमीटर (ओटीईएस) से प्राप्त डेटा ने उन अणुओं की उपस्थिति के बारे में बताया है, जिसमें ऑक्सीजन और हाइड्रोजन परमाणु एक साथ बँधे होते हैं, जिसे हाइड्रोक्सिल कहा जाता है. यह हाइड्रोक्सिल समूह क्षुद्र ग्रह पर पानी के असर वाली मिट्टी के खनिजों में मौजूद है, जिसका अर्थ है कि किसी बिन्दु पर बेनू के चट्टानों का पानी में सम्पर्क हुआ है. नासा ने एक बयान में कहा कि बेनू पानी की मौजूदगी के लिए बहुत छोटा है, लेकिन इस खोज से पता चलता है कि किसी समय में बेनू के पैरेंट बॉडी पर पानी मौजूद था, जो

एक बहुत बड़ा क्षुद्र ग्रह था. नासा के मैरीलैंड स्थित गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर की एमी सिमॉन ने कहा, क्षुद्र ग्रह पर पानी को सोखने वाले खनिजों की उपस्थिति पुष्टि करती है कि बेनू हमारे अध्ययन के लिए एक उत्कृष्ट नमूना है.

निकट भविष्य में धरती दोगुनी गर्म हो जाएगी

बर्न विश्वविद्यालय के शोध दल द्वारा किए गए अनुसंधान के अनुसार वैश्विक तापमान में अनुमान से दोगुनी वृद्धि हो सकती है, जिससे जलवायु में अकल्पनीय परिवर्तन एवं उथल-पुथल हो सकते हैं. इस अन्वेषण में शोध दल ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो उसके गम्भीर परिणाम को भुगतना भी मानव के लिए असम्भव हो जाएगा.

दीर्घकाल में धरती के तापमान को 2 डिग्री सेल्सियस से कम रखने के लिए भारत सहित 195 देशों ने पेरिस जलवायु समझौते पर हस्ताक्षर किए. अभी हाल ही में 17 देशों के विशेषज्ञों द्वारा किए गए शोध में कहा गया है कि यदि हम इस दीर्घकालिक लक्ष्य को प्राप्त कर लेते हैं, तो भी समुद्र का जल स्तर 6 मीटर तक बढ़ जाएगा.

शोध दल के प्रमुख एवं बर्न विश्व-विद्यालय के प्रोफेसर हुबेस्टस फिशर के अनुसार पूर्व में गर्मी का अध्ययन स्पष्ट करता है कि तापमान बढ़ने की सम्भावना अधिक है और 2 डिग्री का लक्ष्य आकलन की तुलना में काफी छोटा है.

सौरमण्डल से सबसे अधिक दूरी पर स्थित पिण्ड की खोज

काफी समय से वैज्ञानिकों को ऐसे संकेत मिल रहे थे कि सौरमण्डल में स्थित पिण्डों के अतिरिक्त भी कोई अन्य पिण्ड सूर्य की परिक्रमा कर रहा है. अब वैज्ञानिकों ने सौरमण्डल के किनारे बाहरी भाग में सबसे अधिक दूरी पर स्थित ऐसे पिण्ड का पता लगाया है, जो प्रत्येक 40,000 वर्ष में सूर्य की एक परिक्रमा पूरी करता है. इस नए पिण्ड का नाम '2015 टीजी 387' रखा गया है.

'2015 टीजी 387'

यह सूर्य से करीब 80 खगोलीय यूनिट (एयू) की दूरी पर स्थित है. एयू पृथ्वी और सूर्य के बीच की दूरी बताने वाला एक पैमाना है. उदाहरण के लिए प्लूटो करीब 34 एयू की दूरी पर स्थित है. इसलिए '2015 टीजी 387' इस वक्त सूर्य में प्लूटो की दूरी से भी करीब ढाई गुना दूर है.

अमरीका में कार्नेगी इंस्टीट्यूट फॉर साइंस के अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि यह पिण्ड बेहद विस्तृत कक्षा में मौजूद है और यह कभी सूर्य के निकट नहीं आया है.

'2015 टीजी 387' उन ज्ञात पिण्डों में से एक है, जो गुरुत्वाकर्षणीय प्रभाव के कारण कभी सौरमण्डल के विशाल ग्रहों जैसे कि नेप्चून (वरुण) और बृहस्पति के समीप नहीं आया है.

कार्नेगी से स्कॉट शेप्पर्ड ने कहा, '2015 टीजी 387, 2012 वीपी 113 और सेडना जैसे इन कथित आंतरिक और्ट बादल वाले पिण्ड सौरमण्डल के सबसे ज्ञात पिण्डों से अलग-थलग हैं, जो उन्हें अत्यधिक रोचक बनाती है. और्ट बादल या और्ट क्लाउड एक गोले के रूप का धूमकेतुओं का बादल है, जो सूर्य से लगभग एक प्रकाश-वर्ष के दूरी पर हमारे सौरमण्डल को घेरे हुए है. उन्होंने कहा, सौरमण्डल के किनारे बाहरी भाग में क्या कुछ घटित हो रहा है, यह जानने के लिए इन पिण्डों का इस्तेमाल किया जा सकता है. ●●●

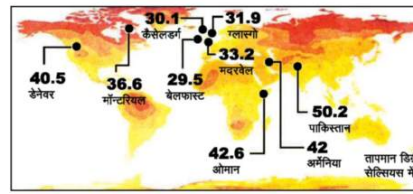

कम हो रही बर्फ

- *21,400 टन औसतन हर साल बर्फ पिघल रही अंटार्टिका में.*
- *3 गुना ज्यादा तेजी से पिघल रही 2012 की तुलना में अंटार्टिका की बर्फ.*

धरती का तापमान बढ़ रहा

- *एक शोध के मुताबिक 4 डिग्री तक बढ़ सकता है धरती का तापमान 2064–95 के बीच.*
- *इस साल अप्रैल 1951–80 के औसत तापमान से 0·86 डिग्री ज्यादा गर्म रहा.*
- *1·07 डिग्री के साथ अप्रैल सबसे ज्यादा गर्म महीना 2016 में था.*

पूरी दुनिया भीषण गर्मी की चपेट में

- *भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में भीषण गर्मी की चपेट में रहे, यहाँ तक कि आमतौर पर ठंडे रहने वाले यूरोप के कई देश भी गर्मी से बेहाल रहे.*
- *पिछले हफ्ते मदरवैल शहर में 33·2 डिग्री तापमान स्कॉटलैण्ड के इतिहास में सर्वाधिक तापमान.*
- *27 जून को ओमान में 42·2 डिग्री रात का तापमान दर्ज किया गया, जो अब तक दुनिया में सबसे ज्यादा.*
- *2 जुलाई को 36·6 डिग्री रिकॉर्ड तापमान रहा कनाडा के मॉन्ट्रियल शहर का.*
- *पिछले महीने 14·8 डिग्री बढ़ गया ब्रिटेन का औसत तापमान.*
- *पाकिस्तान में 50·2 डिग्री तक तापमान पहुँचा.*

भारत में तापमान में ढाई गुना वृद्धि

- *1960 से 2009 के बीच 0·5 डिग्री औसत तापमान बढ़ा.*
- *राजस्थान के जैसलमेर में 2016 में 52·4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया.*
- *25 प्रतिशत तक बढ़ गए गर्म हवाओं के दिन.*
- *सदी के अंत तक 2·2 से 5·5 डिग्री तक तापमान बढ़ने की आशंका.*
- *146 प्रतिशत ज्यादा बढ़ गया गर्म हवाओं के चलते जान जाने का खतरा.*
- *2010 में 1300 लोगों की जान लू के चलते गई थी.*
- *2015 में भारत में 2500 की जान लू से गई थी.*

डूबने का खतरा

- *सदी के अंत तक 6·5 फुट तक बढ़ सकता है समुद्र का जल स्तर.*
- *जापान के ओसाका, चीन के शंघाई, अमरीका के मियामी और ब्राजील के रियो पर डूबने का खतरा.*
- *30 साल में हर दो हफ्ते में 3·11 लाख घरों के डूबने का खतरा.*

व्यक्तित्व परीक्षण (साक्षात्कार) 2018

अपने व्यक्तित्व की क्षमताओं और व्यवहार कौशल का प्रदर्शन

✍ अतुल कपूर

हाल की सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा 2018 में सफल उम्मीदवार के परिणाम से पता चलता है कि यह सभी सफलता की राह पर एक सही मोड़ पर आ पहुँचे हैं.

इन युवाओं के लिए सफलता पहुँच के भीतर है, जिन्हें मुख्य परीक्षा में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया है, अब अन्तिम चरण साक्षात्कार को पार कर लक्ष्य सामने है.

सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा 2018 परिणाम घोषित; 4 फरवरी से शुरू होगा व्यक्तित्व परीक्षण (साक्षात्कार)

संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) ने 20 दिसम्बर, 2018 को सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा 2018 के लिए परिणाम घोषित किया. इस वर्ष साक्षात्कार 4 फरवरी, 2019 से शुरू होंगे.

अधिसूचित 780 रिक्तियों को भरने के लिए मुख्य (लिखित परीक्षा) में सफल 1994 उम्मीदवार परीक्षा प्रक्रिया के इस अन्तिम चरण में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं.

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा 27 सितम्बर से 7 अक्टूबर, 2018 के बीच आयोजित की गई थी.

प्रथम चरण सिविल सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा 2018 का आयोजन संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 3 जून, 2018 को किया गया. 14 जुलाई, 2018 को प्रारम्भिक परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया था.

इस वर्ष 1994 उम्मीदवारों को मुख्य परीक्षा (लिखित) में सफल घोषित किया गया है, जिन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा, भारतीय पुलिस सेवा और अन्य केन्द्रीय सेवाओं (समूह 'ए' ओर समूह 'बी') में चयन के लिए व्यक्तित्व परीक्षण के लिए अर्हता प्राप्त की है.

इस वर्ष अधिसूचित कुल रिक्तियाँ 780 हैं. पिछले 5 वर्षों में इस संख्या में क्रमिक गिरावट देखी गई है–

परीक्षा	रिक्तियाँ	साक्षात्कार के लिए सफल उम्मीदवारों की संख्या
सीएसई 2014	1291	3308
सीएसई 2015	1129	2797
सीएसई 2016	1079	2961
सीएसई 2017	980	2568
सीएसई 2018	780	1994

इन उम्मीदवारों का व्यक्तित्व परीक्षण (साक्षात्कार) 4 फरवरी, 2019 से शुरू होने की सम्भावना है. पिछले वर्ष सीएसई 2017 के लिए व्यक्तित्व परीक्षण (साक्षात्कार) सत्र 19 फरवरी, 2018 से शुरू हुआ था.

साक्षात्कार से संलग्न अंक बहुत कम हैं, परन्तु यह आपके अन्तिम परिणाम पर बड़ा प्रभाव डालने में सक्षम हैं

आपके संचित ज्ञान, जागरूकता, कठिन परिश्रम, तैयारी में निरन्तरता और धैर्य जैसे गुणों ने आपको इस मुकाम तक पहुँचने में मदद की है; अब, आपकी प्रस्तुति तकनीक और आत्मविश्वास के साथ इंटरव्यू बोर्ड पर प्रभाव डालने का काम करेगा.

साक्षात्कार के स्तर तक पहुँचना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है और कई उम्मीदवार व्यक्तित्व परीक्षण का पूरा लाभ उठाते हैं और बहुत अधिक अंक प्राप्त करते हैं जो अन्तिम परिणाम पर सकारात्मक प्रभाव सुनिश्चित करते हैं.

व्यक्तित्व परीक्षण से जुड़े 275 अंक (साक्षात्कार) कुल अंकों में बहुत कम लगते हैं, लेकिन, साक्षात्कार में प्राप्त अंकों का महत्व आपके चयन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. इसका कुल 2025 अंकों में से एक छोटा आवंटन है, जिस पर परिणाम तैयार किया जाता है, लेकिन इसके प्राप्तांक में आपके अन्तिम परिणाम को बदलने की शक्ति है.

यह मुख्य परीक्षा (लिखित) में उम्मीदवारों द्वारा अर्जित अंकों से स्पष्ट होता है, क्योंकि परिणाम के विश्लेषण से पता चलता है कि साक्षात्कार (व्यक्तित्व परीक्षण) के लिए बुलाए गए उम्मीदवारों के प्राप्तांकों में एक बड़ा अन्तर देखा जाता है. थोड़ा अन्वेषण दर्शाता है कि कुछ उम्मीदवार मुख्य परीक्षा से इतने प्रभावी ढंग से निपटते हैं कि वे बहुत अधिक अंक प्राप्त करते हैं, लेकिन जैसे-जैसे आप इस सूची में नीचे आते हैं. आप पाएंगे कि एक संख्या पर लगभग 7-8 उम्मीदवार नज़र आते हैं.

मुख्य परीक्षा परिणाम में कुछ उम्मीदवार अंकों में यह बड़ा अन्तर बना अपनी चयन की दावेदारी दिखाते हैं वहीं कट-ऑफ के ऊपर वाले अधिकांश उम्मीदवारों के लिए चयन के अवसर प्रबल करने को साक्षात्कार एक और मौका प्रदान करता है.

जो उम्मीदवार यहाँ व्यक्तित्व परीक्षण (साक्षात्कार) का महत्व समझते हैं और उच्च प्रयास देते हैं अपनी सफलता सुनिश्चित भी करते हैं.

सिविल सेवा परीक्षा 2017 के परिणाम में सामान्य श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए मुख्य परीक्षा (लिखित) के लिए कट-ऑफ 809 अंक रही है और अन्तिम चयन के लिए यह 1006 अंक है. यह साक्षात्कार की भूमिका के बारे में एक उचित विचार देता है कि कट-ऑफ पर दिखने वाले उम्मीदवार को अपनी सफलता सुनिश्चित करने के लिए उम्मीदवारों को साक्षात्कार में कम-से-कम 197 अंकों की आवश्यकता रही होगी जिससे मेरिट लिस्ट में जगह मिल सके.

हर बीतते वर्ष के साथ जैसे-जैसे उम्मीदवारों का प्रदर्शन मुख्य परीक्षा (लिखित) में बेहतर होता जा रहा है. इंटरव्यू पर निर्भरता थोड़ी कम हो गई है. हालाँकि, जब सेवा आवंटन की बात आती है, तो यहाँ कुछ-एक अंक ही आपकी वांछित पद प्राप्त करने की सम्भावना को प्रभावित कर सकते हैं. वर्तमान परिवेश में जब लिखित कट-ऑफ विस्तार दिखा रहा है; फिर भी, साक्षात्कार में प्राप्तांकों का मूल्य व प्रमुखता बनी हुई है, क्योंकि व्यक्तित्व परीक्षण (साक्षात्कार) प्राप्तांकों की सीमा काफी विस्तृत है.

सीएसई 2017 के परिणाम में, व्यक्तित्व परीक्षण (साक्षात्कार) में प्राप्तांकों की सीमा 124-206 अंक यानी 82 अंक रही है, जबकि सीएसई 2016 में यह 96-209 अंकों में भी व्यापक रहा था और 113 अंकों का अन्तर वास्तव में बहुत बड़ा था.

इस आधार पर आपको सफलता प्राप्त करने के लिए–

- साक्षात्कार में मेरिट लिस्ट में स्थान सुनिश्चित करने के लिए उच्च प्रदर्शन आवश्यक है.
- साक्षात्कार में उच्च अंक शीर्ष रैंक बना सकते हैं तथा IAS जैसे वांछित पद सुनिश्चित कर सकते हैं.

पर यह भी समझ लें कि व्यक्तित्व परीक्षण में 200 अंकों से ऊपर कुछ भी पाने का उद्देश्य उतना आसान नहीं है जितना कि हम शब्दों में रख बातें करते हैं.

इसके अलावा, न तो आपको और न ही बोर्ड के सदस्यों को आपके मुख्य परीक्षा के अंकों के बारे में पता है; इसलिए आप सभी से अपेक्षा कर सकते हैं कि मुख्य परीक्षा में संतोषजनक प्रदर्शन के बाद, आपको

व्यक्तित्व परीक्षण में अच्छा प्रदर्शन करना होगा, ताकि सकारात्मक परिणाम के लिए सम्भावनाएं बढ़ सकें.

लिखित परीक्षा की तुलना में साक्षात्कार में उच्च अंक लाना अपेक्षाकृत आसान है; सिर्फ उद्धृत करने के लिए सिविल सेवा परीक्षा के हालिया परिणामों में कुल 275 अंकों में से कई उम्मीदवारों ने साक्षात्कार में 200 + अंक हासिल किए हैं.

जब व्यक्तित्व परीक्षण में एक सम्मानजनक स्कोर आपके अन्तिम चयन में अपनी भूमिका निभा सकता है और अधिक महत्वपूर्ण रूप से मेरिट लिस्ट में ऐसा स्थान प्राप्त करा सकता है जिससे आप अपनी पहली वरीयता का पद प्राप्त करना सुनिश्चित कर सकें, तो आपको इसके बारे में गम्भीर होने की आवश्यकता है और प्रभावी ढंग से तैयार करना चाहिए.

साक्षात्कार	सीएसई 2017 में शीर्ष स्कोरर
Ramit Chennithala (AIR 210)	206 अंक
Phurpa Tsering (AIR 561)	206 अंक
Mrigakhi Deka (AIR 126)	204 अंक
G. Madhuri (AIR 144)	204 अंक
Mrithinjai S. (AIR 299)	204 अंक
Aakansha Kulshrestha (AIR 329)	204 अंक
Devanshu Chaudhary (AIR 440)	204 अंक
Hasan Safin Mustufaali (AIR 570)	204 अंक
Gutte Rohit Manikrao (AIR 734)	204 अंक

इन सफल उम्मीदवारों में से प्रत्येक के रैंक को देखें; आप आसानी से उनकी सफलता में साक्षात्कार के अंकों की भूमिका के बारे में विचार बना सकते हैं.

व्यक्तित्व परीक्षण (साक्षात्कार) में प्राप्त एक अतिरिक्त अंक आपको दूसरों से आगे निकलने में मदद करेगा.

भाग्य आपके दरवाजे पर दस्तक दे रहा है; इस अवसर को अपने हाथ से बाहर न जाने दें. आप तो अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार रहें.

मैं www.iaspassion.com पर भी इस तरह की बहुत सारी जानकारियाँ, सफलता की कहानियाँ और सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में सामग्री पेश करता हूँ. आप मुझे ट्विटर @atulkpr पर भी फॉलो कर सम्बन्धित अपडेट प्राप्त कर सकते हैं. आशा है कि आपको कुछ उपयोगी जानकारी मिलेगी जो आपकी तैयारी में मदद करती हैं और अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती रहती हैं.

यदि आप साक्षात्कार 2018 के लिए मुझसे कुछ मार्गदर्शन और तैयारी में सहायता चाहते हैं, तो आप अपना DAF मेरे साथ atul@pdgroup.in पर साझा कर सकते हैं.

साक्षात्कार की तैयारी सार्थक साबित होगी

सरल शब्दों में कहें–एक प्रभावी साक्षात्कार के लिए और कुछ भी नहीं केवल सही तैयारी की आवश्यकता है. यदि आप अच्छी तरह से तैयारी करते हैं, तो साक्षात्कार बोर्ड द्वारा पूछे गए कठिन प्रश्नों के उत्तर देने का पूर्वाभ्यास कर इनसे निपटना आसान होगा.

शिष्टाचार के साथ सँभाले गए साक्षात्कार में आपको 75 प्रतिशत अंक प्राप्त करना कोई मुश्किल नहीं और हर वर्ष अच्छी तरह से तैयारी के साथ कुछ उम्मीदवार इस तरह के अंक लाने में सफल भी रहे हैं.

नकली पुस्तकों/पत्रिकाओं से सावधान

बिहार एवं **झारखण्ड** राज्य में **प्रतियोगिता दर्पण, सामान्य ज्ञान दर्पण** तथा **सक्सेस मिरर** पत्रिकाओं की विषयवस्तु सामग्री की फोटोस्टेट प्रतियाँ अवैध रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रतिभागियों को बेची जा रही हैं. यह कॉपीराइट कानून का उल्लंघन है. यदि कोई भी व्यक्ति/फर्म फोटोस्टेट से की गयी इन पत्रिकाओं की किसी भी सामग्री की प्रतियों को बेचता हुआ पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जाएगी.

प्रतिभागी विद्यार्थी इस तथ्य को भी समझ लें कि **प्रतियोगिता दर्पण, सामान्य ज्ञान दर्पण** तथा **सक्सेस मिरर** के कुछ ही पृष्ठ महत्वपूर्ण नहीं होते बल्कि सम्पूर्ण पत्रिका ही महत्वपूर्ण होती है. इसलिए वे हमेशा **नई प्रति** ही खरीदें.

सम्पादक
प्रतियोगिता दर्पण समूह की पत्रिकाएं
2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर–282002
फोन : 2530966, 2531101, 2602930, 2602653
फैक्स : 0562-2531940

प्रतियोगिता दर्पण, सामान्य ज्ञान दर्पण एवं सक्सेस मिरर की फोटो कॉपियाँ करके बेचने वाले किसी व्यक्ति/फर्म की जानकारी देने वाले को यथोचित रूप से पुरस्कृत किया जाएगा तथा उसकी पहचान भी गुप्त रखी जाएगी.

जैसाकि हमने चर्चा की, व्यक्तित्व परीक्षण में 200 से ऊपर के कोई भी प्राप्तांक मेरिट लिस्ट में आपका नाम सुनिश्चित करता है और यह प्राप्त करने के आप योग्य हैं. मुख्य परीक्षा के किसी भी प्रश्न-पत्र पर किए प्रयास की तुलना में साक्षात्कार के चरण में उच्च अंक प्राप्त करना बहुत आसान और निश्चित-सा प्रतीत होता है.

यह केवल नियमित अभ्यास के साथ ही हो सकता है जो उम्मीदवार मुख्य परीक्षा के तुरन्त बाद साक्षात्कार की तैयारी शुरू करते हैं और उपलब्ध समय का पूरा उपयोग करते हैं; वे दूसरों पर बढ़त हासिल कर एक बेहतर स्थिति में होते हैं जो अपने मुख्य परीक्षा को जानने के बाद ही साक्षात्कार की तैयारी को देखना शुरू करते हैं.

जैसा कि उल्लिखित है, साक्षात्कार के चरण तक पहुँचना यह साबित करने के लिए पर्याप्त है कि आप एक उच्च क्षमता वाले प्रतिभावान युवा हैं. अब, यह महत्वपूर्ण कौशल और क्षमताओं के प्रदर्शन का एक मौका है कि आप कितनी प्रभावी रूप से इनका संचार करते हैं.

यहाँ वह सब मायने रखता है जो आप साक्षात्कार बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत करते हैं और आप क्या प्रस्तुत नहीं करते. आपसे यह अपेक्षित नहीं कि आप सब कुछ जानते हों; लेकिन, आपको पता होना चाहिए कि आप क्या जानते हैं और क्या नहीं जानते हैं.

अधिकांश मामलों में, यह सब आपके DAF से शुरू होता है, आपके द्वारा प्रस्तुत जानकारी के साथ, साक्षात्कार बोर्ड के लिए आपके बारे में एक अच्छा विचार बनाना मुश्किल नहीं कि आप क्या कर रहे हैं और इन अनुभवी साक्षात्कार बोर्ड के सदस्यों के लिए आपकी क्षमताओं और कौशल का पता लगाना मुश्किल कार्य नहीं.

ऐसा नहीं है कि वे आपकी कमजोरियों को उजागर करने की तलाश में हैं, बल्कि उनका उद्देश्य यह पता लगाना है कि आपका DAF कितना ईमानदार है और किन चीजों, क्षेत्रों में आप अच्छे हैं. वे मानते हैं कि जो कुछ भी आपने DAF में उल्लेख किया है आपके पास उसमें उल्लिखित प्रत्येक शब्द के लिए एक उचित विचार है; सब भली-भाँति पता है और असल में आप क्या हैं ?

अब, यह आप पर निर्भर है कि आप अपने सबल पक्षों को अधिक दर्शाते हैं या आप इस 25-30 मिनट के समय में अपनी कमजोरी को व्यक्त करते हैं. इस छोटी-सी समयावधि में अपने व्यक्तित्व को कुछ ऐसे नियन्त्रित करना है कि यह आपकी सफलता के लिए बड़ा जोखिम न बन जाए.

अभ्यास वास्तव में आपके प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है

जब आप जानते हैं कि आपसे क्या पूछा जाने वाला है, तो आपको ऐसे प्रश्नों से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए. आपने उन्हें अपने व्यक्तित्व का एक रेखाचित्र प्रदान किया है. अब साक्षात्कार बोर्ड पर छोड़ दें कि वे क्या पूछना चाहते हैं और कुछ भी पूछ सकते हैं. यदि आप ईमानदार हैं, तो आप आत्मविश्वास से जवाब देने के लिए अधिक उपयुक्त स्थिति में होंगे.

जैसाकि देखा गया है, अधिकतम समय आपके व्यक्तित्व के स्वीकार्य पहलुओं को खोजने पर व्यतीत किया जाता है, यदि आप अच्छी तरह से तैयार हैं, तो शायद आप कुछ प्रश्नों का प्रयास कर सकते हैं, जिनका सामना करने के लिए शायद आप पूरी तरह से तैयार नहीं हैं.

यदि आपके पास कोई जानकारी नहीं, तो स्पष्ट रूप से स्वीकारें और साक्षात्कार बोर्ड को भ्रमित करने की चेष्टा बिलकुल न करें. यदि आप ऐसा करते हैं, तो आप शीघ्र ही फँस सकते हैं.

यहाँ तक कि अगर वे कुछ वो पकड़ रहे हैं जो आप नहीं जानते, तो उस स्थिति को ईमानदारी से सँभालें तथा उसे स्पष्ट रूप से स्वीकार करने के लिए तैयार रहें, और जब अध्यक्ष/बोर्ड सदस्य आपको उस चीज़ के बारे में जानकारी देते हैं या अपडेट करते हैं, तो आपको इसे स्वीकारने और उन्हें धन्यवाद देने के लिए तत्पर रहना चाहिए.

ध्यान रखें कि इस प्रकार के यह प्रश्न आपकी मौलिकता को परखने के लिए पूछे जाते हैं.

समग्र प्रदर्शन के साथ यदि आप अपनी प्रतिभा को व्यक्त करने में सक्षम हैं, जो यह साक्षात्कार बोर्ड आपको भविष्य के 'सिविल सर्वेंट' के रूप में देख रहे हैं और यदि आपके पास एक आकर्षक व्यक्तित्व है; तो आप निश्चित रहें, इस तरह की छोटी-छोटी बातों को बोर्ड सदस्य नजरअंदाज भी कर सकते हैं.

साक्षात्कार के लिए तैयार करने का सबसे अच्छा तरीका अपने दोस्तों के साथ या यहाँ तक कि परिवार के सदस्यों के साथ, विभिन्न कोचिंग संस्थानों में मॉक साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं. जितना अधिक आप अभ्यास करते हैं, उतना ही आप अपने उत्तर, चेहरे के भाव और प्रस्तुतीकरण को परिष्कृत करते हैं. अधिकांश उम्मीदवारों के लिए दर्पण के सामने अभ्यास करना एक नियमित अभ्यास रहा है. आजकल मोबाइल फोन या यहाँ तक कि वेबकैम का उपयोग साक्षात्कार अभ्यास के दौरान रिकॉर्डिंग करने के लिए किया जाता है और वास्तविक प्रतिक्रिया और ईमानदारी से सलाह प्राप्त करने के लिए विश्वसनीय लोगों को दिखाएं ताकि आप अपने समग्र व्यक्तित्व की कमियों में सुधार ला सकें.

अभ्यास के साथ आप सकारात्मक रूप से एक बड़ा बदलाव ला सकते हैं किस तरह से आप खुद को प्रस्तुत करते हैं और उत्तर देते हैं–जिस तरह से आप संवाद करते हैं वह यह निर्धारित करेगा कि आप व्यक्तित्व परीक्षण में कितना अच्छा प्रदर्शन कर पाते हैं और बदले में निश्चित रूप से यह प्रदर्शन साक्षात्कार बोर्ड द्वारा उचित अंक देकर पुरस्कृत किया जाएगा.

इसलिए, यह थोड़ा दिमागी मेहनत का समय है, अपने DAF को एक बार फिर से पूरी तरह से देखें, विवरण की गहराई तक जाएं, समसामयिकी और समकालीन मुद्दों पर थोड़ा ध्यान केन्द्रित करें और जिस तरह से आप उत्तर प्रस्तुत करना चाहते हैं और मान कर चलें कि निश्चित रूप से यह सब आपके प्रदर्शन में दृष्टय होगा और आप इंटरव्यू बोर्ड को प्रभावित करने में सक्षम होंगे जो अन्ततः आपके सपनों को जीवन्त कर देगा.

सफलता की अग्रिम शुभकामनाएं.

●●●

पवन ऊर्जा के बारे में कतिपय महत्वपूर्ण तथ्य

पवन चक्कियाँ ईसा से 2000 से चलन में हैं. विश्व में इन्हें सबसे पहले फारस एवं चीन में विकसित किया गया.

प्राचीनकाल में नाविक विश्व के विभिन्न भू-भागों में जाने के लिए पवन ऊर्जा ('पालों') को ही प्रयुक्त करते थे. पवन ऊर्जा से ही आटा चक्कियाँ एवं पानी खींचने वाले पम्प चलाए जाते थे. आधुनिक काल में पवन ऊर्जा से बिजली बनायी जाती है.

विश्व में पवन टरबाइन प्रौद्योगिकी का विकास सबसे पहले जर्मनी के भौतिक विज्ञानवेत्ता एल्बर्ट बेट्ज़ (1885-1968) द्वारा किया गया

विश्व का पहला आधुनिक पवन टरबाइन 1940 के दशक में वर्मोन्ट (सं. रा. अमरीका) में बनाया गया.

पवन टरबाइन में 8000 से अधिक संघटक होते हैं.

वर्तमान में पवन टरबाइन के पंखों की लम्बाई औसतन 180 फुट तथा जमीन से ऊँचाई 280 फुट से भी अधिक होती है स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी की ऊँचाई से भी अधिक.

इनका कहना है

"हम अपने घरों से ही अपना अभियान चलाते रहेंगे तथा जलवायु संकट में प्रदूषकों की भूमिका के लिए उन्हें उत्तरदायी ठहराने के लिए वैश्विक अभियान जारी रखेंगे."

पैट्टी लिन
एजीक्यूटिव डायरेक्टर ऑफ कॉर्पोरेट एकाउण्टेबिलिटी कैम्पेन

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 2018 में दिए गए ऐतिहासिक फैसले

वर्ष 2018 सर्वोच्च न्यायालय के तमाम ऐतिहासिक फैसलों का गवाह रहा, जिनका सीधा सरोकार आम नागरिकों से रहा. ऐसे फैसले जिनका राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक तौर पर दूरगामी असर रहेगा.

नाबालिग बच्चों को भी मिलेगा मुआवजा

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि 5 सितम्बर, 2018 को बलात्कार पीड़ित और ऐसिड अटैक पीड़ित के लिए बनाए गए कॉम्पेंसेशन स्कीम का लाभ पॉक्सो मामले में नाबालिग पीड़ित (लड़के और लड़की दोनों) को भी मिलेगा. सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि नेशनल लीगल सर्विस अथॉरिटी (नालसा) ने बलात्कार पीड़ित और ऐसिड अटैक पीड़ित के लिए जो स्कीम बनाई है उसे पॉक्सो (प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंसेज) ऐक्ट मामले की सुनवाई करने वाले विशेष न्यायालय दिशा-निर्देशों के तौर पर इस्तेमाल करें, ताकि इस स्कीम के तहत् नाबालिग पीड़ित को मुआवजा दिया जा सके. सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अभी तक पॉक्सो कानून के तहत् सरकार ने ऐसा कोई प्रावधान नहीं बनाया है, जिसके तहत् स्पेशल कोर्ट पीड़ित को मुआवजा देने का निर्देश जारी कर सके. सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि जब तक सरकार पॉक्सो कानून के तहत् मुआवजा के नियम तय नहीं करती तब तक नालसा द्वारा बलात्कार पीड़ित के लिए बनाई गई स्कीम पॉक्सो मामले में दिशा-निर्देशों के तौर पर इस्तेमाल होगी.

इसके तहत् सामूहिक बलात्कार पीड़ित को अधिकतम ₹ 10 लाख मुआवजा दिए जाने का प्रावधान किया गया है, जबकि बलात्कार पीड़ित को अधिकतम ₹ 7 लाख मुआवजा दिया जा सकेगा. महिला की जान जाने की स्थिति में ₹ 5 से 10 लाख मुआवजे का प्रावधान किया गया है, जबकि सामूहिक बलात्कार में ₹ 5 से 10 लाख, बलात्कार पीड़ित को ₹ 4 से 7 लाख, अप्राकृतिक दुराचार के मामले में ₹ 4 लाख से 7 लाख मुआवजा दिए जाने का प्रावधान किया गया है. हमले के कारण गर्भपात की स्थिति में ₹ 2 से 3 लाख दिए जाने का प्रावधान किया गया है. अगर महिला बलात्कार के कारण गर्भवती हो जाती है, तो उसे ₹ 3 लाख से लेकर ₹ 4 लाख तक मुआवजा दिए जाने का प्रावधान किया गया है. जलाए जाने के कारण शारीरिक विकृति आने पर ₹ 7 से 8 लाख दिए जाने का प्रावधान किया गया है. ऐसिड पीड़ित को ₹ 7 से 8 लाख दिए जाने का प्रावधान किया गया है.

धारा 377 से सम्बन्धित सर्वोच्च न्यायालय का फैसला

6 सितम्बर, 2018 को सर्वोच्च न्यायालय की संवैधानिक बेंच ने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा कि धारा 377 के तहत् दो बालिगों के बीच सहमति से बनाए गए समलैंगिक सम्बन्ध अपराध नहीं है. इस प्रावधान को सर्वोच्च न्यायालय ने गैर-संवैधानिक करार दिया है और इसे समानता और जीवन के अधिकार का उल्लंघन बताया था. सर्वोच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा, जस्टिस रोहिंगटन नरीमन, जस्टिस ए. एम. खानविलकर, जस्टिस डी. वाई. चन्द्रचूड़ और जस्टिस इंदू मल्होत्रा की संवैधानिक बेंच ने अपने 493 पेज के फैसले में एकमत से फैसला दिया था कि बालिगों के बीच सहमति से बनाए गए समलैंगिक सम्बन्ध को धारा 377 के तहत् अपराध मानना अतार्किक और साफ तौर पर मनमाना प्रावधान है. सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि 158 वर्ष पुराने इस कानून के कारण एलजीबीटी (लेस्बियन, गे, बाइसेक्शुअल और ट्रांसजेंडर) समुदाय के लोग तिरस्कृत हुए हैं. धारा 377 का उक्त प्रावधान गरिमा के साथ जीने के अधिकार का उल्लंघन करता है. सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि सेक्शुअल ओरिएंटेशन बायोलॉजिकल तथ्य हैं. उनके साथ किसी भी तरह का भेदभाव संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन होगा.

दहेज मामले में पति और उसके परिजनों को मिले बचाव (सेफगार्ड) को सर्वोच्च न्यायालय ने खत्म किया

सर्वोच्च न्यायालय ने दहेज प्रताड़ना मामले में पति व उनके परिजनों को मिले बचाव (सेफगार्ड) को खत्म कर दिया गया. पिछले वर्ष के फैसले में सर्वोच्च न्यायालय के 2 जजों की बेंच ने जहाँ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज होने के बाद मामले को परिवार कल्याण समिति के पास भेजने और तब तक गिरफ्तारी पर रोक का प्रावधान किया था, वहीं 14 सितम्बर, 2018 को सर्वोच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली तीन जजों की बेंच ने परिवार कल्याण समिति बनाए जाने और तब तक गिरफ्तारी पर रोक के प्रावधान को निरस्त कर दिया. सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि ये प्रावधान विधायी फ्रेमवर्क के बाहर है. सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद अब दहेज प्रताड़ना मामले में शिकायत के बाद मामला सीधे पुलिस के अधिकार क्षेत्र में चला गया है. सर्वोच्च न्यायालय के दो जजों की बेंच ने पिछले वर्ष 27 जुलाई, 2017 को राजेश शर्मा से सम्बन्धित वाद में कहा था कि दहेज प्रताड़ना के केस में सीधे गिरफ्तारी नहीं होगी. सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली बेंच ने दो जजों की बेंच के कमिटी बनाए जाने के प्रावधान को खत्म कर दिया. हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय की तीन जजों की बेंच ने अब कहा कि पुलिस सीआरपीसी की धारा 41 और 41ए के प्रावधान के तहत् काम करे और सर्वोच्च न्यायालय के पुराने फैसले पर अमल करे जिसमें कहा गया है कि 7 वर्ष से कम सजा के प्रावधान वाले मामले में पुलिस तभी गिरफ्तारी करे जब इसके लिए पर्याप्त कारण हो और गिरफ्तारी का कारण बताए.

प्रमोशन में आरक्षण

26 सितम्बर, 2018 को सर्वोच्च न्यायालय ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के प्रमोशन में आरक्षण से सम्बन्धित माामले में 2006 में नागराज से सम्बन्धित वाद में सर्वोच्च न्यायालय में दिए गए फैसले को 7 जजों को रेफर करने से मना कर दिया था. सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के प्रमोशन में आरक्षण से पहले पिछड़ेपन का डाटा एकत्र करने की जरूरत नहीं है. नागराज के फैसले में पिछड़ेपन के डेटा एकत्र करने के साथ-साथ ये भी कहा गया था कि प्रमोशन में आरक्षण के मामले में क्रीमीलेयर का सिद्धान्त लागू होगा. सर्वोच्च न्यायालय की संवैधानिक पीठ ने कहा कि नागराज फैसले के अन्य पहलू में दखल की जरूरत नहीं है, ऐसे में प्रमोशन में आरक्षण के मामले में क्रीमीलेयर का सिद्धान्त लागू होगा. इस फैसले के बाद सरकार के लिए प्रमोशन में आरक्षण देने का रास्ता साफ हो गया, लेकिन सरकार अपर्याप्त प्रतिनिधित्व और प्रशासनिक दक्षता को देखेगी.

नागराज फैसले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि प्रमोशन में आरक्षण के मामले

में सीलिंग लिमिट 50 प्रतिशत, क्रीमीलेयर के सिद्धान्त को लागू करने, पिछड़ेपन का पता लगाने के लिए डाटा एकत्र करने और अपर्याप्त प्रतिनिधित्व के बारे में देखना होगा. सुप्रीम कोर्ट ने पिछड़ेपन का डाटा एकत्र करने की शर्त हटा दी है. इसके बाद अब सरकार के लिए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति को प्रमोशन में आरक्षण का लाभ देने का रास्ता साफ हो गया है.

आधार की संवैधानिकता को बरकरार रखा

26 सितम्बर, 2018 को ही सर्वोच्च न्यायालय ने आधार मामले में ऐतिहासिक फैसले में आधार की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा था, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने कई मामलों में आधार की अनिवार्यता को खत्म कर दिया था. सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि बैंक खाते से आधार को जोड़ना अनिवार्य नहीं होगा. बहुमत से 4 जजों ने फैसले में कहा था कि आधार न तो बैंक खाते के लिए और न ही मोबाइल कनेक्शन के लिए अनिवार्य होगा. सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि स्कूल में दाखिले के लिए भी आधार जरूरी नहीं होगा. सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि आधार किसी भी शख्स के निजता के अधिकार का उल्लंघन नहीं करती है. सर्वोच्च न्यायालय ने 4 बनाम 1 के बहुमत के फैसले में कहा था कि आधार इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने और पैन के लिए अनिवार्य बना रहेगा. हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में आधार ऐक्ट की धारा 57 को खारिज कर दिया, जिसके तहत् प्राइवेट कम्पनी और कॉरपोरेट को बायोमेट्रिक डाटा को लेने और इस्तेमाल की इजाजत दी गई थी.

अयोध्या मामला संवैधानिक बेंच को भेजने से इनकार

सर्वोच्च न्यायालय ने अयोध्या मामले में एक अहम् फैसला सुनाया. 27 सितम्बर को सर्वोच्च न्यायालय ने मस्जिद में नमाज पढ़ना इस्लाम का अभिन्न अंग है, के बारे में 1994 के फैसले को दोबारा विचार के लिए संवैधानिक बेंच भेजने से इनकार कर दिया. सर्वोच्च न्यायालय ने साफ कर दिया कि मामला जमीन विवाद के तौर पर निपटाया जाएगा. मुस्लिम पक्षकारों ने कहा था कि अयोध्या के जमीन विवाद पर सुनवाई से पहले इस्माइल फारुखी मामले में सुप्रीम कोर्ट के 1994 के जजमेंट के दोबारा परीक्षण की जरूरत है. सर्वोच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश और जस्टिस अशोक भूषण ने बहुमत से दिए फैसले में कहा कि मामले को संवैधानिक बेंच रेफर करने की जरूरत नहीं है और कहा कि अयोध्या जमीन विवाद मामले की सुनवाई 29 अक्टूबर से होगी, जिसके बाद जनवरी के पहले हफ्ते के लिए मामले को सुनवाई के लिए रखा गया है. सर्वोच्च न्यायालय ने बहुमत से कहा था कि मामले का साक्ष्यों के आधार पर परीक्षण किया जाएगा न कि धार्मिक महत्व के आधार पर देखा जाएगा. सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि इस्माइल फारुखी मामले में जो फैसला दिया गया था वह सीमित पहलू जमीन अधिग्रहण से सम्बन्धित मामले को लेकर था. सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि मौजूदा मामला जमीन विवाद का है और उक्त टिप्पणी का जमीन विवाद के फैसले से लेना देना नहीं है.

सबरीमाला मंदिर में हर उम्र की महिलाओं को मिली प्रवेश की इजाजत

अपने ऐतिहासिक फैसले में 28 सितम्बर, 2018 को सर्वोच्च न्यायालय ने केरल के सबरीमाला मंदिर में हर उम्र की महिलाओं के प्रवेश की इजाजत दे दी. सर्वोच्च न्यायालय ने 4 बनाम 1 के बहुमत से दिए फैसले में कहा था कि 10 वर्ष से लेकर 50 वर्ष की उम्र की महिलाओं का मंदिर में प्रवेश पर बैन लिंग के आधार पर भेदभाव वाली प्रथा है और ये हिन्दू महिलाओं के मौलिक अधिकार का हनन करता है. तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा ने कहा था कि धर्म एक जीवनशैली है और ये जीवन और देवत्व से जुड़ा हुआ है. मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि भक्ति को भेदभाव का विषय नहीं बनाया जा सकता. भगवान अयप्पा के अनुयायी अलग से पंथ का निर्माण नहीं कर सकते. जस्टिस नरीमन ने कहा था कि सबरीमाला मंदिर के परम्परा के मुताबिक 10 वर्ष से 50 वर्ष की महिलाओं को बैन किया गया है. अनुच्छेद 25 व 26 जो धार्मिक स्वतन्त्रता की बात करता है. संविधान के ये प्रावधान 10 वर्ष से 50 वर्ष की महिलाओं के बैन की परम्परा का समर्थन नहीं करता है. किसी महिला का पूजा स्थल पर जाने से रोकना अनुच्छेद 25 का उल्लंघन है.

अडल्टरी अब अपराध नहीं रहा, सर्वोच्च न्यायालय ने सेक्शुअल स्वायत्तता को सर्वोपरि माना

अडल्टरी कानून को सर्वोच्च न्यायालय ने 27 सितम्बर, 2018 को गैर-संवैधानिक करार देते हुए खारिज कर दिया. सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अडल्टरी कानून महिला को पति का गुलाम और सम्पत्ति की तरह बनाता है. अदालत ने इसे गैर-संवैधानिक करार देते हुए खत्म कर दिया. सर्वोच्च न्यायालय के 5 जजों की संवैधानिक बेंच ने एक मत से फैसला दिया. तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा की 5 जजों की बेंच ने एकमत से दिए फैसले में अडल्टरी कानून यानी आईपीसी की धारा 497 को खारिज कर दिया. सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि ये धारा मनमाना है और समानता के अधिकार का हनन करती है. सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि ये कानून महिलाओं को पसन्द करने के अधिकार से वंचित करता है. अभी तक के कानून के हिसाब से अगर कोई शख्स किसी शादीशुदा महिला से सम्बन्ध बनाता था, तो शादीशुदा महिला का पिता ऐसे सम्बन्ध बनाने वाले शख्स के खिलाफ आईपीसी की धारा 497 के तहत् केस दर्ज किया जा सकता था, लेकिन पति की सहमति हो, तो फिर उसकी पत्नी से सम्बन्ध बनाने पर तीसरे शख्स के खिलाफ केस दर्ज नहीं हो सकता था. शारीरिक अंतरंगता पसन्द को जाहिर करता है. मानवीय व्यक्तित्व से सेक्शुअलिटी को अलग नहीं कर सकते हैं. मानवीय गरिमा स्वायत्तता और सेक्शुअल पसन्द को मान्यता देता है. इस तरह देखा जाए, तो धारा 497 महिला के सेक्शुअल पसन्द यानी मौलिक पसन्द को छीनती है, क्योंकि शादी के बाद पति की सहमति पर सबकुछ निर्भर करता है. धारा 497 सेक्शुअल स्वायत्तता का आदर नहीं करती है.

राफेल मामले में सर्वोच्च न्यायालय से सरकार को राहत

राफेल लड़ाकू विमान की खरीद के मामले में केन्द्र सरकार को सर्वोच्च न्यायालय से 14 दिसम्बर, 2018 को बड़ी राहत मिली. राफेल खरीद प्रक्रिया और इंडियन ऑफसेट पार्टनर के चुनाव में सरकार द्वारा भारतीय कम्पनी को फेवर किए जाने के आरोपों की जाँच की माँग करने वाली तमाम याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया. सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि फैसला लेने की प्रक्रिया में कहीं भी कोई सन्देह की गुंजाइश नहीं है. सर्वोच्च न्यायालय ने राफेल सौदे मामले में केस दर्ज कर कोर्ट की निगरानी में जाँच की गुहार खारिज कर दी. आरोप लगाया गया था कि ₹ 58,000 करोड़ के सौदे में अनियमितताएं हुई हैं. मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई की अगुवाई वाली बेंच ने कहा था कि इस मामले में दाखिल याचिका में 3 मुख्य मुद्दे उठाए गए थे, इसमें फैसला लेने की प्रक्रिया, इंडियन ऑफसेट पार्टनर के चुनाव और कीमत का मुद्दा था. न्यायालय ने कहा कि जो दलीलें और तथ्य दलील सर्वोच्च न्यायालय के सामने रखे गए हैं, उसे विस्तारपूर्वक सुना गया है और राफेल सौदे के मामले में ऐसा कोई आधार नहीं है कि कोर्ट उसमें दखल दे. ऐसे में तमाम अर्जियाँ खारिज की जाती हैं.

●●●

फोकस 1

संयुक्त राष्ट्र संघ सम्पोषणीय विकास लक्ष्यों में भारत और उसके राज्यों की उपलब्धियाँ

✍ डॉ. श्याम सुन्दर सिंह चौहान

संयुक्त राष्ट्र संघ के 2030 के लिए सम्पोषणीय विकास लक्ष्यों का उद्भव 2015 के लिए सहस्त्राब्दी, विकास लक्ष्यों से हुआ है. सहस्त्राब्दी विकास लक्ष्य वर्ष 2015 तक 18 मापनीय लक्ष्यों से युक्त 8 अन्तर्राष्ट्रीय विकास लक्ष्य था, जिनका निर्धारण वर्ष 2000 संयुक्त राष्ट्र की सहस्त्राब्दी समिति द्वारा किया गया था. इन पन्द्रह वर्षों (2000–2015) में विश्व में अनेक परिवर्तन आए. कुछ भागों में तीव्र आर्थिक विकास के चलते ऊर्जा उपभोग में तीव्र वृद्धि हुई, प्राकृतिक संसाधनों का क्षरण भी हुआ. सामूहिक एवं राष्ट्रों के व्यक्तिगत प्रयासों से करोड़ों लोगों को निर्धनता-कुपोषण-अशिक्षा-बेरोजगारी के कुचक्र से बाहर भी निकाला गया. इसके बावजूद सम्पोषणीय एवं समावेशी विकास की चुनौतियाँ विद्यमान रहीं. इन्हीं चुनौतियों का सामना करने के लिए 2015 में नए सिरे से निम्न 17 सम्पोषणीय विकास लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं–

सम्पोषणीय विकास लक्ष्य

1. ***कोई निर्धनता नहीं***–सभी जगहों पर सभी प्रकार की निर्धनता का समापन.
2. ***शून्य भूख***–भूख को समाप्त करना, खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना तथा पोषण को सुधारना और सम्पोषणीय कृषि को बढ़ावा देना.
3. ***अच्छा स्वास्थ्य और खुशहाली***–स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करना तथा सभी आयु के लोगों की खुशहाली को बढ़ावा देना.
4. ***गुणात्मक शिक्षा***–गुणात्मक एवं समावेशी शिक्षा सुनिश्चित करना तथा सभी के लिए जीवनपर्यन्त सीखने को बढ़ावा देना.
5. ***लिंगमूलक समानता***–लिंगमूलक समानता प्राप्त करना तथा सभी महिलाओं एवं लड़कियों का सशक्तिकरण.
6. ***स्वच्छ जल एवं स्वच्छता***–सभी के लिए जल एवं स्वच्छता की उपलब्धता तथा सम्पोषणीय प्रबन्धन सुनिश्चित करना.
7. ***वहन करने योग्य स्वच्छ ऊर्जा***–सभी के लिए वहन करने योग्य, विश्वसनीय, सम्पोषणीय तथा आधुनिक ऊर्जा सुनिश्चित करना.
8. ***सम्माननीय काम और आर्थिक संवृद्धि***–सतत् समावेशी एवं सम्पोषणीय आर्थिक संवृद्धि, पूर्ण एवं उत्पादक रोजगार तथा सभी के लिए सम्माननीय काम को बढ़ावा देना.
9. ***उद्योग, नवोन्मेष एवं अधोरचना***– अधोरचना का निर्माण, सम्पोषणीय एवं समावेशी औद्योगीकरण का प्रोन्नयन और नवोन्मेष को अपनाना.
10. ***असमानता कम करना***–देशों के भीतर एवं विभिन्न देशों के बीच असमानता को कम करना.
11. ***सम्पोषणीय शहर एवं समुदाय***–शहरों और मानव बसावटों को समावेशी, स्वच्छ, लोचशील एवं सम्पोषणीय बनाना.
12. ***सम्पोषणीय उत्पादन एवं उपभोग***–सम्पोषणीय उपभोग एवं उत्पादन प्रतिरूप सुनिश्चित करना.
13. ***जलवायु एक्शन***–जलवायु परिवर्तन एवं इसके प्रभावों का मुकाबला करने के लिए त्वरित कार्यवाही करना.
14. ***जल के नीचे जीवन***–सम्पोषणीय विकास हेतु महासागरों, समुद्रों एवं समुद्री संसाधनों का संरक्षण करना तथा सम्पोषणीय तरीके से उपयोग करना.
15. ***भूतल पर जीवन***–स्थलीय पारिस्थितिकियों को संरक्षित करना, बनाए रखना तथा उनके सम्पोषणीय उपयोग को बढ़ावा देना, वनों का सम्पोषणीय प्रबन्धन, वनों की कटाई को रोकना, प्रतिकूल भू-अपक्षय को रोकना, जैव विविधता हानियों को रोकना.
16. ***शान्ति, न्याय एवं सुदृढ़ संस्थान***–सम्पोषणीय विकास हेतु शान्तिपूर्ण एवं समावेशी समाजों को बढ़ावा देना, सभी की न्याय तक पहुँच सुनिश्चित करना, सभी स्तरों पर प्रभावी, जवाबदेह एवं समावेशी संस्थाओं का निर्माण करना.
17. ***लक्ष्य प्राप्ति हेतु सहभागिता***–क्रियान्वयन के साधनों का सुदृढ़ीकरण तथा सम्पोषणीय विकास हेतु वैश्विक सहभागिता में नई जान फूँकना.

भारत में सम्पोषणीय विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए विभिन्न पणधारियों के बीच समन्वय का उत्तरदायित्व नीति आयोग पर डाला गया है. इन लक्ष्यों को समय सीमा के भीतर प्राप्त करने के प्रति भारत सरकार सजग और प्रतिबद्ध है, लेकिन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बनाई गई योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी राज्य सरकारों पर है. इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए नीति आयोग ने इस दिशा में हुई प्रगति के मापन हेतु एकल मापनीय सूचकांक के रूप में 'एसडीजी इण्डिया इण्डेक्स, 2018' विकसित किया है. यह सूचकांक 17 एसडीजी लक्ष्यों में से लक्ष्य संख्या 12, 13, 14 एवं 17 को छोड़ते हुए अन्य 13 लक्ष्यों के बारे में 62 प्राथमिकता सूचकों पर आधारित है, जो देश के सभी राज्यों और केन्द्रशासित क्षेत्रों की प्रगति को परिलक्षित करते हैं. यह सूचकांक देश और उसके राज्यों व केन्द्रशासित क्षेत्रों के सामाजिक, आर्थिक तथा पर्यावरणीय प्रस्थिति की समग्र परिदृश्य पर दृष्टिपात करते हैं. यह सूचकांक सरल है तथा इसका प्रयोग नीति निर्धारकों, व्यवसायियों, सिविल सोसायटी तथा सामान्य नागरिकों द्वारा किया जा सकता है.

राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों के बीच सम्पोषणीय विकास लक्ष्यों के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों का आकलन 0–100 के स्केल पर निम्नलिखित प्रकार किया गया है–

एसडीजी इण्डिया सूचकांक 2018 का मान	उपलब्धि का स्तर
100	लक्ष्य प्राप्तिकर्ता
65–99	अग्र पंक्ति में
50–84	उपलब्धियाँ प्राप्त करने की ओर अग्रसर
0–49	आकांक्षी

एसडीजी इण्डिया इण्डेक्स 2018 में राज्यों का स्कोर 42 और 69 के बीच तथा केन्द्रशासित क्षेत्रों का स्कोर 57 और 68 के बीच है.

विश्लेषण

- कोई भी राज्य/के. शा. क्षे. 100 स्कोर के साथ लक्ष्य प्राप्तिकर्ता वर्ग में नहीं है.
- सम्पोषणीय विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के मामले में 69 स्कोर के साथ हिमाचल प्रदेश और केरल शीर्ष स्थान पर तथा तमिलनाडु (66) तीसरे स्थान पर है. इस तरह से ये तीनों राज्य अग्रणी संवर्ग में हैं.

- उपलब्धियाँ प्राप्त करने की ओर अग्रसर राज्यों के स्कोर और रैंक निम्नलिखित प्रकार हैं–

एसडीजी इण्डेक्स का स्कोर	राज्य
64	आंध्र प्रदेश, गोवा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र
61	तेलंगाना
60	पंजाब, उत्तराखण्ड
59	मणिपुर, मिजोरम, राजस्थान
58	छत्तीसगढ़, सिक्किम
56	प. बंगाल
55	हरियाणा, त्रिपुरा
53	जम्मू एवं कश्मीर
52	मध्य प्रदेश, मेघालय
51	नगालैण्ड, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा
50	झारखण्ड

- एसडीजी लक्ष्यों के प्रति आकांक्षी राज्य असम (49), बिहार, (48) तथा उत्तर प्रदेश (42) हैं.
- जहाँ तक केन्द्रशासित क्षेत्रों का प्रश्न है, तो चण्डीगढ़ (68) एवं पुदुचेरी (65) अग्रणी श्रेणी में तथा दमन एवं दीव (63), दिल्ली (62), लक्षद्वीप (62), अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह (58) और दादरा एवं नगर हवेली (57) उपलब्धियाँ प्राप्त करने के प्रति आतुर संवर्ग में हैं.
- समग्र रूप से भारत का स्कोर 57 है, अर्थात् एसडीजी लक्ष्यों को प्राप्त करने के मामले में भारत को अभी भी एक लम्बा मार्ग तय करना है.
- एसडीजी लक्ष्य 1, 2, 3, 4, 5 के मामले में भारत के एक भी राज्य अथवा के. शा. क्षे. का स्कोर 100 नहीं है.
- एसडीजी लक्ष्य 6 (स्वच्छ जल एवं स्वच्छता) के मामले में गुजरात, चण्डीगढ़, दादरा एवं नगर हवेली तथा लक्षद्वीप का स्कोर 100 है अर्थात् इन्होंने इस लक्ष्य को हासिल कर लिया है.
- मेघालय, मिजोरम, तेलंगाना, दादरा नगर हवेली, दमन एवं दीव तथा लक्षद्वीप ने असमानताओं को समाप्त करने के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है. (इन सभी का एसडीजी लक्ष्य 10 का स्कोर 100 है).
- एसडीजी लक्ष्य 9 (उद्योग, नवोन्मेष एवं अधोरचना) में दिल्ली और पुदुचेरी ने 100 का स्कोर अर्जित कर बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है.
- एसडीजी लक्ष्य 15 (भूतल पर जीवन) के मामले में असम, छत्तीसगढ़, गोवा, मणिपुर, ओडिशा, उत्तराखण्ड, दादरा एवं नगर हवेली तथा लक्षद्वीप का स्कोर 100 है.
- उत्तर प्रदेश एसडीजी लक्ष्य 1, 2, 3, 5, 7, 9, 10, 11 में बहुत नीचे है, जबकि बिहार 1, 2, 3, 4, 5, 6, 9 एवं 11 में निचले पायदान पर है. असम एसडीजी लक्ष्य 3, 5, 6, 7, 9 एवं 11 में बहुत पिछड़ा हुआ है.
- एक भी एसडीजी लक्ष्य के मामले में उत्तर प्रदेश को अग्रणी पंक्ति का दर्जा प्राप्त नहीं है, जबकि बिहार को एसडीजी लक्ष्य 7 एवं 10 तथा असम को एसडीजी लक्ष्य 10 में अग्रणी राज्य का दर्जा प्राप्त है.
- भूख और कुपोषण को कम करने में गोवा, मणिपुर तथा केरल अग्रणी पंक्ति के राज्य हैं.
- निर्धनता की समूल समाप्ति (एसडीजी लक्ष्य 1) के मामले में तमिलनाडु (76), मिजोरम (71), त्रिपुरा (71), मेघालय (68), आन्ध्र प्रदेश (67), केरल (66) तथा उत्तराखण्ड (65) अग्रणी पंक्ति के राज्य हैं, जबकि गुजरात (48), उत्तर प्रदेश (48), महाराष्ट्र (47), बिहार (45), मध्य प्रदेश (44), मणिपुर (44) तथा झारखण्ड (37) की स्थिति सोचनीय है.
- शून्य भूख (एसडीजी-लक्ष्य 2) एक अति महत्वाकांक्षी विकास लक्ष्य है, क्योंकि इसका सम्बन्ध व्यक्तियों के जीवित रहने से है. इस लक्ष्य को प्राप्त करने के मामले में गोवा (80), मणिपुर (74), केरल (72), पंजाब (71), मिजोरम (69), नगालैण्ड (69) तथा सिक्किम (67) अग्रणी पंक्ति के राज्य हैं, तो वहीं गुजरात (49), महाराष्ट्र (47), छत्तीसगढ़ (64), ओडिशा (46), राजस्थान (45), मेघालय (43), उत्तर प्रदेश (43), मध्य प्रदेश (41), बिहार (39) तथा झारखण्ड (38) में भले ही लोग भुखमरी के शिकार न होते हों लेकिन कुपोषित तो हैं ही.
- अच्छे स्वास्थ्य एवं खुशहाल जीवन (एसडीजी लक्ष्य 3) के मामले में 92 स्कोर के साथ केरल देश में शीर्ष पर है, जबकि तमिलनाडु (77) दूसरे एवं तेलंगाना (71) तीसरे स्थान पर है. इन्हीं के साथ-साथ पंजाब (71), कर्नाटक (69), आंध्र प्रदेश (68), मणिपुर (67), प. बंगाल (66) एवं गोवा (65) अग्रणी पंक्ति के राज्य हैं, जबकि मात्र 25 स्कोर के साथ उत्तर प्रदेश सबसे निचले स्थान पर है. इस लक्ष्य को प्राप्त करने में पिछड़ रहे अन्य राज्य हैं–असम (30), नगालैण्ड (34), उत्तराखण्ड (36), मध्य प्रदेश (38), अरुणाचल प्रदेश (38), झारखण्ड (40), बिहार (40), छत्तीसगढ़ (42) तथा राजस्थान (49).
- गुणात्मक शिक्षा (एसडीजी लक्ष्य 4) में केरल (87), हिमाचल प्रदेश (82) तथा आन्ध्र प्रदेश शीर्ष तीन स्थानों पर है, जबकि बिहार (36), मेघालय (38) तथा अरुणाचल प्रदेश (44) सबसे नीचे है.
- लिंगमूलक समानता (एसडीजी लक्ष्य 5) भारत में अभी भी एक दिवास्वप्न है. एक भी राज्य अग्रणी पंक्ति में नहीं है. मात्र केरल (50) और सिक्किम (50) लक्ष्य प्राप्ति को आतुर राज्यों के संवर्ग में हैं. बिहार (24), मणिपुर (25) तथा उत्तर प्रदेश (27) की स्थिति तो अत्यधिक दयनीय है.
- देश का एकमात्र राज्य गुजरात यह दावा कर सकता है कि वह अपने नागरिकों को स्वच्छ पेयजल एवं स्वच्छतायुक्त वातावरण उपलब्ध कराने में सक्षम है (स्कोर 100). इस मामले में छत्तीसगढ़ (98) तथा हिमाचल प्रदेश (95) की स्थिति भी काफी अच्छी है, जबकि बिहार (31) सबसे नीचे है.
- तमिलनाडु (89) मिजोरम (70), कर्नाटक (77) तथा आंध्र प्रदेश अपने नागरिकों को वहनीय एवं स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने में अन्य राज्यों से बहुत आगे है, जबकि मेघालय (11), असम (18) और झारखण्ड (20) बहुत पीछे हैं.

राज्यों में विकास और उपलब्धियों के बड़े-बड़े दावे करने वाले राजनीतिज्ञों को नीति आयोग द्वारा विकसित एसडीजी इण्डिया इण्डेक्स 2018 एक आईना दिखाता है और राज्यों में सत्तासीन राजनीतिक दलों तथा उनकी सरकारों की उपलब्धियों का ढिंढोरा पीटने वाले पूरे-पूरे पृष्ठ के विज्ञापनों की थोथी बातों की कलई खोलता है. समग्र रूप से देश की 50 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या अभी भी केवल विकास के दावों पर ही जीवन व्यतीत कर रही है. ●●●

फोकस 2

कृषि 4·0

✍ डॉ. विवेक शर्मा

मानव सभ्यता एवं आर्थिक प्रणालियों के विकास क्रम में कृषि अर्थव्यवस्था एवं कृषि प्रणालियों ने घरेलू तथा वैश्विक स्तर पर अनेक सोपान देखे और चढ़े हैं. कृषि विज्ञान क्षेत्र में हुई प्रगति से उत्पादन तकनीकों में सुधार हुआ है, लेकिन इस सबके बावजूद आज वैश्विक स्तर पर कृषि क्षेत्रक के समक्ष अनेक चुनौतियाँ विद्यमान हैं. दी वर्ल्ड गवर्नमेन्ट समिट ने ओलीवर वायमैन के साथ मिलकर "एग्रीकल्चर 4·0 दी फ्यूचर ऑफ फार्मिंग टेक्नोलॉजी" नामक एक रिपोर्ट जारी की है. 2018 में जारी यह रिपोर्ट भावी माँग को पूरा करने के लिए कृषि पर लगातार बढ़ रहे विकास दबावों के सन्दर्भ में चार प्रमुख तत्वों पर विचार करने पर बल देती है–

(i) जनांकिकीय
(ii) प्राकृतिक संसाधनों की दुर्लभता
(iii) जलवायु परिवर्तन
(iv) खाद्य सामग्री की बर्बादी

समग्र रूप से विश्व की बढ़ती जनसंख्या के सन्दर्भ में वर्ष 2050 तक वर्तमान स्तर से 70 प्रतिशत अधिक खाद्य की आवश्यकता होगी. कृषि क्षेत्र की विडम्बना यह है कि वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में कृषि की हिस्सेदारी घटकर मात्र 3·0 प्रतिशत रह गई है, जबकि एक दशक पूर्व यह लगभग एक-तिहाई थी. सारे विश्व में लगभग 80 करोड़ लोग भूख से प्रभावित हैं. सब चलता है. भावना के तहत् एक आकलन के अनुसार वर्ष 2020 तक विश्व की लगभग 8 प्रतिशत जनसंख्या (लगभग 6·5 करोड़) अल्पपोषित होगी. उद्योग और सेवा क्षेत्र के विकास पर सर्वाधिक ध्यान देने वाले राजनीतिज्ञ, अर्थ-शास्त्री, वैज्ञानिक, नीति निर्माता सम्भवतया कृषि एवं खाद्य क्षेत्र के सम्मुख विद्यमान और आसन्न संकट की ओर से आँखें बन्द किए बैठे हैं, ठीक उसी प्रकार जैसेकि "रेगिस्तान में अंधड़ आने पर शुतुर्मुग रेत में अपना सिर छुपा लेता है." (वास्तविक खतरे से आँखें मोड़ लेना). कृषि को व्यवहारिक एवं भावी माँग के अनुरूप बनाए रखना एक आवश्यकता भी है और चुनौती भी. इसका सामना करने के लिए सरकारों, निवेशकों, कृषकों, कृषि वैज्ञानिकों के स्तर पर सुसंगठित तरीके से प्रयास करने होंगे. नवोन्मेष कृषि प्रौद्योगिकियाँ खोजनी होंगी. **कृषि 4·0** इसी विचार पर केन्द्रित भविष्य की एक सुविचारित कार्य योजना है.

कृषि 4·0 : उत्पादन एवं विकास की नई तकनीक युक्त खेती

मानव एवं पशु जगत् को उसकी आवश्यकता के अनुरूप भोजन तथा अन्य प्राथमिक वस्तुएं उपलब्ध कराने तथा कृषि आधारित उद्योगों को कच्चा माल उपलब्ध कराने के लिए निम्नलिखित कार्यनीतियाँ अपनानी होंगी–

- खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना;
- प्रत्येक देश को खाद्यान्नों, तिलहनों, कृषि जनित कच्चा माल के आयात पर निर्भरता को कम करना;
- जहाँ तक सम्भव हों वहाँ तक कृषि उत्पादों, बौद्धिक सम्पदा एवं नवीन समाधानों का निर्यातक बनना;
- कृषि एवं सहायक क्रियाएं क्षेत्रक में नवोन्मेष तथा ज्ञान आधारित अर्थ-व्यवस्था को बढ़ावा देकर उत्पादकता एवं उत्पादन में वृद्धि करना.

कृषि 4·0 मुख्य रूप से निम्न संघटकों पर केन्द्रित है–

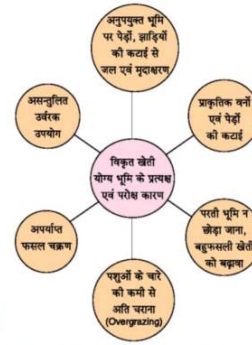

● नवीन प्रौद्योगिकियों से उत्पादन

1. **हाइड्रोपोनिक्स**–यह हाइड्रोकल्चर का एक सबसेट है, जिसमें एक जल विलयन में खनिज पोषक तत्व घोल डालकर मिट्टी के बिना पौधे उगाए जाते हैं. आस्ट्रेलिया की एक कम्पनी सनड्रोप ने हाइड्रोपोनिक्स सीवाटर टेक्नोलॉजी विकसित की है, जो सौर ऊर्जा, विलवणीकरण, पर मिट्टी के बिना सब्जियाँ उगाती है.

2. **शैवाल (Algae) फीड स्टॉक**–मत्स्य-पालन में मछलियों के भोजन का एक विकल्प शैवाल भी है.

3. **मरुस्थलीय एवं समुद्र जलीय खेती**–पृथ्वी का 71 प्रतिशत हिस्सा जलाच्छादित है. 29 प्रतिशत ही भूस्थलीय है. इसका लगभग एक-तिहाई भू-भाग मरुस्थल है. इस हिस्से को खेती योग्य बनाया जा सकता है. सऊदी अरब का किंग अब्दुल्लाह विश्वविद्यालय (KAUST) में बड़े पैमाने पर मरुस्थलीय खेती पर अनुसंधान हो रहा है. इस अनुसंधान में बायोटिक अनुसंधान में जेनोम इंजीनियरिंग के द्वारा मरुस्थल जनित प्रतिकूल परिस्थितियों में पौधों को विकसित करने की तकनीक खोजी जा रही है. एबायोटिक अनुसंधान इस बात पर केन्द्रित है कि अत्यधिक सूखा, मृदा में लवणीयता और उच्च तापमान के नीचे पौधे किस प्रकार जीवित रह सकते हैं और उत्पादन दे सकते हैं. पौधों द्वारा अत्यधिक

कृषि विकास की अवस्थाएं

कृषि विकास की अवस्था	कृषि विकास की तकनीकें
कृषि 0	***आदिम अवस्था में कृषि :*** *पत्थर के औजारों से केवल मानव श्रम से स्थानीय स्तर पर केवल खाद्य पदार्थों का उत्पादन.*
कृषि 1·0	***प्रारम्भिक अवस्था :*** *लोहे के औजारों-हल, फावड़ा, खुर्पी से, पशु बलबैल, घोड़े एवं ऊँट से कृषि उपकरणों को चलाकर खेती; खाद्यान्नी फसलों के साथ-साथ फलों-सब्जियों तथा रेशे वाली फसलों का उत्पादन.*
कृषि 2·0	***विकासशील कृषि :*** *उन्नत कृषि औजार, सिंचाई संसाधनों का विकास, मानव श्रम, पशु श्रम से खाद्यान्नों, बागवानी, कपास, मसालों, पटसन आदि का उत्पादन, कृषि के व्यावसायीकरण का आरम्भ.*
कृषि 3·0	*डीज़ल/बिजली चालित कृषि उपकरणों, समुन्नत बीजों, रासायनिक उर्वरकों, फसल सुरक्षा उपायों, सिंचाई के उपयोग से, बेहतर भण्डारण व्यवस्था तथा परिवहन प्रणाली से वैल्यू एडीशन.*
कृषि 4·0	*बड़े पैमाने पर कृषि में स्वचालितीकरण, रोबोटों, तापमान एवं नमी सेंसरों, एरियल इमेजों, जीपीएस टेक्नोलॉजी, प्रीसीज़न कृषि, प्रयोगशालाओं में समुन्नत बीजों एवं बीजरहित पौध का विकास.*

प्रौद्योगिकियाँ एवं उनकी परिपक्वता का मानचित्र

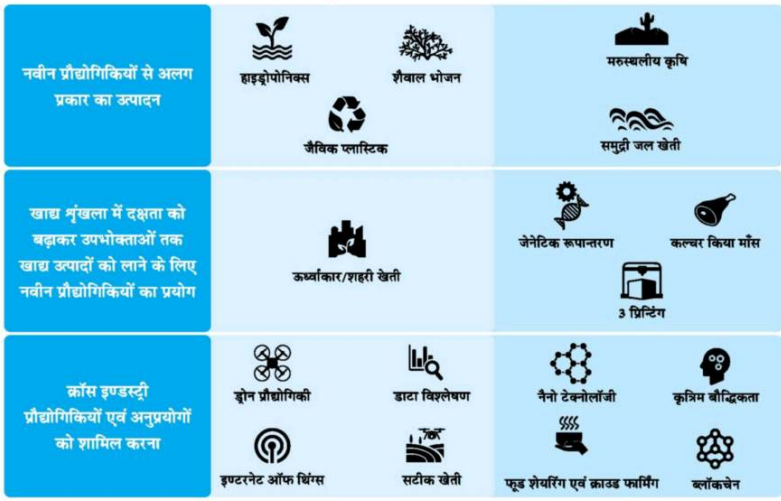

तनावयुक्त परिस्थितियों को आत्मसात् कर लेने की क्षमता कतिपय माइक्रोनों पर निर्भर करती है. KAUST में ऐसे माइक्रोनों की खोज की जा रही है, जो पादपों को उच्च तापमान, सूखा की अवस्था तथा मृदा की उच्च लवणीयता में भी जीवित रख सकें. सुमन्नत पैथोजेन रजिस्टेन्स, स्ट्रेस टालरेन्स एवं उपज आदि क्या सोमेटिक मेमोरी पर निर्भर है और क्या क्रोमेशन घटकों के रूपान्तरण द्वारा भविष्य में पादपों की सहन शक्ति को बढ़ाया जा सकता है.

4. **सम्पोषणीय पैकिंग : जैविक प्लास्टिक**–एक स्टार्ट-अप TIPA खाद्य पदार्थों की पैकिंग हेतु ऐसे जैविक प्लास्टिक को विकसित करने का प्रयास कर रही है जिससे खाद्य पदार्थों को लम्बे समय तक सुरक्षित रखा जा सके.

- **खाद्य शृंखला में दक्षता को बढ़ाकर उपभोक्ताओं तक खाद्य उत्पादों को पहुँचाने के लिए नवीन प्रौद्योगिकियों का प्रयोग**

(i) **ऊर्ध्वाकार एवं शहरी खेती**–ऊर्ध्वाकार खेती (Vertical Farming) उच्च गुणवत्तायुक्त उत्पादन सम्पोषणीय आधार पर उत्पादित करने की एक तकनीक है. इस तकनीक के अन्तर्गत खेती के लिए अनुपलब्ध उचित भूमि वाले क्षेत्रों में चुनौतीपूर्ण वातावरण के अन्तर्गत खाद्य पदार्थों के उत्पादन हेतु अपनाया जाता है. शहरी क्षेत्रों में, जहाँ खेती के लिए भूमि उपलब्ध नहीं है, मृदा, हाइड्रोपोनिक अथवा एयरोपोनिक विधियों द्वारा ऊर्ध्वाकार टॉड़ों पर कई स्तरों पर फसलें उगाई जाती हैं. इस प्रक्रिया में सिंचाई, उर्वरकों एवं पोषक तत्वों की आवश्यकता 95% तक कम पड़ती है. फसल सुरक्षा हेतु कीटनाशकों का प्रयोग नहीं किया जाता है. सं.रा. अमरीका स्थित एयरोफार्म्स 2009 के बाद से इनडोर-ऊर्ध्वाकार फार्मों का निर्माण कर रही है. इन फार्मों में सुरक्षित और पौष्टिक खाद्य पदार्थ उत्पादित किए जा रहे हैं. इन फार्मों की उपज सम्भाव्यता पारम्परिक खेती से 390 गुना अधिक है.

(ii) **जेनेटिक रूपान्तरण एवं कल्चर किया माँस**–"खाद्य आपूर्ति की भावी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जेनेटिक इंजीनियरिंग एक उभरता हुआ क्षेत्र है." क्लस्टर्ड, रेगुलरली इण्टरस्पेस्ड, शार्ट पालिन्ड्रोमिक रिपोर्ट (CRISPR) प्रौद्योगिकी जैनोम एडीटिंग का एक महत्वपूर्ण नवीन उपागम है, जो अधिक चयनात्मकता अनुमन्य करता है तथा चान्स के तत्व को कम करता है. इस तकनीक से प्रतिकूल परिस्थितियों का मुकाबला करने में सक्षम अधिक उपज देने वाली प्रजातियाँ विकसित की जा रही हैं. यह तकनीक खाद्य पदार्थों की ऐसी प्रजातियाँ विकसित करने में सक्षम है, जिनमें शरीर के विकास एवं रोग प्रतिरोधी क्षमता विकसित करने, सहायक विटामिनों तथा खनिज लवणों की अधिकता हो.

कल्चर किया हुआ माँस एक ऐसा ही सम्भाव्य उत्पाद है, जो विकास की प्रारम्भिक अवस्था में है. नीदरलैण्ड्स स्थित MosaMeat स्टार्ट-अप एवं ऐसी ही अनेक कम्पनियाँ कल्चर किया गया माँस (Hamburger) उत्पाद विकसित करने की प्रक्रिया में लगी हैं. कम्पनी का दावा है "कसाई के बिना माँस" जो पूरी तरह से प्रयोगशाला में उत्पादित होगा, तेजी से बढ़ती विश्व की जनसंख्या को उच्च गुणवत्तायुक्त प्रोटीन उपलब्ध कराने का स्रोत होगा. साथ ही यह पारम्परिक माँस उत्पादन से जुड़े पर्यावरणीय एवं पशु अधिकारों से जुड़ी समस्याओं से मुक्त होगा.

(iii) **खाद्य पदार्थों में 3D प्रिन्टिंग टेक्नोलॉजी का अनुप्रयोग**–विनिर्माणी उद्योगों में 3D प्रिन्टिंग टेक्नोलॉजी का अनुप्रयोग लगातार बढ़ता जा रहा है. इसे अब खाद्य पदार्थों के उत्पादन में भी प्रयुक्त किया जाने लगा है. 3D प्रिन्टिंग (जिसे एडीटिव विनिर्माण भी कहा जाता है) एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें पदार्थों की परतों को जोड़कर खाद्य पदार्थों के मामले में नई और मनपसन्द भोज्य सामग्री–नया पदार्थ निर्मित किया जाता है. विशेषज्ञों का विश्वास है कि हाइड्रोकोलॉइडों (जो जल के साथ क्रिया

शेष पृष्ठ 107 **पर**

फोकस 3

गुणवत्तापरक शिक्षा : किन्तु कब तक

✍ डॉ. राधा परमार

प्रत्येक समाज के लिए शिक्षा एक आधार है, जिसके ऊपर उच्च आर्थिक संवृद्धि एक समावेशी विकास का महल खड़ा किया जाता है. व्यक्तिगत स्तर पर शिक्षा व्यक्ति की क्षमताओं में वृद्धि करने का एक महत्वपूर्ण घटक है, तो समग्र रूप से शिक्षा समुदाय, राज्य एवं राष्ट्र स्तर पर 'एक ज्ञानवान समाज' का सृजन करती है, जो देश को उच्चतर विकास ट्रेजेक्टरी पर ले जाता है. शिक्षा की भूमिका कौशल में वृद्धि तथा सम्पोषणीय जीवनयापन हेतु अवसरों को मुहैया कराकर आर्थिक संवृद्धि में तेजी लाने तक सीमित नहीं है, वरन् लोगों को एक सम्मानजनक जीवन जीने लायक बनाने का साधन भी है.

इसी तथ्य को दृष्टिगत रखते हुए संयुक्त राष्ट्र के सम्पोषणीय विकास लक्ष्यों में से लक्ष्य 4 **''गुणवत्तापरक शिक्षा– समावेशी एवं समतामूलक गुणवत्तापरक शिक्षा सुनिश्चित करना तथा सभी के लिए जीवनपर्यन्त सीखने के अवसरों का प्रोन्नयन''** पर केन्द्रित है, ताकि बृहत्तर स्तर पर वयस्क साक्षरता और संख्यात्मक योग्यता को प्राप्त किया जा सके.

एसडीजी लक्ष्य 4 में भारत एवं उसके राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों की उपलब्धियाँ

स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद से ही, विशेष रूप से पहली पंचवर्षीय योजना से लेकर बारहवीं पंचवर्षीय योजना तक एवं उसके बाद के चार वर्षों में प्राथमिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, उच्चतर शिक्षा, पेशेवर शिक्षा, तकनीकी शिक्षा आदि के प्रोन्नयन एवं विकास हेतु केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकारों के स्तर पर अनेक नीतिगत दस्तावेज तैयार किए गए, अनेक कार्य योजनाएँ बनाई गईं और क्रियान्वित की गईं, लेकिन किसी भी स्तर पर भारतीय शिक्षा प्रणाली ''पहुँच, समता, उपादेयता तथा गुणवत्ता'' के मानकों पर खरी नहीं उतरती.

देश में 840546 प्राथमिक विद्यालयों, 429624 उच्च प्राथमिक विद्यालयों, 139539 माध्यमिक विद्यालयों, 112637 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों से युक्त विद्यालयी शिक्षा; 903 विश्वविद्यालयों, 42000 से अधिक कॉलेजों, 10000 से अधिक स्टैण्ड एलोन शिक्षण संस्थानों से युक्त उच्च शिक्षा का सांस्थानिक ढाँचा शिक्षा के विभिन्न स्तरों तक सभी की पहुँच को सुनिश्चित नहीं कर सका है. समाज के विभिन्न वर्गों विशेष रूप से अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ी जातियों तथा मुस्लिमों की शिक्षण संस्थानों तक पहुँच काफी बड़ी सीमा तक असमानतापूर्ण है. यही स्थिति लिंगमूलक समानता के मामले में है. अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ी जातियों तथा मुस्लिमों की बालिकाएँ/किशोरियाँ/महिलाएँ शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर अपने संवर्गों के बालकों/किशोरों/पुरुषों से तो पीछे हैं ही गैर-अनुसूचित जातियों, गैर-अनुसूचित जनजातियों, गैर-अन्य पिछड़ी जातियों तथा गैर-मुस्लिम बालिकाओं/किशोरियों/महिलाओं से भी बहुत पीछे हैं.

नीति आयोग द्वारा दिसम्बर 2018 में जारी 'एसडीजी इण्डिया इण्डेक्स 2018' रिपोर्ट शिक्षा क्षेत्र में व्याप्त विषमताओं एवं कमजोरियों को निम्नलिखित रूप में उजागर करती है–

- प्रारम्भिक एवं माध्यमिक स्तर की शिक्षा के लिए अर्ह कुल बच्चों में से 75·83 प्रतिशत बच्चे ही विद्यालयों में शिक्षारत् हैं 24·17 प्रतिशत बच्चे विद्यालयों से बाहर हैं. स्पष्ट है कि ये वंचित वर्गों के ही होंगे तथा किसी-न-किसी रूप से बाल श्रमिक बनकर अपने परिवार की आय और जीवनयापन में योगदान दे रहे होंगे; इनमें से कुछ भीख माँग रहे होंगे, तो कुछ यौन शोषण के शिकार होंगे.
- माध्यमिक स्तरीय शिक्षा में 17·06 प्रतिशत बच्चे शिक्षा पूरी किए बिना ही विद्यालय छोड़ देते हैं, क्योंकि उनके परिवारों में व्याप्त निर्धनता उन्हें अल्प आयु में रोजगार में धकेल देती है.
- प्राथमिक स्तर पर 2·97 प्रतिशत बच्चे विद्यालयों में प्रवेश नहीं ले सके हैं.

राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर वर्ष 2030 तक प्राप्त किए जाने वाले लक्ष्य

4·1. वर्ष 2030 तक सभी बालिकाओं और बालकों को निःशुल्क, समतामूलक तथा गुणवत्तापरक प्राथमिक तथा माध्यमिक शिक्षा सुनिश्चित करना, जो उपादेय तथा प्रभावी उपलब्धियों से परिपूर्ण हो;

4·2. वर्ष 2030 तक सभी बालिकाओं और बालकों की गुणवत्तापरक, प्रारम्भिक बाल्य विकास, देखभाल तथा पूर्व प्राथमिक शिक्षा तक पहुँच सुनिश्चित करना, ताकि वे प्राथमिक शिक्षा पाने के लिए तैयार हो सकें;

4·3. वर्ष 2030 तक सभी महिलाओं और पुरुषों की वहन करने लायक एवं गुणवत्तापरक तकनीकी, व्यावसायिक शिक्षा (विश्वविद्यालय शिक्षा सहित) तक बराबरी पर आधारित पहुँच सुनिश्चित करना;

4·4. वर्ष 2030 तक ऐसे युवाओं और वयस्कों की संख्या में उल्लेखनीय रूप से वृद्धि करना, जो रोजगार, अच्छे जॉब तथा उद्यमिता के लिए तकनीकी एवं पेशेवर कौशल सहित उपादेय कौशल रखते हों;

4·5. वर्ष 2030 तक दिव्यांगजनों, वंचित परिस्थितियों में रह रहे देशी व्यक्तियों एवं बालकों सहित सभी वंचितों के लिए शिक्षा एवं व्यावसायिक शिक्षा के सभी स्तरों तक शिक्षा में लिंगमूलक विषमताओं को समाप्त करना तथा समान पहुँच सुनिश्चित करना;

4·6. वर्ष 2030 तक यह सुनिश्चित करना कि सभी युवा एवं वयस्कों का एक बड़ा अनुपात, महिलाएँ एवं पुरुष दोनों, साक्षरता एवं संख्यात्मक योग्यता प्राप्त कर लें.

4·7. वर्ष 2030 तक यह सुनिश्चित करना कि सभी सीखने वाले सम्पोषणीय विकास एवं सम्पोषणीय जीवनयापन, मानवाधिकारों, लिंगमूलक समता हेतु शिक्षा, शान्ति एवं अहिंसा की संस्कृति के प्रोन्नयन, वैश्विक नागरिकता एवं सांस्कृतिक विविधता का सम्मान एवं सम्पोषणीय विकास में संस्कृति का योगदान सहित सम्पोषणीय विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक ज्ञात तथा कौशल प्राप्त कर सकें.

4·a. ऐसी सुविधाओं का निर्माण एवं उच्चीकरण करना, जो बाल अपंगता एवं लिंगमूलक रूप से संवेदनशील हों तथा सभी को सुरक्षित, अहिंसक, समावेशी एवं प्रभावी लर्निंग वातावरण मुहैया कराती हों;

4·b. वर्ष 2030 तक सभी विकासशील देशों, विशेष रूप से सबसे कम विकसित देशों, छोटे द्वीपीय राज्यों व अफ्रीकी देशों में व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं सूचना व संचार प्रौद्योगिकी, तकनीकी, इंजीनियरिंग एवं वैज्ञानिक पाठ्यक्रमों के लिए वैश्विक छात्रवृत्तियों का विस्तार करना.

4·c. वर्ष 2030 तक विकासशील देशों विशेष रूप से सबसे कम विकसित देशों में शिक्षक प्रशिक्षण हेतु अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम सहित, अर्ह शिक्षकों की आपूर्ति में वृद्धि करना.

इनमें से अधिकांश बच्चे गाँवों से शहरों में पलायन करके रोजगार के लिए आए प्रवासी श्रमिक परिवारों, घुमन्तू जातियों के परिवारों, असंगठित क्षेत्र में कार्यरत् महिला मुखिया परिवारों के है.

- कक्षा 5 के स्तर पर विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त औसत अंक 54·89 प्रतिशत तथा कक्षा 8 के स्तर पर विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त औसत अंक 44·58 प्रतिशत ही हैं.
- 81·15 प्रतिशत स्कूल अध्यापक पेशेवर रूप से शिक्षित हैं.
- 10 में से 7 विद्यालयों में प्रति 30 विद्यार्थियों पर एक शिक्षक है.

नामांकन अनुपात–प्रारम्भिक शिक्षा (कक्षा–1–8) तथा माध्यमिक शिक्षा (कक्षा 9 10) के विद्यालयों में समायोजित निवल नामांकन अनुपात 75·83 प्रतिशत है. किसी भी राज्य/केन्द्रशासित क्षेत्र में 100 प्रतिशत नामांकन अनुपात का लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सका है. 94·72 प्रतिशत नामांकन अनुपात के साथ त्रिपुरा सभी राज्यों में शीर्ष पर है. जबकि 92·95 प्रतिशत नामांकन अनुपात के साथ दिल्ली केन्द्रशासित क्षेत्रों में शीर्ष पर है.

कक्षा 5 एवं 8 में विद्यार्थियों की प्रवीणता–कक्षा 5 के 54·69 प्रतिशत विद्यार्थी ही भाषा, गणित एवं पर्यावरणीय विज्ञान में सही-सही उत्तर दे सकते हैं, जबकि कक्षा 8 के 44·58 प्रतिशत विद्यार्थी ही भाषा, गणित, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान में सही-सही उत्तर दे पाने में सक्षम हैं.

विद्यालयों से बाहर बच्चे–6–13 वर्ष आयु वर्ग के 2·97 प्रतिशत बच्चे विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त नहीं कर रहे. भारत में 17 राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों ने स्कूल से बाहर रह रहे बच्चों के 2 प्रतिशत के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है. इस दृष्टि से राज्यों में सबसे अच्छी उपलब्धि हिमाचल प्रदेश की तथा केन्द्रशासित क्षेत्रों में पुदुचेरी की है.

माध्यमिक शिक्षा स्तर पर औसत वार्षिक ड्राप-आउट अनुपात–भारत में माध्यमिक शिक्षा के स्तर पर अध्ययनरत् 17·06 प्रतिशत बच्चे अधूरी शिक्षा पर ही विद्यालय छोड़ देते हैं. वर्ष 2030 तक इस ड्राप-आउट अनुपात को 10 प्रतिशत के स्तर पर लाना है, हिमाचल प्रदेश, पंजाब तथा तमिलनाडु और अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में यह लक्ष्य प्राप्त किया जा चुका है.

पेशेवर रूप से शिक्षित प्रशिक्षित अध्यापक–राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2030 तक सभी शिक्षकों को पेशेवर रूप से शिक्षित प्रशिक्षित होने के लक्ष्य के सापेक्ष 81·15 प्रतिशत शिक्षक ही पेशेवर रूप से अर्ह हैं. दिल्ली ने इस लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है, जबकि गुजरात, महाराष्ट्र तथा पुदुचेरी इस दिशा के अग्रणी राज्य हैं.

एसडीजी 4 (गुणवत्तायुक्त शिक्षा) सूचकांक 2018 में राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों की रैंक

एसडीजी 4 में उपलब्धि का स्तर	राज्य	केन्द्रशासित क्षेत्र
शत-प्रतिशत उपलब्धि	*कोई नहीं*	*कोई नहीं*
अग्रणी पंक्ति	*केरल (87), हिमाचल प्रदेश (82), आन्ध्र प्रदेश (77) कर्नाटक (76), तमिलनाडु (75), महाराष्ट्र (74), राजस्थान (73), गोवा (71), उत्तराखण्ड (68), गुजरात (67), तेलंगाना (66), हरियाणा (65), मणिपुर (65)*	*चण्डीगढ़ (85), दादरा एवं नगर हवेली (77), अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह (69), पुदुचेरी (69),*
प्रयत्नशील	*पंजाब (63), झारखण्ड (58), त्रिपुरा (56), असम (54), मिजोरम (54), छत्तीसगढ़ (53), उत्तर प्रदेश (53), जम्मू-कश्मीर (51), प. बंगाल (51)*	*लक्षद्वीप (62), दिल्ली (58)*
आकांक्षी	*मध्य प्रदेश (49), सिक्किम (47), ओडिशा (46), नगालैण्ड (45), अरुणाचल प्रदेश (44), मेघालय (38), बिहार (36)*	*दमन एवं दीव (46)*

नोट–कोष्ठक में एसडीजी लक्ष्य 4 सूचकांक का मान दिया गया है.

विद्यार्थी-शिक्षक अनुपात–70·43 प्रतिशत विद्यालयों में एक अध्यापक के पीछे 30 या उससे कम विद्यार्थियों के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है. वर्ष 2030 तक राष्ट्रीय लक्ष्य 100 प्रतिशत विद्यालयों में 30 : 1 के स्तर को प्राप्त कर लिए जाने का है. लक्षद्वीप एकमात्र केन्द्रशासित क्षेत्र है जिसने यह लक्ष्य प्राप्त कर लिया है, जबकि एक भी राज्य इस लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सका है.

नीति आयोग द्वारा विकसित एसडीजी इण्डिया सूचकांक 2018 में एसडीजी लक्ष्य 4 में राज्यों एवं केन्द्रशासित क्षेत्र की स्थिति

नीति आयोग द्वारा सम्पोषणीय विकास लक्ष्य 4 के सापेक्ष 0–100 स्केल पर राज्यों द्वारा अर्जित मानों के अनुसार 2018 में रैंक प्रदान की है, जो निम्नलिखित 7 संकेतांकों पर आधारित है–

(i) प्रारम्भिक शिक्षा (कक्षा 1–8) तथा माध्यमिक शिक्षा (कक्षा 9–10) पर विद्यालयों में समायोजित निवल सकल नामांकन अनुपात.

(ii) कक्षा 5 के स्तर पर भाषा, गणित एवं पर्यावरणीय विज्ञान विषयों में सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों का प्रतिशत.

(iii) कक्षा 8 के स्तर पर भाषा, गणित, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान विषयों में सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों का प्रतिशत.

(iv) 8-13 आयु वर्ग के ऐसे बच्चों का प्रतिशत जो विद्यालयी शिक्षा से बाहर हैं.

(v) माध्यमिक शिक्षा स्तर पर ड्रॉप-आउट अनुपात.

(vi) पेशेवर रूप से शिक्षित शिक्षकों का प्रतिशत.

(vii) प्रारम्भिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा के विद्यालय 1 : 30 का विद्यार्थी-शिक्षक अनुपात वाले विद्यालयों का प्रतिशत.

इन संकेतांकों के आधार पर विकसित एसडीजी लक्ष्य-4 में विभिन्न राज्यों/केन्द्र शासित क्षेत्रों की रैंकिंग ऊपर दी गई तालिका में दी गई है.

उपर्युक्त रैंकिंग शिक्षा के क्षेत्र में राज्यों में सत्तासीन एवं सत्ता पाने के लिए आतुर राजनीतिज्ञों और नीति निर्माताओं को जमीनी हकीकत का अवलोकन कराती है.

- अखिल भारतीय स्तर पर एसडीजी लक्ष्य 4, सूचकांक 2018 का मान 58 है. जो भारतीय शिक्षा प्रणाली को औसत दर्जे पर इंगित करता है.
- एक भी राज्य/केन्द्रशासित क्षेत्र को 100 मान के साथ पूर्ण उपलब्धि का दर्जा प्राप्त नहीं हो सका है.
- दक्षिण के सभी राज्य शिक्षा के मामले में अग्रणी राज्य हैं. पूरे देश में केरल शीर्ष पर उत्तर के राज्यों में अपवाद स्वरूप हिमाचल प्रदेश (दूसरा स्थान) उत्तराखण्ड (नौवाँ स्थान) हरियाणा (12वाँ स्थान) अग्रणी पंक्ति के राज्यों में शामिल हैं.
- पश्चिमी राज्यों में अच्छी उपलब्धि दर्ज करते हुए राजस्थान सातवें स्थान पर है, जबकि गुजरात दसवें स्थान पर है.
- पूर्वोत्तर का एकमात्र राज्य मणिपुर अग्रणी पंक्ति में शामिल है.
- विकास के लिए राजनीतिक स्थिरता की आवश्यकता की दुहाई देने वालों के लिए यह सूचकांक आँखें खोलने वाला है. प. बंगाल में साम्यवादी 34 वर्षों तक सत्तासीन रहे तथा 17 वर्षों से ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस

शेष पृष्ठ 86 पर

फोकस 4

भारत में लैंगिक समानता : सभी महिलाओं और लड़कियों का सशक्तिकरण

डॉ. दीप्ती

लैंगिक समानता एक मौलिक अधिकार तथा सम्पोषणीय विकास हेतु एक पूर्व शर्त है. भारत संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16 में महिलाओं को पुरुषों के बराबर क्रमशः विधि के समक्ष समता; धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर समता तथा लोक नियोजन के विषय में अवसर की समानता का अधिकार प्रदान किया गया है. इतना ही नहीं, महिलाओं के सशक्तिकरण और उन्हें पुरुषों के समकक्ष लाने के लिए अनुच्छेद 15(3) में महिलाओं के लिए हितकारी सकारात्मक तथा भेदभाव से मुक्त नीतियाँ बनाने और लागू करने का भी प्रावधान किया गया है. राज्य के नीति के निदेशक तत्वों के अन्तर्गत "पुरुष और स्त्री सभी नागरिकों को समान रूप से जीविका के पर्याप्त साधन प्राप्त करने का अधिकार हो "(अनुच्छेद 39 (क)); "पुरुषों और स्त्रियों दोनों का समान कार्य का समान वेतन हो" (अनुच्छेद 39(घ); "पुरुष और स्त्री कर्मकारों के स्वास्थ्य और शक्ति का तथा बालकों की सुकुमार अवस्था का दुरुपयोग न हो" (अनुच्छेद 39 (ङ) जैसे प्रावधान करके सरकार (राज्य) पर यह दायित्व डाला गया है कि वह महिलाओं के सर्वांगीण सशक्तिकरण हेतु प्रयास करें.

भारत में लैंगिक समानता एवं महिला सशक्तिकरण की मुहिम तो लगभग सात दशकों से चलाई जा रही है. केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों के स्तर पर महिलाओं और बालिकाओं के कल्याण और विकास तथा सशक्तिकरण के अनेक कार्यक्रम चलाए गए हैं, लेकिन वैश्विक तुलना में भारत अभी भी बहुत पीछे है.

वैश्विक लैंगिक अन्तराल सूचकांक, 2018

वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम 2006 से प्रतिवर्ष वैश्विक लैंगिक अन्तराल सूचकांक जारी करता है–(i) आर्थिक सहभागिता एवं अवसर; (ii) शैक्षणिक उपलब्धि, (iii) स्वास्थ्य एवं जीवित रहना तथा (iv) राजनीतिक सशक्तिकरण जैसे चार विषयक आयामों पर, लिंग आधारित विषमताओं के परिमाण की माप करने वाला यह सूचकांक, 2006 में 115 देशों की सहभागिता से तथा 2018 में 149 देशों की सहभागिता के स्तर पर आ गया है. सूचकांक 0–1·0 के पैमाने पर स्कोर के आधार पर विभिन्न देशों में पुरुषों के सापेक्ष महिलाओं की स्थिति का आकलन करता है. 0 स्कोर पूर्ण असमानता तथा 1·0 स्कोर पूर्ण समानता को इंगित करता है. तालिका–1 बताती है कि 2006 में 0·601 स्कोर के साथ भारत का लैंगिक असमानता में 98वाँ स्थान था, जो 2018 में 0·665 मान के साथ 108 हो गया. लैंगिक असमानता के स्कोर में मामूली-सा सुधार हुआ, लेकिन 149 देशों की सूची में भारत 108वें स्थान पर नीचे आ गया. राजनीतिक सशक्तिकरण ही एकमात्र ऐसा क्षेत्र है, जहाँ वैश्विक स्तर पर भारतीय महिलाएँ अपेक्षाकृत अच्छी स्थिति में हैं. 2018 में इस सह-सूचकांक का मान 0·382 तथा भारत की रैंक 19 है और भारत सं. रा. अमरीका तथा ब्राज़ील से भी ऊपर है. आर्थिक सहभागिता एवं अवसर में भारत 142वें, शैक्षणिक उपलब्धि में 114वें तथा स्वास्थ्य एवं जीवित रहने के मामले में 147वें स्थान पर है, जो यह इंगित करता है कि भारत में महिलाएँ पुरुषों की तुलना में बहुत पीछे हैं.

सम्पोषणीय विकास लक्ष्य भारत सूचकांक 2018 में लैंगिक समानता

नीति आयोग ने संयुक्त राष्ट्र सम्पोषणीय विकास लक्ष्यों के लक्ष्य 5 के लिए पृथक से सूचकांक तैयार करके 6 राष्ट्रीय संकेतांकों के आधार पर देश के सभी 29 राज्यों तथा 7 केन्द्रशासित क्षेत्रों को स्कोर (0–100 के स्केल पर) प्रदान करते हुए रैंक प्रदान की है. एसडीजी 5 महिलाओं एवं लड़कियों के विरुद्ध सभी प्रकार के भेदभाव, हिंसा तथा संकटमय प्रवृत्तियों; देह व्यापार एवं यौन शोषण आदि, को समाप्त करते हुए लैंगिक समानता को प्राप्त करने पर लक्षित है. यह राजनीतिक, आर्थिक एवं सार्वजनिक क्षेत्र में प्रत्येक स्तर पर निर्णयन में महिलाओं की भागीदारी, नेतृत्व के समान अवसरों तथा प्रभावी सहभागिता की माँग करता है.

एसडीजी इण्डिया सूचकांक 5 निम्न-लिखित पाँच संकेतांकों पर आधारित है–

(i) जन्म के समय लिंगानुपात (1000 पुरुषों के सापेक्ष महिलाओं की संख्या)

(ii) ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में 15-59 आयु वर्ग में नियमित मजदूरी/वेतन-भोगी कर्मियों के द्वारा प्राप्त दैनिक भुगतान (मजदूरी/वेतन) पुरुषों से महिलाओं की औसत मजदूरी का अनुपात.

(iii) 15-49 आयु वर्ग की ऐसी विवाहित (कभी भी) महिलाओं का प्रतिशत जो पति की हिंसा का शिकार हई हों.

(iv) राज्य विधान सभाओं के सामान्य निर्वाचन में विजयी महिला विधायकों का प्रतिशत.

(v) पुरुष श्रम-बल सहभागिता दर से महिला श्रम-बल सहभागिता दर का अनुपात.

(vi) 15-49 आयु वर्ग की ऐसी महिलाओं का प्रतिशत जो परिवार नियोजन के आधुनिक साधन अपना रही हों.

लैंगिक समानता सूचकांक के आधार पर भारत की उपलब्धियाँ निम्नलिखित प्रकार हैं–

लिंगानुपात–भारत को 2030 तक जन्म के समय 1000 पुरुषों के सापेक्ष 954 महिलाओं के लिंगानुपात को प्राप्त करने का लक्ष्य है. लेकिन अभी यह 898 ही है. छत्तीसगढ़ एवं केरल ही मात्र दो ऐसे राज्य हैं, जहाँ जन्म के समय लिंगानुपात क्रमशः 963 एवं 959 है नियमित मजदूरी एवं वेतनभोगी कर्मचारियों के रूप में कार्यरत् 15–50 आयु वर्ग की.

मजदूरी अन्तराल–महिलाओं की औसत मजदूरी और वेतन पुरुषों को प्राप्त औसत मजदूरी और वेतन का 70 प्रतिशत है. राष्ट्रीय स्तर पर समान कार्य के लिए समान वेतन की बात 1950 में लागू भारतीय संविधान में कही गई है. अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की हालिया वैश्विक मजदूरी रिपोर्ट 2018-19 के अनुसार घण्टों के हिसाब से महिलाओं को भुगतान की गई मजदूरी

लैंगिक अन्तराल सूचकांक में भारत की उपलब्धियाँ

सूचकांक/सह-सूचकांक	2006		2018		औसत
	रैंक	स्कोर	रैंक	स्कोर	मान
आर्थिक सहभागिता एवं अवसर	110	0·397	142	0·385	0·586
शैक्षणिक उपलब्धि	102	0·819	114	0·953	0·949
स्वास्थ्य एवं जीवित रहना	103	0·962	147	0·940	0·955
राजनीति सशक्तिकरण	20	0·227	19	0·382	0·223
वैश्विक लैंगिक अन्तराल	98	0·601	108	0·665	
सूचकांक में शामिल देश	115		149		

पुरुषों की तुलना में औसतन 34 प्रतिशत कम है. 73 देशों की सूची में लैंगिक मजदूरी अन्तराल भारत में सर्वाधिक है. भारत में केवल दादरा एवं नागर हवेली ही ऐसा एकमात्र क्षेत्र है, जहाँ महिलाओं को पुरुषों से अधिक मजदूरी मिलती है.

जबकि अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह में महिलाओं को पुरुषों के बराबर मजदूरी मिलती है.

घरेलू हिंसा–राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण–4 (2015-16) के अनुसार 15–49 आयु वर्ग की विवाहित महिलाओं ने पतियों द्वारा की गई शारीरिक, यौनपरक अथवा भावनात्मक हिंसा को अनुभव किया है. सर्वेक्षण इस तथ्य को उजागर करता है कि शिक्षा के स्तर में सुधार तथा सम्पत्ति पर महिलाओं के नियन्त्रण के फलस्वरूप पति द्वारा की जाने वाली हिंसा में कमी आई है. इस प्रकार एसडीजी 5, एसडीजी 4 (गुणात्मक शिक्षा) तथा एसडीजी 6 (सम्माननीय कार्य एवं आर्थिक संवृद्धि) से सम्बद्ध हैं.

राजनीतिक सशक्तिकरण एवं महिला नेतृत्व–वर्तमान में भारत के राज्यों की विधान सभाओं के कुल विधायकों में से महिला विधायकों की संख्या मात्र 8·7 प्रतिशत है (नवम्बर-दिसम्बर 2018 में सम्पन्न पाँच विधान सभाओं के चुनावों से पूर्व की स्थिति). राष्ट्रीय लक्ष्य 50 प्रतिशत स्थान महिलाओं के होने का है. किसी भी राज्य में यह लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सका है. केवल छत्तीसगढ़ एवं प. बंगाल विधान सभाओं में महिला विधायकों की संख्या क्रमशः 14 प्रतिशत एवं 13·95 प्रतिशत है.

श्रम बल सहभागिता–भारत में महिला श्रम बल सहभागिता दर पुरुषों की श्रम बल सहभागिता दर का 32 प्रतिशत है. राष्ट्रीय लक्ष्य इसे बराबरी के स्तर पर लाने का है किसी भी राज्य/केन्द्रशासित क्षेत्र ने इस लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया है. नगालैण्ड एवं मिजोरम में महिला श्रम बल सहभागिता दर, पुरुषों की श्रम बल सहभागिता दर का क्रमशः 76 प्रतिशत एवं 73 प्रतिशत है.

परिवार नियोजन के आधुनिक साधनों का प्रयोग–15–49 आयु वर्ग में हालिया विवाहित महिलाओं में से लगभग 50 प्रतिशत महिलाएँ परिवार नियोजन के आधुनिक साधन अपनाती हैं. आधुनिक तरीकों का उपयोग पंजाब तथा चण्डीगढ़ में सर्वाधिक है.

एसडीजी लक्ष्य 5 में, राज्यों का स्कोर

भारतीय समाज महिलाओं की पुरुषों के समकक्ष बराबरी को स्वीकार नहीं करता है. यह तथ्य नीति आयोग द्वारा जारी एसडीजी इण्डिया इण्डेक्स 2018 के लक्ष्य 5 सूचकांक से प्रमाणित हो रहा है. इस सूचकांक में भारत का स्कोर मात्र 36 हैं–

- एक भी राज्य ने इस लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया है.
- एक भी राज्य अग्रणी पंक्ति वाले संवर्ग में नहीं है.
- मात्र केरल (50) एवं सिक्किम (50) राज्य, प्रयत्नशील राज्यों के संवर्ग में हैं.
- मात्र अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह (58) तथा चण्डीगढ़ (51) प्रयत्नशील केन्द्रशासित क्षेत्रों के संवर्ग में हैं.
- उत्तर प्रदेश (27), मणिपुर (25) तथा बिहार (24) राज्यों के आकांक्षी संवर्ग में सबसे निचले स्तर पर है.
- केन्द्रशासित क्षेत्रों में पुदुचेरी (27), लक्षद्वीप (35) तथा दिल्ली (37) सबसे निचले स्थान पर है.
- एसडीजी लक्ष्य 5 सूचकांक 2018 में राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों का स्कोर निम्नलिखित प्रकार है–

राज्य/केन्द्रशासित क्षेत्र	एसडीजी लक्ष्य 5 सूचकांक 2018 का स्कोर
केरल	50
सिक्किम	50
छत्तीसगढ़	49
आन्ध्र प्रदेश	44
कर्नाटक	43
महाराष्ट्र	43
मिजोरम	43
ओडिशा	43
पंजाब	43
तेलंगाना	43
हिमाचल प्रदेश	43
नगालैण्ड	42
उत्तराखण्ड	41
प. बंगाल	40
जम्मू-कश्मीर	39
तमिलनाडु	38
त्रिपुरा	38
राजस्थान	37
असम	36
मेघालय	36
गोवा	35
मध्य प्रदेश	33
अरुणाचल प्रदेश	32
झारखण्ड	32
गुजरात	31
हरियाणा	31
उत्तर प्रदेश	27
मणिपुर	25
बिहार	24
अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह	58
चण्डीगढ़	51
दादरा एवं नगर हवेली	41
दमन एवं दीव	38
दिल्ली	37
लक्षद्वीप	35
पुदुचेरी	27

- विडम्बना यह है कि राजस्थान में 10 वर्षों तक वसुन्धरा राजे, उत्तर प्रदेश में पाँच वर्षों तक सुचेता कृपलानी तथा चार बार मायावती, प. बंगाल में ममता बनर्जी, बिहार में राबड़ी देवी, दिल्ली में शीला दीक्षित, तमिलनाडु में जे. जयललिता के मुख्यमन्त्री रहते हुए भी लैंगिक समानता के लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सका. ●●●

वैश्विक लैंगिक अन्तराल सूचकांक के प्रत्येक सह-संकेतांक में प्रमुख देशों का स्कोर एवं रैंक (2018)

आर्थिक सहभागिता एवं अवसर			शैक्षणिक उपलब्धि		
देश	रैंक	स्कोर	देश	रैंक	स्कोर
लाओ पीडीआर	1	0·915	ब्राज़ील	1	1·000
चीन	86	0·653	दक्षिण अफ्रीका	72	0·992
इण्डोनेशिया	96	0·629	चीन	111	0·958
भारत	142	0·385	भारत	114	0·953
इराक	149	0·264	चाड	149	0·575
स्वास्थ्य एवं जीवित रहना			**राजनीतिक सहभागिता**		
ब्राज़ील	1	0·980	रवाण्डा	4	0·539
इण्डोनेशिया	79	0·974	भारत	19	0·382
पाकिस्तान	145	0·946	सं.रा. अमरीका	98	0·125
भारत	147	0·940	ब्राज़ील	112	0·101
चीन	149	0·915	यमन	149	0·014

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, ''अटल आत्मविश्वास, विफलताओं से लड़ने की प्रवृत्ति, तीव्र जिज्ञासा तथा कठोर परिश्रम.''

– आशीष कुमार

सिविल सेवा परीक्षा, 2017 में हिन्दी माध्यम से चयनित.

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा, 2017 में चयनित होकर श्री आशीष कुमार ने एक स्वर्णिम उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूल रूप में प्रस्तुत है.

..... प्रतियोगिता दर्पण में पाठ्यक्रम के अनुरूप त्रुटिहीन विषय-सामग्री होती है तथा उनके यथेष्ट विश्लेषण होते हैं, जो प्रतियोगिता परीक्षाओं में पर्याप्त अंकदायी होते हैं. समसामयिक वार्षिकी में वर्ष भर का संक्षिप्त लेखा-जोखा रहता है, जो कम समय में दोहराने के लिए अमूल्य है.

प्र. द.–सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्री आशीष–जी, बहुत-बहुत धन्यवाद.

प्र. द.–यह आपका कौनसा प्रयास था ?

श्री आशीष–यह मेरा आखिरी (9वाँ) प्रयास था.

प्र. द.–आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखते हैं ?

श्री आशीष–पहले प्रयास (2009) के बाद मैंने सभी प्रयास सरकारी सेवा में रहते हुए किए हर बार कुछ-न-कुछ सीख मिली. सिविल सेवा की परीक्षा में 2009 से आज तक बहुत ज्यादा बदलाव किए गए हैं. परीक्षा के पैटर्न में बहुत ज्यादा बदलाव आ गया है. इसके बावजूद मैं बदलाव के अनुरूप अपनी तैयारी में परिवर्तन करता रहा और अंततः इसमें सफल हुआ.

प्र. द.–इस प्रयास में ऐसा क्या रहा जो आप उच्च रैंक प्राप्त कर सके ?

श्री आशीष–इसके पूर्व के प्रयासों में मैं बहुत ज्यादा गम्भीर न था. मैं काफी हद तक चयन की उम्मीद छोड़ चुका था. वर्ष 2016 की परीक्षा में चयनित श्री गंगा सिंह राजपुरोहित, आईएएस के एक इंटरव्यू से मुझे बहुत प्रेरणा मिली और मैंने अपने इस आखिरी प्रयास में उत्तर-लेखन का खूब अभ्यास किया. सामान्य अध्ययन के 22 टेस्ट, वैकल्पिक विषय हिन्दी साहित्य के 7 टेस्ट तथा 5 निबंध लिखे. इससे मेरी लेखन गति में बहुत सुधार हुआ, साथ ही चयन की सम्भावना के प्रति बहुत आत्मविश्वास जागा.

प्र. द.–वैकल्पिक विषय का चुनाव करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ?

श्री आशीष–पाठ्यक्रम की समझ, सामग्री की उपलब्धता तथा व्यक्तिगत रुचि के आधार पर विषय को चुनना चाहिए. दूसरी सबसे महत्वपूर्ण बात है कि जो भी विषय चुनें, उसे बार बार नहीं बदलें. एक बार जो भी विषय चुनें, उसमें सम्पूर्ण दक्षता हासिल करने का प्रयास करें. किसी वर्ष विशेष में किसी विषय के नंबर कम या ज्यादा देख, विचलित न हों.

प्र. द.–आपका वैकल्पिक विषय क्या था ?

श्री आशीष–हिन्दी साहित्य.

प्र. द.–आपके वैकल्पिक विषय के चुनाव का आधार क्या रहा ?

श्री आशीष–हिन्दी साहित्य में मेरी शुरू से बहुत गहरी रुचि रही है. इसके पाठ्यक्रम के तमाम उपन्यास, नाटक, कविता, निबंध आदि पहले ही पढ़ चुका था. दूसरी सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि यह विषय इतना सरल व सहज है कि स्व-अध्ययन के आधार पर भी बहुत अच्छे अंक लाये जा सकते हैं.

प्र. द.–आपके अनुसार इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम लेकर तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार हैं ?

श्री आशीष–हिन्दी माध्यम के साथ-साथ अन्य क्षेत्रीय भाषाओं तथा गुजराती, मराठी में हर साल सिविल सेवा में चयन होने वाले लोगों की संख्या अधिक नहीं होती है. मैं कई बार इसके कम परिणाम की दर को लेकर गहरी निराशा में डूबता था. ऐसे पलों में उन टॉपर्स को याद करता था जो हिन्दी माध्यम से अच्छी रैंक के साथ सफल हुए हैं. तब अच्छा महसूस होता था.

प्र. द.–हाल के वर्षों में हिन्दी माध्यम के उम्मीदवारों के प्रदर्शन को देखकर क्या आप कभी विचलित हुए या आपकी तैयारी कुछ प्रभावित हुई ?

श्री आशीष–जैसा कि मैंने पहले इस बात का जिक्र किया है कि पिछले कुछ सालों में सिविल सेवा परीक्षा में तमाम बदलाव आए हैं. इससे हिन्दी माध्यम का परिणाम काफी कम हुआ पर समय-समय पर हिन्दी माध्यम से कुछ लोगों ने बहुत अच्छे रैंक प्राप्त किए. इनकी सफलता से मुझे बहुत सम्बल मिला.

प्र. द.–इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है और इसका कोई विशेष कारण ?

श्री आशीष–आईएएस, आईपीएस. मैं प्रशासन की मुख्य धारा में कार्य करना चाहता था, इसके चलते इनको सबसे ऊपर रखा था.

प्र. द.–क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से संतुष्ट थे और उच्च सफलता के प्रति आशावान थे ?

श्री आशीष–निश्चित तौर पर इस वर्ष मैंने अपने आपको पूरी तरह से समर्पित कर, अपना सर्वोत्तम देने का प्रयास किया. सभी पेपर बहुत अच्छे गये थे विशेषकर वैकल्पिक विषय के. मैं पूरी तरह से इस वर्ष अपनी सफलता के प्रति आशान्वित था. सफलता के इस समाचार पर मुझे अपार खुशी हुई.

प्र. द.–अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे ? क्या इनमें से किसी टॉपर से आप प्रभावित हुए ?

श्री आशीष–मैं टॉपरों को बेहद मेहनती, दृढ़ निश्चयी व लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पित मानता था. मैं 2013 के हिन्दी माध्यम के टॉपर निशांत जैन जी की सफलता से बहुत

प्रभावित हुआ था. उनके तमाम इंटरव्यू, लेख, किताब आदि के जरिए बहुत-सी बातें सीखने का प्रयास किया. वर्ष 2016 के आईएएस श्री गंगा सिंह राजपुरोहित जी से भी बहुत प्रभावित हुआ. उनके एक इंटरव्यू से यह बात पता चली कि वे मुख्य परीक्षा की 3 टेस्ट एक दिन में लिखा करते थे और इसके चलते उनकी अंगुलियों में छाले भी पड़ गए थे. यह बात इस वर्ष मेरे जेहन में बैठी रही और मैंने भी उत्तर लेखन अभ्यास पर खूब जोर दिया.

प्र. द.–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है–शुरू में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली ?

श्री आशीष–मैं बहुत ही सामान्य पृष्ठ-भूमि से था और पढ़ने में भी विशेष अच्छा नहीं था. मैंने बहुत छोटी उम्र (2002) से प्रतियोगिता दर्पण पढ़ने लगा था और उसी में आईएएस की परीक्षा से जुड़े अतुल कपूर सर के लेख पढ़कर, इस परीक्षा के बारे में जाना. विविध जगहों से सफल व्यक्ति के इंटरव्यू पढ़कर रणनीति जानकर, अपने-आप में सुधार करता गया.

व्यक्ति परिचय

नाम–*आशीष कुमार*
पिता का नाम–*श्री सर्वेश कुमार*
माता का नाम–*श्रीमती मनोरमा देवी*
जन्म-तिथि–*16-08-1986*
शैक्षिक योग्यता–
10वीं–*प्रयागराज बोर्ड, नेहरू इंटर कॉलेज, पहाड़पुर, उन्नाव, (2000), 53%,*
12वीं–*प्रयागराज बोर्ड, के. न. पी न कॉलेज गौरावां, उन्नाव, (2002), 54%*
स्नातक–*कानपुर यूनिवर्सिटी, डी. यस न. कॉलेज, उन्नाव, (2005), 55%*
बी. एड.–*कानपुर यूनिवर्सिटी, दयानन्द डिग्री कॉलेज, बछरावां, रायबरेली, (2007), 64%*
परास्नातक–*कानपुर यूनिवर्सिटी, व्यक्तिगत, (2006-08), 60%*

प्र. द.–वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कैरियर की सम्भावनाओं को तलाशने का फैसला लिया ?

श्री आशीष–2005 में स्नातक की परीक्षा पास करने के साथ ही मैं सरकारी नौकरी की तलाश जुट गया. 2009 में पहली बार आईएएस का एग्जाम दिया, तब बेरोजगार था.

प्र. द.–क्या तैयारी के शुरू में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी सोच बनाई थी ?

श्री आशीष–नहीं, मैंने कोई समय-सीमा नहीं बनाई थी. आखिरी प्रयास आ गया तो बहुत डर लगा कि अगर चयन न हुआ तो क्या होगा. इसके चलते मैंने अपने आपको इसके लिए हर तरह से झोंक दिया.

प्र. द.–सर्विस के साथ तैयारी में कठिनाइयों के साथ क्या कुछ फायदे भी हैं ?

श्री आशीष–निश्चित तौर पर जॉब के साथ कई फायदे हैं. आर्थिक निर्भरता, कैरियर बैकअप, निर्णय लेने की आजादी के साथ यह इंटरव्यू पर भी काफी अच्छा असर डालता है कि आप लम्बे समय से खाली नहीं बैठे हैं. सर्विस के साथ थोड़ा समय-प्रबंधन को लेकर चुनौती होती है पर सामान्य पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए सर्विस होना, उनमें काफी आत्मविश्वास जगाता है. भारतीय सिविल सेवा की परीक्षा की प्रवृत्ति बेहद अनिश्चित होने के चलते पहले से जॉब होने से कई मनोवैज्ञानिक लाभ मिलते हैं.

Advertisement

प्र. द.–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय आपका अपना था या फिर यह आपके माता-पिता का ?

श्री आशीष–यह मेरा खुद का निर्णय था.

प्र. द.–समय-प्रबंधन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में या फिर परीक्षा भवन में कोई कठिनाई हुई ?

श्री आशीष–मैं सर्विस में था. इसलिए, मुझे तैयारी के लिए सीमित समय मिल पाता था. मैंने सप्ताहांत में अपने समय का अधिकतम सदुपयोग करने की रणनीति बनाई. सोशल लाइफ से बहुत दूर रहा. सर्विस के अलावा जो समय था, वह पूरी तरह से इस परीक्षा के लिए तय कर रखा था.

परीक्षा भवन में पिछले प्रयासों में कुछ प्रश्न छूट जाते थे; इसलिए, इस वर्ष मैंने अपनी लिखने की गति काफी तेज की. इससे मैं कम समय में प्रश्न हल करता और ज्यादा सोचकर उत्तर लिखने के लिए समय मिल जाता. इस रणनीति का असर मेरे मुख्य परीक्षा के अच्छे अंकों पर देखा जा सकता है.

प्र. द.–प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ?

श्री आशीष–प्री-परीक्षा मेरे लिए कभी चुनौती न रही. मैंने इसके लिए 3 माह की गहन तैयारी की. प्री. में अच्छा स्कोर करने से आप मुख्य परीक्षा की तैयारी जल्दी व तनाव रहित होकर शुरू कर सकते हैं. मैंने बाजार में उपलब्ध प्रारम्भिक परीक्षा के लिए उपलब्ध टेस्ट सीरीज से 40 टेस्ट हल किया. जिससे परीक्षा भवन में कम-से-कम गलतियाँ हों.

प्र. द.–सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र 2 (अभिवृत्ति परीक्षण) के क्वालीफाईंग हो जाने के साथ अब आपकी इस स्तर पर सफलता केवल सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र 1 (सामान्य अध्ययन) पर निर्भर है, इसकी तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ?

श्री आशीष–मुझे सामान्य अध्ययन के प्रश्नों को विषयानुसार नोट करने की बहुत पहले से आदत रही है. प्रतियोगिता दर्पण से कई परीक्षाओं के हल प्रश्नपत्रों से नए-नए प्रश्न नोट करता था. मैं समाचार-पत्रों, योजना, कुरुक्षेत्र जैसी पत्रिकाओं के साथ-साथ सरकारी वेबसाइट, राज्य सभा, टीवी आदि से तथ्यों को एकत्र करता था.

प्र. द.–सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र 2 (अभिवृत्ति परीक्षण) की तैयारी रणनीति में क्या कुछ परिवर्तन रहा ?

श्री आशीष–अभिवृत्ति परीक्षण का पेपर मुझे कभी कठिन नहीं लगा, क्योंकि मैं कर्मचारी चयन आयोग की तमाम परीक्षा पास कर चुका था और गणित व तर्कशक्ति के प्रश्नों को काफी तेज गति से हल कर लेता था. इस पेपर के लिए तेज गति से पढ़ना व समझना बहुत जरूरी है अन्यथा समय कम पड़ जाएगा.

प्र. द.–ऋणात्मक अंकन निगेटिव मार्किंग के लिए क्या सावधानी बरती ?

श्री आशीष–निगेटिव मार्किंग से बचने के लिए पूरे प्रश्नपत्र को तीन चरणों में हल करता था. सबसे पहले तेजी से जो प्रश्न आ रहे होते, उनको हल करता. दूसरे चरण में थोड़ासा जटिल प्रश्नों को हल करता. पहले गैरजरूरी विकल्प को हटाता फिर सर्वाधिक संभावित विकल्प को चुनता था. कुल कितने प्रश्न करने हैं, यह पेपर के स्तर को देखकर तय करता था.

प्र. द.–मुख्य परीक्षा की तैयारी हेतु, प्रारम्भिक परीक्षा के बाद उपलब्ध सीमित समय में, तैयारी की रणनीति में क्या बदलाव रहा ?

श्री आशीष–प्रारम्भिक परीक्षा के बाद मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए अधिक समय नहीं रहता है. इस साल मैंने अपनी मुख्य परीक्षा की तैयारी दिसम्बर के महीने से शुरू कर दी थी. प्रारम्भिक परीक्षा में अच्छा स्कोर होने के चलते, तुरन्त मुख्य परीक्षा की तैयारी में लग गया. इस वर्ष पूरा जोर उत्तर लेखन-अभ्यास पर था. मैं प्रति दिन कुछ प्रश्नों को लिखता था. जरूरी तथ्यों के लिए एक डायरी बनाई, जिससे मुझे अंतिम समय में कोर्स कवर करने में काफी मदद मिली.

व्यक्तिगत विशेषताएं

आपका पसंदीदा व्यक्तित्व	– *हर वह इंसान जिसने विषम परिस्थितियों में स्वर्णिम सफलता पायी हो.*
सबल पक्ष	– *अनुशासित, दृढ़ निश्चयी, कठोर परिश्रमी, दूसरों से सीखने की गहरी ललक*
दुर्बल पक्ष	– *बहुत भावुक होना, निजी जीवन को समय न देना.*
रुचियाँ	– *आध्यात्म, घुमक्कड़ी, पत्र-पत्रिकाओं में लेखन.*

प्र. द.–आपने निबन्ध के लिए किस प्रकार तैयारी की ? आपने इस प्रयास में निबंध लिखने के लिए कौनसे विषय चुने और क्यों ?

श्री आशीष–निबन्ध लेखन मेरे लिए काफी सहज था. इसके लिए कुछ विशेष तैयारी न की. मेरे पास अच्छी-अच्छी पंक्तियों, दोहों का काफी बड़ा व गुणवत्ता-पूर्ण संग्रह है जिनका मैंने विषय के अनुरूप प्रयोग किया. मैंने किसान व महिलाओं से जुड़े टॉपिक पर निबंध लिखा.

प्र. द.–साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की ?

श्री आशीष–इंटरव्यू के लिए मैंने अपनी जॉब प्रोफाइल, परास्नातक के विषय, हॉबी तथा समसामयिक विषयों पर तमाम प्रश्न तैयार किए. मॉक इंटरव्यू के लिए स्पीपा (लोक प्रशासन से जुड़ा सरकारी संस्थान), अहमदाबाद की मदद ली.

प्र. द.–**सिविल सेवा**–केवल यही एक-मात्र लक्ष्य था या किसी और कैरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रहे थे ?

श्री आशीष–मैंने कैरियर विकल्प पर सबसे पहले ध्यान दिया ताकि पूरी तरह से सिविल सेवा की तैयारी कर सकूँ. पिछले 7 वर्षों से मैं कस्टम विभाग, अहमदाबाद में निरीक्षक के पद पर कार्य कर रहा था.

प्र. द.–आज के बदलते आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी, गम्भीरता से तैयारी में लगे रहे. आखिर किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा?

श्री आशीष–मैंने जो पढ़ाई (B.Sc., M.A.) की थी उसमें निजी क्षेत्र में न के बराबर सेवाएं हैं. सिविल सेवा मेरे लिए अपने आप को साबित करने के लिए सर्वोत्तम विकल्प थी.

इतने साल असफल होने के बावजूद अगर मैं अंतिम प्रयास तक जोश बनाए रखा तो उसके पीछे यह भावना थी कि अगर सफल हुए, तो तमाम लोग इससे बड़ी प्रेरणा लेंगे कि आम परिवेश में पला बढ़ा, जॉब के साथ तथा बगैर कोचिंग के साथ भी आईएएस की परीक्षा में सफल हुआ जा सकता था.

प्र. द.–किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?

श्री आशीष–मेरे विचार से इंटर करने के बाद से ही इसके बारे में सोचने लगना चाहिए. परीक्षा में लगने वाले समय के लिए तमाम कारक निर्भर करते हैं. यद्यपि कोर्स पूरा करने के लिए एक साल काफी है तथापि उसमें परिपक्वता लाने व अंतिम सफलता के लिए हर व्यक्ति को अलग-अलग समय लगता है.

प्र. द.–अपने लिए क्या कोई प्रयास की समय-सीमा निर्धारित की थी ?

श्री आशीष–नहीं, मैंने इसके लिए कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की थी.

प्र. द.–आपको लगता है कि इस परीक्षा में मानविकी विषयों की अपेक्षा विज्ञान विषयों के साथ अच्छे अंक प्राप्त करने की सम्भावनाएं ज्यादा हैं ?

श्री आशीष–मुख्य परीक्षा में वैकल्पिक विषयों के अंकों में भारी विविधता रहती है. इस वर्ष किसी ने गणित विषय में 370 अंक तक लाए हैं तो दूसरी ओर हिन्दी साहित्य, संस्कृत आदि में 300-310 अंक तक ही आ सके हैं. इससे यह कतई नहीं सोचना चाहिए कि विज्ञान विषयों से ही सफलता पायी जा सकती है.

प्र. द.–क्या अभ्यर्थी के शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव तैयारी पर पड़ता है ? यदि हाँ, तो कैसे ?

श्री आशीष–निश्चित तौर पर इसका तैयारी पर बड़ा गहरा प्रभाव पड़ता है. अगर मेरी आर्थिक स्थिति ठीक होती संभवतः काफी पहले सफल हो गया होता.

आर्थिक स्थिति अच्छी होने से व्यक्ति समय से संसाधन यथा किताबें, कोचिंग ले सकता है. तमाम युवा केवल रोजी रोटी के प्रश्न पर ही अपने सपनों से समझौता कर लेते हैं.

प्र. द.–आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

श्री आशीष–अपने पर अडिग विश्वास, हार न मानने की आदत, कठोर परिश्रम तथा दूसरों से हमेशा अच्छी बातें सीखने के लिए तैयार रहना.

प्र. द.–अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगे ?

श्री आशीष–ईश्वर, परिवार के सदस्यों के साथ साथ मैं अपने सिविल सेवा के तमाम मित्रों का प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष तौर पर बहुत आभारी हूँ, इनकी सफलता से मुझे बहुत प्रेरणा मिली.

प्र. द.–इस परीक्षा की तैयारी हेतु एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखते हैं ?

श्री आशीष–देश की सर्वप्रतिष्ठित आईएएस की परीक्षा के लिए एक मानक पत्रिका में निम्न गुण होने चाहिए.

प्रारम्भिक व मुख्य परीक्षा के हल प्रश्न पत्र, पाठ्यक्रम के अनुरूप त्रुटिरहित विषय सामग्री, टॉपर के विस्तृत साक्षात्कार, प्रेरक लेख, रणनीति आधारित विश्लेषणात्मक लेख ताकि ग्रामीण परिवेश के छात्र घर से तैयारी कर सकें.

प्र. द.–भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका, प्रतियोगिता दर्पण, को इन मानकों के कितना करीब पाया ?

श्री आशीष–प्रतियोगिता दर्पण मैं 2002 से पढ़ने लगा था. यह हिन्दी की सर्वोत्तम व सर्वसुलभ (गैर हिन्दी भाषी राज्यों में भी हर जगह उपलब्ध) पत्रिका है. यह सभी मानकों

शेष पृष्ठ 68 पर

प्रतियोगिता दर्पण

Just Released

टॉपिक वाइज वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर सहित

अतिरिक्तांक
सामान्य अध्ययन
राजपूताना

इतिहास एवं स्वतंत्रता आन्दोलन

कला एवं संस्कृति

राजस्थान का भूगोल, अर्थव्यवस्था एवं प्रशासन

(राजपूताने के रोचक व स्मरणीय तथ्यों के साथ)

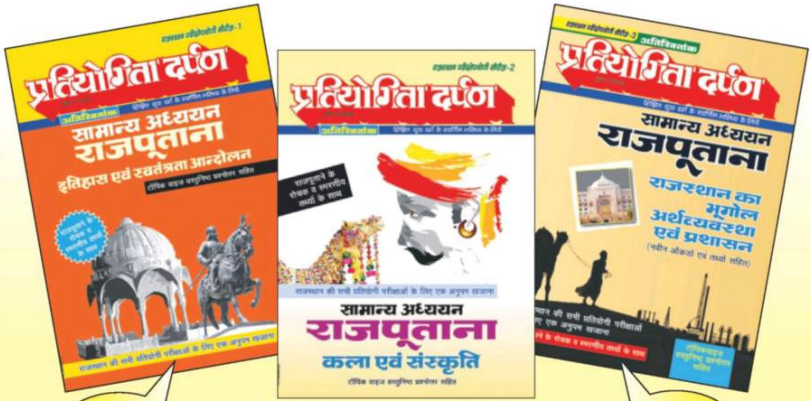

Code No. 831 मूल्य ₹ 125 /-

Code No. 832 मूल्य ₹ 160 /-

Code No. 833 मूल्य ₹ 199 /-

लेखक एवं संकलनकर्ता : **कबीर शरण**

राजस्थान की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए एक अनुपम खजाना

प्रतियोगिता दर्पण | 2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-282 002 फोन : (0562) 4053333, 2530966; फैक्स : (0562) 4053330
• E-mail : care@pdgroup.in • Website : www.pdgroup.in
• नई दिल्ली 23251844, 43259035 • हैदराबाद 24557283 • पटना 2303340 • कोलकाता 25551510 • लखनऊ 4109080 • हल्द्वानी मो. 07060421008 • नागपुर 6564222 • इन्दौर 9203908068

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, ''दृढ़ इच्छाशक्ति, एकाग्रता, लगन, कठोर परिश्रम तथा अचूक मार्गदर्शन.''

– अक्षय कुमार तेम्रवाल

सिविल सेवा परीक्षा, 2017 में चयनित (615वाँ स्थान).

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा–2017 में चयनित होकर श्री अक्षय कुमार तेम्रवाल ने एक असाधारण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूल रूप में प्रस्तुत है.

.....प्रतियोगिता दर्पण विश्वसनीय सामग्री से परिपूर्ण पत्रिका है. मेरी सफलता का यह आधारस्तम्भ है. इसके हर पृष्ठ पर कुछ-न-कुछ नया मिलता है. समसामयिक मुद्दों पर श्रेष्ठ समझ विकसित करने में यह अद्वितीय है. इसके अतिरिक्तांक एवं इसकी समसामयिक वार्षिकी पर्याप्त व्यापक हैं तथा प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए ब्रह्मास्त्र हैं.

प्र. द.–सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर हार्दिक बधाई.

श्री अक्षय–जी, धन्यवाद.

प्र. द.–क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से संतुष्ट थे और उच्च सफलता के प्रति आशावान थे ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही है ?

श्री अक्षय–मैं अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से संतुष्ट था. मुझे उम्मीद थी कि मैं परीक्षा में सफल हो जाऊँगा. सफलता का समाचार बहुत सुखदायी था; मुझे और मेरे परिवार वालों को बहुत प्रसन्नता हुई.

प्र. द.–अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे ? क्या इनमें से किसी टॉपर्स से आप प्रभावित हुए ?

श्री अक्षय–परीक्षा की तैयारी के दौरान मैंने कुछ टॉपर्स के बनाए गए तरीकों का अनुसरण किया. किसी एक का पूरी तरह अनुसरण नहीं किया, अपितु अनेक की अच्छी बातों का अनुसरण किया.

प्र. द.–क्या तैयारी के शुरू में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी सोच बनाई थी ?

श्री अक्षय–तैयारी शुरू करने के समय मैंने भी लगभग सभी परीक्षार्थियों की तरह दो बार परीक्षा में बैठने का फैसला लिया था, किन्तु सच है कि एक बार इस परीक्षा में आने पर जब तक सफल न हो जाएं, इसे छोड़ना मुश्किल हो जाता है. अतः परीक्षा में आने से पहले मन पक्का कर लें. दो या तीन बार परीक्षा में बैठने पर भी सफलता न मिले, तो निराश न हों और कोशिश करते रहें.

प्र. द.–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय आपका अपना था या फिर आपके माता-पिता का ?

श्री अक्षय–यह निर्णय मेरा अपना था.

प्र. द.–यह आपका कौनसा प्रयास था ?

श्री अक्षय–दूसरा.

प्र. द.–समय-प्रबंधन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में कोई कठिनाई हुई ?

श्री अक्षय–मैंने सभी प्रश्न-पत्रों में प्रश्नों के हिसाब से समय पहले ही बाँट रखा था. अतः परीक्षा में उसे अनुसरण करते हुए मुझे समय-प्रबंधन में कोई समस्या नहीं हुई. सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्र में, मैं एक-एक घण्टे के हिसाब से प्रश्नों का बाँट लेता था. निबन्ध में आधा-आधा समय दोनों निबन्ध को बाँट देना था.

प्र. द.–वैकल्पिक विषय का चुनाव करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ?

श्री अक्षय–वैकल्पिक विषय का चुनाव करते समय विषय में पूर्व परीक्षार्थियों के अंक और उस विषय से कितने परीक्षार्थियों ने औसतन तीन-चार साल में परीक्षा दी है. इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए मैंने हिन्दी साहित्य का चयन किया. हिन्दी में अंक भी अच्छे आते हैं. परीक्षार्थियों की संख्या भी कम है. इसमें अंग्रेजी माध्यम से भेदभाव भी नहीं है. संवाद IAS की कक्षाएं, कुमार 'अजेय' सर का मार्गदर्शन और नोट्स सभी बातों को ध्यान में रखते हुए मैंने हिन्दी साहित्य का चयन किया.

प्र. द.–आपके वैकल्पिक विषय क्या थे ?

श्री अक्षय–हिन्दी साहित्य.

प्र. द.–आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखते हैं ?

श्री अक्षय–असफलता ही सफलता की कुंजी है. मेरे पहले प्रयत्न में मिली असफलता से मैंने सीख ली और उन कमियों को पार कर अपने दूसरे प्रयास में सफलता प्राप्त की.

प्र. द.–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है–कैसे तैयारी करें ? कौनसा वैकल्पिक विषय लें ? क्या, कहाँ और कितना पढ़ें ? इस तरह के अनेक प्रश्नों से मस्तिष्क घिरा रहता है. शुरू में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली ?

श्री अक्षय–शुरू में तैयारी के लिए मुझे सही सलाह मेरे चयनित मित्रों ने दी.

प्र. द.–आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

श्री अक्षय–दृढ़ इच्छाशक्ति ही सफलता की कुंजी है. अपने मन पर लगाम (Social media से दूर रहना) तथा सही मार्गदर्शन मेरी सफलता के मूलमंत्र हैं.

प्र. द.–अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगे ?

श्री अक्षय–अपनी सफलता का श्रेय मैं अपने माता-पिता, परिवार के सदस्यों तथा मित्रों को देता हूँ. इसके साथ दिल्ली में कुमार 'अजेय' सर का आभारी रहूँगा.

उपकार

उत्तर प्रदेश
पुलिस कॉंस्टेबिल
भर्ती परीक्षा 2018
(पिछले प्रश्न-पत्र हल सहित)

फायरमैन, जेल वार्डर एवं आरक्षी (घुड़सवार) पदों के लिए भी उपयोगी

उपकार प्रकाशन की उपयोगी पुस्तकें

Code 162 ₹ 475.00

Code 2553 ₹ 240.00

Code 2033 ₹ 45.00

अन्य उपयोगी पुस्तकें

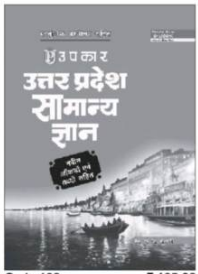

Code 108 ₹ 105.00

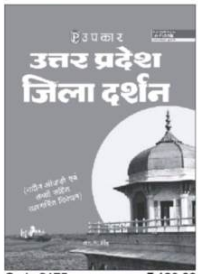

Code 2175 ₹ 120.00

Code 520 ₹ 230.00

Code 679 ₹ 235.00

उपकार प्रकाशन | 2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-282 002 फोन : (0562) 4053333, 2530966; फैक्स : (0562) 4053330
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in
• नई दिल्ली 23251844, 43259035 • हैदराबाद 24557283 • पटना 2303340 • कोलकाता 25551510 • लखनऊ 4109080 • हल्द्वानी मो. 07060421008 • नागपुर मो. 09370877775 • इन्दौर 9203908088

प्र. द.–किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?

श्री अक्षय–ग्रेजुएशन के दौरान ही मैंने परीक्षा की तैयारी के बारे में सोचना शुरू किया. मेरे अनुसार लगभग दो-साल का समय इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में लग जाता है.

प्र. द.–प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ? आपकी GS Paper-I और CSAT Paper-II के लिए क्या रणनीति रही ?

व्यक्ति परिचय

नाम–अक्षय कुमार तेम्रवाल
पिता का नाम–श्री राजेश तेम्रवाल
माता का नाम–श्रीमती श्यामवती तेम्रवाल
जन्मतिथि–27-03-1992
शैक्षिक योग्यता–
हाईस्कूल–2007, सीबीएसई, 79.4%
इण्टरमीडिएट–2009, सीबीएसई, 87·2%
बी.एस-सी.–2012, 6·40/10 five-year integrated B.Sc. and M.Sc. course.
एम.एस-सी.–2015, 6·40/10 five-year integrated B.Sc. and M.Sc. course.

श्री अक्षय–प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी मैंने NCERT की किताबें, अन्य किताबें, स्पेक्ट्रम आदि के साथ-साथ टेस्ट सीरिज के साथ की. प्रश्न-पत्र 2 (अभिवृत्ति परीक्षण) हेतु कोई तैयारी नहीं की, क्योंकि आई.आई.टी. में पढ़ते हुए आधार मजबूत बन चुका था.

प्र. द.–ऋणात्मक अंकन (निगेटिव मार्किंग) के लिए क्या सावधानी बरती ?

श्री अक्षय–ऋणात्मक अंकन को ध्यान रखते हुए मैंने तुक्का नहीं मारा, जिसकी कोई जानकारी नहीं थी, उसे नहीं किया. किन्तु जिस प्रश्न में सम्भावना 50% से अधिक रही, उसे हल किया.

प्र. द.–मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना में क्या विशेष परिवर्तन किया ?

श्री अक्षय–मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना टेस्ट सीरिज के आधार पर बनाई. पहले NCERT और अन्य किताब को पढ़कर जरूरत के अनुसार नोट्स बनाए. प्रारम्भिक परीक्षा के बाद सामान्य अध्ययन और वैकल्पिक विषय की टेस्ट सीरिज के साथ-साथ अपनी तैयारी की.

प्र. द.–आपने निबन्ध के लिए किस प्रकार तैयारी की? आपने इस प्रयास में निबन्ध लिखने के लिए कौनसा विषय चुना और क्यों ?

श्री अक्षय–निबन्ध की तैयारी परीक्षा की तैयारी के साथ-साथ करता गया. डेटा के (आँकड़े) और Quotations को एक डायरी में एकत्रित करता गया. साथ ही समय-समय पर Revision भी करता गया, ताकि परीक्षा के समय तक सब कुछ याद हो जाए. परीक्षा में किसान और महिला विषय चुने. निबन्ध के अभ्यास हेतु कुमार 'अजेय' सर का मार्गदर्शन तथा कोचिंग संस्थान में टेस्ट देना काफी लाभदायी रहा.

व्यक्तिगत विशेषताएं

सबल पक्ष *– परीक्षा में मेरा सबल पक्ष वैकल्पिक विषय हिन्दी साहित्य रहा.*
रुचियाँ *– वॉलीबाल खेलना और कॉगों बजाना.*

प्र. द.–साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की ? आपका साक्षात्कार किस बोर्ड में हुआ और आपका साक्षात्कार का अनुभव कैसा रहा ? किस तरह के प्रश्न पूछे गए ?

श्री अक्षय–साक्षात्कार की तैयारी मैंने अपने DAF से की. उसके बाद करेंट अफेयर्स की तैयारी की. मेरा साक्षात्कार नागराज मैडम के बोर्ड में था. पहला साक्षात्कार था. अतः मैं बहुत डरा हुआ था, किन्तु मेरा साक्षात्कार अच्छा हुआ. मेरे अनुसार वे परीक्षार्थियों की जागरूकता जानने की कोशिश करते हैं. मुझसे बोर्ड ने मेरे गाँव के ऊपर तथा महिला आरक्षण के ऊपर अनेक प्रश्न पूछे (DAF Related). साथ-साथ देश की समस्या, जैसे कश्मीर और नक्सल आदि पर भी प्रश्न थे.

प्र. द.–इस परीक्षा की तैयारी हेतु एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखते हैं ?

श्री अक्षय–मानक प्रतियोगिता पत्रिका से मैं अपेक्षा करता हूँ कि उसमें पिछले एक महीने की करेंट अफेयर्स की जानकारी तथा उन पर आधारित प्रश्न एवं उत्तर हों. साथ ही समाचार के हिसाब से मानचित्र भी हों.

प्र. द.–कोई सुझाव या संदेश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे ?

श्री अक्षय–अपने भटकते मन पर काबू रखें तथा शुरूआत में असफलता मिलने पर निराश न हों.

प्र. द.–आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

श्री अक्षय–जी, बहुत-बहुत धन्यवाद. ●●●

शेष पृष्ठ 64 का

पर खरी है और एक दिवसीय परीक्षाओं तथा प्रशासनिक परीक्षाओं की तैयारी हेतु बेहतर सेतु का कार्य करती है.

प्र. द.–प्रतियोगिता दर्पण के अति-रिक्तांकों की सीरीज के बारे में क्या विचार हैं जो टॉपर्स द्वारा बहुत पसंद की जाती रही हैं.

श्री आशीष–मैंने प्रतियोगिता दर्पण के जैव विज्ञान, रसायन विज्ञान, हिन्दी, अर्थव्यवस्था आदि अतिरिक्तांक सीरीज एक दिवसीय परीक्षाओं की तैयारी के दौरान ली थी. ये बहुत ही अच्छे, सटीक, सारगर्भित व त्रुटिरहित हैं.

प्र. द.–प्रतियोगिता दर्पण वार्षिकी को आपने कितना उपयोगी पाया ?

श्री आशीष–प्रतियोगिता दर्पण वार्षिकी अपने नाम के अनुरूप पूरे साल की घटनाओं का सरल, संक्षिप्त लेखा जोखा रखती है. कम समय में समसामयिक विषय को दोहराने के लिए यह बहुत उपयोगी माध्यम है.

प्र. द.–क्या आपने हमारे नये प्रकाशन उपकार भारत 2018 का अध्ययन किया ? इसके बारे में आपकी क्या राय है ?

श्री आशीष–भारत 2018 पर बाजार में कई विकल्प हैं पर उपकार भारत 2018 सबसे बेहतर है. इससे बिन्दुवार नोट्स बनाने में काफी मदद मिलती है.

प्र. द.–प्रतियोगिता दर्पण के पाठक होने के साथ क्या आपने **अतुल कपूर** लिखित सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी सम्बन्धी लेख पढ़े और इन्हें अपनी तैयारी में कितना उपयोगी पाया ?

श्री आशीष–अतुल जी के लेख नए लोगों के लिए अमृत समान हैं. सच कहूँ तो मैंने अपना वैकल्पिक विषय हिन्दी साहित्य, उनके ही किसी लेख के विश्लेषण को देखकर किया था. अतुल जी के लेख गहन विश्लेषण, दीर्घ अनुभव, रोचक व सरल भाषा में होते हैं. उनके 30 वर्षों का अनुभव उनके लेखों में सर्वत्र देखा जा सकता है, मेरे जैसे ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्र के लिए यह अनन्य उपयोगी रहे हैं.

प्र. द.–कोई सुझाव या सन्देश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे ?

श्री आशीष–मैं प्रतियोगिता दर्पण के बेहद विस्तृत पाठक परिवार, विशेषकर संघर्षरत मित्रों को निम्न सुझाव देना चाहता हूँ–

- समय की कीमत पहचाने, इसका कुशलता से सदुपयोग करें.
- बुद्ध के "आत्म दीपो भव" का अनुसरण करें
- अंतिम समय तक भी निराश न हों, सफल होने के लिए बस एक सही अवसर की ही जरूरत होती है. किसी को पहले पहल मिल जाता है तो आखिरी समय में भी लोग सफल होते हैं.
- सभी के सुखद, उज्जवल भविष्य के लिए अनन्य शुभकामनाएं

प्र. द.–आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

श्री आशीष–दर्पण परिवार ने मुझे इस सुप्रतिष्ठित, सर्वलोकप्रिय मंच से अपनी सफलता की कहानी साझा करने का अवसर दिया, उसके लिए हार्दिक धन्यवाद. ●●●

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, ''अथक परिश्रम, श्रेष्ठ समय-प्रबन्धन, दृढ़ता एवं लगन.''

– जया

बिहार सिविल सेवा परीक्षा-2018 में चयनित.

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा-2018 में चयनित होकर सुश्री जया ने एक सार्थक उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई की पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूल रूप में प्रस्तुत है.

..... प्रतियोगिता दर्पण एक अत्यन्त सारगर्भित पत्रिका है. यह सफलता का पर्याय बन गई है. इसमें प्रतियोगिता परीक्षाओं से सम्बन्धित अध्ययन-सामग्री का संकलन अद्वितीय होता है, इसके अतिरिक्तांक एवं समसामयिक वार्षिकी अभ्यर्थियों के लिए अमूल्य भेंट है; मैंने इनका गहन अध्ययन किया.

प्र. द.–सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

सुश्री जया–जी, बहुत-बहुत धन्यवाद. प्रतियोगिता दर्पण ने मेरी तैयारी में महती भूमिका निभाई है जिसका वर्णन शब्दों में करना संभव नहीं है.

प्र. द.–किस तरह और कब आपको सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ ?

सुश्री जया–यह बात तब की है जब मैं इण्टरमीडिएट की परीक्षा दे रही थी. उस दौरान जिलाधिकारी मेरे परीक्षा केन्द्र पर निरीक्षण के लिए आए थे. मैं उनके अतिरिक्त सम्मान एवं गरिमा से काफी प्रभावित हुई और मन ही मन सिविल सेवा में जाने के बारे में सोचने लगी. B. Ed. करने के बाद सिविल सेवा की तैयारी कर रहे एक मित्र से मुलाकात हुई तब से मानो मेरे सपनों को पंख लग गए.

प्र. द.–वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कॅरियर की संभावनाएं तलाशने का फैसला लिया ?

सुश्री जया–मैं कॉलेज के दिनों से ही प्रतियोगिता दर्पण की नियमित पाठिका रही हूँ. विभिन्न सफल प्रतियोगियों का साक्षात्कार पढ़ते-पढ़ते मेरी रुचि सिविल सर्विसेज की ओर हुई.

प्र. द.–अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचती थीं ? क्या आप पिछले वर्षों की परीक्षाओं के टॉपर्स के साक्षात्कारों का कोई असर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन में अनुभव करती हैं ? इन टॉपर्स में से किसने आपको सबसे ज्यादा प्रभावित किया ?

सुश्री जया–मुझे हमेशा से लगता रहा है कि टॉपर्स हमारे बीच के ही सामान्य लोग होते हैं, केवल उनकी कार्यशैली विलक्षण होती है. टॉपर्स के साक्षात्कारों का मुझ पर व्यापक असर हुआ है. खासकर पिछले लगातार दो वर्षों के U.P.S.C. के टॉपर्स 'इरा सिंघल' एवं 'टीना डाबी' का मेरी तैयारी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है. इरा सिंघल ने अपनी शारीरिक दिव्यांगता को हावी नहीं होने दिया. उन्हें जानने के बाद मुझे अपने भीतर असीम ऊर्जा एवं दिव्य शक्ति का आभास हुआ.

प्र. द.–सिविल सेवा–केवल यह ही एक लक्ष्य था या किसी और कॅरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रही थीं ?

सुश्री जया–मैंने कॅरियर के वैकल्पिक पड़ाव के रूप में शिक्षण कार्य का चुनाव किया. मैंने M.Com. करने के बाद B.Ed. किया और पटना एवं वैशाली जिले के स्कूलों में शिक्षिका के रूप में कार्य किया, परन्तु इस दौरान अपने सपने को हमेशा जिंदा रखा.

प्र. द.–अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगी ?

सुश्री जया–मैं अपनी सफलता का श्रेय परिवार के सदस्यों, गुरुजनों विशेषकर संकल्प सिविल सर्विसेज के डॉ. वी. सी. झा सर एवं अपने अभिन्न मित्र दीपक एवं डॉ. बलराम तिवारी सर को देना चाहूँगी.

प्र. द.–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम क्या रहा ? तैयारी हेतु दिशा एवं सही मार्गदर्शन कहाँ से मिला ?

सुश्री जया–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद मैं प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी में जुट गई. मैंने प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी पुस्तकों के साथ-साथ NCERT एवं B.T.B.C. की पुस्तकों का गहन अध्ययन किया. प्रतियोगिता दर्पण के अतिरिक्तांक (अर्थशास्त्र, राजव्यवस्था एवं इतिहास) तथा समसामयिकी के लिए प्रतियोगिता दर्पण पर पूर्णतः निर्भर रही.

प्र. द.–क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से संतुष्ट थीं और सफलता के प्रति आश्वस्त थीं. सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

सुश्री जया–हाँ, मैं अपनी तैयारी से संतुष्ट एवं सफलता के प्रति आश्वस्त थी, परन्तु मुझे ऐसा लग रहा था कि इसमें और बेहतर करने की संभावना बची है. सफलता के इस समाचार को सुनकर मैं भावुक हो गई और फूट-फूट कर रोई.

प्र. द.–इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है ?

सुश्री जया–बिहार प्रशासनिक सेवा, बिहार निबंधन सेवा, बिहार वित्त सेवा, नगर कार्यपालक पदाधिकारी (नगर सेवा) इत्यादि.

प्र. द.–बदलते हुए आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी गंभीरता से तैयारी में लगी रहीं. किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा ?

सुश्री जया–बचपन से ही मेरी इच्छा समाज सेवा के क्षेत्र में जाने की रही है और इसके लिए सिविल सेवा ही सबसे बेहतर विकल्प है. इन सेवाओं में कार्यों की विविधता एवं समाज से जुड़ाव ने मेरे जोश को हमेशा बरकरार रखा.

प्र. द.–यह सफलता कितने प्रयासों में प्राप्त की और आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखती हैं ?

सुश्री जया–मुझे यह सफलता द्वितीय प्रयास में प्राप्त हुई. प्रथम प्रयास में मैं साक्षात्कार तक पहुँची थी, लेकिन अंतिम रूप से चयनित नहीं हो पायी. यद्यपि मैं पिछले प्रयास में सफल नहीं हो सकी, परन्तु उस प्रयास को मैं अपनी सफलता की पहली सीढ़ी मानती हूँ.

व्यक्ति परिचय

नाम–*सुश्री जया*

पिता का नाम–*श्रीकृष्ण मुरारी प्रसाद सिन्हा*

माता का नाम–*श्रीमती गीता कुमारी सिन्हा*

शैक्षिक योग्यता–

हाईस्कूल–*मैट्रिक, बी.एस.ई.बी., आर.बी. एच. स्कूल, 58%*

इण्टरमीडिएट– *आई.कॉम.बी.आई.ई.सी., कॉमर्स कॉलेज, 68%*

बी.ए./बी.एस-सी.–*बी.कॉम., पटना विश्व-विद्यालय, वाणिज्य, 76%*

एम.ए./एम.एस-सी.–*एम.कॉम. पटना विश्व-विद्यालय, वाणिज्य, 71%*

बी. एड.–*पटना विश्वविद्यालय, डब्ल्यू. टी. कॉलेज, 78%*

प्र. द.–समय-प्रबंधन-चाहे वह तैयारी हो या फिर परीक्षा में उत्तर लिखते समय– समय एक महत्वपूर्ण कारक है. क्या आपने इस दौरान समय को लेकर कोई कठिनाई महसूस की ? यदि हाँ, तो कैसे आपने इसका सामना किया ?

सुश्री जया–मुख्य परीक्षा की तैयारी के दौरान पहले से सिविल सेवा की तैयारी कर रहे मित्रों के द्वारा मुझे घर पर तय समय-सीमा में प्रश्नों के उत्तर लिखने का अभ्यास करने की सलाह दी गई थी. शुरुआती दिनों में कठिनाई हुई परन्तु मैं निरन्तर अभ्यास से समय-प्रबन्धन करना सीख गई.

प्र. द.–आपके ऐच्छिक विषय क्या थे एवं इनके चुनाव का क्या आधार था ?

सुश्री जया–मेरे ऐच्छिक विषय मानव विज्ञान तथा हिन्दी भाषा एवं साहित्य थे. 48वीं से 52वीं परीक्षा में मानव विज्ञान में कुल 400 अंकों में 328 अंक प्राप्त करने वाले प्रभात कुमार (बि. प्र. से.) मानव विज्ञान विषय लेने के लिए मेरी प्रेरणा बने. वहीं श्रद्धेय गुरु डॉ. बलराम तिवारी जिनके नोट्स पढ़कर हजारों विद्यार्थी I.A.S., I. P.S. हुए हैं. उनके नोट्स की उपलब्धता एवं हिन्दी भाषा के प्रति मेरे लगाव ने मुझे हिन्दी भाषा एवं साहित्य को विषय के रूप में चुनने के लिए प्रेरित किया.

प्र. द.–आपके सभी प्रयासों में ऐच्छिक विषय ये ही रहे या कोई बदलाव रहा ?

सुश्री जया–दोनों प्रयासों में मेरे ऐच्छिक विषय मानव विज्ञान एवं हिन्दी भाषा एवं साहित्य ही रहे.

प्र. द.–आपने प्रारम्भिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार के लिए क्या योजनाएं बनाईं ?

सुश्री जया–प्रारम्भिक परीक्षा के लिए मैंने आधारभूत पुस्तकों यथा NCERT एवं B.T.B.C. की पुस्तकों का गहन अध्ययन किया. साथ ही दर्पण के अतिरिक्तांक, ल्यूसेंट सामान्य ज्ञान एवं ल्यूसेंट वस्तुनिष्ठ, घटना चक्र के सभी अंक, ल्यूसेंट विज्ञान, प्रतियोगिता दर्पण, बिहार विशेष के लिए इम्तियाज अहमद सर की पुस्तक 'बिहार', दैनिक अखबार हिन्दुस्तान एवं प्रभात खबर का भी अध्ययन किया. वी. सी. झा सर के टेस्ट सीरिज में भाग लिया. मुख्य परीक्षा के लिए वैकल्पिक विषय एवं सामान्य अध्ययन के प्रश्नों को तय समय सीमा में लिखने का प्रयास किया. मैं नियमित रूप से पढ़ाई के लिए कम से कम छह घंटे का समय जरूर देती थी.

साक्षात्कार के लिए मॉक इन्टरव्यू का सहारा लिया. साथ-साथ वैकल्पिक विषयों एवं सामान्य अध्ययन के नोट्स को कई बार दोहराया. स्नातक के विषयों की भी पुनरावृत्ति की तथा पत्र-पत्रिकाओं, दैनिक समाचार पत्रों एवं दूरदर्शन के माध्यम से स्वयं को अपडेट रखा.

प्र. द.–आपने निबंध के लिए किस प्रकार की तैयारी की ? आपने किस विषय पर निबंध लिखा एवं उस विषय को ही चुनने का क्या कारण था ?

सुश्री जया–B.P.S.C. की मुख्य परीक्षा में ऐच्छिक विषयों में निबंध के प्रश्न नहीं होते हैं.

प्र. द.–प्रारम्भिक परीक्षा हेतु सामान्य अध्ययन एवं ऐच्छिक विषय में किस प्रकार संतुलन बनाया ?

सुश्री जया–B.P.S.C. की प्रारंभिक परीक्षा में केवल सामान्य अध्ययन के ही प्रश्न पूछे जाते हैं.

प्र. द.–निगेटिव मार्किंग का ध्यान रखते हुए क्या सावधानी एवं रणनीति की जरूरत है ?

सुश्री जया–B.P.S.C. की संयुक्त सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा में निगेटिव मार्किंग का प्रावधान नहीं है.

प्र. द.–साक्षात्कार की तैयारी आपने कैसे की और आपका साक्षात्कार कब था, किस बोर्ड में था एवं क्या-क्या प्रश्न पूछे गए ? क्या आप अपने साक्षात्कार से सन्तुष्ट थीं ?

सुश्री जया–मैंने साक्षात्कार के लिए संकल्प सिविल सर्विसेज के डायरेक्टर डॉ. वी. सी. झा सर, अमात्या I. C. S. के डॉ. एम. पी. श्रीवास्तव सर एवं श्रेय I. A. S. के दुर्गेश कुमार सर से मार्गदर्शन प्राप्त किया.

वी. सी. झा सर का मॉक इन्टरव्यू मेरे लिए काफी लाभदायक रहा. मुझे साक्षात्कार में 105 अंक प्राप्त हुए हैं.

मेरा साक्षात्कार 05-07-2018 को था एवं बोर्ड की अध्यक्षता कौन कर रहे थे मुझे इसकी जानकारी नहीं है परन्तु बोर्ड में कुल चार सदस्य शामिल थे.

मुझसे पूछे गए प्रश्न हैं–मानव विज्ञान की कितनी शाखाएँ हैं, प्रजाति क्या है, राष्ट्रकवि कौन हैं, दिनकर और नागार्जुन में क्या अन्तर है, ट्रेड और कॉमर्स में क्या अंतर है, डबल इंट्री सिस्टम क्या है, प्रयोगवाद क्या है, इत्यादि.

प्र. द.–किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवाओं की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?

सुश्री जया–स्नातक की पढ़ाई के साथ-साथ गंभीरतापूर्ण तैयारी शुरू कर देनी चाहिए. मेरे विचार से स्नातक के बाद 2 वर्ष परीक्षा की तैयारी के लिए पर्याप्त हैं.

प्र. द.–आपके अनुसार विज्ञान और मानविकी विषयों में से किस विषय में ज्यादा अंक प्राप्त किए जा सकते हैं ?

सुश्री जया–यह आम धारणा है कि विज्ञान के विषयों में मानविकी विषयों की अपेक्षा अधिक अंक प्राप्त किए जा सकते हैं, परन्तु वास्तविकता ऐसी नहीं है. यह पूर्णतः व्यक्तिगत अभिरुचि का मामला है. अधिकतम अंक व्यक्ति के प्रयास, उस विषय विशेष की गहराई से समझ और समय प्रबंधन पर निर्भर करता है.

प्र. द.–आपके अनुसार इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम को लेकर तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार हैं ?

सुश्री जया–किसी भी परीक्षा की तैयारी के लिए मातृभाषा का माध्यम ही सबसे अच्छा माध्यम होता है.

प्र. द.–क्या अभ्यर्थी के परिवार की शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव अध्ययन पर पड़ता है ? यदि हाँ, तो कैसे ?

सुश्री जया–हाँ, पड़ता है परन्तु एक सीमा तक ही. इस सीमा के पार व्यक्ति का दृढ़ निश्चय, अनवरत् परिश्रम, धैर्य व चुनौतियों से निपटने की क्षमता ही सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है.

"उड़ान पंखों में नहीं हौसलों में होती है."

प्र. द.–एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखती हैं ?

सुश्री जया–मैं मानती हूँ कि मानक प्रतियोगिता पत्रिका में सिविल सेवाओं के अनुरूप तथ्यात्मक सामग्रियों का समावेशन होना चाहिए और इन कसौटियों पर प्रतियोगिता दर्पण पूर्णतः खरी उतरती है.

व्यक्तिगत विशेषताएं

आपका पसंदीदा व्यक्तित्व–*महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री और मेरी माँ.*

सबल पक्ष–*दृढ़ निश्चयी, सकारात्मक सोच, विपरीत परिस्थितियों से जूझने का अदम्य साहस और हार न मानने का जज्बा.*

दुर्बल पक्ष–*अत्यधिक भावुक होना, आसानी से किसी का विश्वास कर लेना और ठगी जाना.*

रुचियाँ–*पुराने गाने खासकर लता मंगेशकर, आशा भोंसले और मुहम्मद रफी के गाने सुनना, उपन्यास पढ़ना, पेंटिंग बनाना तथा फुरसत या अत्यधिक तनाव के क्षणों में स्कूटी से शहर का चक्कर लगाना.*

प्र. द.–भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका, प्रतियोगिता दर्पण, को इन मानकों के कितने करीब पाती हैं ? इसको और अधिक उपयोगी बनाने के लिए कोई सुझाव देना चाहेंगी ?

सुश्री जया–प्रतियोगिता दर्पण सिविल सेवा परीक्षाओं के लिए एक मानक पत्रिका है. इसका सबसे बड़ा प्रमाण है कि यह परीक्षार्थियों की पहली पसंद और उनके द्वारा सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली पत्रिका है. मेरा सुझाव है कि वाणिज्य से सम्बन्धित सामग्रियों का भी प्रतियोगिता दर्पण में अधिक से अधिक समावेश किया जाए.

प्र. द.–क्या आपने सामान्य अध्ययन के अतिरिक्तांकों की सीरीज का उपयोग किया जो पिछले कई वर्षों से अभ्यर्थियों के बीच बहुत पसन्द की जा रही है ?

सुश्री जया–हाँ, विशेषकर भारतीय अर्थव्यवस्था, राजव्यवस्था और इतिहास के अतिरिक्तांकों का मैंने गहन अध्ययन किया है.

प्र. द.–प्रतियोगिता दर्पण वार्षिकी कैसी लगी ? इसके प्रकाशन का समय, इसका आकार एवं इसकी सामग्री के बारे में विचार व्यक्त करें.

सुश्री जया–प्रतियोगिता दर्पण वार्षिकी सभी विद्यार्थियों के लिए एक उपयोगी संकलन होता है.

प्र. द.–भविष्य को ध्यान में रखते हुए क्या आपने तैयारी और प्रयासों हेतु कोई समय सीमा निर्धारित की थी ?

सुश्री जया–B.P.S.C. की परीक्षाओं के कैलेंडर की अनिश्चितताओं को देखते हुए परीक्षार्थियों के लिए समय निर्धारित करना थोड़ा कठिन टास्क है.

प्र. द.–आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

सुश्री जया–सफलता का केवल एक ही मूलमंत्र होता है– कठिन, अनवरत् और अथक् परिश्रम समय-प्रबंधन, बेहतर तैयारी, लगनशीलता एवं धैर्य.

प्र. द.–आपने सामान्य अध्ययन की तैयारी के लिए कौन-कौनसी पत्र-पत्रिकाओं एवं पुस्तकों का उपयोग किया ?

सुश्री जया–पत्रिका–प्रतियोगिता दर्पण, योजना, कुरुक्षेत्र, दैनिक अखबार में हिन्दुस्तान और प्रभात खबर आदि.

पुस्तक–इतिहास के लिए 'बिहार' (रमेश प्रसाद), बिहार (इम्तियाज अहमद) डी. डी. वसु का भारतीय संविधान, भारत का भूगोल (पुल्लर) आदि.

शेष पृष्ठ 80 पर

परीक्षा तिथि : 28-29 अप्रैल, 2019

उत्तराखण्ड

पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा

(पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्र हल सहित)

उपकार प्रकाशन की उपयोगी पुस्तकें

उपकार उत्तराखण्ड पॉलिटेक्निक संयुक्त प्रवेश परीक्षा	255/-
Upkar's Polytechnic Combined Entrance Exam.	325/-
उपकार पॉलिटेक्निक प्रवेश (फार्मेसी) (बायलोजी ग्रुप) परीक्षा	515/-
उपकार पॉलिटेक्निक प्रवेश (फार्मेसी) (गणित ग्रुप) परीक्षा	399/-
उपकार पॉलिटेक्निक कम्प्यूटर एप्लीकेशन तथा मार्केटिंग एण्ड सेल्स मैनेजमेंट	265/-
उपकार पॉलिटेक्निक मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट एण्ड सेक्रेट्रियल प्रैक्टिस तथा लाइब्रेरी एण्ड इनफॉरमेशन साइंस	299/-
उपकार पॉलि. गारमेन्ट, होम साइंस, टेक्सटाइल तथा फैशन	230/-
उपकार पॉलिटेक्निक संयुक्त प्रवेश परीक्षा होटल मैनेजमेंट एण्ड कैटरिंग टेक्नोलॉजी	260/-
उपकार प्रैक्टिस वर्क-बुक पॉलि. संयुक्त प्रवेश परीक्षा (फार्मेसी)	190/-

उपकार प्रकाशन, 2/11A, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–282 002
● E-mail : care@upkar.in ● Website : www.upkar.in

उपकार

एस.आई.बी.

सुरक्षा सहायक

(कार्यकारी)

भर्ती परीक्षा

(प्रथम चरण)

(नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार)

लेखकद्वय : डॉ. लाल एवं जैन
Code No. 1156 मूल्य : ₹ 135/-

प्रमुख आकर्षण

★ सामान्य ज्ञान
★ समसामयिकी
★ सामान्य विज्ञान
★ तर्कशक्ति
★ अंकगणितीय योग्यता
★ English

English Edition Code 919 Price : ₹ 180/-

उपकार प्रकाशन, आगरा–2 E-mail : care@upkar.in Website : www.upkar.in

राष्ट्रीय

1. इसरो (ISRO) ने भारतीय वायुसेना की संचार व्यवस्था में सुधार लाने के लिए दिसम्बर 2018 में कौनसा सैटेलाइट सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया है ? **– जीसैट-7A (GSAT-7A)**

☛ *भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने भारतीय वायुसेना की संचार से सम्बन्धित आधारभूत संरचना का विस्तार करने के लिए जियोसिंक्रोनस सेटेलाइट लॉंच ह्वीकल-F11 (GSLV-F11) से जीसैट-7A (GSAT-7A) सैटेलाइट, सतीश धवन स्पेस सेन्टर, श्रीहरिकोटा से, 19 दिसम्बर, 2018 को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया.*

2. भारत के किस विशेष स्तर-प्राप्त राज्य में दिसम्बर 2018 में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया है ? **– जम्मू-कश्मीर**

☛ *जम्मू-कश्मीर में अपना संविधान है जिसके अनुसार भारतीय जनता पार्टी द्वारा महबूबा मुफ्ती सरकार से समर्थन वापस लेने पर राज्य में छः माह के लिए राज्यपाल शासन* 20 जून, 2018 को लागू किया गया था. 20 दिसम्बर, 2018 से यहाँ राष्ट्रपति शासन लागू किया गया है.

3. नीति (NITI) आयोग द्वारा 19 दिसम्बर, 2018 को जारी विजन डॉक्यूमेंट में वर्ष 2022-23 के लिए वार्षिक वृद्धि दर (Growth Rate) कितनी अनुमानित है ? **– 9 प्रतिशत**

☛ *नीति (National Institution for Transforming India) आयोग के एक विजन डॉक्यूमेंट "Strategy for New India @ 75" नाम से वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 19 दिसम्बर, 2018 को जारी किया, जिसमें 2022-23 में वृद्धि दर 9% तथा भारत की अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन डॉलर होने की सम्भावना व्यक्त की है.*

4. भारत में कौनसा नवनिर्मित सबसे लम्बा रेलवे और सड़क (दोनों एक साथ) पुल यातायात के लिए 25 दिसम्बर, 2018 को खोल दिया गया ? **– बोगीबील ब्रिज (Bogibeel Bridge)**

☛ *असम में ब्रह्मपुत्र नदी पर बना बोगीबील पुल 4·94 किमी लम्बा है तथा इस पर नीचे रेलवे ट्रैक और ऊपर सड़क है. यह ब्रिज असम के डेमाजी (Dhemaji) और डिब्रूगढ़ जिलों को जोड़ता है. यह पुल असम-अरुणाचल प्रदेश की सीमा के समीप होने के कारण सैन्य महत्व का भी है. भारत में यह इस प्रकार का सबसे लम्बा पुल है.*

5. भारतीय ज्ञानपीठ अवार्ड-2018 किस लेखक को देने की घोषणा दिसम्बर 2018 में की गई है ? **– अमिताव घोष**

☛ *अंग्रेजी भाषा के प्रसिद्ध उपन्यासकार अमिताव घोष को उनके साहित्य के क्षेत्र में दिए गए योगदान के लिए भारतीय ज्ञानपीठ अवार्ड वर्ष 2018 के लिए देने की घोषणा दिसम्बर 2018 में की गई है. अमिताव घोष के प्रसिद्ध उपन्यासों में शैडो लाइन्स, द ग्लास पैलेस, द हंगरी टाइड, सी ऑफ पॉपीज, रिवर ऑफ स्मोक, फलड ऑफ फायर आदि सम्मिलित हैं.*

6. भारत की किस पहली महिला बैडमिंटन खिलाड़ी ने दिसम्बर 2018 में आयोजित बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल में महिला एकल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता ? **– पी.वी. सिंधु**

☛ *भारत की बैडमिंटन खिलाड़ी पी.वी. सिंधु 2018 की बीडब्ल्यूएफ (BWF) टूर फाइनल प्रतियोगिता में जापान की नोजोमी ओकुहारा को हराकर चैम्पियन बनीं. वह यह प्रतियोगिता जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं. यह प्रतियोगिता आधिकारिक रूप से '2018 एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर' के नाम से कराई गई थी. 2007 से 2017 तक होने वाली बीडब्ल्यूएफ सुपर सीरिज और ग्रांड प्रिक्स का स्थान इस प्रतियोगिता ने लिया है.*

7. भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के गवर्नर पद पर दिसम्बर 2018 में किस भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी को नियुक्त किया गया है ? **– शक्तिकांत दास**

☛ *रिजर्व बैंक के गवर्नर उर्जित पटेल द्वारा दिसम्बर 2018 में त्यागपत्र देने के बाद सरकार ने इनके स्थान पर शक्तिकांत दास को नया गवर्नर नियुक्त किया है.*

8. भारत के निर्वाचन आयोग में किस प्रशासनिक अधिकारी को मुख्य निर्वाचन आयुक्त दिसम्बर 2018 में नियुक्त किया गया है ? **– सुनील अरोरा**

☛ *निर्वाचन आयोग में निर्वाचन आयुक्त के रूप में कार्य कर रहे सुनील अरोरा को ही निवर्तमान निर्वाचन आयुक्त ओ.पी. रावत के अवकाश लेने के बाद मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया गया है.*

9. भारत की किस महिला स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी को अन्तर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस फेडरेशन का वर्ष 2018 के लिए ब्रेकथ्रू टेबल टेनिस स्टार पुरस्कार प्रदान किया गया ? **– मनिका बत्रा**

☛ *अन्तर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस फेडरेशन (ITTF) के वर्ष 2018 के स्टार पुरस्कारों का वितरण दक्षिण कोरिया में इंचियॉन में 12 दिसम्बर, 2018 को हुआ, जिसमें मनिका बत्रा को ब्रेकथ्रू स्टार तथा भारतीय टेबल टेनिस टीम के कोच मैसिमो कॉंस्टेंटिनी को स्टार कोच का पुरस्कार प्रदान किया गया.*

10. वर्ष 2018 के साहित्य अकादमी पुरस्कारों की घोषणा दिसम्बर 2018 में की गई. हिन्दी भाषा में यह पुरस्कार किस लेखिका को प्रदान किया गया ? **– चित्रा मुद्गल**

☛ *चित्रा मुद्गल को इनकी पुस्तक 'पोस्ट बॉक्स नं. 203 नाला सोपारा' के लिए वर्ष 2018 का ज्ञानपीठ पुरस्कार देने की घोषणा की गई है. इनके साथ ही 23 अन्य भाषाओं की कृतियों के लिए भी इसकी घोषणा की गई. जिसमें राजस्थानी में राजेश कुमार व्यास को 'कविता दैवे दीठ', अंग्रेजी में अनीस सलीम को 'द ब्लाइंड लेडीज डीसेंडेंटस' और उर्दू में रहमान अब्बास को 'रॉइजिन' के लिए प्रदान किया गया.*

11. दिसम्बर 2018 में घोषित किन तीन राज्यों की विधान सभाओं के निर्वाचन परिणामों के अनुसार कांग्रेस वहाँ सरकार बनाने में सफल रही ? – **राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़**

☛ *राजस्थान में कांग्रेस के अशोक गहलोत, मध्य प्रदेश में कमलनाथ और छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल मुख्यमंत्री दिसम्बर 2018 में नियुक्त हुए हैं.*

12. पूर्वोत्तर के किस राज्य में दिसम्बर 2018 में घोषित विधान सभा परिणामों के अनुसार सर्वाधिक सीट जीतकर मिजो नेशनल फ्रंट की सरकार बनी ? – **मिजोरम**

☛ *मिजोरम में 2013 के निर्वाचन में कांग्रेस को सत्ता मिली थी, लेकिन 2018 के विधान सभा चुनावों में मिजो नेशनल फ्रंट को सर्वाधिक सीटें प्राप्त हुईं तथा इसके नेता जोरामथांगा को मुख्यमंत्री बनाया गया.*

13. दिसम्बर 2018 में घोषित विधान सभा निर्वाचन के परिणामों के बाद पाँच राज्यों–छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश, मिजोरम एवं तेलंगाना में से किस राज्य में मुख्यमंत्री ने दोबारा लगातार मुख्यमंत्री का पद सँभाला ? – **तेलंगाना**

☛ *तेलंगाना में के. चन्द्रशेखर राव के नेतृत्व वाली पार्टी तेलंगाना राष्ट्र समिति (TRS) ने विधान सभा निर्वाचन में बहुमत प्राप्त कर पुनः सरकार दिसम्बर 2018 में बनाई एवं के. चन्द्रशेखर राव पुनः मुख्यमंत्री बने.*

अन्तर्राष्ट्रीय

1. किस राष्ट्र ने तेल उत्पादक एवं निर्यातक देशों के संगठन ओपेक (OPEC) से अलग होने की घोषणा दिसम्बर 2018 में की है ? – **कतर (Qatar)**

☛ *तेल उत्पादक राष्ट्र कतर ने ओपेक (Organisation of the Petroleum Exporting Countries) से 1 जनवरी, 2019 से अलग होने की घोषणा दिसम्बर 2018 में की है. ओपेक 15 तेल उत्पादक देशों का संगठन है जिसकी स्थापना सितम्बर 1960 में हुई थी तथा इसका मुख्यालय वियना, ऑस्ट्रिया में है. कतर के अलग होने के बाद इसकी सदस्य संख्या 14 रह जाएगी.*

2. विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली महिलाओं की वर्ष 2018 की फोर्ब्स पत्रिका की सूची में कौनसी महिला शीर्ष पर हैं ? – **एंजेला मर्कल (Angela Merkel)**

☛ *वाणिज्यिक पत्रिका फोर्ब्स ने विश्व की शक्तिशाली महिलाओं (Most Powerful Women) की वर्ष 2018 की सूची दिसम्बर 2018 में जारी की है, जिसमें शीर्ष स्थान जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्कल का है. दूसरे स्थान पर ब्रिटेन की प्रधानमंत्री थेरेसा मे, तीसरा स्थान फ्रांस की क्रिस्टीन लेगार्ड, जोकि अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की प्रबन्ध निदेशक भी हैं, का है.*

3. भारत व चीन के मध्य संयुक्त सैन्याभ्यास दिसम्बर 2018 में कहाँ सम्पन्न हुआ ? – **चेंगदू (चीन)**

☛ *भारत व चीन के मध्य संयुक्त सैन्याभ्यास हैंड-इन-हैंड चीन में चेंगदू (Chengdu) में दिसम्बर 2018 में सम्पन्न हुआ. यह सातवाँ आयोजन था. इससे पूर्व 2016 में यह संयुक्ताभ्यास भारत में पुणे में हुआ था.*

उत्तर प्रदेश
परीक्षा तिथि 28 अप्रैल, 2019
पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा
(पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्र हल सहित)
उपकार प्रकाशन की उपयोगी पुस्तकें

उपकार उत्तर प्रदेश पॉलिटेक्निक संयुक्त प्रवेश परीक्षा	255/-
उपकार उत्तर प्रदेश पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा सॉल्व्ड पेपर्स	90/-
Upkar's Polytechnic Combined Entrance Exam.	330/-
उपकार पॉलिटेक्निक प्रवेश (फार्मेसी) (बायलोजी ग्रुप) परीक्षा	515/-
उपकार पॉलिटेक्निक प्रवेश (फार्मेसी) (गणित ग्रुप) परीक्षा	399/-
उपकार पॉलिटेक्निक कम्प्यूटर एप्लीकेशन तथा मार्केटिंग एण्ड सेल्स मैनेजमेंट	265/-
उपकार पॉलिटेक्निक मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट एण्ड सेक्रेट्रियल प्रैक्टिस तथा लाइब्रेरी एण्ड इनफॉरमेशन साइंस	299/-
उपकार पॉलि. गारमेन्ट, होम साइंस, टेक्सटाइल तथा फैशन	230/-
उपकार पॉलिटेक्निक संयुक्त प्रवेश परीक्षा होटल मैनेजमेंट एण्ड कैटरिंग टेक्नोलॉजी	260/-
उपकार प्रैक्टिस वर्क-बुक पॉलि. संयुक्त प्रवेश परीक्षा (फार्मेसी)	190/-

उपकार प्रकाशन, 2/11A, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–282 002
● E-mail : care@upkar.in ● Website : www.upkar.in

नवीन संशोधित पाठ्यक्रम पर आधारित
उपकार
हरियाणा
सब-इंस्पेक्टर पुलिस
परीक्षा
कोड 703 ₹ 240/-
लेखकद्वय : डॉ. लाल एवं जैन
विशेषताएँ
➥ हरियाणा : एक दृष्टि में ➥ सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन ➥ सामान्य विज्ञान ➥ राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम ➥ तर्कशक्ति एवं मानसिक अभिरुचि ➥ गणितीय योग्यता ➥ कृषि एवं पशुपालन ➥ पशु चिकित्सा विज्ञान ➥ कम्प्यूटर ज्ञान

उपकार प्रकाशन, आगरा–2
● E-mail : care@upkar.in
● Website : www.upkar.in

4. दिसम्बर 2018 में थाइलैण्ड में आयोजित मिस यूनिवर्स 2018 प्रतियोगिता में किस सुन्दरी ने मिस यूनिवर्स का ताज पहना ?
– कैटरिओना ग्रे (फिलीपींस)

☛ *फिलीपींस की कैटरिओना ग्रे (Catriona Gray) वर्ष 2018 की मिस यूनिवर्स (Miss Universe) बनी हैं. पहली रनर अप दक्षिण अफ्रीका की टमारिन ग्रीन (Tamarin Green) एवं दूसरी रनर अप वेनेजुएला की स्थीफेनी गुटीरेज (Sthefany Gutierrez) रहीं. स्पेन की ट्रांसजेंडर (Transgender) एंजेला पोंसे (Angela Ponce) इस प्रतियोगिता में पहली प्रतिभागी थीं.*

5. दिसम्बर 2018 में चीन में सान्या में आयोजित मिस वर्ल्ड 2018 प्रतियोगिता में किस सुन्दरी को मिस वर्ल्ड-2018 चुना गया ?
– वनेसा पोंसे (मैक्सिको)

☛ *मैक्सिको की वनेसा पोंसे (Vanessa Ponce) मिस वर्ल्ड 2018 चुनी गईं. वर्ष 2017 की मिस वर्ल्ड भारत की मानुषी छिल्लर ने पोंसे को मिस वर्ल्ड 2018 का ताज पहनाया. प्रथम रनर अप थाइलैण्ड की निकोलिनी पी. लिम्सनुकान (Nicolene Pichapa Limsnukan) तथा द्वितीय रनर अप बेलारूस की मारिया वसीलेविश (Maria Vasilevich) रहीं.*

6. भारतीय मूल की किस महिला अर्थशास्त्री ने अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) में प्रधान अर्थशास्त्री के पद पर कार्यभार जनवरी 2019 में सँभाला है ?
– गीता गोपीनाथ

☛ *भारतीय मूल की अमरीका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर गीता गोपीनाथ ने अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) में प्रधान अर्थशास्त्री का पद जनवरी 2019 में सँभाला है. वह इस पद पर नियुक्त होने वाली पहली महिला एवं द्वितीय भारतीय हैं. इनसे पूर्व भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन इस पद पर रह चुके हैं.*

7. संयुक्त राष्ट्र संघ वर्ष 2019 को किस रूप में मना रहा है ?
– देशी भाषाओं का वर्ष

☛ *संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व की भाषाओं की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए दिसम्बर 2016 में वर्ष 2019 को देशी भाषाओं का वर्ष (UN International Year of Indigenous Languages) घोषित किया था. विश्व में लगभग 7000 भाषाएं बोली जाती हैं, जिनमें से लगभग आधी विश्व जनसंख्या केवल 23 भाषाएं बोलती है. अनेक भाषाओं के बोलने वाले कम हो जाने की वजह से भाषाएं विलुप्त होती जा रही हैं.*

8. संयुक्त राष्ट्र क्लाइमेट चेंज कॉन्फ्रेंस 2018 (COP 24) दिसम्बर 2018 में कहाँ सम्पन्न हुई ?
– काटोविसे (पोलैण्ड)

☛ *संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (UNFCCC) की कॉन्फ्रेंस ऑफ द पार्टीज की 24वीं बैठक (COP 24) पोलैण्ड में काटोविसे (Katowice) में 2-15 दिसम्बर, 2018 में सम्पन्न हुई. इसके साथ ही यह कॉन्फ्रेंस CMP14 (क्योटो प्रोटोकोल) एवं CMA3 (पैरिस एग्रीमेंट) भी थी.*

9. फ्रांस में नागरिकों ने दिसम्बर 2018 में सरकार द्वारा बढ़ाए गए करों के विरोध में कौनसा आन्दोलन चलाया ?
– यलो वेस्टस् (Yellow Vests) आन्दोलन

☛ *फ्रांस में ईंधन की कीमतों एवं कार्बन टैक्स आदि करों में वृद्धि के कारण जीवन स्तर पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव के विरोध में वहाँ के नागरिकों ने सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए पीले रंग की टी शर्ट पहनकर नवम्बर-दिसम्बर 2018 में प्रदर्शन कर आन्दोलन चलाया.*

10. वाशिंगटन पोस्ट के किस चर्चित पत्रकार की टाइम (Time) पत्रिका ने वर्ष 2018 के 'टाइम पर्सन ऑफ द ईयर 2018' सम्मान से सम्मानित किया है ?
– जमाल खाशोगी

☛ *वाशिंगटन पोस्ट के सऊदी अरब के पत्रकार, जमाल खशोगी जिनकी अक्टूबर 2018 में इस्ताम्बुल, टर्की में सऊदी अरब के दूतावास में हत्या कर दी गई थी को 'टाइम पर्सन ऑफ द ईयर 2018, सम्मान से सम्मानित किया गया है. इनके साथ ही अन्य पत्रकारों मारिया रेसा (Maria Ressa), वालोन (Wa Lone) एवं क्याव सोइ ऊ (Kyaw Soe Oa) और एक समाचार संगठन कैपिटल गजट ऑफ अन्नपोलिस (Capital Gazette of Annapolis) को यह सम्मान दिया गया है.*

11. मानव निर्मित कौनसा दूसरा अंतरिक्ष यान हमारे सौरमण्डल को 5 नवम्बर, 2018 को पार कर बाह्य अंतरिक्ष में प्रवेश कर गया ?
– वॉयजर 2 (Voyager 2)

☛ *नासा (NASA) द्वारा 20 अगस्त, 1977 को अंतरिक्ष में भेजा गया वॉयजर-2 अंतरिक्ष यान हमारे सौरमण्डल के दूर स्थित ग्रहों का अध्ययन करने के बाद बाह्य अंतरिक्ष में प्रवेश कर गया है. यह यान आज भी सक्रिय है तथा नासा डीप नेटवर्क से जुड़ा हुआ है. वॉयजर-1 बाह्य अंतरिक्ष में जाने वाला पहला अंतरिक्ष यान है.*

12. हॉदी (Houthi) शिया मुस्लिम विद्रोही आन्दोलन ने किस देश में पिछले चार वर्षों में गृह युद्ध का रूप ले लिया ?
– यमन (Yemen)

☛ *मध्य पूर्व (Middle East) का विकासशील एवं गरीब देश यमन में 2014 से हॉदी शिया मुस्लिम विद्रोही आन्दोलन चल रहा है जिसमें हजारों लोग मारे जा चुके हैं. विद्रोहियों ने राजधानी सना (Sanaa) एवं अन्य क्षेत्रों पर भी कब्जा कर लिया था. संयुक्त राष्ट्र संघ दिसम्बर 2018 से युद्ध विराम के लिए प्रयास कर रहा है.*

13. भारत ने किस पड़ोसी राष्ट्र को 1·4 बिलियन डॉलर का आर्थिक पैकेज देने की घोषणा दिसम्बर 2018 में की है ?
– मालदीव

☛ *मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह (Ibrahim Mohamed Solih) के दिसम्बर 2018 में भारत यात्रा के दौरान भारत ने मालदीव को आर्थिक संकट एवं चीन के कर्ज से उबरने के लिए 1·4 बिलियन डॉलर की सहायता देने की घोषणा की.*

14. पाकिस्तान की किस स्वर्गीय मानवाधिकार महिला कार्यकर्ता को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार पुरस्कार-2018 दिसम्बर 2018 में प्रदान किया गया ?
– असमां जहाँगीर

☛ *पाकिस्तान की वकील एवं मानवाधिकार संरक्षण के लिए कार्य करने वाली असमां जहाँगीर को मरणोपरांत संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार पुरस्कार प्रदान किया गया. इसके साथ ही तंजानिया की रेबेका ग्यूमी (Rebeca Gyumi); ब्राजील के जोएनिया वापीचाना (Joenia Wapichana) तथा आयरलैण्ड के मानवाधिकार संगठन 'फ्रंट लाइन डिफेंडर्स' (Front Line Defenders) को भी संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार पुरस्कार 2018 प्रदान किया गया.*

●●●

✍ डॉ. अरुणोदय बाजपेयी

मालदीव में भारत की नई उम्मीद

मालदीव भारत के दक्षिण-पश्चिम में हिन्द महासागर स्थित एक छोटा द्वीपीय देश है. फिर भी भारत की सुरक्षा तथा उसके आर्थिक हितों की दृष्टि से इसका सामरिक महत्व बहुत अधिक है. पश्चिमी विश्व के साथ भारत का सारा व्यापार तथा तेल की आपूर्ति इसी क्षेत्र से गुजरने वाले समुद्री मार्गों से होती है. दूसरी तरफ भारत की समुद्री सुरक्षा में भी इस क्षेत्र का विशेष महत्व है. अतः भारत के लिए सदैव यह आवश्यक है कि वह इस क्षेत्र में अपने आर्थिक व सुरक्षा हितों की रक्षा के लिए अपने प्रभाव व उपस्थिति को बनाए रखे, लेकिन वर्ष 2012 से मालदीव में चल रही राजनीतिक उथल-पुथल के चलते चीन मालदीव में अपना प्रभाव बढ़ाने में सफल रहा है. इससे भारत व मालदीव के सम्बन्धों में गत वर्षों में अत्यधिक तनाव उत्पन्न हो गया था. इन तनावों के चलते भारत की दक्षिण एशिया नीति पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था.

चीन का बढ़ता सामरिक प्रभाव

भारत व मालदीव के बीच ऐतिहासिक व घनिष्ठ बहुपक्षीय सम्बन्ध रहे हैं. 1965 में मालदीव की आजादी के बाद से ही भारत वहाँ विकास साझेदारी को मजबूत करता रहा है. मालदीव भारत के साथ दक्षिण एशिया सहयोग संगठन का भी सदस्य है तथा मालदीव ने सदैव वैश्विक मंचों पर भारत का समर्थन किया है. प्रतिरक्षा तथा सामरिक क्षेत्र में भी दोनों के मध्य अत्यन्त घनिष्ठ सम्बन्धों का विकास हुआ है. सन् 1988 में जब सरकार का तख्ता पलटने के लिए बड़ा आतंकवादी हमला हुआ था, तो भारत ने अपनी सेना भेजकर इस हमले को नाकाम कर सरकार की रक्षा की थी. इसके साथ ही भारत ने मालदीव में ढाँचागत सुविधाओं के विकास तथा क्षमता निर्माण में निरन्तर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. भारत ने सदैव मालदीव की स्थिरता, सम्पन्नता तथा वहाँ के लोकतंत्र का समर्थन किया है.

लेकिन मालदीव की घरेलू राजनीति में बदलाव के कारण चीन को वहाँ अपना सामरिक प्रभाव बढ़ाने का अवसर प्राप्त हो गया था. 2008 में मालदीव में बहुदलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के अन्तर्गत पहली बार स्वतंत्र चुनाव सम्पन्न हुए. इन चुनावों में नवगठित मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता मोहम्मद नशीद राष्ट्रपति चुने गए. भारत ने मालदीव में बहुदलीय लोकतंत्र के आगमन का स्वागत किया. नशीद शासन के दौरान भारत व मालदीव के सम्बन्धों में तेजी से विस्तार हुआ तथा नशीद को भारत समर्थक राजनेता माना जाने लगा, लेकिन इस्लाम को बचाने के नाम पर मालदीव में नशीद सरकार के विरुद्ध जन विरोध का क्रम शुरू हुआ. परिणामस्वरूप प्रशासन तथा सेना के असहयोगात्मक रुख के कारण फरवरी 2012 में नशीद ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया. नई सरकार ने नशीद के विरुद्ध आतंकवाद के समर्थन का आरोप लगाकर उन्हें 13 साल की सजा सुना दी. नशीद अपना इलाज कराने के बहाने इंगलैण्ड चले गए. 2013 के चुनावों में अब्दुल्ला यामीन को विवादास्पद जीत हासिल हुई.

यामीन शासन चीन समर्थक तथा भारत विरोधी था. 2013 से 2018 तक इस शासनकाल में चीन को मालदीव में अपने पैर पसारने का अवसर प्राप्त हो गया. 2013 में भारत की कम्पनी जीएमआर को माले एयरपोर्ट के संचालन का ठेका निरस्त कर सरकार ने यह ठेका चीन की कम्पनी को दे दिया. इसके अलावा चीन ने माले एयरपोर्ट से माले भाहीर तक फ्रेण्डशिप ब्रिज का निर्माण किया तथा चीन की कम्पनियों को अन्य ढाँचागत सुविधाओं के विकास का काम सौंपा गया. 2015 में यामीन सरकार ने संविधान में संशोधन कर यह व्यवस्था कर दी कि किसी विदेशी कम्पनी को निश्चित शर्तों पर मालदीव की जमीन लम्बे समय के पट्टे पर दी जा सकती है. इसका फायदा उठाकर चीन ने

नवीन संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण

उपकार

हिन्दी साहित्य का तथ्यपरक अध्ययन

यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ./सेट, असिस्टेंट प्रोफेसर, के.वी.एस., एन. वी.एस., पी.जी.टी., टी.जी.टी., पी-एच.डी., राजभाषा निदेशक, हिन्दी अधिकारी, हिन्दी सहायक, संपादक, समाचार वाचक एवं संघ/राज्य लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं और विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए हिन्दी साहित्य की अनुपम पुस्तक.

लेखक : ओंकार नाथ वर्मा

कोड 2129 ₹ 255/-

विभिन्न परीक्षाओं के विगत् 15 वर्ष के प्रश्नों का भी समावेश.

प्रमुख आकर्षण

➡ आदिकाल ➡ भक्तिकाल ➡ रीतिकाल आधुनिककाल ➡ नाटक ➡ निबंध ➡ कहानी ➡ उपन्यास ➡ आलोचना ➡ हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ ➡ हिन्दी साहित्य की नवीन प्रवृत्तियाँ ➡ हिन्दी के पत्र और पत्रिकाएँ ➡ विविध

उपकार प्रकाशन, आगरा-2
● E-mail : care@upkar.in
● Website : www.upkar.in

कई महत्वपूर्ण द्वीपों पर पट्टे पर अधिकार कर लिया. 2014 में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मालदीव की यात्रा की तथा मालदीव ने चीन के मैरीटाइम सिल्क रूट परियोजना में भाग लेने पर सहमति व्यक्त कर दी. इस परियोजना के अन्तर्गत चीन हिन्द महासागर के तटीय देशों में पोर्ट व ढाँचागत सुविधाओं का विकास कर रहा है तथा इस क्षेत्र में अपना सामरिक प्रभाव बढ़ा रहा है. 2017 में मालदीव के नेता यामीन ने चीन की यात्रा की तथा मालदीव ने चीन के साथ अपने पहले मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षरित किए. संसद में इस समझौते को विवादास्पद तरीके से पारित कराया गया. चीन ने मालदीव में, जो धन निवेश किया है वह कठिन शर्तों में ऋण के रूप में है. कर्ज के कारण मालदीव की वित्तीय स्थिति खराब हो गई है. उल्लेखनीय है कि मालदीव में चीन का बढ़ता हुआ सामरिक प्रभाव भारत की सुरक्षा की दृष्टि से घातक है, क्योंकि मालदीव भारत के लक्षद्वीप से केवल 700 किमी तथा भारत की मुख्य भूमि से केवल 1200 किमी की दूरी पर स्थित है. पश्चिम की ओर जाने वाले भारत के व्यापार मार्ग भी मालदीव के पास से ही गुजरते हैं. अतः मालदीव में चीन की सामरिक उपस्थिति को लेकर भारत चिन्तित था.

मोदी की मालदीव यात्रा

इस पृष्ठभूमि में 2018 में मालदीव में नए चुनावों के परिणामस्वरूप सत्ता परिवर्तन हुआ है तथा भारत के प्रति सकारात्मक रुख रखने वाली मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता इब्राहीम सोलिह मालदीव के नए राष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं. उन्होंने अपने शपथ ग्रहण समारोह में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित किया था तथा इस अवसर पर 17 नवम्बर, 2018 को मोदी ने माले की यात्रा भी की थी. इसके पहले मार्च 2015 में मोदी ने इस क्षेत्र के तीन देशों श्रीलंका, सेशल्स तथा मॉरिशस की यात्रा की थी, लेकिन मालदीव की विपरीत घरेलू परिस्थितियों के कारण मोदी ने मालदीव की यात्रा का विचार त्याग दिया था.

मोदी की वर्तमान यात्रा के दौरान मालदीव ने, भारत पहले की नीति को, क्रियान्वित करने का आश्वासन भी दिया था. यात्रा के अन्त में जारी संयुक्त वक्तव्य में दोनों देशों ने कतिपय महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर सहमति व्यक्त की, जो निम्नलिखित हैं–

1. दोनों नेताओं ने हिन्द महासागर में शांति व स्थिरता को रेखांकित करते हुए एक-दूसरे की आकांक्षाओं व चिन्ताओं का सम्मान करने पर सहमति व्यक्त की. अपरोक्ष रूप से इस बिन्दु का सम्बन्ध मालदीव में हाल के वर्षों में चीन के सामरिक प्रभाव को लेकर भारत की चिन्ता से है.
2. दोनों देशों ने इस क्षेत्र में आतंकवाद के विरुद्ध सहयोग बढ़ाने पर प्रतिबद्धता व्यक्त की.
3. मालदीव की नाजुक आर्थिक स्थिति के आलोक में दोनों देशों ने विकास साझेदारी को बढ़ाने पर बल दिया. मोदी ने मालदीव की ढाँचागत सुविधाओं के विकास में भारत के सहयोग पर सहमति व्यक्त की. मोदी ने मालदीव के सामाजिक व आर्थिक विकास में भारत की प्रभावी भूमिका का आश्वासन दिया.
4. भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने मालदीव में भारतीय कम्पनियों द्वारा निवेश की नई सम्भावनाओं का स्वागत किया. दोनों देशों ने इस सम्बन्ध में निवेश प्रक्रिया को सरल बनाने पर सहमति व्यक्त की. उल्लेखनीय है कि हाल के वर्षों में मालदीव की अब्दुल्ला यामीन सरकार ने भारतीय कम्पनियों के निवेश तथा भारतीयों के मालदीव में सेवायोजन पर अघोषित प्रतिबन्ध लगा रखे थे.

मोदी की यात्रा का वास्तविक महत्व इस बात में है कि इसके द्वारा दोनों देशों के बीच तनावों को दूर कर सहयोग की नई पहल करने का अवसर प्राप्त हुआ है.

इब्राहीम सोलिह की भारत यात्रा

मोदी ने अपनी नवम्बर 2018 की मालदीव यात्रा के दौरान वहाँ के नए राष्ट्रपति इब्राहीम सोलिह को भारत आने का निमंत्रण दिया था. इसके बाद मालदीव के राष्ट्रपति सोलिह 16–18 दिसम्बर, 2018 को अपनी पहली विदेश यात्रा में भारत आए. वास्तव में मालदीव भारत के साथ अपने ऐतिहासिक व घनिष्ठ सम्बन्धों के आलोक में सदैव **'भारत पहले'** की नीति का अनुसरण करता रहा है, लेकिन पूर्व राष्ट्रपति ने 2012 से 2018 तक चीन समर्थित नीति का पालन किया तथा भारत के प्रति उदासीनता का रुख अपनाया. इस पृष्ठभूमि में सोलिह की पहली भारत यात्रा मालदीव की **'भारत पहले'** की नीति का अनुसरण माना जा सकता है तथा भारत के लिए स्वागत-योग्य कदम है. सोलिह के साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमण्डल भी भारत की यात्रा पर आया था. इस अवसर पर मोदी व सोलिह के बीच आपसी हित के विभिन्न मुद्दों पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ. यात्रा के अन्त में एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया गया, जिसमें दोनों देशों के आगामी सहयोग के क्षेत्र का विवरण मिलता है. इस संयुक्त वक्तव्य के मुख्य बिन्दु हैं–

1. दोनों नेताओं ने दोनों देशों के परम्परागत मजबूत सम्बन्धों को और अधिक व्यापक व सशक्त बनाने का संकल्प दोहराया. मोदी ने लोकतंत्र के सफल संक्रमण के लिए मालदीव को बधाई दी तथा इस बात पर जोर दिया कि भारत अपनी 'पड़ोस पहले' (Neighbourhood First) की नीति के अन्तर्गत भारत मालदीव के सामाजिक व आर्थिक विकास में हर सम्भव सहायता पहुँचाएगा.
2. मालदीव की नाजुक वित्तीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारत ने मालदीव को 1·4 बिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की, जो मालदीव को सस्ते ऋण के रूप में प्रदान की जाएगी.
3. मालदीव के राष्ट्रपति सोलिह ने मालदीव की **'भारत पहले'** (Indian First) की नीति के प्रति अपनी वचनबद्धता दोहराई. उन्होंने मालदीव के विकास में भारत की भूमिका की सराहना की तथा वहाँ ढाँचागत सुविधाओं के विकास में भारतीय कम्पनियों के निवेश का स्वागत किया.
4. दोनों देशों ने आपसी सम्बन्धों को मजबूत करने के लिए सम्पर्कता बढ़ाने तथा उससे सम्बन्धित ढाँचागत सुविधाओं के विकास पर सहमति व्यक्त की.
5. भारतीय प्रधानमंत्री ने मालदीव में क्षमता विकास तथा प्रशिक्षण के लिए 1000 अतिरिक्त प्रशिक्षण स्लॉट्स (Slots) की घोषणा की. इसके अन्तर्गत मालदीव के कामिकों को न्यायिक, पुलिस, कानून व्यवस्था आदि क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा.
6. दोनों देशों ने इस अवसर पर एक वीजा सरलीकरण समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे दोनों देशों के नागरिकों को एक-दूसरे देश में जाने से सुविधा होगी.
7. भारत और मालदीव ने आतंकवाद के विरुद्ध प्रयासों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की. इसके साथ ही दोनों देश अन्य संगठित अपराधों की रोकथाम में भी सहयोग करने पर सहमत हुए.
8. दोनों देशों ने द्विपक्षीय निवेश तथा व्यापार की स्थिति की समीक्षा की तथा मत्स्यपालन विकास, पर्यटन, सूचना तकनीकि, स्वच्छ ऊर्जा तथा संचार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की. मोदी ने मालदीव में भारतीय कम्पनियों के लिए निवेश के नए अवसरों का स्वागत किया.

भारत-मालदीव सहयोग व समझौते

प्राथमिकता क्षेत्र–*दिसम्बर 2018 में मालदीव के नए राष्ट्रपति इब्राहीम सोलिह की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने सहयोग के निम्नांकित क्षेत्रों को प्राथमिकता प्रदान की है–*

1. *स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग विशेषकर कैंसर का इलाज.*
2. *आपराधिक मामलों में आपसी कानूनी सहयोग व सहायता.*
3. *निवेश प्रोत्साहन.*
4. *मानव-संसाधन विकास*
5. *पर्यटन*

समझौते–*दोनों देशों ने सहयोग के निम्नलिखित समझौतों पर हस्ताक्षर किए–*

1. *बीजा व्यवस्था के सरलीकरण का समझौता.*
2. *सांस्कृतिक सहयोग हेतु सहमति-पत्र*
3. *कृषि व्यवसाय के लिए पारिस्थितिकी के विकास में सहयोग पर सहमति पत्र.*
4. *सूचना तकनीकि के क्षेत्र में सहयोग के लिए इच्छा-पत्र, (Letter of Intent) पर हस्ताक्षर.*

9. दोनों देशों ने हिन्द महासागर में शांति व स्थिरता के महत्व को रेखांकित करते हुए माना कि इस क्षेत्र में दोनों के सुरक्षा हित एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं. यह भी सहमति बनी कि दोनों देश एक-दूसरे की सुरक्षा चिन्ताओं के प्रति संवेदनशील रहेंगे. दोनों नेता इस बात पर भी सहमत थे कि वे हिन्द महासागर में समुद्री सुरक्षा के लिए आपसी सहयोग को मजबूत करेंगे.
10. वैश्विक मामलों में दोनों नेताओं ने सुरक्षा परिषद् में सुधार करने, वैश्विक वित्तीय संस्थाओं में सुधार करने तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने पर सहमति व्यक्त की. मालदीव ने इस अवसर पर सुरक्षा परिषद् में भारत की स्थायी सदस्यता के दावे का समर्थन किया.

निष्कर्ष

मालदीव 1965 में ब्रिटिश उपनिवेशवाद से आजाद हुआ था. मालदीव की आबादी केवल 4·4 लाख है. यह देश 1000 छोटे टापुओं में बसा एक छोटा देश है, लेकिन मालदीव की भौगोलिक स्थिति भारत के सुरक्षा तथा आर्थिक हितों की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण है. पश्चिमी देशों के साथ होने वाला भारत का व्यापार मालदीव के निकट से गुजरने वाले समुद्री मार्गों से ही सम्पन्न होता है. भारत की सीमा के निकट होने के कारण भारत की सुरक्षा के लिए भी मालदीव महत्वपूर्ण है. अतः भारत ने मालदीव के साथ बहुआयामी द्विपक्षीय घनिष्ठ सम्बन्धों का विकास किया है. प्रतिरक्षा, विकास तथा व्यापार के क्षेत्र में भारत व मालदीव के साथ घनिष्ठ सम्बन्ध रहे हैं. 1965 के बाद से ही मालदीव की सरकारों ने 'भारत पहले' की नीति का पालन करते हुए भारत को अपने द्विपक्षीय सम्बन्धों में प्राथमिकता प्रदान की है, लेकिन 2012 में मालदीव में हुए सत्ता परिवर्तन के बाद वहाँ चीन समर्थक यामीन सरकार का गठन हुआ. यामीन के शासनकाल में मालदीव व चीन के बीच घनिष्ठ सामरिक, व्यापारिक तथा निवेश सम्बन्धों का तेजी से विकास हुआ. परिणामस्वरूप, भारत मालदीव में चीन के बढ़ते सामरिक प्रभाव के कारण चिन्तित था. 2018 के लोकतांत्रिक चुनावों में यामीन की पराजय हुई तथा इब्राहीम सोलिह के नेतृत्व में नई सरकार का गठन हुआ. नई सरकार का रुख भारत समर्थक होने के कारण भारत को मालदीव में आशा की नई किरण दिखाई दे रही है तथा भारत मालदीव के साथ अपने परम्परागत सम्बन्धों को पुनः स्थापित करने के लिए तत्पर है. अतः मालदीव में सत्ता परिवर्तन, मोदी की मालदीव यात्रा तथा सोलिह की दिसम्बर 2018 की भारत यात्रा से दोनों देशों के बीच तनावों को कम कर अपने पुराने घनिष्ठ सम्बन्धों को मजबूत करने का एक नया अवसर प्राप्त हुआ है. इन दोनों यात्राओं से दोनों देशों के मध्य उच्चस्तरीय विचार-विमर्श सम्भव हुआ है तथा दोनों के मध्य ऐतिहासिक व पारस्परिक लाभकारी सम्बन्धों को पुनः नई मजबूती मिली है. मालदीव के साथ सम्बन्धों में सुधार जहाँ भारत की दक्षिण एशिया में पहले पड़ोस की नीति को बल प्रदान करेगा, वहीं दूसरी ओर इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते सामरिक प्रभाव को भी सन्तुलित करने का काम करेगा.

इब्सा का अनिश्चित भविष्य

इब्सा (IBSA–India, Brazil, South Africa) तीन बड़े विकासशील देशों–भारत, ब्राजील तथा दक्षिण अफ्रीका का एक त्रिपक्षीय सहयोगी मंच है. ये तीनों ही देश तीन क्षेत्रों क्रमशः दक्षिण एशिया, अफ्रीका तथा दक्षिण अमरीका के सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश हैं तथा तीनों देशों को उनके क्षेत्रों में एक क्षेत्रीय शक्ति के रूप में देखा जाता है. इसके साथ ही इन तीनों देशों की गणना विश्व की उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में भी की जाती है. इसी कारण ये तीनों देश उभरती हुई

नवीन संशोधित संस्करण

उपकार

छत्तीसगढ़ वृहद् संदर्भ

(नवीन आँकड़ों एवं तथ्यों सहित)

लेखकद्वय : संजय त्रिपाठी एवं श्रीमती चंदन त्रिपाठी

संशोधनकर्ता : कुमार सुन्दरम्

कोड नं. : 1437 मूल्य : ₹ 345/-

पुस्तक की विशेषताएँ

पुस्तक का प्रथम खण्ड 'छत्तीसगढ़ : विविध अध्ययन' सामान्य विषयों का है जिसमें छत्तीसगढ़ के भूगोल, जलवायु, कृषि, खनिज, वन, उद्योग, जल संसाधन, अर्थव्यवस्था एवं अन्य विविध विषयों पर प्रामाणिक जानकारी उपलब्ध कराई गई है.

पुस्तक का द्वितीय खण्ड 'छत्तीसगढ़ का इतिहास, कला एवं स्थापत्य' का है जिसमें छत्तीसगढ़ के इतिहास के प्रत्येक काल का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है.

पुस्तक का तृतीय खण्ड 'छत्तीसगढ़ की संस्कृति' का है जिसमें छत्तीसगढ़ी संस्कृति से सम्बन्धित प्रदेश की संस्कृतिगत विशिष्टताओं से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों का उल्लेख किया गया है.

छत्तीसगढ़ राज्य से सम्बन्धित प्रामाणिक जानकारी अब एक ही पुस्तक में उपलब्ध

उपकार प्रकाशन, आगरा–2

● E-mail : care@upkar.in

● Website : www.upkar.in

अर्थव्यवस्थाओं के संगठन ब्रिक्स (BRICS) के भी सदस्य देश हैं. इब्सा की स्थापना 2003 में इन तीन देशों के बीच आपसी सहयोग तथा ग्लोबल साउथ (Global South) के एक मंच के रूप में की गई थी. उत्तर-शीत युद्ध काल में दक्षिण के विकासशील देशों को ग्लोबल साउथ के नाम से जाना जाता है. शीत युद्ध काल में विकासशील देशों को **'दक्षिण' (South)** के नाम से जाना जाता था, क्योंकि ये सभी देश पृथ्वी के दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थित हैं. इसी तरह चूँकि अधिकांश विकसित देश उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित हैं, इसलिए उन्हें **'उत्तर'** (North) के देशों के नाम से जाना जाता है. इसीलिए इब्सा का एक प्रमुख उद्देश्य विकासशील देशों में आपसी सहयोग को बढ़ाना था, जिसे **दक्षिण-दक्षिण सहयोग** (South-South Co-operation) के नाम से भी जाना जाता है. सम्भवतः सभी विकासशील देश इब्सा की स्थापना से उत्साहित भी थे.

लेकिन गत कुछ वर्षों से इब्सा कई कारणों से पतन की ओर अग्रसर है. इसका सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि गत 15 वर्षों में इसके मात्र पाँच शिखर सम्मेलन हुए हैं. इसका पाँचवाँ शिखर सम्मेलन 2011 में हुआ था तथा छठवाँ शिखर सम्मेलन 2013 में दिल्ली में प्रस्तावित था, लेकिन यह शिखर सम्मेलन कई बार स्थगित होने के बाद अभी तक सम्पन्न नहीं हो पाया है. अब छठवाँ शिखर सम्मेलन 2019 में दिल्ली में प्रस्तावित है. दूसरा प्रमाण यह है कि गत सात वर्षों में इब्सा ने अपनी प्रगति की दृष्टि से सहयोगात्मक प्रक्रिया को भी आगे बढ़ाने का कोई नया प्रयास भी नहीं किया है. इब्सा की यह गिरावट सभी विकासशील देशों के हितों की पूर्ति की दृष्टि से एक अशुभ संकेत है. दूसरी तरफ विकासशील व गरीब देशों के एक अन्य मंच गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की सक्रियता भी शिथिल हो गई है. ऐसी स्थिति में वर्तमान वैश्वीकृत विश्व में विकासशील देशों का कोई प्रभावी मंच अस्तित्व में नहीं है. यद्यपि इब्सा को पुनः प्रभावी बनाने के कतिपय प्रयास भी किए गए हैं. उदाहरण के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक सम्मेलन के अवसर पर 27 सितम्बर, 2018 को इब्सा के विदेश मंत्रियों की एक बैठक न्यूयॉर्क शहर में सम्पन्न हुई थी. इस बैठक में इब्सा की गतिविधियों को सक्रिय बनाने पर चर्चा हुई थी, लेकिन अभी इसके सकारात्मक परिणाम आने बाकी हैं.

इब्सा : संगठन तथा उद्देश्य

उत्तर-शीत युद्ध काल में इब्सा के गठन का विचार तीनों देशों के शासनाध्यक्षों की 2003 में फ्रांस के शहर एवियन में हुए अनौपचारिक विचार-विमर्श का परिणाम है. इस विचार को मूर्त रूप देने के लिए भारत, ब्राजील तथा दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्रियों की एक बैठक 6 जून, 2013 को ब्राजील की राजधानी ब्राजीलिया में सम्पन्न हुई. इस बैठक में इब्सा के उद्देश्यों पर विचार-विमर्श कर ब्राजीलिया घोषणा को जारी किया. यही घोषणा ही इब्सा की स्थापना का आधार है. इस घोषणा में इस प्रस्तावित संगठन का नाम **इब्सा डायलॉग फोरम** (IBSA Dialogue Forum) रखा गया. इब्सा की सबसे महत्वपूर्ण ताकत इस बात में निहित थी कि इसमें तीन बड़े महाद्वीपों की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं शामिल थीं. इसमें इन तीनों देशों के आपसी सहयोग के साथ-साथ दक्षिण-दक्षिण सहयोग को एक नई दिशा देने की उम्मीद की गई थी. इब्सा का अपना कोई संविधान नहीं है. ब्राजीलिया घोषणा तथा इब्सा की गतिविधियों के आधार पर इब्सा के निम्नांकित उद्देश्य स्पष्ट होते हैं–

1. इब्सा के सदस्य देशों के मध्य विभिन्न क्षेत्रों, जैसे–व्यापार, निवेश, कृषि, जलवायु-परिवर्तन, स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान एवं तकनीकी आदि में सहयोग का विस्तार करना. इसमें इब्सा के सदस्य देशों के मध्य सूचना, अन्तर्राष्ट्रीय उत्तम व्यवहार तथा तकनीकी ज्ञान के त्रिपक्षीय आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना तथा एक- दूसरे की प्रतियोगी क्षमताओं को पूरक व एकीकृत रूप से आगे बढ़ाना भी शामिल है.
2. दक्षिण-दक्षिण सहयोग को बढ़ावा देना, क्योंकि इब्सा के तीनों सदस्य देश विकासशील देशों की श्रेणी में आते हैं तथा तीन महाद्वीपों के विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व करते हैं. दूसरे शब्दों में विश्व के तीन क्षेत्रों–दक्षिण, एशिया, अफ्रीका तथा दक्षिण अमरीका के मध्य व्यापार तथा निवेश अवसरों का विकास करना तथा अन्तर्राष्ट्रीय गरीबी निवारण तथा सामाजिक विकास को बढ़ावा देना.
3. अन्तर्राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों में इब्सा के सदस्यों में सहयोग व सामंजस्य स्थापित करना तथा विभिन्न वैश्विक मंचों पर विकासशील देशों के हितों का प्रतिनिधित्व करना. वर्तमान में मानवाधिकारों का उल्लंघन, सुरक्षा परिषद् में सुधार, गरीबी निवारण तथा विकास, जलवायु परिवर्तन, विश्व व्यापार वार्ताएं आदि मुद्दे वैश्विक एजेण्डा में शामिल हैं.

उल्लेखनीय है कि इब्सा द्वारा अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए समय-समय पर शिखर सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है. अब तक इसके पाँच शिखर सम्मेलन आयोजित हो चुके हैं. दक्षिण-दक्षिण सहयोग को बढ़ाने तथा गरीब देशों में विकास की गति को मजबूती प्रदान करने के लिए कई कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किया है. इब्सा की एक महत्वपूर्ण पहल 2003 में गरीब देशों में गरीबी और भुखमरी को कम करने के लिए इब्सा फण्ड फैसलिटी का सृजन किया गया. इस फण्ड के अन्तर्गत कई गरीब देशों, जैसे–बुरुंडी, हैती, फिलीस्तीन, गायना बिसाऊ, केप वर्दे आदि में विकास कार्यक्रमों को लागू किया गया. इसके अलावा त्रिपक्षीय सहयोग को बढ़ाने के लिए भी इब्सा द्वारा पहल की गई है.

इब्सा की चुनौतियाँ

इब्सा ने अपने उद्देश्यों को ध्यान में रखकर आरम्भ के एक दशक में सराहनीय कार्य किया. इसने न केवल तीनों देशों के बहुआयामी सहयोग को प्रोत्साहित किया, वरन् दक्षिण-दक्षिण सहयोग व विभिन्न मंचों पर विकासशील देशों की आवाज उठाने का भी काम किया, लेकिन गत कुछ वर्षों से निम्नांकित कारणों से इब्सा नई चुनौतियों का सामना कर रहा है–

1. यदि अभी तक की इब्सा की सहयोगात्मक गतिविधियों की समीक्षा की जाए, तो स्पष्ट है कि इसके तीन सदस्यों के बीच सहयोग का, जो क्रम चला है वह त्रिपक्षीय न होकर पूर्व की भाँति द्विपक्षीय ही बना हुआ है. इससे इब्सा की सार्थकता पर प्रश्नचिह्न लग रहा है. त्रिपक्षीय संगठन से त्रिपक्षीय सहयोग का लक्ष्य पूरा नहीं हो सका है.
2. इसी तरह जहाँ तक दक्षिण-दक्षिण सहयोग को आगे बढ़ाने का प्रश्न है, इब्सा की योजनाओं में निरन्तरता का अभाव है. दक्षिण-दक्षिण सहयोग का

इब्सा शिखर सम्मेलन

शिखर सम्मेलन	स्थान	देश	समय
पहला	ब्राजीलिया	ब्राजील	सितम्बर 2006
दूसरा	शवाने	दक्षिण अफ्रीका	17 अक्टूबर, 2007
तीसरा	नई दिल्ली	भारत	15 अक्टूबर, 2008
चौथा	ब्राजीलिया	ब्राजील	15 अप्रैल, 2010
पाँचवाँ	दक्षिण अफ्रीका	प्रिटोरिया	18 अक्टूबर, 2011
छठवाँ	भारत	नई दिल्ली	2019 प्रस्तावित

विचार मुख्यतः इब्सा की घोषणाओं तक सीमित होकर रह गया है. वर्तमान में इब्सा के पास दक्षिण-दक्षिण सहयोग का कोई ठोस कार्यक्रम नहीं है.

3. इब्सा की सबसे बड़ी कमजोरी यह सामने आई है कि उसके तीन सदस्यों में विभिन्न वैश्विक मामलों में मतैक्य तथा सहमति का अभाव है. इसका कारण यह है कि वैश्वीकृत युग में इन तीनों देशों के हित अलग-अलग हैं. यदि पिछले एक दशक में इन देशों की व्यापारिक गतिविधियों की समीक्षा की जाए, तो स्पष्ट होता है कि इनके आपसी व्यापारिक सम्बन्धों की तुलना में विकसित देशों के साथ इनके व्यापारिक सम्बन्ध अधिक व्यापक हैं. उदाहरण के तौर पर 2008 में दोहा चक्र के अन्तर्गत सम्पन्न हुए विश्व व्यापार संगठन के सम्मेलन में जहाँ भारत ने विकासशील व गरीब देशों के कृषि हितों को सुरक्षित करने के लिए विशेष संरक्षण उपायों को अपने प्रस्ताव में शामिल किया, वहीं ब्राजील ने अपने प्रस्ताव में इन विशेष उपायों को शामिल नहीं किया तथा उसका प्रस्ताव इस सम्बन्ध में विकसित देशों के अधिक अनुकूल थे. इस तरह के विरोधाभासी दृष्टिकोण का मूल कारण यह था कि जहाँ भारत अपने किसानों के हितों की रक्षा के लिए अपने कृषि बाजार को विदेशी आयात के लिए पूरी तरह से नहीं खोलना चाहता, वहीं ब्राजील अपने कृषि उत्पादों की पहुँच अमरीका के बाजार में पाने के लिए इस विचार से सहमत नहीं है. इसी तरह अन्य चुनौतियों, जैसे जलवायु परिवर्तन व आतंकवाद को लेकर भी इन देशों में मतभेद बना हुआ है. भारत, पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद की गम्भीर चुनौती का सामना कर रहा है, इसलिए इस सम्बन्ध में भारत का दृष्टिकोण अधिक कठोर है, जबकि इब्सा के अन्य सदस्य इस मामले में अधिक रुचि का प्रदर्शन नहीं करते हैं. इसी तरह जलवायु परिवर्तन वार्ताओं में भारत विकासशील व गरीब देशों के हितों का प्रबल हिमायती है, जबकि दक्षिण अफ्रीका का दृष्टिकोण विकसित देशों के अधिक अनुकूल है. इसके साथ ही भारत तीनों देशों में अकेला परमाणु शक्ति सम्पन्न देश है तथा क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है. ब्राजील तथा दक्षिण अफ्रीका के समक्ष इस तरह की सुरक्षा चुनौती नहीं है अतः परमाणु निःशस्त्रीकरण के मामले पर इन दोनों देशों का दृष्टिकोण भारत से भिन्न है. निष्कर्षतः इब्सा के तीनों सदस्य देशों के आपसी हितों में अन्तर के कारण उनके दृष्टिकोण में अन्तर आ गया है. इससे तीनों के बीच आपसी सहयोग का मार्ग बाधित हुआ है.

4. दक्षिण अफ्रीका अपनी स्थिति के अनुसार अफ्रीका महाद्वीप को अपने राजनीतिक व आर्थिक प्रभाव का स्वाभाविक क्षेत्र मानता है, लेकिन वर्तमान में अफ्रीका महाद्वीप में ब्राजील व भारत के साथ-साथ चीन की प्रभावी आर्थिक उपस्थिति के कारण इन देशों के बीच निवेश व व्यापार की तीव्र प्रतियोगिता चल रही है. ये सभी देश अफ्रीका में अपने-अपने प्रभाव का विस्तार कर रहे हैं. दक्षिण अफ्रीका इन देशों के प्रभाव को लेकर चिह्नित है.

5. दक्षिण-दक्षिण सहयोग को इब्सा का एक प्रमुख लक्ष्य माना गया है, लेकिन इब्सा के तीनों देशों की वर्तमान स्थिति यह है कि विकासशील देशों के साथ इनके आर्थिक सम्बन्ध अधिक मजबूत नहीं हो पाए हैं. इसका सबसे प्रमुख कारण यह है कि वैश्वीकरण के वर्तमान युग में इब्सा के तीनों सदस्यों के व्यापारिक व निवेश सम्बन्ध विकसित व धनी देशों के साथ अधिक घनिष्ठ

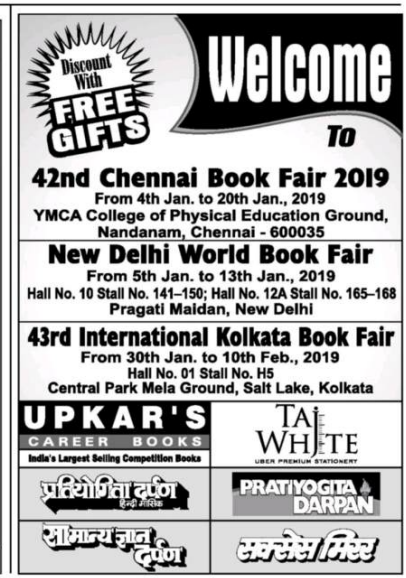

हैं. भारत, ब्राजील तथा दक्षिण अफ्रीका तीनों देशों की उदारवादी अर्थव्यवस्थाएं विश्व व्यवस्था के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ी हुई हैं, जिसमें गरीब देशों के साथ इनके व्यापारिक सम्बन्धों की अधिक गुंजाइश नहीं है. इससे दक्षिण-दक्षिण सहयोग को मजबूत बनाने का इब्सा का लक्ष्य प्रभावित हुआ है.

6. इब्सा के तीनों सदस्य देश एक अन्य आर्थिक सहयोग संगठन ब्रिक्स के भी सदस्य हैं. ब्रिक्स में इन तीनों देशों के साथ-साथ चीन तथा रूस भी शामिल हैं तथा यह एक बड़ा मंच है. इसलिए इब्सा का महत्व कम हो रहा है. इसी तरह ये तीनों सदस्य देश अन्य विकसित देशों के साथ जी-20 नामक समूह के सदस्य हैं, जिसकी नीतियाँ व कार्यक्रम विश्व व्यवस्था के विकास व प्रबन्धन को ध्यान में रखकर तैयार किए जाते हैं तथा वे इब्सा की नीतियों तथा कार्यक्रमों से भिन्न हैं.

इब्सा को पुनर्जीवित करने के प्रयास

इसमें कोई सन्देह नहीं है कि वैश्वीकरण के वर्तमान समय में विकासशील देशों के एक प्रभावी मंच के रूप में इब्सा को मजबूत किए जाने की आवश्यकता है. इसमें दक्षिण-दक्षिण सहयोग को आगे बढ़ाने के साथ-साथ विश्व स्तर पर विकासशील देशों के हितों का प्रतिनिधित्व भी हो सकेगा. इस सम्बन्ध में कतिपय प्रयास भी किए गए हैं. इन प्रयासों में 27 सितम्बर, 2018 को तीनों देशों के विदेश मंत्रियों की न्यूयॉर्क में सम्पन्न हुई बैठक का विशेष महत्व है. इस बैठक में व्यापक विचार-विमर्श के बाद, जो संयुक्त घोषणा जारी की गई, उसमें इब्सा के लिए एक नई उम्मीद दिखाई देती है. इस संयुक्त घोषणा के महत्वपूर्ण बिन्दु निम्नलिखित हैं–

1. इस घोषणा में इब्सा के आधारभूत मूल्यों, जैसे सहभागी लोकतंत्र, मानवाधिकारों का सम्मान, विधि का शासन आदि को रेखांकित किया गया तथा दक्षिण के देशों के हितों की पूर्ति में इब्सा के सामरिक महत्व को दोहराया गया. यह भी कहा गया कि विकासशील देशों के हितों का संवर्धन करने के लिए वैश्विक प्रबन्धन की वर्तमान संस्थाओं को अधिक समावेशी तथा लोकतांत्रिक बनाया जाना आवश्यक है.
2. इब्सा की त्रिपक्षीय मंत्री आयोग की अक्टूबर 2017 में डरबन में सम्पन्न आठवीं बैठक में इस प्रस्ताव को दोहराया गया कि इब्सा तीन स्तरों पर सहयोग को आगे बढ़ाएगा–तीनों देशों के मध्य सहयोग, इब्सा तथा विकासशील देशों के मध्य सहयोग तथा विभिन्न वैश्विक मंचों पर सदस्य देशों के बीच राजनीतिक सहयोग व समन्वय.
3. न्यूयॉर्क बैठक में दक्षिण-दक्षिण सहयोग पर जून 2018 में प्रिटोरिया में जारी घोषणा को महत्वपूर्ण बताया गया तथा मार्च 2019 में ब्यूनस आयर्स में संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में हो रहे दक्षिण-दक्षिण सम्मेलन के आलोक में प्रिटोरिया घोषणा की सार्थकता स्वयंसिद्ध है.
4. इब्सा के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों ने इस माँग को भी दोहराया कि विश्व व्यापार संगठन के तत्वावधान में चल रही दोहा व्यापार वार्ताओं का मूल विषय गरीब देशों का विकास है. अतः इन वार्ताओं में विकास को केन्द्र में रखा जाए तथा एक समावेशी व नियम आधारित विश्व व्यापार व्यवस्था की स्थापना का प्रयास किया जाए.
5. इसके अलावा न्यूयॉर्क सम्मेलन में मंत्रियों ने विभिन्न वैश्विक मुद्दों, जैसे जलवायु परिवर्तन तथा संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद् में सुधार आदि पर इब्सा के दृष्टिकोण को स्पष्ट किया. इसमें कहा गया कि इब्सा सुरक्षा परिषद् के विस्तार का हिमाइती है तथा जलवायु परिवर्तन समझौते में विकासशील व गरीब देशों के हितों को संरक्षित करने पर विशेष ध्यान दिया जाए.

निष्कर्ष

इस बात में कोई सन्देह नहीं है कि इब्सा का अस्तित्व विकासशील देशों के मंच के रूप में अत्यंत महत्वपूर्ण है. इब्सा दक्षिण-दक्षिण सहयोग को नया स्वरूप देने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर विकासशील देशों के हितों का संगठित प्रतिनिधित्व कर सकता है. अतः इसे मजबूत बनाने की आवश्यकता है, लेकिन इसके तीन सदस्य देशों के बीच आपसी हितों में सामंजस्य नहीं है. इसके अलावा वैश्वीकृत विश्व में इन देशों के आर्थिक हित व सम्बन्ध विकासशील देशों की तुलना में विकसित व धनी देशों के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ गए हैं. अतः इब्सा को मजबूत बनाने के लिए सबसे बड़ी बात यह है कि इन तीनों उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के बीच सामंजस्य बनाने के साथ-साथ इब्सा व विकासशील देशों के बीच विकास साझेदारी को भी सशक्त बनाया जाए तथा उसका विस्तार किया जाए. तभी इब्सा अपनी मजबूती के साथ अपनी सार्थकता सिद्ध कर सकता है.

●●●

शेष पृष्ठ 71 का

प्र. द.–अपनी दैनिक दिनचर्या के कुछ कार्यों के बारे में बताएं जो तैयारी के अनिवार्य अंग रहे.

सुश्री जया–मुख्य परीक्षा की तैयारी के दौरान दोनों वैकल्पिक विषयों एवं सामान्य अध्ययन के एक-एक प्रश्न का लिखित अभ्यास मेरे दैनिक दिनचर्या का अनिवार्य अंग रहा है.

प्र. द.–कोई सुझाव या संदेश आगामी अभ्यर्थियों को देना चाहेंगी.

सुश्री जया–असफलताओं से घबराकर रुकना नहीं है. रात चाहे कितनी भी अंधेरी, कितनी भी काली क्यों न हो सुबह अवश्य होती है. इसलिए लगातार परिश्रम करते रहें, एक दिन आएगा कि आप भी प्रतियोगिता दर्पण के लिए साक्षात्कार देंगे. मैं मुक्तिबोध की इन पंक्तियों के साथ आपकी सफलता की अपार कामना करती हूँ–"पहुँचना ही होगा दुर्गम पहाड़ों के उस पार, तभी देखने को मिलेगी नीली झील की लहरीली थाहें, जिसमें प्रतिपल काँपता रहता 'अरुण कमल' एक धँसना ही होगा. झील के हिमशीत सुनील जल में, जादुई झील को करनी ही होगी मेरी प्रतीक्षा."

प्र. द.–आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

सुश्री जया–जी, बहुत-बहुत धन्यवाद.

●●●

उपकार
नवीन संशोधित संस्करण
उत्तराखण्ड
सम्पूर्ण
अध्ययन
दुर्लभ आँकड़ों
एवं नवीन तथ्यों सहित
Code 764 ₹ 215.00
डॉ. अशोक कुमार पाण्डेय

उपकार प्रकाशन, आगरा-2
• E-mail : care@upkar.in
• Website : www.upkar.in

भारत के प्रमुख ऐतिहासिक व्यक्तित्व

शूद्रक

शूद्रक गुप्तकाल में उत्पन्न हुए थे. उनका प्रसिद्ध नाटक 'मृच्छकटिकम्' है, जिसे सामाजिक नाटकों में प्रमुख स्थान प्राप्त है. इसके दस अंकों में ब्राह्मण 'चारुदत्त' जो समय-चक्र से निर्धन है तथा उज्जयिनी की प्रसिद्ध गणिका 'वसंतसेना' के आदर्श प्रेम की कहानी वर्णित है. पात्रों के चरित्र-चित्रण में शूद्रक को विशेष सफलता मिली है. शूद्रक ने चारुदत्त के माध्यम से भारत के आदर्श नागरिक का चित्रण किया है.

मृच्छकटिकम् की शैली सरल तथा वर्णन विस्तृत है. प्राकृत भाषा की सभी शैलियों का प्रयोग इसमें एक साथ मिलता है. प्रथम बार संस्कृत में शूद्रक ने ही राज परिवार को छोड़कर समाज के मध्यम वर्ग के लोगों को अपने नाटक के पात्र बनाए. इसके कथानक तथा वातावरण में स्वाभाविकता है. इस दृष्टि से शूद्रक की नाट्य कला बड़ी प्रशंसनीय है. पाश्चात्य आलोचकों ने इसकी बड़ी सराहना की है तथा मृच्छकटिकम् को सार्वभौम आकर्षण का नाटक बताया है, जिसका सफल मंचन विश्व में कहीं भी किया जा सकता है.

महर्षि कणाद

महर्षि कणाद वैशेषिक सूत्र के निर्माता, परम्परा से प्रचलित वैशेषिक सिद्धान्तों के क्रमबद्ध संग्रहकर्ता एवं वैशेषिक दर्शन के

महर्षि कणाद

समुद्भावक माने जाते हैं. वह उलूक, काश्यप, पैलुक आदि नामों से भी प्रख्यात हैं. महर्षि के ये सभी नाम साभिप्राय और सकारण हैं.

महर्षि कणाद प्राचीन भारतीय वैज्ञानिक और दार्शनिक थे, जिन्होंने सबसे पहले परमाणु सिद्धान्त (atomic theory) दिया. उन्होंने परमाणु की गति, उसकी संरचना और रासायनिक प्रवृत्ति पर प्रकाश डाला.

कणाद के परमाणु सिद्धान्त के पीछे एक बहुत रोचक कथा है. एक बार वे जंगल में हाथ में एक फल लिए घूम रहे थे. वो धीरे-धीरे हाथ में रखे फल को नाखूनों से कुरेद-कुरेद कर फैंक रहे थे, लेकिन धीरे-धीरे फल इतना छोटा हो गया कि कणाद फिर उसको तोड़ ही नहीं पाए. बस यही बात उनके दिमाग में बैठ गई की इस फल की कोई-न-कोई एक सबसे छोटी इकाई (smallest unit) है, जिसे तोड़ा नहीं जा सकता.

इस बात पर उन्होंने बहुत चिन्तन किया और अन्त में परमाणु सिद्धान्त दिया. उन्होंने ही सबसे पहले सिद्ध किया कि परमाणु ही किसी पदार्थ की सबसे छोटी इकाई है, इसे नग्न आँखों से नहीं देखा जा सकता है और न ही इसका विभाजन किया जा सकता है. उन्होंने बताया कि ब्रह्माण्ड में मौजूद हर चीज परमाणु से ही मिलकर बनी है, बिना इसके ब्रह्माण्ड की कल्पना भी करना असम्भव है. उनके परमाणु सिद्धान्त को आज भी वैज्ञानिक गलत सिद्ध नहीं कर पाए. कणाद ने बताया कि ब्रह्माण्ड में मौजूद हर चीज 9 तत्वों से मिलकर बनी है–पृथ्वी, जल, प्रकाश, हवा, आकाश, समय, तत्व, दिमाग और आत्मा और बहुत सारे परमाणु आपस में जुड़कर पदार्थ की रचना करते हैं.

इसके बाद कणाद ने ऊष्मा (Heat) के बारे में बताया कि ऊष्मा एक प्रकार की ऊर्जा है और ऊर्जा को कभी खत्म नहीं किया जा सकता और न बनाया जा सकता है, बल्कि केवल एक स्तर से दूसरी स्तर में परिवर्तित किया जा सकता है. उन्होंने बताया कि फल ऊष्मा (Heat) की वजह से ही पकता है और पानी भी ऊष्मा से ही गरम होता है.

इसके बाद दुनिया में बहुत सारे वैज्ञानिक आए. 1938 में जेम्स चैडविक ने परमाणु सिद्धान्त पर पूरा विश्लेषण किया और परमाणु की विस्तारपूर्वक सिद्धान्त दी.

कणाद केवल एक वैज्ञानिक ही नहीं थे, बल्कि वह हमारे भारत की धरोहर हैं, जिनके ज्ञान और सिद्धान्तों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, बल्कि हमें गर्व महसूस करना चाहिए कि हमारे भारत में कणाद जैसे महर्षियों ने जन्म लिया.

सिमुक

सिमुक शातवाहन वंश का संस्थापक थे और उन्होंने लगभग 235 ई.पू. से 212 ई.पू. तक 23 वर्ष राज्य किया. पुराणों के अनुसार सिमुक ने कण्व वंश के अन्तिम राजा सुशर्मा को मार कर मगध के राजसिंहासन पर अपना अधिकार स्थापित किया था. इसमें कोई सन्देह नहीं कि सातवाहन वंश के अन्यतम राजा ने कण्व वंश का अन्त कर मगध को अपने साम्राज्य के अन्तर्गत किया था. सिमुक ने अनेक जैन और बौद्ध मन्दिरों का निर्माण किया. हाथीगुम्फा शिलालेख के अनुसार कलिंग का खारवेल सातवाहन वंश के शातकर्णी का समकालीन था और खारवेल के समय को पहली सदी ईसवी पूर्व के पश्चात् कदापि नहीं रखा जा सकता.

कण्व वंश का अन्त 28 ईसवी पूर्व में हुआ. यदि सिमुक के शासन का प्रारम्भ उस समय में हुआ, तो उसके पर्याप्त समय बाद का सातवाहन राजा शातकर्णी खारवेल का समकालीन कैसे हो सकता है. यदि शातकर्णी खारवेल का समकालीन था, तो राजा सिमुक का काल उससे पूर्व ही होना चाहिए. पौराणिक अनुश्रुति में कण्व वंश का अन्त करने वाले सातवाहन राजा का नाम देने में अवश्य ही भूल हुई है. सिमुक का शासन काल 23 वर्ष का था. 210 ई.पू. में सिमुक ने मौर्य शासनतन्त्र के विरुद्ध विद्रोह किया और प्रतिष्ठान को राजधानी बनाकर 187 ई.पू. तक स्वतन्त्र रूप से शासन किया.

जैन गाथाओं के अनुसार सिमुक ने अनेक बौद्ध और जैन मन्दिरों का निर्माण कराया था. सिमुक के बाद उसका भाई कृष्ण या कान्हा सातवाहन राज्य का स्वामी बना. सिमुक का पुत्र शातकर्णि था, जो सम्भवतः अपने पिता की मृत्यु के समय तक वयस्क नहीं हुआ था. इसी कारण सिमुक की मृत्यु के अनन्तर उसका भाई कृष्ण राजगद्दी पर बैठा. पुराणों के अनुसार उसने 18 वर्ष तक राज्य किया. कृष्ण ने भी अपने भाई के समान विजय की प्रक्रिया को जारी रखा.

इब्राहिम शाह शर्की

इब्राहिम शाह शर्की जौनपुर के शर्की वंश का सबसे योग्य शासक था. इब्राहिम शाह ने 1401 से 1440 ई. तक जौनपुर पर शासन किया. इब्राहिम शाह निपुण व कुशल शासक रहा. वह स्वयं सुसंस्कृत व्यक्ति था तथा कला एवं साहित्य को आश्रय देता था. फलस्वरूप जौनपुर मुस्लिम विद्या का एक महत्वपूर्ण केन्द्र बन गया. सुन्दर भवनों का निर्माण कर, जिन पर हिन्दू प्रभाव स्पष्ट था तथा साधारण ढंग की मीनारों से रहित मस्जिदें बनवाकर इस नगर को अलंकृत किया गया. उसे स्थापत्य कला के क्षेत्र में 'जौनपुर' व 'शर्की शैली' का जन्मदाता माना जाता है.

उन्होंने हिन्दुओं के साथ सद्भाव की नीति पर कार्य किया. फिरोजशाह ने 1393 ई.

में अटाला मस्जिद की नींव डाली थी, लेकिन 1408 ई. में इब्राहिम शाह ने पूरा किया. इब्राहिम शाह ने जामा मस्जिद एवं बड़ी मस्जिद का निर्माण प्रारम्भ कराया, इसे हुसेन शाह ने पूरा किया. 1436 ई. में इब्राहिम की मृत्यु हो गई.

रहीम

रहीम का पूरा नाम अब्दुल रहीम (अब्दुर्रहीम) खानखाना था. अब्दुर्रहीम खान-ए-खाना मुगल बादशाह अकबर के नवरत्नों में से एक हिन्दी के सुप्रसिद्ध कवि थे. रहीम का जन्म 17 दिसम्बर, 1556 को लाहौर में हुआ. रहीम के पिता का नाम बैरम खान तथा माता का नाम बेगम था. बैरम खाँ मुगल बादशाह अकबर के संरक्षक थे. रहीम जब पैदा हुए, तो बैरम खाँ की आयु 60 वर्ष हो चुकी थी. कहा जाता है कि रहीम का नामकरण अकबर ने ही किया था.

रहीम

रहीम को वीरता, राजनीति, राज्य-संचालन, दानशीलता तथा काव्य जैसे अद्भुत गुण अपने माता-पिता से विरासत में मिले थे. बचपन से ही रहीम साहित्य प्रेमी और बुद्धिमान थे.

सन् 1562 में बैरम खान की मृत्यु के बाद अकबर ने रहीम की बुद्धिमता को परखते हुए उनकी शिक्षा-दीक्षा का पूर्ण प्रबन्ध अपने जिम्मे ले लिया. अकबर रहीम से इतना प्रभावित हुए कि शहजादों को प्रदान की जाने वाली उपाधि 'मिर्जा खान' से रहीम को सम्बोधित करने लगे.

मुल्ला मुहम्मद अमीन रहीम के शिक्षक थे. इन्होंने रहीम को तुर्की, अरबी व फारसी भाषा की शिक्षा व ज्ञान दिया. इन्होंने ही रहीम को छन्द रचना, कविता, गणित, तर्क-शास्त्र तथा फारसी व्याकरण का ज्ञान भी करवाया. इसके बदाऊनी रहीम के संस्कृत के शिक्षक थे. रहीम के ग्रन्थों में रहीम दोहावली या सतसई, बरवै, मदनाष्टक, राग पंचाध्यायी, नगर शोभा, नायिका भेद, शृंगार, सोरठा, फुटकर बरवै, फुटकर छन्द तथा पद, फुटकर कवितव, सवैये, संस्कृत काव्य प्रसिद्ध हैं.

रहीम ने तुर्की भाषा में लिखी बाबर की आत्मकथा 'तुजके बाबरी' का फारसी में अनुवाद किया. 'मआसिरे रहीमी' और 'आइने अकबरी' में इन्होंने 'खानखाना' व रहीम नाम से कविता की है. रहीम का व्यक्तित्व बहुत प्रभावशाली था. वे मुसलमान होकर भी कृष्ण भक्त थे. रहीम ने अपने काव्य में रामायण, महाभारत, पुराण तथा गीता जैसे ग्रन्थों के कथानकों को लिया है.

आपने स्वयं को 'रहिमन' कहकर भी सम्बोधित किया है. इनके काव्य में नीति, भक्ति, प्रेम और शृंगार का सुन्दर समावेश मिलता है.

रहीम ने अपने अनुभवों को जिस सरल शैली में अभिव्यक्त किया है, वह वास्तव में अद्भुत है. आपकी कविताओं, छन्दों, दोहों में पूर्वी अवध, ब्रज भाषा तथा खड़ी बोली का प्रयोग किया गया है. रहीम ने तद्भव शब्दों का अधिक प्रयोग किया है. 1626 ई. में 70 वर्ष की अवस्था में इनकी मृत्यु हो गई.

अशफाकुल्ला खाँ

अशफाकुल्ला खाँ का जन्म 22 अक्टूबर, 1900 को शाहजहाँपुर में हुआ था. उनके पिता का नाम शफीकुल्ला खाँ था, जो एक सैन्य परिवार से थे. उनकी माँ मजहरुननिशां बेगम एक काफी धार्मिक महिला थीं, जो एक शिक्षित परिवार से आती थीं. उनके ननिहाल के कई रिश्तेदार ब्रिटिश भारत में उच्च पदों पर थे.

अशफाकुल्ला खाँ

अशफाकुल्ला चार भाइयों में सबसे छोटे थे. उनका बड़ा भाई रियासतुल्ला खान और राम प्रसाद बिस्मिल सहपाठी थे. एक षड्यन्त्र के आरोप में राम प्रसाद बिस्मिल को भगोड़ा घोषित कर दिया गया था. उसी दौरान रियासतुल्ला खाँ अपने भाई को बिस्मिल के काम और शायरी के बारे में बताते थे. अपने भाई से बिस्मिल की काफी तारीफ सुनकर उनकी बिस्मिल से मिलने की तीव्र इच्छा हुई. आगे चलकर उनके बीच गहरी दोस्ती हो गई. 1920 में जब बिस्मिल शाहजहाँपुर आए, तो अशफाक ने मिलने की कोशिश की, लेकिन बिस्मिल ने उस समय ध्यान नहीं दिया था. दोनों के बीच 1922 में असहयोग आन्दोलन के समय काफी घनिष्ठ सम्बन्ध बने. चौरी चौरा काण्ड के बाद जब महात्मा गांधी ने असहयोग आन्दोलन वापस लिया, तो देश के बहुत से युवा को लगा कि उनके साथ धोखा हुआ है. उन युवाओं में अशफाक भी शामिल थे.

असहयोग आन्दोलन को वापस लेने के बाद युवाओं में रोष था. वे हथियार के बल पर आजादी लेना चाहते थे. हथियार, बम आदि के लिए बड़ी मात्रा में पैसा चाहिए था. पैसा कहाँ से आएगा, इसकी योजना राम प्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में बनाई गई. एक दिन बिस्मिल शाहजहाँपुर से लखनऊ ट्रेन से जा रहे थे. उन्होंने देखा कि हर स्टेशन मास्टर पैसे का थैला गार्ड को लाकर देता था और गार्ड ने कैश लखनऊ जंक्शन पर स्टेशन अधीक्षक को थमा दिया. वहीं से बिस्मिल के दिमाग में गार्ड से पैसा लूटने का विचार आया. उन लोगों ने 9 अगस्त, 1925 को योजना को अमलीजामा पहनाया. जब ट्रेन काकोरी में पहुँची, तो रुकवाकर गार्ड और यात्रियों को कब्जे में ले लिया. इसके बाद वे नकदी लेकर फरार हो गए.

इस घटना की जाँच के लिए ब्रिटिश वायसराय ने स्कॉटलैण्ड यार्ड की सेवा ली. एक महीने की जाँच के अन्दर ब्रिटिश सरकार ने रातोंरात सभी क्रान्तिकारियों को गिरफ्तार कर लिया. 26 सितम्बर, 1925 की सुबह में शाहजहाँपुर से बिस्मिल और अन्यों को गिरफ्तार किया गया. अशफाक किसी तरह फरार होने में कामयाब हो गए. वह वहाँ से बिहार चले गए, जहाँ एक इंजीनियरिंग कम्पनी में 10 महीने तक काम किया. अशफाक देश को आजाद कराने के लिए विदेश जाकर लाला हरदयाल से मिलना चाहते थे. वह दिल्ली पहुँचे और पता किया कि भारत से कैसे निकलना है, लेकिन उनके पठान दोस्त ने गद्दारी कर दी और पुलिस को उनके बारे में सूचना दे दी. उनको गिरफ्तार करके फैजाबाद जेल में हिरासत में रखा गया और उनके खिलाफ मामला दर्ज किया. उनके भाई रियासतुल्ला खाँ ने उस समय के नामी वकील कृपा शंकर हाजेला की मदद ली, लेकिन अशफाक को बचा नहीं सके. अशफाक समेत चार क्रान्तिकारियों को फाँसी की सजा सुनाई गई. 19 दिसम्बर, 1927 को उनको फाँसी की सजा दे दी गई. जब 19 दिसम्बर, 1927 को अशफाकुल्ला को फाँसी दी गई, वह पहले मुस्लिम थे, जिनको षड्यन्त्र के मामले में फाँसी दी गई थी. राष्ट्र के नाम अपने आखिरी सन्देश में उन्होंने लिखा, "मुझे गर्व महसूस होता है कि अपने देश की आजादी के लिए फाँसी के तख्ते पर झूलने वाला मैं पहला मुस्लिम हूँ."

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस

सुभाष चन्द्र बोस देश के ऐसे महानायकों में से एक हैं, जिन्होंने आजादी की लड़ाई के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया. उनके संघर्षों और देश सेवा के जज्बे के कारण ही महात्मा गांधी ने उन्हें देशभक्तों का देशभक्त कहा था. सुभाष चन्द्र बोस का जन्म 23 जनवरी, 1897 को ओडिशा के कटक शहर में हुआ था. उनके पिता का नाम जानकीनाथ बोस और माँ का नाम प्रभावती था. जानकीनाथ कटक के मशहूर वकील थे. कटक में प्राथमिक शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने रेवेनशा कॉलिजियेट स्कूल में दाखिला लिया.

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस

जिसके बाद उन्होंने कलकत्ता यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की. 1919 में बीए की परीक्षा उन्होंने प्रथम श्रेणी से पास की, यूनिवर्सिटी में उन्हें दूसरा स्थान मिला था.

उनके पिता की इच्छा थी कि सुभाष आईसीएस बनें. उन्होंने अपने पिता की यह इच्छा पूरी की. 1920 की आईसीएस परीक्षा में उन्होंने चौथा स्थान पाया मगर सुभाष का मन अंग्रेजों के अधीन काम करने का नहीं था. 22 अप्रैल, 1921 को उन्होंने इस पद से त्यागपत्र दे दिया.

सुभाष चन्द्र बोस की पहली मुलाकात गांधीजी से 20 जुलाई, 1921 को हुई थी. गांधीजी की सलाह पर वे भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के लिए काम करने लगे. वे जब कलकत्ता महापालिका के प्रमुख अधिकारी बने, तो उन्होंने कलकत्ता के रास्तों का अंग्रेजी नाम हटाकर भारतीय नाम पर कर दिया. भगत सिंह को फाँसी की सजा से रिहा कराने के लिए वे जेल से प्रयास कर रहे थे. उनकी रिहाई के लिए उन्होंने गांधीजी से बात की और कहा कि रिहाई के मुद्दे पर किया गया समझौता वे अंग्रेजों से तोड़ दें. इस समझौते के तहत् जेल से भारतीय कैदियों के लिए रिहाई माँगी गई थी. गांधीजी ब्रिटिश सरकार को दिया गया वचन तोड़ने के लिए राजी नहीं हुए, जिसके बाद भगत सिंह को फाँसी दे दी गई. इस घटना के बाद वे गांधी और कांग्रेस के काम करने के तरीके से बहुत नाराज हो गए थे. अपने सार्वजनिक जीवन में सुभाष को कुल 11 बार कारावास की सजा दी गई थी. सबसे पहले उन्हें 16 जुलाई, 1921 को छह महीने का कारावास दिया गया था. 1941 में एक मुकदमे के सिलसिले में उन्हें कलकत्ता की अदालत में पेश होना था, तभी वे अपना घर छोड़कर चले गए और जर्मनी पहुँच गए. जर्मनी में उन्होंने हिटलर से मुलाकात की. अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध के लिए उन्होंने आजाद हिन्द फौज का गठन किया और कहा 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा' का नारा भी दिया. 1934 ई. में सुभाष अपना इलाज कराने के लिए ऑस्ट्रिया गए थे. उस समय उन्हें अपनी पुस्तक टाइप कराने के लिए एक टाइपिस्ट की जरूरत थी. उन्हें एमिली शेंकल नाम की एक महिला टाइपिस्ट मिली. 1942 में सुभाष ने इस टाइपिस्ट से शादी कर ली.

18 अगस्त, 1945 को हवाई जहाज से मंचूरिया जा रहे थे. इस सफर के दौरान ताइहोकू हवाई अड्डे पर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें उनकी मौत हो गई. उनकी मौत भारत के इतिहास का सबसे बड़ा रहस्य बनी हुई है. उनकी रहस्यमयी मौत पर समय-समय पर कई तरह की अटकलें सामने आती रहती हैं.

दुर्गाबाई देशमुख

दुर्गाबाई देशमुख (Durgabai Deshmukh) का जन्म 1909 ई. में आन्ध्र प्रदेश में हुआ था. 10 वर्ष की आयु में दुर्गाबाई ने काकीनाद में महिलाओं के लिए हिन्दी पाठशाला की स्थापना की. अपनी माँ सहित 500 से अधिक महिलाओं को हिन्दी पढ़ाने के साथ-साथ उन्हें स्वयं सेविका के रूप में तैयार करने का महत्वपूर्ण कार्य किया. महात्मा गांधी ने कस्तूरबा गांधी और सी.एफ. एंड्रूज के साथ जब दुर्गाबाई की इस पाठशाला का निरीक्षण किया, तब दुर्गाबाई की आयु केवल 12 वर्ष थी. इसी समय दुर्गाबाई महात्मा गांधी के सम्पर्क में आईं. उन्होंने गांधीजी के सामने ही विदेशी कपड़ों की होली जलाई. अपने कीमती आभूषण उनको दान में दे दिए तथा स्वयं को एक समर्पित स्वयं सेविका के रूप में समर्पित कर दिया. बीस वर्ष की आयु में तो दुर्गाबाई के तूफानी दौरों और धुँआधार भाषणों की धूम मच गई थी. उनकी अद्भुत संगठन क्षमता एवं भाषण देने की कला को देखकर लोग चकित रह जाते थे. उनके साहसपूर्ण दृढ़ व्यक्तित्व को देखकर लोग उन्हें 'जॉन ऑफ ओर्क' के नाम से पुकारते थे. इस प्रकार वे दक्षिण के घर-घर से निकलकर पूरे देश में विख्यात हो गईं थीं.

दुर्गाबाई देशमुख

दुर्गाबाई 1946 में लोक सभा और संविधान परिषद् की सदस्य चुनी गईं. उन्होंने अनेक समितियों में महत्वपूर्ण योग दिया. 1952 में दुर्गाबाई ने सी.डी. देशमुख के साथ विवाह कर लिया. वे अनेक समाजसेवी और महिलाओं के उत्थान से सम्बन्धित संस्थाओं की सदस्य रहीं. योजना आयोग के प्रकाशन 'भारत में समाज सेवा का विश्वकोश' उन्हीं की देखरेख में निकला. 1953 में दुर्गाबाई देशमुख ने केन्द्रीय 'सोशल वेलफेयर बोर्ड' की स्थापना की और उसकी अध्यक्ष चुनी गईं. वे जीवनभर समाज सेवा के कार्यों से जुड़ी रहीं.

9 अप्रैल, 1981 ई. को दुर्गाबाई देशमुख का देहान्त हो गया. ●●●

नवीन सूचना

दिनांक 1.1.2019 को कर्मचारी चयन आयोग नया 'लोगो' (Logo) अंगीकार करेगा. आयोग द्वारा अंगीकार किए जाने वाले नवीन 'लोगो' की प्रतिलिपि नीचे दी हुई है. नए 'लोगो' को अंगीकार करने के साथ ही, पुराना 'लोगो' दिनांक 1.1.2019 से निरस्त हो जाएगा.

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा वर्ष 2019 में आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं का अर्द्धवार्षिक (माह जनवरी 2019 से माह जून 2019 तक) कैलेण्डर निम्नवत् है–

क्र.	परीक्षा का नाम	परीक्षा तिथि
1.	उ. प्र. न्यायिक सेवा सिविल जज (जू. डि.) (मुख्य) परीक्षा, 2018	30, 31 जनवरी व 1 फरवरी, 2019
2.	समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी आदि (मुख्य) परीक्षा, 2017	17, 18 व 20 फरवरी, 2019
3.	सहायक कुल सचिव परीक्षा, 2018	5 व 6 मार्च, 2019
4.	डेंटल सर्जन (स्क्रीनिंग) परीक्षा, 2018	17 मार्च, 2019
5.	प्रोग्रामर, प्रोग्रामर श्रेणी–I/प्रोग्रामर श्रेणी–II/कम्प्यूटर ऑपरेटर, ग्रेड–'बी' परीक्षा, 2019 के अन्तर्गत कम्प्यूटर ऑपरेटर, ग्रेड-'बी' परीक्षा	30 मार्च, 2019
6.	प्रोग्रामर, प्रोग्रामर श्रेणी–I/प्रोग्रामर श्रेणी–II/कम्प्यूटर ऑपरेटर, ग्रेड-'बी' परीक्षा, 2019 के अन्तर्गत प्रोग्रामर, प्रोग्रामर श्रेणी–I परीक्षा	28 अप्रैल, 2019
7.	प्रवक्ता राजकीय डिग्री कॉलेज (स्क्रीनिंग), परीक्षा–2017	19 मई, 2019
8.	अपर निजी सचिव (उ. प्र. सचिवालय) तृतीय चरण (कम्प्यूटर ज्ञान) परीक्षा–2013	26 मई, 2019
9.	सहायक अभियोजन अधिकारी (प्रारम्भिक) परीक्षा, 2018	9 जून, 2019
10.	सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (सामान्य चयन/ दिव्यांगजन-बैकलॉग/विशेष चयन) (मुख्य) परीक्षा-2018	17 जून, 2019 से
	विशेष परिस्थितियों में तिथियों में परिवर्तन किया जा सकता है.	

वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं

आन्तरिक सुरक्षा/सुरक्षा

इन्द्र-2018 अभ्यास

भारत एवं रूस की सेनाओं का संयुक्त अभ्यास 'इन्द्र-2018' 28 नवम्बर, 2018 को उत्तर प्रदेश के झांसी स्थित बबीना फील्ड फायरिंग रेंज में सम्पन्न हुआ. 11 दिनों तक चला यह युद्धाभ्यास 18 नवम्बर, 2018 को शुरू हुआ था. इस अभ्यास में रूसी संघ की पाँचवीं बटालियन और भारत की इंफैंट्री बटालियन ने हिस्सा लिया. इस दौरान दोनों देशों की दक्ष सेनाएँ रणकौशल, अनुभव और तकनीक साझा की.

सैन्य अभ्यास संयुक्त राष्ट्र तत्वावधान में दोनों देशों की फौजों की क्षमता बढ़ाना है, ताकि शान्ति स्थापना और संयुक्त रणनीतिक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ सके. सैन्य अभ्यास का विषय दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण समकालीन सैन्य एवं सुरक्षा मुद्दे हैं. आतंकवाद (काउण्टर टेररिज्म) और घुसपैठियों पर अंकुश (काउण्टर इंसरजेंसी) पर भी विशेष फोकस रहा.

एस-400

भारत ने रूस से एस 400 डिफेन्स मिसाइल का सौदा कर लिया है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं राष्ट्रपति पुतिन ने इस सौदे पर हस्ताक्षर भी कर दिए हैं. साल 2020 तक रूस इस मिसाइल प्रोजेक्ट को पूरा कर पाँच एस मिसाइल भारत को सौंपेगा.

इस मिसाइल सिस्टम का पूरा नाम S-400 ट्रायम्फ है, जिसे नाटो देशों में SA-21 ग्रोलर के नाम से पुकारा जाता है. यह लम्बी दूरी का जमीन से हवा में मार करने वाला मिसाइल सिस्टम है, जिसे रूस ने बनाया है. S-400 का सबसे पहले साल 2007 में उपयोग हुआ था, जोकि S-300 का अपडटेड वर्जन है. साल 2015 से भारत-रूस में इस मिसाइल सिस्टम की डील को लेकर बात चल रही है. कई देश रूस से यह सिस्टम खरीदना चाहते हैं, क्योंकि इसे अमरीका के थाड (टर्मिनल हाई ऑल्टिट्यूड एरिया डिफेंस) सिस्टम से बेहतर माना जाता है.

M777 होवित्जर तोप

आधुनिक तोप एम-777 होवित्जर की मारक क्षमता 40 से 50 किमी तक है. अभी तक इस आधुनिक तोप का इस्तेमाल केवल अमरीका, आस्ट्रेलिया और कनाडा में हो रहा है. 52 कैलिबर की एम-777 होवित्जर तोप केवल इन तीन देशों के पास ही है. इसे हेलिकॉप्टर या प्लेन के जरिए आवश्यकतानुसार जगह पर ले जाया जा सकता है. थल सेना M777 होवित्जर की सात रेजिमेंट बनाने जा रही है. इस समय 52 कैलिबर की M777 तोप का इस्तेमाल अमरीका, कनाडा, आस्ट्रेलिया कर रहे हैं और अब भारत की सेना भी करेगी. सेना को इन तोपों की आपूर्ति अगस्त 2019 से शुरू हो जाएगी और यह पूरी प्रक्रिया 24 महीने में पूरी होगी. प्रथम रेजिमेंट अक्टूबर 2019 तक पूरी होगी.

कला एवं संस्कृति

झुमैलो नृत्य

झुमैलो नृत्य नारी हृदय की वेदना और उसके प्रेम को अभिव्यक्त करता है. तात्कालिक प्रसंगों पर आधारित गढ़वाल क्षेत्र का यह गायन नृत्य झूम-झूम कर नवविवाहित कन्याओं द्वारा किया जाता है. झुमैला सामूहिक नृत्य है, जो बिना वाद्ययन्त्रों के दीपावली और कार्तिक के महीने में रात भर गाया जाता है. झुमैलो शब्द का अर्थ 'झूम लो' से सम्बन्धित है. इस नृत्य में नारी अपनी पीड़ा को भूल सकारात्मक सोच के साथ लोक गीतों और संगीतमयी ताल संग नृत्य करती है. झुमैलो तालबद्ध लोक नृत्य, शृंगार और वियोग का अद्भुत संगम है. उत्तराखण्ड के गढ़वाल और कुँमाऊ दोनों ही क्षेत्रों में यह लोक नृत्य बहुत प्रसिद्ध है. गीत की पंक्तियों के अन्त में झुमैलो की आवृत्ति और नृत्य में झूमने की भावना या गति का समावेश होने के कारण इसे झुमैलो कहा गया है.

तिरुमाला ब्रह्मोत्सव

तिरुमाला ब्रह्मोत्सवम् आन्ध्र प्रदेश का सबसे महत्वपूर्ण त्यौहार है, जो 9 दिनों तक तिरुमाला वेंकटेश्वर मन्दिर में भव्य रूप से मनाया जाता है. आन्ध्र प्रदेश के तिरुमाला वेंकटेश्वर मन्दिर में तिरुपति तिरुमाला ब्रह्मोत्सवम् त्यौहार प्रत्येक वर्ष सितम्बर-अक्टूबर माह में बहुत ही उत्साह के साथ मनाया जाता है. पौराणिक कथाओं के अनुसार इस पर्व का मूल स्रोत भगवान ब्रह्मा से है. इस महोत्सव के पहले दिन ध्वजा स्तम्भ पर गरुड़ ध्वज फहराया जाता है, जोकि यह दर्शाता है कि गरुड़, देवलोक जाता है और सभी देवताओं को इस उत्सव में सम्मिलित होने के लिए आमन्त्रित करता है. हर दिन सभी देवताओं की विभिन्न वाहनों जिसे मदविएडुलू कहते हैं, में विराजमान करके मन्दिर के चारों तरफ परिक्रमा कराई जाती है और संध्या के समय पूजा और आरती की जाती है. इस त्यौहार के दौरान यह माना जाता है कि शक्तिशाली सांप स्वयं को भगवान के वाहन के रूप में बदल देते हैं. इस त्यौहार को मनाने का मुख्य कारण यह है कि ईश्वर को जीवन प्रदान करने के लिए प्रार्थना करें, जो उच्च मूल्यों और नैतिकता से भरा हुआ हो.

मधुबनी चित्रकारी

मधुबनी चित्रकारी, जिसे मिथिला की कला (क्योंकि यह बिहार के मिथिला प्रदेश में पनपी थी) भी कहा जाता है, की विशेषता चटकीले और विषम रंगों से भरे गए रेखा-चित्र अथवा आकृतियाँ हैं. इस तरह की चित्रकारी पारम्परिक रूप से इस प्रदेश की महिलाएँ ही करती आ रही हैं, लेकिन आज इसकी बढ़ती हुई माँग को पूरा करने के लिए पुरुष भी इस कला से जुड़ गए हैं. ये चित्र अपने आदि रूप और चटकीले और मटियाले रंगों के प्रयोग के कारण लोकप्रिय हैं. इस चित्रकारी में शिल्पकारों द्वारा तैयार किए गए खनिज रंजकों का प्रयोग किया जाता है. यह कार्य ताजी पुताई की गई अथवा कच्ची मिट्टी पर किया जाता है. वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए चित्रकारी का यह कार्य अब कागज, कपड़े, कैनवास आदि पर किया जा रहा है. काला रंग काजल और गोबर के मिश्रण से तैयार किया जाता हैं, पीला रंग हल्दी अथवा पराग अथवा नींबू और बरगद की पत्तियों के दूध से; लाल रंग कुसुम के फूल के रस अथवा लाल चंदन की लकड़ी से; हरा रंग कठबेल (वुडसैल) वृक्ष की पत्तियों से, सफेद रंग चावल के चूर्ण से; संतरी रंग पलाश के फूलों से तैयार किया जाता है. रंगों का प्रयोग सपाट रूप से किया जाता है, जिन्हें न तो रंगत (शेड) दी जाती है और न ही कोई स्थान खाली छोड़ा जाता है.

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अवधारणाएं

बायोइलेक्ट्रॉनिक मेडीसिन

अमरीका के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा उपकरण विकसित किया है, जो शरीर के क्षतिग्रस्त अंग की चिकित्सा की मदद करने के अलावा उसके पुनर्निर्माण में भी मदद करेगा. खास बात यह है कि यन्त्र अपना कार्य करने के बाद शरीर में ही नष्ट भी हो जाएगा. इस तकनीक को बायो-इलेक्ट्रॉनिक मेडीसिन नाम दिया गया है. यदि यह तकनीक उपयोगी रही, तो इससे विभिन्न रोगों के

उपचार का एक नया दरवाजा खुल जाएगा. यन्त्र को नॉर्थवेस्टर्न विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और वाशिंगटन विश्वविद्यालय के न्यूरोसर्जनों ने बनाया है. प्रयोग के दौरान इस डिवाइस के जरिए चूहों में सर्जरी के बाद चोटिल नसों को नियमित रूप से विद्युत् तरंगें पहुँचाई गईं. इससे उनके पाँवों की नसों के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया तेज हुई. यन्त्र का आकार सिक्के के बराबर है और यह सामान्य कागज जितना पतला है. यन्त्र दो हफ्तों तक काम करेगा और इसके बाद ही शरीर में घुल जाएगा. वैज्ञानिकों का कहना है कि एक दिन यह तकनीक मनुष्य की विभिन्न बीमारियों के इलाज में नई क्रान्ति लाएगी. बायो-इलेक्ट्रॉनिक मेडीसिन यन्त्र शरीर के उन्हीं हिस्सों में इलाज करेगी, जहाँ उसकी जरूरत होगी. इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे शरीर में किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं होगा. नॉर्थ वेस्टर्न विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक और इस अध्ययन से जुड़े जॉन रोजर्स का कहना है कि इस तरह के उपचार से हम दवाओं और रसायनशास्त्र के अलावा दूसरे विकल्पों के बारे में भी सोच विचार कर सकते हैं.

3D प्रिंटेड स्मार्ट जेल

वैज्ञानिकों ने एक ऐसा 3D प्रिंटेड स्मार्ट जेल तैयार किया है, जो पानी के भीतर चल सकता है, चीजों को पकड़कर उन्हें एक से दूसरे स्थान पर भी ले जा सकता है. इस जेल से आगे ऐसे रोबोट का विकास किया जा सकता है, जो ऑक्टोपस जैसे समुद्री जीवों की नकल कर सकते हैं. इस तकनीक से कृत्रिम हृदय, पेट और दूसरी मांसपेशियों का विकास किया जा सकता है और साथ ही बीमारियों का पता लगाने, उनका उपचार करने एवं पानी के भीतर दवा पहुँचाने आदि के लिए उपकरणों का भी निर्माण किया जा सकता है.

स्मार्ट जेल जैसी नरम चीजें लचीली होती हैं और कठोर चीजों की तुलना में उनसे कुछ बनाना सस्ता पड़ता है. नरम चीजों से बनाए जाने वाले उपकरण आमतौर पर डिजाइन करने के लिहाज से आसान होते हैं. 3D प्रिंटेड स्मार्ट जेल में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के लिहाज से काफी सम्भावनाएँ हैं, क्योंकि वे मानव शरीर के ऊतकों जैसे होते हैं, जिनमें काफी पानी भी होता है और वे नरम होते हैं. यह अध्ययन एसीएस अप्लाइड मेटेरियल्स एण्ड इंटरफेसेज पत्रिका में प्रकाशित किया गया है.

सुपर अर्थ

वैज्ञानिकों को 'सुपर अर्थ' ढूँढने में कामयाबी मिली है. यह 'सुपर अर्थ' सूर्य के सबसे नजदीक कक्षा में स्थित है. वैज्ञानिकों का मानना है कि यह खोज बड़ी सफलता है और इससे पृथ्वी के सबसे करीब ग्रहों के बारे में और जानकारी मिल सकती है. बर्फ की शक्ल में यह 'सुपर अर्थ' पृथ्वी से छह प्रकाश वर्ष की दूरी पर है. समझा जाता है कि खगोलविद् सौरमण्डल से परे इस दुनिया के बारे में नई जानकारियाँ एकत्रित कर सकेंगे.

नेशनल जियोग्रेफिक वेबसाइट के मुताबिक इस नए ग्रह के बारे में जानकारी पत्रिका नेचर में प्रकाशित हुई है. खगोलविदों ने छह प्रकाश वर्ष दूर इस बरनार्ड स्टार के बारे में अध्ययन किया है. उन्होंने इस ग्रह पर 'जमे हुए और एक धुँधली दुनिया' की मौजूदगी के बारे में इशारा किया है. यह ग्रह पृथ्वी से 3·2 गुना वजनी है. इस ग्रह को अब तक बरनार्ड स्टार के रूप में जाना जाता है. रिपोर्ट के मुताबिक हमारे सौर-मण्डल के बाहर पृथ्वी के नजदीक यह दूसरा ग्रह है. इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस स्टडीज ऑफ कैटालोनिया एवं स्पेन के इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस साइंसेज से इग्नासी रिबास ने कहा, 'यह खोज महत्वपूर्ण है, क्योंकि वास्तव में यह हमारे बगल का पड़ोसी है. हम अपने पड़ोसी से मिलना पसन्द करेंगे. सूर्य से नजदीक होने के बावजूद यह ग्रह पृथ्वी की तुलना में दो प्रतिशत कम ऊर्जा प्राप्त करता है. खगोलविदों का अनुमान है कि इस ग्रह के सतह का तापमान 170 डिग्री सेल्सियस (–274 फारेनहाइट) के करीब है. ऐसे में यहाँ किसी तरह के जीवन की सम्भावना न के बराबर हो सकती है. रिबास ने कहा, 'निश्चित रूप से यह रहने योग्य क्षेत्र नहीं है. यहाँ तरल जल नहीं है और यहाँ पर यदि जल या गैस का कोई स्रोत होगा भी तो वह शायद ठोस रूप में होगा. इसीलिए हमने इसे एक जमे हुए ग्रह का नाम दिया है.'

बरनार्ड स्टार के बारे में कहा जाता है कि यह एक छोटा और बेहद ठण्डा ग्रह है और यह शायद सूर्य से दोगुना पुराना है. यही कारण है कि यह कम प्रकाश छोड़ता है, जिसकी वजह से इसे समझना थोड़ा मुश्किल हो जाता है.

पर्यावरण एवं प्रदूषण

स्पिरूलीना

सुपरफूड के नाम से मशहूर स्पिरूलीना झीलों और प्रकृति झरनों आदि में पाया जाता है. इसलिए इस जलीय वनस्पति भी कहा जाता है. गहरे नीले-हरे रंग का स्पिरूलीना में कई आश्चर्यजनक रूप से सभी खाद्य पदार्थों से ज्यादा पोषक तत्व पाए जाते हैं. संयुक्त राष्ट्र ने 1974 में ही स्पिरूलीना को धरती के लिए 'भविष्य का सर्वश्रेष्ठ आहार' घोषित कर दिया था. इस शैवाल में करीब 60 प्रतिशत प्रोटीन होता है. 80 और 90 के दशक में नासा और यूरोपियन स्पेस एजेन्सी ने अपने प्रयोगों के बाद कहा था कि लम्बे समय के अन्तरिक्ष कार्यक्रमों के दौरान अगर भोजन की समस्या से निपटना है, तो स्पिरूलीना मददगार हो सकता है, क्योंकि इसे अभियानों के दौरान भी उगाया जा सकता है. यह कई प्रकार के विटामिन्स, खनिज और पोषक तत्वों, खासतौर से प्रोटीन से भरपूर होता है. इसके अलावा इसमें पोटैशियम, कैल्सियम, सेलेनियम और जिंक भी पाया जाता है.

इस पौधे को भोजन के साथ-साथ एक डाइटरी सप्लीमेंट के रूप में भी खाया जाता है. यह टेबलेट, पाउडर और फ्लेक रूप में उपलब्ध है. मनुष्यों द्वारा सेवन करने के अलावा, इसका उपयोग मत्स्य पालन (एक्वाकल्चर), एक्वैरियम और मुर्गी उद्योगों में एक खाद्य पूरक के रूप में भी किया जाता है. यह काफी हद तक प्रोटीन और एमिनो एसिड से बना है और इसलिए शाकाहारियों के लिए फायदेमंद है.

ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान

दिल्ली में प्रदूषण के खराब स्तर को देखते हुए आपातकालीन प्रदूषण योजना शुरू की गई है. इस योजना को 'ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान' (GRAP) नाम दिया गया है.

इस एक्शन प्लान को दिल्ली में वायु को गुणवत्ता को सुधारने के लिए शुरू किया गया है. इस एक्शन प्लान के अनुसार जैसे-जैसे दिल्ली में वायु स्तर की गुणवत्ता खराब होती जाएगी, वैसे-वैसे अधिक प्रभावशाली कदम उठाए जाएंगे, यह कदम क्रमबद्ध रूप से उठाए जाएंगे. दिल्ली में वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए कूड़े को जलाने पर प्रतिबन्ध, सड़कों की मेकेनाइज्ड सफाई, अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर रोक तथा प्रदूषण की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों पर ट्रैफिक को सुचारू रूप से चलाने के लिए ट्रैफिक पुलिस को तैनात करना शामिल है.

वर्तमान में दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर 'खराब' है, इसलिए अभी मध्यम स्तर के कदम उठाए गए हैं. अगले कुछ एक दिनों में वायु प्रदूषण के स्तर में वृद्धि होने के अनुमान लगाया गया है, ऐसी स्थिति में निर्माण कार्य पर प्रतिबन्ध, पार्किंग फीस में वृद्धि तथा ओड-इवन फार्मूला को लागू किया जाएगा.

प्रदूषण स्तर के अति गम्भीर होने की स्थिति में दिल्ली में ट्रकों के प्रवेश पर रोक लगाई जाएगी तथा अतिरिक्त निर्णय लेने जैसे स्कूलों को बन्द करने जैसे फैसले लेने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा.

ग्लोबल जियोपार्क्स नेटवर्क

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (Geological Survey of India) ने 'संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के ग्लोबल जिओ पार्क नेटवर्क का दर्जा देने के लिए महाराष्ट्र का लोनार झील और कर्नाटक के सेंट मैरी द्वीप और मालपे समुद्र तट को चुना है. ग्लोबल जियो-पार्क्स नेटवर्क (जीजीएन) 1998 में स्थापित यूनेस्को गतिविधि है. यूनेस्को के अनुसार, जीजीएन में शामिल होने के लिए एक भूगर्भ के लिए आवेदन करने की आवश्यकता है.

भू-स्वास्थता के आधार पर टिकाऊ सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन की गई एक प्रबन्धन योजना है.

जिओ पार्क एक एकीकृत क्षेत्र है, जो एक स्थायी तरीके से भूगर्भीय विरासत की सुरक्षा और उपयोग को आगे बढ़ाता है और वहाँ रहने वाले लोगों के आर्थिक कल्याण को बढ़ावा देता है. जियोपार्क हमारे गतिशील ग्रह के सन्दर्भ में समाज के सामने आने वाले प्रमुख मुद्दों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए विरासत का उपयोग करते हैं. कई भूगर्भ ज्वालामुखी, भूकम्प और सुनामी सहित भूगर्भीय खतरों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देते हैं और स्थानीय समुदायों के साथ आपदा न्यूनीकरण रणनीतियों को तैयार करने में कई मदद करते हैं. जियोपार्क्स पिछले जलवायु परिवर्तनों के रिकॉर्ड प्रस्तुत करते हैं और वर्तमान जलवायु परिवर्तन के संकेतक हैं और नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करने और 'हरित पर्यटन' के सर्वोत्तम मानकों को नियोजित करने के लिए 'सर्वोत्तम अभ्यास' दृष्टिकोण का प्रदर्शन करते हैं. भौगोलिक दृष्टि से टिकाऊ और लागू पर्यटन मॉडल के रूप में भूगर्भों में पर्यटन उद्योग का प्रचार, एक स्थान के भौगोलिक चरित्र को बनाए रखने और यहाँ तक कि बढ़ाने के उद्देश्य से है.

आर्थिक एवं वित्तीय अवधारणाएं

मेगा फूड पार्क्स

मेगा फूड पार्क स्कीम का उद्देश्य किसानों, प्रसंस्करणकर्ताओं तथा खुदरा विक्रेताओं को एक साथ लाते हुए कृषि उत्पादन को बाजार से जोड़ने के लिए एक तन्त्र उपलब्ध कराना है, ताकि मूल्यवर्धन को अधिकतम, बर्बादी को न्यूनतम, किसानों की आय में वृद्धि और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित करना सुनिश्चित किया जा सके. मेगा फूड पार्क स्कीम 'क्लस्टर' दृष्टिकोण पर आधारित है और इसमें, पार्कों में सुस्थापित आपूर्ति शृंखला के साथ उपलब्ध औद्योगिक भूखण्डों में आधुनिक खाद्य प्रसंस्करण यूनिटों की स्थापना के लिए सुपरिभाषित कृषि/बागवानी जोन में अत्याधुनिक सहायक अवसंरचना के सृजन की परिकल्पना की गई है. मेगा फूड पार्क में संग्रहण केन्द्रों, प्राथमिक प्रसंस्करण केन्द्रों, केन्द्रीय प्रसंस्करण केन्द्रों, शीत शृंखला और उद्यमियों द्वारा खाद्य प्रसंस्करण यूनिटों की स्थापना हेतु 30–35 पूर्ण विकसित भूखण्डों समेत आपूर्ति शृंखला अवसंरना शामिल होती है. मेगा फूड पार्क परियोजना का कार्यान्वयन एक विशेष प्रयोजन उपाय (एसपीवी) द्वारा किया जाता है, जो संस्थाएँ अधिनियम के अन्तर्गत एक पंजीकृत कॉरपोरेट निकाय होता है. राज्य सरकार, राज्य सरकार की संस्थाओं एवं सहकारिताओं को मेगा फूड पार्क परियोजना के कार्यान्वयन हेतु अलग से एसपीवी बनाने की जरूरत नहीं होती है. स्कीम दिशा-निर्देशों की शर्तों को पूरा करने के अधीन एसपीवी को निधियाँ जारी की जाती हैं.

राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम

राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) की स्थापना वर्ष 1963 में संसद के एक अधिनियम द्वारा कृषि मंत्रालय के अन्तर्गत एक सांविधिक निगम के रूप में की गई थी.

कृषि उत्पादों, खाद्यान्नों, कुछेक अन्य अधिसूचित वस्तुओं अर्थात् उर्वरकों, कीट-नाशियों, कृषि मशीनरी, लॉक, साबुन, मिट्टी के तेल, वस्त्र, रबड़ आदि के उत्पादन, प्रसंस्करण, विपणन, भण्डारण, निर्यात तथा आयात के कार्यक्रमों का नियोजन, संवर्धन तथा वित्त पोषण करना, सहकारिताओं के माध्यम से उपभोक्ता वस्तुओं की आपूर्ति करना तथा कुक्कुट पालन, डेरी, मछली पालन, कोशकीट पालन, हथकरघा आदि जैसे आय सृजित करने वाले कार्यकलापों के अलावा लघु वनोपजों के एकत्रण, प्रसंस्करण, विपणन, भण्डारण तथा निर्यात करना. रा.स.वि.नि. अधिनियम में आगे संशोधन किया गया, जिससे विभिन्न प्रकार की सहकारिताओं को सहायता देने हेतु निगम के कार्यक्षेत्र का विस्तरण हुआ तथा इसके वित्तीय आधार का विस्तारण हुआ रा.स.वि.नि. अब ग्रामीण औद्योगिक सहकारी क्षेत्रों तथा जल संरक्षण, सिंचाई तथा लघु सिंचाई, कृषि बीमा, कृषि ऋण, ग्रामीण स्वच्छता, पशु स्वास्थ्य आदि जैसी ग्रामीण क्षेत्रों की कुछेक अधिसूचित सेवाओं हेतु परियोजनाओं का वित्तपोषण कर सकता है.

प्राथमिक तथा माध्यमिक स्तर की सहकारी समितियों का वित्तपोषण करने हेतु राज्य सरकारों को ऋण तथा अनुदान दिए जाते हैं तथा एक राज्य से बाहर व्यवसाय करने वाली राष्ट्रीय स्तर की तथा अन्य समितियों को सीधे ऋण तथा अनुदान दिए जाते हैं. निगम अब निर्धारित शर्तें पूरी करने पर अपनी सहायता की विभिन्न स्कीमों के अन्तर्गत परियोजनाओं को प्रत्यक्ष वित्तपोषण भी कर सकता है.

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग

अर्थव्यवस्था में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के सृजन और इस सन्दर्भ में 'सबको समान अवसर प्रदान' करने के लिए संसद द्वारा 13 जनवरी, 2003 को प्रतिस्पर्धा अधिनियम 2002 को लागू किया गया. 14 अक्टूबर, 2003 से केन्द्र सरकार द्वारा भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की स्थापना की गई. इसके बाद प्रतिस्पर्धा (संशोधन) अधिनियम, 2007 द्वारा इस अधिनियम में संशोधन किया गया. 20 मई, 2009, को प्रतिस्पर्धा-विरोधी समझौते और प्रमुख स्थितियों के दुरुपयोग से सम्बन्धित अधि-नियम के प्रावधानों को अधिसूचित किया गया. यह अधिनियम जम्मू-कश्मीर के अलावा सम्पूर्ण भारत में लागू होता है. एक अध्यक्ष और छह सदस्यों के साथ भरतीय प्रतिस्पर्धा आयोग पूरी तरह से कार्यात्मक है. प्रतिस्पर्धा आयोग चार प्रमुख बिन्दुओं पर ध्यान केन्द्रित करता है–प्रतिस्पर्धा विरोधी समझौते, प्रमुख स्थितियों का दुरुपयोग, संयोजन विनियमन और प्रतिस्पर्धा हिमायत. प्रतिस्पर्धा की जाँच के लिए अधिनियम व्यवहारजन्य दृष्टिकोण पर बल देता है. यह एमआरटीपी अधिनियम के दृष्टिकोण से अलग है, जिसमें संरचनात्मक दृष्टिकोण को अपनाया गया था. ●●●

शेष पृष्ठ 59 का

सत्तासीन है, लेकिन शिक्षा के मामले में प. बंगाल–एसडीजी लक्ष्य 4 सूचकांक में 22वें स्थान पर है और प्रत्यनशील राज्यों में भी सबसे निचले स्थान पर है.

- दलितों के हितों के सामाजिक उत्थान की दुहाई देने वाली मायावती उत्तर प्रदेश में चार बार मुख्यमन्त्री रहीं, एक बार सत्ता सुख भोगकर; मुसलमानों और यादवों के मसीहा मुलायम सिंह यादव/अखिलेश यादव की भी सरकारें रहीं. लेकिन उत्तर प्रदेश में शिक्षा के स्तर में सुधार नहीं हुआ. एसडीजी लक्ष्य 4 सूचकांक 2018 में उत्तर प्रदेश 20वें स्थान पर है.
- बिहार 29वें स्थान पर है, जहाँ पिछड़ों के मसीहा लालू प्रसाद यादव तथा सुशासन बाबू नीतिश कुमार सत्तासीन रहे हैं.
- यही हाल ओडिशा (25वाँ स्थान) का है, जहाँ नवीन पटनायक विगत 18 वर्षों से सत्तासीन हैं.
- देश की राजधानी दिल्ली में शिक्षा की बदहाली एसडीजी लक्ष्य 4 सूचकांक 2018 से दिखाई देती है, जहाँ केन्द्र-शासित क्षेत्रों में दिल्ली (58) नीचे से दूसरे स्थान पर है. **''दीपक तले अँधेरा''** ●●●

आर्थिक लेख

नोटबंदी के परिलक्षित होते परिणाम

✍ डॉ. नरेन्द्रपाल सिंह

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 8 नवम्बर, 2016 की रात अप्रत्याशित रूप से जब नोटबंदी का एलान किया था, तो इसे एक साहसिक कदम के तौर पर देखा गया था. सरकार ने ₹ 500 एवं ₹ 1000 के नोटों को अवधिग्राह्य मुद्रा घोषित करने के तीन बड़े मकसद बताए थे. पहला, कालेधन पर रोक लगेगी, कहा गया था कि नोटबंदी के कारण लगभग ₹ 3 लाख करोड़ मूल्य का कालाधन आएगा. इसकी वजह से नकली नोट पकड़े जाएंगे और जम्मू कश्मीर के आतंकियों तथा देश के विभिन्न हिस्सों में सक्रिय प्रतिबंधित माओवादियों की आर्थिक कमर टूट जाएगी. तीसरा, इससे डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा मिलेगा जिससे पारदर्शिता आएगी और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा. सरकार के इस निर्णय से लोगों को भारी तकलीफ उठानी पड़ी थी. उन्हें अपने ही धन के लिए घण्टों लाइन में लगना पड़ा था. नकदी पर चलने वाले रोजगार और उद्योगों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था, लेकिन इसके बावजूद आम जनता ने इस निर्णय का स्वागत ही किया. नोटों के विमुद्रीकरण को दो वर्ष का समय बीत चुका है. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2017-18 में यह स्पष्ट कर दिया है कि 8 नवम्बर, 2016 से पूर्व चलने में ₹ 500 एवं ₹ 1000 के ₹ 15·41 लाख करोड़ मूल्य के नोटों में से ₹ 15·31 लाख करोड़ मूल्य के नोट वापस बैंकों में जमा किए गए. अर्थात् सरकार का यह दावा खोखला सिद्ध हुआ कि बड़े नोटों को चलन से बाहर कर देने से काले धन का पता चलेगा. इसके विपरीत भारतीय रिजर्व बैंक को विमुद्रीकरण के बाद ₹ 2000, ₹ 500 तथा ₹ 200 के नए नोटों की छपाई पर 2016-17 में ₹ 7965 करोड़ 2017-18 (जुलाई 2017 से जून 2018 तक) ₹ 4912 करोड़ का अतिरिक्त व्यय भार आया.

नोटों के विमुद्रीकरण के भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से निम्नलिखित परिणाम परिलक्षित हुए–

विकास दर धीमी हुई

बड़े नोटों के विमुद्रीकरण का तात्कालिक तौर पर प्रतिकूल प्रभाव सकल घरेलू उत्पाद की विकास दर पर पड़ा. 2016-17 के चतुर्थ त्रैमास (Q_4) में स्थिर कीमतों पर जीडीपी की विकास दर 6·1 प्रतिशत के स्तर पर तथा 2017-18 के पहले त्रैमास (Q_1) में 5·6 प्रतिशत के स्तर पर आ गई. 2017-18 के दूसरे त्रैमास में विकास दर में सुधार हुआ और यह 6·3 प्रतिशत के स्तर पर रही. समग्र रूप से 2017-18 में जीडीपी की विकास दर 6·7 प्रतिशत के स्तर पर रही, जबकि 2016-17 में यह 7·1 प्रतिशत रही थी.

सकल घरेलू उत्पाद की त्रैमासिक विकास दरें

त्रैमास	स्थिर कीमतों पर (2011–12)	प्रचलित कीमतों पर
Q_1 (2016-17)	7·9	10·8
Q_2 (2016-17)	7·5	11·8
Q_3 (2016-17)	7·0	10·6
Q_4 (2016-17)	6·1	12·5
2016-17 (वित्तीय वर्ष)	7·1	10·8
Q_1 (2017-18)	5·6	8·3
Q_2 (2017-18)	6·3	9·5
Q_3 (2017-18)	7·0	11·0
Q_4 (2017-18)	7·7	10·9
2017-18 (वित्तीय वर्ष)	6·7	10·0

बेनामी कम्पनियों (मुखौटा कम्पनियों) की जानकारी

नोटबंदी से तीन लाख मुखौटा कम्पनियों और बहुत से बेनामी खातों के बारे में पता चला है. नोटबंदी का असर तीन लाख मुखौटा कम्पनियों पर तालाबंदी के रूप में सामने आया, जिसमें दो नम्बर का काम होता था. अर्थव्यवस्था अभी भी नोटबंदी के प्रभाव में है.

नोटबंदी के फैसले ने कालेधन के तंत्र को हिलाने का काम भी किया. वैसे तो इसके चलते अर्थव्यवस्था को कुछ झटके भी लगे, लेकिन अब दो साल बाद यह कहा जा सकता है कि नोटबंदी के वैसे असर से मुक्ति मिल गई है जिसके बारे में प्रारम्भ में अनुमान नहीं लगाया जा सका था और जिसके कारण छोटे स्तर के उद्योग व्यापार जगत् में ठहराव आया था. नोटबंदी के आलोचक कुछ भी कहें इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती है कि उस पैसे के स्रोत की पहचान हुई है जिसके बारे में सरकार को कुछ पता ही नहीं था. इसके चलते टैक्स देने वालों की संख्या के साथ डिजिटल लेनदेन भी बढ़ा और कालेधन का जरिया बनी लाखों मुखौटा कम्पनियों के खिलाफ कार्रवाई करने में भी आसानी हुई. कालेधन का बड़ा हिस्सा नकदी के रूप में नहीं, बल्कि रियल एस्टेट, सोना और शेयर बाजार में निवेश के रूप में होता है. पाँच सौ और दो हजार रुपए के उच्च सुरक्षा से लैस नए नोटों के चलन में आने से नकली नोटों में कमी आई है.

दैनिक वेतनभोगी व मजदूर वर्ग पर प्रभाव

तमाम कठिनाइयों के बाद भी आम जनता उत्साहित थी, क्योंकि उसे लग रहा था कि कालेधन वालों को सही सबक मिला. सरकार की मंशा भले ही लोगों का पैसा जब्त करने की ना रही हो, किन्तु इस बात की अनदेखी नहीं की जा सकती कि नोटबंदी ने तात्कालिक तौर पर अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डाला और सर्वाधिक प्रभाव दैनिक वेतनभोगी वर्ग एवं छोटे उद्योग धंधों पर पड़ा. नोटबंदी के दौरान चाहे छोटा कारोबारी हो या बड़ा सभी ने जिस तरह अपनी काली सफेद नकदी बैंकों में जमा कर दी उसके लिए बैंक अधिकारी ही जिम्मेदार ठहराए जाने चाहिए. सरकार इसका अनुमान ही नहीं लगा पाई कि बैंक अधिकारी इस तरह मनमानी करने में सक्षम रहेंगे.

संदिग्ध खाता धारकों की पहचान

सब नोटों के बैंकों में पहुँचने का एक परिणाम यह भी हुआ कि वह संदिग्ध खाताधारकों की पहचान करने में सरकार के लिए कारगार साबित हुआ. जिसके चलते सरकार इनके खिलाफ कार्रवाई कर रही है और जो लोग यह नहीं बता पा रहे हैं कि उनके पास इतनी नकदी कहाँ से आई वह जुर्माना चुकाने के साथ टैक्स के दायरे में आ रहे हैं. परिणामस्वरूप, टैक्स देने वालों की संख्या में अच्छी खासी वृद्धि हुई है. नोटबंदी के बाद डिजिटल लेनदेन पर भी जोर दिया गया है इसीलिए सरकार को धन के प्रवाह की निगरानी करने में आसानी हो रही है और यह निगरानी कालेधन पर रोक लगाने का काम कर रही है. आने वाले समय में अर्थव्यवस्था के एक बार फिर तेजी से बढ़ने के आसार हैं.

नोटबंदी से पहले हमारी अर्थव्यवस्था पूरी तरह नकदी पर आधारित थी. नकद लेनदेन में कालाधन रखने वाले लोगों की पहचान छिपी रहती है, जो उनके लिए कर चोरी के रास्ते खोलती है. नोटबंदी से जिन

लोगों के पास नकदी में धन जमा था उनको उसे बैंकों में जमा कराने पर मजबूर किया गया. लोगों ने जिस स्तर पर बैंकों में नकदी जमा कराई उससे 17·42 लाख संदिग्ध खाताधारकों की पहचान सामने आई है, जिनको नोटिस देने की कार्रवाई सरकार द्वारा की गई. बैंकों में भारी नकदी जमा होने से बैंकों की ऋण देने की क्षमता बढ़ी है तथा अधिकांश धनराशि को पुनः निवेश के लिए म्यूचुअल फंडों में निवेशित किया गया जिससे यह औपचारिक तंत्र का हिस्सा बन गया. नोटबंदी की एक आलोचना यह भी की गई कि तंत्र की सारी नकद धनराशि बैंकों को जमा हो गई, जबकि नकदी को जब्त करना नोटबंदी का उद्देश्य नहीं था.

अर्थव्यवस्था का डिजिटलीकरण

नोटबंदी का मुख्य उद्देश्य नकदी को औपचारिक अर्थव्यवस्था में लाकर अधिक नकदी रखने वालों से कर की वसूली करना था. देश को नकदी आधारित लेनदेन वाली अर्थव्यवस्था से डिजिटल लेनदेन वाले तंत्र में बदलने के लिए ऐसी हलचल जरूरी थी. डिजिटल भुगतान के लिए यूनीफाइड पेमेंट इंटरफेस अर्थात् यूपीआई की शुरुआत 2016 में की गई जिसमें दो मोबाइल धारकों के बीच रीयलटाइम भुगतान किया जाता है. अक्टूबर 2016 के दौरान इसमें जहाँ ₹ 0·5 अरब के लेनदेन हुए थे वह बढ़कर सितम्बर 2018 में ₹ 598 अरब हो गए हैं. इसी की तर्ज पर त्वरित भुगतान हेतु एनपीसीआई ने भीम ऐप बनाया. वर्तमान में 1·25 करोड़ से अधिक खाताधारक इसका प्रयोग कर रहे हैं. सितम्बर 2016 में भीम ऐप के जरिए जहाँ ₹ 0·02 अरब का लेनदेन हुआ था वहीं सितम्बर 2018 में बढ़कर ₹ 70·6 अरब हो गया है. जून 2017 में यूपीआई पर होने वाले सभी लेनदेनों में भीम ऐप की हिस्सेदारी लगभग 48 प्रतिशत थी. रूपे कार्ड भी पोस मशीनों से लेकर ई-कॉमर्स तक दोनों में प्रयोग हो रहा है. भारत में विकसित यूपीआई रूपे कार्ड से वीजा और मास्टर कार्ड की बाजार हिस्सेदारी सिकुड़ती जा रही है, क्योंकि देश में डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 65 प्रतिशत लेनदेन ही हो रहे हैं.

आयकरदाताओं की संख्या में वृद्धि

नोटबंदी से निजी आयकर संग्रह पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है. पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष 31 अक्टूबर तक इसमें 20·2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. साथ ही कॉर्पोरेट कर में भी 19·5 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है. नोटबंदी से दो वर्ष पूर्व प्रत्यक्ष करों में 6·6 प्रतिशत वृद्धि और अप्रत्यक्ष करों में 9 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई थी, जबकि नोटबंदी के दौरान 2016-17 तथा 2017-18 में क्रमशः 14·6 तथा 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. इसी प्रकार 2017-18 में आयकर रिटर्न का आँकड़ा 6·86 करोड़ तक पहुँच गया जिसमें विगत वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई. इस वर्ष भी अक्टूबर माह के अंत तक 5·99 करोड़ आयकर रिटर्न फाइल हो चुके हैं, जो विगत वर्ष इसी समय तक के मुकाबले 54·33 प्रतिशत अधिक हैं. इस वर्ष 86·35 लाख नए करदाता जुड़े हैं. नोटबंदी के बाद प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष दोनों करों में कटौती हुई है इसके बावजूद कर संग्रह बढ़ा है.

सामाजिक एवं आर्थिक विकास

सरकार ने इन संसाधनों का उपयोग बुनियादी ढाँचा निर्माण, सामाजिक क्षेत्र और ग्रामीण भारत को बेहतर बनाने के लिए किया है. गाँव में बिजली पहुँचाने तथा सड़क निर्माण के कार्यों में तेजी आई है. राष्ट्रीय स्वच्छता मिशन को सफलतापूर्वक चलाया गया है और उसके दायरे को 92 प्रतिशत तक पहुँचाया है, आठ लाख गरीब परिवारों को रसोई गैस के कनेक्शन दिए गए हैं, गरीबों के लिए आवासीय योजना चलाई जा रही है. दस करोड़ परिवार आयुष्मान भारत के दायरे में हैं, गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वालों को खाद्य सब्सिडी दी जा रही है, जिस पर एक लाख बासठ हजार करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं. नोटबंदी से औपचारिक होती अर्थव्यवस्था का ही परिणाम है कि तेरह करोड़ उद्यमियों को मुद्रा ऋण आसानी से प्राप्त हो रहे हैं.

नकदी प्रवाह प्रबन्धन

यदि आँकड़ों का विश्लेषण किया जाए, तो पता चलेगा कि नकदी की आपूर्ति में कमी नवम्बर 2016 से ही बनी हुई है जब देश में ₹ 1000 और ₹ 500 के पुराने नोटों को बंद किया गया था. नोटबंदी के समय जितनी मुद्रा के नोट बाजार में थे फरवरी 2018 में वे फिर से उसी स्तर पर पहुँच गए. ये नोट पर्याप्त थे या नहीं यह इस बात पर निर्भर करता है कि नोटबंदी के बाद लोगों की नकदी के प्रति प्राथमिकता किस स्तर तक कम हुई है ? हमारे पास दो सूचकांक हैं जिनमें हम यह समझ सकते हैं कि नकदी मुद्रा का भंडार क्या इतना है कि वह अर्थव्यवस्था की माँग को पूरा कर सके ? इसमें से एक सूचकांक है एटीएम से निकाला जाने वाला धन जिसे हम कुल नकदी नोटों के प्रतिशत के रूप में देखेंगे और दूसरा सूचकांक है बैंक में जमा होने वाले धन की वृद्धि दर. इनमें से पहला आँकड़ा हमें यह बताएगा कि अर्थव्यवस्था में रोजमर्रा की नकदी की माँग कितनी है? जबकि दूसरे आँकड़े से इस बात का अंदाजा मिलेगा कि लोग कहीं बैंकिंग व्यवस्था के बाहर नकदी की जमाखोरी तो नहीं कर रहे? इन दोनों ही तरह के आँकड़ों पर नोटबंदी के बाद हुई उथल-पुथल का असर पड़ा है. नोटबंदी के बाद नए नोटों को जारी करने की प्रक्रिया भले ही पूरी हो गई हो ये दोनों ही आँकड़े उस स्तर तक नहीं पहुँच सके जहाँ वे नोटबंदी से पहले तक थे. वर्ष फरवरी 2018 में एटीएम से नकदी की जो निकासी हुई उसके प्रतिशत ही अगर हम नोटबंदी से पूर्व के उसी दौर से तुलना करें, तो वह पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा थी. इसी तरह बैंक में जमा होने वाले धन की वृद्धि दर अभी भी नोटबंदी से पहले की वृद्धि दर से काफी नीची है. अप्रैल 2013 में बैंकों में जमा होने वाले धन की वृद्धि दर 12·79 प्रतिशत थी जो मार्च 2018 में आधी रहकर 6·67 प्रतिशत हो गई, जो यह बताता है कि लोग बैंकों में पैसा जमा करने की बजाय उसे अपने पास रखने में ही भलाई समझ रहे हैं. इसका मतलब यह भी हो सकता है कि अपनी आर्थिक गतिविधियों के लिए धन को करों से बचाने के लिए लोग इसे बैंकों में जमा करना नहीं चाहते. अगर लोग नोटबंदी से पहले की नकदी की प्राथमिकताओं के स्तर पर लौट गए होते, तो भी नकदी की मौजूदा आपूर्ति उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं थी.

निष्कर्ष

कालेधन की खोज के लिए नोटबंदी से नुकसान भी हुआ है, लाभ यदि किसी को हुआ है तो भ्रष्ट अधिकारियों को. बेरोजगारी से नोटबंदी का रिश्ता यह है कि कालेधन की तलाश जब युद्ध स्तर पर होने लगती है, तो निवेशक घबरा जाते हैं, ऐसा ही कुछ नोटबंदी के दौरान भी हुआ है. विगत चार वर्षों में अनेक भारतीय निवेशक देश छोड़कर चले गए हैं, क्योंकि आयकर अधिकारियों के हस्तक्षेप के कारण कारोबार करने का माहौल बहुत खराब रहा है. नोटबंदी के कारण भी कुछ छोटे कारोबारी कंगाल होने से पहले ही सब कुछ बेचकर भाग गए थे, वे नहीं गए होते तो निजी क्षेत्र में आज नई नौकरियाँ उपलब्ध होतीं. नोटबंदी के बाद पुराने नोटों के बदले भारतीय रिजर्व बैंक ने बाजार में नए नोट उतारे, मुद्रा की इस अदला-बदली की प्रक्रिया में नए नोटों की छपाई में खासा खर्च उठाया है. वर्ष 2016-17 में ₹ 7965 करोड़ व 2017-18 में ₹ 4912 करोड़ नए नोटों की छपाई पर खर्च किए गए, जोकि पिछले वर्षों के मुकाबले काफी अधिक है.

शेष पृष्ठ 130 पर

राजनीतिक लेख

भारत में केन्द्र-राज्य सम्बन्ध

✍ बहादुर सिंह रावत 'चंचल'

भारत एक संघ राज्य है और संघ राज्य में प्रभुसत्ता केन्द्र सरकार व इकाई राज्यों के मध्य विभक्त होती है. भारतीय संविधान निर्माताओं ने केन्द्र को शक्तिशाली बनाया तथा शक्तिशाली केन्द्र परिस्थितियों की देन है. अतः इसे स्वाभाविक ही समझना चाहिए. भारतीय संविधान निर्माताओं ने ऐतिहासिक परिस्थितियों, अन्य संघ राज्यों का अनुभव व विश्व की शासन व्यवस्थाओं के क्रियान्वयन को ध्यान में रखकर संविधान का निर्माण किया था. उन्होंने आवश्यकता से अधिक सतर्कता का दृष्टिकोण अपनाया और संघ सरकार को कुछ अधिक अधिकार प्रदान कर दिए. होना तो यह चाहिए था कि राष्ट्रीयता की भावना के विकास के परिणामस्वरूप संघ राज्य स्वतः ही शक्ति अर्जित कर लेता. यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया होती और इसमें सभी का योगदान होता. किसी को शिकायत का अवसर भी न रहता. राज्यों की अवांछित गतिविधियों का दमन करने के अवसर तो केन्द्र सरकार को सदैव प्राप्त हैं ही. जब तक सैन्य बल का आश्रय केन्द्र को प्राप्त है चिन्ता की कोई बात नहीं है.

भारत संघ में कुछ व्यवस्थाएं इस प्रकार की हैं जिनके प्रति सन्देह बना ही रहता है–इकहरी नागरिकता, केन्द्रीय प्रशासकीय सेवाओं के क्रियाकलाप और उन पर केन्द्र का नियन्त्रण, राज्यपाल की नियुक्ति और उसे स्वविवेक से कार्य करने का अधिकार, विधायी क्षेत्र में केन्द्र के हस्तक्षेप के अवसर, वित्तीय क्षेत्र में राज्यों की केन्द्र पर निर्भरता, कुछ विषयों में संसद को संविधान में संशोधन करने का अधिकार आदि ऐसी व्यवस्थाएं हैं, जो प्रथम दृष्टि में ही आपत्ति-जनक प्रतीत होती हैं. उचित तो यह होता कि इन सभी को विकास का अवसर मिलना चाहिए था. इसमें नेतृत्व की कसौटी भी होती और उनका मूल्यांकन भी किया जाता.

वर्तमान में तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, बिहार आदि में या तो क्षेत्रीय दलों की सरकारें हैं या केन्द्र के साथ मिली-जुली सरकारें. पश्चिम बंगाल, आन्ध्र प्रदेश व केन्द्रशासित दिल्ली में राजनीतिक खींचातानी चल रही है. वह इस व्यवस्था के दोषों को स्पष्ट करती हैं.

केन्द्र-राज्य सम्बन्धों को हम तीन वर्गों में विभाजित कर सकते हैं–

(i) विधायी सम्बन्ध,

(ii) प्रशासनिक सम्बन्ध, तथा

(iii) वित्तीय सम्बन्ध

(i) **विधायी सम्बन्ध**–विधायी विषयों को संविधान में तीन सूचियों में विभाजित किया गया है–

(अ) केन्द्र सूची

(ब) राज्य सूची, व

(स) समवर्ती सूची

- सभी महत्वपूर्ण विषय केन्द्र सूची में हैं. कुल 97 विषय इस सूची में हैं–रक्षा, वैदेशिक मामले, युद्ध व संधि, संचार व्यवस्था, मुद्रा निर्माण, बैंक, बीमा, खानें व खनिज आदि. इन विषयों से केन्द्र शक्तिशाली हो जाता है. राज्य सूची में 66 विषय हैं–पुलिस, न्याय, जेल व्यवस्था, स्वास्थ्य, सार्वजनिक निर्माण, स्वशासन, कृषि व सिंचाई आदि राज्य के विषय हैं, किन्तु राज्यों को सहयोग देने व समन्वय के लिए प्रायः यह सभी विभाग स्टाफ अभिकरण के रूप में केन्द्र में भी हैं. कहने को इनका कार्य सहयोग देना है, किन्तु यह नियन्त्रण करने की स्थिति में है. वास्तविकता यह है कि अपने क्षेत्र में भी राज्य स्वतन्त्र निर्णय लेने अथवा केन्द्र की उपेक्षा करने का साहस नहीं जुटा पाते. इन विषयों पर किसी व्यवस्थापन (Legis-lation) को राज्यपाल राष्ट्रपति के विचारार्थ रोक सकता है. राज्य की प्रार्थना पर संसद कोई विधेयक प्रस्तुत कर पारित कर सकती है और उस अधिनियम को संसद ही समाप्त या संशोधित कर सकती है. इसके अतिरिक्त राज्य सभा 2/3 के बहुमत के द्वारा किसी भी विषय को, जो राज्य सूची में है, राष्ट्रीय महत्व का है, घोषित कर सकती है और संसद को उस विषय पर अधिनियम बनाने का अधिकार मिल जाता है. तात्पर्य यह है कि राज्य के अधिकार इस क्षेत्र में भी सीमित हो जाते हैं.
- तीसरी सूची है 'समवर्ती सूची'. इस सूची में 47 विषय हैं जिन पर केन्द्र व राज्य दोनों ही अधिनियम बना सकते हैं. इस क्षेत्र में एक ही विषय पर केन्द्र का अधिनियम ही मान्य होगा और राज्य का अधिनियम उस सीमा तक निरस्त हो जाएगा जिस सीमा तक वह केन्द्र के अधिनियम से असंगत होगा.
- उपर्युक्त सत्ता विभाजन से स्पष्ट है कि केन्द्र की स्थिति सुदृढ़ है. राज्य के अधिकार क्षेत्र में भी केन्द्र का हस्तक्षेप है. आपातकाल में तो केन्द्र किसी भी विषय पर अधिनियम बनाने का अधिकार स्वतः ही प्राप्त कर लेता है. विदेशी शक्तियों से हुई सन्धि के अनुरूप वह (केन्द्र) किसी भी राज्य के विषय पर अधिनियम बना सकता है. राष्ट्रपति शासनकाल में राज्य के लिए अधिनियम पारित करने का अधिकार केन्द्र को प्राप्त हो जाता है. स्पष्ट है कि राज्य के अधिकार क्षेत्र में भी केन्द्र का पक्ष सबल हो जाता है. यही नहीं, अवशिष्ट शक्तियाँ (Residuary Powers) भी केन्द्र को प्राप्त हैं. इस क्षेत्र (व्यवस्थापन) में केन्द्र सर्वोपरि हो जाता है.

(ii) **प्रशासनिक शक्तियाँ**–यद्यपि संविधान के अनुच्छेद 73 व 162 क्रमशः केन्द्र व राज्यों को उन क्षेत्रों में प्रशासनिक अधिकार देता है, जो विषय उनके व्यवस्थापन क्षेत्र में है. कुछ ऐसी व्यवस्थाएं भी हैं, जो केन्द्र को प्रशासनिक क्षेत्र में हस्तक्षेप करने का अधिकार प्रदान करती हैं. यह शक्तियाँ दो प्रकार की हैं–

(i) केन्द्रीय नियन्त्रण की विधियाँ, तथा

(ii) केन्द्र-राज्य मतभेदों के निवारण की विधियाँ.

- नियन्त्रण की विधियों में अनुच्छेद 256, 257 व 365 महत्वपूर्ण हैं. राज्य का कर्तव्य है कि वह संसद द्वारा पारित विधियों को मान्यता दे. अनुच्छेद 256 राज्यों का यह कर्तव्य है कि वह संघ की कार्यपालिका शक्ति का अनुपालन सुनिश्चित करें तथा न तो पक्षपात करे और न व्यवधान डाले.
- अनुच्छेद 257, यदि कोई राज्य केन्द्रीय विधियों का पालन नहीं कराता तो उसे राज्य के विषय में मान्यता यह होगी कि उस राज्य में संविधान के प्रावधानों के अनुसार शासन व्यवस्था नहीं चल रही है और राज्य सरकार को अपदस्थ कर राष्ट्रपति शासन लागू कर केन्द्र स्वयं शासन व प्रशासन का उत्तरदायित्व ग्रहण कर लेगा. केन्द्र राज्यों में राष्ट्रीय या सैनिक महत्व व संचार साधनों के निर्माण करने और उनके रखरखाव के लिए निर्देश दे सकता है. संसद राजपथों, बड़ी नहरों, जलापथों अथवा नौकागम्य नदियों को राष्ट्रीय महत्व का घोषित कर केन्द्रीय नियन्त्रण में लाने का अधिकार रखती है. रेलों व रेलमार्गों की सुरक्षा का उत्तरदायित्व भी

केन्द्र निर्देश देकर राज्यों को सौंप सकता है. कुछ ऐसे प्रावधान भी हैं, जिनसे केन्द्र को संसद की विधि प्रवर्तित करने के लिए राज्य के शासन तन्त्र के उपयोग करने का अधिकार मिल जाता है. इतना अवश्य है कि इन निर्देशों के पालन करने में जो अतिरिक्त व्यय भार आता है वह केन्द्र वहन करता है.

- भारतीय सेवाएं (I.A.S., I.P.S.) आदि केन्द्र व राज्य दोनों के लिए सामान्य हैं. केन्द्र नई अखिल भारतीय सेवाएं भी स्थापित करने का अधिकार रखता है. अनुच्छेद 352 के अन्तर्गत राष्ट्रपति जब आपातकाल की घोषणा करता है, तो केन्द्र का राज्यों पर पूर्ण प्रशासनिक नियन्त्रण का अधिकार प्राप्त हो जाता है. अनुच्छेद 275 के अन्तर्गत केन्द्र सरकार वित्तीय अनुदान देने के लिए कानून निर्माण कर सकती है. वित्तीय अनुदान नियन्त्रण का सबसे प्रभावी शस्त्र है.
- अनुच्छेद 261, 262 व 263 केन्द्र को राज्य विवादों के निवारण में सर्वोपरि स्थान प्रदान करता है. राज्य सभी अभिलेखों तथा न्यायिक कार्यवाहियों को मान्यता देंगे और रीति व शर्तों को केन्द्र निश्चित करेगा. राज्य दीवानी अदालतों के निर्णयों को निष्पादित करेंगे. किसी अन्तर्राज्यीय नदी, घाटी अथवा जलाशयों के प्रयोग, वितरण विवाद व फरियाद को केन्द्र सुनेगा तथा निर्णय देगा. राष्ट्रपति आवश्यकता पड़ने पर सार्वजनिक हित की दृष्टि से अन्तर्राज्यीय परिषद् की स्थापना कर सकता है, जो परामर्श देने तथा विवादों का परीक्षण कर सकेगा. अनुच्छेद 307 के अनुसार संसद एक अधिकारी की नियुक्ति करेगी तथा उसे ऐसी शक्तियाँ और कर्तव्य सौंप सकती है, जो अन्तर्राज्यीय व्यापार, वाणिज्य से सम्बन्धित प्रावधानों को क्रियान्वित करने के लिए आवश्यक है. निर्वाचन, लेखा परीक्षण, राज्यपाल की नियुक्ति आदि सभी कार्य केन्द्र को सौंपे गए हैं. वस्तुतः राज्यपाल की नियुक्ति, केन्द्रीय सेवा अधिकारियों पर नियन्त्रण, राज्यों को प्रशासनिक क्षेत्रों में निर्देश देने का अधिकार आर्थिक नियोजन के माध्यम से केन्द्र का राज्यों पर नियन्त्रण पर्याप्त मात्रा में स्थापित हो जाता है. एन.डी. पामर ने इसीलिए भारतीय संघ व्यवस्था को प्रशासकीय संघ कहा है.

(iii) **वित्तीय सम्बन्ध**–संघ व्यवस्था में वित्तीय स्रोतों का विभाजन भी होता है. भारत में केन्द्र व राज्यों के मध्य राजस्व के साधनों के विभाजन के निश्चित व आधार-भूत सिद्धान्त संविधान में हैं. वे सिद्धान्त हैं–कार्यक्षमता, पर्याप्तता तथा उपयुक्तता.

इन तीनों सिद्धान्तों का एक साथ समन्वय अत्यधिक कठिन कार्य है फिर भी वे आदर्श तो हैं ही और उनके अनुसार कार्य करना उपयोगी है.

संघ व राज्यों के बीच राजस्वों का वितरण

कर निर्धारण, शक्ति का वितरण व करों से प्राप्त आय का विभाजन नियमानुसार होता है. संघ के राजस्व स्रोत हैं–निगम कर, सीमा शुल्क, रेलें, रिजर्व बैंक, शेयर बाजार, विदेशी ऋण आदि.

राज्यों के राजस्व स्रोत हैं–प्रति व्यक्ति कर, कृषि भूमि पर कर, सम्पदा शुल्क, भूमि व भवनों पर कर, पशुओं व नौकाओं पर कर, बिजली के उपयोग तथा विक्रय पर कर, वाहनों पर चुंगी कर आदि. संघ द्वारा आरोपित तथा संगृहीत तथा विनियोजित किए जाने वाले शुल्क हैं–बिल, विनियमों, प्रोमिसरी नोटों, हुण्डियों, चेकों आदि पर मुद्रांक शुल्क. दवा तथा मादक द्रव्यों पर कर, शौक-शृंगार की वस्तुओं पर कर तथा उत्पादन शुल्क. संघ द्वारा आरोपित व संगृहीत, किन्तु राज्यों को सौंपे जाने वाले कर हैं–कृषि भूमि के अतिरिक्त अन्य सम्पत्ति के उत्तराधिकार पर कर, सम्पदा शुल्क, रेल, समुद्र व वायु द्वारा ले जाने वाले माल व यात्रियों पर सीमान्त कर, रेलभाड़ों तथा अन्य भाड़ों पर कर, शेयर बाजार तथा सट्टा बाजार के आदान-प्रदान पर मुद्रांक शुल्क के तथा वस्तु भाड़ों पर कर, समाचार-पत्रों के क्रय-विक्रय, वाणिज्य के माल के क्रय-विक्रय पर कुछ कर. कुछ कर संघ द्वारा आरोपित व संगृहीत किए जाते हैं और उनका विभाजन केन्द्र-राज्यों के मध्य होता है. आयकर, दवा तथा शौक-शृंगार सम्बन्धी चीजों के अतिरिक्त अन्य चीजों पर लगाया उत्पादन शुल्क इसी श्रेणी में आते हैं.

केन्द्र द्वारा राज्यों का अनुदान

केन्द्र राज्यों को सहायक अनुदान भी देता है. सहायक अनुदान चार प्रकार के हैं–

(i) पटशन व उससे बनी वस्तुओं के निर्यात से जो शुल्क प्राप्त होता है उसमें से कुछ भाग उन राज्यों को–बिहार, प. बंगाल, असम व ओडिशा दिया जाता है, जहाँ जूट पैदा होता है.

(ii) बाढ़, भूकम्प व सूखाग्रस्त क्षेत्रों में पीड़ितों की सहायता के लिए केन्द्रीय अनुदान दिया जाता है.

(iii) आदिम जातियों व कबीलों के उत्थान हेतु अनुदान दिया जाता है.

(iv) राज्यों को आर्थिक कठिनाइयों से उबारने के लिए भी अनुदान केन्द्र देता है.

अन्य व्यवस्थाएं

केन्द्र व राज्य संचित निधि की साख पर ऋण ले सकते हैं. केन्द्र तो विदेशों से ऋण ले सकता है, किन्तु राज्य नहीं ले सकते. यदि पिछला कर्ज बाकी है तो राज्य संघ की अनुमति से ही ऋण ले सकते हैं. केन्द्र को अन्य शर्तें लगाने का अधिकार है. राज्य संघ की सम्पत्ति पर संसद की विधि द्वारा प्रावधान कर देने के उपरान्त ही कर एकत्रित कर सकती है. भारत सरकार या रेलवे द्वारा प्रयोग में आने वाली बिजली पर संसद की अनुमति से ही कोई शुल्क लगा सकती है. संघ भी राज्य सम्पत्ति अथवा आय पर कर नहीं लगा सकती. नियन्त्रक तथा महालेखा परीक्षक जिसकी नियुक्ति राष्ट्रपति करता है, केन्द्र व राज्यों के हिसाब का लेखा रखने के ढंग और उनकी निष्पक्ष जाँच करता है. भारतीय संसद नियन्त्रक तथा महालेखा परीक्षक के माध्यम से राज्यों के आय-व्यय पर नियन्त्रण करती है. वित्तीय संकट की घोषणा राष्ट्रपति करता है. वित्तीय संकट काल की स्थिति में राज्यों की आय सीमा राज्य सूची में चर्चित करों तक ही सीमित हो जाते हैं. राष्ट्रपति इस काल में सहायता अनुदान अथवा संघीय करों में राज्यों के अंशों में कोई भी संशोधन कर सकता है. केन्द्रीय सरकार वित्तीय विषयों पर राज्यों को निर्देश दे सकती है. तात्पर्य यह है कि सभी व्यवस्थाएं केन्द्राभिमुखी हैं.

प्रो. पायली इस सन्दर्भ में विचार व्यक्त करते हैं–"वर्तमान स्थिति में राज्यों के पास सीमित साधन हैं और अपनी अधिकांश विकास योजनाओं के लिए केन्द्र पर निर्भर रहते हैं. इसीलिए राज्यों को केन्द्र का नेतृत्व स्वीकार करना पड़ता है. कभी-कभी केन्द्र के आदेशों के आगे भी झुकना पड़ता है." राज्य सदैव ऋणग्रस्त रहते हैं और वित्तीय दबाव के कारण वह सार्वजनिक हित के अनेक कार्यों को चाहते हुए भी करने में सक्षम नहीं हो पाते. केन्द्र की स्थिति सुदृढ़ होनी चाहिए, यह निर्विवाद है, किन्तु स्थिति केन्द्र के पक्ष में आवश्यकता से अधिक है केन्द्र राज्यों के मध्य वित्तीय विभाजन न्याय-संगत होना चाहिए.

प्रशासनिक सुधार आयोग ने कुछ सुझाव इस प्रकार दिए हैं–

(1) राज्यों को दी जाने वाली कुल केन्द्रीय सहायता की मात्रा निश्चित की जाए. तदुपरान्त ऋण राशि निर्धारित की जाए.

(2) राष्ट्रीय महत्व की मूलभूत परियोजनाओं पर व्यय पृथक् करके शेष राशि को राज्यों में वितरित किया जाए.

(3) यदि किसी राज्य ने किसी परियोजना को पूर्ण नहीं किया है तथा केन्द्रीय अनुदान की अधिक राशि व्यय कर दी है, तो बाद में केन्द्रीय अनुदान की मात्रा कम की जा सकती है.

(4) राज्यों में केन्द्रीय पहल (Central initiative) पर चलने वाली परियोजनाओं को उत्पादित तथा गैर-उत्पादित दो भागों में बाँटा जाए. उस विभाजन के सिद्धान्त योजना आयोग को करने चाहिए. उत्पादित परियोजनाओं के लिए ही ऋण लेने का प्रावधान किया जाए, जो व्यय वृद्धि केन्द्रीय सरकार की नीतियों के कारण होती है उस व्यय भार को केन्द्रीय सरकार को उठाना चाहिए.

- **'राजमन्नार' समिति** का मत था कि वित्त आयोग स्थायी रूप में स्थापित किया जाए. राज्यों के पक्ष में पहले से अधिक कर निर्धारित किए जाएं, जिससे राज्यों को केन्द्र पर निर्भर न रहना पड़े. राज्यों को निगम कर निर्यात कर तथा आबकारी कर (Excise duty) में भी हिस्सा मिलना चाहिए. तात्पर्य यह है कि राज्यों के वित्तीय साधनों में वृद्धि की जाए.
- नब्बे के दशक में **पश्चिम बंगाल की वामपंथी सरकार** ने माँग की थी कि कुल राजस्व आय का 75% राज्यों को दिया जाए. योजना आयोग (अब नीति आयोग) की कार्यप्रणाली में परिवर्तन किया जाए. राज्यों को कर आरोपित करने व संगृहीत करने का अधिकार दिया जाए. संविधान के अनुच्छेद 280 (क), उसकी धारा 2 व 7 को समाप्त किया जाए तथा केन्द्रीय मंत्रिमण्डल के वाणिज्य सम्बन्धी (अनुच्छेद 302 में निहित) अधिकारों को समाप्त किया जाए. अतः इस, व्यवस्था में व्यापक सुधार अपेक्षित हैं, क्योंकि केन्द्र-राज्य विवाद के मूल में वित्तीय स्थिति है. अन्य कारण भी हैं, किन्तु यह सर्वाधिक महत्व का है.
- **केन्द्र-राज्य सम्बन्धों को केन्द्रीयकरण की ओर उन्मुख करने वाले कुछ तत्व**–(1) भारत के राजनीतिक दलों का ढाँचा एकात्मक है. दल की केन्द्रीय कार्यकारिणी ही राज्यों के विषय में निर्णय लेती है. इससे स्थानीय नेतृत्व का महत्व स्वतः ही कम हो जाता है और केन्द्रीय नेतृत्व का नियन्त्रण स्थापित होता है.

(2) नियोजित विकास की प्रक्रिया भी केन्द्र को अधिक शक्तिशाली बनाने में सहायक है. इससे राज्यों की स्वायत्तता को आघात पहुँचता है. राज्य सरकारों का महत्व कम होता है.

- उपर्युक्त कारणों से केन्द्र-राज्य सम्बन्ध सुमधुर नहीं बन पाते. असन्तोष में वृद्धि होती है. राज्य सरकार मात्र स्थानीय स्वशासन की इकाई प्रतीत होने लगती है. उनकी पहल करने की क्षमता समाप्त होती जा रही है. उचित तो यही होगा कि राज्यों को यथासम्भव स्वायत्तता प्रदान की जाए. वह अपना कार्य अपने विवेक से कर सकें. ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न की जाएं, केन्द्र का निर्देशन, नियमन व नियन्त्रण का अधिकार हो, किन्तु इन अधिकारों का प्रयोग तभी किया जाए जब कोई राज्य दिशाभ्रष्ट हो जाए. जनहित की अपेक्षा वर्गीय हित में कार्य करें. राज्यों के कार्य क्षेत्र में केन्द्र का हस्तक्षेप न्यूनतम हो. राजनीतिक स्वार्थ साधने के लिए केन्द्र कोई भी कार्य न करे. राष्ट्रीय एकता, राष्ट्रीय गौरव व सार्वजनिक हित को सर्वोपरि मानकर कार्य किया जाए और वह भी पक्षपात रहित होकर. आज बहुत-सी समस्याएं इसलिए जन्म ले रही हैं, क्योंकि राष्ट्रीय हित की अपेक्षा राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं व राजनीतिक स्वार्थ ही कार्यों को प्रेरणा देता है. उचित तो यह होगा कि इस सन्दर्भ में आवश्यक परिवर्तन किए जाएं तथा स्वस्थ दृष्टि-कोण अपनाया जाए. ●●●

शेष पृष्ठ 57 का

करके जेल बनाते हैं) को नवीकरणीय प्राकृतिक पदार्थों–शैवाल, डकवीड तथा घास के साथ क्रिया कराकर खाद्य पदार्थों के आधारभूत संघटकों के प्रतिस्थापन हेतु प्रयुक्त किया जा सकता है.

नीदरलैण्ड्स ऑर्गेनाइज़ेशन फॉर एप्लाइड साइंटिफिक रिसर्च ने प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, रंगों के प्रमुख प्राकृतिक स्रोत सूक्ष्म शैवाल हेतु एक प्रिन्टिंग विधि विकसित की है, जो इन संघटकों को गाजर जैसे खाद्य पदार्थ में बदली जा सकती है. आने वाले दिनों में वर्षों तक सुरक्षित रखे जा सकने वाले खाद्य पदार्थ–जैसे कि माँस और उससे विनिर्मित उत्पाद विकसित किए जा सकेंगे.

- **क्रॉस-इण्डस्ट्री प्रौद्योगिकियों एवं अनुप्रयोगों को शामिल करना**

सटीक खेती (Precision Farming) के बढ़ते प्रयोग से कृषि क्षेत्र में उत्पादकता एवं उत्पादन में वृद्धि होगी. ऐसा माना जा रहा है कि वर्ष 2020 तक 75 मिलियन से अधिक कृषि इण्टरनेट ऑफ थिंग्स उपकरण उपयोग में होंगे. 2050 तक एक औसत कृषि फार्म प्रतिदिन 4·1 मिलियन डाटा पॉइन्ट्स सृजित करेगा. 2014 में इनकी संख्या मात्र 190000 थी. इस क्षेत्र में प्रयुक्त की जा सकने वाली नवीन प्रौद्योगिकियाँ निम्नलिखित होंगी–

- ◆ **इण्टरनेट ऑफ थिंग्स**–आँकड़ों को पकड़ने और उनका विश्लेषण करने में सक्षम मशीनें.
- ◆ **कौशल और श्रम बल का स्वचालिती-करण**
- ◆ **डाटा चालित खेती**
- ◆ **चैटबोटस (वर्चुअल सहायक)**

(i) **ड्रोन टेक्नोलॉजी**–ड्रोन टेक्नोलॉजी कृषि क्षेत्र में निम्नलिखित प्रकार से सहायक होगी–

- ➤ मृदा एवं खेत विश्लेषण
- ➤ ड्रोन आधारित पौध रोपण
- ➤ ड्रोन आधारित छिड़काव बुवाई
- ➤ फसल अनुश्रवण
- ➤ सेंसर ड्रोन यह पता लगाने में सक्षम है कि खेत के किस क्षेत्र में सिंचाई की आवश्यकता है.
- ➤ फसलों के स्वास्थ्य की जानकारी

(ii) **ब्लॉकचेन एवं कृषि वैल्यू शृंखला सृजित करना**–क्रिप्टोकरेन्सी में प्रयुक्त वितरणात्मक लेजर प्रौद्योगिकी से युक्त ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी खाद्य सुरक्षा, कृषकों को उनकी उपज का पूरा भुगतान, आपूर्ति शृंखला का अनुश्रवण, प्रदूषित खाद्य सामग्री का पता लगाने में भी प्रयुक्त की जा सकती है. इसकी सहायता से कृषि विपणन प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन आएगा.

(iii) **नैनो प्रौद्योगिकी एवं सटीक खेती**–बीसवीं शताब्दी में हरित क्रान्ति के दौरान रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपभोग को बढ़ावा दिया, जिससे मृदा की उर्वरक शक्ति स्थिर हो गई तथा कीटों और बीमारियों से फसलों को हानि भी पहुँचने लगी. आगामी क्रान्ति नैनो टेक्नोलॉजी चालित सटीक खेती (Precision Farming) पर आधारित है. इस प्रौद्योगिकी से पारम्परिक रूप से प्रयुक्त किए जा रहे रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों तथा खरपतवार नाशकों की आवश्यकता काफी बड़ी सीमा तक कम हो जाएगी.

(iv) **खाद्य सहभागिता तथा क्राउड फार्मिंग**–नवीन प्रौद्योगिकी को अपनाकर अनाज, दालों, तिलहनों, फलों, सब्जियों, मसालों, फूलों का उत्पादन करने वाले उत्पादक उपभोक्ताओं से सीधे जुड़कर उन्हें आपूर्ति कर सकेंगे.

उद्योग एवं सेवा क्षेत्रक कभी भी कृषि क्षेत्रक का विकल्प नहीं बन सकते. ये कृषि क्षेत्रक के पूरक की भूमिका मात्र निभा सकते हैं. मानव की स्वयं के शरीर से जुड़ी आवश्यकताएं अनन्त हैं, जिन्हें कृषि क्षेत्रक को नवीन स्वरूप दिए पूरा नहीं किया जा सकता. कृषि 4·0 अन्ततः इसी दिशा की ओर अग्रसर है. ●●●

समसामयिक संवैधानिक लेख

जम्मू-कश्मीर में लागू 'अनुच्छेद-35 ए' की संवैधानिक वैधता का समीक्षात्मक मूल्यांकन

✍ शंकर प्रसाद तिवारी (विनय)

बहस क्यों ?

- अगस्त-सितम्बर 2017 में 'अनुच्छेद-35 (A)' सत्ता के गलियारों से लेकर समाचार पत्रों की सुर्खियों में छाया रहा, दरअसल इस पर विवाद की शुरूआत तब हुई जब एक कश्मीरी महिला 'चारू बाली खन्ना' ने इस परिप्रेक्ष्य में संवैधानिक प्रावधान बदलने सम्बन्धी याचिका दायर की, हालांकि वह राज्य से बाहर रहती थी, मगर राज्य में उत्तराधिकार के अधिकार चाहती थी, इसी प्रकार एक स्वयंसेवी संस्था (NGO) 'वी द सिटिजन' ने भी अनुच्छेद 35 (A) को चुनौती देने वाली याचिका उच्चतम न्यायालय में दायर की तथा इसे निरस्त करने की माँग की. इससे अनुच्छेद-35 (ए) की संवैधानिक वैधता को लेकर नयी बहस छिड़ गयी.
- सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उपरोक्त याचिका स्वीकार करते हुए इस सम्बन्ध में केन्द्र सरकार तथा जम्मू-कश्मीर सरकार को अपना-अपना पक्ष रखने के लिए नोटिस जारी किया गया, अपने जबाव में जहाँ केन्द्र सरकार ने अनुच्छेद-35 (ए) पर बहस करने तथा समीक्षा करने के प्रति हामी भरी, वहीं राज्य सरकार ने इसे यथावत् बनाए रखने के प्रति अपनी सहमति जतायी.
- जम्मू-कश्मीर सरकार ने एक काउंटर याचिका दायर कर अनुच्छेद–35 A की संवैधानिक वैधता को बनाए रखने के प्रति अपने तर्क प्रस्तुत किए, वहीं दूसरी ओर केन्द्र सरकार ने अनुच्छेद–35 A की संवैधानिक वैधता पर चर्चा करने की अपील की है. केन्द्र सरकार का मानना है कि विशेष दर्जा तथा विशेषाधिकारों का पूरा लाभ सिर्फ राज्य के निवासियों द्वारा उठाया गया है, जिसने जम्मू तथा कश्मीर के लोगों में अलगाव और अलगाववादी पहचान को जन्म दिया है, राज्य सरकार के विरोध के बावजूद उच्चतम न्यायालय अनुच्छेद-35 A की संवैधानिक वैधता पर चर्चा करने के लिए तैयार हो गया है और मामले को तीन न्यायाधीशों के खंड में भेज दिया गया है, गौरतलब है कि 'अनुच्छेद-370' के तहत् जम्मू-कश्मीर को मिले विशेष राज्य के दर्जे पर पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है.

अनुच्छेद-35 ए में क्या है ?

- अनुच्छेद–35 ए मूल संविधान का हिस्सा नहीं है और न ही संविधान के अनुच्छेद-368' (संविधान का संशोधन करने की संसद की शक्ति और उसके लिए अपनायी जाने वाली प्रक्रिया] के तहत् इसे संविधान में जोड़ा गया है, बल्कि 14 मई, 1954 को तत्कालीन राष्ट्रपति 'डॉ. राजेन्द्र प्रसाद' द्वारा एक आदेश (राष्ट्रपतीय आदेश या Presidential Order) जारी करके इसे संविधान में जोड़ दिया गया था.
- वर्ष 1956 में जम्मू-कश्मीर का संविधान बना और उसमें इसी अनुच्छेद–35 A के अन्तर्गत पूर्व में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए संविधान में राज्य की 'स्थायी नागरिकता' को परिभाषित किया गया, जिसके अनुसार केवल वे ही नागरिक जो 14 मई, 1954 को राज्य का हिस्सा थे अथवा विगत् 10 सालों से राज्य में रह रहे थे और कानूनी रूप से किसी अचल सम्पत्ति के मालिक थे, जम्मू-कश्मीर राज्य के स्थायी निवासी माने जाएंगे.
- दरअसल राष्ट्रपति द्वारा जारी आदेश अनुच्छेद 370 के तहत् जारी किया गया है जो जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा प्रदान करता है, यह आदेश (अनुच्छेद-35 A) जम्मू-कश्मीर की विधानसभा को यह विशेषाधिकार देता है कि "वह यह तय कर सके कि वहाँ के 'स्थायी निवासी' कौन होंगे और उनके अधिकार एवं विशेषाधिकार क्या-क्या होंगे" इस प्रकार देखा जाए तो अनुच्छेद–370, अनुच्छेद–35A तथा जम्मू-कश्मीर का संविधान प्रत्यक्ष तथा परोक्ष दोनों रूपों में एक-दूसरे से जुड़े हैं.
- अनुच्छेद-35A तथा उसके द्वारा प्रदत्त शक्तियों के आधार पर जम्मू-कश्मीर के संविधान में न सिर्फ स्थायी नागरिकता को परिभाषित किया गया है बल्कि उनके अधिकारों एवं विशेषाधिकारों से सम्बन्धित प्रावधान भी बनाये गये हैं, मसलन केवल राज्य के स्थायी निवासियों को ही राज्य विधानसभा तथा स्थानीय निकाय के चुनावों में प्रत्याशी बनने (चुनाव लड़ने) एवं मतदान करने का अधिकार है, इसी प्रकार केवल राज्य का स्थायी नागरिक (निवासी) ही राज्य में बस सकता है. सम्पत्तियों का क्रय-विक्रय कर सकता है और सरकारी नौकरी हासिल कर सकता है (राज्य की प्रतियोगी परीक्षाओं/साक्षात्कारों/सीधी नियुक्तियों में भाग ले सकता है), राज्य से बाहर का नागरिक न तो जम्मू-कश्मीर में स्थायी रूप से बस सकता है, न सम्पत्तियों की खरीद-फरोख्त कर सकता है, न तो राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल हो सकता है और न ही राज्य में सरकारी नौकरी हासिल कर सकता है.

अनुच्छेद-35 ए से उत्पन्न विसंगतियाँ

राष्ट्रपतीय आदेश (अनुच्छेद 35 A) जहाँ एक ओर राज्य के नागरिकों के हितों के संरक्षण सम्बन्धी विशेष अधिकार प्रदान करता है वहीं दूसरी ओर इन विशेष अधिकारों के दुरुपयोग को बढ़ावा देने में भी सहायक है, सवाल यह है कि यह अनुच्छेद तात्कालिक जरूरतों के मुताबिक अवश्य बनाया गया था, मगर एक निश्चित समयावधि के बाद इसे मूल रूप में बनाए रखने का कोई औचित्य नहीं था, मगर अनुच्छेद 370 की तरह यह अनुच्छेद न सिर्फ आज भी अपने मूल रूप में जारी है बल्कि इनकी आड़ में जम्मू-कश्मीर के संविधान में राज्य तथा उसके नागरिकों के लिए कुछ ऐसे विशेष प्रावधान बनाए गए, जो कई मायनों में न सिर्फ एकतरफा व निरंकुश प्रतीत होते हैं बल्कि भारत की संघीय साम्यता या एकात्मकता को चुनौती देते हैं, राज्य विधान सभा द्वारा भी इन अनुच्छेदों एवं राज्य द्वारा बनाए गए अलग संवैधानिक प्रावधानों की आड़ में भारत की संघीय लोकतंत्रात्मक व संवैधानिक व्यवस्था के साथ खूब खेल खेला गया जिसके चलते जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद, अलगाववाद, धर्म व सम्प्रदाय, जातिवाद, भाषावाद तथा क्षेत्रवाद को फलने-फूलने में खूब मदद मिली.

- इन अनुच्छेदों के गलत उपयोग के कारण जम्मू-कश्मीर में कट्टरपंथी ताकतें हावी होती गईं, जिसके चलते हिन्दुओं, सिखों, कश्मीरी पण्डितों तथा अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को कश्मीर घाटी से पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा, यद्यपि वे राज्य के

स्थायी निवासी थे, मगर आज भी केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकार उन्हें फिर से वापस राज्य में बसाने, शांति-सुरक्षा प्रदान करने तथा उनके अधिकारों व हितों की रक्षा करने में विफल रही हैं.

- अनुच्छेद-35 ए से कई बार न सिर्फ उत्तराधिकार सम्बन्धी कई विसंगतियाँ पैदा हुई हैं, बल्कि इसे महिला हितों के भी प्रतिकूल माना जाता है, मसलन अगर किसी दंपत्ति की कोई संतान नहीं है अथवा सिर्फ लड़की/लड़कियाँ हैं और वह अपनी सम्पत्तियों को राज्य से बाहर रहने वाली अपनी ब्याहता लड़कियों अथवा रिश्तेदारों को देना चाहता है तो अनुच्छेद-370, अनुच्छेद-35 A तथा जम्मू-कश्मीर के संविधान के मुताबिक वह ऐसा नहीं कर सकता. इसी प्रकार जम्मू-कश्मीर में लम्बे समय तक 'वाणिज्य विभाग' द्वारा महिलाओं को जो "स्थायी निवास प्रमाण-पत्र" (PRC) किए जाते रहे हैं, उनमें यह उल्लिखित होता था कि उनकी यह स्थिति 'शादी होने तक' (Valid Till Marriage) ही मान्य है, जिसका अर्थ था कि अगर वे किसी बाहरी व्यक्ति अथवा राज्य में रहने वाले किसी गैर-स्थायी निवासी से शादी कर लेती हैं, तो वह अपने स्थायी निवास के सारे अधिकार खो देंगी, जबकि मूल कानून (अनुच्छेद-370, अनुच्छेद-35 A तथा राज्य संविधान में) में महिलाओं के संदर्भ में ऐसा कोई विशेष या बाध्यकारी प्रावधान नहीं है, मगर जम्मू-कश्मीर विधान सभा द्वारा उपरोक्त अनुच्छेदों में मिली स्वतंत्रता एवं विशेषाधिकार के चलते ऐसे भेदभावपूर्ण एवं एकतरफा कानून बनाये जाते रहे हैं. 24 सितम्बर, 2004 को जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को यह निर्देश दिये कि वह लड़के-लड़कियों/पुरुष-महिलाओं में इस प्रकार की कोई विभेदकारी नीति न अपनाएं, हालांकि इस निर्देश के बाद महिला सम्बन्धी स्थायी निवास वाली उक्त व्यवस्था राज्य सरकार द्वारा समाप्त कर दी गई, मगर अभी भी बाहरी या गैर स्थायी व्यक्ति से शादी करने के पश्चात् राज्य की स्थायी निवासी महिला के पति तथा बच्चों को राज्य के स्थायी निवासी सम्बन्धी अधिकार न तो दिए जा सकते हैं और न ही महिला की मृत्यु या अन्य विषम परिस्थितियों में हस्तांतरित किए जा सकते हैं.
- अनुच्छेद-35 A, 370 तथा राज्य के संविधान के प्रावधानों के चलते राज्य में रहने वाले कई गैर-स्थायी लोगों को ऐसा लगता है जैसे वे किसी अन्य देश में रह रहे हों, जबकि वे राज्य में (विशेषकर जम्मू क्षेत्र में) लम्बे समय से रह रहे हैं, राज्य का स्थायी निवासी न होने के कारण वे एक नागरिक के रूप में राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं, रियायतों, कर्तव्यों एवं अधिकारों से भी वंचित हो जाते हैं, क्योंकि वे वहाँ न तो चुनाव लड़ सकते हैं, न मतदान कर सकते हैं, न नौकरी पा सकते हैं. न राज्य की न्याय-कानूनी राजनीतिक व प्रशासनिक नीति-नियामकों के निर्धारण, क्रियान्वयन एवं प्रबंधन में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कोई भागीदारी कर सकते हैं, न राशन कार्ड बनवा सकते हैं और न ही शोषण व अन्याय के खिलाफ अपने नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों का प्रयोग कर सकते हैं, यहाँ तक कि एक नागरिक होने के नाते उन्हें सड़क, परिवहन, बिजली, पानी, आवास, एलपीजी जैसी बुनियादी सुविधाओं में मिलने वाली रियायतों से भी वंचित होना पड़ता है, ऐसे कई लोग हैं जो राज्य में अपने कार्य व्यापार के चलते अधिकांश समय व्यतीत करते हैं अथवा लम्बे समय से रह रहे हैं, मगर उन्हें दैनिक आवश्यकताओं के विभिन्न सेवाओं के लिए राज्य सरकार/स्थानीय निकायों अथवा शासन-प्रशासन द्वारा थोपी गई महँगी व मनमानी कीमतें अदा करनी पड़ती हैं.

अनुच्छेद-35 A (राष्ट्रपति आदेश) के पक्ष में तर्क

- कुछ विश्लेषकों की मानें तो इस अनुच्छेद को समाप्त करने से राज्य की संविधान प्रदत्त 'विशिष्टता' या 'स्वायत्तता' में कमी आयेगी, जिसका मतलब होगा सीधे तौर पर जम्मू-कश्मीर के मूल संविधान के प्रावधान, अनुच्छेद-370 तथा विधानसभा के विशेषाधिकारों को चुनौती देना, इससे जम्मू-कश्मीर सरकार तथा राज्य के नागरिकों के हितों एवं विशेषाधिकारों का हनन होगा.
- कश्मीर घाटी में रहने वाली मुस्लिम बहुल आबादी का मानना है कि अनुच्छेद 35 ए की समाप्ति से उनके विशेषाधिकार एवं हितों का अतिक्रमण होगा, कोई भी बाहरी व्यक्ति राज्य में आकर बसेगा, शादी-ब्याह करेगा, सम्पत्ति सम्बन्धी खरीद-फरोख्त करेगा और उत्तराधिकार सम्बन्धी अधिकार पाएगा, इससे राज्य की जनसंख्या संरचना बदल जाएगी, स्थानीय लोगों के राजनैतिक एवं नागरिक अधिकार सीमित हो जाएंगे, कार्य-व्यापार प्रभावित होगा, राज्य के लोगों को मिलने वाली सरकारी नौकरियों एवं रोजगारों में कटौती हो जाएंगी.
- राज्य के मुस्लिम नेताओं का मानना है कि अनुच्छेद-35 ए की समाप्ति से राज्य की विशिष्ट सामाजिक-सांस्कृतिक एवं धार्मिक पहचान भी प्रभावित होगी, इससे राज्य में कई प्रकार की सामाजिक-सांस्कृतिक एवं धार्मिक अव्यवस्थाएं, अस्थिरता तथा नयी प्रकार की विसंगतियाँ पैदा हो जाएंगी.
- अनुच्छेद–35 A की समाप्ति से राज्य में बाहरी लोगों का आना-जाना बढ़ेगा और वे बेखौफ होकर अपने नागरिक अधिकारों का दुरुपयोग करेंगे, इससे कश्मीर की सुन्दरता एवं समृद्ध प्रकृति एवं पर्यावरण को नुकसान पहुँचेगा, इससे भौतिक तथा प्राकृतिक दोनों ही प्रकार के संसाधनों का दुरुपयोग बढ़ेगा.
- राज्य की विधायिका के अधिकार असीमित नहीं हैं और वह केवल रोजगार, संपत्ति, निपटान तथा छात्रवृत्ति जैसे कुछ चयनित मामलों में ही कानून बना सकती है ऐसे में अनुच्छेद–35 ए समाप्त करना उचित नहीं है.
- अनुच्छेद–35 ए की समाप्ति से राज्य में केन्द्रीय नियंत्रण एवं हस्तक्षेप बढ़ जायेगा और राज्य के संवेदनशील हालातों के लिए यह उचित नहीं होगा, इससे राज्य के स्थायी व स्थानीय नागरिकों में असंतुलित एवं अलगाववाद की भावनाएं प्रबल होंगी.

अनुच्छेद-35 ए खत्म करने के पक्ष में तर्क

- अनुच्छेद-35 ए मूल संविधान का हिस्सा नहीं है और न ही यह अनुच्छेद-368 के तहत् संविधान की संसदीय परम्परा के अनुसार संशोधन करके जोड़ा गया है अभी भी यह संविधान के परिशिष्ट में शामिल है, न कि संशोधन सूची में, अतः इसे समाप्त करने की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है.
- राष्ट्रपति द्वारा इस 'विशेषाधिकार प्रस्थिति' को राज्य स्थापना के प्रारंभिक वर्षों में उत्पन्न विसंगतियों (पाकिस्तानी हमला व कबीलियाई उग्रवाद से स्थानीय नागरिक एवं अल्पसंख्यक वर्ग के हितों की रक्षा करने, सुख-शांति व सद्भावना स्थापित करने एवं राज्य के लोगों का सामाजिक-आर्थिक स्तर ऊपर उठाने के लिए) को दूर करने

के लिए जारी किया गया था, इसे लम्बे समय तक मूल रूप में जारी रखने का कोई औचित्य नहीं था, बल्कि वक्त की जरूरत के मुताबिक इसे या तो समाप्त किया जाना चाहिए था अथवा इसमें उचित संशोधन किए जाने चाहिए थे.

- अनुच्छेद-35 ए के द्वारा मिले अधिकारों/विशेषाधिकारों का उपयोग राज्य सरकारों द्वारा राज्य की सामाजिक-आर्थिक स्थिति सुधारने के बजाय, अधिकांश मौकों पर संकीर्ण स्वार्थ पर आधारित तुष्टिकरण की राजनीति के लिए मनमाने तरीके से किया गया है, कई मौकों पर राज्य विधान सभा तथा स्थानीय निकायों में इस अधिकार की आड़ में महिला तथा अल्पसंख्यक वर्ग के हितों पर कुठाराघात किया गया है, इससे राज्य में भय, आतंकवाद तथा अलगाववाद को फलने-फूलने का अवसर मिला है तथा राज्य से अल्पसंख्यक वर्ग का लगातार पलायन बढ़ा है और अब तक का इतिहास गवाह है कि पलायन कर चुके अल्पसंख्यकों का आशियाना पुनः वापस बसाने के लिए राज्य एवं केन्द्र सरकार कोई प्रभावी पहल नहीं कर पायी है और न ही आज तक पलायन के पश्चात् यह जानने का प्रयास किया गया कि वे अल्पसंख्यक किसी हालत में, कहाँ और कैसे जीवनयापन कर रहे हैं, आलम यह है कि अभी भी राज्य में अल्पसंख्यकों के हितों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए कोई प्रभावी नीति-नियामक व्यवस्था नहीं है.
- सिर्फ कश्मीर घाटी की बात करें तो आजादी से पूर्व वहाँ हिन्दू तथा अन्य धर्मों के लोगों की आबादी 25 फीसदी तक हुआ करती थी वह आज सिमटकर महज 4-5 फीसदी रह गयी है और अगर मौजूदा स्थिति जारी रही तो वह दिन दूर नहीं जब वहाँ अन्य मजहबों के अल्पसंख्यकों का नामोनिशान तक नहीं होगा, क्या यह स्थिति भारतीय सभ्यता-संस्कृति-इतिहास तथा लोकतंत्र के लिए ठीक होगी, जहाँ 'सर्वधर्म समभाव', 'सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय' तथा विभिन्नता में एकता आज भी मूलमंत्र है ? ऐसी सरकार या लोकतंत्र की क्या उपयोगिता और औचित्य जो अपने देश या राज्य में रहने वाले धार्मिक-भाषाई, क्षेत्रीय या जातीय अल्पसंख्यकों के सामान्य नागरिक हितों की भी सुरक्षा न कर पाए ? इसी बात को मद्देनजर रखते हुए जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 तथा अनुच्छेद-35 A को समाप्त करने अथवा उनमें अपेक्षित संशोधन करने की लम्बे समय से माँग उठती रही है.
- राज्य सरकार को 'स्थायी निवासी' की पहचान करने सम्बन्धी पूर्ण अधिकार दे देने से कश्मीर के अनेक वर्गों को भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है, राज्य में आज भी विभिन्न धर्मों-समुदायों एवं वर्गों के 3 लाख से अधिक लोग रह रहे हैं जो महाराजा रणजीत सिंह के शासनकाल तथा उसके बाद से रह रहे हैं, मगर राज्य सरकार द्वारा स्थायी निवासी के विशिष्ट मानकों/पहचान का हवाला देकर उन्हें आज तक भी 'स्थायी निवास प्रमाण पत्र' नहीं दिया गया है, जबकि अनुच्छेद-35 A अथवा राज्य के संविधान में अलग से ऐसा कोई प्रावधान नहीं है.
- अनुच्छेद-370 तथा 35 A के चलते राज्य में व्यावसायिक, औद्योगिक एवं पर्यटन सम्बन्धी गतिविधियों पर बुरा प्रभाव पड़ा है, कश्मीर घाटी में कोई गैर-स्थायी निवासी या राज्य का अल्पसंख्यक वर्ग उद्योग-व्यापार या व्यवसाय शुरू करना तो दूर, रहने में ही भय महसूस करता है, राज्य से बाहर का कोई व्यापारी, व्यवसायी या उद्यमी राज्य में कार्य व्यापार शुरू करना तो दूर, आने-जाने को भी जोखिम भरा मानता है. दशकों तक पर्यटकों का स्वर्ग रहा, कश्मीर आज बहुत कम पर्यटकों को आकर्षित कर पा रहा है, कश्मीरी सेबों के बागान, केसर से लहलहाते खेत, फल-फूलों एवं सब्जियों से भरे बाग-बगीचे भी धीरे-धीरे सिमटते जा रहे हैं, हरियाली

शेष पृष्ठ 119 पर

यह भी जानें :

अनुच्छेद-370 से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

- *वर्ष 1948 में पाकिस्तान समर्थित कबीलाई आक्रमण तथा राजा हरीसिंह द्वारा जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय सम्बन्धी प्रपत्र पर हस्ताक्षर के बाद राज्य की तात्कालिक जरूरतों के मुताबिक राज्य के लिए संविधान में विशेष उपबंध सम्बन्धी 'अनुच्छेद-370' बनाया गया, इसे संविधान के 'भाग-21' में सम्मिलित किया गया.*
- *17 अक्टूबर, 1949 को संविधान सभा द्वारा अनुच्छेद 370 का अनुमोदन किया गया तथा 14 मई, 1954 से जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 पूर्ण रूप से लागू हो गया, इसी के साथ-साथ अनुच्छेद-35 ए भी राज्य में प्रभावी हो गया. अनुच्छेद-370 तथा 35 ए के अन्तर्गत मिले विशेषाधिकारों के आधार पर ही बाद में वर्ष 1956 में जम्मू-कश्मीर की संविधान सभा द्वारा राज्य का अलग संविधान बनाया गया और 26 जनवरी, 1957 से यहाँ राज्य का अलग संविधान भी लागू हो गया.*
- *जम्मू-कश्मीर राज्य को अनुच्छेद-370 के अन्तर्गत कुछ विशिष्ट विशेषाधिकार हासिल हैं, संविधान सभा द्वारा इस अनुच्छेद को 'एक अस्थायी, संक्रमणकालीन एवं विशेष प्रावधान' के तहत् राज्य में लागू किया गया है.*
- *अनुच्छेद-370 तथा राज्य का संविधान 'दोहरी नागरिकता' (भारत की नागरिकता तथा जम्मू-कश्मीर राज्य की नागरिकता) का अनुसरण करता है, इनके प्रावधानों के अनुसार राज्य की अवशिष्ट शक्ति जम्मू-कश्मीर विधान सभा के पास है, न कि भारत की संसद के पास, रक्षा-विदेश-वित्त एवं संचार के अलावा संसद को राज्य में अन्य सभी कानूनों को लागू करने के लिए राज्य सरकार की सहमति लेनी आवश्यक है.*
- *यद्यपि राष्ट्रपति शासन/राज्य आपातकाल (अनुच्छेद-356) राज्य पर लागू हो सकता है, मगर यह आपातकाल राज्य पर संवैधानिक तंत्र के (राज्य संविधान के न कि भारतीय संविधान के) विफल होने पर लागू हो सकता है, इसके अलावा 'अनुच्छेद-360' (वित्तीय आपातकाल) के प्रावधान राज्य पर लागू नहीं होते, इसी प्रकार भारतीय संविधान में निहित 'नीति-निर्देशक सिद्धान्त और मूल कर्तव्य' भी राज्य पर लागू नहीं हैं.*
- *भारतीय संविधान के 'अनुच्छेद-22' (कुछ मामलों में गिरफ्तारी एवं निरोध से संरक्षण) में वर्णित निवारक-निरोधक कानूनों का राज्य में स्वतः विस्तार नहीं है यानि भारतीय संसद द्वारा बनायी गयी निवारक-निरोध सम्बन्धी विधियाँ/प्रावधान राज्य पर लागू नहीं होती हैं बल्कि इसका अधिकार राज्य के विधानमण्डल के पास सुरक्षित है यही नहीं राज्य विधानमंडल की सहमति के बिना राज्य का नाम, सीमा या क्षेत्र संसद द्वारा परिवर्तित नहीं किया जा सकता.*
- *राज्य के मुख्यमंत्री के साथ परामर्श के बाद ही राज्य में राज्यपाल की नियुक्ति की जाती है.*
- *भारतीय संविधान का कोई भी संशोधन राज्य पर लागू नहीं होता, जब तक कि यह राष्ट्रपति के आदेश के द्वारा विस्तारित न हो जाए, भारतीय संविधान के 'अनुच्छेद-19 (1) च' तथा '31 (2) को इस राज्य के लिए समाप्त नहीं किया गया है. इस प्रकार 'सम्पत्ति के अधिकार' की गारण्टी अभी भी राज्य के लोगों को प्राप्त है.*

सामयिक लेख

भारत में वामपंथी उग्रवाद : एक समीक्षा

✍ धीरज पाण्डेय

कुछ दशकों से देश के दूर-दराज के तथा संचार के साधनों से अच्छी तरह न जुड़े कतिपय भागों में अनेक वामपंथी उग्रवादी संगठन सक्रिय हैं. वर्ष 2004 में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में पीपल्स वार, जो पहले आंध्र प्रदेश में सक्रिय था तथा माओवादी कम्युनिस्ट सेंटर ऑफ इंडिया (एम सी सी आई), जो पहले बिहार और पड़ोसी क्षेत्रों में सक्रिय था, का विलय करके कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया [सी पी आई (माओवादी)] पार्टी बनी. सी पी आई (माओवादी) पार्टी एक प्रमुख वामपंथी उग्रवादी संगठन है जो हिंसा तथा नागरिकों और सुरक्षा बलों की हत्या की अधिकांश घटनाओं के लिए जिम्मेदार है तथा इसके सभी गुटों तथा प्रमुख संगठनों को विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 के अन्तर्गत आतंकवादी संगठनों की अनुसूची में शामिल किया गया है. सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए सशस्त्र विद्रोह का सी पी आई (माओवादी) सिद्धान्त, भारतीय संविधान और भारत राष्ट्र के संस्थापक सिद्धान्तों में स्वीकार्य नहीं है. सरकार ने हिंसा छोड़ने तथा बातचीत के लिए आगे आने के लिए वामपंथी उग्रवादियों का आह्वान किया है. इस अनुरोध को उन्होंने अस्वीकार कर दिया है, क्योंकि वे सत्ता हथियाने के लिए हिंसक तरीकों को साधन के रूप में प्रयुक्त करते हैं. इसके परिणामस्वरूप भारत के अनेक भागों में हिंसा की निरन्तर घटनाएं हुई हैं.

आदिवासियों जैसे निर्धन और पिछड़े वर्ग इस हिंसा के शिकार हो रहे हैं. अनेक उदार बुद्धिजीवी माओवादी विद्रोह के सिद्धान्त, जो हिंसा को महिमा मंडित करते हैं तथा सत्ता हासिल करने के लिए सैन्य सिद्धान्त को अपनाने में विश्वास करते हैं, के सही स्वरूप को समझे बिना माओवादी प्रचार का शिकार बन जाते हैं. वर्ष 2004 से 2018 (31.07.2018) तक भारत के विभिन्न भागों में वामपंथी उग्रवादियों द्वारा लगभग 7907 लोगों की हत्या की गई है. मारे गए अधिकांश नागरिक आदिवासी होते हैं जिनको बेरहमी से यातना दिए जाने और मारे जाने से पूर्व प्रायः 'पुलिस मुखबिर' की संज्ञा दी जाती है. वास्तव में ये आदिवासी और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग, जिनके हितों का समर्थन करने का माओवादी दावा करते हैं, भारत राष्ट्र के विरुद्ध सी पी आई (माओवादी) के कथित 'प्रोट्रैक्टेड पीपल्स वार' के सबसे बड़े शिकार हुए हैं.

वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) की समस्या से निपटने के लिए सरकार ने जनवरी 2015 में राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना शुरू की है, जिसका उद्देश्य स्थानीय समुदायों के अधिकार तथा पात्रता सुनिश्चित कर उनकी सुरक्षा और विकास करना है. इसके परिणामस्वरूप मई 2011 से अप्रैल 2014 की तुलना में मई 2014 से अप्रैल, 2017 की अवधि के दौरान वामपंथी उग्रवाद से जुड़ी घटनाओं में 25 प्रतिशत की कमी हुई और सुरक्षा बलों के हताहतों की संख्या में 42 प्रतिशत तक की कमी आई. इसके अलावा वामपंथी उग्रवादियों का सफाया करने में 65 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई और उग्रवादियों द्वारा आत्मसमर्पण में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी दर्ज की गई.

माओवादी विद्रोह का सिद्धान्त

समाज के कुछ वर्गों, विशेष रूप से युवा पीढ़ी में भ्रमवश माओवादी सिद्धान्त के समर्थक बनकर हिंसा का रास्ता अपना लेते हैं. माओवादी विचारधारा की मुख्य थीम हिंसा है. माओवादी विद्रोह का सिद्धान्त हिंसा को मौजूदा सामाजिक व आर्थिक और राजनैतिक ढाँचों को शिकस्त देने के मुख्य साधन के रूप में महिमा मंडित करता है. इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए पीपल्स लिब्रेशन गुरिल्ला आर्मी (पी एल जी ए), जो सी पी आई (माओवादियों) का सशस्त्र विंग है, का गठन किया गया है. विद्रोह के प्रथम स्तर पर पी एल जी ए गुरिल्ला युद्ध का सहारा लेता है जिसका प्रमुख उद्देश्य मौजूदा शासन व्यवस्था के ढाँचों के बुनियादी स्तर पर रिक्तता पैदा करना है. इस उद्देश्य को वे निचले स्तर के सरकारी अधिकारियों, स्थानीय पुलिस थानों के पुलिस कार्मिकों, मुख्य धारा में शामिल राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं तथा पंचायती राज प्रणाली के जन प्रतिनिधियों की हत्या करके हासिल करते हैं. राजनीति तथा शासन में रिक्तता पैदा करने के बाद वे आंदोलन में शामिल होने के लिए स्थानीय जनता पर दबाव डालते हैं. मौजूदा शासन ढाँचे की वास्तविक कमियों का जोरदार प्रचार भी किया जाता है.

माओवादी आधिपत्य के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्रों में शासन की गैर-मौजूदगी स्वतः स्पष्ट हो जाती है, क्योंकि हत्याओं तथा डराने-धमकाने से वितरण-प्रणाली (डिलीवरी सिस्टम) ठप्प हो जाती है. ग्रामीण क्षेत्रों पर नियंत्रण पाने के लिए माओवादियों की रणनीति का यह पहला कदम है. इसी बीच दिखावटी लोकतांत्रिक साधनों के माध्यम से अर्द्धशहरी तथा शहरी क्षेत्रों में लोगों को एकजुट करने के लिए अनेक प्रमुख संगठनों का गठन किया गया है. इनमें से अधिकांश संगठनों का नेतृत्व ऐसे सुप्रशिक्षित बुद्धि-जीवियों द्वारा किया जाता है जिनका माओवादियों के विद्रोह के सिद्धान्त में दृढ़ विश्वास है. इस सिद्धान्त में विश्वास रखने वाले लोग सी पी आई (माओवादी) की विचारधारा के हिंसक स्वरूप को छुपाने के लिए एक मुखौटा के रूप में कार्य करते हैं. ये इस पार्टी के प्रचार/दुष्प्रचार तंत्र का भाग होते हैं.

ये सुरक्षा बलों द्वारा 'जनजातियों के विस्थापन' 'कॉर्पोरेट शोषण' 'मानवाधिकारों के उल्लंघन' आदि जैसे मुद्दों को जोर-शोर से उठाते हैं और इस सम्बन्ध में ऊटपटांग दावे करते हैं जिन्हें मुख्य धारा से जुड़े मीडिया द्वारा भी प्रचारित किया जाता है. ये प्रमुख संगठन माओवादी एजेंडा को आगे बढ़ाने तथा प्रवर्तन प्रणाली को कमजोर करने के लिए बड़ी चतुराई से शासकीय ढाँचों तथा विधिक प्रक्रियाओं का भी प्रयोग करते हैं. इन संगठनों के महत्वपूर्ण कार्यों में 'पेशेवर क्रान्तिकारियों' की भर्ती, विद्रोह के लिए निधियाँ जुटाना, भूमिगत कॉडरों के लिए शहरी क्षेत्रों में शरण स्थलियाँ बनाना, गिरफ्तार किए गए कॉडरों को कानूनी सहायता प्रदान करना और प्रासंगिकता/सुविधाओं से सम्बन्धित मुद्दों पर आन्दोलन करके जन-समर्थन जुटाना शामिल है.

इन प्रमुख संगठनों का उद्देश्य माओ-वादी विचारधारा के दमनकारी स्वरूप को छुपाने के लिए अल्पकालिक लोकतांत्रिक प्रणाली का बहाना करना है. सी पी आई (माओवादी) की भारत में अपने जैसी विचारधारा वाले विद्रोही/आतंकवादी संगठनों को मिलाकर 'यूनाइटेड फ्रंट' बनाने की भी एक रणनीतिक योजना है. यह ध्यान रखना जरूरी है कि इनमें से अनेक संगठनों को भारत-विरोधी विदेशी ताकतों द्वारा सहायता की जाती है और सी पी आई (माओवादी) इस प्रकार के गठबंधन को रणनीतिक परिसंपत्तियाँ मानते हैं.

सी पी आई (माओवादी), जो भारत में एक प्रमुख वामपंथी उग्रवादी संगठन है, का उद्देश्य अपने प्रमुख साधन के रूप में हिंसा तथा सहायक साधनों के रूप में प्रमुख संगठनों और स्ट्रेटेजिक यूनाइटेड फ्रंट्स के

द्वारा विद्यमान लोकतांत्रिक ढाँचे को उखाड़ फेंकना तथा कथित 'न्यूक डेमोक्रेटिक रिवोल्यूशिन' में अपने आपको स्थापित करने की योजना तैयार करना है.

वामपंथी उग्रवाद : भारत सरकार का दृष्टिकोण

भारत सरकार का दृष्टिकोण, सुरक्षा, विकास, स्थानीय समुदायों के अधिकारों और हकदारियों को सुनिश्चित करने, शासन प्रणाली में सुधार तथा जन अवबोधन प्रबंधन के क्षेत्रों में समग्र तरीके से वामपंथी उग्रवाद से निपटना है. इन दशकों में पुरानी समस्या से निपटने के लिए, सम्बन्धित राज्य सरकारों के साथ विभिन्न उच्च स्तरीय विचार-विमर्शों और बातचीतों के बाद यह उपयुक्त समझा गया है कि तुलनात्मक रूप से अधिक प्रभावी क्षेत्रों के लिए एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने से अच्छे परिणाम मिलेंगे. इसे ध्यान में रखते हुए वामपंथी उग्रवादी हिंसा के सम्बन्ध में इसके विस्तार और प्रवृत्तियों का विस्तृत विश्लेषण किया गया है और योजना तैयार करने, विभिन्न उपायों के कार्यान्वयन और उनकी निगरानी के सम्बन्ध में विशेष ध्यान देने के लिए दस राज्यों में 106 प्रभावित जिलों को विशेष ध्यान हेतु चयनित किया गया है.

'पुलिस' और 'लोक व्यवस्था' राज्य के विषय हैं, इसलिए कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने की कार्रवाई मुख्यतः राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में आती है, तदापि केन्द्र सरकार स्थिति की गहन रूप से निगरानी करती है तथा अनेक तरीकों से उनके प्रयासों में सहायता और समन्वय करती है. इनमें केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल तथा कमांडो बटालियन फौर रेजोल्यूट एक्शन (CoBRA) प्रदान करना; इंडिया रिजर्व बटालियनों की स्वीकृति, विद्रोह प्रतिरोधी तथा आतंकवादरोधी विद्यालयों (CIAT Schools) की स्थापना; राज्य पुलिस बलों के आधुनिकीकरण की योजना के अन्तर्गत राज्य पुलिस तथा उनके आसूचना तंत्र का आधुनिकीकरण और उच्चीकरण सुरक्षा सम्बन्धी व्यय योजना के अन्तर्गत सुरक्षा सम्बन्धी व्यय की प्रतिपूर्ति; वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों में विशेष अवसंरचना सम्बन्धी योजना के अन्तर्गत गम्भीर कमियों को पूरा करना; नक्सलरोधी अभियानों के लिए हेलीकॉप्टर मुहैया करना; रक्षा मंत्रालय, केन्द्रीय पुलिस संगठनों और पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के माध्यम से राज्य पुलिस के प्रशिक्षण में सहायता करना; सूचना का आदान-प्रदान; अन्तर-राज्य समन्वय को सुगम बनाना; सामुदायिक पुलिस व्यवस्था तथा सिविक एक्शन कार्यक्रमों में सहायता प्रदान करना आदि शामिल हैं. यह अंतर्निहित दर्शन समग्र तरीके से माओवादी खतरे से निपटने के लिए राज्य सरकारों की क्षमता बढ़ाने के लिए है.

अनुश्रवण तंत्र

केन्द्रीय गृह मंत्री, गृह सचिव और विशेष सचिव/अपर सचिव तथा मंत्रिमण्डल सचिव का एक समीक्षा समूह नियमित आधार पर वामपंथी उग्रवाद की स्थिति की समीक्षा करता है. विभिन्न योजनाओं की प्रगति से सम्बन्धित केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों तथा राज्य सरकारों के साथ बैठक और वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से गृह मंत्रालय द्वारा नियमित अनुश्रवण किया जाता है.

हाल में की गई समीक्षाएँ

- *केन्द्रीय गृह मंत्री ने वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की 9 फरवरी, 2015 और 08 मई, 2017 को बैठक बुलाई. छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के साथ 3/11/2017 को बैठक की गई.*
- *केन्द्रीय गृह मंत्री ने वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में विकास सम्बन्धी पहलों के बारे में 29.12.2017 को केन्द्रीय मंत्रियों तथा केन्द्रीय मंत्रालयों के सचिवों के साथ बैठक की है.*
- *गृह राज्य मंत्री ने वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों का दौरा किया तथा वामपंथी उग्रवाद की स्थिति की समीक्षा की.*
- *मंत्रिमण्डल सचिव द्वारा 15/12/2016, 03/08/2017 और हाल ही में 27/7/2018 को समीक्षा समूह की बैठक आयोजित की गई.*
- *केन्द्रीय गृह सचिव द्वारा केन्द्रीय मंत्रालयों के सचिवों तथा वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों के मुख्य सचिवों, पुलिस महानिदेशकों और केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के महानिदेशकों के साथ नियमित बैठकें आयोजित की जा रही हैं.*
- *केन्द्रीय गृह सचिव ने भी वामपंथी उग्रवाद की स्थिति की समीक्षा करने के लिए वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों का दौरा किया.*
- *केन्द्रीय गृह मंत्री ने मई 2018 में छत्तीसगढ़ और झारखण्ड का दौरा किया तथा वामपंथी उग्रवाद की स्थिति की समीक्षा की.*

वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों के लिए महत्वपूर्ण पहलें

वामपंथी उग्रवाद की समस्या का प्रभावी तरीके से समग्र रूप से निराकरण करने के लिए सरकार ने सुरक्षा, विकास, स्थानीय समुदायों के अधिकार और हकदारियाँ सुनिश्चित करने के क्षेत्रों में बहु-आयामी रणनीति अपनाते हुए राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना तैयार की है.

समाधान (Samadhan) रणनीति

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में 8 मई, 2017 को हुई वामपंथी उग्रवाद प्रभावित राज्यों की समीक्षा बैठक में वामपंथी उग्रवाद का मुकाबला करने के लिए एक परिचालन सिद्धान्त 'समाधान (एसएएमएडीएचएएन)' स्थापित किया.

- **एस (S) :** स्मार्ट पुलिस और नेतृत्व,
- **ए (A) :** आक्रामक (एग्रेसिव) रणनीति,
- एम (M) : बढ़ावा (मोटीवेशन) और प्रशिक्षण,
- **ए (A) :** कार्रवाई (एक्शनेबल) करने योग्य खुफिया जानकारी,
- **डी (D) :** डैशबोर्ड आधारित महत्वपूर्ण परिणाम क्षेत्र और प्रमुख निष्पादन संकेतक,
- **एच (H) :** तकनीकी का उपयोग करना (हार्नेसिंग टेक्नोलॉजी),
- **ए (A) :** प्रत्येक कार्रवाई के लिए कार्य योजना (एक्शन प्लान) और
- **एन (N) :** उन तक धन राशि नहीं पहुँचे हैं.

सुरक्षा सम्बन्धी व्यय (एसआरई) की योजना–पुलिस बलों के आधुनिकीकरण की एक समग्र योजना की उप-योजना के रूप में 27.09.2017 को इस योजना का सरकार द्वारा 2020 तक 03 वर्ष की अवधि तक विस्तार किया गया. सुरक्षा सम्बन्धी व्यय की योजना के अन्तर्गत केन्द्र सरकार वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित 11 राज्यों की राज्य सरकारों को सुरक्षा बल प्रशिक्षण एवं प्रचालन आवश्यकताओं से सम्बन्धित 90 जिलों के सुरक्षा सम्बन्धी व्यय, वामपंथी उग्रवादी हिंसा में मारे गए नागरिकों/सुरक्षा बल कार्मिकों के परिवारों को अनुग्रह राशि के भुगतान, सम्बन्धित राज्य सरकार की समर्पण एवं पुनर्वास नीति के अनुसार समर्पण करने वाले वामपंथी उग्रवादी कॉडरों को मुआवजे, सामुदायिक पुलिस व्यवस्था, ग्राम रक्षा समितियों के लिए सुरक्षा सम्बन्धी अवसंरचना तथा प्रचार सामग्रियों पर होने वाली व्यय की प्रतिपूर्ति करती है. वार्षिक परिव्यय में काफी वृद्धि की गई है और वामपंथी उग्रवाद रोधी अभियानों के दौरान बल के अशक्त सुरक्षा कार्मिकों के लिए मुआवजे तथा सम्पत्ति की क्षति के लिए मुआवजे जैसी नई मदों को पहली बार इस योजना में शामिल किया गया है. सुरक्षा सम्बन्धी व्यय की योजना का उद्देश्य वामपंथी उग्रवाद की समस्याओं से निपटने में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों की क्षमता में वृद्धि करना है.

वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल टॉवर परियोजना–वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल कनेक्टिविटी में

सुधार करने के लिए सरकार ने इन क्षेत्रों में 20.08.2014 को मोबाइल टॉवर्स लगाए जाने का अनुमोदन किया था और चरण- I में 2335 मोबाइल टावर्स लगाए गए हैं. भारत सरकार द्वारा इस परियोजना का चरण-II अनुमोदित कर दिया गया है जिसके अन्तर्गत वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में 4072 मोबाइल टावर्स लगाए जाएंगे जिस पर ₹ 7330 करोड़ का खर्च आएगा.

वामपंथी उग्रवाद से सर्वाधिक प्रभावित 30 जिलों के लिए विशेष केन्द्रीय सहायता–यह योजना 'पुलिस बलों के आधुनिकीकरण' की अम्ब्रेला स्कीम की उप-योजना के रूप में सरकार द्वारा 27.09.2017 को 2017-18 से 2019-20 तक 3 वर्ष की अवधि के लिए अनुमोदित की गई है. इस योजना का मुख्य उद्देश्य तात्कालिक प्रकृति की सार्वजनिक सुविधाओं और सेवाओं में गम्भीर कमियों को दूर करना है. वामपंथी उग्रवाद से सर्वाधिक रूप से प्रभावित जिलों को भारत सरकार द्वारा ₹ 775 करोड़ की राशि पहले ही जारी कर दी गई है.

वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों में फोर्टीफाइड पुलिस स्टेशनों के निर्माण सहित विशेष अवसंरचना योजना–वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों की नियमित मांग पर सरकार ने 'पुलिस बलों के आधुनिकीकरण' की अम्ब्रेला स्कीम की उप-योजना के रूप में यह योजना 2017-18 से 2019-20 तक 3 वर्ष की अवधि के लिए अनुमोदित की है.

वामपंथी उग्रवाद से निपटने की योजना के लिए केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता–यह योजना पुलिस बलों के आधुनिकीकरण की अम्ब्रेला स्कीम की उप-योजना के रूप में 27.09.2017 को सरकार द्वारा 2017-18 से 2019-20 तक 03 वर्ष की अवधि के लिए अनुमोदित की गई है. इस योजना के अन्तर्गत अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण और हेलीकॉप्टर्स किराए पर लेने के लिए केन्द्रीय एजेन्सियों (केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों/भारतीय वायु सेना आदि) को सहायता प्रदान की जाती है.

नागरिक कार्रवाई कार्यक्रम–यह योजना पुलिस बलों के आधुनिकीकरण की अम्ब्रेला स्कीम की उप-योजना के रूप में 27.09.2017 को सरकार द्वारा 2017-18 से 2019-20 तक 03 वर्ष की अवधि के लिए अनुमोदित की गई है. वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में नागरिक कार्रवाई कार्यक्रम वैयक्तिक सम्पर्क के माध्यम से सुरक्षा बलों और स्थानीय लोगों के बीच दूरी को कम करने और स्थानीय लोगों के समक्ष सुरक्षा बलों का मानवीय चेहरा प्रदर्शित करने के लिए 2010-11 से लागू की जा रही है. यह योजना अपने लक्ष्य हासिल करने में बहुत सफल रही है. इस योजना के अन्तर्गत स्थानीय लोगों के कल्याण हेतु विभिन्न नागरिक गतिविधियाँ चलाने के लिए वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में तैनात केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों को निधियाँ जारी की जाती हैं.

वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित 34 जिलों में कौशल विकास

योजना वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से प्रभावित जिलों के लोगों के समीपस्थ 34 जिलों में कौशल विकास ढाँचे का सृजन करने के लिए 2011 में बनाई गई थी. योजना का उद्देश्य एक ओर जहाँ 34 जिलों में से प्रत्येक में एक आईटीआई और दो कौशल विकास केन्द्रों (एसडीसी) की स्थापना करना और इन क्षेत्रों में तथा आस-पास के क्षेत्रों में अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों की कुशल जनशक्ति की आवश्यकता को पूरा करने के लिए दीर्घावधि एवं अल्पावधिक-दोनों प्रकार के मांग प्रेरित व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाना है, तो वहीं दूसरी ओर युवाओं को आजीविका के श्रेष्ठ अवसर प्रदान करना है. योजना की लागत ₹ 241·65 करोड़ है.

इसके अलावा प्रति जिला एक आईटीआई की दर से 34 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों तथा प्रति जिला दो एसडीसीज की दर से 68 कौशल विकास केन्द्र (एसडीसीज) के लिए बुनियादी ढाँचे का सृजन किया जाएगा.

मीडिया प्लान–यह योजना पुलिस बलों के आधुनिकीकरण की अम्ब्रेला स्कीम की उप-योजना के रूप में 27.09.2017 को सरकार द्वारा 2017-18 से 2019-20 तक 03 वर्ष की अवधि के लिए अनुमोदित की गई है. माओवादी मामूली प्रोत्साहनों के माध्यम से अपनी कथित गरीब हितैषी क्रांति के द्वारा अथवा अपनी बल प्रयोग की रणनीति को अपनाकर वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में निर्दोष आदिवासियों/स्थानीय लोगों को गुमराह करते रहे हैं तथा उन्हें लुभाते रहे हैं. वे सुरक्षा बलों तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था के बारे में दुष्प्रचार करते हैं. अतः सरकार वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में इस योजना को लागू कर रही है. इस योजना के अन्तर्गत एनवाईकेएस द्वारा ट्राइबल यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम, रेडियो जिंगल्स, डॉक्यूमेंट्रीज, पेम्फलेट्स का वितरण आदि जैसी गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं.

वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों के लिए सड़क आवश्यकता योजना-I (आरआरपी-I)—यह योजना 8 राज्यों–आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और उत्तर प्रदेश के वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित 34 जिलों में सड़क सम्पर्क में सुधार करने के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित की जा रही है. इस योजना में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों में 5422 किमी. लम्बी सड़कों के निर्माण की परिकल्पना की गई थी जिसमें से 30.04.2018 तक 4652 किमी. लम्बी सड़कों का निर्माण कर लिया गया है.

वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों के लिए सड़क सम्पर्क परियोजना (आरआरपी-II)—सरकार ने यह योजना वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित 9 राज्यों के 44 जिलों में सड़क सम्पर्क में और सुधार करने के लिए 28.12.2016 को अनुमोदित की. इस योजना में ₹ 11725 करोड़ की अनुमानित लागत से 5412 किमी. लम्बी सड़कों तथा 126 पुलों के निर्माण की परिकल्पना की गई है. इस योजना में शामिल सड़कों का निर्धारण राज्य 1 सरकारों और सुरक्षा एजेन्सियों के साथ परामर्श करके गृह मंत्रालय द्वारा कर लिया गया है.

आकांक्षा जनपद कार्यक्रम (Aspirational District Programme)–गृह मंत्रालय को वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित 35 जिलों में Aspirational District Programme की मॉनीटरिंग का काम सौंपा गया है.

फोर्टीफाइड पुलिस थानों की योजना–मंत्रालय ने वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित 10 राज्यों में 400 पुलिस थाने स्वीकृत किए थे. इनमें से 393 पुलिस थानों का काम पूरा हो गया है.

वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्य

छत्तीसगढ़, झारखण्ड, ओडिशा और बिहार राज्यों को गम्भीर रूप से प्रभावित समझा जाता है. पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश राज्यों को आंशिक रूप से प्रभावित समझा जाता है. उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश राज्यों को मामूली रूप से प्रभावित समझा जाता है. आंध्र प्रदेश, जिसे पहले गम्भीर रूप से प्रभावित समझा जाता था, में बहुत सुधार हुआ है. सी पी आई (माओवादी) केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के दक्षिणी राज्यों में पैठ बना रहे हैं. सी पी आई (माओवादी) के जरिये ये पश्चिमी घाट को पूर्वी घाट से जोड़ने की योजना बना रहे हैं. सी पी आई (माओवादी) अपनी गतिविधियों का विस्तार करने तथा कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में अपना आधार तैयार करने की योजना तैयार कर रहे हैं. ये असम और अरुणाचल प्रदेश में हमला करने का प्रयास कर रहे हैं जिसका गम्भीर दीर्घकालिक रणनीतिक प्रभाव पड़ेगा.

शेष पृष्ठ 169 **पर**

सामयिक लेख

ओजोन परत का विनाश एवं अनुरक्षण

ऑक्सीजन के तीन परमाणुओं से बनी गैस को ओजोन (O_3) कहते हैं. यह गैस हल्के नीले रंग की होती है और इसकी गंध तीखी होती है. ओजोन एक प्रबल ऑक्सीकारक (Oxiding agent) होती है, जो अत्यधिक सान्द्रण होने पर धमाके के साथ विघटित हो सकती है. ओजोन वायु-मण्डल में हर ऊँचाई पर किसी न किसी रूप में अवश्य पाई जाती है, परन्तु वायुमण्डल में इसका सर्वाधिक सान्द्रण 10 से 50 किमी की ऊँचाई पर पाया जाता है और इसका अधिकतम सान्द्रण सागर तल से 12 से 35 किलोमीटर की ऊँचाई पर मिलता है. इसे ओजोन मण्डल या ओजोन परत या समताप मण्डलीय ओजोन परत भी कहते हैं. इस ओजोन परत को पृथ्वी का रक्षा कवच या पृथ्वी का छाता कहते हैं, क्योंकि यह गैस सौर्यिक विकिरण की पराबैंगनी किरणों को अवशोषित कर लेती है और उन्हें पृथ्वी तल तक पहुँचने से रोकती है जिसके कारण भूतल अत्यधिक गर्म होने से बच जाता है. यही नहीं समताप मण्डल में स्थित ओजोन परत का जीवमण्डल में सभी प्रकार के जीवों (पौधों, जन्तु, सूक्ष्म जीव एवं मनुष्य) के लिए अत्यधिक महत्व है. इस गैस परत के अभाव में जीवमण्डल में किसी प्रकार का जीवन संभव नहीं हो सकता, क्योंकि इस परत के अभाव में सौर्यिक विकिरण की सभी पराबैंगनी किरणें भूतल तक पहुँच जाएंगी जिससे पृथ्वी का तापमान इतना अधिक हो जाएगा कि जीवमण्डल जैविक भट्टी में बदल जाएगा.

O_3 हल्के नीले रंग की, तीखी गन्ध वाली, प्रबल ऑक्सीकारक, वायुमण्डल में अधिकतम सान्द्रण 12 किलोमीटर से 15 किलोमीटर के मध्य पाया जाता है.

ओजोन गैस एक अस्थिर गैस है. यदि एक तरफ इसका निर्माण होता है, तो दूसरी तरफ इसका विनाश होता है. इसका निर्माण और विनाश एक सतत् प्रक्रिया है.

O_3 सूर्य से आने वाली पराबैंगनी किरणों को अवशोषित करती है.

ओजोन का क्षरण

ओजोन परत के क्षरण का वैज्ञानिक एवं प्रमाणिक ज्ञान सबसे पहले अमरीकी वैज्ञानिक शेरवुड रॉलैण्ड और मेरिओ मोलिका ने 1973 में बताया कि ओजोन परत को मानव निर्मित गैस क्लोरो-फ्लोरो कार्बन (CFC) नष्ट कर सकती है. 1983 और 1984 में अमरीकी उपग्रह निम्बस (Nimbus) ने ओजोन परत का काफी नजदीकी से अध्ययन किया. 1987 में शोध द्वारा यह सिद्ध हुआ कि (CFC) ओजोन को नष्ट करती है. वैज्ञानिकों ने इस संदर्भ में पाया कि क्लोरीन का एक अणु 1 लाख ओजोन अणुओं को नष्ट कर देता है. अप्रैल 1991 में नासा ने बताया कि गत एक दशक में ओजोन परत का 4·5 से 5·0 प्रतिशत तक ह्रास हुआ है.

अमरीकी वैज्ञानिक शेरवुड रॉलैण्ड और मेरियो मोलिका ने 1973 में बताया कि CFC ओजोन परत को नष्ट कर सकती है.

ओजोन क्षरण के कारण

ओजोन क्षरण के प्राकृतिक कारकों में सौर क्रिया, नाइट्रस ऑक्साइड, प्राकृतिक क्लोरीन, वायुमण्डलीय संरचना, पृथ्वी की रचनात्मक प्लेट किनारों से निकलने वाली गैस तथा केन्द्रीय ज्वालामुखी उद्‌गार से निकलने वाली गैसें प्रमुख हैं.

क्लोरीन का एक अणु एक लाख ओजोन अणुओं को नष्ट कर देता है.

1. पराबैंगनी किरणों की मात्रा, सौर स्थिरांक द्वारा प्रभावित होती है. सौर स्थिरांक धरातल से 1000 किमी की ऊँचाई पर मापी गयी सूर्याभिताप की पृथ्वी के वायुमण्डल में प्रवेश करने की मात्रा है. जो सामान्य रूप से 2 कैलोरी प्रति वर्ग सेमी प्रति मिनट होती है. सौर स्थिरांक सौर क्रिया द्वारा प्रभावित होती है. सौर क्रिया के समय अधिक ऊर्जा निकलती है. एक सौर चक्र में कई सौर क्रियाएँ होती हैं.
2. वायुमण्डल में आणविक नाइट्रोजन गैस प्राकृतिक रूप में उपस्थित होती है, जिसके साथ सूर्यताप के संयोग से नाइट्रस ऑक्साइड बनती है.
3. वायुमण्डल को त्रिकोशकीय देशान्तर संचरण द्वारा शीतोष्ण कटिबंधीय विकसित देशों से विसर्जित ओजोन विनाशक तत्व 60° से 70° उत्तरी और दक्षिणी अक्षांशों के सहारे ऊपर उठाए जाते हैं. जो ओजोन का क्षरण करते हैं. इन गैसों को ऊपर विसर्जित करने में शीतोष्ण कटिबंधीय चक्रवातों का हाथ होता है.
4. वायुमण्डल में प्राकृतिक स्रोतों से विसर्जित क्लोरीन की मात्रा मानव द्वारा विसर्जित क्लोरीन की मात्रा से हजारों गुना अधिक है.
5. सोवियत शोधकर्ता डॉ. व्लादिमीर साखे के अनुसार गैस हाइड्रेट रन्ध्रमय बर्फ की तरह होती है तथा ऊपरी वायु-मण्डल में निर्मित होती है. यह गैस विरल होती जा रही है CFC फ्रियॉन का दूसरा रसायनिक नाम है, जो एक शीतलक गैस है. इसका विकास सर्वप्रथम 1930 में थॉमस मिडग्ले द्वारा किया गया. CFC की रचना क्लोरीन, फ्लोरीन और कार्बन से हुई है जो एक कृत्रिम रसायन है. जो ओजोन से रासायनिक अभिक्रिया करके ओजोन परत को नष्ट करती है. इस रसायन का प्रयोग वातानुकूलन, रेफ्रिजरेटर, हेयर स्प्रेट, फर्नीचर पालिश, अग्नि-शामक, भूउपग्रह प्रक्षेपण तथा डिस्पेन्सर आदि में किया जाता है. इस रसायन के अतिरिक्त हेलन्स नाइट्रस तथा अन्य हैलोजनिक गैसें भी ओजोन परत के क्षरण में मुख्य भूमिका निभाती हैं.

ओजोन क्षरण के कारण

1. *सौर क्रिया*
2. *नाइट्रस ऑक्साइड*
3. *प्राकृतिक क्लोरीन*
4. *वायुमण्डलीय संचरण*
5. *पृथ्वी की रचनात्मक प्लेट किनारों से निकलने वाली गैस*
6. *ज्वालामुखी उदगारिक गैस*

सुपरसोनिक जेट विमानों द्वारा निस्सृत नाइट्रस ऑक्साइड द्वारा 3 से 23 प्रतिशत तक ओजोन गैस का क्षरण होता है.

ओजोन क्षरण का वितरण

ओजोन क्षरण के वितरण को मुख्यतः दो वर्गों में बाँटा जा सकता है.

CFC – क्लोरीन, फ्लोरीन, कार्बन का मिश्रण है. यह ओजोन से रासायनिक अभिक्रिया करके एक खतरनाक गैस बन जाती है.

1. कालिक वितरण, 2. स्थानीय वितरण

1. कालिक वितरण– सूर्य के उत्तरायन एवं दक्षिणायन होने से दोनों गोलार्द्धों में ग्रीष्मकाल में समयान्तर होता है. दक्षिणी गोलार्द्ध में सितम्बर-अक्टूबर के मध्य ओजोन क्षरण की स्थिति देखी जा सकती है.

2. स्थानिक वितरण– 60° से 70° तक उत्तरी और दक्षिणी अक्षांशों के सहारे

ओजोन की क्षरण की स्थिति पाई जाती है इसके अन्तर्गत अर्जेन्टीना, चिली, ब्राजील, उरुग्वे, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड, फ्रांस, कनाडा और संयुक्त राज्य अमरीका के क्षेत्र आते हैं.

अर्जेन्टीना, चिली, ब्राजील, उरुग्वे, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड, फ्रांस, कनाडा और यूएसए पर ओजोन परत का सबसे अधिक विनाश होता है.

वायु प्रदूषण के कारण पृथ्वी 20 से 25 किलोमीटर की ऊँचाई पर स्थित ओजोन परत की क्षति हो रही है. ओजोन परत को क्षीण करने वाले विभिन्न हानिकारक रसायनों की वायुमण्डल में निरन्तर वृद्धि हो रही है. सुपर वायुयानों द्वारा अधिक ऊँचाई पर जो प्रदूषित पदार्थ विसर्जित होते हैं. उससे भी ओजोन परत प्रभावित होती है. वैज्ञानिकों का मत है कि ओजोन परत की मोटाई में 2 प्रतिशत तक की कमी आई है जिससे पराबैंगनी किरणों की पृथ्वी पर पहुँचने की संभावना बढ़ गई है. जिसके दूरगामी प्रभाव हम लोग भुगत रहे हैं. प्रति वर्ष लाखों की संख्या में लोग त्वचा कैंसर आदि से पीड़ित हो रहे हैं. परिणामस्वरूप पृथ्वी के जीव-जन्तुओं की अनेक प्रजातियों का अस्तित्व संकट में पड़ गया है.

ओजोन क्षरण के प्रभाव

ओजोन क्षरण के कारण निम्नलिखित प्रभाव पड़ रहा है–

ओजोन परत की मोटाई में 2 प्रतिशत तक की कमी आई है.

ओजोन स्तर के क्षरण के कारण सूर्य से आने वाली पराबैंगनी किरणों के प्रभाव से त्वचा का कैंसर हो जाता है.

ओजोन क्षरण पर नियंत्रण के प्रयास

- सबसे पहले 1974 में प्रो. शेरवुड रॉलैण्ड ने ओजोन क्षरण की ओर ध्यान आकर्षित करने के पश्चात् CFC तथा हैलोजन यौगिकों पर प्रतिबंध की माँग की.
- ओजोन परत के संरक्षण हेतु 1985 में आस्ट्रिया की राजधानी में वियना कन्वेंशन सम्पन्न हुई, जो ओजोन क्षरण पदार्थों पर नियंत्रण हेतु एक सार्थक प्रयास था.

  ओजोन परत के क्षरण की समस्या पर विश्वभर का ध्यान आकर्षण हेतु संयुक्त राष्ट्र ने 16 सितम्बर का दिन विश्व ओजोन दिवस के रूप में मनाने का निर्णय किया.

  दिए गए बॉक्स में विभिन्न पदार्थों और उनके समाप्त करने हेतु समय सारिणी को दर्शाया गया है–

यौगिक (Compound)	ओजोन क्षरण क्षमता (Ozone Depleting Potantia)	पूर्णफेज आउट (Complete Phase-out)	
		पूर्ण विकसित देशों द्वारा साल की जनवरी तक	विकासशील देशों द्वारा साल की जनवरी तक
ब्रोमो मीथेन	0·12	2002	N.A.
कार्बन टेट्रा क्लोराइड (C.T.C.)	1·1	1996	2010
क्लोरो फ्लोरो कार्बन्स (CFCs)	0·6–1·0	1996	2010
हैलोनस	3–10	1994	2010
हाइड्रो ब्रोमो फ्लोरो कार्बन्स (HBFC)	0·1–14	2005	2010
हाइड्रो क्लोरो फ्लोरो कार्बन्स (HCFC)	0·05	2010	2030
मिथाइल ब्रोमाइड	0·6	2005	2015
ट्राई क्लोरो ईथेन	0·1	1996	2015

- 16 दिसम्बर, 1987 को संयुक्त राष्ट्र संघ के तत्वावधान में ओजोन छिद्र से उत्पन्न चिंता निवारण हेतु कनाडा के मॉन्ट्रियल शहर में 33 देशों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसे मॉन्ट्रियल प्रोटोकाल कहा जाता है. इस सम्मेलन में यह तय किया गया कि ओजोन परत का विनाश करने वाले पदार्थ CFC के उत्पादन एवं उपयोग को सीमित किया जाए. भारत ने भी इस प्रोटोकोल पर हस्ताक्षर किए. इसके अन्तर्गत CFC को चरणबद्ध रूप से नियंत्रित करना तथा CFC का उत्पादन बन्द करना तथा इसका उत्पादन वर्ष 1998 तक कम करके 50 प्रतिशत तक कम करना था.

ओजोन क्षरण के प्रभाव

1. *मानव त्वचा की ऊपरी सतह की कोशिकाएँ क्षतिग्रस्त*
2. *मानव त्वचा का कैंसर*
3. *आनुवंशिक विसंगतियाँ*
4. *आँखों के घातक रोग*
5. *तापमान में वृद्धि*
6. *जीव-जन्तु एवं वनस्पतियों पर प्रभाव*

- वर्ष 1990 में ओजोन स्तर सुरक्षा के नाम से लन्दन में एक संगोष्ठी आयोजित हुई जिसमें सभी देशों को CFC रहित करना था.
- वर्ष 1992 में कोपेनहेगन में आयोजित संगोष्ठी में यह निर्णय लिया गया कि CFC का उपयोग पूर्णतः बन्द कर दिया जाए.
- वर्ष 1997 (23 से 27 जून), दिसम्बर 1997, 26 अगस्त से 4 सितम्बर, 2002, 28 नवम्बर से 2 दिसम्बर, 2006, 3 से 4 दिसम्बर, 2007, 2009, 29 नवम्बर, 2010, 28 नवम्बर, 2011, 26 नवम्बर से 7 दिसम्बर, 2012, 13 से 22 जून, 2012, 11 से 22 नवम्बर, 2013, 30 नवम्बर से 11 दिसम्बर, 2015 तक हुए अनेक CoP (Conference of Parties) में जलवायु परिवर्तन पर हुए सम्मेलनों में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन पर निर्णय लिए गए.

पेरिस सम्मेलन से सम्बन्धित तथ्य

फ्रांस की राजधानी पेरिस में 30 नवम्बर से 11 दिसम्बर, 2015 तक हुए सम्मेलन में यह निर्णय लिया गया कि 21वीं सदी के औसत तापमान में औद्योगीकरण के पूर्व वैश्विक तापमान के स्तर में 2°C. से अधिक की वृद्धि नहीं होने दी जायेगी और सदस्यों द्वारा यह प्रयास किया जायेगा कि वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि 1·5°C. तक सीमित रखी जाये तथा विभिन्न देशों ने कार्बन उत्सर्जन में निम्न कटौती का संकल्प किया–

देश	आधार वर्ष	लक्ष्य प्राप्ति वर्ष	कटौती (प्रतिशत में)
1. चीन	2015	2030	60–65%
2. संयुक्त राज्य अमरीका	2005	2025	26–28%
3. यूरोपियन यूनियन	1996	2030	40%
4. भारत	2005	2030	33–35%
5. जापान	2013	2030	26%
6. रूस	1990	2030	25–30%
8. कनाडा	2005	2030	30%
9. इण्डोनेशिया	2005	2030	39–41%
10. आस्ट्रेलिया	2005	2030	26–28%

●●●

भौगोलिक लेख

सागरीय बायोम

सागरीय बायोम स्थलीय बायोम से भिन्न होता है, क्योंकि सागरीय बायोम यहाँ के जीव समुदाय, पादप एवं स्थानीय प्राणियों को प्रभावित करता है. महासागरीय जल का तापमान 0°C से 30°C के बीच रहता है. सागरीय जल में घुले पोषक तत्वों में लवणों की अधिकता होती है. सागरीय बायोम में जीवन तथा आहार शृंखला (Food Chain) और आहार जाल (Food Webs) सूर्य प्रकाश, जल, कार्बन डाइऑक्साइड, ऑक्सीजन की सुलभता पर आधारित है. ये सभी तत्व मुख्य रूप से सागर की ऊपरी सतह पर ही आदर्श रूप में उपलब्ध रहते हैं. नीचे जाने पर प्रकाश कम होता जाता है तथा 200 मीटर से अधिक गहराई पर जाने पर प्रकाश पूर्णतया समाप्त हो जाता है. इसी ऊपरी सतह को प्रकाशित मंडल (Photic Zone) कहते हैं. यहाँ प्राथमिक उत्पादक पौधे, हरे पौधे फाइटो प्लैंकस प्रकाश संश्लेषण द्वारा अपना भोजन बनाते हैं तथा प्राथमिक उपभोक्ता भी इसी मंडल में रहते हैं तथा फाइटो प्लैंकस का सेवन करते हैं. अधिक गहराई पर रहने वाले प्राणी अवसादों पर निर्भर करते हैं.

सागरीय बायोम

- *महासागरीय जल का तापमान 0°C से 30°C के मध्य रहता है.*
- *सागरीय बायोम में जीवन, आहार शृंखला और आहार जाल CO_2, सूर्य प्रकाश, जल और O_2 पर निर्भर रहता है.*
- *ये तत्व ऊपरी सतह पर पर्याप्त मात्रा में मिलते हैं और निचली सतह पर कम मात्रा में मिलते हैं. 200 मीटर से अधिक गहराई पर पूर्णतया समाप्त हो जाते हैं.*

सागरीय बायोम के प्रकार

सूर्य प्रकाश, पोषक तत्व, कार्बन डाइऑक्साइड तथा ऑक्सीजन की सुलभता के आधार पर सागरीय भागों में विभिन्न प्रकार के आवास एवं वास्य क्षेत्रों का निर्माण होता है जिनमें विभिन्न प्रकार के पादप एवं प्राणी समुदाय मिलते हैं. सागरीय बायोम को मुख्यतः दो प्रमुख भागों में बाँट सकते हैं–

1. पैलेजिक बायोम
2. नितलीय बायोम

गहराई तथा पादप जीवन के आधार पर पैलेजिक बायोम के दो उपभाग हैं–

(अ) तटतल बायोम (Neritic biome)–यह महाद्वीपीय मग्न तटों का भाग होता है जिसमें जल की गहराई 200 मीटर तक होती है.

(ब) खुला सागर बायोम–प्रकाश की दृष्टि से सागरीय बायोम को दो प्रमुख भागों में विभक्त कर सकते हैं.

सागरीय बायोम के प्रकार

1. पैलेजिक बायोम
(i) गहराई एवं पादप जीव के आधार पर
(अ) तटतल सागर बायोम–200 मीटर तक गहरा
(ब) खुला सागर बायोम
(ii) प्रकाश की दृष्टि से
(अ) प्रकाशित बायोम
(ब) अप्रकाशित बायोम
(i) मध्य पैलेजिक–1000 मीटर गहरा
(ii) गम्भीर पैलेजिक–1000 से 4000 मीटर गहरा
2. नितलीय बायोम
(i) बेलाचली मंडल–उच्च और निम्न ज्वार के मध्य का भाग
(ii) उपबेलाचली मंडल–महासागरीय मग्नतट से जल के नीचे स्थित स्थल
(iii) गम्भीर तलीय मंडल–
(a) Archi benthal zone
(b) Abyssal benthal zone
(c) Hadal zone

1. प्रकाशित बायोम (Euphotic या Photic biome).

2. अप्रकाशित बायोम (Aphotic biome).

महाद्वीपीय मग्नतट का समस्त लम्बवत् भाग प्रकाशित होता है. यदि सागरीय बायोम के प्रमुख दो विभाग (पैलेजिक तथा बेन्थिक) को ध्यान में रखा जाये तो सागरीय बायोम के निम्न उप विभाग हो सकते हैं–

1. पैलेजिक बायोम (Pelagic Biome)

यह सागर तल से सागर तली तक का समस्त जलीय भाग है. इसके निम्नलिखित उपभाग हैं–

(अ) प्रकाशित बायोम या ऊपरी पैलेजिक बायोम (Photic zone)–इसकी गहराई 200 मीटर तक होती है. महाद्वीपीय मग्नतट भी इसी श्रेणी में आता है. इस समस्त मंडल में सूर्य प्रकाश पहुँचता है, परन्तु ऊपर से नीचे जाने पर उसकी मात्रा एवं तीव्रता घटती जाती है.

(ब) अप्रकाशित मंडल या बायोम (Aphotic Zone)–इसकी गहराई 200 मीटर से नीचे सागर तली तक होती है जो विभिन्न महासागरों एवं सागरों में अलग-अलग होती है इसके निम्नलिखित गोण मंडल हैं–

(i) मध्य पैलेजिक मंडल (Mesopelagic zone)–गहराई 1000 मीटर तक है.

(ii) गम्भीर पैलेजिक मंडल (Bathypelagic zone)–इसकी गहराई 4000 मीटर तक है. तापमान कम होता है. जल दाब अधिक और पूर्ण अंधेरा रहता है. मात्र जीव प्रदीप्त प्रकाश ही होता है.

(iii) अति गम्भीर पैलेजिक मंडल (Abyssopelagic zone)–इसकी गहराई 6000 मीटर तक होती है.

2. नितलीय बायोम (Benthic Biome)

इसमें सागरतलीय भाग को सम्मिलित किया जाता है. इसके तीन उप-विभाग हैं–

(i) बेलाचली मंडल (Littoral zone)–इसके अन्तर्गत सागर तट तथा किनारे का वह भाग आता है जो उच्च ज्वार एवं निम्न ज्वार के मध्य होता है.

(ii) उप बेलाचली मंडल (Sub Littoral zone)–इसके अन्तर्गत महाद्वीपीय मग्नतट में जल के नीचे स्थित स्थलीय (तलीय) भाग आता है.

(iii) गम्भीर तलीय मंडल (Deepsea benthic) –इसके तीन उपभाग हैं–

(अ) Archibenthal Zone– महाद्वीपीय मग्नतट से 1000 मीटर की गहराई पर स्थित तलीय भाग.

(ब) Abyssal Benthic Zone–1000 मीटर से 6000 मीटर की गहराई पर स्थित तलीय भाग.

(स) Hadal Zone–6000 मीटर से 7000 मीटर तक की गहराई पर स्थित तलीय भाग. यह मुख्यतः महासागरीय गहरी खाइयों की तली को प्रदर्शित करता है.

सागरीय जीवों (पादपों और प्राणी) को उनके निवास के आधार पर तीन वर्गों में बाँट सकते हैं–

(i) प्लैंकटन (Plankton)–ये प्रकाशित मंडल में प्लवमान या प्लावी (Floating) तथा वाही (Drifting) सूक्ष्मस्तरीय पादप एवं प्राणी होते हैं.

(ii) नेकटन (Nekton)–इसके अन्तर्गत बड़े आकार वाले और शक्तिशाली तैरने

वाले जन्तु आते हैं. ये सागर में प्रत्येक मंडल में घूमते हैं.

(iii) बेन्थस (Benthos)–इसके अन्तर्गत उन पादपों तथा प्राणियों को सम्मिलित करते हैं जो सागर तली पर रहते हैं.

सागरीय जीवों (प्राणी एवं पादपों) का निवास के आधार पर वर्गीकरण

1. *प्लैंकटन*
2. *नेकटन*
3. *बेन्थस*

सागरीय जल के तापमान तथा पोषक तत्वों की सुलभता के आधार पर सागरीय बायोम को निम्न प्रकारों में बाँट सकते हैं–

1. गर्मजलीय महाद्वीपीय मग्नतट बायोम (ऊपरी सतह का तापमान 20°C से अधिक)
2. शीतजलीय महाद्वीपीय मग्नतट बायोम (ऊपरी सतह का तापमान 20°C से कम)
3. आरोही पोषक तत्वों वाले सागरीय क्षेत्र बायोम (तापमान समीपी भागों में कम होता है)
4. शीत खुला सागर बायोम
5. गर्म खुला सागर (बायोम)

1. प्लैंकटन समुदाय

इसके प्रकाशित मंडल अथवा ऊपरी पैलेजिक मण्डल जो सागर तल से 200 मीटर तक गहरे भाग में है. इसके अन्तर्गत जल के ऊपर प्लावी या उतराने वाले (Floating) पादपों एवं प्राणियों के समूह को सम्मिलित किया जाता है. इस श्रेणी के पादपों को प्रकाश संश्लेषी (Phytoplakton) तथा प्राणियों को प्राणी प्लैंकटन (Zoo plankton) कहते हैं. फाइटोप्लैंक्टन प्रकाश संश्लेषण विधि से आहार निर्मित करने वाले होते हैं. हरे फाइलोप्लैंकटन प्राथमिक उत्पादक एवं स्वपोषित होते हैं जिनके ऊपर समस्त सागरीय जीव निर्भर करते हैं यह सागरीय आहार शृंखला तथा जाल से पोषण स्तर तक का प्रतिनिधित्व करते हैं.

जल के तापमान एवं पोषक तत्वों के आधार पर वर्गीकरण

1. *गर्मजलीय महाद्वीपीय मग्नतट बायोम*
2. *शीतजलीय महाद्वीपीय मग्नतट बायोम*
3. *आरोही पोषक तत्वों वाले सागरीय क्षेत्र बायोम*
4. *शीत खुला सागर बायोम*
5. *गर्म खुला सागर बायोम*

इन सूक्ष्म जीवों में अत्याधिक जनन क्षमता होती है. यह अत्याधिक गति से जनन करते हैं और उतनी ही अत्याधिक गति से इनका भक्षण भी करते हैं. इनमें शैवाल एवं डायटम मुख्य हैं. इनका सर्वाधिक विकास शीत सागरीय जल में होता है, परन्तु सागरीय धाराओं और अन्य क्षेत्रों में वितरित हो जाते हैं. इनके कई वंश तथा जातियाँ होती हैं. Gonyaulax तथा Gymonodium में जनन प्रस्फोट (Reproduction explosion) होता है. जिससे लाल-भूरे पादपों का अपार समूह निर्मित हो जाता है इन्हें लाल ज्वार कहते हैं. इस पादप समूह का सबसे अधिक विकास अयनवर्ती गर्म सागरीय बायोम में होता है, परन्तु कभी-कभी ये उत्तरी सागर में भी बड़ी संख्या में मिलते हैं. पादप प्लैंकटन में कई तरह के बैक्टीरिया भी पाये जाते हैं. जो गर्म और शीत सभी सागरीय भागों में पाये जाते हैं, परन्तु इनका सर्वाधिक विकास बेलाचली बायोम तथा सागर के प्रकाशित मंडल में होता है क्योंकि यह जैविक पदार्थ पर निर्भर करते हैं.

प्लैंकटन समुदाय

***प्रकाशित मंडल**–200 मीटर तक गहरे भाग प्लावी और तैरने वाले पादप Phytoplakton and Zoo plakton प्राणियों में जनन क्षमता अधिक, उनका भक्षण भी अधिक, जैसे शैवाल और डायटम, विकास-शीत सागरीय जल में.*

प्राणी प्लैंकटन में कई तरह के सागरीय प्राणी जीवन रूप में (Life form) में सम्मिलित होते हैं जिनका आकार एक मिलीमीटर के अंश से लेकर कई मीटर तक होता है. इनके तीन वर्ग होते हैं–

(अ) शाकाहारी, (ब) मांसाहारी, (स) अवसाद पोषित.

वास्तव में प्राणी प्लैंकटन प्रकाशित मंडल के पादप प्लैंकटन द्वारा निर्मित सागरीय चरागाह तथा बड़े आकार वाले सागरीय प्राणियों के मध्य सेतु का कार्य करते हैं.

2. नेकटन समुदाय

सागरीय जल में विभिन्न गहराई पर स्वयं तैरने वाले प्राणियों को नेकटन समूह के अन्तर्गत सम्मिलित करते हैं. इसके अन्तर्गत अधिकांश प्राणी रीढ़ वाले होते हैं. इनमें सबसे प्रमुख मछलियाँ हैं. इन्हें दो वर्गों में बाँटा जा सकता है–

(i) पैलेजिक मछलियाँ, (ii) सागर निंतल या उसके समीप पायी जाने वाली मछलियाँ. प्रथम वर्ग में वे मछलियाँ आती हैं जो सागरीय जल के ऊपरी भाग में रहती हैं जैसे Herring जबकि सागरीय तल के जल की मछलियाँ अत्याधिक गहराई में रहती हैं तेज तैराक रीढ़विहीन नेकटन प्राणियों में Squids सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं. छोटे Squids समूह में भ्रमण करती हैं परन्तु गति कम होने के कारण यह मछुआरों के जाल में आसानी से फँस जाती हैं, जबकि बड़ी Squids अपनी तेजगति के कारण जाल में नहीं आ पाती हैं. Squids मांसाहारी होती हैं और बड़ी मछलियों की शिकार बन जाती हैं.

इसी प्रकार सागरीय स्तनधारी तैराक नेकटन प्राणियों को दो वर्गों में बाँटा जा सकता है–

(i) वह प्राणी जो वर्ष के कुछ समय तक स्थल पर रहते हैं और अधिक समय तक सागर में रहते हैं. Scale जाति के प्राणी. इसके प्रमुख उदाहरण हैं–

(ii) वे स्तनधारी तैराक नेकटन प्राणी जो पूर्णरूप से सागर में ही रहते हैं जैसे ह्वेल. ये दो परिवारों में विभाजित की जा सकती हैं–

नेकटन समुदाय

सागरीय जल में विभिन्न गहराई पर तैरने वाले प्राणी, रीढ़ की हड्डी वाले जैसे विभिन्न प्रकार की मछलियाँ इसके अतिरिक्त स्तनधारी तैरने वाले प्राणी जैसे ह्वेल मछली.

(अ) दाँत वाली ह्वेल जो परभक्षी होती है तथा छोटे आकार की होती है जैसे Sperms Whales से लेकर Killer Whales तक. डाल्फिन भी इसी परिवार की हैं.

(ब) Whalebone Whales जैसे Blue Whales एवं Humpbacked Whale अन्य स्तनधारी तैराक प्राणियों में सागर गाय प्रमुख हैं.

3. बेन्थस समुदाय

बेन्थस जीव समुदाय (पादप एवं प्राणी) के अन्तर्गत बेलाचली (तटीय) सागरीय भाग से खुले सागर के जल के नीचे स्थित तलस्थ या नितल में रहने वाले पादपों तथा प्राणियों को सम्मिलित किया जाता है. तलवासी प्राणियों की जातियों में अत्याधिक विविधता पाई जाती हैं तथा इनकी कुल जातियाँ (Species) सागरीय प्राणियों की समस्त जातियों का 16 प्रतिशत हैं. इनमें से अधिकांश प्रकाशित मंडल के तलीय भागों में (जलतल से 200 मीटर की गहराई पर स्थित तलीय भाग) में निवास करते हैं. वास्य क्षेत्र के आधार पर बेन्थस जीवों को दो श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है–

(i) सागरीय तली पर या उसके ऊपर रहने वाले पादप तथा प्राणी.

(ii) तली पर स्थित निक्षेपों के अन्दर रहने वाले पादप एवं प्राणी. कम गहराई पर स्थित तलीय भागों में प्रमुख पादप हैं. Seawoods, large algae, celgrass तथा turile grass, पादपों का सर्वाधिक विकास बेलाचली मंडल के तटस्थ भागों में होता है.

शेष पृष्ठ 130 **पर**

वैज्ञानिक लेख

अदृश्य सूक्ष्मजीवों की अद्भुत दुनिया

✍ मनीष श्रीवास्तव

आज सूक्ष्मजीव विज्ञानियों द्वारा अपने शोधों से यह स्पष्ट किया जा चुका है कि धरती पर हर जगह मौजूद सूक्ष्मजीवों की, मिट्टी के एक ग्राम में ही, लगभग 10 लाख संख्या पाई जाती है. इनका आकार 2 से 5 माइक्रोमीटर के लगभग इतना नगण्य है कि इन्हें साधारण रूप से देख पाना भी असंभव है. इनकी संख्या पृथ्वी पर इतनी है कि सूक्ष्मजीवों की गिनती कर पाना नामुमकिन है. ये पृथ्वी पर मिट्टी, वायु, जल, पौधों, जन्तुओं, मनुष्य, पदार्थ आदि सभी स्थानों पर मौजूद हैं. एक **'ह्यूमन प्रोजेक्ट माइक्रोबायोम** के अनुसार मनुष्य के शरीर की 75 प्रतिशत कोशिकाओं में सूक्ष्मजीवों की उपस्थिति होती है, जिनका भार मानव शरीर के कुल वजन का लगभग 2 किलोग्राम तक होता है, परन्तु इनमें से कई सूक्ष्मजीव मानव शरीर से इस तरह से सामंजस्य बनाकर चलते हैं कि ये नुकसान न पहुँचाते हुए मानव शरीर में बने रहते हैं. सूक्ष्मजीवों के सम्बन्ध में यह भी रोचक तथ्य है कि इन्हें ठंडे या गर्म स्थानों से कोई फर्क नहीं पड़ता. ऐसे स्थानों पर भी कुछ विशिष्ट प्रकार के सूक्ष्मजीव न केवल पाए जाते हैं, बल्कि वृद्धि भी करते हैं. ऐसे सूक्ष्मजीव, जो प्रतिकूल पर्यावरण में भी जीवित रहते हैं, उन्हें एक्सट्रीमोफाइल्स कहा जाता है. मानव सभ्यता पर सबसे ज्यादा असर डालने वाले सूक्ष्मजीवों की खोज और आज की परिस्थितियाँ जानना बहुत ही रोचक है. यह अदृश्य जीव हमारी दैनिक दिनचर्या को प्रभावित करते हैं और आज इनका जाल दुनिया में दोगुनी तेजी से फैल रहा है.

सूक्ष्मजीवों का रोचक इतिहास

सूक्ष्मजीवों को मानव जगत् से रूबरू कराने का प्रारंभिक श्रेय एक डच व्यापारी **'एन्टोनी वान ल्यूवेनहॉक'** को जाता है. सन् 1976 में एन्टोनी वान ने **'रॉयल सोसायटी ऑफ लंदन'** को एक पत्र लिखकर बताया था कि उन्होंने आँखों से दिखाई न देने वाले जीवों के समुदाय को एक सूक्ष्मदर्शी से देखा है. रोचक बात यह थी कि उन्होंने स्वयं काँच को घिसकर, उन्हें आपस में जोड़कर, एक सूक्ष्मदर्शी बनाया था. इसी के माध्यम से उन्होंने सूक्ष्मजीवों को देखा था. प्रारम्भिक जानकारी के बाद एन्टोनी वान व्यावहारिक रूप से इसे प्रमाणित नहीं कर पाए थे, किन्तु उन्होंने विज्ञान की एक नई शाखा का सूत्रपात तो कर ही दिया था. इस शाखा को आगे बढ़ाया 'लुई पाश्चर' ने. पाश्चर ने यह अवधारणा प्रस्तुत की, कि कुछ मानव बीमारियों का असल कारण जीवाणु या अन्य सूक्ष्मजीव होते हैं. इस संकल्पना को 'जर्म थ्योरी ऑफ डिजीज' नाम दिया गया, किन्तु वे भी इसे अधिक प्रमाणिक रूप से सिद्ध नहीं कर पाए. पाश्चर के बाद **'रॉबर्ट कॉक'** ने सूक्ष्मजीव विज्ञान के क्षेत्र में क्रांतिकारी कार्य किया. उन्होंने जीवाणुओं के अध्ययन की अपनी इस खोज को **'प्योर कल्चर तकनीक'** का नाम दिया. इसी तकनीक के कारण जीवाणुओं का अधिक से अधिक अध्ययन सम्भव हो सका. पाश्चर का सिद्धान्त कि हर बीमारी के पीछे कोई सूक्ष्मजीव होता है. इसका प्रमाणिक सत्यापन भी **'रॉबर्ट'** ने करके दिखाया.

1876 में **'रॉबर्ट'** ने एक प्रयोग किया. उन्होंने एक मृत भेड़ के शरीर से जीवाणु को पृथक् किया तथा उस जीवाणु को स्वस्थ जीव में प्रवेशित कराया. इसके बाद उन्होंने देखा कि कुछ समय बाद उस स्वस्थ जीव में भी वे ही लक्षण दिखाई देने लगे, जो मृत भेड़ में बीमारी के समय थे. कुछ समय बाद उस जीव की भी मृत्यु हो गई. इस तरह से **'रॉबर्ट कॉक'** ने साबित कर दिखाया कि हरएक बीमारी के पीछे कोई न कोई सूक्ष्मजीव होता है. **'रॉबर्ट'** ने अपने परीक्षण से **'ट्यूबरकुलोसिस'** (TB) रोग के सूक्ष्मजीव का पता लगाकर उसे **'मायकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस'** जीवाणु नाम दिया. उन्होंने अपने जीवनकाल में कई सूक्ष्मजीवों के कारण होने वाली बीमारियों का पता लगाया. **'रॉबर्ट कॉक'** द्वारा उपलब्ध कराये गये सिद्धान्त के आधार पर ही आगे चलकर टायफाइड/गल्सुआ/चेचक/ कालरा जैसे घातक रोगों के होने का कारण और इसके पीछे होने वाले सूक्ष्मजीवों के बारे में वैज्ञानिक पता लगा सके. इन रोगों के कारणों का पता लगने के कारण इनकी रोकथाम पर तेजी से और प्रमाणिकता से कार्य किया जा सका. अगर, इन रोगों के कारणों का पता न चलता, तो आज भी न जाने कितने लोगों की जानें जा रही होतीं.

सूक्ष्मजीवों का विभाजन

जब यह ज्ञात हो गया कि प्रकृति में सूक्ष्मजीव हर जगह पाए जाते हैं, तब अगला चरण इनके विभाजन का आया. क्योंकि अनेक प्रकार के रोग होने का कारण एक ही सूक्ष्मजीव नहीं था. इसलिए खोजों के द्वारा ज्ञात किया गया कि इनकी प्रजातियाँ भी कई प्रकार की होती हैं. सूक्ष्मजीव विज्ञान के विशेषज्ञों ने इन्हें निम्न प्रकार से विभाजित किया–

1. वायरस (विषाणु)–यह एक अति-सूक्ष्म संक्रमणकारी जीव है, जोकि किसी जीवित जीव के शरीर में जीवित अवस्था में तथा शरीर के बाहर कण रूप में विद्यमान रहता है. ये मनुष्य, पादप को आसानी से रोगग्रस्त कर सकते हैं.

चित्र–1 : एच 1 एन 1 वायरस

2. बैक्टीरिया–यह एककोशीय जीव मनुष्य में कई रोगों का कारण बनते हैं. कई बैक्टीरिया मानव स्वास्थ्य के लिए लाभदायक भी होते हैं.

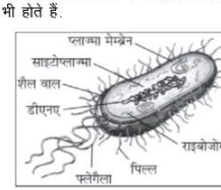

चित्र–2 : मोनेरा बैक्टीरिया

3. कवक (फंगस)–यह वह सूक्ष्मजीव है, जो नमीयुक्त पोषक तत्वों तथा समुद्री जल पर पाया जाता है.

चित्र–3 : कवक की एक प्रजाति

4. शैवाल (एल्गी)–यह स्वपोषी पादप होते हैं, जो तालाबों, नदियों और नम स्थानों में पाये जाते हैं.

5. प्रोटोजोआ–ये एककोशीय जीव है, जो तालाबों, नदियों, पानी के गड्ढों तथा मिट्टी में पाए जाते हैं.

चित्र–4 : प्रोटोजोआ का एक प्रकार–अमीबा

इनके अलावा बैक्टीरिया के कारण होने वाली बीमारियाँ–प्लेग, लैप्रोसी, निमोनिया, सिफलिस, टेटनस आदि भी हैं.

सूक्ष्मजीव शोध विज्ञान की विविध शाखाएँ

पहले सूक्ष्मजीवों के बारे में कोई जानकारी मनुष्यों को नहीं थी, परन्तु जब वैज्ञानिकों ने इनकी खोज की तब कई रोचक तथ्य सामने आए. हर बीमारी के पीछे किसी न किसी सूक्ष्मजीव के होने का पता चला. कई ऐसे भी सूक्ष्मजीवों के बारे में जानकारी मिली, जो मनुष्यों के लिए बेहद लाभदायक हैं. इनसे पारिस्थितिकी तन्त्र को भी बहुत लाभ होता है. धीरे-धीरे सूक्ष्मजीवों के इतने प्रकार सामने आए, कि यह अध्ययन का ही एक विषय बन गया. आज निम्न विज्ञान शाखाओं के अन्तर्गत सूक्ष्मजीवों का अध्ययन किया जा रहा है–

- **जीवाणु विज्ञान**–बैक्टीरियोलॉजी (जीवाणुओं का अध्ययन).
- **विषाणु विज्ञान**–वाइरोलॉजी (विषाणु का अध्ययन)
- फाइकोलॉजी (शैवालों का अध्ययन)
- माइकोलॉजी (कवकों का अध्ययन)

मानव के दोस्त भी हैं सूक्ष्मजीव

सूक्ष्मजीवों के संसार से जब मानव रूबरू हुआ, तो धीरे-धीरे उसने जानकारियाँ जुटानी शुरू कीं. पहले तो कई बीमारियों का कारण सूक्ष्मजीवों को बताया गया. वैज्ञानिकों ने निरन्तर जारी प्रयोगों ने इसे सिद्ध करके दिखाया, किन्तु बाद में ऐसे भी सूक्ष्मजीवों का पता लगता गया, जिनका मानव जीवन को सरल बनाने तथा लाभ पहुँचाने में अत्यधिक योगदान है. वैज्ञानिकों ने अपनी खोजों से बताया कि प्रकृति के चक्रीयकरण, नाइट्रीकरण, मानव पाचन क्रिया, दही/पनीर/चीज के निर्माण, एल्को-हॉल निर्माण के लिए सूक्ष्मजीव ही उत्तरदायी होते हैं. मानव शरीर की आहार नाल में मीथेनाजेंस, बायाफिडा बैक्टीरिया नाम के जीवाणु पाए जाते हैं. ये आपस में इस तरह से संक्रियाएँ करते हैं कि मानव का पाचन तंत्र सही रूप से कार्य कर सके. इसी तरह से मानव शरीर की प्रतिरोधी क्षमता को बढ़ाने में भी कई सूक्ष्मजीवों का योगदान होता है. अभी भी सूक्ष्मजीव विज्ञान के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण खोजें होना बाकी हैं.

सूक्ष्मजीवों से बिगड़ता पारिस्थितिक संतुलन

आज दुनिया भर में मनुष्यों और सामग्रियों के आवागमन के साथ ही सूक्ष्मजीवों का इतना द्रुतगति से आवागमन हो रहा है कि पृथ्वी पर पारिस्थितिक असंतुलन की स्थिति निर्मित हो गई है. पुरातन समय में यह स्थान परिवर्तन धीरे होता था. इस सम्बन्ध में एक चेतावनी मैक्वरी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर **'माइकल गिलिंग्स'** ने दी है कि प्रत्येक वर्ष लगभग 1·2 बिलियन अंतर्राष्ट्रीय टूरिस्ट आवागमन करते हैं. इस सबसे मनुष्य जीवाणुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान पर फैल रहा है, उससे **'बैक्टीरियल इकोसिस्टम'** को बहुत नुकसान हो रहा है. इससे कई सूक्ष्मजीव विलुप्त होने की स्थिति में भी आ गये हैं. यह पर्यावरण के लिए ठीक नहीं है. प्रसिद्ध साइंस मैगजीन में प्रकाशित एक आलेख में वैज्ञानिकों ने इस पर चिंता जताते हुए कहा है कि जैसे-जैसे हम दुनिया में बढ़ते जा रहे हैं, हमारे हर कदम के साथ अरबों जीवाणु या बैक्टीरिया का प्रसार भी होता जा रहा है. इनके एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने से पर्यावरण और मानव के लिए कई विसंगतियाँ उत्पन्न हो रही हैं. ●●●

विषाणु (Virus) से होने वाले रोग

रोग	रोगाणु नाम	रोग फैलने का माध्यम
स्माल पॉक्स	वायरोला मेजर	हवा द्वारा
चिकन पॉक्स	वैरीसेला	हवा द्वारा
हैपेटाइटिस	हैपेटाइटिस बी वायरस	दूषित जल
एड्स	एचआईवी	दूषित रक्ताधान/असुरक्षित यौन सम्बन्ध
खसरा	रूबोला	हवा द्वारा

बैक्टीरिया (Bacteria) से होने वाले रोग

रोग	रोगाणु नाम	रोग फैलने का माध्यम
टाइफाइड	साल्मोनेला टाइफी	दूषित भोजन/पानी
हैजा	विब्रिओ कॉलरी	दूषित भोजन/पानी
डिफ्थीरिया	कोर्नी बैक्टीरियम डिफथीरी	हवा द्वारा
काली खाँसी	बोर्डिटेला पर्टूसिस	हवा द्वारा
टी. बी. (T.B.)	माइकोबैक्टिरियम ट्यूबरक्लोसिस	हवा द्वारा

प्रोटोजोआ (Protozoa) से होने वाले रोग

रोग	रोगाणु नाम	रोग फैलने का माध्यम
मलेरिया	प्लैज्मोडियम	मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से
अमीबिक डिसेन्ट्री	एन्ट अमीबा हिस्टोलिटिका	दूषित भोजन/जल से

कृमियों (Nemetodes) से होने वाले रोग

रोग	रोगाणु नाम	रोग फैलने का माध्यम
फाइलेरिया	वाउचेरिया बैन्क्रोफ्टाई	एडीज मच्छर
एस्केरियोसिस	एस्केरिस लम्ब्रीकोइड्स	दूषित भोजन/पानी

शेष पृष्ठ 110 का

और खुशहाली की जगह भय का वातावरण बन गया है, कश्मीर में अगर कोई गैर स्थायी व्यक्ति मजबूरी में रह भी रहा है तो उसकी स्थिति अपने ही देश में परदेशी जैसी हो गयी है. भारतीय संविधान राज्य के संविधान तथा राज्य सरकारों द्वारा प्राप्त विशेषाधिकार या विशिष्ट स्थिति के कारण वहाँ के लोगों में मानसिक अलगाव पैदा हो गया है.

- सामरिक, रक्षा तथा कूटनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 तथा 35 ए को लम्बे समय तक यथास्थिति में लागू या बनाए रखने से देश की एकता-अखण्डता तथा संप्रभुता को भविष्य में गम्भीर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है अतः या तो अनुच्छेदों को समाप्त किया जाए अथवा इनमें आवश्यक संशोधन कर इनके अनुपयोगी/संदिग्ध प्रावधानों को निष्प्रभावी कर दिया जाए.

●●●

संचार लेख

संचार प्रक्रिया : बहुआयामी विश्लेषण

✍ डॉ. अवधेश कुमार यादव

संचार की अवधारणा

संचार की अवधारणा अत्यन्त व्यापक है. इसे मानव जीवन का आधार कहा जाता है, क्योंकि मानव जीवन में ऐसा कोई कार्य नहीं है, जो संचार के बगैर सम्भव हो सके. सूचनाओं का आदान-प्रदान, निर्देशन, मनोरंजन, विचार-विमर्श, विश्वास अर्जन, भावनात्मक एकता इत्यादि संचार द्वारा ही सम्भव है. अतः मानव जीवन का दूसरा नाम है–'संचार-संलग्नता' और मृत्यु का दूसरा नाम है–'संचार-शून्यता'.

संचार का अर्थ

संचार शब्द की उत्पत्ति संस्कृत भाषा के 'चर' धातु से हुई है, जिसका अर्थ होता है–चलना या एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचना. इस प्रकार, संचार शब्द का अर्थ सूचना देने वाले (संचारक) और सूचना प्राप्त करने वाले (प्रापक) के मध्य उभयनिष्ठता है. इस आधार पर कहा जा सकता है कि–

- संचार एक ऐसा प्रयास है, जिसके माध्यम से एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के विचारों, भावनाओं एवं मनोवृत्तियों में सहभागी बनता है.
- संचार वह प्रक्रिया है, स्रोत और श्रोता के मध्य सूचना का सम्प्रेषण होता है.

संचार शब्द के निम्नलिखित अर्थ भी होते हैं–

1. संकेतों, सामान्य संदेशों तथा सूचनाओं का आदान-प्रदान.

2. व्यक्तियों-व्यक्तियों के बीच संकेतों की सामान्य प्रणाली द्वारा सूचनाओं के आदान-प्रदान की प्रक्रिया.

3. विचारों को प्रकट करने की कला.

4. एक स्थान से दूसरे स्थान तक या एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति अथवा व्यक्तियों तक सूचना भेजने का विज्ञान.

उपर्युक्त आधार पर सामान्य शब्दों में कहा जा सकता है कि "दो व्यक्तियों में आमने-सामने बैठकर होने वाली गपशप, टेलीफोन या मोबाइल पर होने वाली बातचीत, पत्र लिखना, ई-मेल करना, सोशल नेटवर्किंग साइट्स (फेसबुक, ट्वीटर, माईस्पेस, लिंक्डइन इत्यादि) और विभिन्न एप्स (ह्वाट्स-अप, हाइक इत्यादि) पर अपने विचार व्यक्त करना या दूसरों के विचारों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करना संचार है. इसी क्रम में किसी राजनेता या वरिष्ठ अधिकारी के भाषण, वक्तव्य, योजना इत्यादि से सम्बन्धित समाचार को समाचार-पत्र में पढ़ना, रेडियो पर सुनना या टेलीविजन पर देखना इत्यादि संचार के अन्तर्गत आता है."

व्यापक अर्थों में "किसी एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को या व्यक्ति से समूह को या समूह से समूह को कुछ सार्थक चिह्नों, संकेतों या प्रतीकों के द्वारा सूचना, जानकारी, ज्ञान या मनोभावों का आदान-प्रदान करना संचार है." संचार के दौरान दो या दो से अधिक व्यक्ति सूचनाओं एवं अनुभूतियों का आपस में विनिमय करते हैं. इससे दोनों/सभी के मध्य परस्पर समझ (Understanding) का विकास होता है.

संचार की परिभाषा

संचार को विविध विधाओं के विशेषज्ञों ने परिभाषित करने का प्रयास किया है, लेकिन किसी एक परिभाषा पर सर्वसम्मति नहीं बन सकी है.

- **चार्ल्स ई. रेडफील्ड** के अनुसार, "संचार से आशय उस व्यापक क्षेत्र से है, जिसके माध्यम से मनुष्य तथ्यों एवं अभिमतों का आदान-प्रदान करता है. टेलीफोन, तार, रेडियो अथवा इस प्रकार के अन्य तकनीकी साधन संचार नहीं है."
- **ली थायर** के अनुसार, "जब भी कोई व्यक्ति अपने अन्तः व बाह्य उद्दीपकों को अर्थ व महत्व प्रदान करता है, तो संचार सम्पन्न होता है."

उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर कहा जा सकता है कि किसी एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति अथवा समूह को कुछ सार्थक चिह्नों, संकेतों या प्रतीकों के माध्यम से ज्ञान, सूचना, जानकारी व मनोभावों का आदान-प्रदान करना ही संचार है, जिसमें मुख्यतः तीन बातें स्पष्ट रूप से सामने आती हैं–

1. यह विनिमय या सूचना सम्प्रेषण मौखिक, लिखित अथवा संकेतों में ही हो सकता है, लेकिन जिस रूप में हो वह अर्थपूर्ण संदेश होना चाहिए. बिना अर्थ के सम्प्रेषित संदेश व्यर्थ है.

2. संचार एक जटिल प्रक्रिया होती है. इससे हमारे वाक् अवयवों से लेकर अनेक प्रकार की मशीनों का प्रयोग किया जाता है.

3. संदेश अर्थपूर्ण हो और उनका प्रभाव दूसरे लोगों पर होना चाहिए. वे कुछ प्रतिक्रिया दें, यह भी आवश्यक है.

संचार की प्रकृति

संचार मानव समाज का अभिन्न अंग हैं. मानव द्वारा शब्द, संकेत, चित्र व हाव-भाव इत्यादि रूपों में होने वाली प्रक्रियाएं संचार के अंग हैं. यह मानव जीवन की वह धुरी है, जिसके द्वारा मानव समाज के सामाजिक सम्बन्धों का निर्माण होता है. संचार के बगैर मानव के सामाजिक जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है.

संचार की प्रक्रिया में सूचना का प्रवाह और सूचना की ग्रहणशीलता के कार्य में मानव शरीर के अनेक अंग पृथक-पृथक् अथवा संयुक्त रूप से कार्य करते हैं, जिनमें मुँह, हाथ, पैर और चेहरा प्रमुख हैं. संचार के दौरान मानव शरीर के अंग सूचना सम्प्रेषण, सूचना ग्रहण, संचार माध्यम, संदेश सम्पादन और नियन्त्रण का कार्य करते हैं.

संचार प्रक्रिया का आरम्भ संचारक और प्रापक के मध्य संदेश के आदान-प्रदान से होता है. संचारक का उद्देश्य संदेश सम्प्रेषित कर प्रापक के विचारों, व्यवहारों इत्यादि को परिवर्तित या परिवर्धित करना होता है. संदेश का सम्प्रेषण मात्र ही संचार नहीं है. इसमें प्रभावी प्रतिक्रिया का होना भी जरूरी है, जिसे फीडबैक कहते हैं. संचार प्रक्रिया में संदेश का आदान-प्रदान प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों रूपों में होता है.

सामान्यतः संचार मानव समाज की संज्ञानात्मक प्रक्रिया है, जिसमें उद्देश्यपूर्ण एवं सार्थक अनुभवों, व्यवहारों एवं आवश्यकताओं का परस्पर आदान-प्रदान होता है. इसमें निश्चित लक्ष्य निहित होते हैं. यह मानव के व्यवहार को प्रभावित करने में मदद मिलता है. यह मानवों के मध्य किसी-न-किसी प्रकार की समानता की ओर संकेत करता है. यह कठिनता, प्रतीकात्मक, समस्यायुक्त एवं विरोधाभासी प्रकृति का भी होता है. सामान्य रूप से संचार प्रक्रिया तब व्यवहारित होती है, जब संदेश सम्प्रेषित किया जाता है. मानव या मानव समाज जिस रूप में संदेश सम्प्रेषित करना चाहता है, उसी के अनुरूप इसकी प्रकृति बनती-बिगड़ती रहती है. संचार की प्रकृति संचारक और प्रापक की प्रकृति के अनुरूप होती है. यदि संचारक विरोधाभाषी संदेश सम्प्रेषित करता है, तो संचार की प्रकृति भी विरोधी स्वभाव की हो जाती है.

संचार का परिणाम अंतःक्रिया है अर्थात् संचारक और प्रापक के मध्य सम्पर्क. यह अनेक तत्वों के बीच अंतःक्रिया है, जो पारस्परिक रूप में इस प्रकार कार्य करते हैं कि इनमें से किसी एक तत्व के परिवर्तन से

अन्य सभी तत्वों में परिवर्तन स्वतः गतिशील हो जाता है. वस्तुतः एक भंगिमा, संकेत, प्रतीक, चित्र अथवा ध्वनि जो किसी व्यक्ति के पूर्वाग्रह अथवा वर्ग के दबाव के कारण अभिव्यक्त होती है. संचारक के पूरे परिणाम को प्रभावित कर सकती है. सम्प्रेषण की प्रकृति कोई निश्चित सैद्धान्तिक कार्य पद्धति नहीं, बल्कि मानव के क्रियाशील कार्यों एवं अंतःक्रिया को समझने की अनवरत प्रक्रिया में निहित है. इस प्रकार, यदि हम संचार की प्रकृति को समझने का प्रयास करें, तो कह सकते हैं कि संचार की प्रकृति मिट्टी के उस गीले ढेर के समान है, जिसे कुम्हार जिस रूप में चाहे ढाल सकता है और उनसे जो बर्तन (आकार) बनाता है वह कुम्हार की इच्छा के अनुकूल होता है. जिस प्रकार, बर्तन के ढेर को पकाते समय विभिन्न प्रकार की बाधाएं आती हैं और ढेर में से कुछ बर्तन को क्षतिग्रस्त करती हैं, ठीक उसी प्रकार संचार प्रक्रिया के दौरान बाधाएं संचार के प्रभाव को कमजोर या विकृत कर देती हैं.

संचार के क्षेत्र

संचार द्वि-मार्गीय (Two-way) प्रक्रिया है, क्योंकि इसके अन्तर्गत संदेश सम्प्रेषित करने वाले (संचारक) और संदेश ग्रहण करने वाले (प्रापक) के मध्य सूचनाओं, विचारों, भावनाओं, जानकारियों और अनुभूतियों का आदान-प्रदान होता है. इस प्रक्रिया में दोनों समान रूप से अपनी-अपनी भूमिका निभाते हैं. द्वि-मार्गीय प्रक्रिया में संचार आन्तरिक एवं बाह्य दोनों प्रकार से होता है. आन्तरिक संचार संस्थागत होता है, जिसके अन्तर्गत निर्देश देना, योजना बनाना, प्रेरित करना जैसे प्रबन्धकीय कार्य आते हैं. आन्तरिक संचार औपचारिक और अनौपचारिक भी होता है, जिसका प्रवाह समतलीय व लम्बवत् होता है. उदाहरणार्थ, जब वरिष्ठ अधिकारी अपने समकक्ष अधिकारियों से वार्तालाप करता है, तो संचार का प्रवाह समतलीय होता है. वहीं वरिष्ठ अधिकारी अपने अधीनस्थ कर्मचारियों से वार्तालाप करता है, तो संचार का प्रवाह लम्बवत् हो जाता है.

बाह्य संचार के अन्तर्गत किसी एक संस्था का दूसरे संस्था, सरकार के विभिन्न विभागों, उपभोक्ताओं, आम नागरिकों आदि के साथ सूचनाओं का आदान-प्रदान होता है. इसके माध्यम से किसी सूचना, विचार, जानकारी इत्यादि का प्रचार-प्रसार किया जाता है. अपने संस्था, संगठन या सरकार की आम नागरिकों में स्वच्छ छवि बनाने के लिए भी बाह्य संचार प्रक्रिया का उपयोग किया जाता है. सामान्यतः बाह्य संचार प्रक्रिया के अन्तर्गत उपयोग में आने वाले संचार माध्यमों को ही संचार का क्षेत्र माना जाता है. इसका विभाजन अध्ययन की सुगमता की दृष्टि से निम्नवत् है–

(क) **पारम्परिक क्षेत्र**–संचार के पारम्परिक क्षेत्र का उद्‌भव आदिकाल में ही हो गया था. तब मानव को संचार का मतलब ही नहीं पता था. पारम्परिक क्षेत्र के अन्तर्गत संचार के परम्परागत माध्यम आते हैं, जिसे जानने व समझने में वैयक्तिक कोटि के संचार माध्यमों का उपयोग करने वाले मानव को लम्बा समय लग गया. ग्रामीण विकास की सम्पूर्ण स्थिति की समीक्षा कर ईमानदारी से कहा जा सकता है कि ग्रामीण जनता को जागरूक करने तथा विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के प्रारम्भिक प्रयासों में परम्परागत माध्यमों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है. इसके अन्तर्गत शास्त्रीय-संगीत, लोक-संगीत, लोक-कला, लोक-नाटक, यात्रा-वृत्तांत, कथा-वार्ता, कठपुतली, मेला, उत्सव, त्योहार, तमाशा, पर्यटन इत्यादि आते हैं. परम्परागत माध्यमों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके माध्यम से संदेशों का सम्प्रेषण लोगों की भाषा, संस्कृति व अभिरूचि के अनुरूप होता है.

(ख) **मुद्रित क्षेत्र**–मानव सभ्यता के विकास के इतिहास में मुद्रण के आविष्कार के साथ जैसे ही नया अध्याय जुड़ा, वैसे ही संचार के मुद्रित क्षेत्र का सूत्रपात हुआ. हालाँकि मुद्रण के आविष्कार से पहले ही मानव ने लिखना-पढ़ना सीख लिया था, तब हस्तलिखित पत्रों के माध्यम से संदेश सम्प्रेषण का कार्य किया जाता था, जो समाज के कुछ सम्भ्रांत लोगों तक सिमटा हुआ था. मुद्रण के आविष्कार से सर्व-समाज तक संदेशों का सम्प्रेषण सम्भव हो सका. समाचार-पत्र, पत्रिका, पुस्तक, पोस्टर, पम्पलेट्स, बैनर इत्यादि मुद्रित माध्यम के उदाहरण हैं. मुद्रण तकनीकी में लगातार हो रहे सुधार व विकास के कारण संचार का मुद्रित क्षेत्र भी समृद्ध व प्रभावशाली हो रहा है.

(ग) **आधुनिक क्षेत्र**–संचार के आधुनिक क्षेत्र का उद्‌भव इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यमों के आगमन के साथ हुआ. टेलीफोन के आविष्कार के साथ ही त्वरित गति के संचार माध्यम की सम्भावना व्यक्त की जाने लगी थी. परिणामतः प्रारम्भ में रेडियो और बाद में टेलीविजन के माध्यम से संदेशों का सम्प्रेषण सम्भव हो सका. इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यमों का उपयोग शैक्षणिक विकास के क्षेत्र में तेजी से किया जा रहा है. इसकी बदौलत दूरस्थ शिक्षा प्रणाली को लोकप्रियता मिल रही है. इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यमों का उपयोग नियमित कक्षाओं में भी होने लगा है. इसकी मदद से दूर-दराज के स्कूल-कालेजों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को विशेषज्ञों के व्याख्यानों को देखते व सुनते का मौका मिलने लगा है.

(घ) **अत्याधुनिक क्षेत्र**–अन्तरिक्ष में कृत्रिम उपग्रहों के प्रक्षेपण तथा कम्प्यूटर के आविष्कार के बाद संचार के अत्याधुनिक क्षेत्र का निर्माण हुआ, जिसमें अत्याधुनिक संचार माध्यमों की भूमिका महत्वपूर्ण है. इसकी सहायता से द्रुतगति से संदेशों का सम्प्रेषण सम्भव हुआ है. इसके अन्तर्गत इंटरनेट आधारित ई-मेल, ई-फैक्स, ई-मनीऑर्डर, ई-कैश, ई-पेपर, ई-पत्रिका, ई-बिजनेश, ई-स्कूल, ई-गवर्नेंश इत्यादि सम्मिलित हैं. इन सुविधाओं का आधुनिक समाज में अपना अलग महत्व होने के कारण सम्पूर्ण दुनिया सूचना एवं क्रान्ति के दौर से गुजर रही है. लोगों को घर की चार-दीवारी के भीतर देश-दुनिया की जानकारी मिल रही है तथा बगैर किसी व्यवधान के सूचनाओं, विचारों, जानकारियों और अनुभूतियों का आदान-प्रदान हो रहा है.

संचार के उपर्युक्त समस्त क्षेत्र मानव के क्रमिक विकास का परिचायक है. सभी माध्यमों की अपनी-अपनी उपयोगिता है. संचार क्रान्ति के अत्याधुनिक युग में भी जहाँ परम्परागत माध्यम अपनी उपयोगिता को बनाए रखने में सक्षम हैं, वहीं मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों ने सर्व-समाज को एक सूत्र में बाँधने के कार्य में लगातार प्रयासरत् हैं. देश-समाज की सीमा को तोड़कर अत्याधुनिक माध्यम मार्शल मैकलुहान के 'विश्वग्राम' की परिकल्पना को साकार करने में लगे हैं.

संचार के तत्व

संचार प्रक्रिया के दौरान एक निश्चित उद्देश्य की पूर्ति होती है, जिसमें निम्नलिखित तत्व आपस में क्रिया-प्रतिक्रिया करते हैं–

(1) **संचारक** (Communicator)–संचार प्रक्रिया में संचारक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है. यह प्रापक की समस्याओं एवं आवश्यकताओं के अनुरूप संदेश का निर्माण करता है. संचारक संदेश का स्रोत व निर्माता होता है. दूसरे शब्दों में, संचारक वह व्यक्ति होता है, जो संचार प्रक्रिया की शुरूआत करता है. इसे संचारकर्ता, सम्प्रेषक, प्रेषक, संवादक, स्रोत, कम्युनिकेटर, सेंडर, एनकोडर, संदेश देने वाला इत्यादि भी कहा जाता है. सम्प्रेषित संदेश का प्रापक पर कितना प्रभाव पड़ेगा, यह संचारक के सम्प्रेषण कला और ज्ञान के स्तर पर निर्भर करता है.

(2) **संदेश** (Message)–संचार प्रक्रिया में विचारों व अनुभवों का सम्प्रेषण होता है. विचार व अनुभव को ही संदेश कहते हैं. दूसरे शब्दों में–प्रापक से संचारक जो कुछ कहना चाहता है वह संदेश है, जो लिखित, मौखिक, प्रतीकात्मक तथा शारीरिक हाव-भाव के रूप में हो सकता है. संदेश को अंतर्वस्तु (Contents) भी कहा जाता है. प्रायः संदेश का निर्माण अंतःवैयक्तिक संचार के रूप में होता है, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि संदेश का निर्माण जिस रूप में हुआ है,

उसी रूप में प्रापक तक पहुँचे. एक संदेश अलग-अलग माध्यमों से अलग-अलग प्रापकों तक अलग-अलग रूपों में पहुँचता है. संदेश का निर्माण करते समय संचारक को संदेश की विषय वस्तु, संदेश की विवेचना, संदेश माध्यम, प्रापक के ज्ञान का स्तर इत्यादि को ध्यान में रखना चाहिए. इनमें से किसी एक का गलत चयन होने के कारण प्रभावी संचार सम्भव नहीं है. प्रभावी संचार के लिए संदेश में सरलता, स्पष्टता, प्रस्तुतिकरण में क्रमबद्धता, सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश, शैक्षणिक, मानसिक व आर्थिक पृष्ठभूमि, जानने व समझने की सहजता का होना आवश्यक है.

(3) **माध्यम** (Channel)–संचार प्रक्रिया में माध्यम सेतु की तरह होता है, जो संचार और प्रापक को जोड़ने का कार्य करता है. संदेश किस तरह के श्रोताओं तक, किस गति से तथा कितने समय में पहुँचाना है, यह माध्यम पर निर्भर करता है. समाचार-पत्र टेलीविजन चैनल, रेडियो, वेब पोर्टल्स, ई-मेल, फैक्स, टेलीप्रिंटर, मोबाइल इत्यादि संचार के अत्याधुनिक माध्यम हैं. सम्प्रेषित संदेश की सफलता उसके माध्यम पर निर्भर करती है. उदाहरणार्थ, समाचार-पत्र व ई-मेल से भेजा गया संदेश केवल साक्षर लोगों के बीच, जबकि रेडियो व टेलीविजन से सम्प्रेषित संदेश साक्षर व निरक्षर दोनों के बीच प्रभावी होता है. इसका तात्पर्य है कि माध्यम और संदेश के बीच सामंजस्य पर संचार की प्रभावशीलता निर्भर करती है. संदेश सम्प्रेषण के लिए संचारक को ऐसे संचार माध्यम का चुनाव करना चाहिए, जो लक्षित समूह के बीच लोकप्रिय, सामाजिक व सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के अनुकूल, संदेश को अविलम्ब पहुँचाने में सामर्थ्यवान तथा कीमत में सस्ता हो.

(4) **प्रापक** (Receiver)–संचार प्रक्रिया में प्रापक उस व्यक्ति को कहते हैं, जिसको ध्यान में रखकर संचारक अपने संदेश का निर्माण, उचित माध्यम का चुनाव और सम्प्रेषण करता है. प्रापक कोई एक व्यक्ति या एक से अधिक व्यक्तियों का समूह हो सकता है. प्रापक को संग्राहक, ग्रहणकर्ता, प्राप्तकर्ता, रिसीवर, डिकोडर इत्यादि नामों से जाना जाता है. संचारक द्वारा सम्प्रेषित संदेश को प्रापक पढ़कर, सुनकर, देखकर, चखकर तथा स्पर्श कर ग्रहण करता है. देखने या सुनने या पढ़ने या सोचने की क्षमता के अभाव में प्रापक संदेश के अर्थों को शत-प्रतिशत ग्रहण नहीं सकता है. संचार प्रक्रिया में प्रापक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है. प्रभावी संचार के लिए प्रापक में संदेश को धैर्यपूर्वक सुनने व ग्रहण करने की क्षमता, संदेश ग्रहण करने के उपरान्त उसके अनुपालन की योग्यता, विश्वसनीय सूचनाओं का चुनाव करने का सामर्थ्य तथा की ज्ञान की दृष्टि से संचारक के बराबर का होना चाहिए.

(5) **फीडबैक** (Feedback)–संचारक से संदेश ग्रहण करने के उपरान्त प्रापक उस पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करता है, जिसे प्रति-उत्तर, प्रतिपुष्टि व फीडबैक कहा जाता है. बेहतर संचार के लिए बेहतर फीडबैक का होना आवश्यक है. फीडबैक से ही पता चलता है कि संचारक के संदेश को प्रापक ने ग्रहण किया है या नहीं. अनुभवी संचारक सम्प्रेषण के दौरान ही प्रापक से फीडबैक लेना शुरू कर देता है, क्योंकि वह जैसे ही बोलना शुरू करता है, वैसे ही प्रापक अपने चेहरे व हाव-भाव से प्रतिक्रिया व्यक्त करना शुरू कर देता है. फीडबैक से संचारक को पता चलता है कि संदेश सम्प्रेषण में गलती हो रही है या नहीं. फीडबैक सकारात्मक या नकारात्मक तथा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हो सकता है.

(6) **शोर** (Noise)–संचार प्रक्रिया में शोर एक प्रकार का अवरोध है, जो सम्प्रेषित संदेश की प्रभावशीलता को कमजोर कर देता है. शोर को बाधा भी कहा जाता है. संचारक जिस रूप में संदेश को भेजता है, उसी रूप में प्रापक तक शत-प्रतिशत पहुँच जाता है, तो माना जाता है कि संचार प्रक्रिया में कोई अवरोध नहीं है, लेकिन ऐसा कम ही होता है. सभी सम्प्रेषित संदेश के साथ कोई-न-कोई शोर अवश्य जुड़ जाता है, जो संचारक द्वारा सम्प्रेषित नहीं किया गया होता है. उदाहरणार्थ, रेडियो या टेलीविजन पर आवाज के साथ सरसराहट का आना. मोबाइल पर वार्तालाप के दौरान आस-पास की ध्वनियों का जुड़ जाना इत्यादि.

संचार प्रक्रिया

आदिकाल में आज की तरह संचार माध्यम नहीं थे, तब भी मानव संचार करता था. वर्तमान युग में संचार माध्यमों की विविधता के कारण संचार में तेजी आयी है, लेकिन उसकी प्रक्रिया में कोई परिवर्तन नहीं आया है. कहने का तात्पर्य यह है कि प्राचीन संचार माध्यमों और आधुनिक संचार माध्यमों में संचार प्रक्रिया का सैद्धान्तिक स्वरूप एक जैसा ही है. सामान्यतः संचार पाँच प्रक्रियाओं में सम्पन्न होता है, जो निम्नवत् है–

पहली प्रक्रिया–संचार की पहली प्रक्रिया में मुख्यतः तीन तत्व भाग लेते हैं–संचारक, संदेश और प्रापक. इसमें संचारक द्वारा सम्प्रेषित संदेश सीधे प्रापक तक पहुँचता है. अतः यह एक-मार्गीय संचार है.

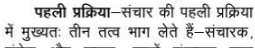

उपर्युक्त रेखाचित्र से स्पष्ट है कि संचार की पहली प्रक्रिया में संचारक और प्रापक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है. संचार को तभी प्रभावी या सार्थक कहा जा सकता है, जब संचारक और प्रापक, मानसिक व भावनात्मक दृष्टि से एक ही धरातल पर हो तथा संचारक द्वारा सम्प्रेषित संदेश के अर्थों को प्रापक समझता हो.

दूसरी प्रक्रिया–संचार की दूसरी प्रक्रिया के अन्तर्गत संचारक और प्रापक को क्रमशः एक-दूसरे की भूमिका निभानी पड़ती है. इसके परिणामस्वरूप दोनों के मध्य एक पारस्परिक सम्बन्ध स्थापित होता है.

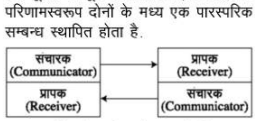

उपर्युक्त रेखाचित्र से स्पष्ट है कि संचार प्रक्रिया द्वि-मार्गीय होने के कारण निरन्तर चलती रहती है. इसके अन्तर्गत संचारक से संदेश ग्रहण करने के उपरान्त प्रापक जैसे ही कुछ कहना शुरू करता है, वैसे ही वह संचारक की भूमिका में आ जाता है. उसकी बातों को सुनते समय संचारक की भूमिका बदलकर प्रापक जैसी हो जाती है.

तीसरी प्रक्रिया–संचार की तीसरी प्रक्रिया के अन्तर्गत संचारक निर्णय लेता है कि उसे कब, क्या, किसे और किस माध्यम (Channel) से सम्प्रेषित करना है. अर्थात् संचारक संदेश सम्प्रेषित करने के लिए संचार माध्यम का चुनाव करता है.

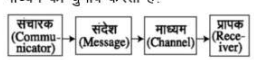

उपर्युक्त रेखाचित्र से स्पष्ट है कि संचारक अपने संदेश और प्रापक की स्थिति के अनुसार संचार माध्यम का चुनाव करता है. संचारक अपने संदेश को बोलकर, लिखकर, रेखाचित्र बनाकर या शारीरिक क्रिया द्वारा सम्प्रेषित कर सकता है. प्रापक सुनकर, पढ़कर, देखकर या छूकर संदेश को ग्रहण कर सकता है.

चौथी प्रक्रिया–संचार की चौथी प्रक्रिया के अन्तर्गत प्रापक किसी माध्यम से प्राप्त संचारक के संदेश को ग्रहण करने के उपरान्त अपने ज्ञान के स्तर के आधार पर व्याख्या करता है. तदोपरान्त बोलकर, लिखकर या अपनी भाव-भंगिमाओं से प्रतिक्रिया (Feed-back) व्यक्त करता है.

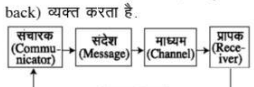

उपर्युक्त रेखाचित्र से स्पष्ट है कि संचार प्रक्रिया के दौरान प्रापक से फीडबैक प्राप्त करते हुए एक कुशल संचारक अपनी बात को आगे बढ़ाता है तथा संदेश में

आवश्यकतानुसार बदलाव भी करता है. फीडबैक न मिलने की स्थिति में संचारक का उद्देश्य अधूरा रह जाता है.

पाँचवीं प्रक्रिया–संचार प्रक्रिया में संचारक अपने संदेश को कूट-रचना (Encode) कर किसी माध्यम से सम्प्रेषित करता है. संदेश को प्राप्त करने के बाद प्रापक कूट-अनुवाद (Decode) करके समझ लेता है और अपना फीडबैक व्यक्त कर देता है, तो संचार प्रक्रिया पूरी हो जाती है. इस प्रक्रिया में कई तरह की बाधाएं आती हैं, जिससे संदेश कमजोर, विकृत और अप्रभावी हो जाता है.

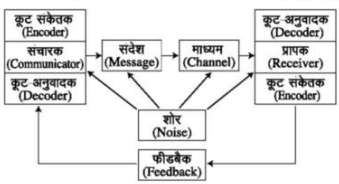

उपर्युक्त रेखाचित्र से स्पष्ट है कि संचारक वह व्यक्ति है, जो संचार प्रक्रिया की शुरूआत करता है. इसके लिए सर्वप्रथम अपने संदेश की कूट-रचना (Encode) करता है, फिर उसे किसी माध्यम से सम्प्रेषित कर प्रापक तक पहुँचा देता है, जिसके चलते संचारक को कूट-संकेतक (Encoder) कहा जाता है. संचारक द्वारा सम्प्रेषित संदेश को ग्रहण करते समय प्रापक कूट-रचना का अनुवाद (Decode) करता है, जिसके चलते प्रापक को कूट-अनुवादक (Decoder) कहा जाता है. इसके बाद, प्रापक अपनी प्रतिक्रिया की कूट-रचना (Encode) करके सम्प्रेषित करता है, जिसे ग्रहण करने के लिए संचारक को कूट-अनुवाद (Decode) करना होता है.

संचार प्रक्रिया में संचारक, संदेश, माध्यम, प्रापक, फीडबैक और शोर नामक छः तत्व आपस में क्रिया-प्रतिक्रिया करते हैं. संचारक वह व्यक्ति होता है, जो संचार प्रक्रिया की शुरूआत करता है. इसके लिए सर्वप्रथम प्रापक की आवश्याकता एवं समझ के अनुरूप संदेश का निर्माण करता है तथा उचित माध्यम का चुनाव कर संदेश को सम्प्रेषित करता है. संदेश की भाषा गुप्त होती है, जिसके अर्थ को समझ-कर संदेश को ग्रहण करता है. यदि प्रापक संदेश के वास्तविक अर्थों को समझ लेता है तथा अपनी प्रतिक्रिया को व्यक्त कर देता है, तो माना जाता है कि संचार के दौरान किसी प्रकार का व्यवधान नहीं है. प्रापक की प्रतिक्रिया को फीडबैक कहते हैं. फीडबैक के कारण ही संचार प्रक्रिया आगे बढ़ती है. व्यवधान (शोर) के कारण प्रापक फीडबैक नहीं व्यक्त कर पाता है. ऐसी स्थिति में संचार प्रक्रिया रुक जाती है.

इस प्रक्रिया में कोई-न-कोई बाधा (Noise) उत्पन्न होती है, जिससे संचार का प्रवाह/प्रभाव कमजोर या विकृत हो जाता है. बाधा किसी भी स्तर (संचारक, संदेश, माध्यम व प्रापक) पर हो सकती है.

संचार प्रक्रिया में बाधाएं

संचार प्रक्रिया में बाधा एक प्रकार का अवरोध है, जो संदेश के प्रभाव को कमजोर या विकृत कर देता है. परिणामतः संदेश को ग्रहण करने में या उसके अर्थ को समझने में प्रापक को तथा समझाने में संचारक को परेशानी होती है. इसमें विकृत फीडबैक मिलता है. दूसरे शब्दों में, संचार प्रक्रिया के दौरान संचारक चाहता है कि उसके द्वारा सम्प्रेषित संदेश ज्यों-का-त्यों प्रापक तक पहुँचे तथा प्रापक उसकी व्याख्या उन्हीं अर्थों में करें, जिन्हें दृष्टि में रखकर संदेश का निर्माण किया गया है, लेकिन ऐसा कम ही होता है, क्योंकि संचार प्रक्रिया के दौरान कोई-न-कोई बाधा अवश्य उत्पन्न होती है, जो निम्नलिखित प्रकार की हो सकती है–

1. **भौतिक बाधाएं**–दोषपूर्ण भौतिक अवस्था के कारण उत्पन्न होने वाली बाधाओं को भौतिक बाधा कहते हैं. कमरे के बाहर शोर को रोकने का पर्याप्त प्रबन्ध का न होना, कमरे के अन्दर रोशनी का कम होना, लोगों का बार-बार अन्दर बाहर जाना, विचार-विमर्श के दौरान चाय या कॉफी प्रस्तुत करना इत्यादि के कारण भौतिक बाधा उत्पन्न होती है. संचार प्रक्रिया में सन्देश के प्रभाव को कमजोर करने वाली भौतिक बाधाएं निम्नलिखित हैं–

- **शोर**–यह अनावश्यक ध्वनि है, जिसे न तो संचारक सम्प्रेषित करता है और न तो प्रापक ग्रहण करना चाहता है. फिर भी, संदेश के साथ स्वतः ही जुड़ जाता है. शोर मुख्यतः दो प्रकार का होता है–बाह्य शोर और आन्तरिक शोर. मोबाइल या टेलीफोन पर वार्तालाप के दौरान आस-पास के शोरगुल की ध्वनियाँ संदेश के साथ स्वतः जुड़ जाती हैं और बाधा उत्पन्न करती हैं. कई बार प्रापक अपने आस-पास के शोरगुल के कारण संदेश को ठीक से सुन नहीं पाता है, जो बाह्य शोर का उदाहरण है. इसी प्रकार, कमजोर फ्रिकवेंसी या खराब मौसम के कारण रेडियो, टेलीविजन, मोबाइल, टेलीफोन, वायरलेस इत्यादि पर संदेश सम्प्रेषित करते समय सरसराहट उत्पन्न होती है, तो उसे आन्तरिक शोर कहते हैं.
- **अनुचित समय**–संचार प्रक्रिया में संदेश सम्प्रेषण के लिए अनुकूल समय का होना आवश्यक है. अनुचित समय पर सम्प्रेषित संदेश का प्रभाव स्वतः कमजोर हो जाता है. उदाहरणार्थ, रात्रि के समय गहरी नींद से जगाकर आपका मित्र चाहे, जितना भी प्रिय समाचार सुनाए, लेकिन वह अप्रिय ही लगेगा. इसी प्रकार, शाम 5 बजे आपको अन्तिम बस पकड़कर घर जाना हो और आपका सहकर्मी कोई जरूरी जानकारी देता है, तो आप अनसुना करते हुए बस स्टैण्ड की ओर चल देंगे.
- **खराब प्रिंटिंग**–समाचार-पत्र, पत्रिका व अन्य लिखित माध्यम से संदेश सम्प्रेषण के दौरान खराब प्रिंटिंग के कारण संचार प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न होती है. प्रापक संदेश को पढ़कर समझने की बजाए आगे बढ़ जाता है. कई बार संदेश के कम या जरूरत से ज्यादा होने की स्थिति में भी प्रापक समझ नहीं पाता है. अर्थात् संदेश का कम या ज्यादा होने से भी संचार के दौरान बाधा उत्पन्न होती है.

2. **भाषाई बाधा**–इसका तात्पर्य उन अवरोधों से है, जिनका सम्बन्ध भाषा से होता है. मरफ और पैक के अनुसार–शब्दकोष में रन (Run) शब्द के 110 अर्थ है. इनमें 71 क्रिया, 35 संज्ञा तथा 4 विश्लेषण के रूप में हैं. ऐसी स्थिति में संचारक जिस अर्थ में रन शब्द का प्रयोग किया होता है, उस अर्थ को प्रापक समझ लेता है, तो संचार प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न नहीं होता है. इसके विपरीत, यदि गलत अर्थ समझता है, तो भाषाई बाधा उत्पन्न होता है. भाषाई बाधा निम्नलिखित हैं–

- **भाषा का अल्प ज्ञान होना**–समाज में कई प्रकार की भाषाएं प्रचलित हैं. यह जरूरी नहीं है कि एक व्यक्ति को सभी भाषाओं का ज्ञान हो, अर्थात् भाषाओं का अल्प ज्ञान होने से भी संचार में बाधा उत्पन्न होती हैं. उदाहरणार्थ, कोई वरिष्ठ अधिकारी मूलतः तमिलनाडु का निवासी होने के कारण हिन्दी या अंग्रेजी के साथ तमिल भाषा बोलने का आदती हो. ऐसे में वह अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को मौखिक संचार के माध्यम से संदेश देगा, तो भाषाओं के अल्प ज्ञान के कारण संचार में बाधा उत्पन्न होगी.
- **दोषपूर्ण अनुवाद होना**–वर्तमान समय में अत्याधुनिक संचार माध्यमों (ई-मेल, ई-फैक्स, ई-प्रिंट इत्यादि) पर विविध भाषाओं में सूचनाओं का प्रवाह हो रहा है, जिसे ग्रहण करने के लिए अल्प भाषी को अनुवाद करना पड़ता है. दोषपूर्ण अनुवाद होने की स्थिति में सूचना का वास्तविक अर्थ परिवर्तित हो जाता है. अतः संदेश का दोषपूर्ण अनुवाद होने से संचार में भाषाई बाधा उत्पन्न होती है.

- **तकनीकी भाषा का ज्ञान न होना**–यह आम लोगों की नहीं बल्कि खास लोगों की भाषा होती है, जिसका उपयोग अक्सर कार्य क्षेत्र में किया जाता है. यदि खास लोग अपनी तकनीकी भाषा में संदेश सम्प्रेषित करते हैं, तो आम लोगों को समझ में नहीं आता है, जिससे संचार के दौरान बाधा उत्पन्न होती है.

3. **सांस्कृतिक बाधा**–समाज में सांस्कृतिक दृष्टि से भाषा, परम्परा व खान-पान में काफी विविधता है. खास तौर से पुरानी और आधुनिक पीढ़ी के बीच, जिसके चलते संचार के दौरान अवरोध का उत्पन्न होना स्वाभाविक है. यह अवरोध निम्नलिखित हो सकते हैं–

- **बोलचाल**–पुरानी पीढ़ी के लोग बोलचाल के दौरान परम्परागत शब्द का उपयोग करते हैं, जबकि आधुनिक पीढ़ी के लोग तकनीकी व नवीन शब्दों को, जिसके कारण एक-दूसरे के साथ संचार स्थापित करने में बाधा उत्पन्न होती है, तो उसे सांस्कृतिक बाधा कहते हैं.
- **परम्परा**–पुरानी पीढ़ी और आधुनिक पीढ़ी की सांस्कृतिक परम्परा में काफी अन्तर है. पुरानी पीढ़ी के लोग एक-दूसरे से मिलते समय यथाउचित अभिवादन जैसे बड़ों का पैर छूना इत्यादि पसन्द करते हैं, जबकि आधुनिक पीढ़ी के लोग हाथ मिलाकर हेलो बोलना तथा गले मिलना पसन्द करते हैं, जिसमें बड़े-छोटे का भेद नहीं होता है. इस प्रकार, दोनों पीढ़ियों की सांस्कृतिक परम्पराएं अलग-अलग हैं, जिससे संचार के दौरान बाधा उत्पन्न होती है, तो उसे सांस्कृतिक बाधा कहते हैं.
- **खानपान**–पुरानी पीढ़ी के लोगों को खानपान में परम्परागत भोजन व पेय पदार्थ–चावल, दाल, रोटी, सब्जी, दूध इत्यादि पसन्द होता है, जबकि आधुनिक पीढ़ी को फास्ट फूड और कोल्ड ड्रिंक, जिसके चलते खानपान की दृष्टि से दोनों पीढ़ियों के बीच संचार में बाधा उत्पन्न होती है, तो उसे सांस्कृतिक बाधा कहते हैं.

4. **अवधारणात्मक बाधा**–इसका तात्पर्य उन अवरोधों से है, जिसका सम्बन्ध अवधारणा से होता है. इसका निर्माण मानव समय, काल एवं परिस्थिति के अनुसार करता है. अवधारणा में कई प्रकार की कमियाँ रह जाती हैं, जिससे संचार प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न होती है. इन बाधाओं को अवधारणात्मक बाधा कहते हैं, जो निम्नलिखित हैं–

- **ध्यान न देना**–संचार प्रक्रिया के दौरान संचारक द्वारा सम्प्रेषित संदेश में प्रापक की अभिरूचि नहीं होती है, जिसके चलते वह मौखिक संचार में शारीरिक रूप से उपस्थित होता है, किन्तु मानसिक रूप से अनुपस्थित. लिखित संचार के दौरान भी सामान्यतः लम्बी-लम्बी रिपोर्टों, सरकुलर पत्रों, नोटिसों व बुलेटिनों को प्रापक नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे अवधारणात्मक बाधा उत्पन्न होती है.
- **पूर्वाग्रह का होना**–संचारक के प्रति पूर्वाग्रह होने की स्थिति में भी प्रापक उसके संदेश पर ध्यान कम देता है या नहीं देता है. भले से सम्प्रेषित संदेश प्रापक के हित में ही क्यों न हो. इस प्रकार संचारक के प्रति पूर्वाग्रह होने के कारण भी संचार प्रक्रिया में अवधारणात्मक बाधा उत्पन्न होती है.
- **समय पूर्व मूल्यांकन**–संचार प्रक्रिया में ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं, जब संचारक अपने संदेश के प्रारम्भिक अंशों को ही सम्प्रेषित किया होता है, जिसके आधार पर प्रापक बाद के अंशों का मूल्यांकन करने लगता है, जिससे संदेश का अर्थ गलत निकलने लगता है. इस प्रकार अवधारणात्मक बाधा उत्पन्न होती है.

5. **शारीरिक बाधा**–इसका तात्पर्य संचारक और प्रापक में शारीरिक अक्षमता से है, जिसके कारण संदेश को सम्प्रेषित करने या ग्रहण करने या अर्थ को समझने में अवरोध उत्पन्न होता है. संचार प्रक्रिया में संदेश के प्रभाव को कमजोर करने वाली शारीरिक बाधाएं निम्नलिखित हैं–

- **कमजोर उच्चारण**–मौखिक संदेश सम्प्रेषण के दौरान संचारक के उच्चारण क्षमता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है. अस्पष्ट उच्चारण के कारण संचार प्रक्रिया में व्यवधान उत्पन्न होता है. कई बार उच्चारण क्षमता में निपुण संचारक भी कठिन शब्दों को ठीक से बोल नहीं पाता है, जिसके चलते संदेश के वास्तविक अर्थ को प्रापक समझ नहीं पाता है. अतः सम्प्रेषण के लिए संदेश की संरचना सरल व स्पष्ट शब्दों में करना चाहिए, जिसका उच्चारण करते समय संचारक के समक्ष समस्या उत्पन्न नहीं होती है. समाज में ऐसे भी लोग हैं, जो सरल शब्दों का भी स्पष्ट उच्चारण नहीं कर पाते हैं.
- **कम सुनना**–मौखिक सम्प्रेषण के दौरान प्रापक में सुनने की क्षमता कम होने से भी बाधा उत्पन्न होती है. ऐसे में संचार प्रक्रिया के दौरान संचारक चाहे, जितना भी सरल व स्पष्ट शब्दों का प्रयोग करें या तेज आवाज में बोले, लेकिन प्रापक उसके संदेश को शत-प्रतिशत ग्रहण नहीं कर सकता है.
- **कम दिखना**–लिखित संचार के दौरान प्रापक को कम दिखाई देने से भी बाधा उत्पन्न होती है, जिसके चलते प्रापक संदेश को शत-प्रतिशत ग्रहण नहीं कर सकता है. मोटे-मोटे अक्षरों में लिखें संदेश को तो आसानी से पढ़कर समझ लेता है, लेकिन छोटे अक्षरों में लिखें संदेश को नहीं पढ़ सकता है.

6. **भावनात्मक बाधा**–इसका तात्पर्य संचारक और प्रापक की भावनात्मक स्थिति से है, जिसके चलते संचार प्रक्रिया में व्यवधान उत्पन्न होता है, तो उसे भावनात्मक बाधा कहते हैं.

संचार का महत्व

संचार मानव को संगठन प्रदान करता है. यह न केवल उसके न केवल सामाजिक जीवन में सहयोग करता है, बल्कि उसके बर्ताव और विश्वास का भी विकास करता है. संचार मानव जीवन के लिए उतना ही आवश्यक है, जितना कि शारीरिक विकास के लिए खाद्य पदार्थ.

शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास संचार पर निर्भर है. यह व्यक्तित्व को प्रभावित करके उसे ऐसा रूप देता है, जो दूसरों को प्रभावित कर सके और इसके माध्यम से वह अपने पूरे व्यक्तित्व को समाज में जाहिर कर सके.

वास्तव में संचार ने समाज में मानवीय सम्बन्धों का एक जाल बुन रखा है. संचार समाज के बुनियादी ढाँचे में इस तरह प्रवाहित है, जिस तरह मानव की शिराओं में रक्त. यह अंतःवैयक्तिक संचार से शुरू होता है और जनसंचार के माध्यम से सम्पूर्ण विश्व को अपने अधीन लेते हुए नक्षत्रों की सूचना लाता है.

संचार हमारे प्रत्येक क्रियाकलापों के रग-रग में घुस चुका है. अतः यह न तो जीवन से कभी अलग हुआ है और न तो कभी अलग होगा. यह जीवन के प्रत्येक क्षण को अपने अधीन रखता है और प्रत्येक क्षण मानव के क्रियाकलापों को प्रभावित करता रहता है. इसका अध्ययन बताता है कि संचार के बिना जीवन व्यतीत करना असम्भव है.

आज का समाज सूचनाओं से जुड़ा समाज है. आज किसी देश के विकास का मूल्यांकन इस बात से नहीं किया जाता है कि वह साहित्य और उद्योग-धन्धों में कितना आगे है, उसकी उत्पादन क्षमता कितनी स्तरीय है, बल्कि आज विकास का प्रतिमान किसी देश के सूचना-तन्त्र का सर्वोत्तम होता है और सूचना-तन्त्र निर्भर है–संचार व्यवस्था पर.

●●●

कृषि लेख

पर्यावरण सुरक्षा हेतु जैविक खेती

✍ डॉ. आर. एस. सेंगर

हमारे देश में 1965-66 में कृषि के क्षेत्र में **'हरित क्रान्ति'** की शुरूआत के बाद से देश की बेतहाशा बढ़ रही आबादी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए खेती में उर्वरकों के इस्तेमाल को भी बढ़ावा मिला. परिणामस्वरूप, हमने अपने लक्ष्यों को पूरा किया है और खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त की है, लेकिन सघन खेती प्रणाली के खतरे बड़े चुनौती भरे हैं, क्योंकि इनसे पारिस्थितिकीय सन्तुलन पर भारी असर पड़ता है. इसी बात को ध्यान में रखते हुए आर्गेनिक या जैविक खेती पर आधारित प्रणाली की बात सोची गई, जिसमें रासायनिक उर्वरकों की बजाय, कार्बनिक पदार्थों के सड़ने-गलने से प्राप्त खाद का प्रयोग किया जाता है. जैविक पदार्थों से बनी खाद के इस्तेमाल पर आधारित यह प्रणाली हमारे समाज में प्राचीन काल से ही प्रचलित रही है. इन्टरनेशनल फेडरेशन ऑफ आर्गेनिक एग्रीकल्चर मूवमेंट्स (आर्गेनिक खेती अभियानों का अन्तर्राष्ट्रीय परिसंघ– **'आईएफओएएम'**) एक ऐसा अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है, जो जैविक खेती के मानकों को विनियमित करता है और दुनिया भर में आर्गेनिक खेती की अवधारणा को बढ़ावा देने के लिए विश्व के 120 से अधिक देशों को एकजुट कर उनकी मदद करता है. **'आईएफओएएम'** के अनुसार जैविक खेती ऐसी उत्पादन प्रणाली है, जो जमीन, पारि-स्थितिकीय प्रणाली और लोगों के स्वास्थ्य को बनाए रखती है. यह पारिस्थितिकीय प्रक्रियाओं, जैव विविधता और स्थानीय स्थितियों पर आधारित ऐसे चक्रों पर निर्भर है, जो स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल हैं और इसमें प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कृषि पदार्थों का उपयोग नहीं करते हैं.

पर्यावरण सम्बन्धी मुद्दों को लेकर बढ़ती चिंता ने पर्यावरण की दृष्टि से अनुकूल तौर-तरीकों वाली कृषि प्रणाली के विकास को बढ़ावा दिया है, जिसे आमतौर पर ऑर्गेनिक फार्मिंग यानी जैविक खेती कहा जाता है. इसमें ये बातें शामिल हैं–

1. जैव खेती, 2. प्राकृतिक खेती, 3. पुनरोत्पादक खेती, 4. क्रमिक खेती, 5. परमाकल्चर, 6. कम आधान वाली सतत् खेती.

अवधारणा–यह उत्पादन प्रबन्धन प्रणाली आमतौर पर जैविक पदार्थों या खेत आधारित संसाधनों (फसलों के अवशिष्ट पदार्थों, मवेशियों के गोबर, हरी खाद, खेतों और उनके बाहर के अपशिष्ट, ग्रोथ रेग्युलेटरों, जैव उर्वरकों, बायो पेस्टिसाइड आदि पर आधारित है. इसमें खेतों से बाहर के कृत्रिम पदार्थों (उर्वरकों, कवकनाशकों, खरपतवार-नाशकों, आदि) के उपयोग को हतोत्साहित किया जाता है ताकि मिट्टी पानी और हवा को प्रदूषित किए बगैर लम्बी अवधि तक प्राकृतिक सन्तुलन को कायम रखा जा सके. इसमें खेती के लिए किसी स्थान विशेष से सम्बन्धित फसल में जैविक और यान्त्रिक विधियों का उपयोग किया जाता है, ताकि संसाधनों का पुनर्चक्रण हो सके और कृषि-पारिस्थितिकीय तन्त्र पर आधारित स्वास्थ्य को बढ़ावा दिया जा सके. ज्ञात हो, फसलों के अवशेष जलाने से पर्यावरण खराब होता है अतः इस पर नियन्त्रण लाने हेतु **'एनजीटी'** द्वारा फसल अवशेष जलाने पर 2 एकड़ क्षेत्र पर ₹ 2,500; 2 से 5 एकड़ पर ₹ 5 हजार तथा 5 एकड़ से अधिक क्षेत्र पर ₹ 15 हजार का दण्डनीय अपराध अर्थात् जुर्माना है.

उद्देश्य–कृषि रसायनों का उपयोग न करना, प्राकृतिक सन्तुलन को बरकरार रखना, पौष्टिक आहार का उत्पादन, ग्रामीण आजीविका को लाभप्रद बनाना, जैविक खेती के जरिए बढ़ावा देना, मिट्टी और पानी जैसे संसाधनों का संरक्षण, फसल उत्पादन के साथ-साथ पशुधन का व्यवस्थित विकास, जैव-विविधता और पारिस्थितिकीय प्रणाली सम्बन्धी सेवाओं का संरक्षण और संवर्धन, प्रदूषण की रोकथाम, खेती में जीवाश्म ईंधन से प्राप्त ऊर्जा का उपयोग कम करना, अधिक टिकाऊ उत्पादक कृषि प्रणाली का विकास करना.

जैविक खेती के घटक–(क) फसल और मृदा प्रबन्धन–इस प्रणाली का उद्देश्य मिट्टी के उर्वरता को दीर्घकालीन आधार पर बनाए रखने के लिए उसमें जैविक पदार्थों के स्तर में वृद्धि करना है. इस घटक के तहत् फसल की विभिन्न किस्मों में से चयन, समय पर बुआई करने, फसलों की अदला-बदली करके बुआई करने हरी खाद के उपयोग और लेग्यूम जैसी फसलों को साथ बोने पर जोर दिया जाता है. इस दिशा में भारतीय कृषि प्रणाली अनुसन्धान संस्थान, मोदीपुरम् मेरठ (उ.प्र.) विगत दशकों से अनुसन्धान कार्य कर रहा है.

(ख) पौष्टिक तत्वों का प्रबन्धन–इसमें जैविक पदार्थों जैसे–पशुओं के गोबर की खाद के उपयोग, कम्पोस्ट, वर्मी-कम्पोस्ट, फसल अपशिष्ट के उपयोग, हरी खाद और जमीन की उत्पादकता बढ़ाने के लिए **'कवर क्रॉप'** को उगाया जाता है. पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण के महत्व को ध्यान में रखते हुए, फसलों की अदला-बदली करके बुआई और जैव उर्वरकों को भी शामिल किया जाता है.

(ग) पादप संरक्षण–कीड़े-मकोड़ों, बीमारी फैलाने वाले पैथोजीनों और अन्य महामारियों को नियन्त्रित करने के लिए मुख्य रूप से फसलों की अदला-बदली करके बुवाई, प्राकृतिक कीट नियन्त्रकों, स्थानीय किस्मों, विविधता और जमीन की जोत का सहारा लिया जाता है. इसके बाद वानस्पतिक, तापीय और रासायनिक विकल्पों का इस्तेमाल सीमित स्थितियों में अन्तिम उपाय के तौर पर किया जाता है.

(घ) पशुधन प्रबन्धन–मवेशियों को पालने के लिए उनके उद-विकास सम्बन्धी अनुकूलन, व्यवहार सम्बन्धी आवश्यकताओं और उनके कल्याण सम्बन्धी मुद्दों (जैसे पोषाहार, आश्रय, प्रजनन आदि) पर पूरा ध्यान दिया जाता है.

(ङ) मृदा और जल-संरक्षण–बारिश के फालतू पानी से जमीन का कटाव होता है. इस कन्टूर खेती, कन्टूर बाँधों के निर्माण, सीढ़ीदार खेती, पानी के बहाव के मार्ग में घास उगाने जैसे उपायों से रोका जा सकता है. शुष्क इलाकों में क्यारियों के बीच बारिश के पानी को जमा करके तथा भूखण्डों के बीच वर्षा जल का संचय करके पानी का संरक्षण किया जा सकता है. खेती में फसलों के चयन का बड़ा महत्व है, क्योंकि बहुत-सी फसलें कई तरह से उपयोग में लाई जा सकती हैं. जैसे–पीएचनपी और मोथ बीन की फसलों में सूखे का प्रतिरोध करने की क्षमता होती है. इन्हें चारे के तौर पर भी इस्तेमाल किया जा सकता है. इन्हें शुष्क और अर्धशुष्क क्षेत्रों में उगाकर अधिकतम लाभ अर्जित किया जा सकता है. इनकी खेती से मिट्टी के कटाव को रोकने और जमीन में पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण में भी मदद मिलती है.

जैविक खेती का महत्व–जैविक खेती में किसान रसायनों के सम्पर्क में कम आते हैं. जैविक खाद्य पदार्थ पौष्टिक, स्वादिष्ट और ताजे होते हैं. ज्यादातर मामलों में इन उत्पादों में विटामिन 'सी', एन्टी ऑक्सीडेंट्स आदि पर्याप्त मात्रा में मौजूद रहते हैं. इन्हें अपनी गुणवत्ता और स्वास्थ्य की दृष्टि से सुरक्षा के लिए जाना जाता है. जैविक खेती अपनाने से किसानों का जीवन स्तर उठाने में मदद मिलती है.

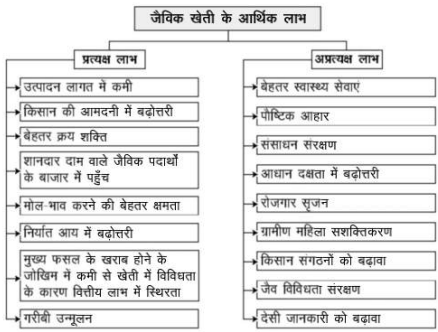

जैविक खेती का प्रदर्शन

जैविक खेती की सीमाएं–(1) यह अधिक समय लेने वाली प्रक्रिया पर आधारित है. (2) प्रारम्भ में पैदावार कम होती है. (3) रसायनों की आसान उपलब्धता. (4) बड़े पैमाने पर जैविक सामग्रियों की आवश्यकता. (5) उच्च गुणवत्ता वाली सामग्रियों की कम उपलब्धता. (6) विपणन सुविधाओं की कमी. (7) प्रमाणन प्रक्रिया. (8) अनुसंधान सुविधाओं की कमी. (9) किसानों के लिए प्रशिक्षण सुविधाओं की कमी.

जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए संगठन और सरकारी योजनाएं/पहल–राष्ट्रीय जैविक खेती अनुसन्धान संस्थान, गंगटोक, सिक्किम हाल ही में स्थापित किया गया है. यह अनुसंधान संस्थान जैविक खेती पर अनुसंधान और शिक्षा को बढ़ावा देता है. इसमें जैविक उत्पादन प्रणाली, खासतौर पर पूर्वोत्तर राज्यों के पर्वतीय इलाकों में जैविक उत्पादन में प्रशिक्षण दिया जाता है.

राष्ट्रीय जैविक खेती केन्द्र, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश)–केन्द्र सरकार द्वारा संचालित इस संस्थान और बेंगलूरू, भुवनेश्वर, पंचकुला, इम्फाल, जबलपुर और नागपुर में छह क्षेत्रीय केन्द्र स्थापित किए गए हैं, जो केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना-राष्ट्रीय जैविक खेती परियोजना पर अमल के लिए स्थापित किए गए हैं.

सहभागितापूर्ण गारन्टी प्रणाली–इसके तहत् सभी सम्बद्ध पक्षों (उत्पादकों, उपभोक्ताओं, खुदरा व्यापारियों और बड़े व्यापारियों के साथ-साथ एनजीओ, समितियों/ग्राम पंचायतों/राज्यों/केन्द्र सरकार के संगठनों/एजेंसियों/किसानों आदि) के साथ सहभागितापूर्ण रवैया अपनाया जाता है. वे खेतों में जाकर फसलों का जायजा ले सकते हैं, एक-दूसरे के उत्पादन के तौर-तरीकों की जाँच कर सकते हैं और जैविक प्रमाणन के बारे में भी कोई फैसला ले सकते हैं. इस प्रणाली के तहत् स्थानीय-स्तर पर गुणवत्ता पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है. यह प्रतिभागियों के लिए भरोसा हासिल करने तथा सामाजिक नेटवर्क बनाने का एक मंच है जिसके अन्तर्गत जैविक खेती के आन्दोलन को बढ़ावा देने के लिए किसानों द्वारा जानकारियों का आदान-प्रदान किया जाता है.

परम्परागत कृषि विकास योजना–यह केन्द्र द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय सतत् कृषि मिशन के तहत् मृदा स्वास्थ्य प्रबन्धन का विस्तारित घटक है, जिसकी शुरूआत 2015 में हुई थी. इसके तहत् क्लस्टर विधि और पीजीएस प्रमाणन के जरिए किसानों और युवाओं में जैविक खेती की नवीनतम टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी का प्रचार किया जाता है.

जैविक खादों का मृदा उर्वरता और फसल उत्पादन में महत्व–अमरीकी वैज्ञानिक 'आरनोन' ने (वर्ष 1954 में) पौधे की वृद्धि के लिए 16 आवश्यक तत्व बताए थे, यदि उनमें से किसी भी पोषक तत्व की कमी हो जाएगी, तो उपज घट जाएगी. उनकी पूर्ति जीवांश खादों द्वारा होती है–

- जैविक खादों के प्रयोग से मृदा का जैविक स्तर बढ़ता है, जिससे लाभकारी जीवाणुओं की संख्या बढ़ जाती है और मृदा काफी उपजाऊ बनी रहती है.
- जैविक खाद पौधों की वृद्धि के लिए आवश्यक खनिज पदार्थ प्रदान करती है, जो मृदा में मौजूद सूक्ष्म जीवों के द्वारा पौधों को मिलते हैं, जिससे पौधे स्वस्थ बनते हैं और उत्पादन बढ़ता है.
- रासायनिक खादों के मुकाबले जैविक खाद सस्ते, टिकाऊ एवं बनाने में आसान होते हैं. इनके प्रयोग से मृदा में ह्यूमस की बढ़ोतरी होती है व मृदा की भौतिक दशा में सुधार होता है. चूँकि, भूमि में जीवांश कार्बन 0·2% से नीचे चला गया है उसे बढ़ाने में जैविक खाद-गोबर की खाद, हरी खाद आदि मदद करते हैं, जो आदर्श अनुपात 0·80–85% ओ.सी. होना चाहिए.
- पौध वृद्धि के लिए आवश्यक पोषक तत्वों जैसे–नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और

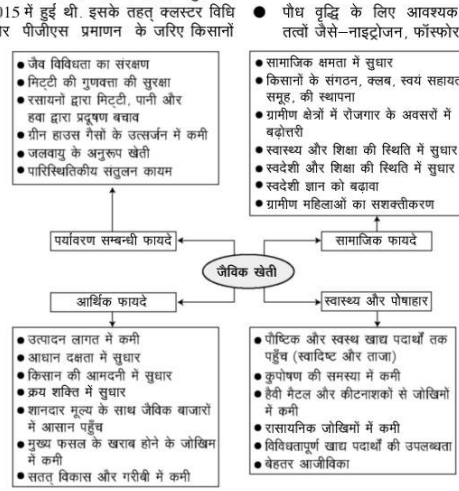

जैविक खेती की उपयोगिता

पोटाश तथा काफी मात्रा में गौण पोषक तत्वों की पूर्ति जैविक खादों के प्रयोग से ही हो जाती है.

- कीटों, बीमारियों तथा खरपतवारों का नियन्त्रण काफी हद तक फसल चक्र, कीटों के प्राकृतिक शत्रुओं, प्रतिरोध किस्मों और जैव उत्पादों द्वारा ही कर लिया जाता है.
- जैविक खादें सड़ने पर कार्बनिक अम्ल देते हैं, जो भूमि के अघुलनशील तत्वों को घुलनशील अवस्था में परिवर्तित कर देते हैं, जिससे मृदा का पी.एच. मान 7 से कम हो जाता है. अतः इससे सूक्ष्म-पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ जाती है. यह तत्व फसल उत्पादन में आवश्यक हैं.
- इन खादों के प्रयोग से पौधों को काफी समय तक पोषक तत्व मिलते हैं. ये खादें अपना अवशिष्ट गुण मृदा में छोड़ते हैं. अतः, एक फसल में इन खादों के प्रयोग से दूसरी फसल को लाभ मिलता है. इससे मृदा उर्वरता का संतुलन ठीक रहता है.

जैविक कीटनाशक–जैविक खादें, नाडेप कम्पोस्ट, केंचुए की खाद, सी.पी.पी. आदि में से अपने उपलब्ध संसाधनों व आवश्यकताओं के अनुसार खाद स्वयं तैयार कर लेना चाहिए, जिससे भरपूर पौष्टिकता बिना किसी विशेष लागत के जमीन को दी जा सके. घर अथवा खेत में उपलब्ध संसाधनों (गौमूत्र, लहसुन, सूर्ती, नीम आदि) द्वारा कीटनाशकों का निर्माण व उनका नियमित प्रयोग करना चाहिए, जैविक कीटनाशक बनाने के लिए 5 ग्राम डिटरजेंट पॉउडर को एक लिटर पानी में अच्छी तरह घोल लें. अब इस एक लिटर घोल में 50 मिलीलिटर नीम तेल मिलाकर अच्छी तरह मथकर घोल बना लें. तैयार घोल को 9 लिटर पानी में मिला दें. इस प्रकार 10 लिटर कीटनाशक तैयार हो जाएगा, जिसको 8 घण्टे के अन्दर सुबह या शाम पौधों के सम्पूर्ण भाग पर स्प्रे कर दें. जाड़े में 10 दिन एवं गर्मी तथा वर्षा के समय 5 दिन के अन्तराल पर पुनः छिड़काव करें.

टिकाऊ खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के उपकरण के रूप में सामुदायिक खाद्यान्न बैंक–सरकारों एवं विश्व खाद्य कार्यक्रम जैसे दानदाताओं से अनुदान लेकर शुरूआती आपूर्ति करके ग्रामीण स्तर पर सामुदायिक खाद्यान्न बैंक शुरू किए जा सकते हैं. बाद में ऐसे बैंकों को स्थानीय स्तर पर अनाज खरीदकर तथा पर्यावरण विकास के बदले अनाज तथा पोषण के लिए खाद्यान्न कार्यक्रमों हेतु सरकारी एवं अन्तर्राष्ट्रीय सहायता से चालू रखा जा सकता है. यह बैंक पोषण की खाई पाटने के साथ-साथ सामाजिक एवं लैंगिक समानता, पर्यावरण एवं रोजगर उपलब्ध कराने की बुनियादी इकाई सिद्ध हो सकते हैं. इन्हें चक्रवात, बाढ़, अकाल तथा भूकम्प जैसे आपातकाल से निपटने के लिए भी समर्थ बनाया जा सकता है.

डॉ. शिराज वजीह, अध्यक्ष गोरखपुर एनवायरमेंटल एक्शन ग्रुप का कहना है कि सामुदिक खाद्यान्न बैंकों का प्रबन्ध स्थानीय महिलाओं एवं पुरुषों के साथ अलग-अलग स्वयं सहायता समूह भी कर सकते हैं. इससे भूख से लड़ने के लिए स्वयं सहायता क्रान्ति लाने में मद्द मिलेगी. इसके लिए सर्वागीण निर्देशन एवं निगरानी बहुभागीदार खाद्यान्न बैंक परिषद् द्वारा प्रदान की जा सकती है.

भारतीय अर्थव्यवस्था में जैविक खेती–कृषि-भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ (बैक बोन) है, क्योंकि सकल घरेलू उत्पाद में इसका हिस्सा 16 प्रतिशत है और यह कुल श्रमशक्ति के 49 प्रतिशत को रोजगार मुहैया कराती है. देश के खेती वाले कुल 14·14 करोड़ हेक्टेयर में से 7·8 हेक्टेयर (64 प्रतिशत) वर्षा पर आधारित है. वर्षा की अनिश्चितता और जलवायु परिवर्तन के कारण वायुमण्डल के तापमान में बढ़ोत्तरी की वजह से कृषि क्षेत्र में अनिश्चितता बनी हुई है. इसलिए इन समस्याओं के समाधान के लिए जैविक खेती में बड़ी सम्भावनाए हैं.

सिक्किम भारत का पहला राज्य है जिसने पूरे तौर पर जैविक खेती को अपनाया है. पूर्वोत्तर के राज्य जैविक खेती करते आए हैं. अन्य राज्यों में कुछ विभिन्न एजेंसियों प्रमाणीकृत जैविक खेती में संलग्न हैं. कई विकासशील देशों ने अधिक लाभप्रदता को ध्यान में रखते हुए जैविक खेती को अपनाया है जिससे टिकाऊ खेती को बढ़ावा मिला है. जैविक प्रणाली से किसानों की आर्थिक स्थिति में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सुधार लाया जा सकता है. छोटे किसान भी इसका आर्थिक फायदा उठा सकते हैं संसाधनों की दृष्टि से निर्धन होने के कारण छोटे किसान खेती में आने वाली विभिन्न वस्तुएं और ऊर्जा के साधन बाजार से खरीदने से असमर्थ होते हैं इसलिए वे इनके स्थान पर स्थानीय तौर पर उपलब्ध जैविक संसाधनों का उपयोग करते हैं. छोटे किसानों के परिवारों के अन्य सदस्य भी खेती में हाथ बटाते हैं जिससे श्रम पर होने वाले खर्च की बचत होती है. अपने जैविक पदार्थों की बिक्री से उन्हें अच्छा आर्थिक लाभ मिलता है. इससे इन किसानों की आमदनी के स्तर में बढ़ोत्तरी होती है.

जैविक खेती किसानों के लिए कृषि का कम जोखिम वाला तरीका भी है, क्योंकि, इसमें फसलों में विविधता लाकर, उन्हें अदला-बदली करके, कई फसलें साथ-साथ उगाकर और कृषि वानिकी जैसे–बासमती चावल, दलहन, अनाज, तिलहन, फल, चाय, कॉफी, मसाले, शहद, जड़ी-बूटियों से बनी दवाएं और उनके मूल्य संवर्धित उत्पादों का भारत में उत्पादन होने लगा है और वे बाजार में उपलब्ध हैं. अखाद्य जैव कृषि उत्पादों में कपास, कपड़े, सौन्दर्य प्रसाधन और शरीर की देखभाल में काम आने वाले उत्पाद आदि शामिल हैं. विदेश में जैव खाद्य-पदार्थों और उत्पादों की बड़ी माँग है, इसलिए इनका निर्यात कर अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है.

अप्रत्यक्ष रूप से जैव उत्पाद प्रणाली कुछ आर्थिक फायदे उपलब्ध करा सकती है. किसानों की आमदनी के स्तर में बढ़ोत्तरी से उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार होता है. उनकी सामाजिक क्षमता भी बढ़ जाती है और वे अपने बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा उपलब्ध करा सकते हैं. **'स्वयं-सहायता समूहों'** के गठन और **'एनजीओ'** आदि की वजह से ऋण और प्रमाणन प्रक्रिया आदि में बड़ी मदद मिली है. इस तरह सामाजिक पूँजी बढ़ी है और इस प्रणाली से भी ग्रामीण युवाओं और महिलाओं का सशक्तिकरण हुआ है जिससे उन्हें रोजगार के अधिक अवसर मिले हैं. आज महिलाओं के पास अपने उत्पादों के विपणन के लिए मोल भाव करने की बेहतर क्षमता है.

जैविक खेती का उद्देश्य प्राकृतिक प्रणालियों के साथ कार्य करना है जिससे **स्वदेशी तकनीकी ज्ञान** (आईटीके) को बढ़ावा मिलता है और एक पीढ़ी से जानकारी दूसरी पीढ़ी तक पहुँचती है. इससे सांस्कृतिक तौर-तरीकों के संरक्षण के साथ-साथ फसलों की किस्मों के संरक्षण में भी मदद मिलती है. जर्मप्लाज्म की सूची में वन्य प्रजातियाँ, धरोहर की श्रेणी में रखी गई हैं, क्योंकि ये बड़ी तेजी से नष्ट होती जा रही हैं, अगर किसानों को पौष्टिक आहार मिलता रहे और जैविक खेती को अपनाना जारी रखें, तो उनके स्वास्थ्य का भी संरक्षण किया जा सकता है. इस तरह किसानों का जीवन-स्तर जैविक खेती के तौर-तरीके अपनाने से ऊँचा उठाया जा सकता है.

निष्कर्ष

कृषि की चुनौतियों से निपटने के लिए जैविक खाद का इस्तेमाल आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है. इस तरह की खेती के प्रारम्भिक चरणों में आर्थिक लाभ कम होने से किसान जैविक खेती के तौर-तरीके अपनाने से बचते हैं, लेकिन यह इस तरह की खेती के फायदों के बारे में किसानों की जानकारी की कमी को दर्शाता है. सरकारी

शेष पृष्ठ 169 **पर**

प्राकृतिक संसाधन लेख

जल संकट और जल प्रबन्धन

✍ गिरीश चन्द्र पाण्डे

कुछ समय पहले नीति आयोग ने समग्र जल प्रबन्धन सूचकांक (Composite Water Management Index) रिपोर्ट 2018 जारी की. इस सूचकांक में गुजरात को शीर्ष स्थान मिला है, जबकि झारखण्ड सबसे नीचे रहा. रिपोर्ट में गुजरात के बाद मध्य प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र के नाम हैं. पूर्वोत्तर और पर्वतीय राज्यों में वर्ष 2016-17 के लिए त्रिपुरा पहले स्थान पर है. रिपोर्ट में यह भी तथ्य सामने आया है कि जिन राज्यों ने जल प्रबन्धन के क्षेत्र में अच्छा काम किया है, उनकी कृषि विकास दर ज्यादा है. मध्य प्रदेश की 22-23 प्रतिशत के बीच है और गुजरात की 18-19 प्रतिशत के बीच. इस प्रकार स्पष्ट है कि जल और कृषि का सम्बन्ध अन्योन्याश्रय है. इसके विपरीत जहाँ कृषि के लिए सिंचाई की समस्या सामने आई है, वहाँ कृषि पर काफी विपरीत असर पड़ा है और लोग गाँवों से पलायन कर गए. परिणामस्वरूप, बढ़ते शहरीकरण से शहरों के अन्दर मलिन बस्तियाँ तथा झोपड़-पट्टियाँ अस्तित्व में आ रही हैं. इस प्रकार जल संकट के प्रभाव दूरगामी हैं.

नीति आयोग की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत इतिहास के सबसे भीषण जल संकट से गुजर रहा है, जो दिनोंदिन और भी भयानक होता जा रहा है. देश के करीब 60 करोड़ लोग पानी की गम्भीर कमी से जूझ रहे हैं और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध न होने से प्रति वर्ष जल-जनित बीमारियों की वजह से करीब 2 लाख लोगों की मौत हो रही है. यही नहीं, आजादी के 70 सालों बाद भी 75 प्रतिशत घरों में पीने का पानी मुहैया नहीं है अर्थात् उन्हें पेयजल के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता है. 2020 तक देश के 21 शहर भू-जल की कमी से जूझ रहे होंगे. 2030 तक देश में पानी की माँग, इसकी आपूर्ति के मुकाबले दोगुनी हो जाएगी. इसके मुताबिक जल संकट के चलते जीडीपी में 6 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है. जल से जुड़े देश के जागरूक सामाजिक संगठन दशकों से जल संकट का मुद्दा उठाते रहे हैं. केन्द्र सरकार ने इस दिशा में कुछ उपाए भी किए हैं, मसलन, उसने जल संसाधन प्रबन्धन के लिए कुल 30 लिंक चिह्नित किए हैं, जहाँ शेष जलराशि वाले इलाकों से पानी किल्लत वाले क्षेत्रों में पहुँचाया जाएगा. इस योजना में 16 लिंक प्रायद्वीपीय भारत और 14 हिमालयी क्षेत्र में हैं. सरकार ने 2015 में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना का शुभारम्भ किया. "प्रति बूँद, अधिक फसल" यानी कम सिंचाई में अधिक फसल को सरकार ने अपना मंत्र बनाया है. इसमें सूखा प्रभावित क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जा रही है. सरकार ने नेशनल वॉटर इन्फोर्मेटिक्स सेंटर की स्थापना की, जो जल संसाधनों के राष्ट्रव्यापी आँकड़े तैयार करेगा. नदियों की सफाई एक अनवरत् प्रक्रिया है. इसमें नमामि गंगे परियोजना एक अच्छी पहल है. इसके तहत् विभिन्न तरह की गतिविधियों वाली 173 योजनाएं संचालित हो रही हैं, जिसमें घाटों की सफाई से लेकर गाँव-शहरों की स्वच्छता भी शामिल है. 173 में 41 परियोजनाएं तो पूरी भी हो चुकी हैं, लेकिन अभी भी जल की गुणवत्ता सूचकांक के मामले में भारत का स्थान 122 देशों की सूची में 120वाँ है.

भारत में फिलहाल प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता 1544 क्यूबिक मीटर है. इस स्थिति को जल की कमी की चेतावनी के रूप में देखा जाता है, अगर यह उपलब्धता 1000 क्यूबिक मीटर से नीचे आ जाए, तो जल संकट माना जाता है. रिपोर्ट में अनुमान व्यक्त किया गया है कि वर्ष 2030 तक जल की माँग मौजूदा उपलब्धता की तुलना में दोगुनी हो जाएगी. ऐसी स्थिति में भविष्य में करोड़ों लोगों के लिए बड़े पैमाने पर जल संकट पैदा हो सकता है. देश की आबादी जिस रफ्तार से बढ़ रही है, उसे देखते हुए आने वाले दशक में भारत जल संकट-ग्रस्त की श्रेणी में आ जाएगा.

जल संसाधन मंत्रालय के ताजा आँकड़े बताते हैं कि बीस राज्यों के 276 जिले जल में फ्लोराइड की अधिकता से, इक्कीस राज्यों के 387 जिले जल में नाइट्रेट की अधिकता से, दस राज्यों में 86 जिले जल में आर्सेनिक की अधिकता से, चौबीस राज्यों के 297 जिले जल में लौह की अधिकता से, जबकि पन्द्रह राज्यों के 113 जिले जल में भारी धातुओं (सीसा, कैडमियम, क्रोमियम) की अधिकता से प्रभावित हैं. परिणामस्वरूप, उपलब्ध पानी उपभोग लायक नहीं होता है. यही नहीं, प्रदूषित पानी के उपयोग से बहुत सारी बीमारियाँ पनपती हैं, जिनकी चपेट में हर साल करोड़ों लोग आ जाते हैं और इनमें सर्वाधिक प्रभावित होने वाले बच्चे हैं.

जल प्रबन्धन

जल का समुचित प्रबन्धन ही जल संकट का समाधान है. कहा जाता है कि पानी तीसरे विश्व युद्ध का कारण बन सकता है, तो इसका सीधा-सा अर्थ यही है कि जल संकट एक सार्वभौमिक समस्या है और जिससे भारत भी बच नहीं सकता. भारत में जल संकट का एक मुख्य कारण यह है कि यहाँ वर्षा केवल कुछ माह तक सीमित है और वह भी अनिश्चित है. बरसात में जो जल उपलब्ध होता है (सतही जल), उसका भी समुचित संग्रहण नहीं किया जाता है और उससे भू-जल स्रोतों के पुनर्भरण के लिए प्रयास भी नहीं किया जाता है. इसलिए जल संकट के लिए जिम्मेदार कारणों पर गहराई से विचार कर उनके समाधान की दिशा में हमें तेजी से आगे बढ़ना होगा. जल राज्य सूची के अन्तर्गत आता है, लिहाजा राज्य सरकारों की ओर से जल के महत्व के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए. राज्यों को वर्षा जल के संचयन के साथ भूजल के कृत्रिम पुनर्भरण सम्बन्धी जागरूकता कार्यक्रम और प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का आयोजन, वर्षा जल संचयन सुविधाओं को बढ़ावा देने हेतु भवन उपनियमों में संशोधन, जल संचयन प्रोत्साहन देने वालों को कर छूट जैसे ठोस उपाय करने होंगे. जल संरक्षण, भूगर्भ जल अध्ययन, तत्सम्बन्धित तकनीकी प्रबन्धन, इंजीनियरिंग आदि पूर्णकालिक एकेडेमिक और यान्त्रिकी के विषय हैं, जिसके लिए इंजीनियरिंग कॉलेजों एवं जल प्रबन्धन के लिए विश्वविद्यालय के स्तर के संस्थानों की स्थापना करना जरूरी है. महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे राज्यों में चलाई जा रही समुदाय आधारित जल स्वावलम्बन योजनाओं को अन्य राज्यों को भी अमल में लाया जाए. इस योजना के तहत् सरकार से सहायता प्राप्त वॉटरशेड प्रबन्धन को समुदायों के हवाले कर दिया गया है. इस तरह के समुदाय आधारित वॉटरशेड प्रबन्धन कार्यक्रमों से मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में भूमिगत जल स्तर बढ़ा है.

स्मरणीय है कि बरसात के पानी का 15 से 25 प्रतिशत भाग जमीन के अन्दर जाना जरूरी है. इससे भी पानी की गुणवत्ता में सुधार आएगा. सरकार को जल प्रबन्धन सम्बन्धी राष्ट्रीय कानून बनाने पर भी विचार करना चाहिए. जल संकट की एक बड़ी वजह भूजल का अत्यधिक दोहन है. आज से एक दशक पहले तीस मीटर की गहराई पर पानी उपलब्ध हो जाता था, मगर अब साठ-सत्तर मीटर पर पानी उपलब्ध हो रहा है. केन्द्रीय भूजल बोर्ड की रिपोर्ट के

अनुसार पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु भूजल की समस्या से ज्यादा प्रभावित हैं. इनमें पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली की हालत सबसे ज्यादा खराब है. कुछ समय पहले अमरीकी वैज्ञानिकों ने सैटेलाइट के जरिए अध्ययन कर निष्कर्ष निकाला कि देश के उत्तर-पश्चिमी राज्यों के भूजल स्तर में प्रतिवर्ष चार सेन्टीमीटर की कमी आ रही है. अन्य इलाकों का भी कमोवेश यही हाल है. भूजल विधेयक, जो दो वर्षों से लम्बित चल रहा है, उस पर शीघ्र अमल हो ताकि हम अपने जल संसाधनों का बेहतर प्रबन्धन कर सकें.

कृषि और जल का अन्योन्याश्रित सम्बन्ध है, भारत में लगभग 80 प्रतिशत पानी का उपयोग मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र में होता है. उसके बाद औद्योगिक तथा घरेलू क्षेत्र का स्थान आता है. इसलिए केन्द्र सरकार का सूक्ष्म सिंचाई प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहन देने पर जोर होना चाहिए, जिसमें ड्रिप तथा स्प्रिंकलर दोनों सिंचाई व्यवस्थाएं शामिल की जाएं. रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के स्थान पर जैविक खाद के उपयोग के अलावा हमें जीएम फसलों की उपादेयता पर भी फोकस करना होगा, ताकि मिट्टी के पोषक तत्वों को बनाए रखने के साथ ही कम पानी में भी अधिक फसल उगाई जा सके. देश में नीम लेपित यूरिया तथा जैविक खेती को प्रोत्साहन दिया जा रहा है और अभी सिक्किम एकमात्र ऐसा पूर्वोत्तर राज्य है, जो पूर्णतया जैविक खेती कर रहा है. कृषि वैज्ञानिक एम.एस. स्वामीनाथन का कहना है कि अगर भारत में औसत तापमान में वृद्धि जारी रहती है, तो हमारी खाद्य सुरक्षा और जल संसाधनों पर घातक प्रभाव पड़ेगा. साथ ही उन्होंने समुद्र के खारे पानी में और समुद्र स्तर से नीचे के खेतों में फसलें उगाने की तकनीकें विकसित करने पर भी जोर दिया था.

उल्लेखनीय है कि जल संकट का एक बड़ा कारण जल का दुरुपयोग करना भी है, जोकि घरों से लेकर खेतों और कारखानों तक, रोजाना हर तरफ होता है. दशकों से ऐसी कृषि प्रणाली को बढ़ावा दिया गया है, जिसमें पानी की बहुत ज्यादा खपत होती है. फिर, औद्योगिक इकाइयाँ पानी के प्रदूषण के साथ ही पानी की फिजूलखर्ची का बड़ा माध्यम है. इससे बचने के लिए अनेक देशों ने नियम बनाए हैं और नियन्त्रण के उपाय किए हैं, परन्तु भारत में इस मामले में इच्छाशक्ति की कमी नजर आती है. भूजल के अंधाधुंध दोहन ने देश के बहुत सारे इलाकों को डार्क जोन में बदल दिया है, यानी वहाँ भूजल का भण्डार खाली हो चुका है रासायनिक खादों और कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल ने सतह पर मिलने वाले पानी को भी उपभोग लायक नहीं छोड़ा है. इसलिए सरकार ने जल बचत और संरक्षण की आवश्यकता पर जोर देने के लिए देशभर में 2015-16 को जल-क्रान्ति वर्ष के रूप में मनाने का फैसला किया था.

जल का सिंचाई और बाढ़ के अलावा जंगल से भी घनिष्ठ सम्बन्ध है, इसलिए यह आवश्यक है कि वृक्षारोपण और पारिस्थितिकी सन्तुलन पर भी जोर दिया जाए. हरित भारत अभियान को एक जन आन्दोलन बनाना भी समय की माँग है, ताकि बंजर वनभूमि पर पेड़ लगाने से देश का कम-से-कम 33 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित हो सके. अभी यह 25 प्रतिशत के आसपास है. झीलों-तालाबों-कुओं को पाट कर उन पर रिहाइशी कॉलोनियाँ बनाने का सिलसिला बन्द हो, वर्षाजल के संचयन सहित जल संरक्षण के तमाम उपाय किए जाएं, तो उन संकटों से बचा जा सकता है, जिनके बारे में समय पर संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक संगठन हमें आगाह करते रहे हैं. गाँवों में स्थानीय पंचायतों की देखरेख में योजनाएं बनाने के साथ प्रधानमंत्री की 'आदर्श ग्राम योजना' तथा 'नरेगा' में जल संरक्षण के परम्परागत तरीकों को अपनाने पर जोर देना चाहिए. नदियों की सफाई, तालाबों का निर्माण, कुओं के पुनरुद्धार में भी इनकी सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी.

नदी जोड़ो परियोजना

देश में नदियाँ एक राज्य से दूसरे राज्यों से होकर गुजरती हैं और यह राज्य का विषय है. इसलिए जल के बँटवारे के सम्बन्ध में समय-समय पर विवाद उठते रहे हैं. इसलिए विवादों के निपटान के सम्बन्ध में एक ठोस रणनीति तथा दिशा-निर्देशों को तैयार करने की जरूरत है. यह भी उल्लेखनीय है कि ब्रह्मपुत्र, गंगा-यमुना सरीखी बड़ी सदानीरा नदियाँ हैं, जो वर्षा के समय अपने साथ बाढ़ का प्रकोप भी लाती हैं. इसलिए इन नदियों को कृष्णा, नर्मदा, कावेरी नदियों से जोड़कर पेयजल की समस्या के दीर्घकालिक समाधान के साथ ही समूची कृषि अर्थव्यवस्था का चेहरा बदल सकता है. स्मरण रहे कि नर्मदा नदी के पानी को गुजरात में साबरमती की सूखी नहर में छोड़ने का अनुभव और उसके परिणाम निश्चित तौर पर सुखद और उत्साहवर्धक रहे हैं. नदियों को आपस में जोड़ने से ही हम ब्रह्मपुत्र और यमुना जैसी नदियों की बाढ़ की प्रकोप जैसी स्थिति से बचते हुए पानी के लिए तरसते गुजरात, तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश, महाराष्ट्र तथा राजस्थान जैसे सूखे राज्यों को राहत प्रदान कर सकते हैं.

देशभर की नदियों को 30 स्थानों पर जोड़कर राष्ट्रीय नदी ग्रिड बनाने की जो योजना प्रस्तावित है, उस पर शीघ्र अमल हो और 2002 में 'सबके लिए जल' का जो लक्ष्य प्राप्त करने का संकल्प व्यक्त कर राष्ट्रीय जल नीति पारित की गई थी, उसकी उपलब्धियों तथा प्राप्त अनुभव को ध्यान में रखकर आगे बढ़ा जाए. भारत में नदियों को जोड़ने में बहुत तेजी से काम करना पड़ेगा, क्योंकि नदियों जो जोड़ देने से यातायात की खर्च में बहुत बड़ी कटौती आएगी. जिससे देश में बहुत सारी चीजों के दाम घटेंगे और गरीब आदमी को राहत मिलेगी. इसलिए वर्तमान दौर में विकास पर जन आन्दोलन बनाने के लिए सबसे अच्छा विषय अगर हो सकता है, तो जल है. सरकार को पानी को बचाने के लिए तीन आर (3R) यानी रिड्यूस (Reduce), रिसाइकिल (Recycle) और रियूज (Reuse) का फॉर्मूला अपनाना होगा यानी एक तो हम पानी का कम इस्तेमाल करें, उसे रिसाइकल करें और इस पानी का दोबारा इस्तेमाल करें. जल संकट के समाधान के लिए हमें जल की उपलब्धता, उसकी गुणवत्ता तथा निर्बाध पहुँच सुनिश्चित करनी होगी. जल संरक्षण पर प्रचार के लिए जल बोर्ड जैसे जल निकायों के साथ ही राज्यों में गठित ऐसे निकायों को आगे आना चाहिए और नागरिकों को सेट अप लगाने पर कर में छूट की व्यवस्था करनी चाहिए.

यही नहीं, जल की भयावह होती समस्या का समाधान चार स्तरों पर होना जरूरी है– नीति, आधारभूत अवसंरचना, व्यवहार तथा आँकड़े. जहाँ तक नीति का सम्बन्ध है, जल को राज्य सूची से हटाकर समवर्ती सूची में रखा जाए. दूसरा, हमें जल भण्डारण की ढाँचागत सुविधा को बढ़ाना होगा, क्योंकि अभी हम अपनी वार्षिक बरसात का मात्र 8 प्रतिशत ही उपयोग कर पाते हैं. कमजोर परिवहन नेटवर्क से भी शहरी क्षेत्रों में पाइप से भिजवाए जाने वाले पानी का लगभग 40 प्रतिशत पानी बर्बाद चला जाता है और अभी उपयोग में लाए गए जल का 15 प्रतिशत से भी कम भाग का रिसाइकल हो रहा है. तीसरा, हमारी जल आँकड़ा व्यवस्था अभी अल्प विकसित अवस्था में है, जिस वजह से सही आँकड़ों के अभाव में विश्लेषणात्मक अध्ययन न होने से जल के अपर्याप्त आवंटन को बढ़ावा मिलता है, जल का उचित मूल्य नहीं मिलता और नवाचार भी हतोत्साहित होता है.

जल की वैश्विक स्थिति

समय-समय पर जारी संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों में दुनिया का ध्यान जल संकट की ओर खींचते यह चेतावनी दी जाती रही है कि अगला विश्वयुद्ध पानी के लिए होगा. अनुमान है कि दुनिया भर का 97 प्रतिशत से अधिक पानी महासागरों और समुद्रों में है. 2·05 प्रतिशत बर्फ के रूप में है और

केवल 0·5 प्रतिशत हमें उपयोग के लिए मिलता है. इस 0·5 प्रतिशत का वितरण भी पूरी दुनिया के देशों में एकसमान नहीं है. इसका अधिकांश अमरीका और कनाडा की सीमावर्ती झीलों में गिरता है. इस समय दुनिया भर में प्राप्त पानी का सबसे अधिक हिस्सा कनाडा में है. पानी के इस विषम वितरण के कारण भी पानी की समस्या है.

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने हाल ही में 2018 से 2028 की अवधि को अन्तर्राष्ट्रीय जल दशक घोषित किया है. इस अवधि के भीतर जल संसाधन के समेकित प्रबन्धन पर जोर दिया जाना है. इससे पहले, 2005 से 2015 की अवधि भी इस अभियान का हिस्सा रही थी. गौरतलब है कि इसी अवधि में दुनिया के प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने 28 जुलाई, 2010 को साफ पेयजल को 'मानवाधिकार' घोषित किया था. सेंटर फॉर साइंस एण्ड एनवायर्नमेंट द्वारा प्रकाशित पत्रिका 'डाउन टु अर्थ' के मुताबिक इन दिनों दुनिया के दो सौ शहर भीषण जल संकट की चपेट में हैं. इनमें से दस शहर ऐसे हैं जहाँ 'डे जीरो' कभी भी लागू किया जा सकता है अर्थात् जब भूमिगत जल का स्तर 13·5 प्रतिशत से भी कम हो जाता है, तब स्थानीय प्रशासन शहर के सभी घरों में पाइप से पानी की सप्लाई बन्द करवा देता है.

संयुक्त राष्ट्र की वर्ल्ड वाटर डेवलपमेंट रिपोर्ट 2018 में भी जल प्रदूषण को सख्ती से रोकने, उसके अबाध प्रवाह एवं मनमाने दोहन की रोकथाम पर बल दिया गया है, क्योंकि पृथ्वी पर उपलब्ध कुल जल का केवल 2·07 प्रतिशत ही पीने योग्य शुद्ध जल है और उस सीमित मात्रा के पानी का इन्सान ने अंधाधुंध दोहन किया है. साथ ही रिपोर्ट में जंगलों के संरक्षण एवं पौधरोपण पर भी जोर है. इस रिपोर्ट के अनुसार पानी की समस्या से जूझते लोगों की तादाद 2050 में 5·7 अरब तक पहुँच जाएगी. दुनिया में इस समय तकरीबन 3·6 अरब लोग ऐसे हैं, जो हर साल एक महीने तो पीने के पानी के लिए तरस जाते हैं, अगर अभी हमने कुछ नहीं किया, तो 2050 में हालात इतने बिगड़ चुके होंगे कि उस समय 5 अरब से ज्यादा लोग ऐसे इलाकों में रहने को विवश होंगे, जहाँ पानी की आपूर्ति बेहद खराब होगी. हालात में कोई सुधार नहीं हुआ, तो जकार्ता, बीजिंग, मास्को, मेक्सिको, लंदन, टोक्यो, मियामी, इस्तांबूल, साउपाउलो, काहिरा और बेंगलूरू आने वाले दिनों में बूँद-बूँद पानी के लिए तरस जाएंगे. अभी शिमला के जल संकट से वहाँ के स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटन अर्थव्यवस्था को, जो भारी झटका लगा है, उससे हम सभी वाकिफ हैं.

यह भी उल्लेखनीय है कि वैश्विक तापमान में बढ़ोत्तरी से दुनिया भर के पर्यावरण पर पड़ने वाले असर के बारे में संयुक्त राष्ट्र की अन्तर-सरकारी समिति की रिपोर्ट में भी मरुस्थलीकरण बढ़ने और जल-स्रोतों के सूखने की चेतावनी दी गई थी. पानी के बारे में अलग से हुए संयुक्त राष्ट्र के ताजा अध्ययन में भी वैश्विक तापमान में बढ़ोत्तरी का सबसे भयावह पहलू जल संकट को ही माना गया.

यहाँ यह भी उल्लेख करना उचित होगा कि हमें जल संकट से उबरने के लिए प्रकृति की ओर लौटना होगा, क्योंकि पानी को किसी प्रयोगशाला में नहीं बनाया जा सकता. इसलिए हम पानी के तन्त्र के प्राकृतिक तरीकों को समझें. नदी-तालाब व जल-स्रोतों को उनके परम्परागत रूप से बनाए रखें. प्राकृतिक जल संरचनाओं को पुनर्जीवित करें. बारिश के पानी को धरती में रिसने दें. बरसाती पानी को संजोकर रखने और गन्दे पानी को दोबारा प्रयोग में लाने योग्य बनाने की दिशा में गम्भीरतापूर्वक काम करने की जरूरत है. इसी तरह भूमिगत जल की समस्या से निबटने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर जल संचयन के उपायों के बारे में जागरूकता अभियान चलाना होगा. ●●●

शेष पृष्ठ 88 का

काफी पैसा इस मुद्रा को देश के बैंकिंग सिस्टम में भेजने पर खर्च किया गया इसलिए नोटबंदी को व्यर्थ की कसरत बताया गया है. नोटबंदी के बाद बाजार में आए नए नोट दो साल बाद ही चलन से बाहर होने लगे हैं. ₹ 2000 और ₹ 500 के नए नोटों के साथ इसी वर्ष जनवरी 2018 में जारी चॉकलेटी ब्राउन रंग के ₹ 10 के नोट पर भी यह खतरा मँडराने लगा है. वाणिज्यिक बैंकों ने इन नोटों को जारी नहीं करने योग्य की श्रेणी में डालकर चलने से बाहर शुरू कर दिया है. नए नोटों के कागज की गुणवत्ता पहले के नोटों के मुकाबले खराब है इसलिए नए नोट जल्द खराब हो रहे हैं. एक बार नोट खराब हो जाने पर उन्हें एटीएम में नहीं डाला जा सकता है, क्योंकि एटीएम का सेंसर खराब नोटों की गणना में गड़बड़ी कर देता है. आमतौर पर नए नोटों को दो बार से ज्यादा एटीएम में नहीं डाला जा रहा है. नोटबंदी के बाद जारी हुए नोटों को नॉन इश्यूबल घोषित करने पर रोक लगा रखी थी, लेकिन बैंकों का दबाव बढ़ने के कारण भारतीय रिजर्व बैंक ने जुलाई 2018 में खराब नोटों को नॉन इश्यूबल करने की अनुमति दे दी. ₹ 10 के नए नोट दिन भर में ही 10 से ज्यादा हाथों में होकर गुजरते हैं. इसलिए ये काफी खराब हो जाते हैं. नोटबंदी से नकली नोटों के साथ ही आतंकी एवं नक्सली गुटों पर लगाम लगने के दावे भी बहुत पुख्ता नहीं कहे जा सकते. करदाताओं की संख्या में वृद्धि को नोटबंदी की एक सफलता के तौर पर अवश्य रेखांकित किया जा सकता है, लेकिन यह नोटबंदी का मूल मकसद नहीं था. मूल मकसद तो कालेधन वालों की कमर तोड़ना था. ●●●

शेष पृष्ठ 117 का

सागर तट से दूर जाने पर सागरीय Weeds में रंगों का श्रेणीकरण तट से सागर की ओर Green weed zone, brown weed zone, red weed zone पाए जाते हैं. इसी तरह चट्टानी तली वाले बेलाचली मंडल में (उच्च ज्वार तथा निम्न ज्वार तल के बीच स्थित तटीय भाग) तट रेखा से सागर की ओर Lichen, Focas algae, Flat wrack zone, Knotted wrack zone, Bladder wrack zone, Scrraced wrack zone तथा अन्त में Oar weed zone पाए जाते हैं.

बेन्थस समुदाय

तटीय सागरीय भाग से खुले सागर के जल तल के नीचे स्थित पादप एवं प्राणी अधिकांश प्रकाशित मंडल में पाए जाते हैं. जैसे–Sea Weeds, Large algae, Sea weeds colour green, brown and red.

बेन्थस प्राणियों में कई खोल में रहने वाले प्राणी अधिक संख्या में तथा कई जातियों में पाए जाते हैं जैसे Vivale mussels, तथा Coocklesl. ये प्राणी जल से जैविक पदार्थ तथा छोटे जीवों को छाँट लेते हैं और अपना आहार बनाते हैं. Echinoderms (शल्यचर्म वाले) तथा Spinyskinned animals मांसाहारी होते हैं तथा इनमें Star fish और Brittle stars प्रमुख जातियाँ हैं अधिक गहराई में 1650 मीटर की गहराई पर Molluscus, worms, jellyfish तथा Comb jellies की प्रजातियाँ मिलती हैं Scarlet Prawns रात्रि के समय सागर की ऊपरी सतह पर आ जाती हैं और दिन में पुनः तली में वापस लौट जाती हैं. 1000–4000 मीटर तक गहरे तलस्थ भागों में प्राणियों का जीवन सागरों की ऊपरी सतह से जैविक पदार्थों का नेकटन प्राणियों के अवशेषों के नीचे गिरने से सुलभ आहारों पर निर्भर करता है. अधिक गहराई के प्राणी शवभक्षी (Scavangers) होते हैं. शार्क, स्टेविलफिश हैगफिश, ओटोपोश आदि. इस गहराई पर कुछ प्राणियों के शरीर प्रकाशित चमड़ी वाले होते हैं. ओटोपोश अपना रंग बदलता है. 6000–7000 मीटर की गहराई पर तापमान हिमांक के आसपास होता है. इस भाग में प्राणियों की संख्या कम होती है. प्राणियों में कीचड़ खाने वाले मुख्य हैं. गम्भीर सागरीय गड्ढों में Bacteria मिलते हैं. ●●●

टेक्नोलॉजी लेख

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) नए आयाम

✍ डॉ. दीपक कोहली

इंटेलिजेंस या बुद्धि मनुष्य का प्रमुख गुण है. मानव सभ्यता ने जो भी उपलब्धियाँ हासिल की हैं, वे मनुष्य की बुद्धि का ही परिणाम हैं. फिर चाहे आग का आविष्कार हो, अनाज उपजाना हो, पहिए का आविष्कार हो या मोटर इंजन का आविष्कार. इन सबके पीछे जिस चीज की भूमिका है, वह है मनुष्य की बुद्धि. यही एक गुण है मनुष्य का जो उसे अन्य जीव-जन्तुओं से अलग करता है. इसी आधार पर मनुष्य को विवेकशील प्राणी कहा जाता है. बुद्धि की सहायता से ही मनुष्य विभिन्न मशीनों का अपने हित में इस्तेमाल करता है. अब मनुष्य ने अपनी बुद्धि से मशीनों को आर्टिफिशियल रूप से इंटेलिजेंट या बुद्धिमान बनाने में कामयाबी हासिल कर ली है. यही कृत्रिम तरीके से विकसित की गई बौद्धिक क्षमता को 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' या 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' कहते हैं. इसे लघु शब्दों में ए.आई. भी कह सकते हैं.

'जॉन मैकार्थी' आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के संस्थापक थे. उन्होंने अपने साथी मिन्स्की, हर्बर्ट साइमन और एलेन नेवेल के साथ मिलकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े अनुसंधान की शुरूआत सन् 1955 में की. अमरीकी कम्प्यूटर वैज्ञानिक जॉन मैकार्थी ने जब इस पर शोध कार्य शुरू किया था, उस वक्त तकनीकी में इतना विकास नहीं हुआ था, लेकिन अब एल्गोरिद्म, कम्प्यूटिंग पावन, स्टोरेज में सुधार के कारण कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लोकप्रिय और कामयाब बनाया जा सका है.

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के जरिए कम्प्यूटर सिस्टम या मशीनों को इस तरह से बनाने की कोशिश की जा रही है कि वह इंसानों द्वारा किए जाने वाले कार्य आसानी से कर सकें. इन मशीनों को इस तरह से बनाया जा रहा है ताकि वह हम लोगों जैसे निर्णय लेने, सही-गलत अन्तर करने, दृश्य धारणा, इंसानों की पहचान करने और अन्य कार्य आसानी से कर सके. अगर सरल भाषा में कहें तो इन मशीनों को इंसानों जैसा दिमाग दिया जा रहा है, ताकि वे इंसानों की तरह निर्णय भी ले सकें. अगर कोई मशीन किसी इंसान को पहचान ले, इंसानों के साथ शतरंज खेले तो उन मशीनों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाली मशीनें कहा जाएगा. वहीं आप लोगों ने मानव रहित गाड़ी या मानव रहित विमान के बारे में सुना ही होगा. इस तकनीक की सहायता से ही आज के जमाने में मानव रहित गाड़ी या विमान चलना मुमकिन हो पाया है.

आज के दौर में चिकित्सा अनुसंधान, विनिर्माण, बैंकिंग, खेल, स्पेस स्टेशन जैसे क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का काफी प्रयोग किया जा रहा है. कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाली मशीनें बिना थके आसानी से कार्य करती हैं.

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोग

चिकित्सा अनुसंधान में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद से कई सारे कार्य आसानी से किए जा रहे हैं. कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से एक्सरे रीडिंग करना, जटिल से जटिल ऑपरेशन आसानी से करना मरीजों का बेहतर इलाज कम लागत में करना, किस व्यक्ति को कौनसी बीमारी है, उसका पता लगाना आदि. आजकल एक सुप्रसिद्ध चिकित्सा तकनीक 'आई.बी.एम. वॉटसन' लोकप्रिय है जिसका उपयोग कई प्रमुख चिकित्सालयों में हो रहा है. इसके साथ-साथ अब आम बीमारियों के लिए ए.आई. युक्त 'हेल्थ असिस्टेन्ट्स' भी आ चुके हैं, जिसकी मदद से अब आम लोग अपनी बीमारियों की चिकित्सा करवा सकते हैं.

खेलों में भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल किया जाता है. आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का उपयोग खेल खेलने की छवियों को कैप्चर करने, क्षेत्र की स्थिति और रणनीति को अनुकूलित करने में किया जाता है. कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से खेल को बेहतर ढंग से खेलने के बारे में रिपोर्टों के साथ-साथ कोच को खेल की रणनीति के बारे में भी सुझाव दिए जाते हैं. यहाँ यह उल्लेखनीय है कि आई.बी.एम. कम्पनी के कृत्रिम बुद्धि से लैस 'डीप ब्ल्यू कम्प्यूटर', विश्व के सबसे नामी शतरंज खिलाड़ी 'गैरी कास्परोव' को हरा चुका है.

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का प्रयोग विनिर्माण में भी हो रहा है. इसके जरिए विनिर्माण में सुधार के साथ विनिर्माण की प्रक्रिया में भी सहायता की जाती है. इसके अलावा अन्तरिक्ष से जुड़ी खोजों में भी इस तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है.

कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से अब तो ऐसे रोबोट तैयार किए जा रहे हैं, जोकि इंसानों की तरह अपने चेहरे के भाव प्रकट किया करते हैं. वहीं साल 2016 में बनाया गया 'साफिया' नामक रोबोट आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का बेहतरीन उदाहरण है. यह रोबोट लोगों से बातचीत करता है और कई सारे इंटरव्यू भी दे चुका है.

शिक्षा के क्षेत्र में ए.आई. की सहायता से अब 'ओटोमेट ग्रेडिंग' प्रदान किया जा सकता है, जिससे कि शिक्षाविदों को बच्चों को पढ़ाने में ज्यादा समय मिल सके. कृत्रिम बुद्धिमत्ता से किसी भी छात्र को अच्छी तरह से परखा जा सकता है. क्या उसकी जरूरत है, किन-किन विषयों में वह कमजोर है आदि ताकि उस छात्र की सही तरह से मदद की जा सके. आजकल ए.आई. ट्यूटर्स की सहायता से छात्र घर बैठे ही सभी चीजों का हल ढूँढ़ रहे हैं. इससे उनकी पढ़ने की रुचि भी बढ़ रही है.

'रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन' की मदद से हाइली रेपोटीटिव टास्क्स को अब मशीनों द्वारा किया जा रहा है. मशीन लर्निंग एल्गोरिद्मस को अब ऐनालिटिक्स तथा सीआरएम प्लेटफार्म के साथ जोड़ा जा रहा है, जिससे कि यह पता चल सके कि कैसे उपभोक्ता को कम्पनियाँ बेहतर मदद कर सकती हैं. चैटबोट्स को वेबसाइट के साथ इनकॉरपोरेट किया जा रहा है ताकि जल्द से जल्द उपभोक्ता को सर्विस दी जा सके. इस प्रकार आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस व्यापार में भी मदद कर रही है.

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की सहायता से वित्तीय संस्थानों को काफी लाभ मिल रहा है, क्योंकि कम्पनियों को पहले डेटा ऐनालिसिस में बड़ी मात्रा में धन और समय खर्च करना पड़ता था पर अब ऐसा नहीं है अब तो ए.आई. सब कुछ बहुत ही कम समय में कर देती है.

हम लोग भी रोजाना कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाली तकनीकों का प्रयोग करते हैं. आई.ओ.एस., एण्ड्रॉयड, विंडोज मोबाइल आदि इसी तकनीक का उदाहरण हैं. इसी तकनीक की मदद से हम अपनी आवाज के जरिए किसी भी चीज को नेट में बिना टाइप किए सर्च कर सकते हैं. इसके अलावा यू-ट्यूब पर संगीत और मूवी की सिफारिश आना, स्मार्ट होम डिवाइसेज, सुरक्षा निगरानी और स्मार्ट कार इसी तकनीक की देन है. गूगल असिस्टेंट, अमेजन-एलेक्सा, एप्पल-सीटी, माइक्रोसॉफ्ट-कॉर्टना आदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संचालित होते हैं.

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर दुनिया भर में अध्ययन तेज हुए हैं और इसमें भारी निवेश किया जा रहा है. स्वचालित कारों का

शेष पृष्ठ 174 **पर**

पर्यावरण लेख

नदी प्रदूषण : गंगा नदी के परिप्रेक्ष्य में

✍ जगनारायण

गाँवों के घटाव और शहरों के फैलाव ने हमारे सम्मुख जिन समस्याओं को खड़ा किया है. उनमें नदी प्रदूषण एक बड़ी समस्या है. आज गंगा ब्रह्मपुत्र, यमुना, गोमती, कावेरी जैसी देश की समस्त प्रमुख नदियों का जल शहरी क्षेत्रों में ग्रामीण एवं वनीय क्षेत्रों की तुलना में अधिक प्रदूषित पाया जा रहा है. 2001 में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हुए 'सिल्वा और विलियम्स' नामक शोधकर्ताओं के परीक्षणों से यह प्रमाणित हो चुका है कि शहरीकरण के बढ़ाव के चलते क्षेत्र की नदी में रासायनिक अपशिष्ट की मात्रा में बढ़ोत्तरी होती है. इसी तरह के एक अन्य शोध में चीन की एक नदी के जल में तटवर्ती 'शंघाई' शहर की भूमि के उपयोग के चलते पाई गई गुणवत्ता के परीक्षण में अत्यधिक शहरीकृत तटों पर नदी जल की गुणवत्ता में गिरावट पाई गई. वहीं इस नदी तट के खेती वाले क्षेत्र में पानी की गुणवत्ता शहरी तट क्षेत्र की तुलना में अपेक्षाकृत बेहतर पाई गई. इसी क्रम में 2013 में नेपाल में 'वांग चू' नदी के किनारे के पानी की गुणवत्ता जाँच में नदी का पानी शहरी क्षेत्र की तुलना में कृषि वाले क्षेत्र में बेहतर पाया गया. भारत में 2005 में केरल प्रान्त के 'चलाकुड़ी' नदी की जलीय गुणवत्ता परीक्षण के दौरान नदी जल में घुलित ऑक्सीजन की मात्रा कृषि क्षेत्र में अधिक तथा शहरी क्षेत्र में कम पाई गई.

शहरीकरण के कारण नदियों के जल में रासायनिक अपशिष्टों की मात्रा बढ़ रही है.

भारत की अधिकांश नदियाँ जल प्रदूषण से ग्रसित हैं.

इस दिशा में हुए कुछ अन्य परीक्षणों से यह भी स्पष्ट हुआ है कि नदी जल की गुणवत्ता वृक्ष और वन वाले क्षेत्र में उत्तम और कृषि क्षेत्र उससे निम्न और शहरी क्षेत्र में उससे भी निम्नस्तरीय और अपेय पाई जाती है.

भारत की राष्ट्रीय नदी गंगा की प्रदूषणीय स्थिति

इसी क्रम में देश की सबसे महत्वपूर्ण पवित्र और 'राष्ट्रीय नदी' गंगा, जो अपने 2525 किमी के बहाव में 17 शहरों से होकर गुजरती है. कभी इसके जल में 'बैक्टीरियोफॉस' जनित रोग निवारक क्षमताओं के साथ ही स्वतः शुद्धिकरण की क्षमता पाई जाती थी. गंगा के प्रवाह क्षेत्र के इन नगरों की आबादी का घनत्व बहुत अधिक है. इन नगरों में कल-कारखानों का भी बाहुल्य है जिसके चलते आज नदी मात्र जल स्रोत न होकर प्रदूषकों के 'निकास स्रोत' में बदल चुकी है. वस्तुतः गंगा- जल की गुणवत्ता में गिरावट की जानकारी 1960 में ही चर्चा में आ गई थी जिसे तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने संज्ञान में लेकर 1971 में गंगा नदी की गुणवत्ता की व्यापक जाँच का निर्देश दिया. इस निर्देश के परिप्रेक्ष्य में केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 1984 में गंगाजल का विभिन्न स्थलों पर परीक्षण के उपरान्त दो बड़ी रपटें जारी किए. आगे चलकर ये रपटें ही गंगाजल शुद्धिकरण परियोजना 'गंगा एक्शन प्लान' की मूल आधार बनी. इसके बाद 14 जून, 1986 में वाराणसी में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने गंगा एक्शन प्लान का उद्घाटन कर गंगाजल शुद्धि का श्रीगणेश किया.

गंगा प्रदूषण निवारण प्रक्रिया के महत्व को ध्यान में रखकर प्रथम गंगा एक्शन प्लान की समाप्ति के पूर्व ही 1995 में गंगा एक्शन प्लान दो के रूप में इस परियोजना को और व्यापक स्वरूप प्रदान किया गया जिसके अन्तर्गत नौ की संख्या में निदेशालय और प्राधिकरणों का गठन हुआ. यद्यपि वर्तमान सरकार ने गंगा के लिए एक अलग मंत्रालय ही बना दिया है, लेकिन इन सबके बावजूद गंगाजल की गुणवत्ता में कोई खास सुधार नहीं हुआ और गंगा प्रदूषण जस की तस है. आज गंगाजल की हालत ये है कि वाराणसी जैसे तीर्थस्थल पर यह नहाने लायक तो दूर छूने लायक भी नहीं है. गंगा एक्शन प्लान के अन्तर्गत गंगाजल की गुणवत्ता के विषय में जैविक ऑक्सीजन माँग की पी.पी.एम., घुलित ऑक्सीजन पाँच पी.पी.एम. सम्पूर्ण कोलिफार्म एम.पी.एन. 10000/100 एम.एल. फीकल कोलिफार्म एम.पी.एन 25/100 एम.एल. निर्धारित किया गया था. गंगा एक्शन प्लान के लागू होने के बाद गंगा जल की शुद्धता की जाँच के विभिन्न क्षेत्र से पानी के नमूने लिए गए, लेकिन स्थिति गम्भीर रूप से निराश करने वाली प्रमाणित हो चुकी है. इस परियोजना की वास्तविकता का आकलन मात्र इस बात से ही स्पष्ट हो जाता है कि जहाँ इस योजना के लागू होने के पूर्व इलाहाबाद शहर में गंगा में तेरह नाले गिरते थे उनकी संख्या पिछले दिनों 60 के करीब पाई गई. गंगा एक्शन प्लान के समीक्षकों ने इसकी विफलता के निम्न कारण बताए हैं—

1. नगर निकायों का असहयोग
2. परियोजना के समापन में देरी
3. अप्रभावी परिपालन
4. नियमित जाँच का अभाव
5. जैव विविधता की उपेक्षा
6. जल शुद्धिकरण की नई तकनीकों के प्रयोग एवं तलाश का अभाव
7. जनचेतना जागृति का अभाव
8. अनियन्त्रित शहरीकरण
9. भारी संख्या में पर्यटकों का आगमन
10. घाटों की भूमिका

गंगा नदी के जल में बैक्टीरियोफॉस रोग निवारक क्षमता थी

गंगा प्रदूषण प्लान की विफलता का विस्तृत विवरण

1. गंगा के प्रवाह क्षेत्रों में पड़ने वाले नगरों/महानगरों की नगरपालिकाएं/नगर निगम अपने क्षेत्र के गंगा में गिरने वाले मलजल, अवजल के नालों को नियन्त्रित नहीं कर पा रहे हैं. वाराणसी में तो गंगा में गिरने वाले नाले 1970 की ही तरह प्रवाहित हो रहे हैं. यद्यपि जाँच करने वाली टीमों एवं कार्यदायी संस्था, विश्व बैंक की टीम की जाँच के समय इन्हें बन्द दिखाया जाता है. टीमों के जाने के बाद ये नाले पूर्ववत् अवजल, मलजल गंगा में गिराने लगते हैं. इस क्षेत्र की आबादी के अनुसार मलजल/अवजल शोधन की इकाइयों का सर्वथा अभाव है, जिसके चलते सीवर का पानी बिना परिष्करण के ही गंगा में प्रवाहित होता है. हरिद्वार के होटलों, दवा उत्पादकों, कानपुर की चर्म शोधक इकाइयों का तथा वाराणसी के होटलों, मठों एवं घरेलू अवजल/मलजल शोधन की इकाइयाँ जरूरत से बहुत कम हैं. जिसके चलते गंगा एक्शन प्लान सफेद हाथी बनकर रह गया है.

2. गंगा एक्शन प्लान की व्यवहारगत विफलता का सबसे बड़ा कारण उसमें मंत्री से लेकर चपरासी द्वारा काम से अधिक प्रचार और हो हल्ला है. इसमें लगी समाज सेवी संगठनों का भी कामोवेश यही हाल रहा है. 'हल्ला ज्यादा काम कम' कुल मिलाकर गंगा एक्शन प्लान खाने-कमाने का धन्धा बनकर रह गया है. मंत्रियों के पालित ठेकेदार मालामाल होते रहे. वे पार्टी फण्ड में चन्दा दे रहे हैं जिसकी कोई जाँच पड़ताल नहीं होती, बिल पास हो जाते हैं. कहीं-कहीं तो बिना काम के भी बिल पास हो जाते हैं. सरकारें बदलती हैं रवैया वही

रहता है. यदि प्रदेश और केन्द्र में अलग-अलग पार्टियों की सरकारें होती हैं, तो एक-दूसरे पर इस परियोजना की विफलता का खूब आरोप-प्रत्यारोप भी लगता रहता है.

3. गंगा एक्शन प्लान का परिपालन पूर्णतया अप्रभावी और योजना के प्रतिकूल है. इसमें पारदर्शिता और जनसहभागिता का सर्वथा अभाव रहा है.

4. इस परियोजना के व्यवहार में नियमित जाँच चाहे जल के प्रदूषण या कार्य योजना की है कागजों पर ज्यादा और व्यवहारिक धरातल पर न्यूनतम रहा है.

5. गंगा शुद्धिकरण कार्य योजना के अन्तर्गत वनस्पतियों, कृषि फसलों, जन क्रियाकलापों, गंगा से सम्बन्धित व्यवसायों का व्यापक प्रमाणन और सूचीबद्धता का सर्वथा अभाव है, जिसके चलते गंगा शुद्धिकरण प्रभावकारी नहीं हो पा रहा है. आज गंगा के बढ़ाव एवं प्रसार क्षेत्र में प्रदूषक निवारक उपयोगी वृक्षों के रोपड़ का सर्वथा अभाव है.

6. आज विज्ञान तेजी से गतिशील है. विश्व में नित नए प्रयोग हो रहे हैं. हम साधारण बल्ब से सी.एफ.एल. पुनः एल.ई.डी. तक पहुँच कर ऊर्जा की खपत कम करने में सफल हुए हैं. ध्यान रहे कि देश में तमाम नए आविष्कारों की चर्चा तो होती है, लेकिन ये खोजें हमारे रोजमर्रे की जरूरतों पर कितनी आधारित होती है यह एक विचारणीय विषय है ? गंगाजल शुद्धि के नए साधनों की चर्चा अक्सर मिलती है लेकिन व्यावहारिक रूप से इन नए आविष्कारों का प्रयोग क्यों नहीं हो पाता यह एक विचारणीय विषय है. इस सन्दर्भ में विश्वविद्यालयों एवं अन्य प्रयोगशालाओं, संस्थाओं को प्रदत्त प्रोजेक्ट की भी व्यापक समीक्षा आवश्यक है. प्रदत्त संस्थाओं के क्रिया-कलाप की पारदर्शिता और नियमित मानीटरिंग की ठोस व्यवस्था होनी चाहिए.

7. गंगा शुद्धिकरण परियोजना से जन-सामान्य के जुड़ाव की व्यवस्था का भारी अभाव है. गंगा जन-जन की माँ है. उसके अमृत जल में अशुद्धि आ गई है. उसका जल कई स्थलों पर छूने लायक भी नहीं रह गया है. इस तथ्य को सम्पूर्ण हिन्दू समाज की बात तो दूर हम गंगा के प्रवाह क्षेत्र के अन्तिम जनों तक पहुँचाने में विफल रहे हैं. फलतः आज एक बड़ा तबका इस सत्य से अनभिज्ञ होकर आज भी गंगा को शास्त्र वर्णित रोग निवारक, पाप निवारक मानकर ही व्यवहार कर रहा है. उसके लिए प्रदूषण नाम की कोई चीज यहाँ नहीं है. वह गंगा जल को अपने पूर्वजों की तरह सैकड़ों वर्ष पूर्व जैसा ही मान रहा है. उसकी नजर में गंगाजल का प्रदूषित होना असम्भव है. सत्य से परे की इस सोच के लिए लोगों के मन में गंगा के प्रति सत्य चेतना का सर्वथा अभाव ही है.

8. गंगा के प्रवाह क्षेत्र में जिस तेजी से शहरीकरण/नगरीकरण हो रहा है अनियोजित कॉलोनियाँ बन रही हैं, सीमेन्ट, कंकरीट के अनियोजित जंगल खड़े हो रहे हैं, विकास के नाम पर अवैध कॉलोनियों का निर्माण हो रहा है. गंगा के प्रवाह क्षेत्र-प्रसार क्षेत्र में रोज नए निर्माण हो रहे हैं. होटल खड़े हो रहे हैं, पुलों और बन्दरगाहों का भी निर्माण हो रहा है. वाराणसी में न्यायिक विश्राम भवन, सनबीम स्कूल, ज्ञान प्रवाह जैसी बड़ी संस्थाओं का निर्माण गंगा प्रदूषण कार्य को सीधे मुँह चिढ़ाता नजर आता है.

9. गंगा के तट पर स्थित पवित्र नगरों में तीर्थयात्रियों एवं पर्यटकों का आगमन भारी संख्या में होता है. ध्यान रहे कि सुदूर हिमालयी क्षेत्र गंगोत्री में भी पर्यटकों के आगमन और उनके द्वारा छोड़ी गई वस्तुओं से गंगा प्रदूषण चिह्नित हुआ है. आज हरिद्वार, प्रयाग और काशी तो विश्वस्तरीय पर्यटन केन्द्र और तीर्थस्थल हैं. यहाँ आगंतुकों की गतिविधियों से प्रदूषण का होना एक सामान्य बात है.

10. **घाटों की भूमिका—**गंगा तट पर हरिद्वार और काशी में अनेक पक्के घाट बने हैं. काशी तो अपने सौ के लगभग पक्के घाटों के कारण भी आकर्षण का केन्द्र और प्रसिद्धि का कारण है. यद्यपि ये घाट एक ओर पर्यटन को बढ़ावा देते हैं, तो दूसरी ओर गंगा में प्रदूषण भी बढ़ाते हैं. ध्यान रहे गंगा एक्शन प्लान गंगा के प्रदूषण मुक्ति की वृहद् योजना है, जिस पर सरकार खरबों खर्च कर चुकी है और आगे भी करेगी दूसरी ओर प्रदूषण के कारण नए घाटों का निर्माण भी कर रही है. ध्यान रहे कि वाराणसी में गंगा का शूल टंकेश्वर से लेकर वरुणा संगम के आदि केशव घाट का नौ किमी का क्षेत्र कुछ स्थलों को छोड़कर पक्का है और आगे बनने की सम्भावना पर कोई रोक नहीं दिखती. काश! यहाँ घाट के बजाए उपयोगी पेड़ लगते, तो गंगा प्रदूषण नियन्त्रित होता. न्यूनाधिक गंगा के तटवर्ती अन्य तीर्थों प्रयाग और हरिद्वार की भी यही स्थिति है.

यहाँ ध्यान देने योग्य तथ्य यह है कि अब तो गंगा में जलयान चलाने की बात हो रही है. इससे गंगा प्रदूषण बढ़ेगा या घटेगा यह भी विचारणीय विषय होगा. वस्तुतः देश के राजनेता हर समस्या को वोट की राजनीति की दृष्टि से देखते हैं. केन्द्र और प्रदेश के चुनाव के समय कुछ लोग सौ दिन में ही गंगा प्रदूषण दूर करने की बात कह चुके हैं. उनके इस वादे को कई 'सौ' दिन बीत चुके हैं और गंगा जस की तस है, जबकि देश के सम्मुख निजी प्रयासों में कई ऐसे उदाहरण हैं जिनसे नदियों का काया-कल्प हुआ है और मृतप्राय कई नदियों को प्रवाहमय जीवन मिला है. वस्तुतः गंगा प्रदूषण की समस्या नीति नहीं नीयत की अपेक्षा करती है. आज इस बात की महती जरूरत है कि गंगा प्रदूषण पर राजनीति के बजाय अच्छी नीयत से ठोस काम हों.

गंगा एक्शन प्लान की शुरूआत और उत्तरोत्तर विस्तार का विवरण

1. 1970 : गंगा प्रदूषण पर संज्ञान.
2. 1979 : तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी द्वारा सर्वेक्षण का निर्देश.
3. 1985 : केन्द्रीय प्रदूषणे बोर्ड की व्यापक रपटों का प्रकाशन, जो गंगा एक्शन प्लान की मूलाधार बनी.
4. 1985 : गंगा एक्शन प्लान की स्थापना.
5. 15 जून, 1986 को वाराणसी में श्री राजीव गांधी द्वारा गंगा एक्शन प्लान का प्रमोचन.
6. 1993 : द्वितीय गंगा एक्शन प्लान की प्रस्तुति
7. 1995 में राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना की शुरूआत.
8. 2009 में राष्ट्रीय गंगा बेसिन प्राधिकरण की स्थापना.
9. 2014 में जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण योजना (नमामि गंगा परियोजना)
10. 4 नवम्बर, 2008 गंगा राष्ट्रीय नदी घोषित.

सरकार का नया प्रयास

आज हमारी वर्तमान सरकार गंगा प्रदूषण के प्रति अपनी-अपनी विशेष कार्य योजना 'नमामि गंगे' को लेकर सामने है. इस परियोजना के तहत् केन्द्र सरकार का पहला बजट ₹ 2037 करोड़ का है. इस परियोजना के अन्तर्गत आठ राज्यों के सैंतालीस कस्बों और गंगा से सम्बन्धित बारह अन्य नदियों पर काम किया जाना है. सरकार इस कार्य के लिए सोलह सौ बत्तीस के करीब गाँवों को खुले में शौच से 2022 तक मुक्ति दिलाने की योजना बनाई है. ध्यान रहे कि इस परियोजना के द्वारा तट पर रहने वाले लोगों की भी गंगा संरक्षण में शामिल करने की बात की गई है. इसके अलावा नदी केन्द्रित शहरी नियोजन प्रक्रिया का निर्माण गंगा के तटवर्ती एक सौ अठारह शहरी बस्तियों में अवजल-मलजल व्यवस्था को ठीक करना गंगा से सम्बन्धित नियामक क्षेत्र को प्रभावकारी रूप देना, गंगा ज्ञान केन्द्र, नदी के अनुकूल कृषि व्यवस्था के निर्माण और गंगा क्षेत्र के लिए उपयुक्त सिंचाई प्रणाली की व्यवस्था करना जैसे बिन्दु भी शामिल हैं.

गंगा एक्शन प्लान की विफलताओं के बाद नमामि गंगे परियोजना के परिप्रेक्ष्य में हमें इस बात पर गम्भीरतापूर्वक ध्यान रखना

शेष पृष्ठ 149 **पर**

भारतीय इतिहास एवं संस्कृति

1. कोपेनहेगन संग्रहालय की सामग्री से पाषाण, कांस्य और लौह युग का त्रियुगीय विभाजन किया था *– थॉमसन ने*
2. ताम्र पाषाणिक युग को किस अन्य नाम से भी जाना जाता है? *–चारकोलिथिक युग*
3. हड़प्पा सभ्यता के प्रमुख स्थल–हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, कालीबंगा, लोथल, रोपड, माण्डा, दैमाबाद, आलमगीरपुर, सुत्कागेंडोर एवं भगवानपुरा किन नदियों के किनारे अवस्थित थे ?
   –हड़प्पा (रावी), मोहनजोदड़ो (सिंधु), कालीबंगा (घग्घर), लोथल (भोगवा), रोपड़ (सतलज), माण्डा (चेनाब), दैमाबाद (प्रवरा), आलमगीरपुर (हिंडन), सुत्कागेंडोर (दाश्त), भगवानपुरा (सरस्वती)
4. ऋग्वेद के 10 मंडलों के रचनाकार हैं
   –प्रथम मंडल (मधुच्छन्दा, दीर्घतया), द्वितीय मंडल (गृत्समद), तृतीय मंडल (विश्वामित्र), चतुर्थ मंडल (वामदेव), पंचम मंडल (अत्रि), षष्ठम मंडल (भारद्वाज), सप्तम मंडल (वशिष्ठ), अष्टम मंडल (कण्व एवं आंगिरस) नवम् मंडल (आंगिरस, कश्यप), दशम मंडल (त्रित, इंद्राणी, शची, श्रद्धा)
5. बौद्ध धर्म की चारों संगीतियाँ कहाँ सम्पन्न हुईं ?
   –प्रथम (483 ई.पू., राजगृह), द्वितीय (383 ई.पू., वैशाली), तृतीय (247 ई.पू., पाटलिपुत्र), चतुर्थ (102 ई. कुण्डलवन)
6. किस शासक द्वारा सर्वप्रथम पाटलिपुत्र को राजधानी के रूप में चयन किया गया ? *–उदयिन*
7. किसको दक्षिण भारत के, विशेषकर चोल युग के स्थापत्यों को विश्व में श्रेष्ठतम प्रतिमा रचना माना जाता है ? *–नटराज*
8. बहमनी साम्राज्य से स्वतंत्र हुए राजवंश थे
   –इमादशाही (बरार), आदिलशाही (बीजापुर), निजामशाही (अहमदनगर), कुतुबशाही (गोलकुंडा), बरीदशाही (बीदर)
9. गोस्वामी तुलसीदास ने कितने ग्रंथों की रचना की
   –12 (दोहावली, गीतावली, कवितावली, रामचरितमानस, विनय पत्रिका, पार्वती मंगल, जानकी मंगल, बरवै रामायण, वैराग्य संदीपनी एवं कृष्ण गीतावली)
10. मध्यकालीन भारत में प्रयुक्त 'नस्तलीक' है
    –एक प्रकार की फारसी लिपि

राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आन्दोलन

11. भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान किसने 'द फ्री इंडियन लीजन' नामक सेना बनायी ? *–सुभाष चन्द्र बोस*
12. "शक्ति के विरुद्ध अधिकार की इस लड़ाई में विश्व की सहानुभूति चाहता हूँ." यह कथन सम्बद्ध है
    –गाँधीजी की दांडी यात्रा से
13. द्वितीय विश्व युद्ध के सम्बन्ध में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की नीति थी
    –पूर्ण स्वतंत्रता का आश्वासन मिलने पर ब्रिटेन को सहयोग
14. 1927 की बटलर कमेटी का उद्देश्य था
    –भारत सरकार तथा देशी राज्यों के मध्य सम्बन्धों को सुधारना
15. वर्ष 1945 में आजाद हिन्द फौज के सिपाहियों पर चल रहे मुकदमे की पैरवी की थी
    –कैलाशनाथ काटजू, तेज बहादुर सप्रू, जवाहरलाल नेहरू, भूलाभाई देसाई
16. असहयोग आन्दोलन के दौरान किसने पटना कॉलेज छोड़ा, जबकि उसकी परीक्षा में केवल 20 दिन ही बचे थे ?
    –जयप्रकाश नारायण
17. जलियाँवाला बाग हत्याकांड पर कांग्रेस जाँच समिति की रिपोर्ट का प्रारूप लिखने का कार्य सौंपा *–महात्मा गांधी को*
18. खिलाफत आन्दोलन के प्रमुख नेता थे
    –मोहम्मद अली और शौकत अली
19. 1907 के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सूरत के वार्षिक अधिवेशन के अध्यक्ष थे *–रासबिहारी घोष*
20. मुजफ्फर अहमद, एस.ए. डांगे, शौकत उस्मानी तथा नलिनी गुप्ता किस षड्यंत्र के लिए कैद किए गए ?
    –कानपुर षड्यंत्र केस

भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान

21. किस अधिनियम के अन्तर्गत भारतीय विधान परिषद् को बजट पर बहस करने की शक्ति प्राप्त हुई ?
    –भारत परिषद् अधिनियम, 1892
22. 1946 में निर्मित अंतरिम सरकार में कार्यपालिका परिषद् के उपसभापति थे *–जवाहरलाल नेहरू*
23. संविधान सभा द्वारा स्थापित मौलिक अधिकारों और अल्पसंख्यकों हेतु सलाहकार समिति के अध्यक्ष थे
    –सरदार पटेल
24. भारतीय संविधान में 'राज्यों के संघ' की संकल्पना को प्राप्त किया गया है *–ब्रिटिश नॉर्थ अमरीका अधिनियम से*
25. "राष्ट्रपति की सिफारिश के बगैर कोई विधेयक जो कर लगाता है विधायिका में नहीं रखा जा सकता" यह प्रावधान भारत के संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत आता है ?
    –अनुच्छेद 117
26. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत अखिल भारतीय सेवाओं का प्रावधान किया गया है ?
    –अनुच्छेद 312
27. भारतीय संघवाद को सहकारी संघवाद किसने कहा ?
    –जी. आस्टिन
28. भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद व्यक्ति के विदेश यात्रा के अधिकार को संरक्षण प्रदान कर रहा है ?
    –अनुच्छेद 21
29. भारत के राष्ट्रपतियों (पूर्व एवं वर्तमान) में से कौन बिहार का राज्यपाल रह चुका है ?
    –डॉ. जाकिर हुसैन एवं रामनाथ कोविंद

30. संविधान में मंत्रिमंडल शब्द का एक ही बार का प्रयोग हुआ है और वह किस अनुच्छेद में ?
–अनुच्छेद 352 के खण्ड (3) में

भारत एवं विश्व का भूगोल

31. कर्क रेखा भारत के कितने राज्यों से होकर गुजरती है ?
– 8 (गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मिजोरम)
32. हिमालय की रचना समांतर वलय श्रेणियों से हुई है जिसमें से प्राचीनतम श्रेणी है *–वृहत हिमालय श्रेणी*
33. गुरु शिखर पर्वत चोटी कौनसे राज्य में अवस्थित है ?
–राजस्थान
34. मर्खा घाटी, जुकू घाटी, सांगला घाटी एवं यूथांग घाटी कहाँ स्थित हैं ? *–मर्खा घाटी (जम्मू-कश्मीर), जुकू घाटी (नगालैण्ड), सांगला घाटी (हिमालय प्रदेश), यूथांग घाटी (सिक्किम)*
35. भारत में कितने राज्य तटरेखा से लगे हैं ?
– 9 (गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा एवं पश्चिम बंगाल)
36. यूरेनस सूर्य के चारों ओर एक परिक्रमा में लेता है *– 84 वर्ष*
37. अपने परिक्रमा पथ में पृथ्वी लगभग किस माध्य वेग से सूर्य का चक्कर लगाती है ? *–30 किमी/से*
38. यूरेशिया क्षेत्र में पाया जाने वाला शीतोष्ण कटिबंधीय घास का मैदान है *–स्टेपीज*
39. कौनसा एक देश भौगोलिक रूप से अमरीकी महाद्वीप में स्थित होने पर भी राजनैतिक दृष्टि से यूरोप का भाग है ?
–ग्रीनलैण्ड
40. कौनसी सीमा रेखा बेल्जियम और जर्मनी के बीच सीमा निर्धारण करती है ? *–हैडेनबर्ग रेखा*

पर्यावरण एवं जैव विविधता

41. ग्रीन पीस इंटरनेशनल एक गैर-सरकारी पर्यावरण संगठन है, इसका मुख्यालय है *–एम्सटर्डम (नीदरलैण्ड)*
42. इको मार्क प्रमाण-पत्र उन भारतीय उत्पादों को दिया जाता है, जो पर्यावरण के प्रति मैत्रीपूर्ण हों. यह प्रमाण पत्र 'ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्डस्' द्वारा कब से दिया जाता है ? *–1991 से*
43. नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) भारत सरकार द्वारा स्थापित किया गया था *–2010 में*
44. भारत में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम कब पारित हुआ था ?
–1986 में
45. किस देश में अपने कुल भौगोलिक क्षेत्रफल के 70 प्रतिशत भाग पर वन बनाए रखने का संवैधानिक प्रावधान है ? *–भूटान*
46. काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से प्रवाहित होने वाली नदियाँ हैं
–ब्रह्मपुत्र, दिफ्लू, मोरा दिफ्लू एवं मोरा धनसिरि
47. जम्मू-कश्मीर में स्थित सिटी फॉरेस्ट राष्ट्रीय उद्यान का नाम परिवर्तित कर रखा गया है *–सलीम अली राष्ट्रीय उद्यान*
48. वर्तमान में (2018) भारत में कुल 103 राष्ट्रीय पार्क हैं. सर्वाधिक राष्ट्रीय पार्कों की संख्या है
–अंडमान-निकोबार एवं मध्य प्रदेश में
49. किस फसल की खेती एथेनॉल के लिए की जा सकती है ?
–मक्का
50. जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण अधिनियम किस वर्ष लागू किया गया ? *–1974 में*

भारतीय अर्थव्यवस्था

51. भारत में कर्मचारियों के महँगाई भत्ते के निर्धारण का आधार है
–उपभोक्ता मूल्य सूचकांक
52. 'सार्वजनिक क्षेत्र' से तात्पर्य है
–वाणिज्य एवं व्यापार पर सरकार का स्वामित्व
53. प्रत्येक वित्तीय वर्ष से ही व्यय के प्रत्येक मद का नया मूल्यांकन करके बजट बनाना कहलाता है *–जीरो बेस बजटिंग*
54. नवसृजित 'सीपीएसईटीएफ' (CPSEETE) के पूँजी प्रबंधन का दायित्व सौंपा गया है *–गोल्डन साश को*
55. यदि राजकोषीय घाटे से ब्याज भुगतान निकाल दिया जाए, तो शेष बराबर होगा *–बजट घाटे के*
56. ब्रिक्स (BRICS) देशों द्वारा स्थापित न्यू डेवलपमेंट बैंक के अध्यक्ष हैं *–एम.वी. कामत*
57. समाज में धन के वितरण की असमानता को कम करने में कौनसा कर सहायक होता है ? *–प्रगतिशील कर*
58. कौनसा संगठन 'Global Economic Perspective' नाम से रिपोर्ट का प्रकाशन करता है ? *–विश्व बैंक*
59. क्रिसिल (CRISIL) है एक *–क्रेडिट रेटिंग एजेंसी*
60. संयुक्त राष्ट्र संघ के आर्थिक-सामाजिक मामलों के विभाग के जनसंख्या प्रकोष्ठ की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार किस वर्ष के पश्चात् भारत विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश हो जाएगा ? *–2048*

सामान्य विज्ञान एवं तकनीकी

61. डॉब्सन इकाई का प्रयोग किया जाता है
–ओजोन पर्त की मोटाई नापने में
62. विद्युत चुम्बकीय तरंगों की आवृत्ति मापने के लिए किस यंत्र का उपयोग किया जाता है ? *–आन्डोमीटर*
63. कौनसी धातु सामान्य अवस्था में द्रव अवस्था में पाई जाती है ? *–पारा*
64. पदार्थों की अम्लीयता एवं क्षारीयता प्रकट होती है
–pH मान द्वारा
65. स्वर्णकारों द्वारा प्रयोग में आने वाला एक्वारेजिया बनाया जाता है *–नाइट्रिक अम्ल एवं हाइड्रोक्लोरिक अम्ल*
66. श्वसन तंत्र में अधिकतम एटीपी (ATP) अणुओं को उत्पन्न करने वाला पद है *–क्रेब्स चक्र*
67. जीवों में आनुवंशिक लक्षण संतान में ले जाए जाते हैं
–क्रोमोसोम द्वारा
68. मानव शरीर में सबसे मजबूत माँसपेशियाँ होती हैं *–जबड़े में*
69. अधिकांश प्राणियों के जीवित पदार्थ का लगभग 80% पदार्थ है
–प्रोटीन
70. मानव शरीर का कौनसा भाग शरीर ताप को नियंत्रित रखता है ? *–फेफड़ा*

खेलकूद

71. क्रिकेट में पिच की लम्बाई होती है *–22 गज (20·12 मीटर)*
72. शिवान्ती गोल्ड कप किस खेल से सम्बन्धित है ? *–वॉलीबाल*

73. पोलटीकन कप (Poltiken Cup) किस खेल से सम्बन्धित है ?
–शतरंज

74. विश्व का सबसे पुराना खेल समाचार पत्र है
–गजेत डेलो स्पोर्ट (Gazzetta Dello Sport)

75. हॉकी में खेल प्रारम्भ होने के समय बॉल को मारना कहलाता है
–बुली

76. लॉन टेनिस में यदि दोनों खिलाड़ी तीन-तीन अंक जीत लेते हैं तो स्कोर कहलाता है *–ड्यूस*

77. फुटबाल में जब निर्धारित समय में मैच बराबर न होने की दशा में अतिरिक्त समय में बने गोल को कहा जाता है
–गोल्डन गोल

78. बिलियर्डस् में जब गेंद किसी अन्य गेंद से बिना किसी बाधा के पॉकेट में चली जाती है तो इसे कहते हैं *–पॉट (Pot)*

79. टेबिल टेनिस में जब खिलाड़ी अपने रैकेट से गेंद को अपनी कमर से नीचे मारता है, तो इसे कहते हैं *–स्ट्राइक (Strike)*

80. तैराकी में वह प्रतिस्पर्द्धा जिसमें तैराक अपने दोनों हाथ पानी की सतह के ऊपर एक साथ आगे से पीछे की ओर ले जाता है, कहलाती है *–बटरफ्लाई स्ट्रोक*

कम्प्यूटर ज्ञान

81. कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर को कितने भागों में बाँटा जा सकता है ?
– 2 (सिस्टम सॉफ्टवेयर, एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर)

82. सिस्टम सॉफ्टवेयर का कार्य है
–यह कम्प्यूटर की आंतरिक प्रणाली को नियंत्रित करता है

83. एक या अधिक प्रोग्राम का वह समूह जिसे प्रोग्रामर्स द्वारा एक विशेष कार्य करने को डिजाइन किया जाता है, कहते हैं
–एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर

84. पेन ड्राइव (Pen Drive) को अन्य किस नाम से जाना जाता है
–यूएसबी फ्लैश ड्राइव (USB Flash Drive)

85. जिन युक्तियों का प्रयोग डाटा और निर्देशों को कम्प्यूटर में प्रविष्ट करने के लिए किया जाता है, वे सभी युक्तियाँ कहलाती है ? *–आगम या इनपुट युक्तियाँ (जैसे कीबोर्ड, माउस, स्कैनर, ट्रैक बॉल, लाइट पेन आदि)*

86. ऐसी युक्तियाँ जिनका प्रयोग किसी संगणना के परिणामों को प्रयोक्ता तक दृश्य प्रदर्शन इकाई, प्रिंटर अथवा चुम्बकीय माध्यमों द्वारा पहुँचाया जाता है, कहलाती हैं
–आउटपुट युक्तियाँ (जैसे–प्रिंटर, प्लॉटर, मॉनीटर, एलसीडी)

87. कम्प्यूटर में द्वितीयक मेमोरी के उदाहरण हैं
–हार्ड डिस्क, मैग्नेटिक टेप, फ्लॉपी डिस्क, पेन ड्राइव, डीवीडी, कॉम्पैक्ट डिस्क

88. 8 बिटों के समूह को कहते हैं *–बाइट*

89. एक किलोबाइट समान है *–1024 बाइट के*

90. स्टोरेज की सबसे बड़ी इकाई है *– TB*

जलवायु परिवर्तन एवं आपदा

91. अभीष्ट राष्ट्रीय निर्धारित अंशदान (Intended Nationally Determined Contributions) क्या है ?
–यह विश्व के देशों द्वारा जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए बनाई गई कार्य योजना है

92. झारखण्ड जलवायु परिवर्तन कार्ययोजना रिपोर्ट (2014) के अनुसार सबसे संवदेनशील जिला है *–सरायकेला खारसवाँ*

93. कौनसी गैस ग्लोबल वार्मिंग के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार है ? *–कार्बन डाइऑक्साइड*

94. कौनसी गैस धरती पर जीवन के लिए हानिकारक और लाभदायक दोनों है ? *–कार्बन डाइऑक्साइड*

95. जलवायु परिवर्तन के प्रमुख कारक हैं
–जीवाश्मिक ईंधनों का अत्याधिक प्रज्वलन, तेल चालित वाहन एवं अत्यधिक वनोन्मूलन

96. ओजोन परत को सर्वाधिक नुकसान पहुँचाने वाले प्रदूषक हैं
–क्लोरो फ्लोरो कार्बन

97. विश्व का सबसे ऊँचा ज्वालामुखी पर्वत है
–माउंट कोटोपैक्सी

98. संसार का सर्वाधिक सक्रिय ज्वालामुखी है *–किलायू*

99. महासागरों और समुद्रों में ज्वार-भाटा किसके/किनके कारण होता/होते हैं ?
–सूर्य का गुरुत्वीय बल, चन्द्रमा का गुरुत्वीय बल, पृथ्वी का अपकेन्द्रीय बल

100. बैरोमीटर में पारे के तल की अचानक गिरावट सूचक है
–तूफान का

शिक्षा एवं बाल मनोविज्ञान

101. सीखने की वह अवधि, जब सीखने की प्रक्रिया में कोई उन्नति नहीं होती, कहलाती है *–सीखने का पठार*

102. बुद्धिलब्धि निकालने का सूत्र है $-\frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{वास्तविक आयु}} \times 100$

103. सीखने में प्रयास व भूल के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया था
–थॉर्नडाइक ने

104. क्रिया प्रसूत अनुबन्धन सिद्धान्त का प्रतिपादन किया
–स्किनर ने

105. बुद्धि के तरल क्रिस्टलीय प्रतिमान के प्रतिपादक थे *–कैटेल*

106. शिक्षण हेतु मानसिक उद्वेलन प्रतिमान का प्रयोग किसके सुधार के लिए किया जाता है ? *–सृजनात्मकता*

107. गोलमैन सम्बन्धित हैं *–संवेगात्मक बुद्धि से*

108. संज्ञात्मक सम्प्राप्ति का न्यूनतम स्तर है *–ज्ञान*

109. एक बालक, जो साइकिल चलाना जानता है, मोटरबाइक चलाना सीख रहा है. यह उदाहरण होगा
– उर्ध्व अधिगम अंतरण का

110. "अधिगम, अनुभव और प्रशिक्षण के परिणामस्वरूप व्यवहार में परिवर्तन है." यह कथन है *–गेटस का*

सम्प्रेषण/संचार

111. संचार प्रक्रिया के अन्तर्गत एक व्यवसायिक रिपोर्ट के अंग होते हैं
–विषय प्रवेश, विभाजन, सम्बोधन, विषय सामग्री की सारणी, निष्कर्ष, सुझाव, संक्षेप, परिशिष्ट, हस्ताक्षर, तिथि एवं रिपोर्ट का प्रारूप

112. समस्याओं के सर्वमान्य निबटारे अथवा व्यवसायिक कार्यों के लिए किया गया मौखिक सम्प्रेषण कहलाता है
–विचार विनिमय

113. हॉफ-ड्यूप्लेक्स है *–संचार की एक विधि*

114. सम्प्रेषण प्रक्रिया के दौरान संदेश का प्रेषण माध्यम के द्वारा प्राप्तकर्ता को होता है. जब इसकी प्रतिक्रिया प्राप्तकर्ता देता है, तो इसे कहते हैं *–प्रतिपुष्टि*

115. संचार की प्रक्रिया में संज्ञानात्मक आँकड़ों के प्रेषण में मुख्य रुकावट होती है *–कूटबद्ध करने की योग्यता*

116. अंतर्वैयक्तिक संचार प्रक्रिया के घटक हैं
–संप्रेषक, संदेश, ग्रहीता, प्रभाव, प्रतिपुष्टि

117. जनसंचार प्रक्रिया के घटक हैं
–स्रोत, चयनित सूचना, संप्रेषक, संदेश, संचार साधन अथवा माध्यम, गंतव्य, प्रतिपुष्टि

118. फीडबैक की दृष्टि से संचार का कौनसा माध्यम सबसे अच्छा माना जाता है ? *–आमने-सामने की बातचीत*

119. श्रोता किस स्थिति में संदेश ग्रहण कर सकता है ?
–उसे माध्यम की जानकारी हो

120. संचार प्रक्रिया में क्या पावती रसीद की तरह होता है ?
–फीडबैक

कृषि

121. रासायनिक विधि द्वारा बुवाई से पहले पुनः बीज शोधित करना जरूरी है, इस हेतु किसका प्रयोग करें ?
–थीरम, कार्बेन्डाजिम–2 से 3 ग्राम/प्रति किलोग्राम की दर से बीज शोधन करें

122. जैविक विधि से बीजशोधन हेतु बुवाई से पहले किसका प्रयोग किया जाए ?
–ट्राइकोडर्मा-4 ग्राम/किग्रा बीज की दर से

123. शोधित बीज को कैसे रखा जाए ?
–शोधित बीज को साफ फर्श पर रखकर 8-10 घण्टे के लिए बोरे से ढक दिया जाए

124. बीज शोधन की क्या उपयोगिता है ?
–बीज शोधन द्वारा बीजों से फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम हेतु

125. बीज शोधन की कौनसी विधियाँ हैं ?
–प्रमुख रूप से जैविक, रासायनिक एवं जैव-उर्वरक विधियाँ

126. फसल अवशेष/पराली जलाने पर **'एनजीटी'** (NGT) द्वारा कितना दंड घोषित है ?
–2 एकड़ से कम क्षेत्र पर ₹ 2500; 2 से 5 एकड़ पर ₹ 5000 तथा 5 एकड़ से अधिक पर ₹ 15000 प्रति घटना पर दंड

127. फसल अवशेष/पराली के प्रबन्धन से क्या लाभ मिलते हैं ?
–भूमि में जीवांश कार्बन/पदार्थ (O.C.) की मात्रा में वृद्धि

128. कृषि विविधीकरण (Crop Diversification) से क्या लाभ हैं ? *–लागत घटाने, आय बढाने, जोखिम–ओला, पाला आदि से होने वाले नुकसान को कम करना*

129. अंतः फसली खेती (इण्टर-क्रॉपिंग) क्या है ?
–खरीफ में कम वर्षा वाले क्षेत्रों में अरहर/मूँग/उर्द के साथ मक्का, ज्वार, बाजरा आदि लेना

130. दुग्ध उत्पादन हेतु **'डेयरी योजना'** क्या है ?
–आय वृद्धि का प्रमुख स्रोत, पशुओं के गोबर एवं मूत्र का प्रयोग–कम्पोस्ट/वर्मी कम्पोस्ट/नाडेप (NADEP) कम्पोस्ट के लिए अत्यंत उपयोगी स्कीम

विविध

131. एक साधारण कार्य करने वाली महिला के लिए प्रोटीन की उपयुक्त दैनिक मात्रा है *– 46 ग्राम*

132. वाशिंग मशीन का कार्य सिद्धान्त है *–अपकेन्द्रण*

133. अणुव्रत सिद्धान्त का प्रतिपादन किया था *–जैन मुनि ने*

134. जनजातीय लोगों के सम्बन्ध में आदिवासी शब्द का प्रयोग किया था *–ठक्कर बापा ने*

135. 'येलो केक' नामक वस्तु जिसकी सीमा-पार तस्करी की जाती है, वह है *–यूरेनियम ऑक्साइड*

136. भारत के किस राज्य में हिन्दू पुरुष के लिए एक से अधिक जीवित पत्नियों का एक पति होना वैध है, जबकि मुसलमान पुरुष के लिए ऐसा करना अवैध है ? *–गोवा*

137. घोंसला बनाने वाला एकमात्र सर्प है *–किंग कोबरा*

138. कौनसा जीव बारुदी सुरंग का पता लगाने के लिए उपयोगी है ? *–मधुमक्खी*

139. प्रतिवर्ष 13 फरवरी को महिला दिवस मनाया जाता है
–सरोजनी नायडू की स्मृति में

140. किस हिन्दू त्यौहार को थारू जनजाति 'शोक पर्व' के रूप में मनाते हैं *–दीपावली*

141. पहाड़ी काट कर एलोरा के कैलाश मन्दिर का निर्माण कराया था *–राष्ट्रकूटो ने*

142. लोसांग उत्सव मनाया जाता है *–सिक्किम में*

143. कारागम धार्मिक लोकनृत्य सम्बन्धित है *–तमिलनाडु से*

144. आध्यात्मिक ज्ञान के विषय में नचिकेता और यम का संवाद किस उपनिषद् से प्राप्त होता है *–कठोपनिषद्*

145. अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीशों की कार्यावधि है
– 9 वर्ष

146. गाय एवं भैंस के थनों में दुग्ध उत्पादन के लिए किस हॉर्मोन की सुई लगाई जाती है ? *–ऑक्सीटोसिन*

147. 'बवल-बेबी रोग' ऐसा इसलिए कहलाता है, क्योंकि
–रोगग्रस्त शिशु लार के बुलबुले बनाता है

148. 'कामराज योजना' का उद्देश्य था
–भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को जीवन्त बनाना

149. महात्मा गांधी के पिता करमचन्द गांधी कहाँ के दीवान थे ?
–राजकोट के

150. बादलों के वायुमंडल में तैरने का कारण है
– वायु की अपेक्षा उनका कम घनत्व

●●●

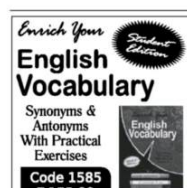

सामान्य अध्ययन

(द्वितीय प्रश्न-पत्र)

1. भारत के सर्वोच्च न्यायालय की शक्तियों के विषय में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) इसके पास जनता के मूल अधिकारों की रक्षा के लिए आदेश जारी करने की अनन्य शक्ति है.
(B) यह अन्तर्राज्यिक विवादों में मूल एवं अनन्य क्षेत्राधिकार रखता है.
(C) यह, भारत के राष्ट्रपति द्वारा कानून के प्रश्न या किसी तथ्य को निर्दिष्ट किए जाने पर, सलाहकार अधिकारिता रखता है.
(D) इसके पास अपने ही निर्णय या आदेश पर पुनर्विचार करने की शक्ति है.

2. पंचायती राज से सम्बन्धित निम्नलिखित समितियों को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए–
1. राव समिति
2. एल.एम. सिंघवी समिति
3. बी.आर. मेहता समिति
4. अशोक मेहता समिति
नीचे दिए गए कूट से उत्तर चुनिए–
कूट :
(A) 2, 3, 1 और 4
(B) 1, 3, 4 और 2
(C) 3, 4, 1 और 2
(D) 4, 3, 2 और 1

3. वह न्यूनतम जनसंख्या कितनी है जिसके नीचे (73वें संशोधन) अधिनियम के उपबन्ध के अनुसार, मध्यवर्ती स्तर पर पंचायतें गठित नहीं की जा सकतीं ?
(A) 25 लाख (B) 20 लाख
(C) 35 लाख (D) 30 लाख

4. भारतीय संविधान के निम्नलिखित में से कौनसा अनुच्छेद राज्यपाल को अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्रदान करता है ?
(A) अनु. 208 (B) अनु. 212
(C) अनु. 213 (D) अनु. 214

5. भारतीय संविधान के निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद में यह व्यवस्था की गयी है कि सभी, अल्पसंख्यकों को अपनी रुचि की शिक्षण संस्थाओं की स्थापना व प्रशासन का अधिकार होगा ?
(A) अनु. 28 (B) अनु. 29
(C) अनु. 30 (D) अनु. 31

6. भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद बच्चों के शोषण के विरुद्ध मौलिक अधिकार से सम्बन्धित है ?
(A) अनु. 17 (B) अनु. 19
(C) अनु. 23 (D) अनु. 24

7. भारतीय संसद के घटक हैं–
(A) केवल लोक सभा और राज्य सभा
(B) राष्ट्रपति, लोक सभा व राज्य सभा
(C) लोक सभा, राष्ट्रपति व मंत्रिपरिषद्
(D) लोक सभा, राज्य सभा व मंत्रि-परिषद्

8. विधान परिषद् में मनोनीत सदस्यों की संख्या है–
(A) कुल सदस्य संख्या की 1/3
(B) कुल सदस्य संख्या की 1/4
(C) कुल सदस्य संख्या की 1/6
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

9. निम्नलिखित में से भारत में विमुद्रीकरण का कौन औपचारिक उद्देश्य नहीं था ?
(A) अर्थव्यवस्था में नकदी की मात्रा को कम करना
(B) संव्यवहार के अंकीय तरीकों का अधिक उपयोग
(C) कर आधार को बढ़ावा देना
(D) जी.डी.पी. की विकास दर में वृद्धि करना

10. जुलाई 2017 से वस्तु तथा सेवा कर को लागू करने की यह प्रत्याशा है कि–
(A) भारतीय बाजार में एकरूपता आएगी
(B) कर अनुपालन में सुधार आएगा.
(C) उपर्युक्त केवल (A)
(D) उपर्युक्त (A) तथा (B) दोनों

11. केन्द्र सरकार की सकल कर आय में वृद्धि सर्वाधिक थी–
(A) वर्ष 2013-14 में
(B) वर्ष 2014-15 में
(C) वर्ष 2015-16 में
(D) वर्ष 2016-17 में

12. भारत में न्यायिक पुनर्विलोकन की शक्ति का प्रयोग किसके द्वारा किया जाता है ?
(A) केवल सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा
(B) सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय द्वारा
(C) समस्त न्यायालयों द्वारा
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

13. **कथन (A) :** भारत का व्यापार घाटा वर्ष 2012-13 में अधिकतम स्तर पर पहुँचने के बाद, वर्ष 2013-14 के बाद निरन्तर कम हो रहा है.
कारण (R) : वर्ष 2013-14 के बाद से पी.ओ.एल. तथा गैर-पी.ओ.एल. घाटों में सामान्य गिरावट हुई.
कूट :
(A) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (A) का सही स्पष्टीकरण (R) है
(B) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) का सही स्पष्टीकरण (R) नहीं है
(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

14. निम्नलिखित में से किस वर्ष में कृषि क्षेत्र में वृद्धि की दर ऋणात्मक रही है ?
(A) 2012-13 (B) 2013-14
(C) 2014-15 (D) 2015-16

15. वर्ष 2015 में, निम्नलिखित में से किस राज्य में मृत्यु दर न्यूनतम थी ?
(A) महाराष्ट्र
(B) पश्चिम बंगाल
(C) गुजरात
(D) कर्नाटक

16. वैश्वीकरण की प्रक्रिया से अभिप्राय है–
(A) वैश्विक व्यापारिक गुटों की स्थापना करना
(B) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में बाधाओं को समाप्त करना
(C) विश्व में एकल करेंसी लागू करना
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

17. निम्नलिखित कथनों में से कौनसा कथन उदय कोटक समिति के विषय में गलत है ?
(A) यह समिति सेबी द्वारा गठित की गई थी
(B) इसका सम्बन्ध निगमीय प्रशासन से है
(C) इसने संस्तुति की है कि कम्पनी बोर्ड के कम से कम आधे सदस्य स्वतंत्र निदेशक होने चाहिए
(D) इसने संस्तुति की है कि अध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक के पद एक ही बने रहना चाहिए

18. भारत में छिपी हुई बेरोजगारी (प्रच्छन्न बेरोजगारी) मुख्य रूप से सम्बन्धित है–
I. कृषि क्षेत्र से
II. ग्रामीण क्षेत्र से
III. विनिर्माण क्षेत्र से
IV. शहरी क्षेत्र से

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–
कूट :
(A) I तथा III (B) II तथा IV
(C) III तथा IV (D) I तथा II

19. केन्द्र सरकार द्वारा राज्यों को गैर-योजना अनुदान निम्नलिखित की अनुशंसा पर दिया जाता है–
(A) वित्त आयोग
(B) भारतीय रिज़र्व बैंक
(C) वित्त मंत्रालय
(D) स्टेट बैंक ऑफ इन्डिया

20. कोर मुद्रास्फीति को परिभाषित किया जाता है–
(A) केवल ईंधन मुद्रास्फीति को छोड़कर शीर्षक मुद्रास्फीति से
(B) खाद्य मुद्रास्फीति तथा ईंधन मुद्रास्फीति से
(C) केवल खाद्य मुद्रास्फीति को छोड़कर शीर्षक मुद्रास्फीति से
(D) खाद्य मुद्रास्फीति तथा ईंधन मुद्रास्फीति दोनों को छोड़कर शीर्षक मुद्रास्फीति से

21. निम्नलिखित में से किस देश में शून्य आधारित बजट सर्वप्रथम लागू किया गया था ?
(A) संयुक्त राज्य अमरीका
(B) फ्रांस
(C) भारत
(D) जर्मनी

22. सार्वजनिक निजी भागीदारी (PPP) पर आधारित अवसंरचना विकास में पुनर्वलोकन तथा परिष्करण हेतु गठित समिति का अध्यक्ष कौन था ?
(A) राकेश मोहन
(B) वी. केलकर
(C) अर्जुन सेन गुप्ता
(D) बिबेक देबरॉय

23. रेपो दर विचारणीय होती है–
(A) मौद्रिक नीति के अन्तर्गत
(B) राजकोषीय नीति के अन्तर्गत
(C) श्रम नीति के अन्तर्गत
(D) जनसंख्या नीति के अन्तर्गत

24. खुले बाजार की कार्यवाहियाँ समाहित होती हैं–
(A) साख नियन्त्रण की गुणात्मक विधियों में
(B) साख नियंत्रण की परिमाणात्मक निधियों में
(C) राजकोषीय नीति नियंत्रण में
(D) श्रम नीति नियंत्रण में

25. संघ सरकार के राजस्व व्यय का सबसे महत्वपूर्ण मद अग्रलिखित में से कौन है ?
(A) प्रमुख आर्थिक सहाय्य
(B) पेंशन
(C) वेतन तथा भत्ते
(D) ब्याज अदायगी

26. कौशल विकास योजना बढ़ाती है–
(A) मानव पूँजी
(B) भौतिक पूँजी
(C) कार्यशील पूँजी
(D) स्थिर पूँजी

27. 2011 की जनगणना के प्रतिवेदन के अनुसार 2001-2011 के बीच भारत की जनसंख्या में वृद्धि हुई–
(A) 21·5 प्रतिशत
(B) 19·3 प्रतिशत
(C) 17·7 प्रतिशत
(D) 16·9 प्रतिशत

28. भारत में औद्योगिक वित्त के क्षेत्र में सर्वोच्च संस्था है–
(A) भारतीय रिज़र्व बैंक
(B) भारतीय औद्योगिक वित्त निगम
(C) भारतीय औद्योगिक विकास बैंक
(D) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

29. निम्नांकित में से कौनसा उपाय कृषि संरचना को कृषि विकास के लिए प्रेरक बनाने हेतु अपनाया गया है ?
(A) मध्यस्थों की समाप्ति
(B) भूधृति सुधार
(C) जोतों की हदबन्दी
(D) उपर्युक्त सभी

30. भारत के सकल घरेलू उत्पाद में विभिन्न क्षेत्रों के योगदान का घटता हुआ सही अनुक्रम निम्नलिखित में से कौन है ?
(A) सेवायें > कृषि > उद्योग
(B) उद्योग > सेवायें > कृषि
(C) उद्योग > कृषि > सेवायें
(D) सेवायें > उद्योग > कृषि

31. परिमाणात्मक साख, नियंत्रण की विधि निम्नलिखित में से कौनसी नहीं है ?
(A) बैंक दर
(B) परिवर्तनशील कोष (चर आरक्षित) अनुपात
(C) खुली बाजार कार्यवाही
(D) साख की राशनिंग

32. निम्नांकित भारतीय अधिनियमों का सही कालानुक्रमिक अनुक्रम क्या है ?
1. एम.आर.टी.पी. एक्ट
2. इन्डस्ट्रिस (डवलपमेंट एवं रेगूलेशन) एक्ट
3. फेरा (एफ.ई.आर.ए.)
4. न्यूनतम मज़दूरी अधिनियम
नीचे दिए गए कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए–
कूट :
(A) 2, 3, 4, 1 (B) 2, 3, 1, 4
(C) 4, 2, 1, 3 (D) 4, 2, 3, 1

33. विकेन्द्रीकरण तंत्र की सिफारिश की गई थी–
(A) सी. राजगोपालाचारी के द्वारा
(B) जे. बी. कृपलानी के द्वारा
(C) बलवंतराय मेहता के द्वारा
(D) अशोक मेहता के द्वारा

34. अल्पविकसित अर्थव्यवस्था की सामान्यतया विशेषता होती है–
I. प्रति व्यक्ति निम्न आय
II. पूँजी निर्माण की निम्न दर
III. निम्न आश्रितता अनुपात
IV. तृतीयक क्षेत्र में अधिक कार्यबल शक्ति का होना
नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए–
कूट :
(A) I तथा II (B) II तथा III
(C) III तथा IV (D) I तथा IV

35. भारतीय अर्थव्यवस्था के वैश्वीकरण का अर्थ है–
(A) बाह्य ऋण का बढ़ना.
(B) भारतीय व्यापारिक इकाइयों को विदेशों में स्थापित करना.
(C) दूसरे देशों के साथ आर्थिक सम्बन्धों पर लगे प्रतिबन्धों को यथासम्भव कम से कम करना.
(D) आयात प्रतिस्थापन के कार्यक्रमों को त्याग देना

36. राष्ट्रीय हरित ट्रिब्यूनल (एन.जी.टी.) प्रभावी हुआ–
(A) अक्टूबर 2010 से
(B) नवम्बर 2008 से
(C) जनवरी 2011 से
(D) अप्रैल 2012 से

37. निम्नलिखित में से कौनसी विशेषताएं भारतीय अर्थव्यवस्था को विकासशील श्रेणी में दर्शाती हैं ?
I. कृषि मुख्य व्यवसाय
II. प्रच्छन्न बेरोजगारी
III. मानव पूँजी की निम्न गुणवत्ता
IV. प्रोटीन का प्रतिव्यक्ति सेवन उच्च होना
नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए–
कूट :
(A) केवल I तथा II
(B) I तथा IV
(C) केवल II तथा III
(D) I, II तथा III

38. निम्नलिखित में से कौन मुद्रास्फीति की दर गिरने का निहितार्थ है/हैं ?
I. कीमतें गिर गई हैं.
II. कीमतें पहले की तुलना में अधिक धीमे से बढ़ रही हैं.
III. खाद्यपूर्ति बढ़ गई है.
IV. औद्योगिक विकास गतिहीन है.
नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए–
कूट :
(A) I तथा III
(B) केवल I
(C) केवल II
(D) I, III तथा IV

39. पित्ताशय में उपस्थित पाषाण (पथरी) निम्नलिखित में से किसका पाचन प्रभावित करता है ?
(A) वसा
(B) प्रोटीन
(C) कार्बोहाइड्रेट
(D) न्यूक्लिक अम्ल

40. प्रालेथ्रिन है एक सामान्य–
(A) पीड़ानाशक
(B) पेशी शिथिलक
(C) मच्छर विकर्षक
(D) केश रंजक

41. घाव भरने के लिए निम्नलिखित विटामिनों में से कौन सहायक है ?
(A) A (B) B
(C) C (D) D

42. निम्नलिखित में से कौन ग्रीन हाउस गैस नहीं है ?
(A) कार्बन डाइऑक्साइड
(B) मेथेन
(C) प्रोपेन
(D) ओज़ोन

43. भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान–
(A) बढ़ रहा है
(B) घट रहा है
(C) स्थिर है
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

44. निम्नलिखित में से किस तत्व को मिट्टी के तेल में सुरक्षित रखा जाता है ?
(A) सोडियम (B) कॉपर
(C) मरकरी (D) सिल्वर

45. कथनों पर विचार कीजिए–
कथन (A) : विटामिन B_{12} यकृत में लगभग 3-5 वर्षों तक संगृहीत रहता है.
कारण (R) : विटामिन B_{12} जल में विलेय है.
नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर चुनिए–
कूट :
(A) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (A) का सही स्पष्टीकरण (R) है
(B) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, किन्तु (A) का सही स्पष्टीकरण (R) नहीं है
(C) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है

46. नीचे दिए गए युग्मों में से कौनसा एक युग्म सुमेलित नहीं है ?
(A) सूखी बर्फ : ठोस कार्बन डाइ-ऑक्साइड
(B) सेविन : कीटनाशक
(C) टेफ्लॉन : फ्लोरीनयुक्त बहुलक
(D) फ्लोरीन : फ्लोरीनयुक्त कार्बनिक यौगिक

47. निम्नलिखित में से कौनसी एक सल्फा औषधि है ?
(A) पेनिसिलिन
(B) स्ट्रेप्टोमाइसीन
(C) सिबाजोल
(D) एस्पिरीन

48. चाय की पत्तियों में विद्यमान सर्वाधिक महत्व का उत्तेजक है–
(A) कैफीन (B) फेनिलएलेनीन
(C) ब्रुसीन (D) थियोब्रोमीन

49. Co.1148 एक महत्वपूर्ण प्रजाति है–
(A) गेहूँ की (B) कपास की
(C) मक्का की (D) गन्ना की

50. निम्नलिखित में से कौनसा जानवर ठोस मूत्र उत्सर्जित करता है ?
(A) कंगारू चूहा (B) जिराफ
(C) गिलहरी (D) कोआ

51. सामान्य ताप पर निम्नलिखित में से कौनसा तत्व द्रव के रूप में पाया जाता है ?
(A) हाइड्रोजन (B) ऑक्सीजन
(C) ब्रोमीन (D) आयोडीन

52. विश्व का प्रथम पूर्णरूप से सौर ऊर्जा से संचालित अंतर्राष्ट्रीय हवाईपत्तन स्थित है–
(A) बेंगलूरू में
(B) कोच्चि में
(C) अहमदाबाद में
(D) कोझिकोड में

53. अधोलिखित में से कौनसा यौगिक एक विटामिन नहीं है ?
(A) निएसिन (B) थाइरॉक्सीन
(C) रिबोफ्लेविन (D) पिरिडॉक्सीन

54. सभी प्रकार के कैंसर की चिकित्सा हेतु निम्नलिखित में से कौनसा उपचार नवीनतम है ?
(A) त्रिविम अनुरूप विकिरण चिकित्सा (3D CRT)
(B) प्रतिरक्षात्मक चिकित्सा (इम्यूनो-थिरैपी)
(C) तीव्रता अधिमिश्रित विकिरण चिकित्सा (आई.एम.आर.टी.)
(D) अणुलक्षित चिकित्सा

55. ध्वनि प्रदूषण को मापने हेतु निम्नलिखित में किस इकाई का प्रयोग करते हैं ?
(A) नैनोमीटर्स
(B) डेसिबेल
(C) हर्ट्ज़
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

56. द्विआधारी पद्धति में, एक किलोबाइट (के.बी.) बराबर होता है–
(A) 1024 बाइट के
(B) 1024 मेगाबाइट के
(C) 1024 गीगाबाइट के
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

57. निम्नलिखित में से कौनसा अनाज मानवनिर्मित है ?
(A) सेकेल सीरिएल
(B) पोमैटो
(C) ट्रिटिकेल
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

58. निम्नलिखित में से किन बहुलकों का उपयोग बुलेट-प्रूफ वस्तुओं को बनाने में किया जाता है ?
I. केवलार II. रिप्टाल III. लेक्सान
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–
कूट :
(A) I तथा II
(B) II तथा III
(C) I तथा III
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

59. धान के खेतों से उत्पन्न होने वाली गैस जोकि भूमण्डलीय तापक्रम वृद्धि से सम्बद्ध है, वह है–
(A) क्लोरीन
(B) मेथेन
(C) कार्बन डाइऑक्साइड
(D) हाइड्रोजन सल्फाइड

60. क्योटो प्रोटोकॉल सम्बन्धित है–
(A) वायु प्रदूषण से
(B) जलवायु परिवर्तन से
(C) ओज़ोन क्षरण से
(D) आर्द्र भूमि संरक्षण से

61. किस प्रकार के प्रदूषण से बचाव के लिए 'ग्रीन मफलर' का उपयोग किया जाता है ?
(A) वायु (B) जल
(C) मृदा (D) ध्वनि (शोर)

62. निम्नलिखित में से कौनसा एक नाइट्रोजन स्थिरीकरण करने वाला जीव नहीं है ?
(A) नोस्टॉक (B) एनाबिना
(C) एजोटोबैक्टर (D) माइकोरायजा

63. निम्नलिखित में से कौनसी नॉन-स्टेराइडल गर्भनिरोधक गोली सी.डी.आर.आई., लखनऊ द्वारा विकसित की गई है ?
(A) सहेली (B) पहेली
(C) संगिनी (D) किलकारी

64. हमें (हरी) घास का रंग हरा दिखाई देता है, क्योंकि–
(A) यह हरे रंग के प्रकाश को हमारी आँखों पर परावर्तित करती है.
(B) यह हरे रंग के प्रकाश को अवशोषित करती है.
(C) यह हरे रंग के अतिरिक्त सभी रंगों के प्रकाश को परावर्तित करती है.
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं.

65. एक पिण्ड का अधिकतम भार निम्नलिखित में से किसमें होता है ?
(A) वायु (B) जल
(C) हाइड्रोजन (D) नाइट्रोजन

66. सूची-I को सूची-II से सुमेलित करें और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची-I
(a) कृत्रिम रूप से फलों का पकाया जाना
(b) बेकिंग सोडा
(c) शीतल पेय
(d) क्वार्ट्ज

सूची-II
1. कार्बन डाइऑक्साइड
2. सोडियम सिलीकेट
3. एथिलीन
4. सोडियम बाइकार्बोनेट

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	2	1
(B)	3	4	1	2
(C)	4	3	2	1
(D)	2	1	4	3

67. ध्वनि का एक महत्वपूर्ण अभिलक्षण 'तारत्व (पिच)' है, जो निर्भर करता है–
(A) तीव्रता पर (B) आवृत्ति पर
(C) गुणता पर (D) आयाम पर

68. एक गर्म पिण्ड 90° से. से 75° से. तक ठण्डा होने में 25 सेकण्ड का समय लेता है, फिर वह 75° से. से 60° से. तक ठण्डा होने में कितना समय लेगा ?
(A) 25 सेकण्ड
(B) 25 सेकण्ड से कम
(C) 25 सेकण्ड से अधिक
(D) कुछ नहीं कहा जा सकता

69. 'A', 'B' से जो 'C' से 3 गुना बड़ा है, 5 वर्ष छोटा है. यदि 4 वर्ष पूर्व 'C' 10 वर्ष का था तो 6 वर्ष बाद 'A' कितना बड़ा हो जाएगा ?
(A) 35 वर्ष (B) 43 वर्ष
(C) 40 वर्ष (D) 37 वर्ष

70. यदि किसी संख्या का 35% उसके 50% से 12 कम हो तो संख्या है–
(A) 28 (B) 60
(C) 80 (D) 90

71. वर्ग ABCD का क्षेत्रफल 16 मी^{2} है. भुजाओं AB और BC के मध्य बिन्दु P और Q हैं. तो त्रिभुज DPQ का क्षेत्रफल है–

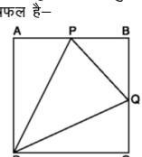

(A) 4 मी^{2} (B) 12 मी^{2}
(C) 6 मी^{2} (D) 8 मी^{2}

72. यदि एक निश्चित कूट भाषा में, HAND को SZMW लिखा जाता है, तो MILK का कूट क्या होगा ?
(A) ORNP (B) PNRO
(C) RNOP (D) NROP

73. यदि 1727 × 1729 × 1731 को 14 से भाग दिया जाए तो शेषफल होगा–
(A) 5 (B) 6
(C) 7 (D) 9

74. किसी 3 अंकीय संख्या N से 2272 तथा 875 को भाग देने पर प्रत्येक दशा में समान शेषफल प्राप्त होता हैं. N के अंकों का योग है–
(A) 10 (B) 11
(C) 12 (D) 13

75. गुरुत्वीय तरंगों को पहली बार देखा गया–
(A) सितम्बर 2014 में
(B) सितम्बर 2015 में
(C) अगस्त 2017 में
(D) अक्टूबर 2017 में

76. निम्नलिखित में लुप्त संख्या है–

24	30	34
21	2	—
17	15	12

(A) 33 (B) 38
(C) 40 (D) 42

77. यदि आप वास्तव में सही परिवर्तन का अनुभव करना चाहते हैं जिससे अन्त-र्वैयक्तिक विकास हो, तो इसके लिए निर्णायक होगा कि आप–
(A) परिवर्तन की इच्छा करें
(B) परिवर्तन का निर्णय करें
(C) परिवर्तन की प्रत्याशा करें
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

78. सूचनाओं के प्रक्रमण के समय, व्यक्ति के मस्तिष्क में जो मानसिक क्रिया चलती है, उसे कहते हैं–
(A) मानसिक प्रक्रिया
(B) सम्प्रत्यय
(C) चिन्तन
(D) मानसिक प्रतिमा

79. ध्वनि की मूलभूत इकाई कहलाती है–
(A) रूप ग्राम (B) ध्वनि ग्राम
(C) अर्थ ग्राम (D) वाक्य विन्यास

80. निम्नलिखित जानवरों में से कौनसा एक जानवर नहीं है जिसे थोड़ा सफलता-पूर्वक भाषा का उपयोग करना सिखाया गया है ?
(A) वनमानुष (चिम्पैंजी)
(B) तोता
(C) कुत्ता
(D) सूँस (डॉल्फिन)

81. ज्ञान जो हमें विद्यालय से मिलता है, कहलाता हैं–
(A) कार्यविधि स्मृति
(B) अर्थगत स्मृति
(C) घोषणात्मक स्मृति
(D) प्रासंगिक स्मृति

82. एक घड़ी प्रत्येक 24 घंटे में 4 मिनट पीछे हो जाती है. इसे 1 अप्रैल को प्रातः 6 बजे पर सेट किया जाता है. उसी माह के 6 अप्रैल दोपहर 12 बजे यह घड़ी क्या समय बताएगी ?
(A) 11 : 37 प्रातः (B) 11 : 38 प्रातः
(C) 11 : 39 प्रातः (D) 11 : 40 प्रातः

83. एक परीक्षा में 50% परीक्षार्थी हिन्दी तथा 42% अंग्रेजी में अनुत्तीर्ण हो जाते हैं. यदि 17% विद्यार्थी दोनों विषयों में अनुत्तीर्ण होते हैं, तो दोनों विषयों में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत क्या होगा ?
(A) 38 (B) 33
(C) 23 (D) 18

84. निम्नलिखित में लुप्त अक्षर है–

A	Z	B
Y	C	X
–	W	E

(A) B (B) D
(C) K (D) T

85. किसी पंक्ति में 'A' बायीं ओर से 11वें स्थान पर है और 'B' दाहिने ओर से 10वें स्थान पर है. यदि 'A' और 'B' आपस में स्थान बदल लें, तो 'A' बायीं ओर से 18वें स्थान पर हो जाता है. पंक्ति में 'A' और 'B' के अलावा कितने व्यक्ति हैं ?
(A) 27 (B) 26
(C) 25 (D) 24

86. चार बच्चे एक पंक्ति में बैठे हैं. 'A', 'B' की बगल वाली सीट पर बैठा है, लेकिन 'C' के बगल में नहीं. यदि 'C', 'D' की बगल वाली सीट पर नहीं बैठा है, तो 'D' के अगल-बगल वाली सीट/सीटों पर कौन है/हैं ?
(A) B
(B) A
(C) B और A
(D) बताना असंभव है.

87. एक समबाहु त्रिभुज का अंतर्वृत्त खींचा गया है. यदि त्रिभुज की प्रत्येक भुजा $4\sqrt{3}$ सेमी हो, तो वृत्त की त्रिज्या है–
(A) 2 सेमी (B) $4\sqrt{3}$ सेमी
(C) $2\sqrt{3}$ सेमी (D) $6\sqrt{2}$ सेमी

88. छः गाँवों, A, B, C, D, E तथा F के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
F, D के 1 किमी पश्चिम में है.
B, E के 1 किमी पूर्व में है.
A, E के 2 किमी उत्तर में हैं.
C, A के 1 किमी पूर्व में है.
D, A के 1 किमी दक्षिण में है.
कौन से तीन गाँव एक रेखा में हैं ?
(A) A, B तथा C
(B) B, C तथा F
(C) B, D तथा E
(D) A, D तथा E

89. अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षरों में से सभी स्वर निकाल दिए गए. शेष अक्षरों को एक बार बढ़ते हुए तथा एक बार घटते हुए क्रम में लिखा गया. वह अक्षर, जिसका स्थान, दोनों स्थितियों में समान रहता है, वह है–
(A) L (B) M
(C) P (D) N

90. निम्नलिखित में कौन विजातीय है ?
(A) 289 (B) 361
(C) 451 (D) 529

91. दो अंकों की संख्या इस प्रकार की है कि उनके अंकों का गुणनफल 12 है. इस संख्या में 36 जोड़ने से संख्या के अंकों का स्थान आपस में बदल जाते हैं. नई संख्या का इकाई अंक क्या है ?
(A) 2
(B) 3
(C) 5
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

92. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म शेष युग्म से भिन्न है ?
(A) दवात और स्याही
(B) डिब्बा और तेल
(C) नाव और जहाज
(D) थैला और कपड़ा

93. एक सीढ़ी पर सात व्यक्ति, A, B, C, D, E, F और G (इस क्रम में नहीं) हैं. A, E से ऊपर है, लेकिन C से नीचे है. B मध्य में है. G, A और B के मध्य में है. E, B और F के मध्य में है. यदि F, E और D के बीच में है, तो सीढ़ी के सबसे निचले सोपान (स्टेप) पर कौनसा व्यक्ति है ?
(A) D
(B) E
(C) F
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

94. निम्नलिखित ज्यामितीय चित्रों में एक विशेष नियम से कुछ संख्यायें दी गई हैं. अंतिम चित्र में X, किस संख्या के लिए है ?

(A) 212 (B) 222
(C) 230 (D) 242

95. यदि 13 मार्च, 2017 को सोमवार है, तो 13 मार्च, 2011 को कौनसा दिन था ?
(A) शुक्रवार (B) बुधवार
(C) मंगलवार (D) रविवार

96. अनुक्रम 13, 34, 57, 92 ...?... का अगला पद क्या होगा ?
(A) 112 (B) 133
(C) 145 (D) 181

97. A AB ABC ABCD ABCDE ..... में 40वें स्थान पर कौनसा अक्षर आएगा ?
(A) C (B) D
(C) E (D) G

98. निम्नलिखित शृंखला को, कौनसी संख्या पूर्ण करती है ?
3, 14, 17, ?, 443, 1334
(A) 89 (B) 119
(C) 133 (D) 146

99. पाँच समकों का माध्य 5 है तथा मानक विचलन शून्य है. माध्यिका का मान होगा–
(A) 3 (B) 5
(C) 6 (D) 4

100. निम्नलिखित में से कौनसा परिक्षेपण का माप नहीं है ?
(A) परास
(B) मानक विचलन
(C) माध्य विचलन
(D) प्रथम चतुर्थक

101. अरुण ने कहा "यह स्त्री मेरी माँ के पौत्र की पत्नी है." अरुण स्त्री का कौन है ?
(A) पिता (B) दादा
(C) पति (D) ससुर

102. यदि प्रेक्षण की शृंखला में एक प्रेक्षण शून्य पाया जाता है, तो ज्यामितीय माध्य होगा–
(A) धनात्मक (B) काल्पनिक
(C) अनन्त (D) शून्य

103. निम्नलिखित संख्याएं आरोही क्रम में लिखी गई हैं–
20, 35, 50, 80, $100 + x$, $200 + x$, 340, 520, 800 तथा 1205. यदि इनकी माध्यिका 190 है, तो x का क्या मान होगा ?
(A) 45 (B) 40
(C) 36 (D) 42

104. यदि दो संख्याओं का समान्तर माध्य 13 है और उनका गुणोत्तर माध्य 12 है, तो संख्याएं हैं–
(A) 16 और 9 (B) 13 और 7
(C) 18 और 8 (D) 20 और 6

105. 99 मदों का माध्य 55 है. 100वें मद का मूल्य सभी 100 मदों के माध्य से 99 अधिक है. 100वें मद का मूल्य बताइए.
(A) 150 (B) 152
(C) 155 (D) 160

106. नीचे दिया गया चित्र किस प्रकार का बंटन दर्शाता है ?

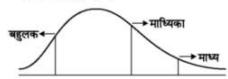

(A) सममित बंटन
(B) धनात्मक विषम बंटन

(C) ऋणात्मक विषम बंटन
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

107. निम्नलिखित में से कौन, तोरण (Ogive) से प्राप्त नहीं किया जा सकता है ?
(A) शतांक
(B) चतुर्थांश (चतुर्थक)
(C) माध्यिका
(D) माध्य

108. नीचे दिया गया वृत्त (पाई) चित्र एक परिवार द्वारा विभिन्न मदों पर किए गए मासिक खर्च के प्रतिशत को दर्शाता है–

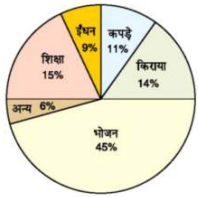

यदि परिवार की कुल मासिक आय ₹ 25,000 है, तो किराया तथा भोजन को मिलाकर कुल कितना मासिक खर्च किया गया ?
(A) ₹ 8,500 (B) ₹ 11,250
(C) ₹ 14,750 (D) ₹ 17,250

109. निम्नलिखित में से कौनसा औसत, आयत चित्र से निकाल सकते हैं ?
(A) माध्य
(B) माध्यिका
(C) बहुलक (मोड)
(D) हरात्मक माध्य

110. 40 प्रेक्षकों का माध्य 22 है. प्रथम 20 प्रेक्षकों का माध्य 44 है. शेष 20 प्रेक्षकों का माध्य है–
(A) 0 (शून्य)
(B) – 22
(C) 22
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

111. यदि एक अनभिनत (Unbiased) सिक्के को दो बार उछाला जाए, तो ठीक एक ही सिरे को पाने की सम्भावना कितनी है ?
(A) $\frac{1}{2}$
(B) $\frac{1}{3}$
(C) $\frac{1}{4}$
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

112. 50 प्रेक्षणों की एक शृंखला से एक प्रेक्षण जिसका मान 45 है को निकाल दिया जाता है. इसके बावजूद शृंखला का समान्तर माध्य वही रहा. पूरी 50 प्रेक्षणों की शृंखला का माध्य था–
(A) 45
(B) 50
(C) 95
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

113. किसी शृंखला के समान्तर तथा हरात्मक माध्य क्रमशः 12 तथा 3 हैं. इस शृंखला का गुणोत्तर माध्य है–
(A) 4 (B) 5
(C) 6 (D) 7

114. नीचे दिए गए चित्र में विवाह के समय दूल्हों की संख्या का प्रतिशत उनकी शैक्षिक योग्यता के अनुसार दिया गया है–

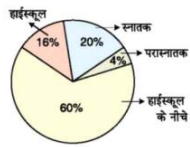

स्नातक योग्यता वाले दूल्हों का खण्ड केन्द्र पर कितने डिग्री का कोण बनाएगा ?
(A) 90° (B) 80°
(C) 72° (D) 66°

115. किसी बारम्बारता बंटन में संख्याएं 1, $\frac{1}{2}$, $\frac{1}{3}$, ... $\frac{1}{n}$ क्रमशः $1^2, 2^2, 3^2$ ... n^2 आवृत्ति से आती हैं. इसका माध्य है–
(A) $\frac{(n+1)(2n+1)}{6}$
(B) $\frac{n+1}{2}$
(C) $\frac{2n+1}{3}$
(D) $\frac{3}{2n+1}$

116. जब समस्त प्रेक्षणों को K से गुणा कर दिया जाता है, तो प्रसरण दोगुना हो जाता है. K का मान क्या है ?
(A) $\frac{1}{\sqrt{2}}$
(B) $\sqrt{2}$
(C) $\frac{1}{2}$
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

117. 10 प्रेक्षणों का माध्य 2 तथा मानक विचलन शून्य है. महत्तम प्रेक्षण है–
(A) 0
(B) 2
(C) 2 से ज्यादा
(D) कुछ कहा नहीं जा सकता

118. किसी छोटे शहर में, जिसकी जनसंख्या 3600 है, बच्चों, वयस्कों तथा वृद्धों की संख्या क्रमशः 1000, 2250 और 350 है. वृत्त चित्र में इसे दर्शाने के लिए वयस्कों और वृद्धों के कोण क्रमशः होंगे–
(A) 100° और 225°
(B) 225° और 100°
(C) 125° और 100°
(D) 225° और 35°

119. 100 छात्रों के प्राप्तांकों का समान्तर माध्य 50 है. बाद में पाया गया कि एक प्रेक्षण जोकि "53" था भूल से "83" पढ़ा गया था. तो शुद्ध माध्य होगा–
(A) 49·5 (B) 49·6
(C) 49·7 (D) 49·8

120. निम्नांकित सारिणी में परिवारों का बंटन व्यक्तियों की संख्या के अनुसार दर्शाया गया है–

व्यक्तियों की संख्या	परिवारों की संख्या
1	5
2 – 3	35
4 – 6	60
7 – 9	30
10 और ऊपर	20

उन परिवारों का प्रतिशत क्या है जिनमें 3 से अधिक और 7 से कम लोग हैं ?
(A) 40%
(B) 60%
(C) 30%
(D) 35%

121. किसी स्थान की जनसंख्या प्रथम दशक में 8%, द्वितीय दशक में 27% तथा तृतीय दशक में 64% बढ़ती है. इस पूरे समय के दौरान उस स्थान की औसत जनसंख्या वृद्धि है–
(A) 24%
(B) 32%
(C) 28%
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

122. मोतियाबिन्द द्वारा मानव नेत्र का अग्र-लिखित में से कौनसा भाग प्रभावित होता है ?

(A) परितारिका
(B) दृष्टि पटल
(C) स्वच्छ मण्डल
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

123. प्रथम पाँच प्राकृतिक संख्याओं का प्रसरण है–
(A) 4 (B) 3
(C) 2 (D) 1

124. निम्नलिखित आँकड़ों–
2, 4, 2, 5, 6, 2, 9, 6
के लिए माध्य, माध्यिका तथा बहुलक (मोड) के मान क्रमशः होंगे–
(A) 4·5, 5 तथा 2
(B) 4·6, 5 तथा 3·5
(C) 4·5, 5·5 तथा 2
(D) 4·5, 4·5 तथा 2

125. आरोही तथा अवरोही तोरण (ओजाइव) एक दूसरे को जिस बिन्दु पर काटते हैं, वह होगा–
(A) माध्य
(B) माध्यिका
(C) बहुलक (मोड)
(D) मूलबिन्दु

126. असमान वर्ग-अन्तराल वाले किसी बारम्बारता बंटन हेतु आयत चित्र इस प्रकार निर्मित करते हैं कि बारम्बारतायें अनुपाती होती हैं–
(A) आयतों के क्षेत्रफल की
(B) आयतों की ऊँचाई की
(C) आयतों की चौड़ाई की
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

127. एक व्यक्ति परीक्षा में सम्मिलित होता है. इसमें केवल दो ही संभावनाएं हैं, या तो उत्तीर्ण होगा अथवा अनुत्तीर्ण होगा. वह परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं होगा इसकी कितनी प्रायिकता है ?
(A) $\frac{1}{2}$ से कम
(B) $\frac{1}{2}$
(C) $\frac{1}{2}$ से अधिक
(D) निश्चित तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता

128. माध्य विचलन न्यूनतम तभी होगा जब विचलन लिया जाए–
(A) माध्य के सापेक्ष
(B) माध्यिका के सापेक्ष
(C) बहुलक (मोड) के सापेक्ष
(D) हरात्मक माध्य के सापेक्ष

129. निम्न सारणी 1000 कर्मचारियों के साप्ताहिक वेतन को (रुपयों में) प्रदर्शित करती है–

साप्ताहिक वेतन	कर्मचारियों की संख्या
50 से कम	40
51 – 75	120
76 – 100	200
101 – 125	300
126 – 150	150
151 – 175	100
176 – 200	55
201 से अधिक	35

₹ 125 से कम तथा ₹ 125 तक साप्ताहिक वेतन पाने वाले कर्मचारियों का प्रतिशत है–
(A) 81 (B) 66
(C) 34 (D) 19

130. भारतीय संघवाद किस देश की पद्धति पर आधारित है ?
(A) यू.एस.ए. (B) कनाडा
(C) आस्ट्रेलिया (D) जर्मनी

131. भारतीय संविधान के निम्नलिखित अनुच्छेदों में से कौनसा भारतीय राष्ट्रपति के महाभियोग से सम्बन्धित है ?
(A) अनुच्छेद 39
(B) अनुच्छेद 60
(C) अनुच्छेद 61
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

132. भारतीय संसद की सबसे बड़ी समिति कौनसी है ?
(A) लोक लेखा समिति
(B) प्राक्कलन समिति
(C) सार्वजनिक उपक्रम समिति
(D) याचिका समिति

133. भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद संसद को राज्य सूची के विषय पर कानून बनाने के लिए शक्ति प्रदान करता है ?
(A) अनुच्छेद 115
(B) अनुच्छेद 117
(C) अनुच्छेद 240
(D) अनुच्छेद 249

134. भारतीय संविधान के निम्नलिखित अनुच्छेदों में से किसमें निर्वाचन आयोग का प्रावधान है ?
(A) अनुच्छेद 320
(B) अनुच्छेद 322
(C) अनुच्छेद 324
(D) अनुच्छेद 326

135. किस वाद के फैसले में सर्वोच्च न्यायालय ने सर्वप्रथम घोषित किया कि उद्देशिका संविधान का हिस्सा नहीं है ?
(A) बेरुबारी
(B) सज्जन सिंह
(C) गोलकनाथ
(D) केशवानन्द भारती

136. भारत एक गणतंत्र है, जिसमें अन्तर्निहित है–
(A) राज्य का अध्यक्ष निर्वाचित होता है.
(B) देश स्वतंत्र है.
(C) देश में एक जनतांत्रिक व्यवस्था की सरकार है.
(D) देश में अंतिम सत्ता संसद में निहित है.

137. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्ष' व 'समाजवादी' शब्द जोड़े गए–
(A) 39वें संशोधन द्वारा
(B) 41वें संशोधन द्वारा
(C) 42वें संशोधन द्वारा
(D) 44वें संशोधन द्वारा

138. शिक्षा जो आरंभ में एक राज्य का विषय थी, किस संशोधन के द्वारा समवर्ती सूची में हस्तांतरित की गई ?
(A) 24वें संशोधन द्वारा
(B) 25वें संशोधन द्वारा
(C) 42वें संशोधन द्वारा
(D) 44वें संशोधन द्वारा

139. भारत का एक नागरिक अपनी नागरिकता खो देगा, यदि वह–
1. भारतीय नागरिकता का परित्याग करता है.
2. स्वेच्छा से अन्य देश की नागरिकता प्राप्त करता है.
3. किसी अन्य देश के नागरिक से विवाह करता है.
4. सरकार की आलोचना करता है.
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
कूट :
(A) 1, 2 और 3
(B) 2, 3 और 4
(C) केवल 1 और 2
(D) केवल 1 और 4

140. निम्नलिखित में से कौनसा एक राज्य के नीति निदेशक तत्वों का उद्देश्य नहीं है ?
(A) एक कल्याणकारी राज्य की स्थापना करना.
(B) सामाजिक-आर्थिक कल्याण सुनिश्चित करना.
(C) अन्तर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा की अभिवृद्धि करना.
(D) एक धार्मिक राज्य की स्थापना करना.

141. भारतीय संविधान का कौनसा भाग अन्तर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के प्रति राज्य के उत्तरदायित्व का उल्लेख करता है ?
(A) मौलिक अधिकार
(B) मौलिक कर्तव्य
(C) राज्य की नीति के निदेशक सिद्धान्त
(D) संविधान की प्रस्तावना

142. "स्वेच्छा से किया गया यह समझौता, स्वेच्छा से समाप्त किया जा सकता है." पं. नेहरू का उपर्युक्त कथन निम्न-लिखित में से किसे इंगित करता है ?
(A) भारत का राष्ट्रमण्डल से जुड़ाव
(B) पंचशील का समझौता
(C) शिमला समझौता
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

143. भारत के न्यायवादी के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) वह मंत्रिमण्डल का सदस्य नहीं है.
(B) उसे संसद के सदनों में बोलने का अधिकार है.
(C) उसे संसद में मत देने का अधिकार है.
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

144. भारत की सम्प्रभुता के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
1. भारत राष्ट्रमण्डल का सदस्य है.
2. राष्ट्रमण्डल की सदस्यता के कारण भारत की सम्प्रभुता कम हो जाती है.
नीचे दिए हुए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
कूट :
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 तथा 2 दोनों
(D) 1 और 2 में से कोई नहीं

145. कोहिलो केस भारत के संविधान की किस अनुसूची से सम्बन्धित है ?
(A) सातवीं
(B) आठवीं
(C) नवीं
(D) दसवीं

146. केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों को प्राधिकार प्राप्त होता है–
(A) भारतीय संविधान से
(B) भारत के राष्ट्रपति से
(C) भारत के प्रधानमंत्री से
(D) भारत की संसद से

147. किस संविधान संशोधन ने केन्द्रीय मंत्रियों की संख्या को लोक सभा के कुल सदस्यों की संख्या के 15% पर सीमित कर दिया है ?
(A) 90वाँ
(B) 91वाँ
(C) 92वाँ
(D) इनमें से कोई नहीं

148. लोक सभा में एंग्लो इंडियन समुदाय के लिए आरक्षण का प्रावधान संविधान के किस अनुच्छेद में किया गया है ?
(A) अनुच्छेद 121
(B) अनुच्छेद 139
(C) अनुच्छेद 221
(D) अनुच्छेद 331

149. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 352 के अंतर्गत आपातकाल की घोषणा तभी की जा सकती है जब भारत के किसी भाग की सुरक्षा को निम्न-लिखित खतरा हो–
1. युद्ध के कारण
2. विदेशी आक्रमण के कारण
3. सशस्त्र विद्रोह के कारण
4. आंतरिक उपद्रव के कारण
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–
कूट :
(A) केवल 1 तथा 2
(B) 2, 3 तथा 4
(C) 1, 2 तथा 3
(D) 1, 3 तथा 4

150. निम्नलिखित पर विचार कीजिए–
कथन (A) : किसी धन विधेयक के लोक सभा द्वारा पारित किए जाने और राज्य सभा को पारेषित किए जाने के बाद; राज्य सभा की सिफारिशें, लोक सभा द्वारा सिफारिशों की प्राप्ति के 14 दिन के अन्दर अनिवार्यतः स्वीकार की जानी होती हैं और तत्पश्चात् उन्हें विधेयक में अंगीकृत किया जाना होता है.
कारण (R) : धन विधेयक राज्य सभा में पेश नहीं किया जा सकता है.
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–
कूट :
(A) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, और (A) का सही स्पष्टीकरण (R) है
(B) (A) तथा (R) दोनों सही हैं किन्तु (A) का सही स्पष्टीकरण (R) नहीं है
(C) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है

उत्तर व्याख्या सहित

1. (B)
2. (C) राव समिति — 1985
एल. एम. सिंघवी समिति — 1986
बी. आर. मेहता समिति — 1957
अशोक मेहता समिति — 1977
3. (B)
4. (C) जब विधानमण्डल का सत्र नहीं चल रहा हो और राज्यपाल को ऐसा लगे कि तत्काल कार्यवाही की आवश्यकता है, तो वह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 213 के तहत् एक अध्यादेश जारी कर सकता है जिसे वही स्थान प्राप्त होगा, जो विधान-मण्डल द्वारा पारित किसी अधिनियम का होता है. ऐसे अध्यादेश छः सप्ताह के भीतर विधान मंडल द्वारा स्वीकृत होना आवश्यक होते हैं.
5. (C) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 30 के अनुसार कोई भी अल्पसंख्यक वर्ग अपनी पसंद का शैक्षणिक संस्थान चला सकता है एवं सरकार उसे अनुदान देने में किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करेगी. अनुच्छेद 30 पूर्णतया अल्पसंख्यकों के अधिकार से संबद्ध है अर्थात् इसका आशय अल्प-संख्यकों के अधिकारों की रक्षा करना है.
6. (D) अनुच्छेद 24 के अनुसार 14 वर्ष से कम आयु वाले किसी बच्चे को कारखानों, खानों या किन्ही अन्य खतरनाक कार्यों में नियुक्त नहीं किया जा सकता है.
7. (B) भारत की संसद राष्ट्रपति, लोक सभा तथा राज्य सभा से मिलकर बनती है. संसद के निम्न सदन को लोक सभा तथा उच्च सदन को राज्य सभा कहते है.
8. (C) विधान परिषद् के कुल सदस्यों में 1/6 सदस्य राज्यपाल द्वारा मनोनीत किए जाते हैं एक-तिहाई सदस्य राज्य की स्थानीय स्वशासी संस्थाओं के एक निर्वाचक मंडल द्वारा निर्वाचित होते हैं एक-तिहाई सदस्य राज्य की विधान सभा के सदस्यों द्वारा निर्वाचित होते हैं. 1/12 सदस्यों का निर्वाचन स्नातक निर्वाचन क्षेत्र करता है एवं 1/12 सदस्य उन अध्यापकों द्वारा निर्वाचित होते है जो कम-से-कम 3 वर्षों से माध्यमिक पाठशालाओं अथवा उनसे ऊँची कक्षाओं में शिक्षण कार्य कर रहे हों.
9. (B) 10. (D) 11. (D)
12. (A) संविधान के अनुच्छेद 137 के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय को यह अधिकार प्राप्त है कि वह स्वयं द्वारा दिए गए आदेश या निर्णय पर पुनर्विचार कर सके तथा यदि उचित समझे तो उसमें आवश्यक परिवर्तन कर सकता है.
13. (A) 14. (C)
15. (A)

राज्य	मृत्यु दर (2015)
महाराष्ट्र	21
पश्चिम बंगाल	26
गुजरात	33
कर्नाटक	28

16. (B) वैश्वीकरण का शाब्दिक अर्थ स्थानीय या क्षेत्रीय वस्तुओं या घटनाओं के विश्व स्तर पर रूपांतरण की प्रक्रिया है. वैश्वीकरण का उपयोग अक्सर आर्थिक वैश्वीकरण के संबंध में किया जाता है, अर्थात् व्यापार, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, पूँजी प्रवाह, प्रवास और प्रौद्योगिकी के प्रसार के माध्यम से राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं में एकीकरण.

17. (D) 18. (D) 19. (A)

20. (B) कोर मुद्रास्फीति मूल्य स्तर में लंबी अवधि की प्रवृत्ति का प्रतिनिधित्व करती है. लम्बी दौड़ मुद्रास्फीति को मापने में अंतरण मूल्य परिवर्तन को बाहर रखा जाना चाहिए. इसे पूरा करने का एक तरीका अक्सर वस्तुओं और खाद्य पदार्थों जैसे अस्थिर कीमतों के अधीन वस्तुओं को छोड़कर होता है.

21. (A)

22. (B) केन्द्रीय मंत्री अरुण जेटली ने आम बजट 2015-16 में घोषणा की थी कि बुनियादी ढांचे के विकास के सार्वजनिक–निजी–साझेदारी (पीपीपी) मॉडल पर फिर से विचार किया जाएगा तथा इसे फिर से मजबूत बनाया जाएगा. इस घोषणा के अनुरूप डॉ. विजय केलकर की अध्यक्षता में बुनियादी ढांचे के विकास के पीपीपी मॉडल पर फिर से विचार करने तथा इसे मजबूत बनाने के लिए एक समिति का गठन किया गया.

23. (A)

24. (B) साख नियंत्रण की परिमाणात्मक विधियाँ हैं–बैंक दर, नकद आरक्षित अनुपात, खुले बाजार की क्रियाएँ, रेपो दर, रिवर्स रेपो दर, वैधानिक तरलता अनुपात.

25. (D) 26. (A) 27. (C) 28. (C) 29. (D)

30. (D)

31. (D) साख की राशनिंग, प्रत्यक्ष कार्यवाही, चयनित साख नियंत्रण, विभिन्न ब्याज दरें तथा कटौती दरें, प्रचार-प्रसार तथा अन्तर्निधारण आदि गुणात्मक साख नियंत्रण की विधियाँ हैं.

32. (C) एम आर टी पी एक्ट — 1969
इन्डस्ट्रिस (डवलपमेन्ट एण्ड रेगूलेशन) एक्ट — 1951
फेरा (एफ ई आर ए.) — 1973
न्यूनतम मजदूरी अधिनियम — 1948

33. (C) बलवन्त राय मेहता समिति का गठन पंचायती राज व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए वर्ष 1956 में बलवन्त राय मेहता की अध्यक्षता में किया गया था. इस समिति ने अपनी रिपोर्ट 1957 में प्रस्तुत की. पंचायती राज व्यवस्था को इस समिति ने लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण का नाम दिया. समिति ने ग्रामीण स्थानीय शासन के लिए त्रिस्तरीय व्यवस्था का सुझाव दिया, जो निम्न प्रकार था–
ग्राम – ग्राम पंचायत
खण्ड – पंचायत समिति
जिला – जिला परिषद्

34. (A) 35. (C)

36. (A) राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण अधिनियम, 2010 द्वारा भारत में एक राष्ट्रीय हरित ट्रिब्यूनल (एन.जी.टी.) की स्थापना की गई. 18 अक्टूबर, 2010 को इस अधिनियम के तहत् पर्यावरण से सम्बन्धित कानूनी अधिकारों के प्रवर्तन एवं व्यक्तियों और संपत्ति के नुकसान के लिए सहायता तथा पर्यावरण संरक्षण एवं वनों तथा अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से सम्बन्धित मामलों के प्रभावी और त्वरित निपटारे के लिए राष्ट्रीय हरित अधिकरण की स्थापना की गई.

37. (D) 38. (B) 39. (A)

40. (C) प्रालेथ्रिन एक पाइरेथ्रॉइड कीटनाशक है. प्रालेथ्रिन 1·6% W/W तरल वाष्पीकरण एक प्रतिरोधी कीटनाशक है जो आमतौर पर घर में मच्छरों के नियंत्रण के लिए प्रयोग किया जाता है.

41. (C)
विटामिन A – त्वचा, बाल, नाखून, ग्रन्थि, दाँत, मसूड़ा एवं हड्डी को सामान्य रूप में बनाए रखना.
विटामिन B – स्नायु को स्वस्थ रखना तथा भोजन के पाचन में सक्रिय योगदान.
विटामिन C – घाव भरने में सहायक
विटामिन D – हड्डियों को मजबूती प्रदान करना

42. (C) ग्रीन हाउस गैसें ग्रह के वातावरण या जलवायु में परिवर्तन और अंततः भूमंडलीय ऊष्मीकरण के लिए उत्तरदायी होती हैं इनमें सबसे ज्यादा उत्सर्जन कार्बन डाइ-ऑक्साइड, नाइट्रस ऑक्साइड, मेथेन क्लोरो-फ्लोरो कार्बन, वाष्प, ओजोन आदि गैसें करती हैं. कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन पिछले 10-15 सालों में 40 गुना बढ़ गया है.

43. (B)

44. (A) सोडियम एक सक्रिय धातु है जो वायु में उपस्थित ऑक्सीजन से क्रिया करके सोडियम ऑक्साइड बनाता है. यह पानी के साथ क्रिया करके सोडियम हाइड्रोक्साइड तथा हाइड्रोजन उत्पन्न करता है. वायु में खुला छोड़ देने पर यह आग पकड़ लेता है. इसलिए अधिक सक्रिय धातु होने के कारण इसे मिट्टी के तेल में डुबा कर सुरक्षित रखते हैं.

45. (B)

46. (D) फ्लोरीन कार्बन का बहुत ही उपयोगी उपरूप है. कार्बन के इस जटिल रूप में कार्बन परमाणु एक दूसरे से षट्फलाकार या पंच भुजाकार रूप में जुड़कर एक पिंजड़े की रचना बनाते हैं. फ्लोरीन का सबसे साधारण रूप बकमिनिस्टर है.

47. (C) 48. (A) 49. (D) 50. (A)

51. (C) ब्रोमीन आवर्त सारणी के सातवें मुख्य समूह का तत्व है और सामान्य ताप पर केवल यही अधातु द्रव अवस्था में रहती है. इसके दो स्थिर समस्थानिक प्राप्य हैं, जिनकी द्रव्यमान संख्याएँ 79 और 81 हैं.

52. (B) कोचीन अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा भारत के केरल राज्य में कोच्चि शहर की सेवा करने वाला एक अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है. 18 अगस्त, 2015 को कोचीन अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा एक समर्पित सौर संयंत्र के उद्घाटन के साथ विश्व का पहला पूर्ण सौर संचालित हवाई अड्डा बन गया.

53. (B) थाइरॉक्सीन थायरॉयड ग्रंथि से निकलने वाला एक हॉर्मोन है, जबकि अन्य सभी विटामिन हैं. निएसिन विटामिन B_3 का रासायनिक नाम है. रिबोफ्लेविन विटामिन B_2 एवं पिरिडॉक्सीन विटामिन B_6 का रासायनिक नाम है.

54. (C)

55. (B) डेसिबेल ध्वनि मापन की इकाई है जिसे 'dB' से दर्शाते हैं.

56. (A) प्रोसेसर या वर्चुअल स्टोरेज–
1 बिट → बाइनरी अंक
8 बिट → 1 बाइट
1024 बाइट → 1 किलोबाइट
1024 किलोबाइट → 1 मेगाबाइट
1024 मेगाबाइट → 1 गीगाबाइट
1024 गीगाबाइट → 1 टेराबाइट

57. (C) 58. (C)

59. (B) धान के क्षेत्र वैश्विक वायुमंडलीय ग्रीन हाउस गैसों के प्रमुख स्रोत हैं, जिनमें मेथेन (CH_4) और नाइट्रस ऑक्साइड (N_2O) शामिल हैं.

60. (B) क्योटो प्रोटोकॉल एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है जो 1992 के संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज को बढ़ाती है, जो वैज्ञानिक दलों के आधार पर ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए राज्य पार्टियों को प्रतिबद्ध करती है.

61. (D) ग्रीन मफलर अधिक आबादी वाले या ध्वनि प्रदूषण वाले क्षेत्र जैसे सड़कों के किनारे, औद्योगिक क्षेत्रों और राजमार्गों के आसपास के रिहायशी इलाकों में 4–6 पंक्तियों में वृक्षारोपण कर ध्वनि प्रदूषण को कम करने की एक तकनीक है, ताकि घने पेड़ ध्वनि प्रदूषण को कम कर सकें, क्योंकि पेड़ ध्वनि को फिल्टर करते हैं और इसे नागरिकों तक पहुँचने से रोकते हैं.

62. (D) 63. (A)

64. (A) हमें घास का रंग हरा दिखाई देता है, क्योंकि यह हरे रंग को छोड़कर सफेद रोशनी की सभी तरंगदैर्ध्य को अवशोषित कर लेती है.

65. (C)

66. (B) कृत्रिम रूप से फलों का पकाया जाना–एथिलीन
बेकिंग सोडा–सोडियम बाइकार्बोनेट
शीतल पेय–कार्बन डाइऑक्साइड
क्वार्ट्ज–सोडियम सिलीकेट

67. (B) 68. (C)

69. (B) माना, C की वर्तमान उम्र x वर्ष, B की $3x$ वर्ष एवं A की $(3x-5)$ वर्ष है.

प्रश्नानुसार, $x-4 = 10$

$x = 10+4$

$x = 14$

अतः A की वर्तमान उम्र $= 3\times14-5$

$= 42-5$

$= 37$ वर्ष

और, छः साल बाद A की उम्र

$= 37+6$

$= 43$ वर्ष

70. (C) माना कि अभीष्ट संख्या x है.

$\therefore$ x का $35\%+12 = x$ का 50%

$\frac{35}{100}x+12 = \frac{50}{100}x$

$50x-35x = 1200$

$x = 80$

71. (C)

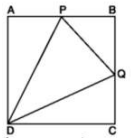

$\because$ वर्ग ABCD का क्षेत्रफल $= 16$ मी^{2}

अतः वर्ग की भुजा $= \sqrt{16} = 4$ मी

एवं QC $= 2$ मी

PB $= 2$ मी

और $PD^2 = AP^2+AD^2$

$= (2)^2+(4)^2$

$= 4+16$

$PD^2 = 20$

$PD = 2\sqrt{5}$ मी

समानतः, $DQ = 2\sqrt{5}$ मी

$PQ = 2\sqrt{2}$ मी

$\therefore \Delta$ DPQ का क्षेत्रफल

$= \frac{1}{2}\times b\times\sqrt{a^2-\frac{b^2}{4}}$

$= \frac{1}{2}\times2\sqrt{2}$

$\times\sqrt{(2\sqrt{5})^2-\frac{(2\sqrt{2})^2}{4}}$

$= \frac{1}{2}\times2\sqrt{2}\times\sqrt{18}$

$= \frac{1}{2}\times2\sqrt{2}\times3\sqrt{2}$

$= 6$ वर्ग मीटर

72. (D) जिस प्रकार,

H A N D

↑ ↑ ↑ ↑विपरीत वर्ण

S Z M W

उसी प्रकार,

M I L K

↑ ↑ ↑ ↑विपरीत वर्ण

N R O P

73. (C) $1727\times1729\times1731$ को 14 से भाग करने पर $5\times7\times9$ शेषफल होगा.

अतः $\frac{5\times7\times9}{14} = \frac{315}{14}$ = शेषफल 7

$\therefore$ शेषफल 7 होगा.

74. (A) $\because$ $2272-875 = 1397$

1397 के गुणनखण्ड $= 11\times127$

अतः 127 ही वह अभीष्ट संख्या होगी जिससे 2272 एवं 875 को भाग करने पर समान शेषफल मिलेगा.

अभीष्ट योगफल $= 1+2+2 = 10$

75. (B) सितम्बर 2015 में लीगो-विर्गो डिटेक्टर द्वारा गुरुत्वीय तरंगों की खोज की गई. इन तरंगों की खोज में रैनर वीस, बैरी सी. बैरिश एवं किप एस. थॉर्न का महत्वपूर्ण योगदान रहा. इन वैज्ञानिकों को द रॉयल स्वीडिश अकेडमी द्वारा वर्ष 2017 का भौतिकी का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया.

76. (D) $\because$ $12\times2 = 24$

$17\times2 = 34$

$15\times2 = 30$

अतः $21\times2 = 42$

77. (B) 78. (C)

79. (B) किसी भाषा या बोली में, ध्वनि ग्राम उच्चारित ध्वनि की सबसे छोटी इकाई है. ध्वनि ग्राम के लिए स्वनिम, स्वनग्राम आदि शब्द भी प्रयुक्त होते हैं. अंग्रेजी में इसका पर्यायी शब्द फोनीम है.

80. (C) 81. (C)

82. (C) 2 अप्रैल प्रातः 6 बजे घड़ी 4 मिनट पीछे हो जाती है.

अतः 6 अप्रैल दोपहर 12 बजे तक घड़ी पीछे होगी–

$4+4+4+4+4+1 = 21$ मिनट

अतः 6 अप्रैल दोपहर 12 बजे 11 : 39 प्रातः समय होगा.

83. (*) माना कुल परीक्षार्थी $= 100$

$\therefore$ हिन्दी में अनुत्तीर्ण परीक्षार्थी $= 50$

अंग्रेजी में अनुत्तीर्ण परीक्षार्थी $= 42$

दोनों विषयों में अनुत्तीर्ण परीक्षार्थी $= 17$

अतः केवल हिन्दी में अनुत्तीर्ण

$= 50-17 = 33$

केवल अंग्रेजी में अनुत्तीर्ण

$= 42-17 = 25$

$\therefore$ कुल अनुत्तीर्ण परीक्षार्थी

$= 33+25+17$

$= 75$

$\therefore$ कुल उत्तीर्ण परीक्षार्थी

$= 100-75 = 25$

अतः दोनों विषयों में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों का प्रतिशत $= 25\%$

84. (B)

85. (C)

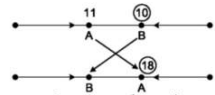

अतः पंक्ति में A और B के अलावा व्यक्तियों की संख्या

$18+9-2 = 25$

86. (B) चारों का पंक्ति में बैठने का सही क्रम होगा–

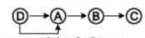

87. (A) माना गोले की त्रिज्या $= h$, जोकि त्रिभुज AOB का लम्ब भी है.

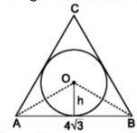

समद्विबाहु त्रिभुज ABC का क्षेत्रफल

$= \frac{\sqrt{3}}{4}\times\left(4\sqrt{3}\right)^2$

$= 12\sqrt{3}$ सेमी^{2}

एवं त्रिभुज AOB का क्षेत्रफल

$= 3\times\frac{1}{2}\times4\sqrt{3}\times(h)$

$12\sqrt{3} = 3\times\frac{1}{2}\times4\sqrt{3}\times h$

$h = 2$ सेमी

88. (D)

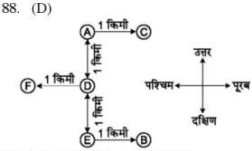

89. (D) अक्षरों का बढ़ता हुआ क्रम–

11

B C D F G H J K L M N P Q R S T V W X Y Z

एवं घटता हुआ क्रम–

11

Z Y X W V T X R Q P N M L K J H G F D C B

90. (C) 451 एक विजातीय संख्या (पूर्ण वर्ग नहीं) है. अन्य सभी विकल्प निम्न संख्याओं के वर्ग हैं–

$(17)^2 = 289$

$(19)^2 = 361$

$(23)^2 = 529$

91. (A) माना संख्या का इकाई अंक y तथा दहाई अंक x है. तब संख्या होगी–

$= 10x+y$

एवं प्रश्नानुसार, $xy = 12$ ...(i)

और $10x + y + 36 = 10y + x$

$9x - 9y = 36$

$x - y = 4$

$x = 4 + y$ ...(ii)

समीकरण (i) व (ii) को हल करने पर,

$y = 2$

∴ संख्या का इकाई अंक 2 होगा

92. (C)

93. (A) अभीष्ट क्रम होगा–

C
A
G
B
E
F
D

अतः सबसे निचले सोपान पर D होगा.

94. (B) $\frac{30}{3} = 10,$

$\frac{68}{4} = 17,$

$\frac{130}{5} = 26$

अतः $\frac{222}{6} = 37$

प्रत्येक संख्या अपने दिए हुए चित्रों की भुजाओं की संख्या से पूर्णरूप से विभाजित है.

95. (D) प्रत्येक सामान्य वर्ष में दिन = 365

अतः विषम दिन $= \frac{365}{7} = 1$ दिन

एवं प्रत्येक लीप वर्ष में विषम दिन

$= \frac{366}{7} = 2$ दिन

अतः 2016 से 2011 तक के कुल विषम दिन

= 8 दिन

अतः 13 मार्च, 2011 को दिन रविवार होगा.

96. (C) 13 से आगे की अभाज्य संख्याएं हैं–
13, 17, 19, 23, 29, 31, ...

$13 \times 1 = 13$

$17 \times 2 = 34$

$19 \times 3 = 57$

$23 \times 4 = 92$

$29 \times 5 = \boxed{145}$

97. (B) 98. (D) 99. (B) 100. (D)

101. (D)

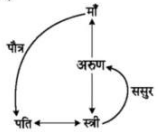

102. (D)

103. (B) दी गई संख्याओं का आरोही क्रम है–
20, 35, 50, 80, $100 + x$, $200 + x$, 340, 520, 800, 1205

कुल संख्याएं 10 हैं, जोकि एक सम संख्या है.

अतः माध्यिका

$= \frac{\left(\frac{10}{2}\right)\text{वाँ} + \left(\frac{10}{2}+1\right)\text{वाँ पद}}{2}$

$= \frac{(5)\text{वाँ} + (6)\text{वाँ पद}}{2}$

$= \frac{100 + x + 200 + x}{2}$

$= 150 + x$

एवं दी हुई माध्यिका = 190

अतः $150 + x = 190$

$x = 40$

104. (C) माना दी हुई संख्याएँ a तथा b हैं

∴ समान्तर माध्य = 13

$\frac{a+b}{2} = 13$

$a + b = 26$ ...(i)

एवं गुणोत्तर माध्य = 12

$\sqrt{ab} = 12$

$ab = 144$ ...(ii)

समीकरण (i) व (ii) को हल करने पर,

$a = 8$

तथा $b = 18$

या, $a = 18$

तथा $b = 8$

105. (C) माना 100 मदों का माध्य x है.

∴ 100 मदों का योग $= 100x$

व 99 मदों का योग $= 55 \times 99$

$= 5445$

प्रश्नानुसार, $100x - 5445 = x + 99$

$99x = 5544$

$x = 56$

∴ 100 मदों का योग $= 100 \times 56$

$= 5600$

अतः 100वाँ मद $= 5600 - 5445$

$= 155$

106. (B) 107. (D)

108. (C) परिवार की कुल मासिक आय

= ₹ 25,000

भोजन पर खर्च = ₹ $\frac{45}{100} \times 25{,}000$

= ₹ 11,250

किराए पर खर्च = $\frac{14}{100} \times 25{,}000$

= ₹ 3,500

कुल खर्च = 11,250 + 3,500

= ₹ 14,750

109. (C)

110. (A) 40 प्रेक्षकों का योग

$40 \times 22 = 880$

एवं प्रथम 20 प्रेक्षकों का योग

$20 \times 44 = 880$

अतः शेष 20 प्रेक्षकों का माध्य

$= \frac{880 - 880}{20}$

$= 0$

111. (A) एक अनभिनत सिक्के को दो बार उछालने पर आए कुल परिणाम

= 2 अर्थात् (H व T)

∴ अतः एक ही सिरे को पाने की सम्भावना

$= \frac{1}{2}$

112. (A) माना 50 प्रेक्षणों का समान्तर माध्य $= x$

∴ 50 प्रेक्षणों का योग $= 50x$

जब एक प्रेक्षण जिसका मान 45 है, निकाल दिया जाए तब 49 प्रेक्षणों का योग

$= 50x - 45$

अतः 49 प्रेक्षणों का माध्य $= \frac{50x - 45}{49}$

प्रश्नानुसार, $x = \frac{50x - 45}{49}$

$49x = 50x - 45$

$50x - 49x = 45$

$x = 45$

113. (C) (गुणोत्तर माध्य)^2

= समान्तर माध्य × हरात्मक माध्य

$= 12 \times 3$

∴ गुणोत्तर माध्य $= \sqrt{36} = 6$

114. (C) स्नातक योग्यता वाले दूल्हों का खण्ड केन्द्र पर बना कोण

$= \frac{20}{100} \times 360$

$= 72°$

115. (D) $\Sigma f = 1^2 + 2^2 + 3^2 \ldots n^2$

$= \frac{n(n+1)(2n+1)}{6}$

$\Sigma (f \times d) = 1^2 \times 1 + 2^2 \times \frac{1}{2} + 3^2 \times \frac{1}{3} \ldots n^2 \times \frac{1}{n}$

$= 1 + 2 + 3 \ldots n$

$= \frac{n(n+1)}{2}$

माध्य $= \frac{\Sigma(f \times d)}{\Sigma f}$

$= \frac{\frac{n(n+1)}{2}}{\frac{n(n+1)(2n+1)}{6}}$

$= \frac{3}{(2n+1)}$

116. (B) 117. (B)

118. (D) वयस्कों को दर्शाने के लिए कोण

$$= \frac{2250}{3600} \times 360$$

$$= 225°$$

एवं वृद्धों को दर्शाने के लिए कोण

$$= \frac{350}{3600} \times 360 = 35°$$

119. (C) 100 छात्रों के प्राप्तांकों का योग

$$= 100 \times 50 = 5000$$

यदि 53 को 83 पढ़ा गया तो,

अधिक अंक $= 83 - 53 = 30$

अतः छात्रों के प्राप्तांकों का वास्तविक योग

$$= 5000 - 30$$

$$= 4970$$

अतः शुद्ध माध्य $= \frac{4970}{100} = 49{\cdot}7$

120. (A) जिन परिवारों में 3 से अधिक और 7 से कम सदस्य हैं, ऐसे कुल 60 परिवार है.

अतः प्रतिशत $= \frac{60}{150} \times 100$

$$= 40\%$$

121. (D)

122. (D) मोतियाबिन्द आँखों में लेंस का बादल होता है जिससे दृष्टि में कमी आती है. मोतियाबिन्द अक्सर धीरे-धीरे विकसित होता है और एक या दोनों आँखों को प्रभावित कर सकता है. लक्षणों में फीका रंग, धुँधली दृष्टि, प्रकाश के चारों आरे हेलो, उज्ज्वल रोशनी के साथ परेशानी और रात में देखने में परेशानी शामिल हो सकती है

123. (C) प्रथम पाँच प्राकृतिक संख्याएँ हैं– 1, 2, 3, 4, 5

$\therefore$ इनका माध्य $= \frac{1+2+3+4+5}{5}$

$$= \frac{15}{5} = 3$$

अतः प्रसरण

$$= \sum_{i=1}^{n} \frac{(x-\bar{x})^2}{x}$$

$$= \frac{(1-3)^2 + (2-3)^2 + (3-3)^2 + (4-3)^2 + (5-3)^2}{5}$$

प्रसरण $= \frac{10}{5} = 2$

124. (D) आँकड़ों का आरोही क्रम है– 2, 2, 2, 4, 5, 6, 6, 9

माध्य

$$= \frac{2+2+2+4+5+6+6+9}{8}$$

$$= 4{\cdot}5$$

माध्यिका $= \frac{4+5}{2}$

$$= \frac{9}{2} = 4{\cdot}5$$

एवं बहुलक $= 2$

125. (B) 126. (A)

127. (B) कुल संभावनाएँ $= 2$

परीक्षा में उत्तीर्ण न होने की प्रायिकता

$=$ 1 – उत्तीर्ण होने की प्रायिकता

$= 1 - \frac{1}{2} = \frac{1}{2}$

128. (B)

129. (B) अभीष्ट कर्मचारियों की संख्या

$40 + 120 + 200 + 300 = 660$

अतः प्रतिशत $= \frac{660}{1000} \times 100$

$$= 66\%$$

130. (B) भारतीय संविधान में संघीय ढांचे और संघ तथा राज्यों के संबंधों एवं संघ तथा राज्यों के बीच शक्तियों के वितरण से संबंधित उपबंधों की संकल्पना कनाडा के संविधान से ली गई है.

131. (C) भारत के राष्ट्रपति का कार्यकाल 5 वर्ष है, किन्तु भारतीय संविधान के अनुच्छेद 61 के अनुसार राष्ट्रपति द्वारा संविधान का अतिक्रमण किए जाने पर संविधान में दी गई प्रक्रिया के अनुसार उस पर महाभियोग लगाकर उसे अपने पद से हटाया जा सकता है.

132. (B)

समिति	सदस्य
लोक लेखा समिति (15 लोक सभा से व 7 राज्य सभा से)	22
प्राक्कलन समिति (30 लोक सभा से)	30
सार्वजनिक उपक्रम समिति (10 लोक सभा से व 5 राज्य सभा से)	15
याचिका समिति	15

133. (D) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 249 के अनुसार केवल राज्य सभा को राज्य-सूची के किसी विषय को राज्य सभा में उपस्थित तथा मतदान देने वाले सदस्यों के कम-से-कम दो-तिहाई सदस्यों द्वारा समर्पित संकल्प द्वारा राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने का अधिकार है.

134. (C) भारतीय संविधान के भाग-15 के अनुच्छेद–324 से 329 में निर्वाचन से संबंधित उपबन्ध दिया गया है.

135. (A)

136. (A) भारत एक गणतन्त्र है, यह इससे स्पष्ट है कि भारत राज्य का सर्वोच्च अधिकारी वंशक्रमानुगत राजा न होकर भारतीय जनता द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित राष्ट्रपति हैं

137. (C) 42वें संविधान संशोधन 1976 के द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष एवं एकता और अखण्डता आदि शब्द जोड़े गए

138. (C) 42वें संविधान संशोधन 1976 के द्वारा राज्य सूची के विषय–शिक्षा, नाप-तौल, वन और जंगली जानवर तथा पक्षियों की रक्षा आदि समवर्ती सूची में रख दिए गए.

139. (C) 140. (D) 141. (C) 142. (A)

143. (C) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 76 के द्वारा भारत का एक महान्यायवादी होगा. वह सर्वप्रथम भारत सरकार का विधि अधिकारी होता है महान्यायवादी संसद का सदस्य नहीं होता है और न ही किसी मंत्रिमण्डल का. अनुच्छेद 88 के अनुसार वह किसी भी सदन में अथवा उनकी समितियों में बोल सकता है, किन्तु उसे मत देने का अधिकार नहीं है.

144. (A) 145. (C) 146. (A)

147. (B) 91वें संविधान संशोधन 2003 द्वारा अनुच्छेद 164 में प्रावधान किया गया है कि केन्द्र तथा राज्य में मंत्रिपरिषद् की सदस्य संख्या क्रमशः लोक सभा तथा विधान सभा की कुल सदस्य संख्या 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए (एवं जहाँ सदन की संख्या 40-40 है, वहाँ अधिकतम 12 होगी.)

148. (D) 149. (C) 150. (D) ●●●

शेष पृष्ठ 133 का

होगा कि हम कहीं एक बार पुनः असफलता का वरण तो नहीं कर रहे हैं. प्रसिद्ध नदी वैज्ञानिक एच.एन.बी. हाइस ने बताया है "नदियों को उसकी घाटी से अलग करके नहीं देखा जा सकता." एक ओर गंगा नदी का प्रवाह निरन्तर शिथिल पड़ता जा रहा है. टेहरी बाँध से अत्यन्त थोड़ी मात्रा में जल छोड़े जाने से गंगा अपना स्वरूप लगातार खो रही है. दूसरी ओर बंगाल में फरक्का बाँध से प्रवाह अवरुद्ध होने के कारण गंगा नदी का प्रवाह क्षेत्र लगातार माद से भर रहा है. जल प्रवाह की इस कमी के बावजूद गंगा में जल यातायात उसके लिए बन्दरगाह और उसमें काम करने वालों के लिए गंगातट पर उपनगरों का निर्माण, गंगा प्रदूषण के कोढ़ में खाज का काम करेंगे. शायद हमारे सियासतों और उनके चहेते नदी विशेषज्ञों को इससे कुछ लेना-देना नहीं है, उन्हें तो केवल अपने चहेते ठेकेदारों की चिन्ता है न कि गंगा प्रदूषण की. पूर्व में गंगा प्रदूषण निवारण के नाम पर हुए खर्च की अधिकतम धनराशि इन्हीं के खजाने में गई है और वर्तमान रुख भी कुछ ऐसा ही दिखाई पड़ने लगा है.

ध्यान रहे कि प्रदूषणकारी तत्व भूमि के माध्यम से ही नदी में पहुँचते हैं. इसलिए नदी क्षेत्र की भूमि उस पर होने वाली गतिविधियों पर ध्यान देना नितान्त आवश्यक है. वर्षों से क्रियाशील गंगा स्वच्छता अभियान की विफलता के बाद भी यदि हमने पूर्ववर्ती अनुभवों के मद्देनजर व्यवहार परक प्रक्रिया नहीं अपनाई, तो कोई जरूरी नहीं कि नमामि गंगा का हश्र भी गंगा एक्शन प्लान के जैसा ही न हो जाए.

●●●

अनिवार्य प्रश्न-पत्र

1. बहु अर्थवाले शब्द अथवा प्रतीकें सृजन करती हैं–
   (A) भौतिक अवरोध
   (B) सामाजिक-मनोवैज्ञानिक अवरोध
   (C) अर्थसम्बन्धी अवरोध
   (D) व्यक्तिगत अवरोध

2. एक विशेष कूट में GERMANY का कूट 7594157 है उसी कूट में RUSSIA का कूट होगा–
   (A) 911391
   (B) 913191
   (C) 931191
   (D) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

3. जिस प्रकार 'पृथ्वी' सम्बन्धित है 'चाँद' से उसी प्रकार 'बृहस्पति' सम्बन्धित है ..... से
   (A) यूरोपा – Europa
   (B) फोबोस – Phobos
   (C) डेमोस – Deimos
   (D) उपर्युक्त सभी

4. इन्सपायर कार्यक्रम का निम्नलिखित में क्या घटक होने का कोड है ?
   (a) टैलेन्ट्स (Talents) के प्रारम्भ में आकर्षित करने की योजना
   (b) उच्च शिक्षा के लिए शिक्षा वृत्ति
   (c) शोध कैरियर के लिए सुनिश्चित अवसर
   (d) विज्ञान शिक्षा के लिए अनुदान

   कूट :
   (A) (a), (b) और (c)
   (B) (b), (c) और (d)
   (C) (c), (d) और (a)
   (D) (d), (a) और (b)

5. निम्नलिखित स्टोरेज (Storage) मात्रकों को, सबसे छोटे मात्रक से बड़ी मात्रक के क्रम में सजाइए–
   (a) किलोबाईट (b) बाईट (Byte)
   (c) मेगाबाईट (d) टेराबाईट
   (e) गिगाबाईट (f) बिट (Bit)

   कूट :
   (A) (f), (b), (a), (d), (e), (c)
   (B) (f), (b), (a), (c), (d), (e)
   (C) (f), (b), (a), (c), (e), (d)
   (D) (f), (b), (a), (d), (c), (e)

6. दूरसम्मेलन निम्न में से किस प्रकार की दूरस्थ शिक्षा (Distance Education) का उदाहरण है ?
   (A) अतुल्यकालिक दूरस्थ शिक्षा
   (B) समकालिक दूरस्थ शिक्षा
   (C) संकर दूरस्थ शिक्षा
   (D) उपर्युक्त सभी

7. यदि A = 1 तो निम्न श्रेणीक्रम में अगला पद होगा–
   C, E, H, K, P, S ?
   (A) W (B) X
   (C) Y (D) Z

8. निम्नलिखित में से किस वायु प्रदूषक (Air Pollutant) का सापेक्षिक विषैलापन सबसे अधिक है ?
   (A) कार्बन मोनोऑक्साइड
   (B) हाइड्रोकार्बन
   (C) सल्फर के ऑक्साइड
   (D) नाइट्रोजन के ऑक्साइड

9. व्हील (Wheel) संचार नेटवर्क में–
   (A) सभी कर्मचारीगण-एक व्यक्ति से अनुदेश तथा मार्गदर्शन लेते हैं
   (B) केवल एक व्यक्ति किसी एक व्यक्ति से बात करता है
   (C) प्रत्येक आदमी, प्रत्येक से बात कर सकता है
   (D) संदेश एक वृत्त में गतिशील रहता है

10. A, B का पुत्र है, B, U की माता है, U, V की पत्नी है, V, Z का पिता है तथा Z, W का भाई है. V किस प्रकार A तथा B से सम्बन्धित है ?
    (A) साला/जीजा, दामाद
    (B) दामाद, साला/जीजा
    (C) साला/जीजा, सास
    (D) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

11. निम्नलिखित में क्या सही है ?
    (a) आजादी के समय 20 विश्वविद्यालय तथा 531 महाविद्यालय थे
    (b) आजादी के समय 2·1 लाख विद्यार्थी थे.
    (c) 31.03.2017 को 795 विश्वविद्यालय थे.
    (d) 31.03.2017 को 42338 महाविद्यालय थे

    कूट :
    (A) (a), (b), (c) (B) (b), (c), (d)
    (C) (c), (d), (a) (D) (d), (a), (b)

12. उचित सम्बन्ध जोड़िए–

बायोम	
(a) घास का मैदान	
(b) उष्णकटिबंधीय वर्षा वाले वन	
(c) समशीतोष्ण पर्णपाती वन	
(d) टैगा (Taiga)	
(e) टुण्ड्रा (Tundra)	
वर्षा	
(i) 25-100 सेमी	(ii) 25 सेमी
(iii) 100 सेमी	(iv) 200-500 सेमी
(v) 25-75 सेमी	

    कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)	(e)
(A)	(v)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(B)	(v)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(C)	(v)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(D)	(iv)	(v)	(iii)	(i)	(ii)

13. विश्लेषण या तो शुद्ध या प्रयुक्त गणित है गणित की केवल वे शाखाएँ शुद्ध गणित के अन्तर्गत आती हैं जो अपने क्षेत्र के बाहर की मान्यताओं का उपयोग नहीं करते हैं. कलन विश्लेषण कलन का उपयोग करता है. कलन विश्लेषण शुद्ध गणित नहीं है, चूँकि विश्लेषण अपने क्षेत्र के बाहर की मान्यताओं का उपयोग नहीं करता है, इसलिए यह शुद्ध गणित है. इस प्रकार निकाला गया निष्कर्ष है–
    (A) निगमित — Deductive
    (B) आगमित — Inductive
    (C) सामूहिक — Collective
    (D) वर्णनात्मक — Descriptive

14. यदि 'A, B' कूटबद्ध किया गया है '3, 7' से, 'C, D' कूटबद्ध किया गया है '7, 11' से, 'E, F' कूटबद्ध किया गया है '13, 17' से, तब 'I, J' को कूटबद्ध किया जाएगा '.....' से
    (A) 19, 23 (B) 37, 41
    (C) 21, 27 (D) 21, 25

15. यदि '$x + y$' का अर्थ है 'x माँ है y की', '$x - y$' का अर्थ है 'x भाई है y का', '$x \% y$' का अर्थ है 'x पिता है y का', तथा '$x \times y$' का अर्थ है 'x बहन है y की', तब निम्नलिखित में से कौन निरूपित करता है 'P नाना है Q का' ?
    (A) $P + S \times R - T \% Q$
    (B) $P + S \% R - T \times Q$
    (C) $P \% S + R - T \times Q$
    (D) $P - S \% R + T \times Q$

16. कक्षाकक्ष संचार का किससे सम्बन्ध नहीं है ?
    (A) आंतर्वैयक्तिक संचार
    (B) अंतर्वैयक्तिक संचार
    (C) सार्वजनिक संचार
    (D) उपर्युक्त में कोई भी नहीं

17. निम्नलिखित में कौनसा सही IP एड्रेस (Address) है ?
    (A) 300 – 215 – 317 – 3
    (B) 202.50.20.148
    (C) 302 – 215 @ 417 – 5
    (D) 202 – 50 – 20 – 148

18. कम्पाइलर (Compiler) एक सॉफ्टवेयर है, जो परिवर्तित करता है–
    (A) कैरेक्टर को बिट्स में
    (B) हाइ लेवल लेंग्वेज को मशीन लेंग्वेज में

(C) मशीन लेंग्वेज को हाइ लेवल लेंग्वेज में
(D) बर्ड्स को बिट्स में

19. निम्नलिखित आंकिक श्रेणी में विलुप्त संख्या ज्ञात कीजिए–
1, 3, 7, 10, 19, ..., 39, 44, 69
(A) 23
(B) 28
(C) 21
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

20. निम्नलिखित कथन (I), (II) तथा (III) को पढ़िए–
कथन :
I. कोई भी फूल फल नहीं है.
II. कुछ फल पत्तियाँ हैं
III. सभी पत्तियाँ वृक्ष हैं.
निष्कर्ष :
I. कोई भी वृक्ष फल नहीं है.
II. कम-से-कम कुछ वृक्ष, फल हैं
कथन I, II तथा III से उपर्युक्त कौनसा निष्कर्ष निकाला जा सकता है ?
(A) केवल निष्कर्ष I सही है
(B) केवल निष्कर्ष II सही है
(C) न तो निष्कर्ष I न निष्कर्ष II सही हैं
(D) निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त वर्णन उपलब्ध नहीं है

25. रसायनशास्त्र में शोभा द्वारा प्राप्त अंक का, इसी विषय में सचीन द्वारा प्राप्त अंक का प्रतिशत कितना है ? (दो दशमलव बिन्दु तक दीजिए)
(A) 83·72 (B) 79·14
(C) 89·64 (D) इनमें से कोई नहीं

26. प्रभावशाली अध्यापन में अनिवार्यतः निम्नलिखित में से किसकी आवश्यकता नहीं है ?
(A) छात्रों की ग्राह्यता
(B) शिक्षक का उच्च अधिगम स्तर
(C) शिक्षक के सिखाने का तरीका
(D) शिक्षक का संप्रेषण योग्यता

27. प्रदत्त संकलन के पूर्व एक शोधकर्ता शोध में भाग लेने वाले उत्तरदाताओं से उनकी सहमति लेना चाहता है. सूचित सहमति पत्र में निम्नलिखित में से कौनसी सूचना आवश्यक नहीं है ?
(A) शोध (Research) के प्रयोजन से सम्बन्धित सूचना
(B) उत्तरदाताओं से प्राप्त प्रदत्त को गुप्त रखने एवं उनके केवल अकादमिक उपयोग सम्बन्धी सूचना
(C) शोध की विश्वसनीयता एवं वैधता से सम्बन्धित सूचना
(D) प्रदत्त संकलन में एक उत्तरदाता द्वारा लगने वाले समय एवं अन्य जोखिम सम्बन्धी सूचना

निर्देश–(प्रश्न 21 से 25 तक) निम्नलिखित तालिका को ध्यान से पढ़िए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए.

भिन्न-भिन्न छात्रों द्वारा भिन्न-भिन्न विषयों में प्राप्ताकों का प्रतिशत

विषय (अधिकतम अंक)		छात्र					
		आशा	सोम	राघव	पंकज	सचीन	शोभा
गणित	(100)	84	90	74	62	82	70
भौतिक विज्ञान	(100)	82	84	90	64	70	80
रसायनशास्त्र	(100)	70	62	64	76	72	86
जीव विज्ञान	(100)	77	63	81	79	69	87
हिन्दी	(100)	64	60	62	70	80	66
अंग्रेजी	(100)	66	86	74	82	60	74
संस्कृत	(100)	78	70	84	86	78	68
पर्यावरण विज्ञान	(100)	84	70	64	90	70	80

21. यदि छात्रों के औसत प्राप्तांक को, छात्रों के प्रदर्शन के रूप में लिया जाए तो, सबसे अच्छा प्रदर्शन निम्नलिखित में से किस विषय का है ?
(A) गणित (B) भौतिकशास्त्र
(C) संस्कृत (D) पर्यावरण विज्ञान

22. आशा ने सभी विषयों में कुल कितना अंक प्राप्त किया ?
(A) 685 (B) 605
(C) 659 (D) इनमें से कोई भी नहीं

23. कितने छात्रों ने एक से अधिक विषय में अधिकतम अंक प्राप्त किए ?
(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) इनमें से कोई नहीं

24. सभी विषयों में, किसने सर्वाधिक अंक प्राप्त किए ?
(A) आशा (B) शोभा
(C) पंकज (D) इनमें से कोई नहीं

28. एक अनुसन्धानकर्ता (Researcher) 25 लोगों के साक्षात्कार के आधार पर एक प्रतिवेदन तैयार करता है. यह अनुसंधान निम्नलिखित में से किस वर्ग के अनुसंधान के अन्तर्गत आएगा ?
(A) मात्रात्मक (B) गुणात्मक
(C) ऐतिहासिक (D) प्रयोगात्मक

29. उपचारात्मक शिक्षण प्रारम्भ करने के पूर्व क्या करना चाहिए ?
(A) मनोभौतिक मूल्यांकन
(B) निदानात्मक मूल्यांकन
(C) समाजमितीय मूल्यांकन
(D) आलोचनात्मक मूल्यांकन

30. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए–
(a) महात्मा गांधी
(b) सुकरात
(c) रवीन्द्रनाथ टैगोर
(d) स्वामी विवेकानन्द
(i) प्रकृतिवाद
(ii) आदर्शवाद
(iii) बुनियादी शिक्षा
(iv) मानव बनाने वाली शिक्षा
कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(B)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(C)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(D)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

31. प्रदत्त जिन्हें उपयुक्त उपकरण के आधार पर प्राप्त किया जाता है उन्हें कहते हैं–
(A) द्वितीयक प्रदत्त
(B) प्राथमिक प्रदत्त
(C) पुनरावृत्ति प्रदत्त
(D) (A) एवं (B) दोनों

32. चरों के मध्य कार्य-कारण सम्बन्ध की पहचान किस प्रकार के अनुसंधान में की जाती है ?
(A) ऐतिहासिक (B) प्रयोगात्मक
(C) सर्वेक्षण (D) व्यक्ति अध्ययन

33. निम्नलिखित में से कौन एक शिक्षण विधि Teaching Method नहीं है ?
(A) व्याख्यान विधि
(B) प्रदर्शन विधि
(C) मनोमितीय विधि
(D) विचार-विमर्श विधि

34. निम्नलिखित में से कौन वह लैटिन संक्षिप्त नाम है जो शोध पत्रों में "एवं अन्य" के लिए उपयोग किया जाता है ?
(A) et. al. (B) et, al.
(C) et al. (D) et al,

35. शिक्षण प्रक्रिया के निम्न पदों को क्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए–
(i) मूल्यांकन (Evaluation)
(ii) वर्तमान ज्ञान को पूर्व ज्ञान से सम्बद्ध करना
(iii) उद्देश्यों का निरूपण
(iv) शिक्षण सामग्री का प्रस्तुतीकरण
(v) पुनः शिक्षण (Reteaching)
(A) (i) (ii) (v) (iii) (iv)
(B) (ii) (iii) (i) (iv) (v)
(C) (iii) (ii) (iv) (i) (v)
(D) (i) (ii) (iv) (iii) (v)

निर्देश–(प्रश्न 36 से 40 तक) दिए गए अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रश्नों के सही उत्तर अनुच्छेद पर आधारित तथ्यों के अनुसार दीजिए.

अनुच्छेद

दि केबिनेट ऑफ दि डॉ. कालीगरी 1919 में राबर्ट वेन ने निर्देशित किया था जो अब तक अभिव्यक्तिमय फिल्म निर्माण का एक सर्वोच्च उदाहरण है. फिल्म की कथा का एक नौजवान ने वर्णन किया है जो डॉ. कालीगरी को एक माऊँटबैंक के रूप में देखता है जो यात्रा मेले का एक भाग है तथा कई हिंसात्मक अपराधों का जन्मदाता है. कालीगरी के अपराध का

हथियार नींद में चलने वाला एक व्यक्ति सीजर है जो दुष्ट डॉ. के नियंत्रण में है. सीजर एक नवयुवती को पकड़ लेता है जो उसके कवच से भाग जाती है और इस डॉ. को खोज निकालने के क्रम में हमें पता लगता है कि वह वास्तव में एक स्थानीय पागलखाने का निर्देशक है जिसमें कथा वाचक उस पागलखाने का एक रोगी है. फिल्म का अभिव्यक्तिमय सेट्स और रोशनी कथावाचक के पागलपन को दर्शाता है. वहाँ की दीवारें तिरछी तथा खिड़कियाँ त्रिकोणीय हैं. प्रकाश तथा छाया की यथार्थता यह है कि उन्हें प्रत्यक्ष रूप से सेट पर दर्शाया गया है. फर्नीचर सही अवस्था में नहीं है तथा अतिक्रमण दर्शाती हैं जो पागलपन की दुनिया का एक भयानक स्वप्न सा लगता है. डॉ. कालीगरी एक अनूठा फिल्म है जो फिल्मी जगत के इतिहास में अपना एक सुरक्षित स्थान बना लिया है.

अभिव्यक्तिमय "स्ट्रीट फिल्म" कहा जाने वाला यह फिल्म, आम लोगों के जीवन से सम्बन्धित है जिसका बड़ा प्रभाव लोकप्रिय कल्पनाओं में दिखता है. निर्देशक फ्रीज लैंग का फिल्म मेट्रोपोलिस (1926) इक्कीसवीं सदी के जीवन का सिहराने वाली विजन को दर्शाता है जहाँ अमीर अति विलासितापूर्ण रूप से बड़ी-बड़ी इमारतों में निवास करते हैं जबकि गरीब जमीन में गुलामी का जीवन बिताते हैं. मेट्रोपोलिस Metropolis जर्मन अभिव्यक्ति में एक अन्य शानदार क्रियाकलाप है जिसमें पर्दे शैलीपूर्ण परछाइयों से परिपूर्ण हैं, ढाल लेती कैमरे का एंगल तथा भूमिगत भयानक स्वप्नों वाला कमरा है, जो बड़ा रहस्यमय लगता है.

36. दि केबिनेट ऑफ डॉ. कालीगरी में दीवारें, खिड़कियाँ तथा मेज-कुर्सियाँ किस प्रकार से फिल्म में अपना योगदान देती हैं ?
(A) वे डॉ. के झूठ (lies) तथा उसकी चालबाजी (Tricks) को प्रकट करते हैं
(B) वे, उस काल की लोकप्रिय शैली को चित्रित करते हैं
(C) वे निर्देशकों के कलाकारी दूरदृष्टि का प्रदर्शन करती हैं
(D) वे कथावाचक की पागलपन को व्यक्त करते हैं

37. निम्नलिखित में से सभी एक्सप्रेसियोनिस्ट (Expressionistic) फिल्म की विशेषताएँ हैं, सिवाय–
(A) प्रकाश तथा छाया के अनेक प्रभाव
(B) भयावह स्वप्नील कल्पनाएँ
(C) विलासितापूर्ण सेट्स तथा फर्नीचर
(D) तिरछे तथा टेढ़े मेढ़े

38. अनुच्छेद (Passage) के अनुसार, दि प्लॉट ऑफ दि केबिनेट ऑफ डॉ कालीगरी मुख्यतः किसके विषय में है ?
(A) एक नौजवान जो कई हिंसात्मक कार्यों में शामिल है
(B) एक दुष्ट डॉक्टर (Evil doctor) जो दूसरे व्यक्ति का उपयोग अपराध करवाने के लिए करता है
(C) एक जवान महिला जो एक ऐसे डॉक्टर की तलाश में है जो उसकी सहायता करे
(D) विक्षिप्तों के लिए अस्पताल में भयावह हालात

39. अनुच्छेद 1 में शब्द माऊंटबैंक (Mountebank) निम्नलिखित किस शब्द के अर्थ के निकटतम है ?
(A) चिकित्सक
(B) अभिव्यक्तिकर्ता
(C) एक झूठी दवाइयों का विक्रेता जो लोगों को अपनी झूठे शब्दों एवं तरकीबों में फँसाकर दवा बेचता है
(D) एक स्थानीय विक्षिप्त आश्रयगृह

40. लेखक किस प्रकार से मेट्रोपोलीस की विशेषता को चित्रित करता है ?
(A) आम लोगों के जीवन पर बनी एक स्ट्रीट फिल्म
(B) इक्कीसवीं सदी में जीवन से सम्बन्धित एक डॉक्यूमेन्टरी
(C) अनुचित कार्य परिस्थितियों की एक आलोचना
(D) जर्मन अभिव्यक्ति का एक दोषपूर्ण उदाहरण

41. निम्नलिखित में से कौन भारत में भूतापीय (Geothermal) स्थान हैं ?
1. मनीकरण 2. हीराकुण्ड
3. सरयूजा 4. सूरजकुण्ड
5. राजावार 6. काकरापार
कूट :
(A) 1, 2, 3, 4 (B) 1, 3, 4, 2
(C) 1, 3, 4, 6 (D) 1, 3, 4, 5

42. वन्य जीव प्रजातियों के संदर्भ में क्या सत्य है ?
1. समाप्त हो जाने वाला
2. संधार्य
3. अनवीकरणीय
4. नवीकरणीय
5. न समाप्त होने वाला
कूट :
(A) 1, 2, 3 (B) 1, 2, 4
(C) 2, 3, 5 (D) 2, 4, 5

43. वर्चुअल (Virtual) यूनिवर्सिटी की संकल्पना निम्नलिखित में किस संकल्पनाओं को सम्मिलित करती है ?
1. कन्सोर्टियम ऑफ इंस्टीट्यूशन
2. एप्रोप्रियेट ICT एप्लीकेशन्स
3. वर्किंग इन कोलेबोरेशन टू प्लान प्रोग्राम्स
4. डेवलपमेन्ट ऑफ कंटेंट टूगेदर एण्ड डेलिवर देम टू लर्नर्स
5. इन्टर-इंस्टीटयूशन एक्सचेंज प्रोग्राम फॉर स्टाफ
कूट :
(A) 1, 2, 3, 4 (B) 2, 3, 4, 5
(C) 3, 4, 5, 1 (D) 4, 5, 1, 2

44. प्रभावशाली (Effective) कक्षाकक्ष संचार होना चाहिए–
(A) सहानुभूतिजनक
(B) तदनुभूतिजनक
(C) निरुत्साहजनक
(D) करुणाजनक

45. HTML का उपयोग से किसकी रचना की जाती है ?
(A) ऑपरेटिंग सिस्टम
(B) हाइ लेवल प्रोग्राम
(C) वेब-सर्वर
(D) वेब-पेज

46. निम्नलिखित में कौनसा संप्रेषण (Communication की विशेषता नहीं है ?
(A) दो रास्तों वाली प्रक्रिया
(B) सूचना आदान-प्रदान तथा समझना
(C) सतत् प्रक्रिया
(D) रैखिक प्रवाह

47. निम्नलिखित चित्र को बनाने के लिए आवश्यक न्यूनतम सरल रेखाओं की संख्या ज्ञात कीजिए–

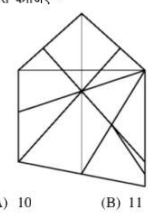

(A) 10 (B) 11
(C) 18 (D) 12

48. ASCII एक कैरेक्टर-एन्कोडिंग स्कीम है जिसका उपयोग विभिन्न कैरेक्टर्स, संख्याओं तथा कंट्रोल कुंजियों इत्यादि को पर्सनल कम्प्यूटरों के द्वारा निरूपित किया जाता है. जिसका उपयोग उपयोक्ता के द्वारा कीबोर्ड पर किया जाता है. अतः ASCII का पूर्ण रूप है–
(A) अमरीकन स्टैंडर्ड कोड फॉर इन्टेलीजेन्ट इन्फोर्मेशन
(B) अमरीकन स्टैंडर्ड कोड फॉर इन्फोर्मेशन इन्टेग्रिटि
(C) अमरीकन स्टैंडर्ड कोड फॉर इन्फार्मेशन इन्टरचेंज
(D) अमरीकन स्टैंडर्ड कोड फॉर आइसोलेटेड इन्फोर्मेशन

49. राज्यों को दिनांक 31.03.2017 की स्थिति में राजकीय वि.वि. को संख्या में सुमेलित कीजिए–

राज्य		राज्यों की वि.वि. की संख्या	
(a)	राजस्थान	1.	47
(b)	तमिलनाडु	2.	52
(c)	उत्तर प्रदेश	3.	72
(d)	पश्चिम बंगाल	4.	74
(e)	मध्य प्रदेश	5.	36

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)	(e)
(A)	1	2	3	4	5
(B)	4	2	3	5	1
(C)	2	4	3	5	1
(D)	1	5	2	3	4

50. जैव आवर्धन (Biomagnification) क्षमता कारक (लि./किलो) के आधार पर निम्न रसायनों का कौनसा बढ़ता क्रम सही है ?
(A) बेन्जीन < क्लोरोफॉर्म < डी. डी. टी. < क्लोरोडेन
(B) क्लोरोफॉर्म < बेन्जीन < क्लोरोडेन < डी. डी. टी
(C) क्लोरोफॉर्म < बेन्जीन < डी. डी. टी. < क्लोरोडेन
(D) क्लोरोफॉर्म < क्लोरोडेन < बेन्जीन < डी. डी. टी.

उत्तर व्याख्या सहित

1. (C) शाब्दिक अस्पष्टता या बहुअर्थ वाले शब्द से अर्थ सम्बन्धी अवरोध उत्पन्न होने की सम्भावना होती है. जैसे BEAR जानवर भी है और जन्म देने के सम्बन्ध में भी.
2. (C)
3. (A) चन्द्रमा, पृथ्वी का प्राकृतिक उपग्रह है; उसी तरह यूरोपा, बृहस्पति का प्राकृतिक उपग्रह है. यूरोपा, सौरमण्डल का छठा सबसे बड़ा उपग्रह है
4. (A) इन्सपायर कार्यक्रम के तीन घटक होते हैं–
   - टैलेन्ट्स को आकर्षित करने की योजना
   - उच्च शिक्षा के लिए शिक्षावृत्ति
   - शोध कॅरियर के लिए सुनिश्चित अवसर
5. (C) कम्प्यूटर में स्टोरेज के अनुसार मात्रकों का क्रम–
   बिट (Bit)–एकल बाइनरी अंक (1 अथवा 0)
   बाइट (Byte)– 8 बिटस
   किलोबाइट (KB)–1024 बाइटस
   मेगाबाइट (MB)–1024 किलोबाइट
   गीगाबाइट (GB)–1024 मेगाबाइट
   टेराबाइट (TB)–1024 गीगाबाइट
   पेटाबाइट (PB)–1024 टेराबाइट
   एक्साबाइट (EB)–1024 पेटाबाइट
6. (B) समकालिक दूरस्थ शिक्षा (Synchronous Learning Education) के अन्तर्गत भिन्न-भिन्न स्थानों के छात्र एक साथ, एक समय शिक्षक के साथ उसकी कक्षा से कम्प्यूटर तथा उसके मल्टीमीडिया घटकों यथा सामूहिक संवाद (Group chats), वेब सेमीनार, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग तथा फोन कॉल्स के जरिए जुड़ते हैं
7. (B)
   C, E, H, K, P, S, ?
   +2 +3 +3 +5 +3 +5
   ∴ ? = 5 + 5 = X
8. (D)
9. (A) किसी संस्थान में संचार के लिए चार तरह के नेटवर्क होते हैं–ह्वील नेटवर्क, चेन नेटवर्क, सर्कल नेटवर्क और ऑल चैनल नेटवर्क. ह्वील नेटवर्क में सभी कर्मचारी प्रतिष्ठान में एक व्यक्ति (प्रबन्धक या स्वामी) से मार्गदर्शन या निर्देश लेते हैं.
10. (A)
11. (B) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार स्वतन्त्रता के समय भारत में 20 विश्वविद्यालय तथा 500 कॉलेज तथा इन विश्वविद्यालय तथा कॉलेजों में 2·1 लाख छात्र उच्च शिक्षा ले रहे थे.
12. (C) 13. (A) 14. (B) 15. (C) 16. (D)
17. (B) एक इंटरनेट प्रोटोकॉल (IP) एड्रेस एक संख्यात्मक लेबल है जो अपने नोडस के बीच संचार के लिए इंटरनेट प्रोटोकॉल का प्रयोग करने वाले कम्प्यूटर नेटवर्क में भाग ले रहे डिवाइसेस को आवंटित किया जाता है
18. (B) कम्पाइलर (Compiler) एक या अधिक कम्प्यूटर प्रोग्रामों का समूह होता है, जो किसी उच्चस्तरीय कम्प्यूटर भाषा में लिखे प्रोग्राम को किसी दूसरी कम्प्यूटर भाषा में बदल देता है. कम्प्यूटर में उच्चस्तरीय प्रोग्रोमिंग भाषा (High level program-ming language) जैसे बेसिक, सी, सी++, जावा आदि को मशीनी भाषा में अनुवाद करने की जरूरत होती है, ताकि कम्प्यूटर उसे समझ सके. Compiler उच्चस्तरीय प्रोग्रोमिंग भाषा में लिखे प्रोग्राम को मशीनी भाषा में बदल देता है.
19. (A) 20. (B)
21. (B) गणित → 77
    भौतिक शास्त्र → 78·33
    संस्कृत → 77·33
    पर्यावरण विज्ञान → 76·33
22. (B) अभीष्ट योग = 84 + 82 + 70 + 77 + 64 + 66 + 78 + 84 = 605
23. (B)
24. (B)
    आशा → 84 + 82 + 70 + 77 + 64 + 66 + 78 + 84 = 605
    शोभा → 70 + 80 + 86 + 87 + 66 + 74 + 68 + 80 = 611
    पंकज → 62 + 64 + 76 + 79 + 70 + 82 + 86 + 90 = 609
    सोम → 90 + 84 + 62 + 63 + 60 + 86 + 70 + 70 = 585
    राघव → 74 + 90 + 64 + 81 + 62 + 74 + 84 + 64 = 593
    सचीन → 82 + 70 + 72 + 69 + 80 + 60 + 78 + 70 = 581
25. (A) अभीष्ट प्रतिशत $= \frac{72}{86} \times 100\%$
    $= 83{\cdot}72\%$
26. (A) 27. (C)
28. (B) गुणात्मक अनुसंधान (Qualitative Research) कई अलग शैक्षणिक विषयों में विनियोजित, पारम्परिक रूप से सामाजिक विज्ञान के सन्दर्भों में जाँच की एक विधि है. गुणात्मक विधियाँ केवल विशिष्ट अध्ययन किए गए मामलों पर मानक उत्पन्न करती है और इसके अतिरिक्त कोई भी सामान्य निष्कर्ष केवल परिकल्पनाएं हैं.
29. (B) 30. (D) 31. (B) 32. (B) 33. (C)
34. (C) Et al., लैटिन वाक्यांश (Phrase) 'et alia' का शब्द संक्षेप है तथा इसका अर्थ "और अन्य (and other)" है. et al के प्रयोग का एक उदाहरण है–"This article was written by Smith, Jones, Paul, et al." इसका अर्थ है–यह लेख स्मिथ, जोंस, पॉल तथा अन्य ने लिखा था.
35. (C) 36. (D) 37. (B) 38. (B) 39. (C)
40. (B)
41. (D) भारत में भूतापीय स्थल है–तातापानी (गुजरात), पूगा (जम्मू-कश्मीर), कैम्बे ग्रेवैन (गुजरात), मनीकरण (हिमाचल प्रदेश), सूरजकुण्ड (झारखण्ड), चूमाथांग (जम्मू एवं कश्मीर), काकरापार (गुजरात)
42. (A) 43. (A)
44. (B) प्रभावशाली कक्षा में संचार तदनुभूतिजनक (Emphatic) होना चाहिए.
45. (D) 46. (D) 47. (D) 48. (C)
49. (B) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 31 मार्च, 2017 तक भारत में 795 विश्वविद्यालय (47 केन्द्रीय, 360 राज्य विश्वविद्यालय, 262 प्राइवेट विश्वविद्यालय, 123 डीम्ड विश्वविद्यालय तथा 3 संस्थान राज्य विधायन द्वारा स्थापित) तथा 42,338 कॉलेज हैं. जहाँ तक राज्यवार विश्वविद्यालयों की संख्या का प्रश्न है, तो ऐसे में राजस्थान में 74, उत्तर प्रदेश में 72, गुजरात में 59, पश्चिम बंगाल में 36, तमिलनाडु में 52 तथा मध्य प्रदेश में 47 विश्वविद्यालय हैं.
50. (B)

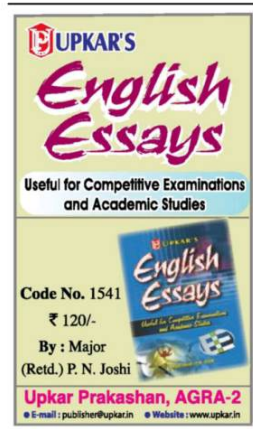

सामान्य अध्ययन

1. निम्न में से किसका pH मान 7 है ?
(A) शुद्ध पानी
(B) उदासीन विलयन
(C) क्षारीय विलयन
(D) अम्लीय विलयन
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

2. निम्न तत्वों में से किसमें न्यूट्रॉन नहीं होता है ?
(A) ऑक्सीजन (B) नाइट्रोजन
(C) हाइड्रोजन (D) ताँबा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

3. ऐंग्स्ट्रम इकाई है–
(A) तरंगदैर्ध्य की (B) ऊर्जा की
(C) आवृत्ति की (D) वेग की
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

4. आवृत्ति को नापा जाता है–
(A) हर्ट्ज में
(B) मीटर प्रति सेकण्ड में
(C) रेडियन में
(D) वॉट में
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

5. DNA की खोज किसने की ?
(A) जेम्स वॉटसन एवं फ्रांसिस क्रिक
(B) ग्रेगर मेंडेल
(C) जोहान्सन
(D) हरगोबिन्द खुराना
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

6. ट्राइग्लिसराइड क्या है ?
(A) प्रोटीन (B) कार्बोहाइड्रेट
(C) वसा (D) खनिज
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

7. इलेक्ट्रोएन्सेफैलोग्राम (EEG) निम्न में से किसकी निगरानी के लिए उपयोग होता है ?
(A) हृदय (दिल)
(B) यकृत (लीवर)
(C) अग्न्याशय (पैंक्रियास)
(D) मस्तिष्क
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

8. शरीर का तापक्रम नियंत्रित करता है–
(A) थैलेमस (B) हाइपोथैलेमस
(C) सेरेबेलम (D) मेडुला
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

9. सही कथन चुनिए–
(A) लाल प्रकाश का तरंगदैर्ध्य, बैंगनी प्रकाश से कम है
(B) लाल प्रकाश का तरंगदैर्ध्य, बैंगनी प्रकाश से ज्यादा है
(C) बैंगनी प्रकाश का तरंगदैर्ध्य, हरे प्रकाश से ज्यादा है
(D) बैंगनी प्रकाश का तरंगदैर्ध्य, पीले प्रकाश से ज्यादा है
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

10. 40 डिग्री सेल्सियस का मान फारेनहाइट स्केल में है–
(A) 104 °F (B) 100 °F
(C) 102 °F (D) 75 °F
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

11. विद्युत्-शक्ति की इकाई है–
(A) ऐम्पीयर (B) वोल्ट
(C) कूलॉम्ब (D) वॉट
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

12. विद्युत् मोटर में–
(A) ऊष्मा को विद्युत् ऊर्जा में बदला जाता है
(B) विद्युत् ऊर्जा को ऊष्मा में बदला जाता है
(C) विद्युत् ऊर्जा को यांत्रिक ऊर्जा में बदला जाता है
(D) यांत्रिक ऊर्जा को विद्युत् ऊर्जा में बदला जाता है
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

13. मानव शरीर में होता है–
(A) लगभग 70% पानी
(B) 20% – 30% पानी
(C) 10% – 20% पानी
(D) 30% – 40% पानी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

14. विद्युत्-धारा निम्न में से किस उपकरण से नापी जाती है ?
(A) वोल्टमीटर (B) ऐमीटर
(C) वोल्टामीटर (D) पोटेंशियोमीटर
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

15. ग्रीनहाउस गैसों में मुख्य घटक होता है–
(A) कार्बन डाइऑक्साइड
(B) मीथेन
(C) नाइट्रस ऑक्साइड
(D) ओजोन
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

16. आइंस्टीन को 'नोबेल प्राइज' किस कार्य पर मिला ?
(A) आपेक्षिकता
(B) बोस-आइंस्टीन संघनन
(C) संहति एवं ऊर्जा की तुल्यता
(D) प्रकाश-विद्युत् प्रभाव
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

17. कोशिका का शक्ति-स्रोत होता है–
(A) कोशिका भित्ति
(B) माइटोकॉण्ड्रिया
(C) राइबोसोम
(D) न्यूक्लियस
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

18. एड्स निम्न कारणों में से किसके द्वारा होता है ?
(A) पानी (B) जीवाणु
(C) विषाणु (D) फफूँद
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

19. आर्द्रता किस उपकरण से नापी जाती है ?
(A) हाइड्रोमीटर (B) हाइग्रोमीटर
(C) पायरोमीटर (D) लैक्टोमीटर
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

20. दाब की इकाई क्या है ?
(A) न्यूटन प्रति वर्ग मीटर
(B) न्यूटन-मीटर
(C) न्यूटन
(D) न्यूटन प्रति मीटर
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

21. अक्टूबर 2018 के प्रथम सप्ताह में भारत की रक्षा मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण किस देश की त्रिदिवसीय यात्रा पर गई थीं ?
(A) रूस (B) कजाकिस्तान
(C) यूक्रेन (D) चीन
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

22. अक्टूबर 2018 में निम्न में से किस देश की संसद ने आंग सान सू की से मानद नागरिकता वापस ले ली ?
(A) संयुक्त राष्ट्र अमरीका
(B) यूनाइटेड किंगडम
(C) नॉर्वे
(D) कनाडा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

23. निम्न में से कौन 'नाफ्टा' में सम्मिलित नहीं है ?
(A) ग्रेट ब्रिटेन
(B) कनाडा
(C) मेक्सिको
(D) संयुक्त राष्ट्र अमरीका
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

24. सितम्बर 2018 में भारत ने किस देश के साथ 'मोबिलाइज योर सिटी' समझौते पर हस्ताक्षर किया ?
(A) स्वीडन (B) जर्मनी
(C) जापान (D) फ्रांस
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

25. अगस्त 2018 में विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने किस देश में 'पाणिनि भाषा प्रयोगशाला' का उद्घाटन किया ?
(A) श्रीलंका (B) दक्षिण अफ्रीका
(C) मॉरीशस (D) इंडोनेशिया
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

26. अगस्त 2018 में किस देश ने भारतीय मूल के प्रवासी लोगों के लिए 'अंग प्रत्यारोपण की सुविधा देने सम्बन्धी कानून' बनाया है ?
(A) यूनाइटेड किंगडम
(B) कनाडा
(C) संयुक्त राष्ट्र अमरीका
(D) सिंगापुर
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

27. नवम्बर 2017 में सम्पन्न राष्ट्रपति चुनाव में एमर्सन मनांगाग्वा किस देश के राष्ट्रपति चुने गए हैं ?
(A) युगांडा (B) केन्या
(C) जिम्बाब्वे (D) घाना
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

28. किस देश में विगत दो वर्षों से लागू आपातकाल को 20 जुलाई, 2018 को समाप्त किया गया ?
(A) इराक (B) सीरिया
(C) तुर्की (D) यमन
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

29. जून 2018 में पोलियो के प्रकोप के कारण किस देश में आपातकाल लागू किया गया ?
(A) पापुआ न्यू गिनी
(B) फिजी
(C) फिलीपीन्स
(D) माली
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

30. 29 सितम्बर, 2018 को बांग्लादेश को हराकर भारत ने कुल कितनी बार क्रिकेट का एशिया कप जीता ?
(A) छठी बार (B) सातवीं बार
(C) आठवीं बार (D) नौवीं बार
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

31. 18वें एशियाई खेल, 2018 (जकार्ता) में भारत द्वारा जीते गए पदकों का सही क्रम निम्न में से कौनसा है ?

	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
(A)	15	21	33	69
(B)	15	32	22	69
(C)	15	30	24	69
(D)	15	24	30	69

(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

32. अगस्त 2018 में ए. टी. एफ के रूप में बायो-फ्यूअल का प्रयोग करने वाली प्रथम भारतीय विमानन कम्पनी कौनसी है ?
(A) जेट एयरवेज
(B) विस्तारा
(C) एयर इण्डिया
(D) स्पाइसजेट
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

33. जून 2018 में भारत की एक महत्वाकांक्षी योजना 'अटल भूजल योजना' के लिए विश्व बैंक ने कितनी धनराशि मंजूर की है ?
(A) ₹ 5,000 करोड़
(B) ₹ 6,000 करोड़
(C) ₹ 7,000 करोड़
(D) ₹ 8,000 करोड़
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

34. आई.आई.टी., खड़गपुर के अध्ययन दल की रिपोर्ट के अनुसार लगातार कितने वर्षों की न के बराबर वर्षा का होना सिन्धु घाटी सभ्यता के पतन का कारण रहा था ?
(A) 600 वर्ष (B) 700 वर्ष
(C) 800 वर्ष (D) 900 वर्ष
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

35. फरवरी 2018 में जारी भारत में वनों की स्थिति रिपोर्ट के अनुसार भारत का कितना प्रतिशत भाग वन-क्षेत्र के अन्तर्गत आता है ?
(A) 23·00% (B) 23·40%
(C) 24·00% (D) 24·40%
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

36. जनवरी 2018 में भारत के किस राज्य ने लोगों को वृक्षों के साथ मानवीय रिश्ता (भाई-बहन) बनाने की मंजूरी प्रदान की ?
(A) असम (B) सिक्किम
(C) नगालैण्ड (D) मणिपुर
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

37. 'स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण, 2018' में किस जिले को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ ?
(A) गया–बिहार
(B) तूतीकोरिन–तमिलनाडु
(C) सतारा–महाराष्ट्र
(D) मेरठ–उत्तर प्रदेश
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

38. सितम्बर 2018 में प्रारम्भ की गई भारत की किस योजना को विश्व की सबसे बड़ी बीमा योजना माना गया है ?
(A) प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना
(B) प्रधानमंत्री जन स्वास्थ्य योजना
(C) प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना
(D) प्रधानमंत्री जन धन योजना
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

39. सितम्बर 2018 में निम्न में से किस संस्थान में देश का प्रथम रेलवे विश्वविद्यालय स्थापित किया गया था ?
(A) भारतीय राष्ट्रीय रेल अकादमी–वड़ोदरा
(B) भारतीय रेलवे स्कूल–पुणे
(C) भारतीय राष्ट्रीय रेल शोध संस्थान–मैसूर
(D) भारतीय रेल कोच संस्थान–कपूरथला
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

40. JIMEX 2018 का सम्बन्ध है–
(A) जापान-भारत संयुक्त मिलिटरी प्रदर्शनी से
(B) जापान-भारत की नौसेनाओं के युद्धाभ्यास से
(C) जापान-भारत संयुक्त मोटरवाहन प्रदर्शनी से
(D) जापान-भारत संयुक्त मिसाइल कार्यक्रम से
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

41. वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु सितम्बर 2018 में 'वायु (वी. ए. वाइ. यू.)' प्रणाली का शुभारम्भ किस नगर/राज्य में किया गया ?
(A) चेन्नई (B) अमृतसर
(C) दिल्ली (D) वाराणसी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

42. निम्न में से किसके तहत् मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने 6 जनवरी, 2018 को बेगूसराय और खगड़िया जनपदों में कुल 750 से अधिक विकास योजनाओं का शुभारम्भ किया ?
(A) विकास यात्रा
(B) विकास सर्वेक्षण यात्रा
(C) नव-सृजन योजना, 2018
(D) विकास समीक्षा यात्रा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

43. 16 मार्च, 2018 को उपमुख्यमंत्री श्री सुशील मोदी ने बिहार के किस नगर में राज्य के प्रथम 'स्टार्ट-अप हब' का उद्घाटन किया ?
(A) मोतिहारी (B) मुंगेर
(C) पटना (D) आरा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

44. 22 मार्च, 2018 को बिहार राज्य के 106वें स्थापना दिवस के अवसर पर किसने पटना में नील के धब्बे नामक पुस्तक का विमोचन किया ?
(A) उपराष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू
(B) प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी
(C) गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह
(D) लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

45. मधेपुरा लोकोमोटिव फैक्ट्री में निर्मित भारत की सबसे शक्तिशाली विद्युत् रेल इंजन का सामर्थ्य है–
(A) 9000 अ.श. (B) 10000 अ.श.
(C) 11000 अ.श. (D) 12000 अ.श.
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

46. 10 अप्रैल, 2018 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'स्वच्छाग्रहियों के राष्ट्रीय सम्मेलन' को कहाँ सम्बोधित किया ?
(A) मोतिहारी (B) पटना
(C) किशनगंज (D) कटिहार
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

47. एन.डी.एम.ए. ने अप्रैल 2018 में सी.बी.आर.एन. इमर्जेन्सी पर आधारित मॉक ड्रिल का अभ्यास किस एयरपोर्ट पर किया ?
(A) आइ. जी. आइ.–नई दिल्ली
(B) एल. एन. जे. पी.–पटना
(C) सी. एस. आइ–मुम्बई
(D) डी. बी. एच–इन्दौर
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

48. एक रिपोर्ट के अनुसार, दिसम्बर 2017 से फरवरी 2018 के मध्य 4G सिग्नलों की उपलब्धता की दृष्टि से देश के 20 शहरों में पटना का स्थान है–
(A) प्रथम (B) द्वितीय
(C) उन्नीसवाँ (D) बीसवाँ
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

49. सुलभ इंटरनेशनल ने बिहार के किस नगर में सस्ती दर पर पेयजल उपलब्ध कराने हेतु 'सुलभ जल' प्रोजेक्ट प्रारम्भ किया है ?
(A) पटना (B) भागलपुर
(C) दरभंगा (D) पूर्णिया
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

50. बिहार की 'मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना' के सम्बन्ध में कौनसा असत्य है ?
(A) योजना का वार्षिक व्यय ₹ 7,221 करोड़ प्रस्तावित है
(B) शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज-कल्याण तीन विभागों द्वारा योजना का संचालन
(C) जन्म से स्नातक तक की शिक्षा पूर्ण करने पर प्रत्येक कन्या को ₹ 60,000 प्रदान किए जाएंगे
(D) कन्या शिशु के जन्म के समय उसके परिवार को ₹ 2,000 प्रदान किए जाते हैं.
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

51. भारत में पशुपालन एवं कृषि के प्राचीनतम साक्ष्य प्राप्त हुए हैं–
(A) अंजिरा से
(B) दम्ब सदात से
(C) किली गुल मोहम्मद से
(D) मेहरगढ़ से
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

52. भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण के बाद पहली बौद्ध संगीति हुई थी–
(A) राजगृह (राजगीर) में
(B) गया में
(C) पाटलिपुत्र में
(D) वैशाली में
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

53. इनमें से किसने सर्वप्रथम व्यापक पैमाने पर स्वर्णमुद्रा का प्रचलन किया ?
(A) पुष्यमित्र शुंग
(B) मेनांडर
(C) विमा कद्फिसेस
(D) गौतमीपुत्र सातकर्णी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

54. इनमें से किसने पहली बार यह व्याख्या की थी कि पृथ्वी के अपनी धुरी पर घूमने के कारण प्रतिदिन सूर्योदय एवं सूर्यास्त होता है ?
(A) आर्यभट्ट (B) भास्कर
(C) ब्रह्मगुप्त (D) वराहमिहिर
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

55. सुवर्णभूमि का वह राजा कौन था, जिसने नालन्दा में एक बौद्ध विहार की स्थापना की तथा उसके रख-रखाव हेतु अपने दूत द्वारा देवपाल से पाँच गाँव दान में देने के लिए प्रार्थना की ?
(A) धरणीन्द्र
(B) संग्रामधनंजय
(C) बालपुत्रदेव
(D) चूड़ामणिवर्मन
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

56. पेरीप्लस ऑफ द इरिथ्रयन सी किसने लिखी ?
(A) टेसियस (B) प्लिनि
(C) टॉलमी (D) स्ट्रैबो
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

57. बिहार पर बख्तियार खिलजी के हमले का पहला विवरण प्राप्त हुआ ?
(A) तारीख-इ हिन्द से
(B) तबकात-इ नासिरी से
(C) ताज-उल मासिर से
(D) तारीख-इ मुबारक शाही से
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

58. किस सुलतान ने जमीन में फसल की नपाई का आधा राजस्व के रूप में दावा किया ?
(A) इल्तुतमिश
(B) बलबन
(C) अलाउद्दीन खिलजी
(D) मुहम्मद बिन तुगलक
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

59. शेख बाहाउद्दीन जकारिया किस सम्प्रदाय के थे ?
(A) सुहरावर्दी सम्प्रदाय
(B) ऋषि सम्प्रदाय
(C) चिश्ति सम्प्रदाय
(D) फिरदौसी सम्प्रदाय
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

60. इन शासकों में से किसने अपनी सैन्य टुकड़ियों को दो सौ, दो सौ पचास एवं पाँच सौ की इकाइयों में विभाजित किया था ?
(A) बाहलुल लोदी (B) सिकन्दर शाह
(C) शेरशाह (D) इस्लाम शाह
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

61. यह कथन किसका है कि अकबर के शासन में इलाहाबाद में चालीस स्तम्भयुक्त मंजिल के निर्माण में पाँच हजार से बीस हजार लोगों ने चालीस साल तक काम किया था ?
(A) मनुची
(B) टवर्नियर
(C) विलियम फिन्च
(D) अब्दुल हमिद लाहौरी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

62. 'कश्मीर का अकबर' नाम से प्रसिद्ध सुलतान था–
(A) सुलतान शमशुद्दीन शाह
(B) सुलतान कुतुबुद्दीन
(C) सुलतान सिकन्दर
(D) सुलतान जैनुल आबिदीन
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63. 'फ़रैज़ी आंदोलन' की शुरूआत किसने की ?
(A) हाजी शरियातुल्लाह
(B) सैयद अहमद
(C) सलिमुल्लाह
(D) ए. ए. जिन्ना
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64. पुस्तक पॉवर्टी एण्ड अन-ब्रिटिश रूल इन इण्डिया किसने लिखी ?
(A) आर. सी दत्त
(B) दादाभाई नौरोजी
(C) बिपिन चन्द्र पाल
(D) लाजपत राय
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

65. बंगाल और बिहार में भूमि पर किरायेदारों के अधिकार को बंगाल किरायादारी अधिनियम द्वारा कब स्वीकार किया गया ?
(A) 1868 (B) 1881
(C) 1885 (D) 1893
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66. बिहार कब भारत में एक स्वतंत्र प्रदेश बना ?
(A) 1897 (B) 1905
(C) 1907 (D) 1912
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67. चम्पारण में गांधीजी को आमंत्रण किसने दिया ?
(A) राजेन्द्र प्रसाद
(B) राजकुमार शुक्ल
(C) मजहरुल हक
(D) कृष्ण सहाय
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

68. 1929 के कांग्रेस अधिवेशन में पूर्ण स्वराज का पताका किसने उठाया ?
(A) मौलाना मुहम्मद अली
(B) पंडित जवाहरलाल नेहरू
(C) वल्लभभाई पटेल
(D) सुभाष चन्द्र बोस
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

69. बिहार सोशलिस्ट पार्टी कब गठित हुई ?
(A) 1921 (B) 1927
(C) 1931 (D) 1934
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

70. इनमें से किसने बिहार में पहले कांग्रेस मन्त्री सभा का नेतृत्व किया ?
(A) अनुग्रह नारायण सिन्हा
(B) अब्दुल बारी
(C) जयप्रकाश नारायण
(D) श्रीकृष्ण सिन्हा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

71. निम्न में से कौनसा एक स्थलरुद्ध देश है ?
(A) बेल्जियम (B) हंगरी
(C) रूमानिया (D) यूक्रेन
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

72. निम्न में से कौनसा द्वीप क्षेत्रफल में सबसे बड़ा है ?
(A) बोर्नियो (B) ग्रेट ब्रिटेन
(C) मेडागास्कर (D) सुमात्रा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

73. निम्न में से किस क्षेत्र में भूमध्यसागरीय जलवायु प्रचलित नहीं है ?
(A) मध्य चिली (B) केप टाउन
(C) एडिलेड (D) पम्पाज़
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

74. वह देश, जो विश्व में रेशम का सबसे बड़ा उत्पादक है, है–
(A) भारत (B) चीन
(C) ब्राजील (D) जापान
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

75. संयुक्त राष्ट्र अमरीका को छोड़कर विश्व के निम्न देशों में से कौनसा देश कच्चे तेल का सर्वाधिक उत्पादन करता है ?
(A) रूस (B) चीन
(C) सऊदी अरब (D) कनाडा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

76. निम्न में से कौनसा मेघालय पठार का अंश नहीं है ?
(A) भुवन पहाड़ियाँ
(B) गारो पहाड़ियाँ
(C) खासी पहाड़ियाँ
(D) जयन्तिया पहाड़ियाँ
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

77. वह दर्रा, जो सर्वाधिक ऊँचाई में अवस्थित है, है–
(A) जोजिला (B) रोहतंग
(C) नाथू ला (D) खैबर
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

78. करेवास मृत्तिका, जो जाफ़रान (केसर का एक स्थानीय प्रकार) के उत्पादन के लिए उपयोगी है, पायी जाती है–
(A) कश्मीर हिमालय में
(B) गढ़वाल हिमालय में
(C) नेपाल हिमालय में
(D) पूर्वी हिमालय में
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

79. 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत था लगभग–
(A) 21 (B) 31
(C) 36 (D) 40
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

80. भारत सरकार के नीति (NITI) आयोग, जो आर्थिक नीति-निर्धारण का चिन्तन-समूह (think tank) है, में NITI का पूरा स्वरूप क्या है ?
(A) नेशनल इंटरनल ट्रेड इंफॉर्मेशन (राष्ट्रीय आन्तरिक व्यापार सूचना)
(B) नेशनल इंस्टिट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इण्डिया (राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान)
(C) नेशनल इंटिग्रेटेड ट्रीटि इंस्टीट्यूट (राष्ट्रीय समेकित संधि संस्थान)
(D) नेशनल इंटेलेक्चूअल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट (राष्ट्रीय बौद्धिक ट्रेनिंग संस्थान)
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

81. आजादी के बाद भाषा के आधार पर भारत के राज्यों का पुनर्गठन किस वर्ष में हुआ ?
(A) 1947 (B) 1951
(C) 1956 (D) 2000
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

82. भारत के निम्न राज्यों में से किसे 'चीनी का कटोरा' कहा जाता है ?
(A) उत्तर प्रदेश (B) महाराष्ट्र
(C) बिहार (D) हरियाणा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

83. निम्न खनिजों में से किस खनिज के उत्पादन में भारत विश्व में अग्रणी है ?
(A) चादरी अभ्रक (B) ताँबा
(C) जिप्सम (D) लौह अयस्क
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

84. एक भारतीय राज्य के रूप में बिहार बना–
(A) 1911 में (B) 1912 में
(C) 1936 में (D) 2000 में
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

85. बिहार के निम्न हिस्सों में से कौनसा हिस्सा भूतात्विक दृष्टि से अपेक्षाकृत पुराना है ?
(A) रोहतास पठार
(B) उत्तर-पश्चिमी पहाड़ियाँ
(C) खड़गपुर पहाड़ियाँ
(D) उत्तर गंगा मैदान
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

86. जुलाई 2018 तक पटना जिला बिहार के कितने जिलों से सीमाबद्ध था ?
(A) 7 (B) 8
(C) 9 (D) 10
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

87. बिहार का अधिकांश क्षेत्र आच्छादित है–
(A) पहाड़ी मिट्टी से
(B) कछारी मिट्टी से
(C) रेगुर मिट्टी से
(D) तराई मिट्टी से
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

88. भारत के राज्यों में से निम्नतम साक्षरता दर (2011 जनगणना) की दृष्टि से बिहार का स्थान है–
(A) प्रथम (B) द्वितीय
(C) तृतीय (D) चतुर्थ
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

89. भारत के राज्यों में से जूट उत्पादन की दृष्टि से बिहार का स्थान क्या है ?
(A) प्रथम (B) द्वितीय
(C) तृतीय (D) चतुर्थ
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

90. बिहार में किस प्रकार के उद्योगों की प्रत्याशा एवं संभावनाएँ हैं ?
(A) तेल-शोधनागार
(B) वन-आधारित उद्योग
(C) बालुका-खनन उद्योग
(D) कृषि-आधारित उद्योग
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

91. सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश अपने पद से त्यागपत्र किसको लिखकर दे सकता है ?
(A) राष्ट्रपति
(B) प्रधानमंत्री
(C) विधि मंत्री
(D) भारत के महान्यायवादी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

92. पिछड़ी जाति आयोग के प्रथम सभापति कौन थे ?
(A) जगजीवन राम
(B) काका साहेब कालेलकर
(C) बी. डी. शर्मा
(D) बी. आर अम्बेडकर
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

93. राज्य लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष किसके द्वारा नियुक्त किया जाता है ?
(A) संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष
(B) भारत के राष्ट्रपति
(C) राज्य के राज्यपाल
(D) मुख्यमंत्री
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

94. लोक सभा का सदस्य चुने जाने के लिए एक व्यक्ति को किस आयु से कम का नहीं होना चाहिए ?
(A) 18 वर्ष (B) 21 वर्ष
(C) 25 वर्ष (D) 30 वर्ष
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

95. किसी राज्य का राज्यपाल नियुक्त किया जाता है–
(A) प्रधानमंत्री द्वारा
(B) भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा
(C) राष्ट्रपति द्वारा
(D) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

96. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत लोक सभा में अनुसूचित जातियों के आरक्षण का प्रावधान किया गया था ?
(A) अनुच्छेद 330
(B) अनुच्छेद 331
(C) अनुच्छेद 332
(D) अनुच्छेद 333
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

97. राष्ट्रपति–
(A) संसद का हिस्सा नहीं होता है
(B) संसद का हिस्सा होता है
(C) संसद का हिस्सा होता है और संसद में बैठता है
(D) संसद में वोट दे सकता है
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

98. निम्न में से कौनसा अनुच्छेद पंचायत के गठन के लिए राज्य सरकारों को निर्देश देता है ?
(A) अनुच्छेद 33 (B) अनुच्छेद 40
(C) अनुच्छेद 48 (D) अनुच्छेद 50
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

99. किस वर्ष झारखण्ड राज्य अस्तित्व में आया ?
(A) 1998 (B) 1999
(C) 2000 (D) 2001
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

100. निम्न में से किस वर्ष सरकारिया आयोग, जिसे केन्द्र-राज्य सम्बन्धों में परिवर्तन की संस्तुति का अधिकार दिया गया था, ने अपना प्रतिवेदन जमा किया था ?
(A) 1983 (B) 1984
(C) 1985 (D) 1987
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

101. निम्न में से किस अनुच्छेद के अन्तर्गत वित्त आयोग के गठन का प्रावधान किया गया है ?
(A) अनुच्छेद 280
(B) अनुच्छेद 269
(C) अनुच्छेद 268
(D) अनुच्छेद 265
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

102. भारत का महान्यायवादी किसके द्वारा नियुक्त किया जाता है ?
(A) विधि मंत्री
(B) भारत के राष्ट्रपति
(C) लोक सभा का अध्यक्ष
(D) प्रधानमंत्री
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

103. बारहवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान कृषि एवं सहायक क्षेत्रक के लिए निम्न में से किस एक औसत वार्षिक विकास दर का लक्ष्य रखा गया था ?
(A) 3·0 प्रतिशत (B) 3·5 प्रतिशत
(C) 4·0 प्रतिशत (D) 4·5 प्रतिशत
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

104. सरकार की नीति 'मेक इन इण्डिया' का उद्देश्य है–
(A) नौकरशाही के ढीलापन को दूर करना
(B) लालफीताशाही को हटाना
(C) विनिर्माण की लागत को कम करना
(D) उत्पाद को प्रतियोगी बनाना
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

105. निम्न में से कौनसा एक औद्योगिक विकास के लिए प्रोत्साहिकी नहीं है ?
(A) मेक इन इण्डिया
(B) ईज ऑफ डूइंग बिजनेस
(C) स्टार्ट-अप इण्डिया
(D) डिजिटल इण्डिया
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

106. पुरा (ग्रामीण क्षेत्रों में नगरीय सुविधाएँ प्रदान करना) प्रारूप किसके द्वारा प्रस्तावित किया गया था ?
(A) ए. पी. जे. अब्दुल कलाम
(B) मनमोहन सिंह
(C) लालकृष्ण आडवाणी
(D) राजीव गांधी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

107. जनगणना 2011 के अनुसार, भारत में महिला साक्षरता दर थी–
(A) 60·0 प्रतिशत (B) 63·0 प्रतिशत
(C) 65·5 प्रतिशत (D) 68·5 प्रतिशत
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

108. इनमें से किसने गरीबी निवारण के प्रभावपूर्ण अस्त्र के रूप में स्वयं-सेवा समूह के विचार को दिया था ?
(A) अमर्त्य सेन
(B) मो. युनूस
(C) एस चक्रवर्ती

(D) वेंकैया नायडू
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

109. वर्तमान में, भारतीय रिजर्व बैंक का गवर्नर कौन है ?
(A) उर्जित पटेल
(B) रघुराम राजन
(C) शान्ता कुमार
(D) ललिता डी गुप्ते
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

110. निम्न में से कौनसा एक कृषि में उत्पादकता बढ़ाने का रास्ता है ?
(A) कुशल सिंचाई
(B) गुणवत्तायुक्त बीज
(C) कीटनाशकों का प्रयोग
(D) उर्वरकों का प्रयोग
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

111. निम्न में से कौनसा एक 'मनरेगा' का उद्देश्य है ?
(A) परिसम्पत्तियों का निर्माण करना
(B) सूक्ष्म-सिंचाई को प्रोत्साहित करना
(C) जल प्रबन्धन
(D) ग्रामीण आय को बढ़ाना
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

112. निम्न में से कौनसा एक संघीय बजट, 2017-18 के अभीष्ट उद्देश्यों में सम्मिलित नहीं था ?
(A) भारत को रूपान्तरित करना
(B) भारत को स्वच्छ करना
(C) भारत को शिक्षित करना
(D) भारत को ऊर्जावान बनाना
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

113. निम्न में से कौनसा एक, 20वीं शताब्दी के साठवें दशक के अंतिम दौर की 'हरित क्रांति' की प्रकृति का सबसे उचित वर्णन करता है ?
(A) हरी सब्जियों की अत्यधिक खेती
(B) गहन कृषि जिला कार्यक्रम
(C) उच्च उपज किस्म कार्यक्रम
(D) बीज-उर्वरक-जल तकनीकी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

114. इनमें से कौन नीति आयोग का सी. ई. ओ. है ?
(A) अमिताभ कांत
(B) एस. एस. मुंद्रा
(C) साइरस मिस्त्री
(D) सौम्य कांति घोष
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

115. भारतीय जनगणना, 2011 के अनुसार, निम्न राज्यों में से किस एक में जनसंख्या का घनत्व सर्वाधिक है ?
(A) केरल (B) हरियाणा
(C) बिहार (D) उत्तर प्रदेश
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

116. भारतीय जनगणना, 2011 के अनुसार, बिहार राज्य में लिंगानुपात क्या है ?
(A) 893 (B) 916
(C) 918 (D) 925
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

117. 'बिहार आर्थिक सर्वेक्षण' पहली बार किस वित्तीय वर्ष के लिए प्रकाशित किया गया था ?
(A) 2004–05 (B) 2006–07
(C) 2008–09 (D) 2009–10
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

118. बिहार में अप्रैल-जून 2018 के दौरान किस क्षेत्रक ने सर्वाधिक एफ. डी. आई इक्विटी अंतर्प्रवाह को आकर्षित किया ?
(A) सेवा क्षेत्रक
(B) इस्पात उद्योग
(C) कृषि में प्रसंस्करण उद्योग
(D) सीमेंट उद्योग
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

119. 2017-18 में बिहार राज्य में कृषि में कार्यरत् जनसंख्या का प्रतिशत क्या है ?
(A) 65 (B) 67
(C) 68 (D) 70
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

120. बिहार राज्य में वर्ष 2016-17 के दौरान आर्थिक विकास दर क्या थी ?
(A) 6·3 प्रतिशत (B) 7·3 प्रतिशत
(C) 8·3 प्रतिशत (D) 9·3 प्रतिशत
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

121. निम्न में से कौनसा ईस्ट इण्डिया कम्पनी के सिपाहियों को विद्रोही बनाने का कारण नहीं था ?
(A) ईसाई धर्म फैलाने के लिए कम्पनी के अधिकारियों के प्रयास
(B) जहाज पर यात्रा करने के लिए सिपाहियों को आदेश
(C) भत्ते की रोकथाम
(D) अधिकारियों की अक्षमता
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

122. मुगल बादशाह बहादुरशाह जफर के बारे में कहा जाता था कि उसके साम्राज्य की सीमा थी–
(A) चाँदनी चौक से पालम
(B) दिल्ली से बिहार
(C) पेशावर से बिहार
(D) पेशावर से वाराणसी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

123. इनमें से किसने अंग्रेजी ईस्ट इण्डिया कम्पनी के कन्ट्रोल के खिलाफ बगावत नहीं की ?
(A) विजयनगरम का राजा
(B) हैदराबाद का निजाम
(C) तमिलनाडु के पोलिगार
(D) त्रावणकोर के दीवान वेलु थम्पी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

124. 'नील विद्रोह' किसके बारे में था ?
(A) रैयत नील की खेती नहीं करना चाह रहे थे पर जबरदस्ती करवाई जा रही थी
(B) रैयत नील की खेती करना चाह रहे थे पर उन्हें जबरदस्ती रोका जा रहा था
(C) रैयत नील की खेती नहीं करना चाह रहे थे पर उनसे एक अमान्य मूल्य पर जबरदस्ती करवाई जा रही थी
(D) नीले रंग के झण्डे वाला एक विद्रोही आंदोलन
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

125. 1875 के 'दक्कन के दंगों' का तात्कालिक कारण था–
(A) अकाल की छाया
(B) महाजनों के द्वारा ऊँची ब्याज दर
(C) ऊँची भू-राजस्व दर
(D) जबरदस्ती किए गए धार्मिक सुधार का विरोध
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

126. रजनी पाम दत्त ने कहा, "वे साम्राज्यवाद से लड़ते भी थे और सहयोग भी करते" उन्होंने किस राजनैतिक गठबंधन के बारे में यह कहा ?
(A) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
(B) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी
(C) स्वराज पार्टी
(D) हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन असोसिएशन
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

127. निम्न में से कौनसा एक 'राष्ट्रवादी' समाचार-पत्र नहीं था ?
(A) द हिन्दू
(B) बंगाली
(C) दि महरत्ता
(D) द टाइम्स ऑफ इण्डिया
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

128. प्रार्थना समाज, यंग इण्डिया, लोक-हितवादी, सत्यशोधक समाज, रहनुमाई मज़देयसन सभा के लिए निम्न विकल्पों में से सही संयोजन पहचानिए :
(A) गोपाल हरी देशमुख, आत्माराम पांडुरंग, मोहनदास करमचंद गांधी, ज्योतिबा फुले, नौरोजी फुरदोनजी

(B) आत्माराम पांडुरंग, मोहनदास करमचंद गांधी, गोपाल हरी देशमुख, ज्योतिबा फुले, नौरोजी फुरदोनजी
(C) आत्माराम पांडुरंग, ज्योतिबा फुले, मोहनदास करमचंद गांधी, गोपाल हरी देशमुख, नौरोजी फुरदोनजी
(D) नौरोजी फुरदोनजी, आत्माराम पांडुरंग, मोहनदास करमचंद गांधी, गोपाल हरी देशमुख, ज्योतिबा फुले
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

129. नीचे दिए गए विकल्पों में से राष्ट्रवादी समाचार-पत्रों द हिन्दू, केसरी, बंगाली, हिन्दुस्तानी, सुधारक के संपादकों के नामों का सही संयोजन ज्ञात कीजिए :
(A) सुरेन्द्रनाथ बैनर्जी, जी. सुब्रमणिया अय्यर, बाल गंगाधर तिलक, गंगा प्रसाद वर्मा, गोपाल कृष्ण गोखले
(B) बाल गंगाधर तिलक, जी. सुब्रमणिया अय्यर, सुरेन्द्रनाथ बैनर्जी, गंगा प्रसाद वर्मा, गोपाल कृष्ण गोखले
(C) जी. सुब्रमणिया अय्यर, बाल गंगाधर तिलक, गंगा प्रसाद वर्मा, गोपाल कृष्ण गोखले, सुरेन्द्रनाथ बैनर्जी
(D) जी. सुब्रमणिया अय्यर, बाल गंगाधर तिलक, सुरेन्द्रनाथ बैनर्जी, गंगा प्रसाद वर्मा, गोपाल कृष्ण गोखले
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

130. बाल गंगाधर तिलक 'लोकमान्य तिलक' के नाम से जाना जाने लगे, जब–
(A) वे एक लोकप्रिय शिक्षक बने
(B) उन्होंने एक लोकप्रिय अखबार शुरू किया
(C) सरकार ने उन्हें रैंड मर्डर केस में अभियुक्त बनाया
(D) उन्होंने शिवाजी और गणपति उत्सव शुरू किया
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

131. सरकार के विरोध में असेम्बिल में बम फेंकने के समय भगत सिंह की उम्र क्या थी ?
(A) 21 साल
(B) 21 साल से थोड़ा ज्यादा
(C) 25 साल
(D) 25 साल से थोड़ा ज्यादा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

132. जलियाँवाला बाग नरसंहार किस गांधीवादी सत्याग्रह के सम्बन्ध में हुआ ?
(A) स्वदेशी सत्याग्रह
(B) रौलट सत्याग्रह
(C) बारदोली सत्याग्रह
(D) वैयक्तिक सत्याग्रह
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

133. कुँवर सिंह अंग्रेजों के खिलाफ 1857 के विद्रोह में किस जगह शामिल हुए ?
(A) आरा (B) पटना
(C) बेतिया (D) वाराणसी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

134. किस स्थान पर आदिवासियों ने अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह किया ?
(A) बिहार (B) पंजाब
(C) सिंध (D) काठियावाड़
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

135. "अतः सदैव सहमति के साथ और अक्सर वाणिज्य मण्डल के निर्देशों पर भारत सरकार चलती है और इसे 'व्हाइट मैन्स बर्डेन' कहा जाता है" यह किसने कहा था ?
(A) बंकिम चंद्र चटर्जी
(B) महात्मा गांधी
(C) सच्चिदानंद सिन्हा
(D) राजेन्द्र प्रसाद
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

136. निम्न में से महात्मा गांधी का भारत में पहला सत्याग्रह कौनसा था ?
(A) अहमदाबाद (B) बारदोली
(C) चम्पारण (D) वैयक्तिक
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

137. गांधीजी के असहयोग आंदोलन में लोगों को शराब से परहेज करने का आग्रह किया गया फलस्वरूप सरकार के राजस्व में भारी कमी आयी एक प्रदेश की सरकार ने लोगों को फिर से शराब पीने को प्रेरित करने के लिए प्रमुख व्यक्तियों की एक सूची प्रसारित की जो शराब पीते थे उस प्रदेश का नाम बताइये–
(A) आंध्र प्रदेश (B) बिहार
(C) बॉम्बे (D) गुजरात
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

138. नमक सत्याग्रह के दौरान बिहार में लोगों ने नमक बनाने के साथ-साथ किस कर के विरोध के द्वारा सरकार का विरोध किया ?
(A) चौकीदारी (B) हाथी
(C) डेवलपमेंट (D) मलबा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

139. फरवरी 1938 में बिहार की चुनी हुई सरकार ने किस कारणवश इस्तीफा दिया ?
(A) भारत का युद्ध में शरीक होना
(B) गांधी के आह्वान पर अंग्रेजों के खिलाफ सत्याग्रह
(C) अंग्रेजों द्वारा लगाया गया भारी कर
(D) राजनैतिक बंदियों को छोड़ना
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

140. बिहार किसान सभा से कौन जुड़ा था ?
(A) स्वामी सहजानंद
(B) कार्यानंद शर्मा
(C) राहुल सांकृत्यायन
(D) यदुनंदन शर्मा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

141. एक कमरा, जिसकी लम्बाई 12 मीटर, चौड़ाई 9 मीटर एवं ऊँचाई 8 मीटर है, में रखे जा सकने वाले खम्बे की अधिकतम लम्बाई है–
(A) 864 मीटर (B) 10 मीटर
(C) 17 मीटर (D) 43 मीटर
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

142. एक रेलगाड़ी, जिसकी लम्बाई 150 मीटर है, उत्तर दिशा की तरफ 144 किमी/घण्टा की गति से चलते हुए 250 मीटर लम्बे एक पुल को पार कर सकेगी–
(A) 20 सेकण्ड में (B) 100 सेकण्ड में
(C) 45 सेकण्ड में (D) 10 सेकण्ड में
(E) 28 सेकण्ड में

143. 1 और 50 के बीच कितनी अभाज्य संख्याएं आती हैं ?
(A) 17 (B) 15
(C) 14 (D) 16
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

144. यदि $x = -\frac{2}{3}$ हो, तब $9x^2 - 3x - 11$ बराबर है–
(A) – 13 (B) 13
(C) – 5 (D) – 17
(E) 17

145. एक परीक्षा में प्रत्येक उम्मीदवार हिन्दी अथवा इतिहास अथवा दोनों लेता है. 66% हिन्दी तथा 59% इतिहास लेते हैं. कुल उम्मीदवारों की संख्या 3000 थी. कितने उम्मीदवारों ने हिन्दी एवं इतिहास दोनों लिए ?
(A) 500 (B) 750
(C) 542 (D) 738
(E) 830

146. यदि $x = \sqrt{\frac{0{\cdot}00001225}{0{\cdot}00005329}}$ हो, तब x का मान है–
(A) $\frac{35}{73}$ (B) $\frac{525}{933}$
(C) $\frac{205}{403}$ (D) $\frac{135}{233}$
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

147. यदि $x + \frac{1}{y} = 1$ और $y + \frac{1}{z} = 1$ हो, तब $z + \frac{1}{x}$ का मान है–
(A) $x - y$
(B) 1

(C) अज्ञात/गणनीय नहीं है
(D) 2
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

148. 4 बहनों की औसत आयु 7 वर्ष है. यदि हम माँ की आयु जोड़ दें, तो औसत 6 वर्ष बढ़ जाती है. माँ की आयु ज्ञात कीजिए–
(A) 46 वर्ष (B) 39 वर्ष
(C) 37 वर्ष (D) 47 वर्ष
(E) 57 वर्ष

149. यदि $3^{x+8} = 27^{2x+1}$ हो, तो x का मान है–
(A) 9 (B) 1
(C) – 1 (D) 10
(E) – 10

150. यदि $S = \sum_{n=1}^{10}\left(2n + \frac{1}{2}\right)$ हो, तब S है–
(A) $55\frac{1}{2}$ (B) 56
(C) 111 (D) 115
(E) $110\frac{1}{2}$

उत्तर व्याख्या सहित

1. (E) शुद्ध पानी तथा उदासीन विलियन दोनों का pH मान 7 होता है.
2. (C) हाइड्रोजन परमाणु के नाभिक में केवल एक प्रोटोन होता है और एक इलेक्ट्रॉन इसके परितः परिक्रमा करता है. अन्य तत्वों की तरह हाइड्रोजन के नाभिक में न्यूट्रॉन नहीं होता है.
3. (A) 4. (A) 5. (A) 6. (C) 7. (D)
8. (B)
9. (B) बैंगनी प्रकाश का तरंगदैर्ध्य, दृश्य प्रकाश के सभी रंगों से कम होता है.
10. (A) 11. (D)
12. (C) विद्युत् मोटर, विद्युत् ऊर्जा को यांत्रिक ऊर्जा में बदलता है.
13. (A)
14. (B) ऐमीटर (Ammeter) विद्युत् धारा को एम्पियर में मापने हेतु प्रयुक्त यंत्र है.
15. (E) कार्बन डाइऑक्साइड एवं मीथेन, दोनों ही गैसें ग्रीन हाउस प्रभाव उत्पन्न कर वायुमण्डल का ताप बढ़ा रही हैं
16. (D) 17. (B) 18. (C) 19. (B)
20. (A) दाब की इकाई न्यूटन प्रति वर्ग मीटर है. पास्कल भी दाब का मात्रक है.
21. (B)
22. (D) म्यांमार में रोहिंग्याओं के विरुद्ध हुए सैन्य दमन के मामले में कोई समुचित कार्यवाही करने में विफल रहने पर म्यांमार की स्टेट काउंसलर आंग सान सू-की को दी गई मानद नागरिकता कनाडा सरकार ने अक्टूबर 2018 में वापस ले ली नवम्बर 2018 में एमनेस्टी इण्टरनेशनल ने भी अपना सर्वोच्च सम्मान वापस लिया है.
23. (A) 24. (D) 25. (C) 26. (A) 27. (C)
28. (C) 29. (A)
30. (B) भारत एशिया कप क्रिकेट 2018 तक सात बार जीत चुका है. विजेता वर्ष है–1984, 1988, 1990–91, 1995, 2010, 2016, 2018.
31. (D) जकार्ता–पालेमबांग में हुए 18वें एशियाई खेलों में भारत ने 15 स्वर्ण, 24 रजत व 30 कांस्य पदकों के साथ आठवाँ स्थान प्राप्त किया
32. (D) 33. (B) 34. (D) 35. (D) 36. (B)
37. (C)
38. (A) 'प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' का शुभारम्भ 23 सितम्बर, 2018 को पीएम नरेन्द्र मोदी द्वारा राँची से किया गया. सरकारी वित्त से संचालित विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है.
39. (A)
40. (B) जिमेक्स 'JIMEX 2018' 7–15 अक्टूबर, 2018 को विशाखापत्तनम में जापान-भारत द्विपक्षीय सामुद्रिक अभ्यास है.
41. (C) 42. (D) 43. (C) 44. (A) 45. (D)
46. (A) 47. (B)
48. (A) अप्रैल 2018 में Open Signal द्वारा जारी एक Report में बिहार की राजधानी पटना ने 4G नेटवर्क की उपलब्धता के मामले में देशभर के 20 शहरों को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान प्राप्त किया है.
49. (C)
50. (C) मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के अन्तर्गत मिलने वाला अनुदान–

बच्ची के जन्म होने पर–	₹ 2000
एक वर्ष की होने पर–	₹ 1000
बच्ची का टीकाकरण होने पर–	₹ 2000
सैनेटरी नैपकिन के लिए–	₹ 300
12 कक्षा उत्तीर्ण करने पर–	₹ 10000
स्नातक कक्षा उत्तीर्ण करने पर–	₹ 25000

51. (D)
52. (A) प्रथम बौद्ध संगीति 483 ई. पू. राजगृह (बिहार) में महाकश्यप की अध्यक्षता में अजातशत्रु के शासनकाल में हुई थी
53. (E) भारत ने स्वर्ण मुद्राओं का प्रचलन शक-कुषाण शासकों ने किया तथा विम कडफिसस द्वितीय पहला शासक था जिसने सर्वप्रथम सोने के सिक्के चलाए. जहाँ तक व्यापक स्तर पर इसके प्रचलन का प्रश्न है तो कनिष्क के समय में ये व्यापक रूप से प्रचलन में आए
54. (A) आर्यभट्ट गणितज्ञ एवं खगोलशास्त्री थे. अपनी धुरी पर पृथ्वी के घूर्णन की खोज आर्यभट्ट ने ही की थी. यह इन्हीं की खोज थी कि पृथ्वी के इस घूर्णन के कारण ही सूर्योदय एवं सूर्यास्त होते हैं. इन्हीं के नाम पर भारत के प्रथम सैटेलाइट का नाम आर्यभट्ट रखा गया
55. (C) बंगाल के पालवंशीय शासक देवपाल (810–850 ई.) ने सुमात्रा और जावा के शैलेन्द्रवंशी शासक बालपुत्रदेव द्वारा बनवाए गए बौद्ध विहार के अनुरक्षण के लिए पाँच गाँव अनुदान में प्रदान किए.
56. (E) 'पेरीप्लस ऑफ द इरिथ्रयन सी' विलियम एच. सौफ ने लिखी है.
57. (B) 58. (C) 59. (A) 60. (D) 61. (C)
62. (D)
63. (A) फरैजी आन्दोलन की शुरूआत 1818 में हाजी शरियातुल्लाह ने की थी.
64. (B) 65. (C)
66. (D) 22 मार्च, 1912 को बंगाल के विभाजन के बाद बिहार राज्य अस्तित्व में आया था. उस समय उड़ीसा भी बिहार राज्य में था, लेकिन 1936 में बिहार से उड़ीसा को अलग राज्य बना दिया गया. 15 नवम्बर, 2000 को बिहार से झारखण्ड को अलग राज्य बनाया गया.
67. (B)
68. (B) 'पूर्ण स्वराज्य' का प्रस्ताव लाहौर अधिवेशन 1929 में पास हुआ. इस अधिवेशन की अध्यक्षता जवाहर लाल नेहरू ने की थी.
69. (D)
70. (D) बिहार में प्रथम कांग्रेसी मंत्रिमण्डल 1937 में बना था. श्रीकृष्ण सिन्हा प्रधानमंत्री तथा अनुग्रह नारायण सिंह उप-प्रधानमंत्री बने थे. उस समय मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री कहा जाता था. आजादी के बाद 1947 में बने मंत्रिमण्डल के मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिन्हा थे तथा अनुग्रह नारायण सिंह वित्त मंत्री.
71. (B)
72. (A) विश्व का तीसरा सबसे बड़ा द्वीप बोर्नियो है. यह द्वीप पश्चिम मध्य प्रशांत में स्थित है. इसका क्षेत्र लगभग 287,300 वर्ग मीटर है. यह एशिया का सबसे लम्बा द्वीप भी है.
73. (D)
74. (B) इस समय विश्व में रेशम के उत्पादन में चीन का पहला स्थान और भारत का दूसरा स्थान है.
75. (C) वर्ष 2017 में अमरीका कच्चे तेल का सबसे बड़ा उत्पादक था इसके बाद कच्चे तेल के सबसे बड़े उत्पादक राष्ट्र क्रमशः हैं–सऊदी अरब, रूस, कनाडा, चीन, ईरान, इराक, संयुक्त अरब अमीरात, ब्राजील एवं कुवैत.
76. (A)
77. (C) विकल्प में दिए गए दर्रों की ऊँचाई–

जोजिला	– 11,575 फीट
रोहतांग	– 13,050 फीट
नाथू ला	– 14,140 फीट
खैबर	– 3,510 फीट

78. (A) 79. (B)
80. (B) **योजना आयोग** के स्थान पर **नीति आयोग** की स्थापना 1 जनवरी, 2015 को की गई थी.
81. (C) राज्य पुनर्गठन अधिनियम जुलाई 1956 ई. में पारित किया गया. इसके

अनुसार भारत में 14 राज्य तथा 5 संघ राज्यों का गठन किया गया.

82. (A) उत्तर प्रदेश चीनी उत्पादन में भारत में प्रथम स्थान पर है.

83. (A) विश्व में भारत अभ्रक के उत्पादन में प्रथम स्थान पर है. झारखण्ड देश का 50% अभ्रक का उत्पादन करता है.

84. (B) 22 मार्च, 1912 को बंगाल के विभाजन के बाद बिहार राज्य अस्तित्व में आया था. उस समय उड़ीसा भी बिहार राज्य में था, लेकिन 1936 में बिहार से उड़ीसा को अलग राज्य बना दिया गया. 15 नवम्बर, 2000 को बिहार में झारखण्ड को अलग राज्य बनाया गया.

85. (C)

86. (C) पटना जिला बिहार के जहानाबाद, अरवल, भोजपुर, सारण, वैशाली, शेखपुरा, समस्तीपुर, लखीसराय, बेगुसराय जिलों से सीमाबद्ध है.

87. (B) 88. (A) 89. (B) 90. (D) 91. (A)

92. (B) काका साहेब कालेलकर की अध्यक्षता में प्रथम पिछड़ी जाति आयोग का गठन 29 जनवरी, 1953 को हुआ था.

93. (C) राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है, परन्तु इन्हें हटाने का अधिकार राज्यपाल को नहीं है.

94. (C)

95. (C) राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति (अनुच्छेद 155) द्वारा पाँच वर्षों की अवधि के लिए की जाती है, परन्तु वह राष्ट्रपति के प्रसाद-पर्यन्त पद धारण करता है.

96. (A)

97. (B) भारतीय संसद बनती है–लोकसभा, राज्यसभा एवं राष्ट्रपति के द्वारा.

98. (B)

99. (C) 15 नवम्बर, 2000 को बिहार का विभाजन कर झारखण्ड को एक नया राज्य बनाया गया.

100. (E) सरकारिया आयोग का गठन जून 1983 में भारत सरकार द्वारा किया गया था. अपनी रिपोर्ट जनवरी 1988 में प्रस्तुत की.

101. (A) 102. (B) 103. (C) 104. (E)

105. (E) 'डिजिटल इंडिया', औद्योगिक विकास का प्रोत्साहन कारण न होकर लोगों को डिजिटल वर्ल्ड के प्रति जागरूक करने का एक प्रयास है, वहीं 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' एक रैंकिंग है तथा यह औद्योगिक विकास के लिए किए गए प्रयासों के आधार पर तैयार की जाती है.

106. (A)

107. (C) वर्ष 2011 की जनगणना के फाइनल आँकड़ों के अनुसार भारत में महिला साक्षरता दर 64·6 प्रतिशत थी.

108. (B)

109. (E) वर्तमान में दिसम्बर 2018 से RBI गवर्नर शक्तिकांत दास हैं.

110. (E) कृषि में उत्पादकता बढ़ाने के लिए कुशल सिंचाई, उत्कृष्ट बीज, ऑर्गेनिक उर्वरक एवं ऑर्गेनिक कीटनाशक का प्रयोग अनिवार्य है.

111. (E) मनरेगा के बारे में सरकार की अधिकारिक साइट पर दी गई जानकारी के अनुसार मनरेगा का उद्देश्य ग्रामीण गरीबों के लिए परिसम्पत्तियों का निर्माण कर उनकी आजीविका के संसाधनों एवं आय में वृद्धि करना है. अतः यहाँ विकल्प A एवं D दोनों सही होंगे.

112. (C)

113. (D) भारत में हरित क्रांति साठ के दशक में डॉ. स्वामीनाथन के नेतृत्व में उच्च उपज देने वाले बीज, उर्वरक एवं जल तकनीकी के प्रयोग से आई.

114. (A)

115. (C) वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार बिहार का जनसंख्या घनत्व है–1,106. वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला राज्य प. बंगाल था.

116. (C) 117. (B)

118. (E) रिजर्व बैंक के अनुसार अप्रैल-जून 2018 में बिहार में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश का अन्तर्प्रवाह शून्य रहा था.

119. (D) बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2017-18 के अनुसार राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का लगभग 18% हिस्सा आता है, जबकि 70% जनसंख्या अपनी जीविका के लिए इस क्षेत्र पर निर्भर है.

120. (E) 2016-17 के दौरान बिहार की आर्थिक विकास दर 10·2% थी.

121. (D) 122. (A) 123. (B) 124. (C)

125. (B) महाराष्ट्र के पुणे और अहमदनगर (दक्कन) जिलों में किसानों ने साहूकारों के विरुद्ध विद्रोह 1874-75 में किया. साहूकारों और महाजनों के चंगुल से बचने के लिए 1874 में सिरुर तालुका के बारडाह गाँव में विद्रोह प्रारम्भ हुआ, जो देखते-देखते छः तालुकों के 33 स्थानों पर फैल गया. 12 मई, 1875 को भीमरथी तालुका के 'सूपा' कस्बे में यह आन्दोलन हिंसक हो गया, शेष स्थानों पर यह आन्दोलन अहिंसक रहा. आन्दोलनकारियों का उद्देश्य था, साहूकार ऋणदाताओं के पास रखे हुए ऋणपत्रों, डिग्रियों आदि को छीन कर नष्ट करना, साहूकारों के साथ व्यक्तिगत हिंसा का प्रयोग केवल तभी हुआ जब उन्होंने दस्तावेजों को बचाना चाहा.

126. (A)

127. (D) भारत में अंग्रेजों द्वारा संपादित समाचार पत्रों में प्रमुख इस प्रकार थे– टाइम्स ऑफ इण्डिया (1861), स्टेटसमैन (1870), फ्रेंड ऑफ इण्डिया, मद्रास मेल, पायनियर (इलाहाबाद), सिविल एण्ड मिलिटरी गजट (1876, लाहौर), इंग्लिशमैन आदि.

128. (B) 129. (D) 130. (C)

131. (B) 1929 में असेम्बली में बम फेंकते समय सरदार भगत सिंह की आयु लगभग साढ़े 22 वर्ष थी.

132. (B)

133. (A) जुलाई 1857 में बिहार के आरा में वीर कुँवर सिंह ने अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह का नेतृत्व किया था, जिसमें कुँवर सिंह पराजित हो गये थे. उसके बाद इनका निधन हो गया था.

134. (A) आदिवासियों के मुंडा विद्रोह (बिरसा मुंडा के नेतृत्व में) और संथाल विद्रोह दोनों ही बिहार के संथाल परगना (अब झारखण्ड) में हुए थे.

135. (C)

136. (C) महात्मा गांधी ने 1917 में अपने प्रसिद्ध अस्त्र 'सत्याग्रह' का प्रयोग भारत में सर्वप्रथम चम्पारण (बिहार) में किया था.

137. (B)

138. (A) सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान बिहार में चौकीदारी कर न अदा करने का आन्दोलन चलाया. यह आन्दोलन मुंगेर, सारन तथा भागलपुर जिलों में काफी सफल रहा.

139. (D)

140. (E) 1929 में स्वामी सहजानंद सरस्वती ने बिहार किसान सभा की स्थापना की थी. इससे जुड़े अन्य नेता थे–राहुल सांकृत्यायन, यदुनंदन शर्मा, कार्यानंद शर्मा, रामनंदन मिश्रा, किशोरी प्रसन्न सिन्हा, पुष्पोदय शर्मा आदि.

141. (C) अभीष्ट खम्भे की लम्बाई
= कमरे का विकर्ण
$= \sqrt{(12)^2 + (9)^2 + 8^2}$
$= \sqrt{144 + 81 + 64}$
$= \sqrt{289} = 17$ मीटर

142. (D) रेलगाड़ी की गति
= 144 किमी/घण्टा
$= 144 \times \frac{5}{18}$ मी/से
= 40 मी/से.
अभीष्ट समय $= \frac{(150 + 250)}{40}$
$= \frac{400}{40} = 10$ सेकण्ड

143. (B) अभीष्ट संख्या = 2, 3, 5, 7, 11, 13, 17, 19, 23, 29, 31, 37, 41, 43, 47
अतः 1 से 50 के बीच में कुल 15 अभाज्य संख्याएँ हैं.

144. (C) $9x^2 - 3x - 11 = 9\left(-\frac{2}{3}\right)^2$
$-3\left(-\frac{2}{3}\right) - 11$

शेष पृष्ठ 166 पर

समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. बायो-गैस प्रोन्नयन हेतु भारत सरकार की एक पहल 'सतत' (SATAT–सस्टेनेबुल आल्टरनेटिव टुवार्डस एफोर्डेबुल ट्रांसपोर्टेशन) है ? इस हेतु निम्न में से कौनसे निकाय एक साथ जुड़े हैं ?
   I. इण्डियन ऑयल कॉर्पोरेशन
   II. भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि.
   III. हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि.
   IV. रिलायंस पेट्रोलियम
   सही कूट है–
   (A) केवल I
   (B) केवल II एवं III
   (C) केवल I, II एवं III
   (D) I, II, III एवं IV

2. निम्न में से किसका सम्बन्ध पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण से नहीं है ?
   (A) SATAT (B) UNSDF
   (C) LEMOA (D) WAYO

3. 2017-18 में कौनसा देश भारत का सबसे बड़ा व्यापार साझीदार है ?
   (A) संयुक्त राज्य अमरीका
   (B) संयुक्त अरब अमीरात
   (C) चीन
   (D) यूनाइटेड किंगडम

4. 2017-18 में निम्न में से किस राज्य/केन्द्रशासित क्षेत्र में ऋण/जीडीपी अनुपात सर्वाधिक था ?
   (A) पुदुचेरी (B) सिक्किम
   (C) जम्मू-कश्मीर (D) असम

5. मापन की किस इकाई को 2018 में पुनर्परिभाषित किया गया ?
   (A) मीटर (B) किलोग्राम
   (C) लिटर (D) सेकण्ड

6. अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की वैश्विक मजदूरी रिपोर्ट 2018 के अनुसार पुरुष श्रमिकों की तुलना में महिला श्रमिकों को प्रति घण्टा अधिक मजदूरी का भुगतान निम्न में से किस देश में किया जाता है ?
   (A) बांग्लादेश (B) स्वीडन
   (C) द. अफ्रीका (D) स्विट्जरलैण्ड

7. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का ऋण जानबूझकर न चुकाने वाले बकायादारों के विरुद्ध 'लुकआउट' नोटिस जारी करने की माँग निम्न में से किसके द्वारा की जा सकती है ?
   I. भारतीय रिजर्व बैंक
   II. रिसर्च एण्ड एनालिसित बैंक
   III. इण्टरपोल के नामित अधिकारी
   IV. प्रवर्तन निदेशालय
   V. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के अध्यक्ष/महाप्रबन्धक/सीईओ
   सही कूट है–
   (A) केवल I, II एवं III
   (B) केवल I एवं IV
   (C) I, II, III, IV एवं V
   (D) केवल V

8. भारत की सबसे बड़ी 'शुष्क गोदी' (Dry Dock) कहाँ विकसित की जा रही है ?
   (A) कोचीन बन्दरगाह
   (B) विशाखापत्तनम बंदरगाह
   (C) काण्डला बन्दरगाह
   (D) हल्दिया बन्दरगाह

9. MUDRA योजना के प्रारम्भ किए जाने के बाद से ऋण वितरण में किस राज्य का हिस्सा सर्वाधिक रहा है ?
   (A) उत्तर प्रदेश (B) मध्य प्रदेश
   (C) तमिलनाडु (D) कर्नाटक

10. 'सौभाग्य' योजनान्तर्गत नवम्बर 2018 के अन्तर्गत निम्न में से किस राज्य ने शतप्रतिशत घरों के विद्युतीकरण का लक्ष्य प्राप्त कर लेने में सफलता प्राप्त कर ली ?
    I. मध्य प्रदेश, त्रिपुरा एवं बिहार
    II. जम्मू-कश्मीर, उत्तराखण्ड तथा मिजोरम
    III. सिक्किम, तेलंगाना एवं प. बंगाल
    (A) केवल I
    (B) केवल I एवं II
    (C) I, II एवं III
    (D) केवल I एवं III

11. निम्न में से कौनसी समावेशी वित्तीयन की ध्वजवाहक (Flagship) योजना है ?
    (A) नो-फिल्स एकाउण्ट योजना
    (B) प्रधानमन्त्री जन-धन योजना
    (C) अटल पेंशन योजना
    (D) लीड बैंक योजना

12. 'क्यूट' (Qute) नामक 'क्वाडरी-साइकिल' (Quadricycles) का विनिर्माण किस कम्पनी द्वारा किया जा रहा है ?
    (A) महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा
    (B) टाटा मोटर्स
    (C) बजाज ऑटो
    (D) एपीआई मोटर्स

13. भारत के किस भूभाग के निवासी आज भी शेष विश्व से अलग-थलग हैं ?
    (A) सेन्टीनेट द्वीप (अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह)
    (B) नील द्वीप (अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह)
    (C) अगाती द्वीप (लक्षद्वीप)
    (D) फाउंगपुई (मिजोरम)

14. भारत का कौनसा निकाय 'शैडो बैंकिंग' का सर्वाधिक प्रमुख एवं चर्चित निकाय है ?
    (A) इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एण्ड फायनेंशियल सर्विसेज
    (B) रीजनल रूरल बैंक
    (C) पेमेण्ट्स बैंक
    (D) स्माल फायनेन्स बैंक

15. निम्न में से कौनसा निकाय संयुक्त राष्ट्र संघ का एक निकाय नहीं है ?
    (A) सुरक्षा परिषद्
    (B) विश्व बौद्धिक सम्पदा संगठन
    (C) विश्व व्यापार संगठन
    (D) खाद्य एवं कृषि संगठन

16. इण्डिया इण्टरनेशनल साइंस फेस्टीवल 2018 कहाँ आयोजित किया गया ?
    (A) नई दिल्ली (B) लखनऊ
    (C) बेंगलूरू (D) कोलकाता

17. 'Oneer TM' है एक–
    (A) पेयजल विसंक्रमण प्रणाली हेतु एक अभिनव प्रौद्योगिकी
    (B) विषाणुनाशक हर्बल औषधि
    (C) जैविक खाद
    (D) घातक जीवाणु

18. मानव संसाधन विकास मन्त्रालय द्वारा निम्न में से कौनसी पहलें प्रारम्भ की गयी हैं ?
    I. IMPRESS
    II. SPARC
    III. SAMADHAN
    IV. SAMPADA
    सही कूट है–
    (A) केवल I एवं II
    (B) केवल III एवं IV
    (C) I, II, III एवं IV
    (D) केवल I

19. 'Time Bank' मॉडल निम्न में से किसके लिए अपनाया जा रहा है ?
    (A) कामकाजी महिलाओं के बच्चों की देखभाल

(B) वृद्धजनों की देखभाल
(C) कुष्ठरोग से प्रभावित लोगों की देखभाल
(D) बेसहारा बच्चों की देखभाल

20. निम्न में से कौनसा 'उद्योग 4·0' से निकट रूप से सम्बद्ध है ?
I. सायबर फिजीकल सिस्टम्स
II. इण्टरनेट ऑफ थिंग्स
III. इण्टरनेट ऑफ सिस्टम्स
IV. आर्टीफिसियल इण्टेलीजेन्स
V. ब्लॉकचेन
सही कूट है–
(A) I, II, III, IV एवं V
(B) केवल I, III एवं V
(C) केवल II
(D) केवल I, II, III एवं IV

21. निम्न में से कौनसा सांविधिक शहरी निकाय है ?
I. नगरपालिका
II. कैण्टूनमेण्ट
III. नगर निगम
IV. नोटीफाइड टाउन एरिया
सही कूट है–
(A) केवल II
(B) केवल I एवं II
(C) केवल I, II, एवं III
(D) I, II, III एवं IV

22. निम्न में से कौनसा तेजी से बढ़ते शहरीकरण का एक कारण नहीं है ?
(A) जनसंख्या की तीव्र वृद्धि
(B) गाँवों से शहरों की ओर जनसंख्या का पलायन
(C) उद्योग एवं व्यापार का विस्तार
(D) उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात में वृद्धि

23. निम्न में से कौनसी योजना जनजातीय महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु प्रारम्भ की गयी है ?
I. एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय
II. आश्रम विद्यालय
III. आदिवासी महिला सशक्तिकरण योजना
IV. वनोत्पादों पर अधिकार
सही कूट है–
(A) केवल III
(B) केवल III एवं IV
(C) केवल II, III एवं IV
(D) I, II, III एवं IV

24. 'SFURTI' का सम्बन्ध निम्न में से किससे है ?
(A) पारम्परिक उद्योगों का विकास
(B) ग्रामोद्योगों का विकास
(C) मुस्लिम युवाओं में सकल नामांकन अनुपात में वृद्धि
(D) घुमन्तू जातियों का विकास

25. निम्न में से कौनसी योजना सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के विकास की एक अनन्य योजना है ?
(A) ZED-योजना
(B) TRED योजना
(C) My MSME पहल
(D) उपर्युक्त सभी

26. "MeToo" अभियान निम्न में से किससे सम्बन्धित है ?
(A) यौन उत्पीड़न एवं महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के विरुद्ध पीड़ित महिलाओं द्वारा आवाज उठाना
(B) बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना
(C) दिव्यांगजनों के कल्याण की एक योजना
(D) पशुओं के विरुद्ध क्रूरता को रोकना

27. भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग ने वित्तीय समावेशन सूचकांक जारी करने का निर्णय लिया है. सूचकांक में प्रयुक्त किए जाने वाले मापक आयाम हैं–
I. वित्तीय सेवाओं तक पहुँच
II. वित्तीय सेवाओं का उपयोग
III. वित्तीय सेवाओं की गुणवत्ता
IV. वित्तीय सेवाओं का आकार
सही कूट है–
(A) केवल I एवं II
(B) केवल I, II एवं III
(C) केवल II, III एवं IV
(D) I, II, III एवं IV

28. चक्रवातों के निम्न समूह में कौनसा एक अलग प्रकार का है ?
(A) फिथाई (Phethai)
(B) मार्कस (Marcus)
(C) गाजा (Gaja)
(D) तितली (Title)

29. 'मानवता के लिए भारत' (India for Humanity) निम्न में किसकी सेवाओं के लिए समर्पित एक कार्यक्रम है ?
(A) सन्त मदर टेरेसा
(B) डॉ. बी. आर. अम्बेडकर
(C) महात्मा गांधी
(D) परमहंस रामकृष्ण

30. भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक धरोहर ट्रस्ट द्वारा 17वीं शताब्दी के प्रतिष्ठित पुल 'ऊँट कडाल' का पुनरुद्धार करने का निर्णय लिया गया है. यह पुल कहाँ स्थित है ?
(A) डल झील (श्रीनगर) के बीच
(B) चिल्का झील (ओडिशा) के बीच
(C) सांभर झील (राजस्थान) के बीच
(D) पिछोला झील (राजस्थान) के बीच

उत्तर व्याख्या सहित

1. (C)
2. (C) SATAT– सस्टेनेबुल आल्टरनेटिव टुवार्डस एफोर्डेबुल ट्रांसपोर्टेशन
UNSDF–यूनाइटेड नेशन्स सस्टेनेबुल डेवलपमेन्ट फ्रेमवर्क
LEMOA–लॉजिस्टिक एक्सचेन्ज मेमो-रेण्डम ऑफ एग्रीमेन्ट
WAYU–विन्ड ऑगमेन्टेशन प्यूरीफायिंग यूनिट
3. (C) 84·4 अरब डॉलर के कुल व्यापार के साथ चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापार साझीदार देश था; 74·3 अरब डॉलर के कुल व्यापार के साथ सं. रा. अमरीका दूसरे स्थान पर था.
4. (A) पुदुचेरी में ऋण/जीडीपी अनुपात 49·2% था इसके बाद जम्मू-कश्मीर 45·9% था
5. (B) किलोग्राम का भार Le grandek नामक एक सिलिण्डर के रूप में मापा जाता रहा है. इसे अब नए सिरे से Planck's Constant(h) के रूप में पुनर्परिभाषित किया गया है.
6. (A) 7. (C) 8. (A)
9. (C) मुद्रा (Micro Units Development and Refinance Agency) योजना के अन्तर्गत सर्वाधिक 10·49% (₹ 71517 करोड़) ऋण तमिलनाडु में, 10·01% (₹ 68322 करोड़) कर्नाटक में, 9·35% (₹ 64058 करोड़) महाराष्ट्र में तथा 9·35% (₹ 58710 करोड़) उत्तर प्रदेश में वितरित किए गए.
10. (C) 11. (B)
12. (C) क्वाडरीसाइकिल तिपहिया वाहनों के आकार का एक नया वाहन है, जिसमें चार पहिए लगे हैं यह कार की तरह चारों ओर से बन्द है, लेकिन इसका इंजिन तिपहिया वाहनों जैसा है.
13. (A) 14. (A) 15. (C) 16. (B) 17. (A)
18. (A) 19. (B) 20. (A) 21. (D) 22. (D)
23. (D) 24. (A) 25. (D) 26. (A) 27. (B)
28. (B) A, C, D चक्रवातों ने भारत के पूर्वी तट को प्रभावित किया था, जबकि B मार्कस ने उत्तरी आस्ट्रेलिया के डार्विन शहर को प्रभावित किया था.
29. (C) भारत के विदेशी मामलों के मन्त्रालय द्वारा महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती समारोहों के एक घटक के रूप में प्रारम्भ किए गए मानवता की सेवा पहल के अन्तर्गत 'भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति' कृत्रिम अंग फिटनेस शिविर लगाए जाएंगे. 1975 में स्थापित यह समिति अपने प्रसिद्ध 'जयपुर फुट' के लिए जानी जाती है.
30. (A) ●●●

आगामी बैंक पी.ओ., एम.बी.ए. आदि परीक्षाओं के लिए विशेष हल प्रश्न

उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता

1. भारत की निम्नलिखित महिला उद्यमियों को उनकी सम्बन्धित कम्पनियों के साथ सुमेलित कीजिए :

उद्यमी

(a) किरन मजूमदार शॉ
(b) शोभना भरतिया
(c) रोशनी नडार
(d) लीना तिवारी

कम्पनी

1. एचसीएल
2. बायोकॉन
3. यूएसवी इण्डिया
4. एचटी मीडिया

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	4	1	3
(B)	2	4	3	1
(C)	4	2	1	3
(D)	3	4	2	1

2. भारत के सालाना कृषिगत निर्यात वर्तमान में लगभग कितने अरब डॉलर के हैं ?
(A) 10 अरब डॉलर
(B) 20 अरब डॉलर
(C) 30 अरब डॉलर
(D) 40 अरब डॉलर

3. केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकृत नई कृषि निर्यात नीति (2018) में वर्ष 2022 तक देश के कृषिगत निर्यात कितने तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है ?
(A) 20 अरब डॉलर
(B) 40 अरब डॉलर
(C) 60 अरब डॉलर
(D) 80 अरब डॉलर

4. दिसम्बर 2018 में बोगीबील सेतु का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया है यह महत्वपूर्ण सेतु किस नदी पर है ?
(A) गंगा (B) लोहित
(C) गोदावरी (D) ब्रह्मपुत्र

5. बोगीबील सेतु किस राज्य में है ?
(A) असम (B) बिहार
(C) महाराष्ट्र (D) गुजरात

6. सतत् विकास लक्ष्यों के सम्बन्ध में एसडीजी इण्डिया इन्डेक्स बेसलाइन रिपोर्ट 2018 निम्नलिखित में से किसके द्वारा जारी की गई है ?
(A) नीति आयोग
(B) मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(C) वित्त मंत्रालय
(D) भारतीय रिजर्व बैंक

7. निम्नलिखित में से किस तिथि से केवल बीएस-6 मानकों के अनुरूप निर्मित वाहनों की बिक्री ही भारत में हो सकेगी ?
(A) 1 अप्रैल, 2019
(B) 1 अप्रैल, 2020
(C) 1 अप्रैल, 2021
(D) 1 अप्रैल, 2022

8. दिसम्बर 2018 में घोषित मौद्रिक नीति वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए रिजर्व बैंक की कौनसी मौद्रिक नीति थी ?
(A) पहली (B) तीसरी
(C) पाँचवीं (D) छठी

9. **स्ट्रैटजी फॉर न्यू इण्डिया @75** निम्नलिखित में से किसके द्वारा जारी किया दस्तावेज है ?
(A) वित्त मंत्रालय
(B) रिजर्व बैंक
(C) स्विफ्ट इण्डिया
(D) नीति आयोग

10. भारत में बैंकिंग जगत् की प्रमुख दरों को बढ़ते हुए क्रम में (Ascending order) में व्यवस्थित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर छाँटिए–
(a) बैंक दर
(b) रेपो दर
(c) रिवर्स रेपो दर
(d) नकद आरक्षण अनुपात
(A) (a), (b), (c), (d)
(B) (d), (c), (b), (a)
(C) (c), (d), (b), (a)
(D) (d), (a), (b), (c)

11. शून्य दर सहित जीएसटी की कुल कितनी दरें वर्तमान में लागू हैं ?
(A) 3 (B) 4
(C) 5 (D) 6

12. देश में जीएसटी की उच्चतम दर क्या है ?
(A) 18 प्रतिशत (B) 28 प्रतिशत
(C) 33 प्रतिशत (D) 38 प्रतिशत

13. बढ़ते हुए कर भारों के प्रति असंतोष एवं विरोध व्यक्त करने के लिए किस देश में हाल ही में एक आंदोलन जनता ने चलाया था, जिसे 'येलो वैस्ट मूवमेंट' नाम दिया गया था ?
(A) फ्रांस (B) इटली
(C) टर्की (D) जापान

14. विगत वर्षों में भारत की निम्नलिखित में से कौनसी सुंदरी मिस वर्ल्ड चुनी जा चुकी हैं ?
1. सुष्मिता सेन 2. लारा दत्ता
निम्नलिखित कूटों में सही उत्तर छाँटिए–
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 व 2 दोनों (D) न तो 1 न ही 2

15. निम्नलिखित में से किसकी स्मृति में ₹ 75 मूल्य का स्मारक सिक्का दिसम्बर 2018 में सरकार ने जारी किया है ?
1. अटल बिहारी वाजपेयी की जयन्ती
2. सुभाष चन्द्र बोस द्वारा 1943 में पोर्ट ब्लेयर में तिरंगा फहराने
निम्नलिखित कूटों में से सही उत्तर छाँटिए–
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 व 2 दोनों (D) न तो 1 न ही 2

16. निम्नलिखित में से नदी के ऊपर बना कौनसा सेतु भारत में अब सबसे लम्बा सेतु (Bridge) है ?
(A) बोगीबील
(B) बांद्रा वर्ली सी लिंक
(C) महात्मा गांधी सेतु
(D) भूपेन हजारिका सेतु

17. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें एक को कथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है–
कथन (A) : नकद आरक्षण अनुपात (CRR) के प्रावधानों के तहत् बैंकों को अपनी जमाओं का कुछ प्रतिशत अनुपात रिजर्व बैंक के पास जमा करना होता है.
कारण (R) : इन जमाओं पर निश्चित ब्याज बैंकों को प्राप्त होता है.
नीचे दिए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :
कूट :
(A) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है
(B) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, परन्तु कारण (R) कथन (A) की व्याख्या नहीं है
(C) कथन (A) सही है, किन्तु कारण (R) गलत है
(D) कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है

18. निम्नलिखित में से किस देश के साथ एक स्वतंत्र व्यापार समझौता यूरोपीय संघ ने नवम्बर 2018 में सम्पन्न किया है ?
(A) द कोरिया
(B) जापान
(C) आस्ट्रेलिया
(D) संयुक्त अरब अमीरात

19. निम्नलिखित में किसने देश के उद्योग व्यापार जगत् के अग्रणी संगठन फिक्की (FICCI) के नए अध्यक्ष के रूप में कार्यभार दिसम्बर 2018 में सँभाला है ?
(A) संगीता रेड्डी (B) पंकज पटेल
(C) राशेश शाह (D) संदीप सोमानी

20. अनुपम खेर के त्यागपत्र के पश्चात् निम्नलिखित में से किसे फिल्म एण्ड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इण्डिया का

नया अध्यक्ष दिसम्बर 2018 में नियुक्त किया गया है ?
(A) बिजेन्द्र पाल सिंह
(B) गजेन्द्र चौहान
(C) इरफान खान
(D) अमिताभ बच्चन

21. चार अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों वाला भारत का पहला राज्य कौनसा है ?
(A) महाराष्ट्र (B) गुजरात
(C) केरल (D) उत्तर प्रदेश

22. निम्नलिखित युग्मों में से कौनसा सही सुमेलित नहीं है ?

संस्था	प्रमुख
(A) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष	– क्रिस्टीन लगार्ड
(B) विश्व बैंक	– रॉबर्ट जोएलिक
(C) विश्व व्यापार संगठन	– रॉबर्टो एजवेडो
(D) न्यू डेवलपमेंट बैंक	– के. वी. कामथ

23. भारतीय मूल की गीता गोपीनाथ ने निम्नलिखित में से किस संस्था में प्रधान अर्थशास्त्री के रूप में कार्यभार 1 जनवरी, 2019 से सँभाला है ?
(A) विश्व बैंक
(B) विश्व व्यापार संगठन
(C) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
(D) न्यू डेवलपमेंट बैंक

24. वित्तीय वर्ष 2018-19 में भारत में जीडीपी में वृद्धि कितने प्रतिशत रहने का अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक ने दिसम्बर 2018 में इस वित्तीय वर्ष की पाँचवीं द्वैमासिक मौद्रिक नीति में व्यक्त किया है ?
(A) 6·7 प्रतिशत (B) 7·2 प्रतिशत
(C) 7·4 प्रतिशत (D) 7·6 प्रतिशत

25. 'फिच रेटिंग' ने भारत के लिए 2017-18 में जीडीपी वृद्धि के अपने पूर्वानुमान में कटौती दिसम्बर 2018 में की है ताजा आकलन में यह वृद्धि कितने प्रतिशत अनुमानित है ?
(A) 7·0 प्रतिशत (B) 7·2 प्रतिशत
(C) 7·4 प्रतिशत (D) 7·6 प्रतिशत

26. निम्नलिखित में किस भारतीय उद्यमी को फ्रांस के शीर्ष नागरिक सम्मान शेवेलियर डिला लिजन डि ऑर्डर से दिसम्बर 2018 में सम्मानित किया गया है ?
(A) राकेश भारती मित्तल
(B) राजीव तलवार
(C) अजीम प्रेमजी
(D) एन. आर. नारायणमूर्ति

27. सूची I तथा सूची II को सुमेलित कीजिए–

सूची-I
(a) राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस
(b) राष्ट्रीय गणित दिवस
(c) राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस
(d) राष्ट्रीय किसान दिवस

सूची-II
1. 14 दिसम्बर 2. 23 दिसम्बर
3. 22 दिसम्बर 4. 24 दिसम्बर

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	3	1	2	4
(C)	4	3	1	2
(D)	4	1	3	2

28. निम्नलिखित में से कौनसा सुमेलित नहीं है ?

शिखर सम्मेलन (2018)	स्थल
(A) जी-20	हैम्बर्ग (जर्मनी)
(B) आसियान	सिंगापुर
(C) एपेक	पापुआ न्यू गिनी
(D) एसेम	ब्रूसेल्स

29. बिहार में राज्य राजमार्गों के विकास हेतु किस अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय एजेंसी के साथ एक ऋण समझौते पर हस्ताक्षर सरकार ने दिसम्बर 2018 में किए हैं ?
(A) अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम
(B) एशियाई विकास बैंक
(C) अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ
(D) न्यू डेवलपमेंट बैंक

30. मानव संसाधनों के विकास की स्थिति के आकलन के लिए ह्यूमन कैपिटल इन्डेक्स किसके द्वारा जारी किए गए हैं ?
(A) विश्व बैंक
(B) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम
(C) अंकटाड (UNCTAD)
(D) विश्व आर्थिक मंच (World Economic Forum)

उत्तरमाला

1.	(A)	2.	(C)	3.	(C)	4.	(D)	5.	(A)
6.	(A)	7.	(B)	8.	(C)	9.	(D)	10.	(B)
11.	(C)	12.	(B)	13.	(A)	14.	(D)	15.	(B)
16.	(D)	17.	(C)	18.	(B)	19.	(D)	20.	(A)
21.	(C)	22.	(B)	23.	(C)	24.	(C)	25.	(B)
26.	(C)	27.	(C)	28.	(A)	29.	(B)	30.	(A)

●●●

शेष पृष्ठ 162 का

$$= 9 \times \frac{4}{9} + 2 - 11$$
$$= 4 + 2 - 11$$
$$= -5$$

145. (B) हिन्दी तथा इतिहास दोनों लेने वाले उम्मीदवारों का प्रतिशत
$$= 66 + 59 - 100$$
$$= 125 - 100 = 25\%$$
हिन्दी तथा इतिहास दोनों लेने वाले उम्मीदवारों की संख्या
$$= 3000 \times \frac{25}{100}$$
$$= \frac{3000}{4} = 750$$

146. (A) $x = \sqrt{\frac{0{\cdot}00001225}{0{\cdot}00005329}}$
$$= \sqrt{\frac{1225}{5329}} = \frac{35}{73}$$

147. (B) $\Rightarrow x + \frac{1}{y} = 1$
$$x = 1 - \frac{1}{y} = \frac{y-1}{y}$$
$$\frac{1}{x} = \frac{y}{(y-1)} \quad \ldots(i)$$
$$\Rightarrow y + \frac{1}{z} = 1$$
$$\frac{1}{z} = 1 - y$$
$$z = \frac{1}{(1-y)} \quad \ldots(ii)$$
$$\therefore z + \frac{1}{x} = \frac{1}{(1-y)} + \frac{y}{(y-1)}$$
$$= \frac{y-1+y-y^2}{(1-y)\ (y-1)}$$
$$= \frac{2y-1-y^2}{-(y-1)\ (y-1)}$$
$$= \frac{-(y^2-2y+1)}{-(y-1)\ (y-1)}$$
$$= \frac{(y-1)^2}{(y-1)^2} = 1$$

148. (C) माँ की आयु $= 5 \times (7+6) - 4 \times 7$
$$= 5 \times 13 - 28$$
$$= 65 - 28$$
$$= 37 \text{ वर्ष}$$

149. (B) $3^{(x+8)} = 27^{(2x+1)}$
$$3^{(x+8)} = (3^3)^{(2x+1)}$$
$$3^{(x+8)} = 3^{3(2x+1)}$$
$$\therefore x + 8 = 3(2x+1)$$
$$x + 8 = 6x + 3$$
$$6x - x = 8 - 3$$
$$5x = 5$$
$$x = 1$$

150. (D) $S = \sum_{n=1}^{10}\left(2n + \frac{1}{2}\right)$
$$= \left(2\times1+\frac{1}{2}\right) + \left(2\times2+\frac{1}{2}\right) \ldots \left(2\times10+\frac{1}{2}\right)$$
$$= \frac{10(2+20)}{2} + 10 \times \frac{1}{2}$$
$$= 5 \times 22 + 5$$
$$= 110 + 5$$
$$= 115$$

●●●

पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के बढ़ते चरण : एक दृष्टि में

(Growing Steps of Research and Development (R&D) in Animal Husbandry, Dairying and Fisheries Sector : At a Glance)

निःसंदेह ! भारतीय कृषि एवं सम्बन्धित क्षेत्र (पशुपालन, वानिकी, मत्स्य पालन आदि) देश की **'अर्थव्यवस्था की कुंजी/रीढ़'** (Key/Backbone of Indian Economy) है, जिसकी जिम्मेदारी कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय (MoA&FW, GOI) के अन्तर्गत पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्यिकी के अनुसंधान एवं विकास (R&D) हेतु पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन विभाग (DoAH, D&F, GOI) को जाती है. यह विभाग पशुधन उत्पादन, संरक्षण, सुरक्षा और सुधार, डेयरी विकास के साथ-साथ दिल्ली दुग्ध स्कीम/योजना (DMS) और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड से सम्बन्धित मामलों के लिए उत्तरदायी है. इसके अतिरिक्त विभाग-मत्स्य पालन से सम्बन्धित मामलों की निगरानी भी करता है, जिसमें अन्तर्देशीय व समुद्री क्षेत्र तथा राष्ट्रीय मत्स्य पालन विकास बोर्ड से सम्बन्धित मामले भी शामिल हैं.

पशुपालन, डेयरी विकास और मत्स्य पालन राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और देश के सामाजिक-आर्थिक विकास (Socio-Economic Development) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. विभिन्न गतिविधियों से खाद्य सामग्रियों, पोषण सुरक्षा तथा किसानों को घरेलू आय में योगदान करती हैं साथ ही, सस्ता और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार पैदा करने-विशेषकर छोटे-सीमांत कृषकों और महिलाओं के बीच महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं. देश के कृषि उत्पादन में पशुपालन का योगदान लगभग 30% है.

पशुधन संख्या के संदर्भ में विश्व में भारत का स्थान (Rank)—प्रथम स्थान–भैंस (57%); **द्वितीय**–गौ (Cattle) एवं बकरी, **तृतीय**—भेड़, **पंचम**—बत्तखें/मुर्गी तथा **दसवाँ**—ऊँट देश में पशुधन क्षेत्र में कार्यरत् लगभग 22·45 मिलियन मानव हैं. **'राष्ट्रीय गोकुल मिशन'**—केन्द्र सरकार द्वारा 28 जुलाई, 2014 को स्वदेशी गायों के संरक्षण एवं नस्लों के विकास के प्रोत्साहन हेतु इस राष्ट्रव्यापी मिशन की शुरूआत की गई. चूँकि, विश्व की 14·5% लगभग पशु संख्या भारत में है.

भारत सरकार के अधीनस्थ कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय (MoA&FW–Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, Government of India–GOI) के अन्तर्गत कार्यरत् पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन विभाग (Deptt. of Animal Husbandry, Dairying & Fisheries–DoAH, D&F) की वार्षिक रिपोर्ट 2017-18 के आधार पर वर्ष के दौरान अनुसंधान, विकास, महिला सशक्तिकरण, डेयरी विकास, मत्स्य पालन आदि के क्षेत्र में अनेक उपलब्धियाँ हासिल हुई हैं, जिन्हें संक्षेप में निम्नवत् रूप से वर्णित किया जा सकता है.

प्रमुख उपलब्धियाँ एवं नई दिशाएं

पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्यिकी विभाग (Department ofAnimal Husbandry, Dairying & Fisheries–DoAH, D&F)–अधीनस्थ 'कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार (Ministry of Agriculture and Famers Welfare–MoA&FW, Government of India–GOI) का संगठनात्मक ढाँचा/संरचना एवं क्रियाकलाप–

- भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय **(MoA&FW, GOI)** के अधीनस्थ-पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्यिकी विभाग **(DoAH, D&F)** कार्यरत् है, जो 2 प्रभागों (Divisions)—कृषि एवं सहकारिता विभागों के पशुपालन एवं डेयरी विकास को मिलाकर एक पृथक विभाग 1 फरवरी, 1991 को बनाया गया था. कृषि एवं सहकारिता विभाग के मत्स्यिकी प्रभाग और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के एक भाग को मिलाकर इस विभाग को 10 अक्टूबर, 1997 में स्थानान्तरित किया गया. कुल मिलाकर वर्तमान में इस विभाग **(DoAH, D&F)** में **3** प्रभाग–पशुपालन प्रभाग, डेयरी विकास प्रभाग एवं मत्स्यिकी प्रभाग कार्यरत् हैं. मुख्यालय (Hq.)–नई दिल्ली.
- विभाग **(DoAH, D&F)** में सर्वोच्च-1 पद सचिव (Secretary–ADF) का होता है जिसके अधीनस्थ **5**-संयुक्त सचिव, **1**-सलाहकार (सांख्यिकी) आदि अनेक पदाधिकारी कार्यरत् हैं.
- पशुओं की गणना (Livestock Census) प्रत्येक 5 वर्षों के अंतराल पर की जाती है जिसकी शुरूआत वर्ष 1919 से, देश में हुई. अब तक ऐसी 19 गणनाएं की जा चुकी हैं, जो 19वीं पशु गणना-2012 की गई.
- **भारत में 'श्वेत क्रांति के जनक' (Father of White Revolution) की भूमिका**—कभी दूध की कमी से जूझ रहे भारत को दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक राष्ट्र बनाने वाले, दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में **'श्वेत क्रांति के जनक'**—डॉ. वर्गीज कुरियन (Dr. Verghese Kurien) रहे, जिनका **जन्म**–केरल के कोझिकोड में 26 नवम्बर, 1921 को; **मृत्यु**–गुजरात के नादियाद में 9 सितम्बर, 2012 को, **90** वर्ष की उम्र में हुई, जिन्हें **'मिल्क मैन ऑफ इण्डिया'** के नाम से भी जाना जाता है. वर्ष 1965 में, डॉ. वर्गीज कुरियन को **'रैमन मैग्सेसे'** सामुदायिक नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, जिन्होंने तमिलनाडु के लोयोला कॉलेज, चेन्नई से विज्ञान में ग्रेजुएशन, चेन्नई के गिंडी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से इन्जीनियरिंग की बाद में, वर्ष 1949 में अमूल डेयरी आनन्द (गुजरात) की सेवा की, जो 33 वर्ष (1965 से 1998) सेवा कर **'एनडीडीबी'** (नेशनल डेयरी डेवलपमेन्ट बोर्ड) के संस्थापक-चेयरमैन रहे और दुग्ध क्षेत्र में **'ऑपरेशन फ्लड'** (1965 से 1995 तक) चालू किया, जिन्हें पद्म विभूषण, पद्म भूषण, पद्मश्री, वर्ल्ड फूड प्राइज आदि पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया, जिनका किसानों के कल्याण, कृषि/दुग्ध

तथ्य एक दृष्टि में :

पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्यिकी क्षेत्र में अनुसंधान, विकास एवं नई उपलब्धियां सम्बन्धी

- *देश में, वर्ष 1990-91 में, कुल दुग्ध उत्पादन 53·9 मिलियन टन एवं दुग्ध उपलब्धता 176 ग्राम/दिन/व्यक्ति से बढ़कर वर्ष 2017-18 में 176·35 मिलियन टन दुग्ध उत्पादन एवं दुग्ध उपलब्धता 374 ग्राम/दिन/व्यक्ति तक पहुँची है.*
- *चारा एवं भरण-पोषण विकास के संदर्भ में विभाग (DoAH, D&F; GOI) द्वारा 'पोषण एवं चारा विकास पर उप-मिशन' से पशुधन के पोषण में सुधार के लिए प्रयास किए जा रहे हैं. भारत में, विश्व का मात्र 2·29% भूमि क्षेत्र है, फिर भी विश्व की कुल पशुधन संख्या के लगभग 10·71% हिस्से का पालन कर रहा है.*
- *भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (ICAR) के NASC कॉम्प्लैक्स, पूसा नई दिल्ली में 'राष्ट्रीय दुग्ध दिवस 2017'—26 नवम्बर, 2017 को मनाया गया, जिसमें NDDB (नेशनल डेयरी डेवलपमेन्ट बोर्ड), आनन्द (गुजरात) की 'ऑपरेशन फ्लड एरियाज'—डेयरी क्षेत्र के अधीनस्थ की लगातार वृद्धि की भी चर्चा की गई.*
- *गोबरधन योजना–शुरूआत वर्ष 2018-19 से कम्पोस्ट खाद, गोबर गैस बनाए जाने की योजना.*

उत्पादन में किया गया योगदान अतुलनीय है, साथ ही देश के सहकारिता आन्दोलन और डेयरी उद्योग के विस्तार में अहम् योगदान दिया. वर्ष 1970 में **'विश्व शांति के नोबेल पुरस्कार'** (कृषि उत्पादन में) से भी सम्मानित किया गया. **'कुरियन'**–दुनिया के ऐसे पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने भैंस के दूध से पॉउडर तैयार किया. इससे पहले दुनिया भर के पॉउडर बनाने के लिए गाय के दूध का इस्तेमाल किया जाता था. देश में, **पहली** बार 'राष्ट्रीय दुग्ध दिवस'– 26 नवम्बर, 2016 को नई दिल्ली में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा मनाया गया जिस हेतु ई-पशुहाट पोर्टल www.epashuhaat.gov.in घोषित.

- **भारत में पशुधन उत्पादों (Livestock Products) की स्थिति (वर्ष 1950-51 से 2017-18 तक)**–

उत्पाद/वर्ष	1950-51	1980-81	1990-91	2000-01	2016-17	2017-18
दुग्ध (मिलि. टन)	17·0	31·6	53·9	80·6	165·4	176·35
अण्डा (मिलि. संख्या)	1,832	10,060	21,101	36,932	88,139	—
ऊन (मिलि. किग्रा.)	27·5	32·0	41·2	48·4	43·5	—
मांस (मिलि. टन)	—	—	—	1·9	7·4	—

- **विलुप्त होने के कगार पर जमुनापारी बकरी**–विगत 20 वर्षों से अध्ययन द्वारा देखा जा रहा है कि यमुना और चम्बल के बीहड़ से लगे गाँवों की पहचान मानी जाने वाली जमुनापारी प्रजाति की बकरी अब विलुप्त होने के कगार पर है, जो एक चिंता का विषय बनता जा रहा है. जमुनापारी बकरी के 1 किग्रा दूध में 5 से 7% तक वसा (फैट) पाई जाती है, जिसका दूध सबसे पौष्टिक माना जाता है. इण्डोनेशिया में जमुनापारी बकरी की पूजा होती है वर्ष 1960 के दशक में इण्डोनेशिया के प्रधानमंत्री 60 जमुनापारी बकरियों को भारत से अपने देश में ले गए थे. इसके बाद वहाँ के ग्रामीणों ने जमुनापारी बकरियों की पूजा करनी शुरू कर दी. चूँकि, बकरी एक घुमाउ/परिवर्तनशील पशु है, जिसे भारत में **'गरीब मनुष्य की गाय'** (Poor man's cow) के नाम से जाना जाता है.

- केन्द्रीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान **(IVRI)**, इज्जतनगर, बरेली (उ.प्र.) के वैज्ञानिकों ने मोदी ड्रीम मिशन-गाय के सहारे किसानों की आमदनी दोगुनी करने के लिए-एक ऐसे प्रोजेक्ट को अन्तिम रूप दे दिया है, जिससे हर गाँव में बनाए जाँय-**'मॉडल किसान'**, ताकि जैविक खेती को प्रोत्साहन मिले. चूँकि, रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से भूमि की उर्वराशक्ति घटी है, भूमि में जीवांश कार्बन/पदार्थ (O.C./O.M.) 0·2% से नीचे चला गया है. जो आदर्श अनुपात/मात्रा 0·80 से 0·85% O.C. की होनी चाहिए. गाय के गोबर में 300 से 500 करोड़ सूक्ष्म-जीवाणु होते हैं गोबर और गौमूत्र खेत में पड़ने से बेहतर फसल का उत्पादन होने के साथ ही भूमि की बीमारियाँ दूर हो जाएंगी.

- **विश्व अण्डा दिवस** (World Egg Day)–अन्तर्राष्ट्रीय अण्डा कमीशन **(IEC)** ऑस्ट्रिया देश की राजधानी–**विएना** (Vienna) ने अण्डे के उपयोग को प्रोत्साहित करने हेतु वर्ष 1996 में प्रति वर्ष अक्टूबर के **द्वितीय** शुक्रवार को अण्डा दिवस मनाए जाने हेतु घोषित किया गया था, जिसे प्रति वर्ष विश्व में मनाया जाता है विश्व में भारत का अण्डा उत्पादन में चौथा स्थान है.

- **दूध में पोषक तत्व**–

पशु दूध	गाय का दूध	भैंस का दूध
पानी (%)	86·50	83·18
वसा (%)	3·90	7·66
प्रोटीन (%)	3·30	4·52
लैक्टोज (%)	4·44	4·45
कुल ठोस (%)	13·01	17·77
वसा रहित ठोस (%)	9·11	10·11
राख (%)	0·73	0·80
कैल्सियम (मि.ग्रा.)	0·12	0·18
Vit. 'A' (IU प्रति 100 ग्रा.)	180	162
ऊर्जा (किलो कैलोरी)	66	110

- देश में (31 मार्च, 2017 तक), पशु-चिकित्सा संस्थानों (Veterinary Institutes) की संख्या में–**12,235**–वेटेरीनरी हॉस्पीटल्स/ पॉलीक्लीनिक, **27,149**–वेटेरीनरी डिस्पेन्सरीज, 25,858 वेटेरीनरी एड (Aid) सेंटर (स्टॉकमैन सेन्टर्स/मोबाइल डिस्पेन्सरीज (**कुल**–65,242 संख्या में) कार्यरत् हैं.

- वर्ष 2018 के दौरान, पं. दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्व-विद्यालय एवं गौ-अनुसंधान, मथुरा (उ.प्र.)-यू.पी. में टॉप पर आया है. देश में **63** वि.वि. में **32वीं** रैंक प्राप्त करने से वि.वि. प्रबन्धन प्रफुल्लित हुए, जिसकी रैंकिंग भारतीय कृषि विज्ञान एवं अनुसंधान परिषद् ने जारी की थी. जिसने देश में **पहली** बार अचारचारा साइलेज केन्द्र तैयार किया है, जिससे हरा चारा वर्ष भर सुरक्षित रहेगा, जो पशुओं के लिए उपयुक्त होगा.

- गुरु अंगद देव वेटेरीनरी एण्ड एनीमल साइंस यूनीवर्सिटी, लुधियाना (पंजाब) के वैज्ञानिकों ने अपने शोध से अण्डे (Egg) से 3 तरह का पनीर तैयार कर अच्छी सफलता हासिल की है, जिसमें अण्डे की महक नहीं आएगी और अधिक दिनों तक सुरक्षित भी रहेगा, जो देश में **पहली** बार यह अण्डा पनीर तैयार किया गया है. वैसे भी भारत अण्डा उत्पादन में विश्व में **तीसरे** नम्बर पर है. इस पनीर की कुल कीमत ₹ 120-150/किग्रा है.

निष्कर्ष (Conclusion)

उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट है कि वर्ष 2017-18 के दौरान, पशुपालन, डेयरिंग एवं मत्स्यिकी विभाग **(DoAH, D&F, GOI)**–**अधीनस्थ**–कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार **(MoA&FW, GOI)** के अन्तर्गत अनेक उपलब्धियाँ-पशुपालन, डेयरिंग एवं मत्स्यिकी के विभिन्न क्षेत्रों में हासिल हुई हैं, जिनसे निम्न निष्कर्ष निकाला जा सकता है–

(1) पशुपालन, डेयरिंग एवं मत्स्यिकी विभाग **(DoAH, D&F, GOI)** द्वारा **'सतर्कता जानकारी सप्ताह'** (**VAW**–Vigilance Awareness Week)-30 अक्टूबर से 4 नवम्बर, 2017 **थीम**–"My Vision-Corruption Free India" के साथ मनाया गया, जिसे प्रभावी बनाने हेतु **सचिव (ADF)** ने सभी अधिकारियों एवं स्टाफ को प्रतिज्ञा/शपथ भी दिलवाई गई. साथ ही, विभाग **(DoAH, D&F, GOI)** ने विभाग में **'हिन्दी भाषा** के प्रोत्साहन हेतु **'हिन्दी पखवाड़ा'** (Hindi Fortnight)-1 से 15 सितम्बर, 2017 को मनाया गया,

पालतू/घरेलू पशुओं-स्वदेशी नस्लों की घटती संख्या–एक चिन्ता का विषय	
गौपशु (Cattle)	रेड सिन्धी, साहीवाल, थारपारकर, वेचूर, पुंगनूर
भैंस (Buffalo)	नीली रावी, मदावरी, टोडा
भेड़ (Sheep)	नीलगिरी, मुजफ्फरनगरी, मालपुरा, चोकला, जैसलमेरी, मुन्जाल, चांगथांगी, तिवतान, सिक्किम से बॉग पाला एवं गैरौल
बकरी (Goat)	बीटल, जमुनापारी, चेंगू, चंगथांगी, सूरती, जखराना
ऊँट (Camel)	बैक्ट्रियन, जैसलमेरी, सिन्धी
मुर्गी (Poultry)	सभी 17 स्वदेशी नस्लें, विशेष रूप से अशील, कड़कनाथ व नाकेड नैक
घोड़े (Horses)	झंसकार, मणिपुरी

जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे–हिन्दी निबन्ध लेखन, हिन्दी राजभाषा ज्ञान, डिबेट, हिन्दी नोटिंग-ड्राफ्टिंग आदि आयोजित की गईं, जिनसे भागीदारों को प्रेरणा मिली

(2) एकीकृत स्वदेशी पशुधन विकास केन्द्र **'गोकुल ग्राम'** की स्वीकृति **12** विभिन्न राज्यों में **18** गोकुल ग्राम को दे दी गई हैं, जो **'राष्ट्रीय गोकुल ग्राम मिशन'** के अन्तर्गत स्थापित किए जा रहे हैं, जिसका उद्देश्य स्वदेशी गौजातीय नस्लों के संरक्षण एवं विकास हेतु रखा गया है.

(3) नेशनल कामधेनु ब्रीडिंग सेन्टर **(NKBC)**—आंध्र प्रदेश के चिन्तल देवी (नेल्लौर जनपद) में सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स (Centre of Excellence)—स्वदेशी गायों एवं भैंस के आनुवंशिकी सुधार हेतु 700 एकड़ भूमि पर खोला गया है, जिसमें 150 गायों एवं 50 भैंस को प्रवेश करा दिया गया है इनके अलावा ऐसी अनेक उपलब्धियाँ वर्ष के दौरान मिली हैं.

स्मरणीय बिन्दु :

पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास सम्बन्धी

- *वर्ष 2017-18 में, देश में कुल दुग्ध उत्पादन 176·35 मिलियन टन तथा 374 ग्राम/दिन/व्यक्ति उपलब्धता के साथ हुआ (V/s 164·0 मिलियन टन दुग्ध उत्पादन एवं 351 ग्राम/दिन/व्यक्ति दुग्ध उपलब्धता वर्ष 2016-17 के).*
- *भारत में **'श्वेत क्रांति** (White Revolution) **के जनक'**–(स्व.) डॉ. वर्गीज कुरियन–**जन्म**–26 नवम्बर, 1921 केरल के कोझिकोड में जन्मे, **मृत्यु**–9 सितम्बर, 2012 गुजरात के नादियाद में **90** वर्षीय)*
- ***'नेशनल लाइव स्टॉक मिशन'** शुरूआत/ लॉन्च-वर्ष 2014-15.*
- *विश्व में **भारत**–मत्स्य उत्पादन में **दूसरा** सबसे बड़ा देश है. साथ ही विश्व में **'फ्रेश वाटर फिश'** के उत्पादन में भी **दूसरे** स्थान पर है. वर्ष 2016-17 (P) में कुल मत्स्य उत्पादन 11,409·20 हजार टन देश में हुआ.*
- *नेशनल फिशरीज डेवलपमेन्ट बोर्ड* **(NFDB)** स्थापना वर्ष 2006 में–मत्स्य क्षेत्र में एकीकृत विकास में तेजी लाने हेतु.
- *नेशनल डेयरी डेवलपमेन्ट बोर्ड* **(NDDB)** Hq. आनन्द (गुजरात) स्थापना-1965 में–एक सांविधिक सहकारी संस्था (**NDDB** Act.) के तहत् 1987 में घोषित

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. देश में, वर्ष 2017-18 के दौरान, कुल दुग्ध उत्पादन ..... मिलियन टन हुआ, साथ ही दुग्ध उपलब्धता 374 ग्राम/दिन/व्यक्ति रही (*V/s* वर्ष 2016-17 के कुल दुग्ध उत्पादन 164·0 मिलियन टन एवं 351 ग्राम/दिन/व्यक्ति दुग्ध उपलब्धता के)
   (A) 137·7 (B) 146·3
   (C) 155·5 (D) 176·4

2. **'कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय (MoAFW, GOI)** के अधीनस्थ पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्यिकी विभाग (DoAH, Dairying & Fisheries, GOI) कब अस्तित्व में आया .....?
   (A) 1 फरवरी, 1991
   (B) 1 फरवरी 1993
   (C) 1 फरवरी, 1995
   (D) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

3. **'नेशनल डेयरी डेवलपमेन्ट बोर्ड' (NDDB)** का मुख्यालय (Hq.) कहाँ स्थित है ? जिसे वर्ष 1965 में स्थापित कर, **'एनडीडीबी एक्ट'** (**NDDB** Act) के तहत् वर्ष 1987 में एक स्वायित्वशासी सहकारी संस्थान के रूप में घोषित किया गया–
   (A) मुम्बई
   (B) चेन्नई
   (C) आनन्द, गुजरात
   (D) हैदराबाद

4. देश में, दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में आई **'श्वेत क्रांति** (White Revolution) **के जनक/पितामह'** (Father of White Revolution) किसे कहा जाता है ?
   (A) डॉ. वर्गीज कुरियन
   (B) डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन
   (C) नोरमान ई. बोरलॉग
   (D) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

5. **'नेशनल फिशरीज डेवलपमेन्ट बोर्ड' (NFDB)** स्थापना वर्ष सितम्बर 2006 का मुख्यालय (Hq.) स्थित है—
   (A) आनन्द, गुजरात
   (B) हैदराबाद
   (C) कोचीन
   (D) बंगलुरू

6. **'नेशनल लाइव स्टॉक मिशन'** को किस वर्ष लॉन्च किया गया है ? जिसका मूल उद्देश्य–पशुधन क्षेत्र में समगतिशील/सतत् एवं लगातार वृद्धि का रखा गया है ?
   (A) वर्ष 2014-15 (B) वर्ष 2015-16
   (C) वर्ष 2016-17 (D) वर्ष 2017-18

7. **'प्रथम पशुधन गणना'** (First Livestock Census) किस वर्ष की गई, जो 5 वर्षों के अंतराल पर की जाती है और पिछली **19वीं** पशुधन गणना-2012 में की गई थी ?
   (A) 1919-1920 (B) 1925-1926
   (C) 1935-1936 (D) 1940-1941

उत्तरमाला

1. (D) 2. (A) 3. (C) 4. (A) 5. (B)
6. (A) 7. (A)

●●●

शेष पृष्ठ 113 का

निष्कर्ष

भारत सरकार का यह मानना है कि विकास और सुरक्षा सम्बन्धी पहलों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए एक समग्र दृष्टिकोण से वामपंथी उग्रवाद की समस्या से सफलतापूर्वक निपटा जा सकता है. तथापि यह स्पष्ट है कि वामपंथी उग्रवादी कम विकास जैसे मुख्य कारणों का सार्थक तरीके से निराकरण करना नहीं चाहते हैं, क्योंकि वे विद्यालय भवनों, सड़कों, रेल मार्गों, पुलों, स्वास्थ्य अवसंरचना, संचार सुविधाओं आदि को व्यापक रूप से लक्ष्य बनाने का सहारा लेते हैं. ये अपनी पुरानी विचारधारा को कायम रखने के लिए अपने प्रभाव वाले क्षेत्रों में लोगों को हाशिये पर रखना चाहते हैं. इसके परिणामस्वरूप वामपंथी उग्रवाद के प्रभाव ने देश के अनेक भागों में विकास की प्रक्रिया को दशकों पीछे धकेल दिया है. इसे सिविल समाज तथा मीडिया द्वारा समझे जाने की आवश्यकता है, ताकि वामपंथी उग्रवादियों पर हिंसा छोड़ने, मुख्य धारा में शामिल होने तथा इस तथ्य को स्वीकार करने के लिए दबाव बनाया जा सके कि 21वीं सदी के भारत की सामाजिक-आर्थिक तथा राजनीतिक सोच और आकांक्षाएं माओवादी दृष्टिकोण से पूरी नहीं हो सकतीं. इसके अतिरिक्त हिंसा और विनाश पर आधारित कोई विचारधारा ऐसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सफल नहीं हो सकती जिसमें शिकायतों के निराकरण के वैध मंचों की व्यवस्था है. ●●●

शेष पृष्ठ 127 का

एजेंसियों और योजनाओं में इस कमी को दूर करने का प्रयास किया जाना चाहिए. इसके लिए कृषक समुदाय को जैविक खेती की तकनीकों के बारे में मिसाल देकर जानकारी दी जानी चाहिए, जिससे वे पारम्परिक खेती के वैकल्पिक तरीकों के बारे में विशेषज्ञता हासिल कर सकें.

जैविक प्रणाली में सभी घटकों के सही मात्रा में उपयोग करते हुए अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए अच्छे प्रबन्धकीय कौशल की आवश्यकता होती है. इसलिए खेती के प्रबन्धकों यानी किसानों को संसाधनों का उचित मात्रा में लगातार उपयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है. भारत में जैविक खेती की अपार सम्भावनाएं हैं इसलिए खेती की जैविक विधियों के प्रमाणन के लिए और अधिक अनुसंधान की आवश्यकता है. देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र (**एनईआर**) में केवल सिक्किम ही ऐसा राज्य है जहाँ पूर्णरूप से जैविक खेती (आर्गेनिक फार्मिंग) की जाती है, इससे सभी क्षेत्रों/राज्यों को सीख लेनी होगी, तभी **'21वीं'** सदी में वर्ष 2022 तक किसानों की आमदनी को दोगुनी करने में मदद मिलेगी. ●●●

सामान्य जानकारी

दहेज सम्बन्धित आईपीसी की धारा 498ए का समीक्षात्मक मूल्यांकन

✍ शंकर प्रसाद तिवारी (विनय)

धारा 498 ए : चर्चा का कारण

- 27 जुलाई, 2017 को उच्चतम न्यायालय द्वारा दहेज कानून के दुरुपयोग को रोकने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय दिया गया, न्यायमूर्ति ए.के. गोयल तथा यू. यू. ललित की पीठ ने महिलाओं द्वारा अपने पति के खिलाफ 'दहेज निरोधक (रोकथाम) कानून' का दुरुपयोग किए जाने पर चिन्ता जाहिर करते हुए निर्देश दिया कि इस प्रकार के मामले में आरोप की पुष्टि न होने तक कोई गिरफ्तारी नहीं की जाएगी.
- पीठ के अनुसार कई बार महिलाएँ 'भारतीय दण्ड संहिता (IPC)' की 'धारा-498 ए' का दुरुपयोग करते हुए पति सहित उसके परिवार के अन्य सदस्यों तथा रिश्तेदारों पर भी दहेज उत्पीड़न, षड्यन्त्र एवं मारपीट से सम्बन्धित आपराधिक मामले दर्ज करा देते हैं जिसके कारण कई बार निर्दोष भी बेवजह गिरफ्तार कर लिए जाते हैं.
- गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए इस निर्णय का "दहेज प्रतिषेध अधिनियम–1961" से कोई प्रत्यक्ष सम्बन्ध नहीं है, बल्कि यह केवल 'भारतीय दण्ड संहिता' की 'धारा-498 ए' के सन्दर्भ में दिया गया है.

उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए दिशा-निर्देश

- सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार धारा 498 ए के तहत् दहेज से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की शिकायत के लिए प्रत्येक जिले में एक 'परिवार कल्याण समिति' का गठन किया जाएगा तथा शिकायत को सर्वप्रथम इसी समिति को भेजा जाएगा.
- शिकायत मिलने के बाद समिति प्रभावित या आरोपी व्यक्ति एवं उसके सगे-सम्बन्धियों एवं परिवारों के साथ मिलकर आवश्यक जाँच-पड़ताल व जानकारी जुटाएगी, इसके पश्चात् मजिस्ट्रेट को आरोपों की पुष्टि के सम्बन्ध में एक रिपोर्ट उक्त समिति द्वारा प्रेषित की जाएगी, जिसके बाद ही गिरफ्तारी की जाएगी.
- 'कानूनी सेवा प्राधिकरण' द्वारा परिवार कल्याण समिति का गठन किया जाएगा, जिसमें 3 सदस्य होंगे, इनमें सामाजिक कार्यकर्ता, कानूनी सहायता करने वाले कानूनविद् तथा सेवानिवृत्त व्यक्ति को वरीयता दी जाएगी, समय-समय पर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा समिति के कामकाज का मूल्यांकन किया जाएगा.
- आरोपों की पुष्टि से पूर्व 'अप्रवासी भारतीय' (NRI) आरोपियों का पासपोर्ट जब्त नहीं किया जाएगा और न ही रेड कॉर्नर नोटिस जारी होगा.
- मामले में परिवार के सभी सदस्यों (विशेषकर जो बहुत दूर अथवा देश से बाहर रह रहे हों) का पेश होना आवश्यक या बाध्यकारी नहीं होगा.
- उपर्युक्त दिशा-निर्देश/आदेश तब लागू नहीं होंगे, जब महिला गम्भीर रूप से घायल हो अथवा प्रताड़ना के कारण उसकी मौत हो गई हो.

दिशा–निर्देश क्यों जरूरी ?

- कालान्तर में दहेज विरोधी कानून के दुरुपयोग के मामले लगातार बढ़ रहे थे. धारा 498 ए के तहत् प्रतिवर्ष जितने मामले दर्ज हो रहे हैं उनमें से बेहद कम मामलों में दोष या अपराध सिद्ध हो पाया है. वर्ष 2012 में जिन मामलों में धारा 498 ए का इस्तेमाल किया गया उनमें से 93·6% मामलों में चार्जशीट फाइल की गई, मगर महज 14·4% मामलों में ही दोषियों का अपराध सिद्ध हो पाया.
- इस कानून के तहत् महिलाओं को यह अधिकार दिया गया है कि बिना साक्ष्य के सिर्फ उनकी शिकायत के आधार पर उनके पति, परिवारजनों तथा सगे-सम्बन्धितयों को गिरफ्तार किया जा सकता है कई मामलों में महिला की शिकायत पर उसके पति के उन नाते-रिश्तेदारों को भी बेवजह घसीटा गया जिनका उक्त घटना/शिकायत से न तो प्रत्यक्ष या परोक्ष सम्बन्ध था अथवा वे किसी अन्य शहर या विदेश में रहते थे. कई बार तो उन्हें गिरफ्तारी, अर्थदण्ड अथवा जेल में सजा काटने तक का फरमान जारी, किया जाता है, मगर जब बाद में उनकी संलिप्तता. अपराध सिद्ध नहीं होता और उन्हें बरी कर दिया जाता है तो उनके समय व धन की बर्बादी एवं शारीरिक मानसिक व सामाजिक प्रताड़ना की भरपाई कौन करेगा? इसके लिए कोई प्रावधान नहीं है.
- महिला हिंसा, दहेज उत्पीड़न एवं प्रतिषेध तथा उससे जुड़े तथ्यों के लिए समयानुरूप प्रभावी मानक न बनाए जाने और उन्हें सही ढंग से परिभाषित/व्याख्यायित न किए जाने के कारण भी कई प्रकार की विसंगतियाँ पैदा हो रही हैं, मसलन कई मामलों में आपराधिक ट्रायल/अदालती कार्यवाही खत्म होने के पश्चात् भी पता नहीं चलता कि सच क्या है, झूठ क्या है.
- दहेज तथा महिला उत्पीड़न से सम्बन्धित मामलों में कई बार पुलिस द्वारा शिकायत दर्ज करने वाले अथवा दोषियों से रिश्वत लेकर झूठे साक्ष्य बनाने अथवा साक्ष्यों के मिटाने जैसी शिकायतें भी मिल चुकी हैं, अतः सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश एवं कानूनों में उचित सुधार के बाद इस प्रकार की प्रवृत्तियाँ कम होंगी.
- भारत दुनिया के उन गिने-चुने देशों में शामिल है जहाँ 'वैवाहिक विवादों' को 'आपराधिक कानून' के तहत् दर्ज किया जाता है, जबकि अधिकांश देशों में इसे 'सिविल कानून' के अन्तर्गत दर्ज किया जाता है, इसलिए भी इसके प्रावधानों में समयानुरूप उचित फेरबदल करना आवश्यक हो गया है.
- इससे पूर्व वर्ष 2005 में 'सुशील कुमार शर्मा बनाम भारत संघ' मामले में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा धारा 498 ए के दुरुपयोग को 'कानूनी आतंकवाद' (Legal Terrorism) बताया जा चुका है, वर्ष 2006-07 में न्यायिक सुधार के लिए गठित 'मलिमथ समिति' ने भी धारा 498 ए के तहत् दण्डनीय अपराध को अदालत की अनुमति से समझौते के दायरे में लाने और इसे जमानती अपराध बनाने का सुझाव दिया था, सितम्बर 2009 में गृह मन्त्रालय द्वारा इस कानून के दुरुपयोग सम्बन्धी मसला विधि आयोग के पास भेजा गया था, जिस पर विधि आयोग का कहना था कि अगर कानून की उक्त धारा का दुरुपयोग किया जा रहा है तो कानून में आवश्यक रूप से संशोधन किया जाना चाहिए.
- सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्देशों में किसी भी बदलाव की आवश्यकता के

बारे में 'राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण' से 31 मार्च, 2018 तक एक रिपोर्ट माँगी है और अप्रैल 2018 में इस पर सुनवाई की जाएगी, तब तक इन मामलों पर सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान दिशा-निर्देश जारी रहेंगे.

क्या है धारा 498 ए ?

- वर्ष 1983 में दहेज उत्पीड़न के बढ़ते मामलों को देखते हुए जब 'भारतीय दण्ड संहिता' (IPC) में धारा 498 ए शामिल की गई, तो यह उम्मीद की गई थी कि यह कानून दहेज पीड़ित महिलाओं के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में कारगर सिद्ध होगा और शुरूआती डेढ़-दो दशकों में ऐसा हुआ भी जब भारत ने दहेज उन्मूलन की दिशा में प्रभावी कदम बढ़ाने शुरू कर दिए, मगर विगत् एक दशक से इस कानून के दुरुपयोग के मामलों में अप्रत्याशित वृद्धि होने लगी, कई बार ऐसा भी देखने को मिला कि पति-पत्नी या ससुराल वालों के बीच मनमुटाव या झगड़े की वजह कुछ और थी, मगर शिकायतकर्ता/महिला पक्ष द्वारा इसे दहेज कानून या महिला हिंसा कानून के तहत् दर्ज किया गया, जोकि गलत है.
- दहेज प्रताड़ना, घरेलू हिंसा तथा ससुराल में महिलाओं पर अत्याचार/उत्पीड़न शोषण से जुड़े अन्य मामलों से निपटने के लिए 'भारतीय दण्ड सहिता' (IPC) की 'धारा 498 ए' (1983) के अन्तर्गत कठोर कानूनी प्रावधान बनाए गए, महिलाओं को उनकी ससुराल में सुखी व सुरक्षित वातावरण मिल सके, इसके लिए कानून में पुख्ता व्यवस्था की गई.
- कानून के अन्तर्गत दहेज प्रताड़ना तथा घरेलू महिला हिंसा को 'संज्ञेय अपराध' (आपराधिक कानून) की श्रेणी में रखा गया है, जिसमें त्वरित गिरफ्तारी, कठोर सजा एवं अर्थदण्ड का प्रावधान बनाया गया है, साथ ही इसे गैर-जमानती अपराध भी माना गया है, जिसमें पुलिस जाँच के समय या उससे पूर्व ही आरोपी, उसके परिवार जनों एवं नाते-रिश्तेदारों को गिरफ्तार कर सकती है एवं एकतरफा ढंग से कार्रवाई कर सकती है.
- कानून के अन्तर्गत यदि किसी महिला को दहेज के लिए शारीरिक, मानसिक अथवा किसी अन्य तरीके से शोषित/प्रताड़ित किया जाता है तो महिला IPC की धारा 498 A के तहत् शिकायत दर्ज करा सकती है जिसमें बिना साक्ष्य/अपराध सिद्ध होने के ही आरोपी, उसके परिवार वालों एवं नामजद नाते-रिश्तेदारों (चाहे वे बच्चे, नाबालिग अत्यन्त वृद्ध अथवा अस्वस्थ ही क्यों न हों) को सीधे गिरफ्तार किया जा सकता है.
- दहेज उत्पीड़न मामले में दोषी पाए जाने पर आरोपियों/दोषियों को अधिकतम 3 साल के कठोर कारावास का प्रावधान है, यहीं नहीं धारा 498 ए यह भी सुनिश्चित करती है कि अगर विवाहिता की विवाह की अवधि के 7 साल से पूर्व संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाती है तो पुलिस आईपीसी की 'धारा 304 बी' (दहेज हत्या) के तहत् मामला दर्ज कर सकती है, इस मामले में आरोप सिद्ध होने पर न्यूनतम 7 साल तथा अधिकतम उम्र कैद की सजा का प्रावधान है.

धारा 498 ए की संवैधानिक वैधता

- यदि संवैधानिक रूप से देखा जाए तो 'दहेज प्रतिषेध (निरोधक) कानून-1961' (Dowry Prohibition Act-1961) तथा IPC की धारा 498 ए विवाहित महिलाओं के हितों के संरक्षण से सम्बन्धित प्रमुख सुधारात्मक कानूनी उपाय है.
- दहेज प्रतिषेध कानून की 'धारा-8' के तहत् दहेज लेना एवं 'दहेज देना दोनों ही संज्ञेय अपराध हैं', दहेज देने के मामले में 'धारा 3' के तहत् मामला दर्ज हो सकता है और दहेज निरोधक कानून 1961 की धारा 3 के तहत् अपराध सिद्ध होने पर 5 साल की सजा का प्रावधान है, इसी प्रकार दहेज प्रतिषेध कानून की धारा 4 के अन्तर्गत दहेज लेने या माँग करने के खिलाफ मामला दर्ज किया जा सकता है, और इस मामले में अपराध सिद्ध होने पर 5-7 साल की सजा का प्रावधान बनाया गया है, यहीं नहीं शादी से पूर्व भी दहेज माँगना अथवा दहेज की माँग करना कानूनी रूप से गम्भीर अपराध माना गया है.
- 'इन्दर राज मलिक और अन्य बनाम श्रीमती सुमिता मलिक' मामले में कोर्ट में यह तर्क दिया गया था कि धारा 498 ए संविधान के 'अनुच्छेद 14' तथा 'अनुच्छेद 20(2)' का अधिकारातीत (Ultra Vires) है, वहीं दहेज निषेध अधिनियम की धारा 4 भी समान प्रकार के मामलों से सम्बन्धित है, यानि दोनों धाराएँ एक साथ एक ऐसी स्थिति पैदा करती हैं जिसे सामान्यतः 'दोहरा खतरा' (Double Jeopardy) कहा जा सकता है, लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट ने इस विवाद पर निर्णय देते हुए कहा कि यह खण्ड दोहरे खतरे की स्थिति पैदा नहीं करता, यानि IPC की धारा 498 ए, दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 की धारा 4 से अलग है, हाईकोर्ट का कहना था कि धारा 498 ए पत्नी अथवा उसके परिवार वालों से दहेज/सम्पत्ति की माँग करने के लिए दण्डित करती है, इस खण्ड में अदालतों को कानूनों में होने वाले शब्दों की व्याख्या के मामले में और सजा देने की बातों के मामले में व्यापक विवेक भी मिलता है तथा यह अदालतों को मनमानी शक्तियाँ प्रदान नहीं करता, सुप्रीम कोर्ट भी मानता है कि धारा 498 ए की संवैधानिक या विधायी वैधता पर सवालिया निशान लगाने का कोई औचित्य नहीं है, मगर इसमें बदलते समय की आवश्यकता-नुसार समीक्षा एवं संशोधन अवश्य किए जाने चाहिए.

सुझाव

- धारा 498 ए को IPC में शामिल किए काफी समय बीत गया है, मगर बीच में समय-समय पर इसकी उचित समीक्षा एवं संशोधन के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, अब समय आ गया है जब कार्यपालिका, न्यायपालिका तथा विधायिका को धारा 498 ए सहित दहेज उत्पीड़न एवं घरेलू हिंसा से जुड़े तमाम अन्य कानूनों/अधिनियमों की आवश्यक समीक्षा तथा उनमें संशोधन के लिए परस्पर समन्वय, संवाद व सहभागिता के साथ काम करना चाहिए,
- भारतीय सन्दर्भ में दहेज, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा आदि को सही ढंग से परिभाषित, व्याख्यायित तथा वर्गीकृत किए जाने की बेहद आवश्यकता है, क्योंकि इससे इन मामलों से जुड़े कानूनों के सही मापदण्ड बनाने, प्रभावी नीति निर्धारण व क्रियान्वयन करने में भी मदद मिलेगी, साथ ही अपराध की प्रकृति, स्वरूप, प्रवृत्ति एवं सजा तय करने में भी आसानी होगी, जाहिर है बदलते दौर में विवाह, दहेज एवं घरेलू हिंसा के सन्दर्भ में बनाए गए नए-पुराने कानूनों/अधिनियमों को पुर्नपरिभाषित तथा पुनर्स्थापित करने की बहुत अधिक आवश्यकता है.
- धारा 498 ए के प्रावधानों में कुछ लचीलापन अवश्य लाया जाना चाहिए, मसलन इसे जमानती श्रेणी में लाया जा सकता है अथवा बेवजह एवं झूठे आरोप-प्रत्यारोप लगाने पर महिला के विरुद्ध भी कानूनी प्रावधान बनाए जाने

शेष पृष्ठ 186 पर

समसामयिक घटनाक्रम

योजना-आयोजना पर आधारित महत्वपूर्ण गतिविधियाँ

जन-धन योजना (PMJDY) ओपन-एण्डेड योजना घोषित

- 5 सितम्बर, 2018 को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल द्वारा "प्रधानमंत्री जन-धन योजना" (PMJDY) को उच्च बीमा कवर के साथ ओवरड्राफ्ट (OD) सुविधा को दोगुना करने तथा इसे ओपन-एण्डेड योजना में बदलने को मंजूरी दे दी.
- केन्द्र सरकार द्वारा अब प्रत्येक घर से सभी वयस्क नागरिकों को इस योजना से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है, केन्द्र सरकार की मानें, तो जन-धन योजना काफी हद तक अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रही है और केन्द्र सरकार ने इसे ओपन-एण्डेड घोषित करने का निर्णय लिया है तथा ओवर-ड्राफ्ट की मौजूदा सीमा को ₹ 5,000 से बढ़ाकर ₹ 10,000 तक कर दिया है.
- दरअसल ऐसी म्यूचुअल फण्ड योजनाएं जो हमेशा निवेश के लिए उपलब्ध रहती हैं तथा इनमें किए गए निवेश को भुनाने के लिए कोई तय सीमावधि नहीं होती है 'ओपन एण्डेड योजनाएं (सदैव खुली रहने वाली समय सीमा रहित योजनाएं) कहलाती हैं, वहीं दूसरी ओर क्लोज एण्डेड म्यूचुअल फण्ड योजनाएं (तय सीमावधि तक खुली रहने वाली) निवेश के लिए एक सीमित अवधि तक ही खुली रहती हैं और इस अवधि के पश्चात् इनमें सीधे तौर पर निवेश नहीं किया जा सकता.
- अब इस योजना में ₹ 2000 तक के किसी भी ओवरड्राफ्ट के लिए कोई शर्त नहीं होगी, साथ ही ओडी सुविधा का लाभ उठाने के लिए आयु सीमा 18-60 वर्ष को बढ़ाकर 18-65 वर्ष तक कर दिया गया है, जबकि नए रूपे कार्ड धारकों के लिए दुर्घटना बीमा कवर को ₹ 2 लाख तक बढ़ा दिया गया है.
- जन-धन योजना को वित्तीय समावेशन पर राष्ट्रीय अभियान के नाम से जाना जाता है, इसका मूल उद्देश्य समाज के सभी वर्गों (विशेष कर कम आय एवं सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों) को विभिन्न वित्तीय व बैंकिंग सेवाओं जैसे–मूल बचत बैंक खाते की उपलब्धता, आवश्यकता आधारित ऋण की उपलब्धता, विप्रेषण सुविधा, बीमा एवं पेंशन सुविधा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करना है. इस योजना में प्रत्येक परिवार के लिए कम-से-कम एक मूल बैंकिंग खाता, वित्तीय साक्षरता, ऋण की उपलब्धता समेत सभी प्रकार की बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने की संकल्पना की गई है. प्रारम्भ में इसमें लाभार्थियों को एक रूपे डेबिट कार्ड जारी करके ₹ 1 लाख तक के बीमा कवर की सुविधा दी गई थी, साथ ही इस योजना के अन्तर्गत सभी सरकारी लाभों को लाभार्थियों के खातों से जोड़ने तथा केन्द्र सरकार की प्रत्यक्ष लाभांतरण (DBT) योजना को आगे बढ़ाने की संकल्पना भी की गई थी.

अटल पेंशन योजना को (APY) को मिला विस्तार

- 9 मई, 2015 को शुरू अटल पेंशन योजना को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल द्वारा अनिश्चितकाल तक बढ़ाने का फैसला लिया गया है. 9 सितम्बर, 2018 को इस आशय का फैसला लिया गया, गौरतलब है कि इस योजना की अवधि अगस्त 2018 में समाप्त हो गई थी.
- इस योजना को विस्तारित करने के साथ ही कुछ नए प्रावधान भी बनाए गए हैं. मसलन इस योजना के अन्तर्गत 28 अगस्त, 2018 के बाद खाता खोलने वाले सभी खाताधारकों के लिए दुर्घटना बीमा की राशि को ₹ 1 लाख से बढ़ाकर ₹ 2 लाख कर दिया गया है, साथ ही आयु-प्रत्याशा में वृद्धि के मद्देनजर इसमें अधिकतम आयु सीमा को भी 5 वर्ष बढ़ा दिया गया है, जहाँ पहले इस योजना में नामांकन की सीमा 18-60 साल तय की गई थी, वहीं अब इसे बढ़ाकर 18-65 साल कर दिया गया है. यहीं नहीं योजना की ओवरड्राफ्ट (OD) सुविधा को भी ₹ 5,000 से बढ़ाकर ₹ 10,000 कर दिया गया है.
- असंगठित क्षेत्र में कार्यरत् लोगों को वृद्धावस्था में पेंशन तथा आय सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इस योजना का शुभारम्भ किया गया था, इसे "राष्ट्रीय पेंशन योजना तंत्र" के माध्यम से "पेंशन फण्ड विनियामक और विकास प्राधिकरण" (PFRDA) द्वारा प्रशासित किया जाता है. इस योजना के अन्तर्गत विभिन्न आयु वर्ग के लोगों को एक निश्चित मासिक किस्त (प्रीमियम) जमा करने पर 60 वर्ष के पश्चात् एक निर्धारित मासिक पेंशन प्रदान करने का प्रावधान बनाया गया था, योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों को न्यूनतम 20 साल तथा अधिकतम 42 साल तक एक निश्चित मासिक रकम जमा करने पर 60 साल के पश्चात् ₹ 1000 से ₹ 5,000 तक मासिक पेंशन पाने का हकदार माना गया था, अर्थात् 18-40 वर्ष तक के लोग इसमें शामिल हो सकते थे, मगर अब 18-45 साल तक के लोग इसमें शामिल हो सकते हैं और देर से यानि 45 साल के पश्चात् भी इस योजना में शामिल होने वाले लोग 65 साल के पश्चात् एक निश्चित गारण्टीशुदा पेंशन पा सकते हैं. मासिक किश्तों की सीमा पेंशन स्लैब तथा उम्र के हिसाब से अलग-अलग निर्धारित की गई है.
- उदाहरण के लिए इस योजना के अन्तर्गत 60 वर्ष के पश्चात ₹ 1000 की मासिक पेंशन पाने के लिए विभिन्न आयु वर्ग का अंशदान इस प्रकार है–(1) 18 वर्ष की आयु से शुरू करने पर ₹ 42 मासिक, (2) 20 वर्ष की आयु से शुरू करने पर ₹ 50 मासिक, (3) 25 वर्ष की आयु से शुद्ध करने पर (शामिल होने पर) ₹ 76 मासिक, (4) 30 वर्ष की आयु से शुरू करने पर ₹ 116 मासिक, (5) 35 वर्ष की आयु से शुरू करने पर ₹ 181 मासिक तथा (6) 40 वर्ष की आयु के बाद करने पर ₹ 291 मासिक, इसी प्रकार 60 वर्ष के पश्चात् ₹ 5,000 की मासिक पेंशन पाने के लिए विभिन्न आयु वर्ग का अंशदान इस प्रकार है–(1) 18 वर्ष में शामिल होने पर ₹ 210 मासिक, (2) 25 वर्ष में शामिल होने पर ₹ 376 मासिक, (3) 30 साल में ₹ 577 मासिक, (4) 35 साल में शामिल होने पर ₹ 902 मासिक तथा (5) 40 साल में ₹ 1454.

डेयरी प्रसंस्करण एवं अवसंरचना विकास कोष (DPIDF) की स्थापना

- 13 सितम्बर, 2018 को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में कृषि मंत्री "राधामोहन सिंह" ने ₹ 10,881 करोड़ के परिव्यय के साथ

"डेयरी प्रसंस्करण एवं अवसंरचना विकास कोष" (Dairy Processing and Infrastructure Development Fund–DPIDF) की शुरूआत की, गौरतलब है कि वर्ष 2017-18 के बजट में DPIDF की स्थापना के सम्बन्ध में प्रस्तावित घोषणा की गई थी, जिसका औपचारिक उद्घाटन समारोह सिल्वर ओक, इण्डिया हैबिटेट सेंटर नई दिल्ली में किया गया.

- "पशुपालन-डेयरी एवं मत्स्य पालन विभाग" (भारत सरकार) के तत्वावधान में लागू होने वाली इस योजना का मुख्य उद्देश्य डेयरी के क्षेत्र में विकास की सम्भावनाओं को मूर्त रूप देना और डेयरी किसानों की आय को दोगुना करना है, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा इस क्षेत्र में तैयार "राष्ट्रीय कार्य योजना" (विजन-2024) के तहत् कुल ₹51,077 करोड़ की अनुमानित लागत की आवश्यकता बताई गई है. इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2018-19 के लिए ₹10,881 करोड़ के आवंटन का लक्ष्य रखा गया है, जिसके तहत् "राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड" (NDDB) को ₹40 करोड़ की प्रारम्भिक किस्त जारी कर दी गई है.
- इस योजना से 50000 गाँवों के तकरीबन 95 लाख दुग्ध उत्पादकों के लाभान्वित होने के आसार हैं, इसके अलावा इस क्षेत्र में कार्यरत् अनेक प्रशिक्षित, अप्रशिक्षित तथा अर्द्धप्रशिक्षित मानव श्रम-शक्ति के प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से लाभान्वित होंगे, योजना के अन्तर्गत प्रतिदिन 126 लाख लिटर की अतिरिक्त दुग्ध प्रसंस्करण क्षमता, प्रति-दिन 210 टन दूध को विभिन्न उपयोग हेतु सुखाने की क्षमता का विकास एवं 28000 ग्रामीण स्तर पर 'बल्क मिल्क कूलर' की स्थापना से प्रतिदिन 140 लाख लिटर की दुग्ध अवशीतन क्षमता के विकास का लक्ष्य रखा गया है.
- योजना के अन्तर्गत कम ब्याज दरों पर डेयरी क्षेत्र के वित्तपोषण का लक्ष्य भी रखा गया है, जिसमें दुग्ध सरकारी संस्थाओं को ₹8,004 करोड़ की वित्तीय सहायता ऋण के रूप में 6·5% के वार्षिक ब्याज की दर पर उपलब्ध कराई जाएगी, जिसकी वापसी 10 वर्ष की अवधि में करनी होगी, यही नहीं इस ऋण पर ब्याज सब्सिडी का प्रावधान भी बनाया गया है. सरकार ने योजना का क्रियान्वयन 14 राज्यों से बढ़ाकर 18 राज्यों में कर दिया है, इस कोष के अन्तर्गत कर्नाटक, पंजाब व हरियाणा में 1·5 परियोजनाओं के लिए ₹1,148 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं.

"स्थानांतरित कृषि पर नीति हेतु" नीति आयोग के सुझाव

- नीति आयोग द्वारा 17 सितम्बर, 2018 को स्थानांतरित कृषि पर प्रकाशित रिपोर्ट को सार्वजनिक कर दिया गया, जिसमें कृषि मंत्रालय को इस क्षेत्र में अन्त:मंत्रालयी अभिसरण सुनिश्चित करने के लिए" स्थानांतरित कृषि पर मिशन" के लिए कई प्रमुख सुझाव दिए गए हैं, "स्थानांतरित कृषि पर मिशन : एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण की ओर" नामक इस रिपोर्ट में कहा गया है कि "केन्द्र के साथ-साथ राज्य सरकार के वन एवं पर्यावरण विभागों एवं कृषि तथा संबद्ध विभागों का अधिकांशत: स्थानांतरित के लिए अलग-अलग प्रकार का दृष्टिकोण होता है और यह स्थानीय व जमीनी स्तर के श्रमिकों एवं झूम (स्थानांतरित) कृषकों के बीच भ्रम पैदा करता है. अत: इस समस्या से निपटने के लिए समेकित नीति को अपनाया जाना चाहिए," दस्तावेज के मुताबिक "स्थानांतरित कृषि के लिए प्रयुक्त की जाने वाली भूमि की पहचान कृषि भूमि के रूप में की जानी चाहिए, जहाँ किसान जंगल भूमि के बजाय खाद्य उत्पादन के लिए कृषि-वानिकी' का अभ्यास करते हैं".
- प्रकाशित दस्तावेज के अनुसार वर्ष 2000 से 2010 के बीच स्थानांतरित कृषि के तहत् भूमि में 70% की कमी आई है. यह रिपोर्ट 'सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय' द्वारा 'सांख्यिकी वर्ष पुस्तक' (2014) में प्रकाशित 'भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद्' के आँकड़ों का उल्लेख करती है. इसके अनुसार वर्ष 2000 में 35,142 वर्ग किमी क्षेत्र 'झूम कृषि' के अन्तर्गत शामिल था, जो वर्ष 2010 में घटकर महज 10306 वर्ग किमी रह गया, पूर्वोत्तर के राज्यों में जहाँ झूम कृषि काफी मात्रा में की जाती है, इस दौरान स्थानांतरित कृषि का क्षेत्रफल 16435·18 वर्ग किमी की तुलना में घटकर महज 8771·62 वर्ग किमी रह गया है. स्मरणीय है कि स्थानीय रूप में झूम खेती के नाम से जानी जाने वाली इस कृषि प्रणाली को अरुणाचल प्रदेश, नगालैण्ड, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर जैसे पूर्वोत्तर के राज्यों में पर्याप्त जनसंख्या के लिए खाद्य उत्पादन का एक बेहद महत्वपूर्ण आधार माना जाता है. इसकी चर्चा करते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि–"यह कार्य पूर्वोत्तर के राज्यों में पहले से पारम्परिक रूप से स्थापित और अच्छी तरह से प्रदर्शन करने वाले स्वयं सहायता समूहों के संघों को स्थापित करके किया जा सकता हैं,' रिपोर्ट के मुताबिक झूम कृषि कुछ क्षेत्रों के लिए खाद्य सुरक्षा का पर्याप्त आधार तो अवश्य है, मगर इस क्षेत्र में नगदी की कमी के चलते लोग बागवानी तथा अन्य प्रकार की कृषि की ओर रुख कर रहे हैं, साथ ही 'मनरेगा'

भारत एवं विश्व के विभिन्न भागों में झूम खेती (Shifting Cultivation) के नाम

झूम खेती का स्थानीय नाम	देश/देश का भू-भाग
रे (Ray)	वियतनाम
तावी (Tavi)	मेडागास्कर
मासोल (Masole)	कांगो (जामर नदी घाटी)
फॉग (Fang)	भूमध्य सागरीय अफ्रीकी देश
लोगान (Logan)	पश्चिमी अफ्रीका
कोमाइल (Comile)	मेक्सिको
मिल्पा (Milpa)	यूकाटन एवं ग्वाटेमाला
एचालिन (Echalin)	ग्वाडेलॉप
मिल्या (Milya)	मेक्सिको एवं केन्द्रीय अमरीका
कोनुको (Konuko)	वेनेजुएला
रोका (Roka)	ब्राजील
चेतेमिनी (Chetemini)	युगाण्डा, जाम्बिया एवं जिम्बाब्वे
कैंगिन (Caingin)	फिलीपींस
टौंग्या (Toungya)	म्याँमार
चेना (Chena)	श्रीलंका
लाडांग (Ladang)	इण्डोनेशिया
तामराई (Tamrai)	थाइलैण्ड
हुमाह (Humah)	इण्डोनेशिया
भारत	
झूम (Jhum)	पूर्वोत्तर भारत
वेवार एवं दहियार (Vevar and Dahiyaar)	बुन्देलखण्ड
दीपा (Deepa)	बस्तर
जारा एवं इरका (Zara and Irka)	दक्षिण भारत
बतरा (Batra)	दक्षिण पूर्वी राजस्थान
पोडू (Podu)	आन्ध्र प्रदेश
कुमारी (Kumari)	केरल में पश्चिमी घाट का पर्वतीय क्षेत्र
कामन, विंगा एवं ढाबी (Kaman, Vinga and Dhavi)	ओडिशा

जैसी योजनाओं के क्रियान्वयन से भी लोगों का रुझान स्थानांतरित कृषि से कम हुआ है.

- प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक 'पहले झूम-कृषक परती भूमि पर 10-12 साल पश्चात् लौटते थे, मगर अब महज 3-5 साल में लौट रहे हैं, इसने मिटटी की गुणवत्ता पर असर डाला है,' इसलिए रिपोर्ट में यह सुझाव दिया गया है कि स्थानांतरित कृषि की परती भूमि को कानूनी मान्यता दी जानी चाहिए और इसे परती पुनरुद्धार के रूप में वर्गीकृत किया जाना चाहिए, साथ ही साख सुविधाओं को उन लोगों तक विस्तारित किया जाना चाहिए, जोकि स्थानांतरित खेती करते हैं, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अनाज एवं अन्य बुनियादी खाद्य पदार्थों तक स्थानीय लोगों की व्यापक पहुँच सुनिश्चित करने हेतु 'सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) को विस्तारित करके संक्रमण एवं परिवर्तन के दौरान झूम कृषि में शामिल समुदायों की खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए.
- अब सवाल उठता है कि आखिर झूम-खेती या स्थानांतरित खेती (Slash and Burn Farming) है क्या ? दरअसल यह एक आदिम या पुरातन प्रकार की परम्परागत खेती है. जिसमें पहले वृक्षों तथा वनस्पतियों को काटकर उन्हें जला दिया जाता है और साफ की गई भूमि को परम्परागत उपकरणों (लकड़ी व लोहे के बने हल, कुदाल, फावड़ा, दराती इत्यादि) से जुताई-गुडाई करके बीज बो दिए जाते हैं, फसल पूर्णतः प्रकृति पर निर्भर रहती है और इसमें अपेक्षाकृत इतना उत्पादन नहीं हो पाता कि इसकी मण्डियों में या बाजारों में व्यापक स्तर पर बिक्री की जाए, हाँ, मगर इतना अवश्य है कि इस प्रकार की प्राकृतिक खेती काफी हद तक स्थानीय लोगों की खाद्य व पोषण की आवश्यकताओं को जरूर पूरी कर लेती है. इस प्रकार की खेती में चयनित भूमि पर 3-4 साल तक उर्वरता रहने के कारण उस पर खेती की जा सकती है, मगर उर्वराशक्ति कम होने के पश्चात् इस स्थान को छोड़ दिया जाता है. (जिस पर पुनः पेड़-पौधे उग जाते हैं) तथा पुनः खेती के लिए नई जंगली भूमि तलाशी जाती है. इस प्रकार चलने वाले इस प्रकम को 'झूम-खेती' (Slash Farming) अथवा 'स्थानांतरित कृषि' (Shifting Cultivation) कहा जाता है, खेती के इस प्रकार को श्रीलंका में 'चेना', पूर्वोत्तर एशियाई क्षेत्रों में 'लदांग' तथा रोडेशिया में मिल्पा कहते हैं. इस प्रकार की खेती मुख्यतः उष्ण कटिबंधीय वन प्रदेशों में की जाती है.

●●●

शेष पृष्ठ 131 का

निर्माण हो या आधुनिक कम्प्यूटर के निर्माण के क्षेत्र में कई कम्पनियाँ कार्य कर रही हैं. कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लैस गूगल के अल्फागों ने मानव को एक कम्प्यूटर बोर्ड खेल में हराया था. तो स्पष्ट है कि कृत्रिम बुद्धि में इतनी क्षमता हो सकती है कि वह मनुष्य से भी आगे निकल जाए.

कृत्रिम बुद्धिमत्ता में यह ताकत भी है इससे हम गरीबी और बीमारी को समाप्त करने का लक्ष्य भी प्राप्त कर सकते हैं. हालांकि सच यह भी है कि अगर हमने इसके जोखिम से बचने का तरीका नहीं ढूँढ़ा, तो सभ्यता खत्म भी हो सकती है.

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लाभ

कृत्रिम बुद्धिमत्ता या आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के कई लाभ और सकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं. जैसे मशीनों या रोबोट के अन्दर इंसानों जैसी कृत्रिम बुद्धिमत्ता तो डाली जा सकती है, लेकिन इन मशीनों के अन्दर भावनाएं डालना अभी असम्भव है. वहीं मशीनों के अन्दर किसी भी तरह की भावना न होने से ये बिना किसी भावना से अपना काम करेंगी और ऐसी स्थिति में उस कार्य में कोई गलती होने की सम्भावनाएं न के समान होंगी. यह मशीन बिना थके कोई भी कार्य लगातार कर सकती हैं. ऐसे में किसी भी कार्य को अतिशीघ्र किया जा सकता है. इतना ही नहीं हम इंसान जहाँ केवल 8 घण्टे तक ही अपना कार्य कर सकते हैं. वहीं ये मशीनें दिन से लेकर रात तक बिना रुके कार्य कर सकती हैं. ऐसे कई सारे कार्य हैं जिनको इंसान करना तो चाहता है, लेकिन उन कामों को करने में आने वाले जोखिम के कारण वह उन कार्यों को नहीं कर सकते. वहीं इस तरह की कृत्रिम बुद्धिमत्ता से युक्त मशीनों के आने से ऐसे सभी कार्यों को किया जा सकता है, जोकि हम लोगों के लिए खतरनाक होते हैं. ऐसी कई जगह हो सकती हैं जहाँ पर मानव नहीं जा सकते हैं, लेकिन ये मशीन आसानी से उन जगह पर जा सकती हैं और बताए गए कार्य कर सकती हैं.

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के सम्भावित खतरे

जहाँ एक ओर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लाभ हैं तो दूसरी ओर कुछ हानिकारक और नकारात्मक प्रभाव भी हैं. सर्वप्रथम तो जो सबसे बड़ा नकारात्मक प्रभाव मानव जाति पर पड़ेगा, वह नौकरियों से जुड़ा हुआ है. अगर इस तरह की मशीन बनाई जाती हैं, जोकि मानव की तरह सोचने व कार्य करने की क्षमता रखती हैं, तो व्यक्ति या श्रमिकों के स्थान पर इन मशीनों को कार्य पर रखा जाएगा, अर्थात् नौकरियों में कमी आएगी. बेरोजगारी में वृद्धि हो सकती है.

इस बात में कोई सन्देह नहीं है कि नई-नई तकनीकों के आने से व्यक्तियों में सृजन शक्ति का ह्रास हो रहा है. मानव मशीनों पर ज्यादा निर्भर रहने लगे हैं. वहीं सोच और समझ रखने वाली मशीनों के आने से लोग अपने विवेक का अधिक उपयोग नहीं करेंगे. काम को आसानी से और जल्दी करने के उद्देश्य से इन मशीनों पर निर्भरता बढ़ेगी. लोगों की सोचने-समझने की क्षमता पर असर पड़ेगा.

आने वाली नई पीढ़ी पर इस तकनीक का बेहद ही बुरा प्रभाव पड़ेगा. जहाँ विद्यार्थी अपना स्कूल कार्य करने के लिए पुस्तकों का प्रयोग करते थे, वहीं आजकल के छात्र मूलभूत सवालों के लिए भी कम्प्यूटर पर निर्भर रहते हैं. बिना मेहनत किए आसानी से किसी भी चीज का जवाब हासिल कर लेते हैं. ठीक इसी तरह आने वाले समय की पीढ़ी को और नई तकनीकें मिल जाएंगी, जिससे कि वे अपना दिमाग का प्रयोग ही नहीं करेंगे जिससे उनके मानसिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा.

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद से शक्तिशाली स्वचालित हथियार बन सकते हैं या फिर ऐसे उपकरण जिनके सहारे चन्द लोग एक बड़ी आबादी का शोषण कर सकते हैं. यह अर्थव्यवस्था को भी बड़ी चोट पहुँचा सकती है. इसके अतिरिक्त यह भविष्य में मशीनों को मनुष्य के नियन्त्रण से मुक्त कर सकता है, जिससे मशीनों का मानव के साथ संघर्ष भी हो सकता है.

कुल मिलाकर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस हमारे लिए लाभदायक भी है और हानिकारक नुकसानदेह भी अब यह हमारे ऊपर निर्भर करता है कि हम इसका उपयोग कैसे करते हैं.

●●●

तर्कशक्ति

(स्मृति पर आधारित)

निर्देश–(प्रश्न 1 से 5 तक) सावधानी-पूर्वक दी गई सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

सात डिब्बे–A, B, C, D, E, F और G एक दूसरे के ऊपर रखे हैं, पर जरूरी नहीं, इसी क्रम में. हर डिब्बे की संख्या अलग है, जैसे–11, 14, 15, 17, 18, 19 और 22 पर जरूरी नहीं, इसी क्रम में.

G और 19 नं. डिब्बे के बीच सिर्फ 3 डिब्बे रखे हैं. G और B के बीच सिर्फ दो डिब्बे रखे हैं. B, 19 नं. डिब्बे के नीचे किसी एक स्थान पर रखा गया है. B और 14 नं. डिब्बे के बीच सिर्फ एक डिब्बा रखा गया है. E, 22 नं. डिब्बे के ठीक नीचे रखा गया है. E, डिब्बा नं. 19 के ऊपर किसी एक स्थान पर रखा गया है. E और डिब्बे E से कम संख्या वाले डिब्बे के बीच सिर्फ एक डिब्बा रखा है. E के डिब्बे का नं. न ही 17 और न 18 है. 15 नं. डिब्बे और F के बीच सिर्फ दो डिब्बे रखे गए हैं. F और F के ठीक नीचे रखे गए डिब्बों की संख्या में अन्तर चार से कम है. C सबसे ऊपरी डिब्बा नहीं है. C का डिब्बा नं. 14 नहीं है. C और A के बीच सिर्फ दो डिब्बे रखे गए हैं.

1. डिब्बे C की संख्या क्या है ?
   (A) 15 (B) 19
   (C) 22 (D) 18
   (E) 11

2. E और 14 नं. डिब्बे के बीच कितने डिब्बे रखे गए हैं ?
   (A) 3 (B) 1
   (C) 2 (D) 4 से अधिक
   (E) 5

3. दिए गए डिब्बों के स्टैक में D का स्थान क्या है ?
   (A) ऊपर से तीसरा
   (B) ऊपर से पाँचवाँ
   (C) ऊपर से पहला
   (D) नीचे से तीसरा
   (E) नीचे से चौथा

4. A के ठीक ऊपर इनमें से कौनसा डिब्बा रखा गया है ?
   (A) B (B) डिब्बा नं. 15
   (C) डिब्बा नं. 17 (D) G
   (E) डिब्बा नं. 14

5. किसी तरह निम्नलिखित पाँच में से, चार एक से हैं और एक समूह बनाते हैं. निम्नलिखित में से वह कौनसा एक है, जो समूह में नहीं आता ?
   (A) B-14 (B) E-22
   (C) C-17 (D) D-19
   (E) A-18

निर्देश–(प्रश्न 6 से 10 तक) दी गई सूचनाओं को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

एक शब्द और संख्या को व्यवस्थित करने की मशीन में जब एक शब्दों और संख्याओं की इनपुट रेखा दी जाती है, तो मशीन उन्हें हर चरण में निश्चित नियम के अनुसार व्यवस्थित करती है.

निम्न इनपुट और उसकी व्यवस्था का एक उदाहरण है–

इनपुट : 19 ear 24 an 18 nose 25 our 32 mind 9 box

चरण I : 10 19 ear 24 18 nose 25 our 32 mind box an.

चरण II : box 10 ear 24 18 nose 25 our 32 mind an 20.

चरण III : 26 box 10 24 18 nose our 32 mind an 20 ear.

चरण IV : mind 26 box 10 24 nose our 32 an 20 ear 17.

चरण V : 23 mind 26 box 10 our 32 an 20 ear 17 nose.

चरण VI : our 23 mind 26 box 10 an 20 ear 17 nose 31.

चरण VI उपर्युक्त इनपुट की व्यवस्था का आखिरी चरण है. उपर्युक्त चरणों में प्रयोग हुए नियमों के आधार पर, दिए गए इनपुट के लिए, निम्न प्रश्नों में से हर एक में, सही चरण ढूँढ़िए–

इनपुट : 17 and 32 on 12 never 29 time 7 put 4 fix.

6. इनमें से कौनसे चरण में, तत्व '32 12 time' एक क्रम में पाए गए हैं ?
   (A) चरण I (B) चरण II
   (C) चरण III (D) चरण IV
   (E) चरण VI

7. चरण III में, इनमें से कौनसा तत्व, दाएं छोर से पाँचवें तत्व के बाएं से दूसरा होगा ?
   (A) 12 (B) time
   (C) put (D) 4
   (E) and

8. उपर्युक्त व्यवस्था को पूरा करने में कितने चरणों की जरूरत होगी ?
   (A) तीन (B) चार
   (C) पाँच (D) सात
   (E) इनमें से कोई नहीं

9. व्यवस्था के बाद निम्नलिखित में से कौनसा चरण-V होगा ?
   (A) 11 on 30 fix 8 32 time 18 and never 3 put
   (B) on 11 to fix 8 32 time and 18 never 3 put
   (C) 11 on 30 fix 8 32 time and 18 never put 3
   (D) 11 on 30 fix 8 32 time and 18 never 3 put
   (E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

10. चरण VI में, 'time' का सम्बन्ध 'on' से है और 'never' का सम्बन्ध 'put' से है. इसी तरह 'fix' का सम्बन्ध किससे है ?
    (A) time (B) 11
    (C) on (D) and
    (E) इनमें से कोई नहीं

निर्देश–(प्रश्न 11 से 13 तक) पाँच दोस्त A, B, C, D और E यदृच्छया खड़े हैं. B, E के उत्तर-पूर्व में है. D, E के 2 किमी पूर्व में है, जो कि A के 6 किमी पश्चिम में है. C, D के उत्तर-पश्चिम में है और रेखा EB पर है. D, B के 4 किमी दक्षिण में है.

11. A के सन्दर्भ में, C किस दिशा में है ?
    (A) दक्षिण-पश्चिम (B) दक्षिण-पूर्व
    (C) उत्तर-पूर्व (D) उत्तर-पश्चिम
    (E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

12. B के सन्दर्भ में, A किस दिशा में है ?
    (A) दक्षिण-पूर्व (B) दक्षिण-पश्चिम
    (C) उत्तर-पश्चिम (D) उत्तर-पूर्व
    (E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

13. D और A के बीच की दूरी क्या है ?
    (A) 5 किमी (B) 4 किमी
    (C) 6 किमी (D) 3 किमी
    (E) इनमें से कोई नहीं

14. P, Q और R का भाई है. S, R की माँ है. T, P का पिता है. निम्नलिखित में से कौनसे कथन निश्चय ही सत्य नहीं हो सकते ?
    (A) T, Q का पिता है
    (B) S, P की माँ है
    (C) P, S का पुत्र है

(D) Q, T का पुत्र है
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

निर्देश–(प्रश्न 15 से 17 तक) हर एक प्रश्न में एक प्रश्न है और दो कथन I और II दिए गए हैं. आपको निश्चय करना है कि कथनों में दी गई सूचना, प्रश्नों का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है या नहीं. दोनों कथनों को पढ़िए और उत्तर दीजिए—

(A) कथन I की सूचना प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है जबकि कथन II की नहीं
(B) कथन II की सूचना प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है जबकि कथन I की नहीं
(C) कथन I और कथन II की सूचना मिलकर प्रश्न का उत्तर देने के लिए जरूरी है
(D) कथन I और II की सूचनाएं मिलकर भी प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त नहीं है
(E) या तो कथन I की सूचना प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है या तो कथन II की सूचना प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है

15. **कथन :** छः लड़के J, K, L, M, N, O एक कक्षा में हैं और इनकी लम्बाई अलग-अलग है. इनमें से कौन सबसे लम्बा है ?
I. M, N और K से लम्बा है. J, M से लम्बा है पर O जितना लम्बा नहीं. L, K से लम्बा है.
II. M सिर्फ तीन लड़कों से बड़ा है. J, K से बड़ा है.

16. **कथन :** छः लोग R, S, T, U, V, W एक छः मंजिला इमारत, जिसकी ग्राउंड फ्लोर को नं. 1 और उसके ऊपर की मंजिल को नं. 2 और ऐसे ही सबसे ऊपरी मंजिल को नं. 7 दिया गया है. R और T के बीच कितने व्यक्ति रहते हैं ?
I. T सम संख्या वाली मंजिल पर रहते हैं पर सबसे ऊपर वाली मंजिल पर नहीं. W और T के बीच सिर्फ दो व्यक्ति रहते हैं. R, W के नीचे रहता है.
II. S और U के बीच चार लोग रहते हैं. S और T के बीच कोई भी नहीं रहता है. V, R के ठीक ऊपर रहता है.

17. **कथन :** छः लोग A, B, C, D, E, F एक रेखा में बैठे हैं. उन सभी का मुख उत्तर दिशा में है. इनमें से दाएं छोर से दूसरे स्थान पर कौन बैठा है ?
I. B, रेखा के अन्तिम छोर पर बैठा है. A, B के दाए से दूसरे स्थान पर बैठा है. A और C के बीच सिर्फ एक व्यक्ति बैठा है. E, C के ठीक दाएं बैठा है.
II. E, D के दाएं से तीसरे स्थान पर बैठा है. E और A के बीच सिर्फ एक व्यक्ति बैठा है. F, E के दाएं बैठा है. C, E का निकटतम पड़ोसी है.

निर्देश–(प्रश्न 18 से 22 तक) इस प्रश्न में, कथनों में विभिन्न तत्वों के बीच सम्बन्ध दिखाया गया है. आपको निश्चय करना है और उत्तर देना है—

(A) सिर्फ निष्कर्ष I अनुसरण करता है
(B) सिर्फ निष्कर्ष II अनुसरण करता है
(C) न ही निष्कर्ष I न ही II अनुसरण करते हैं
(D) या तो निष्कर्ष I या II अनुसरण करता है
(E) दोनों निष्कर्ष I और II अनुसरण करते हैं

18. **कथन :** $P < Q \leq S = T, R = Q < U, V > U$
निष्कर्ष : I. $P > V$
II. $V > T$

19. **कथन :** $U \geq X = Y, Y \leq Z \leq S, T = W > Z$
निष्कर्ष : I. $T \leq U$
II. $S > U$

20. **कथन :** $A \geq P = S > T, V < B = T \geq X$
निष्कर्ष : I. $A > X$
II. $P < B$

21. **कथन :** $S > U > V, Y < U < Z, Z < X > W$
निष्कर्ष : I. $S < Z$
II. $X > Y$

22. **कथन :** $P < X \leq Y < Q, S > Y < T, P = V > R$
निष्कर्ष : I. $V < S$
II. $T > R$

23. दी गई कोड प्रणाली में, 'Now they live for' का कोड 'gn mu sy fd' और 'go now run for' का कोड 'gn sy mo it' लिखा गया है. 'go there now' का कोड देने के लिए निम्न में से कौनसे कथन की जरूरत है ?
I. 'Give it for' का कोड 'la sa sy' दिया गया है
II. 'Go there get ready' का कोड 'ht mo ga sx' दिया गया है
III. 'Now there fall' का कोड 'za ga gn' दिया गया है
(A) सिर्फ I
(B) दोनों II और III
(C) सिर्फ II
(D) दोनों I और II
(E) या I या II

निर्देश–(प्रश्न 24 से 28 तक) आठ दोस्त A, B, C, D, E, F, G और H मार्च, जून, सितम्बर और दिसम्बर की या तो 3 या 8 तारीख को पैदा हुए हैं. जो 30 दिन वाले महीनों में पैदा हुए हैं, उन्हें अलग फल पसन्द हैं—केला, सेब, आम और लीची पर जरूरी नहीं, इसी क्रम में. 31 दिन वाले महीनों में पैदा होने वालों को अलग रंग पसंद हैं—

लाल, पीला, नीला और हरा, पर जरूरी नहीं, इसी क्रम में. E जून में पैदा हुआ है. E और D के बीच सिर्फ एक व्यक्ति पैदा हुआ है. D को कोई रंग पसन्द नहीं है. B को लाल रंग पसन्द है. A से पहले और D के बाद, बराबर संख्या के लोग पैदा हुए हैं. पीले रंग और आम को पसन्द करने वाले के बीच कोई भी व्यक्ति पैदा नहीं हुआ है. जिसे पीला रंग पसन्द है, वह किसी भी महीने की 8 तारीख को पैदा नहीं हुआ है. E और लीची पसंद करने वाले के बीच कोई भी पैदा नहीं हुआ है. B और जिसे केला पसन्द है, के बीच एक व्यक्ति पैदा हुआ है. A को केला पसन्द नहीं है. जिसे सेब और केला पसन्द है, वह या तो एक ही तारीख में या एक ही महीने में पैदा हुए हैं. A और H के बीच सिर्फ एक व्यक्ति पैदा हुआ है. F को कोई फल पसन्द नहीं है. C और नीले रंग को पसन्द करने वाले के बीच कोई भी व्यक्ति पैदा नहीं हुआ है. H को फल पसन्द नहीं है. हरे रंग और सेब को पसन्द करने वाले के बीच और नीले रंग और आम को पसन्द करने वाले के बीच बराबर संख्या में लोग पैदा हुए हैं.

24. किसे हरा रंग पसन्द है ?
(A) C (B) F
(C) G (D) H
(E) E

25. B और जिसे लीची पसन्द है, के बीच कितने लोग पैदा हुए हैं ?
(A) चार (B) दो
(C) तीन (D) कोई नहीं
(E) एक

26. किसी तरह, किसी पैटर्न के आधार पर, निम्न पाँच में से चार, किसी तरह एक हैं और एक समूह बनाते हैं. निम्न में वह कौनसा एक है, जो समूह में नहीं आता ?
(A) A (B) G
(C) D (D) C
(E) E

27. 3 सितम्बर को कौन पैदा हुआ था ?
(A) जिन्हें आम पसन्द है
(B) E
(C) C
(D) D
(E) जिन्हें लीची पसन्द है

28. C को कौनसा रंग या फल पसन्द है ?
(A) पीला (B) आम
(C) लीची (D) नीला
(E) केला

निर्देश–(प्रश्न 29 से 31 तक) सूचनाओं को पढ़िए और निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

किसी कोड भाषा में
'Entire money board perfect' को 'Q7 N5 F6 C5' लिखा गया है.
'Sleave washing world stories' को 'X7 T6 T7 X5' लिखा गया है.
'Moving partly falls objects' को 'N6 P7 G5 Q6' लिखा गया है.

29. दी गई कोड भाषा में 'Radio' का कोड क्या है ?
(A) S5 (B) R5
(C) S4 (D) R6
(E) इनमें से कोई नहीं

30. दी गई कोड भाषा में शब्द 'Rising normal' के लिए क्या कोड है ?
(A) S5 O6 (B) O5 S6
(C) O6 S6 (D) O5 S5
(E) इनमें से कोई नहीं

31. अगर 'they formed ……' का कोड 'U4 G7 T5' दिया गया है, तो लुप्त शब्द क्या होगा ?
(A) South (B) Mount
(C) Store (D) Climb
(E) दोनों A और C

निर्देश–(प्रश्न 32 से 35 तक) 12 लोग दो समान्तर रेखाओं में, जिसमें हर एक रेखा में 6 लोग इस तरह बैठे हैं जिसमें हर एक व्यक्ति के बीच में दूरी बराबर हो. रेखा-1 में, P, Q, R, S, T और V बैठे हैं, और उन सबको मुख दक्षिण की ओर है. रेखा-2 में, A, B, C, D, E और F बैठे हैं, और उन सबका मुख उत्तर की ओर है. इसीलिए, दी गई बैठने की व्यवस्था में, एक रेखा में बैठे गए सदस्य का मुख, दूसरी रेखा में बैठे गए सदस्य की ओर है.

A, D के दाएं से तीसरे स्थान पर बैठा है, न ही A, न ही D अन्तिम छोरों पर बैठे हैं. T का मुख, D की ओर है. V का मुख, A की ओर नहीं है और V, किसी भी अन्तिम छोर पर नहीं बैठा है. V, T का निकटतम पड़ोसी नहीं है. B एक अन्तिम छोर पर बैठा है. B और E के बीच दो व्यक्ति बैठे हैं. E का मुख, V की ओर नहीं है. R और Q के बीच दो व्यक्ति बैठे हैं. R, T का निकटतम पड़ोसी नहीं है. C का मुख V की ओर नहीं है. P, R का निकटतम पड़ोसी नहीं है.

32. रेखा के अन्तिम छोरों पर इनमें से कौन बैठा है ?
(A) B, E (B) S, T
(C) P, R (D) B, F
(E) इनमें से कोई नहीं

33. इनमें से किसका मुख A की ओर है ?
(A) R (B) T
(C) P (D) Q
(E) S

34. T और S के बीच कितने लोग बैठे हैं ?
(A) 1 (B) 2
(C) 3 (D) 4
(E) 5

35. P का सम्बन्ध V से है, इसी तरह C का सम्बन्ध F से है. इसी पैटर्न से, E का सम्बन्ध निम्नलिखित में से किससे है ?
(A) B (B) D
(C) C (D) A
(E) इनमें से कोई नहीं

उत्तर हल सहित

प्रश्न 1 से 5 तक के लिए–

22 • D
15 • E
19 • C
11 • B
17 • F
14 • A
18 • G

1. (B) 2. (A) 3. (C) 4. (C) 5. (B)

प्रश्न 6 से 10 तक के लिए–

इनपुट : 17 and 32 on 12 never 29 time 7 put 4 fix.
चरण I : 8 17 32 on 12 never 29 time put 4 fix and.
चरण II : fix 8 32 on 12 never 29 time put 4 and 18.
चरण III : 30 fix 8 32 on 12 time put 4 and 18 never.
चरण IV : on 30 fix 8 32 12 time put and 18 never 3.
चरण V : 11 on 30 fix 8 32 time and 18 never 3 put.
चरण VI : time 11 on 30 fix 8 and 18 never 3 put 31.

6. (D) 7. (A) 8. (E) 9. (D) 10. (D)

प्रश्न 11 से 13 तक के लिए–

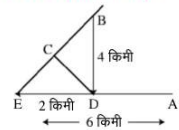

11. (D) 12. (A) 13. (B)

14. (D) (माँ)S T(पिता)
R P Q
(भाई)

15. (C) I. O > J > M > N & K
II. J > M > … > … > …
'1' और '2' से
'O' सबसे बड़ा है.

16. (C) I और II से
6 U
5 W
4 V
3 R
2 T
1 S
R और T के बीच कोई नहीं है

17. (A) I. B A C E
दाएं छोर से दूसरे स्थान पर C बैठा है

18. (C) **कथन** : P < Q ≤ S = T,
R = Q < U,
V > U
निष्कर्ष I अनुसरण नहीं करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण नहीं करता है.

19. (C) **कथन** : U ≥ X = Y,
Y ≤ Z ≤ S,
T = W > Z
निष्कर्ष I अनुसरण नहीं करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण नहीं करता है.

20. (A) **कथन** : A ≥ P = S > T,
V < B = T ≥ X
निष्कर्ष I अनुसरण करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण नहीं करता है.

21. (B) **कथन** : S > U > V,
Y < U < Z,
Z < X > W
निष्कर्ष I अनुसरण नहीं करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण करता है.

22. (E) **कथन** : P < X ≤ Y < Q,
S > Y < T,
P = V > R
निष्कर्ष I अनुसरण करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण करता है.

शेष पृष्ठ 186 पर

तर्कशक्ति

(स्मृति पर आधारित)

1. A पत्नी है B की. D भाई है A का. P और Q, E के बच्चे हैं, जोकि D की पत्नी है. B, Q से किस प्रकार सम्बन्धित है ?
   (A) पिता (B) दादी या नानी
   (C) अंकल (D) ससुर
   (E) कज़िन

निर्देश–(प्रश्न 2 से 4 तक) निम्नलिखित जानकारी का अध्ययन कीजिए और प्रश्न के उत्तर दीजिए–

ललित एक बाइक से अपने पुत्र के साथ अपने घर से अपने ऑफिस के लिए जाता है. वह बिन्दु A से बाइक चलाता है. वह दक्षिण की ओर 6 किमी चलाता है और बिन्दु B पर पहुँचता है. तब वह अपने दाएं को मुड़ता है और 8 किमी चलाता है और एक बेकरी की दुकान पर पहुँचता है.

2. बिन्दु A से बेकरी की दुकान कितनी दूर और किस दिशा में है ?
   (A) 10 किमी, दक्षिण-पश्चिम
   (B) 11 किमी, उत्तर-पूर्व
   (C) 12 किमी, दक्षिण-पश्चिम
   (D) 13 किमी, दक्षिण-पूर्व
   (E) दिए गए विकल्पों के अतिरिक्त अन्य
3. बेकरी स्टोर से ललित अपने दाएं मुड़ता है और 4 किमी चलाता है तथा बिन्दु C पर पहुँचता है. वह तब एक बार दाएं की ओर मुड़ता है और 5 किमी बाइक चलाता है तथा स्कूल पहुँचता है और अपने पुत्र को छोड़ता है. बेकरी की दुकान और स्कूल के मध्य दूरी क्या है ?
   (A) 3·10 किमी (B) 5·13 किमी
   (C) 6·4 किमी (D) 4·56 किमी
   (E) 7·5 किमी
4. स्कूल से वह बाएं की ओर 5 किमी चलता है, तब दाएं मुड़ता है और 2 किमी चलता है और बिन्दु D पर पहुँचता है. बिन्दु D बिन्दु A के किस दिशा में है ?
   (A) उत्तर-पश्चिम (B) दक्षिण-पश्चिम
   (C) दक्षिण-पूर्व (D) उत्तर-पूर्व
   (E) उत्तर

निर्देश–(प्रश्न 5 से 9 तक) अग्रलिखित जानकारी का अध्ययन कीजिए और दिए गए प्रश्न के उत्तर दीजिए–

माया, पवन, अमित, अरविन्द, रघु, राजीव और अशोक एक ही भवन के विभिन्न तलों में रहते हैं. सबसे नीचे वाला तल भवन का संख्या में 1 है, इससे तुरन्त ऊपर का तल संख्या में 2 है और इसी प्रकार सबसे ऊपर तक का तल संख्या में 7 है.

अरविन्द सम संख्या वाले एक तल में रहता है. माया अरविन्द के ऊपर के तल पर नहीं रहती है. पवन राजीव के तल के तीन तलों के ऊपर रहता है. राजीव और अरविन्द जिन तल में रह रहे हैं, के मध्य केवल एक व्यक्ति रह रहा है. अशोक एक विषम संख्या तल में रहता है. राजीव अरविन्द के नीचे नहीं रहता है. अमित अशोक के तल के तुरन्त ऊपर तल में रहता है.

5. संख्या 3 तल में कौन रहता है ?
   (A) माया (B) रघु
   (C) राजीव (D) अमित
   (E) अशोक
6. रघु के तल के तुरन्त ऊपर कौन रह रहा है ?
   (A) माया (B) अशोक
   (C) अमित (D) पवन
   (E) राजीव
7. सबसे ऊपरी तल पर कौन रहता है ?
   (A) अमित (B) अशोक
   (C) पवन (D) रघु
   (E) माया
8. अमित कौनसे तल पर रह रहा है ?
   (A) 7 (B) 6
   (C) 5 (D) 4
   (E) 3
9. यदि सभी व्यक्तियों को वर्णमाला में उपस्थिति के अनुसार समान क्रम में व्यवस्थिति किया गया है, सबसे ऊपरी तल से प्रारम्भ करके अन्तिम तल तक तो कितने व्यक्ति/व्यक्तियों की स्थिति पुनर्व्यवस्था के बाद अपरिवर्तित रहेगी ?
   (A) कोई नहीं (B) एक
   (C) दो (D) तीन
   (E) तीन से अधिक

निर्देश–(प्रश्न 10 से 14 तक) निम्नलिखित जानकारी का अध्ययन कीजिए और दिए गए प्रश्न के उत्तर दीजिए–

आठ व्यक्ति U, V, J, A, X, W, B और M एक वर्गाकार मेज के चारों ओर इस प्रकार बैठे हुए हैं कि उनमें से चार वर्ग के चारों कोनों पर बैठे हैं, जबकि चारों भुजाओं के प्रत्येक के मध्य में बैठे हैं. वो जो चारों कोनों पर बैठे हैं मुँह केन्द्र की ओर है तथा जबकि वो जो भुजा के मध्य में बैठे हैं मुँह बाहर की ओर है.

A, U के दाएं दूसरा बैठा है. U मेज की एक भुजा के मध्य में बैठा है. X, B के दाएं को दूसरा बैठा है. B, U और A का निकटतम पड़ोसी नहीं है. A और M के मध्य तीन व्यक्ति बैठे हुए हैं. J, U का पड़ोसी नहीं है. V, W के दाएं दूसरा बैठा है.

10. दी गई बैठने की व्यवस्था के आधार पर निम्नलिखित में से कौनसा सत्य नहीं है ?
    (A) A और U के मध्य दो व्यक्ति बैठे हैं
    (B) बैठने की व्यवस्था में B और M के मुँह एक-दूसरे की ओर नहीं हैं
    (C) X और A एक-दूसरे के तुरन्त पड़ोसी हैं
    (D) W, B के विपरीत बैठता है
    (E) U वर्गाकार मेज की एक भुजा के मध्य में बैठता है
11. निम्नलिखित में से कौनसा V के दाएं को तीसरा बैठा है ?
    (A) J (B) M
    (C) X (D) W
    (E) ज्ञात नहीं हो सकता
12. X और W के मध्य कितने व्यक्ति बैठे हैं, जब W से वामावर्त दिशा में गिना जाता है ?
    (A) कोई नहीं (B) एक
    (C) दो (D) तीन
    (E) तीन से अधिक
13. U के विपरीत निम्नलिखित में से कौन बैठा है ?
    (A) A (B) W
    (C) V (D) J
    (E) दिए गए विकल्पों के अतिरिक्त अन्य
14. J के सम्बन्ध में X की स्थिति क्या है ?
    (A) तुरन्त बाएं
    (B) बाएं से दूसरा
    (C) दाएं से तीसरा
    (D) तुरन्त दाएं
    (E) दाएं से दूसरा

निर्देश–(प्रश्न 15 से 19 तक) दी गयी जानकारी का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और प्रश्न के उत्तर दीजिए–

एक निश्चित कोड भाषा में,

'task night cheek black stage' इस प्रकार कोड है '39 35 36 97 70'

'two kind study cap lie' इस प्रकार कोड है '92 56 25 84 83'

'two lab night cheek cap' इस प्रकार कोड है '35 16 56 39 84'

'actor work task night' इस प्रकार कोड है '35 77 36 42'

'cap stage study kind glass' इस प्रकार कोड है '83 56 47 70 92'

(सभी कोड केवल दो अंकों के कोड हैं)

15. किस शब्द का कोड '47' है ?
(A) task (B) night
(C) glass (D) black
(E) stage

16. 'cap black two' किस प्रकार से कोड हो सकता है ?
(A) 84 56 97 (B) 56 39 83
(C) 77 25 39 (D) 42 39 35
(E) दिए गए विकल्पों से अतिरिक्त अन्य

17. निम्नलिखित में से किसका सम्भवतः कोड '84 25 92' हो सकता है ?
(A) lie black stage
(B) study two lie
(C) actor night kind
(D) study lab work
(E) two actor kind

18. दिए गए शब्दों में कितनों के लिए उनके क्रमशः कोड ज्ञात किए जा सकते हैं ?
(A) 8 (B) 9
(C) 10 (D) 6
(E) 7

19. 'lie' तथा 'stage' के कोडों का योग और 'two' और 'cap' के कोडों का योग का अनुपात क्या है ?
(A) 18 : 29 (B) 19 : 28
(C) 19 : 24 (D) 3 : 5
(E) 28 : 19

20. यदि $M > N \leq O < P$ तथा $T < O > C \geq Z$ सत्य हैं, तो निम्न विकल्पों में से कौनसा निश्चित सत्य है ?
(A) $M > O$ (B) $C = T$
(C) $O = Z$ (D) $T < P$
(E) $N \geq Z$

21. यदि $X > Y \geq Z$ तथा $A \geq B > Y < M \leq T$ सत्य हैं, तो निम्न विकल्पों में से कौनसा निश्चित सत्य है ?
(A) $Z > X$ (B) $T < X$
(C) $A < Z$ (D) $B > X$
(E) $Z < T$

निर्देश–(प्रश्न 22 से 24 तक) अग्र-लिखित जानकारी का अध्ययन कीजिए और प्रश्न के उत्तर दीजिए–

एक परिवार में 4 आदमी और 3 औरतें सात सदस्य हैं. वे A, B, C, D, E, F और G हैं. B एक एथलीट है तथा E का पिता है. F, E का पैत्रक दादा है तथा एक बॉक्सर है. C जो एक पहलवान है, D की बहू है. G, E का अंकल है तथा एक वकील है. परिवार में एक आर्कीटेक्ट, एक जर्नलिस्ट तथा एक पायलट है. C, E की माँ नहीं है. D, B से शादी-शुदा नहीं है. परिवार में तीन शादी-शुदा जोड़े हैं.

22. यदि F एक पायलट का दादा है, तो A का पेशा क्या है ?
(A) जर्नलिस्ट
(B) बॉक्सर
(C) वकील
(D) ज्ञात नहीं कर सकते
(E) पहलवान

23. यदि D पायलट है और जर्नलिस्ट एक महिला नहीं है, तो E का पेशा क्या है ?
(A) आर्कीटेक्ट (B) जर्नलिस्ट
(C) बॉक्सर (D) पहलवान
(E) एथलीट

24. यदि पायलट का कोई बच्चा नहीं होता है, तो पायलट कौन है ?
(A) A (B) C
(C) E (D) या तो A या B
(E) या तो B या C

निर्देश–(प्रश्न 25 से 29 तक) निम्न-लिखित जानकारी का अध्ययन कीजिए तथा दिए गए प्रश्न के उत्तर दीजिए–

सात छात्र P, Q, R, S, T, U और W समान सप्ताह के सोमवार से रविवार तक कक्षा लेना प्रारम्भ करते हैं, परन्तु इसी क्रम में यह आवश्यक नहीं है.

T बुधवार से पहले एक दिन की कक्षा लेता है. T और P के मध्य तीन व्यक्ति कक्षा लेते हैं. ना तो Q ना ही R बुधवार को कक्षा लेते हैं. P और S के मध्य जितने छात्र कक्षा लेते हैं, उतने ही छात्र S और Q के मध्य लेते हैं. R उस दिन के तुरन्त पहले कक्षा लेता है, जिस दिन U कक्षा लेता है.

25. W के बाद कितने छात्र कक्षा लेते हैं ?
(A) 1
(B) 3
(C) 2
(D) ज्ञात नहीं कर सकते
(E) दिए गए विकल्पों के अतिरिक्त अन्य

26. T और W के मध्य कितने छात्र कक्षा लेते थे ?
(A) कोई नहीं (B) 1
(C) 2 (D) 3
(E) तीन से अधिक

27. S ने किस दिन के तुरन्त बाद कक्षा ली थी ?
(A) सोमवार (B) मंगलवार
(C) बुधवार (D) शुक्रवार
(E) शनिवार

28. बुधवार को निम्नलिखित में से कौनसा कक्षा लेता है ?
(A) P (B) T
(C) W (D) U
(E) S

29. U और Q के ठीक मध्य कौन कक्षा लेता है ?
(A) P (B) S
(C) T (D) R
(E) कोई नहीं

30. एक निश्चित कोड प्रणाली में, MICRO इस प्रकार लिखा जाता है NHDQP तथा WIDES इस प्रकार लिखा जाता है. XHEDT, STAINS के लिए क्या कोड होना चाहिए ?
(A) TUBJMR (B) RUBJMT
(C) TSBHOR (D) TUHASD
(E) दिए गए विकल्पों के अतिरिक्त अन्य

निर्देश–(प्रश्न 31 से 35 तक) निम्न-लिखित जानकारी का अध्ययन कीजिए और प्रश्न के उत्तर दीजिए–

आठ मित्र F, G, H, L, M, N, O तथा Q उत्तर की ओर मुँह करके एक सीधी रेखा में बैठे हुए हैं, परन्तु इसी समान क्रम में यह आवश्यक नहीं है.

- H, N के दाएं को दूसरा बैठा है और L, H के दाएं को चौथा बैठा है.
- M, F के दाएं को बैठा है.
- G और L के मध्य बैठने वाले व्यक्तियों की संख्या O और F के मध्य बैठने वाले व्यक्तियों की संख्या के समान है.
- O तुरन्त बाएं बैठा है G के जोकि L का एक तुरन्त पड़ोसी नहीं है.
- F एक तुरन्त पड़ोसी नहीं है N का.

31. यदि सभी व्यवस्थित व्यक्ति बाएं से दाएं बढ़ते हुए क्रम में पुनर्व्यवस्थित किए जाते हैं, तो उनमें से कितनों की स्थितियाँ अपरिवर्तित रहेंगी ?
(A) कोई नहीं (B) एक
(C) दो (D) तीन
(E) तीन से अधिक

32. निम्नलिखित युग्मों में से अन्तिम किनारों पर बैठने वाला कौनसा है ?
(A) N, M
(B) Q, L
(C) O, Q

(D) दिए गए विकल्पों के अतिरिक्त अन्य
(E) ज्ञात नहीं कर सकते

33. दी गई व्यवस्था के आधार पर, Q सम्बन्धित है O से तथा H सम्बन्धित है, G से इसी प्रकार O सम्बन्धित होगा ?
(A) M (B) F
(C) L (D) Q
(E) दिए गए विकल्पों के अतिरिक्त अन्य

34. Q और M के मध्य कितने व्यक्ति बैठे हुए हैं ?
(A) एक (B) दो
(C) तीन (D) चार
(E) चार से अधिक

35. H के बाएं तीसरा कौन बैठा है ?
(A) Q
(B) N
(C) L
(D) कोई नहीं, H के बाएं केवल दो व्यक्ति बैठे हुए हैं
(E) दिए गए विकल्पों के अतिरिक्त अन्य

उत्तर हल सहित

1. (C)

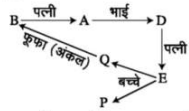

A, D की बहन होगी तथा A, Q की बुआ है, तो B, Q का फूफा (अंकल) है.

प्रश्न 2 से 4 तक के लिए :

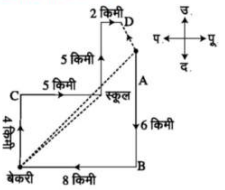

2. (A) प्रश्नानुसार,
बिन्दु A से बेकरी की दूरी
$= \sqrt{(6)^2 + (8)^2}$
$= \sqrt{100}$
$= 10$ किमी
∴ दिशा = दक्षिण – पश्चिम

3. (C) ∴ बेकरी व स्कूल के मध्य दूरी
$= \sqrt{(5)^2 + (4)^2}$ किमी
$= \sqrt{41}$ किमी
$= 6{\cdot}40$ किमी

4. (A) ∴ बिन्दु D, बिन्दु A के उत्तर-पश्चिम में है

प्रश्न 5 से 9 तक के लिए :

तल	व्यक्ति	पुनर्व्यवस्था
7.	पवन	अमित
6.	अमित	अरविन्द
5.	अशोक	अशोक
4.	राजीव	माया
3.	रघु	पवन
2.	अरविन्द	रघु
1.	माया	राजीव

5. (B) 6. (E) 7. (C) 8. (B) 9. (B)

प्रश्न 10 से 14 तक के लिए :

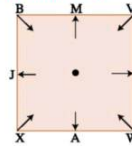

10. (A) 11. (A) 12. (E) 13. (D) 14. (A)

प्रश्न 15 से 19 तक के लिए :

task night cheek black stage →
39 35 36 97 70
two kind study cap lie →
92 56 25 84 83
two lab night cheek cap →
35 16 56 39 84
actor work task night → 35 77 36 42
cap stage study kind glass →
83 56 47 70 92

∴ cap ⇒ 56 तथा two ⇒ 84
kind या study ⇒ 83 तथा 92
stage → 70 तथा lie ⇒ 25
∴ glass ⇒ 47, task and night ⇒ 35 and 36
cheek ⇒ 39 तथा black ⇒ 97
∴ tab ⇒ 16
∴ night ⇒ 35 तथा task ⇒ 36
∴ actor या work ⇒ 77 या 42

15. (C) 16. (A) 17. (B) 18. (C)

19. (B) ∴ अभीष्ट अनुपात $= \frac{25+70}{84+56}$
$= \frac{95}{140} = \frac{19}{28}$
$= 19 : 28$

20. (D) 21. (E)

प्रश्न 22 से 24 तक के लिए :

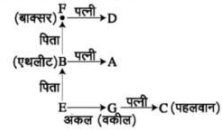

22. (D) 23. (B) 24. (C)

प्रश्न 25 से 29 तक के लिए :

सोमवार	T
मंगलवार	R
बुधवार	U
गुरुवार	W
शुक्रवार	P
शनिवार	S
रविवार	Q

25. (B) 26. (C) 27. (D) 28. (D) 29. (A)

30. (C) जिस प्रकार,

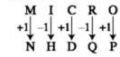

तथा

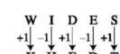

इसी प्रकार,

प्रश्न 31 से 35 तक के लिए :

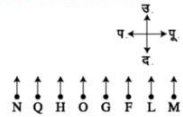

31. (B) 32. (A) 33. (B) 34. (E) 35. (D)

●●●

UPKAR'S
Multi-Dimensional
REASONING
(VERBAL & NON-VERBAL)
Useful for Various Competitive Exams.
By : Dr. Lal, Mishra & Kumar
Code No. 1624 ₹ 350/-
UPKAR PRAKASHAN, AGRA-2
E-mail : care@upkar.in Website : www.upkar.in

संख्यात्मक अभियोग्यता

(स्मृति पर आधारित)

निर्देश–दी गई संख्याओं की श्रेणी में प्रश्न चिह्न (?) के स्थान पर क्या आएगा ?

1. 4 11 26 57 120 ?
   (A) 247 (B) 251
   (C) 187 (D) 236
   (E) 215

2. 50 81 121 172 236 ?
   (A) 392 (B) 309
   (C) 361 (D) 379
   (E) 315

3. 84·82·4 85·6 80·8 ? 79·2
   (A) 72·8 (B) 86·4
   (C) 88·8 (D) 87·2
   (E) 82·4

4. 900 448 220 104 44 ?
   (A) 8 (B) 16
   (C) 24 (D) 42
   (E) 12

5. 60 ? 120 80 40 16
   (A) 90 (B) 110
   (C) 120 (D) 70
   (E) 100

6. 2 3 7 29 ? 3729
   (A) 233 (B) 225
   (C) 227 (D) 331
   (E) 191

7. चार साल बाद, राजू की आयु, सिमी की वर्तमान आयु के बराबर है. वर्तमान में, गंगा, राजू से 6 साल बड़ी है. आठ साल बाद सिमी की आयु और 2 साल बाद गंगा की आयु में अनुपात क्रमशः 10 : 9 है. राजू की वर्तमान आयु क्या है ?
   (A) 24 साल (B) 18 साल
   (C) 32 साल (D) 20 साल
   (E) 28 साल

8. पाँच साल पहले, सोमी की उस समय की आयु, अमित के उस समय की आयु की $\frac{1}{3}$ हिस्सा थी. 6 साल बाद, अमित की आयु और 12 साल बाद, सोमी की आयु के बीच अनुपात क्रमशः 7 : 4 होगा. तीन साल पहले सोमी की आयु क्या थी ? (सालों में)
   (A) 13 (B) 29
   (C) 17 (D) 25
   (E) 23

9. संख्याओं {1, 2, 5} के समूह से एक संख्या 'n' चुनी गई. दूसरी संख्या 'm' संख्याओं {2, 3, 7} के समूह से चुनी गई. m और n के गुणक के 12 से कम होने की प्रायिकता क्या है ?
   (A) 2/3 (B) 5/9
   (C) 1/3 (D) 1/8
   (E) 1/6

10. राम और श्याम की महीने की आय में अनुपात क्रमश 5 : 6 है. राम और श्याम दोनों ने अपने महीने की आय में से 40% और 25% बचाए. राम ने अपनी बचत का $\frac{5}{8}$ हिस्सा LIC में निवेश किया और श्याम ने अपनी बचत का $\frac{3}{5}$ हिस्सा LIC में निवेश किया. अगर राम ने LIC में, श्याम से ₹ 1750 ज्यादा निवेश किए, तो राम की महीने की आय क्या है ?
    (A) ₹ 20,000 (B) ₹ 25,000
    (C) ₹ 40,000 (D) ₹ 15,000
    (E) ₹ 30,000

निर्देश–पाई चार्ट को देखिए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

2013 में, पाँच इंस्टीट्यूट में, (दोनों पुरुष और महिला) छात्रों की संख्या का विभाजन

कुल संख्या = 2100

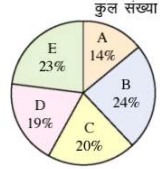

2013 में पाँच मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट में महिला छात्रों की संख्या का विभाजन

कुल संख्या = 900

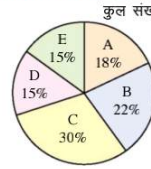

11. इंस्टीट्यूट C में, (दोनों पुरुष और महिला) छात्रों की संख्या का $\frac{1}{3}$ हिस्सा, विज्ञान में ग्रेजुएट है. अगर इंस्टीट्यूट C में, विज्ञान में ग्रेजुएट पुरुष छात्रों की संख्या 32 है, तो इंस्टीट्यूट C में, महिला छात्रों का कितना प्रतिशत विज्ञान में ग्रेजुएट है ?
    (A) 45 (B) 35
    (C) 30 (D) 40
    (E) 50

12. इंस्टीट्यूट A में (दोनों पुरुष एवं महिला) छात्रों की संख्या में, 2013 से 2014 तक 50% की बढ़त हुई है. अगर 2014 में, इंस्टीट्यूट A में, पुरुष एवं महिला छात्रों की संख्या में अनुपात क्रमशः 4 : 3 था, तो 2014 में, इंस्टीट्यूट A में, महिला छात्रों की संख्या क्या थी ?
    (A) 183 (B) 195
    (C) 171 (D) 189
    (E) 135

13. इंस्टीट्यूट D में, (दोनों पुरुष और महिला) छात्रों की सख्या के संदर्भ में केन्द्रीय कोण क्या है ?
    (A) 68·4° (B) 65·2°
    (C) 71·3° (D) 61·2°
    (E) 67·6°

14. इंस्टीट्यूट A, D और E में पुरुष छात्रों की औसत संख्या क्या है ?
    (A) 242 (B) 282
    (C) 248 (D) 246
    (E) 238

15. इंस्टीट्यूट B में महिला छात्रों की संख्या, इंस्टीट्यूट C में, पुरुष छात्रों की संख्या से कितना प्रतिशत ज्यादा है ?
    (A) 30 (B) 29
    (C) 32 (D) 42
    (E) 36

16. इंस्टीट्यूट A और E में मिलकर, महिला छात्रों की कुल संख्या और इंस्टीट्यूट B में (दोनों पुरुष और महिला) छात्रों की संख्या के बीच अंतर क्या है ?
    (A) 215 (B) 213
    (C) 207 (D) 203
    (E) 217

निर्देश–दिए गए प्रश्न में प्रश्न चिह्न (?) के स्थान पर लगभग मान क्या आएगा ?

17. 174·87 + 24·11 ÷ 3·99 × 249·899 ÷ 12 = ?
    (A) 405 (B) 300
    (C) 200 (D) 385
    (E) 460

18. $\sqrt{(124{\cdot}998 \times 7{\cdot}12 \times \sqrt{1226})} = ?$

(A) 255 (B) 395
(C) 175 (D) 25
(E) 295

19. $497{\cdot}96 + 8420{\cdot}02 \div (5{\cdot}001 \times 39{\cdot}999) = ?$

(A) 540 (B) 580
(C) 500 (D) 460
(E) 620

20. $16{\cdot}001^2 \times \sqrt[4]{624{\cdot}99} = ?^2 \times 79{\cdot}7897$

(A) 4 (B) 5
(C) 2 (D) 8
(E) 6

21. $(855 \text{ का } 22{\cdot}01\% - \sqrt{575} \div ?) \div 16 = 12{\cdot}125$

(A) 86 (B) 28
(C) 42 (D) 4
(E) 54

22. $\sqrt{\frac{170}{403{\cdot}99}} \times \frac{65{\cdot}99}{26{\cdot}111} + 144{\cdot}4 = ?$

(A) 224 (B) 120
(C) 169 (D) 88
(E) 146

23. 15 आदमी किसी काम को 8 दिन में खत्म करते हैं. 18 औरतें उसे 12 दिनों में खत्म करती हैं. 6 आदमी और 6 औरत मिलकर कार्य शुरू करते हैं और 10 दिनों के लिए कार्य करते हैं. अगर बचा हुआ काम दो दिनों में खत्म करना हो, तो जो कार्यरत मजदूरों में और कितने आदमी लगाने पड़ेंगे ?

(A) 2 (B) 5
(C) 3 (D) 4
(E) 6

24. ट्रेन A और ट्रेन B की लम्बाई क्रमशः 300 मी और 360 मी हैं. जब ट्रेन विपरीत दिशा में यात्रा कर रही हैं, तो वह एक-दूसरे को पार करने में 12 सेकण्ड लेती हैं. जब वह एक ही दिशा में चल रही हैं, तब वह एक-दूसरे को पार करने में 2 मिनट 12 सेकण्ड का समय ले रही हैं. धीमे चलने वाली ट्रेन की चाल क्या है ? (किमी/घण्टा में)

(A) 117 (B) 90
(C) 72 (D) 126
(E) 130

25. A, B और C एक व्यापार में निवेश करते हैं. B एक रकम निवेश करता है, जोकि A की दोगुनी है. C जो रकम निवेश करता है वह A द्वारा निवेश की गई राशि की तीन गुनी है. व्यापार शुरू होने के 8 महीने बाद, A और B दोनों अपने निवेशों को दोगुना कर लेते हैं. अगर, साल के अन्त में, कमाए गए कुल लाभ में से, C का हिस्सा 13,500 है, तो उस साल कमाया गया कुल लाभ क्या है ?

(A) ₹ 31,500 (B) ₹ 28,500
(C) ₹ 32,500 (D) ₹ 45,000
(E) ₹ 32,000

26. हर साल, मीनाक्षी ने अपनी सालाना आय का 20% PPF में निवेश किया और 30% अपनी सालाना आय का किराया देने में खर्च किया. हर महीने, वह अपने महीने की आय का 20% और 15% सब्जी और यात्रा में खर्च करती है. इन महीने के खर्चों (किराए को जोड़कर) को देने के बाद, वह बची हुई राशि को बैंक में अपनी बचत के रूप में डालती है. एक साल में, वह ₹ 1,79,760 की राशि बैंक में बचत के रूप में जमा करा पाती है, अगर वह अपनी सालाना आय से PPF में सिर्फ एक बार निवेश करे, तो PPF में निवेश करने वाली राशि क्या होगी ?

(A) ₹ 1,03,600
(B) ₹ 1,04,800
(C) ₹ 1,02,720
(D) ₹ 1,05,600
(E) ₹ 1,02,800

निर्देश–चार्ट को देखिए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

शनिवार को, थिएटर 'XYZ' में, पाँच अलग स्क्रीन (1, 2, 3, 4 और 5) पर दो अलग मूवी (A और B) देखने वाले लोगों की संख्या

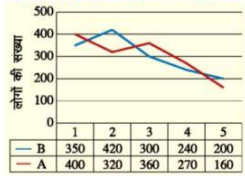

	1	2	3	4	5
B	350	420	300	240	200
A	400	320	360	270	160

27. स्क्रीन S पर मूवी B देखने वाले लोगों की संख्या, स्क्रीन 3 पर एक ही मूवी देखने वाले लोगों की संख्या से कितना प्रतिशत कम है ? (दशमलव के बाद दो अंक तक)

(A) 37·83 (B) 39·55
(C) 35·33 (D) 38·99
(E) 33·33

28. स्क्रीन 3 और 4 पर मिलकर मूवी A देखने वाले लोगों की कुल संख्या और इन्हीं स्क्रीनों में मिलकर मूवी B देखने वाले लोगों की संख्या के बीच क्या अन्तर है ?

(A) 50 (B) 60
(C) 90 (D) 80
(E) 70

29. स्क्रीन 2, 3 और 4 पर मूवी B देखने वाले लोगों की औसत संख्या क्या है ?

(A) 325 (B) 312
(C) 315 (D) 320
(E) 310

30. रविवार को, स्क्रीन 1 और 2 पर मूवी A देखने वाले लोगों की संख्या, इससे पहले दिन में, इन्हीं स्क्रीन पर यही मूवी देखने वाले लोगों की संख्या की अपेक्षा 12% और 10% बढ़ी है. रविवार को स्क्रीन 1 और 2 पर मूवी A देखने वाले लोगों की संख्या के बीच अनुपात क्रमशः क्या है ?

(A) 14 : 11 (B) 23 : 22
(C) 14 : 9 (D) 15 : 11
(E) 21 : 11

31. स्क्रीन S पर दी गई दोनों मूवी देखने वालों की संख्या, स्क्रीन 1 पर दोनों मूवी देखने वाले लोगों की संख्या का कितना प्रतिशत है ?

(A) 52 (B) 44
(C) 36 (D) 48
(E) 32

32. स्क्रीन 2 पर मूवी A और B देखने वाले पुरुषों की संख्या बराबर है, अगर स्क्रीन 2 पर मूवी A देखने वाले महिलाओं की संख्या और इन्हीं स्क्रीन पर मूवी B देखने वाले महिलाओं की संख्या के बीच अनुपात क्रमशः 7 : 12 है, तो स्क्रीन 2 पर मूवी A देखने वाले पुरुषों की संख्या क्या होगी ?

(A) 200 (B) 140
(C) 180 (D) 120
(E) 160

निर्देश–सावधानीपूर्वक दी गई सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

एक कॉन्फ्रेंस में, कुल 240 छात्र हैं. उनमें से 25% लैटिन जानते हैं, 50% फ्रेंच और 62·5% अंग्रेजी जानते हैं. 10 लोग तीनों भाषाएं जानते हैं. छात्रों का $\frac{25}{3}$% लैटिन और फ्रेंच दोनों जानता है पर अंग्रेजी नहीं और छात्रों की यही संख्या लैटिन और अंग्रेजी जानती है पर फ्रेंच नहीं.

33. कितने छात्र दोनों अंग्रेजी और फ्रेंच जानते हैं, पर लैटिन नहीं जानते ?
(A) 10 (B) 20
(C) 30 (D) 40
(E) 50

34. सिर्फ फ्रेंच जानने वाले छात्रों की संख्या क्या है ?
(A) 60 (B) 90
(C) 120 (D) 80
(E) 75

35. सिर्फ एक भाषा जानने वाले छात्रों की संख्या क्या है ?
(A) 240 (B) 220
(C) 200 (D) 180
(E) 160

36. ठीक दो भाषाओं को जानने वाले छात्रों की संख्या क्या है ?
(A) 60 (B) 70
(C) 80 (D) 90
(E) 120

37. ज्यादा-से-ज्यादा दो भाषाएं जानने वाले छात्रों की संख्या क्या है ?
(A) 60 (B) 70
(C) 220 (D) 230
(E) 240

38. I. $\frac{x^3 + 6x^2 + 11x + 6}{x + 1} = 0$
II. $\frac{y^3 + 15y^2 + 74y + 120}{y + 4} = 0$
(A) $x < y$
(B) x और y के बीच सम्बन्ध नहीं बताया जा सकता
(C) $x \geq y$
(D) $x > y$
(E) $x \leq y$

39. I. $x(x + 2) - 6\left(\frac{4x}{3} - \frac{3}{2}\right) = 0$
II. $5\left(y - \frac{2}{3}\right) - y(1 + y) = 0$
(A) $x < y$
(B) x और y के बीच सम्बन्ध नहीं बताया जा सकता
(C) $x \geq y$
(D) $x > y$
(E) $x \leq y$

40. I. $(2x^2 - 11x + 5) - (x^2 - 19x - 7) = 0$
II. $(y^2 - 5y + 3) + (6y + 3 - 2y^2) = 0$
(A) $x < y$
(B) x और y के बीच सम्बन्ध नहीं बताया जा सकता
(C) $x \geq y$
(D) $x > y$
(E) $x \leq y$

41. I. $x = 4y - 9$
II. $y = -5 - x$
(A) $x < y$
(B) x और y के बीच सम्बन्ध नहीं बताया जा सकता
(C) $x \geq y$
(D) $x > y$
(E) $x \leq y$

42. I. $5x^2 - 8x - 13 = 0$
II. $6y^2 + 13y - 15 = 0$
(A) $x < y$
(B) x और y के बीच सम्बन्ध नहीं बताया जा सकता
(C) $x \geq y$
(D) $x > y$
(E) $x \leq y$

46. फरवरी और मई में मिलकर रूट R से यात्रा करने वाले लोगों की कुल संख्या और जनवरी और जून में रूट Q से यात्रा करने वाले लोगों की संख्या के बीच क्या अंतर है ?
(A) 100000 (B) 110000
(C) 150000 (D) 120000
(E) 135000

47. दिए गए सभी महीनों में रूट S द्वारा यात्रा करने वाली अधिकतम संख्या और न्यूनतम संख्या वाले लोगों का अन्तर क्या है ?
(A) 30000 (B) 10000
(C) 50000 (D) 60000
(E) 40000

48. फरवरी, मार्च और जून में मिलकर, रूट S से यात्रा करने वाले लोगों की कुल सख्या और जनवरी, मार्च और

निर्देश–सारणी को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए.

साल 2015 के पहले हाफ में अलग-अलग रूट से दो शहरों के बीच यात्रा करने वाले लोगों की संख्या (लाखों में)

रूट	महीने (2015)					
	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून
P	2·35	2·85	2·55	2·25	2·35	2·45
Q	0·85	1·15	1·05	1·25	1·05	0·95
R	1·45	1·55	1·45	1·65	1·45	1·55
S	1·75	1·35	1·45	1·55	1·65	1·75
T	1·25	0·95	1·15	0·85	1·15	0·95

43. जुलाई के महीने में, रूट R से यात्रा करने वाले लोगों की संख्या में पहले महीने की अपेक्षा 20% वृद्धि हुई है. जुलाई में रूट R से यात्रा करने वाले लोगों की संख्या, फरवरी में रूट S से यात्रा करने वाले लोगों की सख्या से कितना प्रतिशत ज्यादा है ?
(A) 57 (B) 38
(C) 78 (D) 138
(E) 62

44. रूट P द्वारा जनवरी, मार्च, अप्रैल और जून में यात्रा करने वाले लोगों की औसत संख्या क्या है ? (लाख में)
(A) 2·4 (B) 2·6
(C) 2·2 (D) 1·8
(E) 1·6

45. रूट T से अप्रैल के महीने में यात्रा करने वाले लोगों की संख्या, जनवरी में इसी रूट से यात्रा करने वाले लोगों की संख्या से कितना प्रतिशत कम है ?
(A) 15 (B) 25
(C) 20 (D) 32
(E) 47

अप्रैल में मिलकर रूट Q द्वारा यात्रा करने वाले लोगों की कुल संख्या के बीच अनुपात क्रमशः क्या है ?
(A) 13 : 9 (B) 11 : 7
(C) 9 : 5 (D) 5 : 4
(E) इनमें से कोई नहीं

49. एक बेलनाकार सिस्टर्न, जिसका व्यास और ऊँचाई क्रमशः 28 सेमी और 12 सेमी है, का $\frac{1}{3}$ हिस्सा भरा हुआ है. एक आयरन का घनाभ जिसका डाइमेंशन 12 सेमी, 10·5 सेमी और 8 सेमी था, पूरी तरह उसमें डूबा हुआ है. कितने घन सेमी पानी की आवश्यकता और है जिससे वह पूरा भर जाए ?
(A) 3750 (B) 3800
(C) 3690 (D) 3920
(E) 3630

50. एक कक्षा में, तीन छात्र, जिनका भार 75 किग्रा, 71 किग्रा और 63 किग्रा है, कक्षा छोड़ देते हैं और उनकी जगह तीन और छात्र आते हैं, जिनका भार

क्रमशः 47 किग्रा, 49 किग्रा और 53 किग्रा है. परिणामस्वरूप, कक्षा का औसत भार 1·25 किग्रा घट जाता है. कक्षा में कितने छात्र हैं ?

(A) 48 (B) 36

(C) 40 (D) 44

(E) 52

उत्तर व्याख्या सहित

1. (A) 4 11 26 57 120 247
×2+3 ×2+4 ×2+5 ×2+6 ×2+7

2. (E)
50 81 121 172 236 315
+31 +40 +51 +64 +79
+9 +11 +13 +15

3. (D) 84 82·4 85·6 80·8 87·2 79·2
−1·6 +3·2 −4·8 +6·4 −8·0

4. (E)
900 448 220 104 44 12
+2−2 +2−4 +2−6 +2−8 +2−10

5. (C) 60 ? 120 80 40 16
60 120 120 80 40 16
+·5 +1 +1·5 +2 +2·5

6. (A) 2 3 7 29 233 3729
×1+1 ×2+1 ×4+1 ×8+1 ×16+1

7. (E) माना राजू की वर्तमान आयु = x साल
और सिमी की वर्तमान आयु = y साल
4 साल बाद, $(x+4) = y$ ...(1)
तब $z = x+6$ ...(2)
[गंगा की वर्तमान आयु = Z साल]
दिया है, $\frac{(y+8)}{(z+2)} = \frac{10}{9}$
$\Rightarrow \frac{(x+4+8)}{(x+6+2)} = \frac{10}{9}$
[y और z का मान रखने पर]
$\Rightarrow \frac{x+12}{x+8} = \frac{10}{9}$
$\Rightarrow 9x+108 = 10x+80$
$\Rightarrow x = 28$ साल

8. (C) माना सोमी की वर्तमान आयु = x साल
और अमित की वर्तमान आयु = y साल
प्रश्नानुसार, $(x-5) = \frac{1}{3}(y-5)$ ...(1)
और $\frac{y+6}{x+12} = \frac{7}{4}$
[(i) से y का मान रखने पर]
$\Rightarrow \frac{3(x-5)+5+6}{x+12} = \frac{7}{4}$
$\Rightarrow \frac{3x-15+11}{x+12} = \frac{7}{4}$
$\Rightarrow \frac{3x-4}{x+12} = \frac{7}{4}$
$\Rightarrow 12x-16 = 7x+84$
$\Rightarrow 5x = 100$
$\Rightarrow x = 20$ साल
तीन साल पहले सोमी की आयु
$= (x-3)$
$= (20-3)$
$= 17$ साल

9. (A) $n = \{1, 2, 5\}$
और $m = \{2, 3, 7\}$
$mn = \{(1,2),(1,3),(1,7),(2,2),(2,3),(5,2)\}$
तो, $p = \frac{6}{3\times 3} = \frac{2}{3}$

10. (B) माना राम की महीने की आय = $5x$
और श्याम की महीने की आय = $6x$
राम की बचत = $5x \times \frac{40}{100} = 2x$
श्याम की बचत = $6x \times \frac{25}{100} = \frac{3x}{2}$
राम का निवेश = $\frac{5}{8} \times 2x = \frac{5}{4}x$
श्याम का निवेश = $\frac{3}{5} \times \frac{3x}{2} = \frac{9}{10}x$
प्रश्नानुसार, $\frac{5}{4}x = \frac{9}{10}x + 1750$
$\Rightarrow \frac{25x-18x}{20} = 1750$
$\Rightarrow 7x = 1750 \times 20$
$\Rightarrow x = \frac{1750\times 20}{7}$
$\Rightarrow x = ₹\ 5000$
राम की महीने की आय = $5x$
$= 5 \times 5000$
$= ₹\ 25000$

11. (D) $\frac{1}{3} \times 2100 \times \frac{20}{100}$
= विज्ञान में ग्रेजुएट हुए छात्र
= 140 छात्र इंस्टीट्यूट C के विज्ञान में ग्रेजुएट हैं
अगर विज्ञान में ग्रेजुएट हुए पुरुष छात्र
$= 140 - 32 = 108$
इंस्टीट्यूट C में महिला छात्र
$= 900 \times \frac{30}{100} = 270$
तो, % $= \frac{108}{270} \times 100$
$= 40$

12. (D) 2013 से 2014 तक, इंस्टीट्यूट A के छात्रों की संख्या
$= 2100 \times \frac{14}{100} + 2100 \times \frac{14}{100} \times \frac{50}{100}$
$= 294 + 147 = 441$
$4x + 3x = 441$
$\Rightarrow 7x = 441$
$\Rightarrow x = 63$
2014 में इंस्टीट्यूट A में महिला छात्रों की संख्या
$= 3x = 3 \times 63$
$= 189$

13. (A) $\frac{19}{100} \times 360° = 68{\cdot}4°$

14. (C) A में पुरुष छात्र
$= 2100 \times \frac{14}{100} - 900 \times \frac{18}{100}$
$= 294 - 162 = 132$
D में पुरुष छात्र
$= 2100 \times \frac{19}{100} - 900 \times \frac{15}{100}$
$= 399 - 135 = 264$
E में पुरुष छात्र
$= 2100 \times \frac{23}{100} - 900 \times \frac{15}{100}$
$= 483 - 135 = 348$
$\therefore$ औसत $= \frac{132+264+348}{3}$
$= \frac{744}{3} = 248$

15. (C) इंस्टीट्यूट C में पुरुष छात्रों की संख्या
$= \left(2100 \times \frac{20}{100}\right) - \left(900 \times \frac{30}{100}\right)$
$= 420 - 270 = 150$
अब, % बढ़त
$= \frac{\left(900 \times \frac{22}{100}\right) - 150}{150} \times 100$
$= \frac{198-150}{150} \times 100$
$= \frac{48}{150} \times 100$
$= 32$

16. (C) इंस्टीट्यूट A और E में मिलकर महिला छात्रों की संख्या
$= \left(900 \times \frac{18}{100}\right) + \left(900 \times \frac{15}{100}\right)$
$= 162 + 135 = 297$
और, इंस्टीट्यूट B में (दोनों पुरुष और महिला) छात्रों की संख्या
$= 2100 \times \frac{24}{100}$
$= 504$
अन्तर $= 504 - 297$
$= 207$

17. (B) $174{\cdot}87 + 24{\cdot}11 \div 3{\cdot}99 \times 249{\cdot}899 \div 12$
$\approx 175 + \frac{24}{4} \times \frac{250}{12}$
$= 300$

18. (C) $\sqrt{(124{\cdot}998) \times 7{\cdot}12 \times \sqrt{1226}}$

$\Rightarrow \sqrt{125 \times 7 \times 35}$

$\Rightarrow \quad \sqrt{30625} = 175$

19. (A) $497{\cdot}96 + 8420{\cdot}02 \div (5{\cdot}001 \times 39{\cdot}999)$

$\Rightarrow 498 + 8420 \div 200$

$\Rightarrow \quad 498 + 42 = 540$

20. (A) $(16{\cdot}001)^2 \times \sqrt[4]{624{\cdot}99}$

$= (?)^2 \times 79{\cdot}7897$

$\Rightarrow \quad (16)^2 \times 5 = x^2 \times 80$

$\Rightarrow \quad \dfrac{16 \times 16 \times 5}{80} = x^2$

$\Rightarrow \quad 16 = x^2$

$\Rightarrow \quad x = 4$

21. (D) $\left(855 \text{ का } 22{\cdot}01\% - \sqrt{575} \div x\right) \div 16$

$= 12{\cdot}125$

$\Rightarrow \quad \dfrac{198 - \dfrac{24}{x}}{16} = 12$

$\Rightarrow \quad 198 - \dfrac{24}{x} = 12 \times 16$

$\Rightarrow \quad 198 - 192 = \dfrac{24}{x}$

$\Rightarrow \quad x = \dfrac{24}{6}$

$= 4$

22. (E) $\sqrt{\dfrac{170}{403{\cdot}99}} \times \dfrac{65{\cdot}99}{26{\cdot}111} + 144{\cdot}4$

$\approx \dfrac{13}{20} \times \dfrac{66}{26} + 144$

$= \dfrac{33}{20} + 144$

$= 2 + 144 = 146$

23. (D) 15 आदमी किसी काम को 8 दिन में पूरा करते हैं

1 आदमी किसी काम को $= 8 \times 15 = 120$ दिन में पूरा करता है.

6 आदमी किसी काम को $= \dfrac{120}{6} = 20$ दिन में करते हैं

18 औरतें 12 दिन में काम खत्म करती हैं.

1 औरत $= 12 \times 18$

$= 216$ दिनों में काम खत्म करेंगी

6 औरतें $= \dfrac{216}{6}$

$= 36$ दिनों में काम खत्म करेंगी

(6 आदमी + 6 औरत) का 1 दिन का काम

$= \dfrac{1}{20} + \dfrac{1}{36}$

$= \dfrac{9+5}{180} = \dfrac{7}{90}$

(6 आदमी + 6 औरत) का 10 दिन का काम

$= \dfrac{7}{9}$

बचा हुआ काम $= 1 - \dfrac{7}{9} = \dfrac{2}{9}$

माना (x आदमी + 6 औरत) बचा हुआ काम खत्म करेंगे 2 दिन में

(x आदमी + 6 औरतों) का 1 दिन का काम

$= \dfrac{x}{120} + \dfrac{1}{36}$

$= \dfrac{3x+10}{360}$

(x आदमी + 6 औरतों) का 2 दिन का काम

$= \left(\dfrac{3x+10}{360}\right) \times 2$

$= \dfrac{3x+10}{180}$

प्रश्नानुसार, $\dfrac{3x+10}{180} = \dfrac{2}{9}$

$\Rightarrow \quad 3x + 10 = 40$

$\Rightarrow \quad x = 10$

अतिरिक्त लगाए गए आदमी $= 10 - 6$

$= 4$

24. (B) विपरीत दिशा में, चाल

$S_A + S_B = \dfrac{300 + 360}{12}$

$= \dfrac{660}{12} = 55$ मी/से

एक ही दिशा में, चाल

$S_A - S_B = \dfrac{660}{132} = 5$ मी/से

$2S_A = 60$

$\Rightarrow \quad S_A = 30 \times \dfrac{18}{5}$ किमी/घण्टा

$= 108$ किमी/घण्टा

और $\quad 2S_B = 50$

$\Rightarrow \quad S_B = 25 \times \dfrac{18}{5}$

$= 90$ किमी/घण्टा

25. (A) A, B और C के निवेशों में अनुपात

$= x \times 8 + 4 \times 2x : 2x \times 8 + 4 \times 4x : 3x \times 12$

$= 4 : 8 : 9$

C का हिस्सा $=$ कुल लाभ $\times \dfrac{\text{C का निवेश}}{\text{कुल निवेश}}$

$13500 =$ कुल लाभ $\times \dfrac{9}{21}$

$\Rightarrow$ कुल लाभ $= 13500 \times \dfrac{21}{9}$

$= 31500$

26. (C) माना, महीने की आय $= ₹\, x$

महीने के खर्चे $= (20\% + 15\% + 30\%)$

$= x$ का 65%

महीने की बचत $= x - x$ का 65%

$= x$ का 35%

सालाना बचत $= (x$ का $35\%) \times 12$

$= \dfrac{21x}{5}$

$\Rightarrow 179760 \times \dfrac{5}{21} = x$

$\Rightarrow \quad x = ₹\, 42{,}800$

महीने की आय $= ₹\, 42{,}800$

सालाना आय $= 42{,}800 \times 12$

$= ₹\, 5{,}13{,}600$

PPF $= \dfrac{20}{100} \times 5{,}13{,}600$

$= 1{,}02{,}720$

27. (E) $\dfrac{300 - 200}{300} \times 100 = 33{\cdot}33$

28. (C) $(360 + 270) - (300 + 240)$

$= 630 - 540$

$= 90$

29. (D) $\dfrac{420 + 300 + 240}{3} = \dfrac{960}{3}$

$= 320$

30. (A) रविवार को, स्क्रीन 1 पर, मूवी A को देखने वाले लोगों की संख्या

$= 400 + 400 \times \dfrac{12}{100}$

$= 448$

और रविवार को, स्क्रीन 2 पर, मूवी A को देखने वाले लोगों की संख्या

$= 320 + 320 \times \dfrac{10}{100}$

$= 352$

तब, अनुपात $= \dfrac{448}{352} = \dfrac{14}{11}$

$= 14 : 11$

31. (D) $\dfrac{360}{750} \times 100 = 48$

32. (C) $\quad x + 7y = 320 \quad \ldots(1) \times 12$

$x + 12y = 420 \quad \ldots(2) \times 7$

$12x + 84y = 3840$

$7x + 84y = 2940$

$- \quad - \quad -$

$5x = 900$

$\Rightarrow \quad x = 180$

33. (C) 34. (A) 35. (E) 36. (B) 37. (D)

38. (D) I. $\dfrac{x^3 + 6x^2 + 11x + 6}{x + 1} = 0$

$\Rightarrow \quad \dfrac{(x+1)(x+2)(x+3)}{x+1} = 0$

$\Rightarrow \quad x = -2, -3$

II. $\dfrac{y^3 + 15y^2 + 74y + 120}{y + 4} = 0$

$\Rightarrow \quad \dfrac{(y+4)(y+5)(y+6)}{(y+4)} = 0$

$\Rightarrow \quad y = -5, -6$

$x > y$

39. (D)

40. (E) I. $2x^2 - 11x + 5 = 0$

$-x^2 + 19x + 7 = 0$

$x^2 + 8x + 12 = 0$

$\Rightarrow \quad x^2 + 6x + 2x + 12 = 0$

$\Rightarrow \quad x(x+6) + 2(x+6) = 0$

$\Rightarrow \quad x = -6, -2$

II. $y^2 - 5y + 3$

$-2y^2 + 6y + 3$

$-y^2 + y + 6$

$\Rightarrow \quad y^2 - y - 6 = 0$

$\Rightarrow \quad y^2 - 3y + 2y - 6 = 0$

$\Rightarrow \quad y(y-3) + 2(y-3) = 0$

$\Rightarrow \quad y = 3, -2$

$x < y$

41. (A) (I) $x = 4y - 9$

(II) $y = -5 - x$

$\Rightarrow \quad x - 4y = -9 \quad \ldots(1)$

$x + y = -5 \quad \ldots(2)$

$x - 4y = -9$

$4x + 4y = -20$

$5x = -29$

$x = \frac{-29}{5}$

$y = -5 + \frac{29}{5} = \frac{4}{5}$

$x < y$

42. (B)

43. (B) जुलाई के महीने में रूट R से यात्रा करने वाले छात्रों की संख्या

$= 1{\cdot}55 + 1{\cdot}55 \times \frac{20}{100}$

$= 1{\cdot}86$

% बढ़त $= \frac{1{\cdot}86 - 1{\cdot}35}{1{\cdot}35} \times 100$

≈ 38

44. (A) औसत संख्या

$= \frac{2{\cdot}35 + 2{\cdot}55 + 2{\cdot}25 + 2{\cdot}45}{4}$

$= \frac{9{\cdot}60}{4} = 2{\cdot}40$

45. (D) % कमी $= \frac{1{\cdot}25 - 0{\cdot}85}{1{\cdot}25} \times 100$

$= 32$

46. (D) $(1{\cdot}55 + 1{\cdot}45) - (\cdot 85 + \cdot 95)$

$= 3 - 1{\cdot}8 = 1{\cdot}2$ लाख

$= 1{,}20{,}000$

47. (E) $1{\cdot}75 - 1{\cdot}35 = \cdot 40$ लाख $= 40{,}000$

48. (A) $\frac{1{\cdot}35 + 1{\cdot}45 + 1{\cdot}75}{0{\cdot}85 + 1{\cdot}05 + 1{\cdot}25} = \frac{4{\cdot}55}{3{\cdot}15}$

$= \frac{13}{9}$

49. (D) घनाभ का आयतन

$= 12 \times 10{\cdot}5 \times 8$

$= 1008$ घन सेमी

बेलनाकार सिस्टर्न का आयतन

$= \pi r^2 h$

$= \frac{22}{7} \times 14 \times 14 \times 12$

$= 7392$ घन सेमी

सिलेंडर में जल का आयतन

$= \frac{22}{7} \times 14 \times 14 \times 4$

$= 2464$ घन सेमी

सिस्टर्न को भरने में ज़रूरी पानी

$= 7392 - 2464 - 1008$

$= 3920$ घन सेमी

50. (A) माना यहाँ n छात्र हैं.

और n छात्रों का भार $= x$

कुल भार $= nx$ किग्रा

n छात्रों का नया कुल भार

$= nx - 75 - 71 - 63 + 47 + 49 + 53$

$= nx - 60$

नया औसत भार $= \frac{nx - 60}{n}$

प्रश्नानुसार, $\frac{nx - 60}{n} = x - 1{\cdot}25$

$\Rightarrow \quad nx + 60 = nx + 1{\cdot}25n$

$\Rightarrow \quad n = 48$

●●●

शेष पृष्ठ 171 का

चाहिए, इसके अलावा यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न एवं पति-पत्नी के बीच उत्पन्न पारिवारिक विवादों में दूसरे स्थानों एवं विदेशों में रहने वाले परिवारी जनों/रिश्तेदारों को तब तक न घसीटा जाए, जब तक उन पर आरोप सिद्ध नहीं हो जाता अथवा उनके खिलाफ अपराध में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शामिल होने का कोई पुख्ता सुबूत नहीं मिल जाता.

● धारा 498 ए के अन्तर्गत बच्चों, बेहद अधिक वृद्धों एवं शारीरिक-मानसिक रूप से अक्षम व अस्वस्थ लोगों की त्वरित गिरफ्तारी एवं कठोर सजा के प्रावधान को खत्म किया जाना चाहिए और उसकी जगह कोई उदारवादी वैकल्पिक प्रावधान बनाया जाना चाहिए, न्यायिक तन्त्र के लिए भी यह बाध्यकारी होना चाहिए कि वह धारा 498 ए के अन्तर्गत दर्ज मुकदमों की असल वजह तलाशे और अगर पारिवारिक विवाद की वजह दहेज उत्पीड़न से अलग कुछ और पाई जाती है तो फिर बाद में इस प्रकार के मुकदमों को धारा 498 ए से बदलकर आईपीसी की किसी अन्य सम्बद्ध धाराओं के अन्तर्गत दर्ज करे, इस बात के प्रयास किए जाने चाहिए कि कोई भी कानून लोगों में भय के बजाय उन्हें अपने कर्तव्यों एवं अधिकारों के प्रति सजग बनाने में मददगार हो.

●●●

शेष पृष्ठ 177 का

23. (B)

Now	they	live	for
gn			sy
go	now	run	for
mo	gn		sy

'go there now' का कोड है = ga mo gn

प्रश्न 24 से 28 तक के लिए—

	मार्च	जून	सितम्बर	दिसम्बर
	हरा	सेब	लीची	पीला
3	H	A	G	C
8	B	E	D	F
	लाल	केला	आम	नीला

24. (D) 25. (B) 26. (D) 27. (E) 28. (A)

29. (A) रेडियो — S5

30. (C) Rising normal — O6 S6

31. (E)

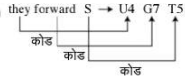

दोनों A और C, S से शुरू होते हैं.

प्रश्न 32 से 35 के लिए—

B A F E D C (पंक्ति-1)

R S V Q T P (पंक्ति-2)

32. (C) 33. (E) 34. (B) 35. (A)

●●●

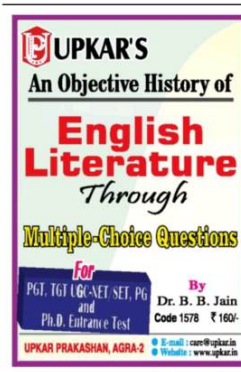

कि भारत सरकार के कृषि मंत्रालय द्वारा कृषि क्षेत्र में रबी सीजन 2018-19 की फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) कितना रखा गया है ?

☛ भारत सरकार के अधीनस्थ कृषि मंत्रालय एवं कृषि लागत व मूल्य आयोग (**CACP**) द्वारा **पहली** बार **रबी** सीजन-2018-19 की सभी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (Minimum Support Price **—MSP**) में 50% से अधिक की वृद्धि की घोषणा की है. **रबी** सीजन की प्रमुख फसल गेहूँ का समर्थन मूल्य विगत वर्ष (2017-18 में ₹ 1735) से ₹ 105 बढ़ाकर ₹ 1840 प्रति क्विंटल कर दिया है. सबसे अधिक प्रतिशत वृद्धि तिलहनी-सरसों व तोरिया में की गई है, इनका ₹ 200 प्रति क्विंटल बढ़ा कर वर्ष 2018-19 में ₹ 4200 प्रति क्विंटल कर दिया है. इनके अलावा **जौ** (Barley) का न्यूनतम समर्थन मूल्य (**रबी** सीजन 2018-19 हेतु) ₹ 1440; मसूर ₹ 4475; चना ₹ 4620 प्रति क्विंटल आदि सभी **रबी** फसलों का **'MSP'** घोषित कर दिया गया है. कैबिनेट के फैसले से किसानों को ₹ 62,635 करोड़ अतिरिक्त आमदनी का अनुमान रखा गया है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमण्डलीय समिति की बैठक में कृषि मंत्रालय के मसौदे पर मुहर लगा दी गई है. इन बढ़ाए गए समर्थन मूल्यों से कृषकों की आय बढ़ेगी.

कि रबी मौसम में राई-सरसों की तिलहनी फसल में कौन-कौनसे प्रमुख कीट नुकसान पहुँचाते हैं एवं उनका प्रबंधन कैसे किया जाता है ? इसे जानिए.

☛ **राई-सरसों** एक तिलहनी प्रमुख **रबी** मौसम की फसल है, जिसके अनुसंधान एवं विकास कार्यों के लिए भारत सरकार के अधीनस्थ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (**ICAR,** नई दिल्ली के निर्देशन में) राष्ट्रीय सरसों अनुसंधान निदेशालय (DRMR) सेबर, भरतपुर(राजस्थान–321303) अग्रणीय कार्य करता आ रहा है. सरसों में प्रमुख कीट-आरा मक्खी, पेन्टेड बग (चितकबरा), बिहारी हेयरी कैटरपिलर, चैंपा (माहू/एफिड) आदि प्रायः देखे गये हैं. आरा मक्खी की रोकथाम हेतु मैलाथियान (50 EC) 500 ml मात्रा को 500 लिटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर छिड़काव करना चाहिए. इससे चितकबरा (पेन्टेड बग), बिहार हेयरी कैटर-पिलर, आरा मक्खी-ये सभी कीट नियंत्रित हो जावेंगे. चैंपा (माहू) के नियंत्रण हेतु रोगोर (डाइमिथोएट)-30% सांद्रण या मोनोक्रोटोफॉस (न्यूवाक्रोन) 36% घुलनशील द्रव की 1 लि. मात्रा को 600–800 लि. पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर का छिड़काव करना चाहिए. माहू के नियंत्रण में मट्ठा (छाछ) का स्प्रे $2 - 2\frac{1}{2}$ लिटर मट्ठा प्रति 200 – 250 लिटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर छिड़कने से अच्छी सफलता मिलती है, जो स्वदेशी तकनीकी ज्ञान (**ITK**) पद्धति है.

कि आर्द्र एवं शुष्क बल्ब तापमापी (Wet and dry bulb thermometer) क्या है ?

☛ यह सापेक्ष आर्द्रता मापने वाला यंत्र है. इस यंत्र में एक लकड़ी के तख्ते पर दो काँच की नलियाँ जड़ी होती हैं. जिनके संलग्न बल्बों में पारा भरा रहता है. लकड़ी के तख्ते पर तापमान की मापनी अंकित होती है. एक नली में लगा बल्ब नग्न रहता है जिसे शुष्क बल्ब तापमापी (Dry bulb thermometer) कहते हैं. दूसरी नली में लगे बल्ब पर एक महीन मलमल (Muslin) का टुकड़ा चिपका रहता है. जिसका निचला भाग पानी से भरे एक छोटे पात्र में डूबा रहता है. यह आर्द्र बल्ब तापमापी (Wet bulb thermometer) कहलाता है. सापेक्ष आर्द्रता ज्ञात करने के लिए दोनों तापमापियों में अंकित तापमानों को पढ़ लिया जाता है और उनके अन्तर को ज्ञात करके एक सारिणी जिसमें शुष्क एवं आर्द्र बल्ब तापमानों का अंतर दिया होता है की सहायता से सापेक्ष आर्द्रता ज्ञात कर ली जाती है.

कि हिन्दू विवाह एक संस्कार है.

☛ हिन्दू विवाह एक संस्कार है. इसके प्रमुख अवयव हैं–

(i) पितृ ऋण की मुक्ति के लिए विवाह.
(ii) स्वर्ग प्राप्ति के लिए विवाह.
(iii) धार्मिक अनुष्ठानों के लिए विवाह.

अतः यह विवाह धार्मिक संस्कार है.

कि संसद में विधेयक कितने प्रकार के होते हैं ?

☛ विधेयक जो संसद में लाये जा सकते हैं, कुल 4 प्रकार के होते हैं–

(i) साधारण विधेयक (अनुच्छेद 107)
(ii) धन विधेयक (अनुच्छेद 109)
(iii) वित्त विधेयक
(iv) संवैधानिक संशोधन विधेयक (अनुच्छेद 368)

कि विधि विरुद्ध जमाव को समझाइए.

☛ पाँच या अधिक व्यक्तियों का जमाव विधि विरुद्ध जमाव कहा जाता है, यदि उन व्यक्तियों का आशय जिनसे आशय गठित हुआ, सामान्य उद्देश्य हो–

(i) केन्द्र सरकार को या किसी राज्य सरकार को या संसद को या किसी विधान मण्डल को या किसी लोक सेवक को आतंकित करना.

(ii) किसी विधि के या किसी वैध आदेशिका के निष्पादन का प्रतिरोध करना.

(iii) किसी रिष्टि या आपराधिक अतिचार या अन्य अपराध करना.

(iv) किसी व्यक्ति पर आपराधिक बल द्वारा या आपराधिक बल के प्रदर्शन द्वारा सम्पत्ति पर कब्जा लेना.

(v) आपराधिक बल या बल के प्रदर्शन द्वारा किसी व्यक्ति को वह करने के लिए जिसे करने के लिए वैध रूप से आबद्ध न हो, विवश करना.

कि इन्द्रधनुष (Rainbow) क्या है ?

☛ यह आकाश में दिखाई देने वाला बहुरंगी (स्पेक्ट्रम के रंगों वाला) प्रकाश का चाप जो वर्षा की गिरती हुई बूँदों से होकर सूर्य की किरणों के गुजरने से निर्मित होता है. जब नीचे गिरती हुई वर्षा की बूँदों में सूर्य की किरणें प्रवेश करती हैं, तो वे अपवर्तित तथा परावर्तित होकर स्पेक्ट्रम के रंगों में (सात रंगीन पट्टियों के रूप में) विलग हो जाती हैं और इन्द्रधनुष को जन्म देती हैं. यह तब दिखाई देता है जब सूर्य की ऊँचाई 42° या इससे कम होती है और वर्षा सूर्य स्थिति के विपरीत दिशा में होती है. कभी-कभी दो इन्द्रधनुष एक साथ दिखाई देते हैं. भीतर की ओर प्राथमिक इन्द्रधनुष और बाहर की ओर गौण इन्द्रधनुष.

कि उत्तरी ध्रुव प्रकाश या उत्तर ध्रुवीय ज्योति (Northern lights or Aurora-borealis) क्या है ?

☛ उत्तरी गोलार्द्ध में मुख्यतः उच्चतर अक्षांशों में रात्रि में आकाश में दृष्टिगोचर होने वाला प्रकाश जिससे आकाश आलोकित होता है. यह दिन में तथा मेघाच्छादित आकाश में दिखाई नहीं पड़ता है. कभी जब ध्रुवीय ज्योति मंद या कमजोर हो जाती है तब यह सांध्य प्रकाश अथवा चाँदनी के कारण भी दृष्टिगोचर नहीं होती है. यह उत्तर चुम्बकीय ध्रुव को घेरने वाली उस पेटी में सर्वाधिक दिखाई पड़ती है, जो उत्तरी नॉर्वे तथा दक्षिणी ग्रीनलैण्ड से होकर गुजरती है. यह ज्योति दक्षिणी यूरोप, अमरीका तथा इंगलैण्ड में कठिनाई से दिखाई पड़ती है, परन्तु इसके दिखाई पड़ने की आवृत्ति उत्तर की ओर बढ़ती जाती है. ●●●

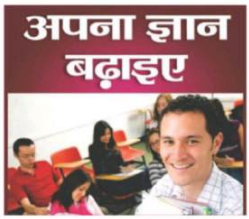

प्रश्न–भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना कब हुई ?

उत्तर–भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (Indian National Congress) की स्थापना 28 दिसम्बर, 1885 को बम्बई (मुम्बई) में हुई थी. इसकी स्थापना का श्रेय सुरेन्द्रनाथ बनर्जी एवं एक अवकाश प्राप्त सरकारी अफसर ए. ओ. ह्यूम (A. O. Hume) को जाता है, जिनके प्रयासों से बम्बई की गोकुलदास तेजपाल संस्कृत पाठशाला के भवन में 28 दिसम्बर, 1885 को देश के सभी वर्गों विशेष रूप से शिक्षित व्यक्तियों का सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें 72 प्रतिनिधियों ने भाग लिया. इसी सम्मेलन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (Indian National Congress) की स्थापना हुई. इस सम्मेलन की अध्यक्षता व्योमेश चन्द्र बनर्जी ने की. ए. ओ. ह्यूम ने इसकी स्थापना के प्रयासों का नेतृत्व किया था इसलिए ह्यूम को ही इसका संस्थापक माना जाता है.

प्रश्न–निष्पादक बजट क्या होता है ?

उत्तर–निष्पादक बजट (Performance Budget) को कार्यकारी बजट (Functional Budget) या कर्मण्यता बजट (Activity Budget) भी कहते हैं. निष्पादक बजट का वर्णन सबसे पहले अमरीका के हूवर कमीशन ने 1949 में किया था. परम्परागत बजट जिसे लाइन-आइटम बजट भी कहते हैं में बजट निर्माताओं का ध्यान किसी परियोजना के भवन, कर्मचारी, साज-सज्जा आदि पर रहता है, लेकिन निष्पादक बजट में सारा ध्यान उद्देश्य की पूर्ति अर्थात् कार्य, कार्यक्रमों एवं परियोजनाओं के निष्पादन पर रहता है. भारत में प्रशासकीय सुधार आयोग (1968) की सिफारिश पर पहली बार केन्द्र सरकार के चार मंत्रालयों में निष्पादक बजट लागू किया गया.

प्रश्न–धूलि गर्त (Dust Bowl) क्या है ?

उत्तर–अर्द्धशुष्क प्रदेशों में भीषण सूखा, अति पशुचारण तथा कृषि के लिए भूमि प्राप्त करने हेतु होने वाले निर्वनीकरण के परिणामस्वरूप पवनों द्वारा शीर्ष मृदा अपरदन से उत्पन्न कृत्रिम मरुस्थल है. इस शब्द का प्रयोग मूलतः दक्षिणी-पश्चिमी संयुक्त राज्य अमरीका के अर्द्धशुष्क भाग के लिए किया गया था जहाँ 20वीं शताब्दी के तीसरे दशक में भीषण सूखा अति पशु-चारण तथा कृषि के कारण नग्न शैलों पर शीर्ष मृदा के अपरदन से विस्तृत भूक्षेत्र अनुपजाऊ तथा मरुस्थल बन गया था.

प्रश्न–ध्रुवीय सांस्कृतिक मंडल (Polar Cultural World) क्या है ?

उत्तर–यह एक वृहत् सांस्कृतिक प्रदेश है (Major Cultural Region) जिसका विस्तार उत्तरी अमरीका के अलास्का, उत्तरी कनाडा, ग्रीनलैण्ड तथा यूरेशिया के उत्तरी तटीय भागों पर पाया जाता है. शीत प्रधान इस प्रदेश में केवल ग्रीष्म ऋतु के दो या तीन महीने में ही तापमान हिमांक से ऊपर रहता है. और अधिकतर हिमाच्छादित रहने के कारण यहाँ मिट्टी का विकास नहीं हो पाता है तथा वनस्पतियों का प्रायः अभाव रहता है. इन भागों में स्थल पर रेंडियर, कैरीबो, ध्रुवीय भालू आदि जीव मिलते हैं तथा सागरों पर ह्वेल, सील, वॉलरस आदि विशालकाय जीव मिलते हैं. प्रादेशिक भिन्नता के अनुसार इन्हें तीन सांस्कृतिक परिमण्डलों में विभक्त किया जा सकता है 1. अमरीकी ध्रुवीय सांस्कृतिक परिमण्डल, 2. यूरोपीय ध्रुवीय सांस्कृतिक परिमण्डल, 3. एशियाई ध्रुवीय सांस्कृतिक परिमण्डल.

प्रश्न–नगरीय बाह्य वृद्धि (Urban out growth or urban expansion) क्या है ?

उत्तर–किसी नगर की बाह्य सीमा से बाहर की ओर होने वाला विस्तार है. नगर की सीमा पर क्रमशः भवनों के निर्माण होते रहने से नगर बाहर की ओर फैलता है. नगर के बाह्य विस्तार के परिणामस्वरूप उसके उपनगरीय क्षेत्र में स्थित नगरीय एवं अर्द्ध नगरीय बस्तियाँ भौतिक रूप से (निर्मित क्षेत्र द्वारा) उस नगर से संयुक्त हो जाती हैं जिससे नगरीय जन समूह (Urban Agglomeration) का निर्माण होता है. बाह्य विस्तार के परिणाम स्वरूप कई नगरों के परस्पर जुड़ जाने से सन्नगर की (courbation) की उत्पत्ति होती है.

प्रश्न–नदी अपहरण (River Capture or River Piracy) क्या है ?

उत्तर–यह एक प्राकृतिक प्रक्रम है जिसके द्वारा एक प्रबल नदी अपने शीर्ष की ओर अधिक अपरदन करके अपने समीप प्रवाहित होने वाली अन्य नदी के जल को अपनी धारा में मिला लेती है. नदी अपहरण की क्रियाएँ अधिकांशतया नदी की युवावस्था में उसके शीर्ष अपरदन द्वारा होती हैं. नदी के शीर्ष अपरदन से जल विभाजक पीछे हटता जाता है जिससे दो नदियाँ परस्पर जुड़ती जाती हैं जिस नदी का तल नीचा होता है उसमें उच्च तल वाली नदी का जल गिरने लगता है और धीरे-धीरे नदी का आंशिक अथवा पूर्ण अपहरण हो जाता है. नदी अपहरण की क्रिया क्षैतिज अपरदन तथा नदी विसर्प के प्रतिच्छेदन द्वारा भी होती है, किन्तु इनकी आवृत्ति प्रायः कम होती है.

प्रश्न–नदी वेदिका या नदी सोपान (River Terrace) क्या है ?

उत्तर–बाढ़ के मैदान में नदी के दोनों पार्श्वों पर निर्मित सोपानाकार वेदिकाएँ जो नदी मार्ग के समानांतर होती हैं. इसकी संख्या एक या एक से अधिक होती है. दो वेदिकाओं के मध्य ऊँचाई का अन्तर प्रायः कुछ मीटर से लेकर 20–30 मीटर तक मिलता है और इसकी चौड़ाई कुछ मीटर से लेकर कई किलोमीटर तक हो सकती है. नदी वेदिका की उत्पत्ति नदी में प्रायः पुनर्युवन (Rejuvenation) आ जाने के परिणामस्वरूप होती है. नदी के पुनर्युवन या नवोन्मेष के कारण उसकी अपरदन शक्ति बढ़ जाती है और नदी अपनी पुरानी घाटी के भीतर नवीन घाटी का निर्माण करती है. इस प्रकार प्राचीन घाटी नवीन घाटी से ऊँची होती है तथा एक सोपान द्वारा पृथक होती है. किसी नदी में कई बार पुनर्युवन होने से कई क्रमिक वेदिकाओं का निर्माण होता है.

प्रश्न–निलंबी घाटी या लटकती घाटी (Hanging Valley) क्या है ?

उत्तर–एक सहायक नदी जो मुख्य गहरी घाटी में ऊँचाई से गिरती है और मिलन बिन्दु पर उच्छलिका या जल प्रपात बनाती हुई प्रवेश करती है. निलंबी घाटी अधिकांशतया हिमनदित प्रदेशों में पाई जाती हैं जो यू-आकार की होती है. जब किसी मुख्य हिमनद घाटी के तल से उसमें मिलने वाली सहायक घाटी का तल अधिक ऊँचा होता है. सहायक घाटी मुख्य घाटी पर लटकती हुई दिखाई पड़ती है. हिम द्रवण के पश्चात् उच्चस्थ सहायक घाटी का जल गहरी मुख्य घाटी में गिरता है और जल प्रपात का निर्माण होता है. अतः निचली घाटी को प्रपात घाटी (Fall Valley) भी कहते हैं.

प्रश्न–नार्दर (Norther) क्या है ?

उत्तर–संयुक्त राज्य अमरीका के दक्षिणी भाग में कभी-कभी चलने वाली शीत लहर जो प्रायः किसी अबदाब के पिछले भाग में चलती है. इस शीत लहर से एक दिन में तापमान लगभग 20° से. तक नीचे गिर जाता है. जिससे फलों की खेती को भारी नुकसान होता है. इसकी गति 60 से 100 किमी. प्रति घण्टा होती है और इसके साथ भयंकर तड़ित झंझा आते हैं, तथा ओले भी पड़ते हैं. पश्चिम में रॉकी पहाड़ियों को पार करके जब ये कैलिफोर्निया की सैकामेल्टी की घाटी में पहुँचती हैं. नीचे उतरने के कारण कुछ गर्म हो जाती हैं और यह अपेक्षाकृत गर्म, शुष्क एवं धूलयुक्त होती हैं. ●●●

प्रथम पुरस्कृत निबन्ध

सामाजिक न्याय की कसौटी पर भारतीय लोकतंत्र

✍ कैलाश वर्मा

''मैं प्रजातंत्र का अर्थ यह समझता हूँ कि इसमें नीचे-से-नीचे और ऊँचे-से-ऊँचे आदमी को आगे बढ़ने का समान अवसर मिले.'' –महात्मा गांधी

भारतीय लोकतंत्र अपने आप में एक विस्तृत अर्थ समेटे हुए है, जिसमें सामाजिक न्याय की कसौटी स्वतः विद्यमान है. सामाजिक न्याय समाज में एक ऐसी व्यवस्था उत्पन्न करने का मानदण्ड है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति प्रत्येक क्षेत्र में समान रूप से भागीदार बन सके और किसी भी मनुष्य के साथ जाति, लिंग, वर्ग, क्षेत्र, भाषा, समुदाय इत्यादि सम्बन्धी भेदभाव न किया जाए और सभी को समान रूप से अपने जीवन में आवश्यक व मौलिक अधिकारों का उपभोग करने का समान अवसर प्राप्त हो. जॉन रॉल्स ने अपने चिन्तन में कहा था समाज के कमजोर वर्गों की भलाई व संरक्षण के लिए राज्य को सक्रिय हस्तक्षेप करना चाहिए. रॉल्स अपने सिद्धान्तों में शुद्ध प्रक्रियात्मक न्याय की अवधारणा प्रस्तुत करते हुए वितरणात्मक न्याय के लक्ष्य को प्राप्त करना चाहते हैं, ताकि एक न्यायसंगत समाज का निर्माण किया जा सके.

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भारत अंग्रेजी दासता की बेड़ियों से मुक्त हुआ, उसके बाद देश में लोकतंत्र के संचालन के साथ ही सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक क्षेत्रों में परिवर्तन की लहर चली. भारतीय संविधान की भूमिका में स्पष्ट किया गया है कि संविधान का निर्माण सबकी स्वतंत्रता, सबकी समानता व पारस्परिक भ्रातृत्व की मान्यता के आधार पर हुआ है. संविधान के निर्माण में केवल समान अवसर की वकालत नहीं की गई है, बल्कि प्राचीन समय से ही चली आ रही सामाजिक असमानता को भी दूर करने के प्रयत्नों का समावेश भी किया गया है. बाबा साहेब अम्बेडकर का सामाजिक न्याय रूपी व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है. अम्बेडकर के अनुसार, **''जाति-प्रथा हिन्दू समाज की सबसे बड़ी विकृति है और यह सामाजिक एकता में बाधक है.''** भारतीय संविधान का प्रारूप प्रस्तुत करते समय अम्बेडकर ने संविधान सभा में कहा था कि **''इस संविधान को अपनाकर हम विरोधाभासों से भरे जीवन में प्रवेश करने जा रहे हैं, इससे राजनीतिक जीवन में तो समानता प्राप्त हो जाएगी, परन्तु सामाजिक और आर्थिक विषमता बनी रहेगी.''** अतः स्पष्ट है कि सामाजिक न्याय को सबसे अधिक प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक सामाजिक असमानता एवं आर्थिक असमानता हैं.

सामाजिक असमानता की जड़ का सूत्रपात प्राचीन भारत की वर्ण व्यवस्था से माना जाता है. भारत में जातियों को चार वर्गों में बाँटा गया था, जो इस प्रकार हैं– ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य एवं शूद्र. भारतीय समाज में ब्राह्मण, क्षत्रिय एवं वैश्य को उच्च वर्ग में तथा शूद्र को निम्न वर्ग में मान्यता दी गई थी. जो पहले व्यवसाय प्रधान थी, बाद में जाति-प्रधान हो गई. इसी तरह की सामाजिक असमानता लोकतंत्र के सुचारू संचालन में बाधक बनती है. फिर भी समाज में जातिगत नीतियाँ बनाई गई हैं, जिससे समाज में एकरूपता लाई जा सके, समाज में सभी को मुख्य धारा में लाने के लिए सबसे पहले अन्य पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लोगों को ही आरक्षण दिया गया. 26 जनवरी, 1950 को लागू होने वाले इस संविधान ने कुछ बुनियादी सिद्धान्त और मूल्य सामने रखे, जिनमें से एक था सामाजिक न्याय अर्थात् जनता के कमजोर और पिछड़े वर्गों मुख्यतया अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के शैक्षिक और सामाजिक हितों के प्रोत्साहन के लिए उन्हें जातिगत आधार पर आरक्षण प्रदान करना. संविधान के अनुच्छेद 16 में लोक नियोजन के विषय में अवसर की समानता प्रदान की गई है.

सरकार द्वारा पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के नागरिकों के लिए, जिनका प्रतिनिधित्व राज्य की सेवाओं में पर्याप्त नहीं है, उन्हें नियुक्तियों या पदों के लिए जातिगत आरक्षण प्रदान किया गया है. 73वें 17वें संविधान संशोधन द्वारा पंचायती राज एवं नगर निकायों में महिलाओं को 33% आरक्षण का प्रावधान भी किया गया है. साथ ही अनुच्छेद 330 एवं 332 में क्रमशः लोक सभा तथा विधान सभाओं में अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लिए स्थानों का आरक्षण दिया गया है. सामंतशाही सोच के ऐसे लोग, जो खुद को हमेशा औरों से अलग तथा ऊपर समझते हैं और जो कभी भी सबका एक साथ विकास होते नहीं देखना चाहते, उन्होंने हमेशा ही आरक्षण को गलत बताकर इसका विरोध किया है, लेकिन समाज का एक पक्ष का मानना है कि जातिगत व्यवस्था के आरक्षण को समाप्त करके आर्थिक व्यवस्था को ही आधार मानकर आरक्षण दिया जाए जिससे भारत सरकार सभी जातियों के पारिवारिक पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी लेकर ही उसमें जो लोग एकदम गरीब हैं उन्हीं को ही आरक्षण दिया जाए जिससे भारत जैसे देश से गरीबी मिट सके.

सामाजिक न्याय के लिए आर्थिक असमानता भी बहुत अधिक हद तक जिम्मेदार है. अरस्तू ने तो असमानताओं को सभी प्रकार की क्रांतियों का मूल माना है. सामाजिक न्याय को तहस-नहस करने में आर्थिक असमानता की भी महत्वपूर्ण भूमिका है. स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद औपनिवेशिक शासन के प्रभाव के रूप में आर्थिक पिछड़ापन भी सामाजिक न्याय के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती के रूप में उभरा है, गरीबी तथा पिछड़ेपन की यह विविधता भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए सबसे बड़ी समस्या है.

सामाजिक न्याय को देखते हुए स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में आर्थिक पिछड़ेपन को दूर करने के लिए अनेक संवैधानिक प्रावधान किए गए. राज्य के नीति निर्देशक तत्व तथा मौलिक अधिकारों में इस बात का विशेष ध्यान रखा गया कि देश के लोगों को राजनीतिक तथा सामाजिक न्याय के साथ-साथ आर्थिक समानता भी प्राप्त हो, लेकिन इसके सही क्रियान्वयन के अभाव में आजादी के 71 साल के बाद भी स्थिति में कोई विशेष सुधार नहीं हुआ. आर्थिक स्रोतों का अभाव इसका एक प्रमुख कारण है, लेकिन साथ ही साथ राजनीतिक एवं प्रशासनिक प्रतिबद्धता की कमी भी इसके लिए प्रमुख रूप से जिम्मेदार है.

लोकतंत्र एवं विकास निर्बाध रूप से साथ-साथ चल सकते. अमरीका, जापान, दक्षिण कोरिया, इण्डोनेशिया, इंगलैण्ड, आस्ट्रेलिया तथा न्यूजीलैण्ड जैसे लोकतांत्रिक देशों के तीव्र आर्थिक विकास इस बात की पुष्टि करते हैं कि लोकतंत्र आर्थिक विकास की प्रक्रिया में बाधक नहीं है. दुनिया का पुराना लोकतांत्रिक देश संयुक्त राज्य अमरीका आज दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है. न्यूनाधिक यही स्थिति जापान की भी है. दरअसल लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया देश में भी आर्थिक विकास का समान अवसर प्रदान करती है. जरूरत है तो सिर्फ उचित कार्य-नीति बनाने तथा उसके सुचारु संचालन की. उपर्युक्त लोकतांत्रिक देशों का विकसित देशों की

कतार में खड़ा होना, तो यही साबित करता है. हमारे देश में गरीबी-अमीरी का अनुपात भी सामाजिक न्याय को बाधित करता है और इसी कारण लोकतंत्र का संतुलन बिगड़ता है.

अल्पसंख्यक समुदाय के परिप्रेक्ष्य में सामाजिक न्याय एक महत्वपूर्ण घटक है. संवैधानिक उपबन्धों के आधार पर अल्पसंख्यकों के साथ सामाजिक न्याय करना शासन का कानूनी एवं नैतिक कर्तव्य बनता है. देश में अल्पसंख्यक समुदाय की भलाई हेतु भारत सरकार के अन्तर्गत अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय अपनी अहम् भूमिका निभा रहा है, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, 1992 के तहत् पाँच धार्मिक समुदायों, मुसलमान, ईसाई, सिख, बौद्ध तथा पारसी को अल्पसंख्यक अधिसूचित किया गया है, इनकी जनसंख्या देश की कुल जनसंख्या/आबादी का 18·47% हिस्सा है. अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय का गठन 29 जनवरी, 2006 को किया गया था. कम समय में ही मंत्रालय ने न केवल पूरी तरह से काम करना शुरू कर दिया है, बल्कि चल रही योजनाओं व कार्यक्रमों को सरल और कारगर भी बनाया है, साथ ही अल्पसंख्यक समुदायों के कल्याणार्थ रचनात्मक व प्रभावी योजना/कार्यक्रम भी शुरू किए गए हैं–जैसे प्रधानमंत्री का 15 सूत्री कार्यक्रम, विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति योजना, मैट्रिक पूर्व स्कॉलरशिप, निःशुल्क कोचिंग इत्यादि. अल्पसंख्यक बाहुल जिलों की पहचान.

देश की जनसंख्या वृद्धि जनगणना 2011 के अनुसार 125 करोड़ को पार कर गई है. अतः स्पष्ट है कि समूची जनसंख्या के लिए मूलभूत आवश्यकताएं रोटी, कपड़ा, मकान एवं शिक्षा इत्यादि को मुहैया कराना सरकार के समक्ष एक चुनौती होती है. साथ ही शासन का मूल कर्तव्य यह बनता है कि समस्त अल्पसंख्यकों के साथ सामाजिक न्याय हो तथा उनके साथ किसी तरह का भेदभाव न हो, जिससे लोकतंत्र के संचालन में किसी प्रकार की बाधा न हो सके.

सामाजिक न्याय दिलाने में न्यायिक सक्रियता की महत्वपूर्ण भूमिका है. संवैधानिक दृष्टिकोण से हमारा देश एक लोकतांत्रिक, समाजवादी एवं कल्याणकारी देश है. न्यायिक सक्रियता बदलते समय में न्यायिक दृष्टिकोण की एक गतिशील प्रक्रिया है, जो न्यायाधीशों को प्रेरित करती है कि वे परम्परागत उदाहरणों को अपनाने की अपेक्षा प्रगतिशील दृष्टि और नई सामाजिक नीतियों को अपनाएं. न्यायपालिका अपनी न्यायिक शक्तियों का प्रयोग मौलिक अधिकारों की रक्षा और देश के नागरिकों की स्वतन्त्रता के लिए करती है. लोकतंत्र के तीन प्रमुख स्तम्भ हैं–कार्यपालिका, विधायिका एवं न्यायपालिका. भारतीय संविधान में व्यवस्थापिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के कार्यों का स्पष्ट उल्लेख है. जब कार्यपालिका और विधायिका द्वारा अपने उत्तरदायित्वों का वहन ठीक प्रकार से नहीं किया जाता, तो न केवल लोगों के बुनियादी अधिकारों पर प्रभाव पड़ता है, बल्कि समाज में अन्याय और अशान्ति को प्रोत्साहन प्राप्त होने लगता है. देश को सक्षम सहयोग देने के लिए न्यायपालिका जनहित को दृष्टि में रखती है तथा कार्यपालिका एवं विधायिका के कार्यक्षेत्र में हस्तक्षेप करती है.

लिंगानुपात सामाजिक न्याय के लिए एक कलंक है और लोकतंत्र के लिए एक प्रश्नचिह्न है. जनगणना 2011 के अनुसार भारत में प्रति 1000 पुरुषों पर 943 महिलाएं हैं. वर्तमान में यह स्थिति और विषम होती नजर आ रही है कि एक हजार पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या में वृद्धि नहीं हो रही है. इस प्रकार लिंगानुपात की स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है, अपितु अन्तर बढ़ता जा रहा है. जबकि परिवार, समाज एवं राष्ट्र के चहुँमुखी विकास में पुरुष एवं महिला 'विकास रथ' के दो पहिए हैं. रथ के दोनों पहिए गतिशील हों, तो मंजिल पर पहुँचने में देर नहीं लगती. एक पहिया कमजोर होने पर दूसरे पहिए का महत्व भी नहीं के बराबर रह जाता है. अतः पुरुषों एवं महिलाओं का अनुपात समान रहना चाहिए अन्यथा सम्पूर्ण विकास सम्भव नहीं होगा. सामाजिक न्याय की दृष्टि से लिंगानुपात में विषमता होना एक गहरा आघात है, परन्तु वर्तमान शासन व्यवस्था के परिप्रेक्ष्य में कन्याओं को बचाने के लिए केन्द्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा नई प्रोत्साहन योजनाएं चलाई जा रही हैं एवं कन्या भ्रूण हत्या के लिए कानून बनाकर कठोर दंड के प्रावधान किए गए हैं, इस कारण अब समाज में लिंगानुपात में कुछ हद तक सुधार की स्थिति भी नजर आ रही है. महिलाओं को सामाजिक न्याय दिलाने के लिए लिंग सम्बन्धी भेदभाव को जड़ से उखाड़ फेंकने की जरूरत है.

सामाजिक न्याय के अन्तर्गत महिलाओं को पुरुषों जैसी ही राजनीतिक सहभागिता का प्रश्न विश्व की आधुनिक सभ्यता का सर्वाधिक ज्वलंत विषय है. विश्व महिला सम्मेलनों में पुरुषों के साथ महिलाओं की समान भागीदारी के लिए संकल्प लिए जाते रहे हैं तथा सभी राष्ट्रों पर यह मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने का प्रयास किया जाता रहा है कि राजनीतिक निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए. इसी प्रक्रम में संयुक्त मोर्चा सरकार ने संसद व विधान सभाओं में महिलाओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण देने की व्यवस्था की है.

देश में आधी आबादी महिलाओं की है. इसलिए यह स्वभाविक ही है कि उन्हें देश के विकास में पुरुषों के समान भूमिका निभाने का अवसर मिलना चाहिए. जबतक महिलाएं जागरूक नहीं होंगी तथा राष्ट्रीय विकास की धारा में अपनी सक्रिय भूमिका तथा भागीदारी नहीं निभाएंगी, तबतक राष्ट्र का सर्वांगीण विकास सम्भव नहीं है. महिलाओं में जागृति फैलने से पूरा परिवार, गाँव, शहर और अंततः देश में जागृति फैलती है और समूचा राष्ट्र उन्नति के पथ पर अग्रसर होता है.

महिलाओं को हमेशा से दबाकर रखा गया था, अतः निरक्षरता, गरीबी तथा परम्परा के बंधनों को तोड़ना जरूरी है. आज भी ज्यादातर महिलाएं संवैधानिक प्रावधानों के बावजूद अशिक्षित तथा बिना जायदाद के रूढ़िवादी भारतीय समाज में रहती हैं. रूढ़िवादी प्रथाएं पुराने रीति-रिवाज एवं समाज विरोधी कायदे-कानूनों को समाप्त करने के लिए राजनीतिक तौर पर जाग्रत महिलाएं ही आगे आएंगी. पेयजल, चिकित्सा परिवार नियोजन, स्त्री शिक्षा, साक्षरता, दहेज प्रथा, ग्रामीण विकास एवं कुटीर उद्योग जैसी गतिविधियों में भी महिलाएं अधिक दक्षतापूर्वक कार्य करेंगी. 73वाँ संविधान संशोधन इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, क्योंकि इससे पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित की गई हैं. भारतीय समाज में महिलाओं का स्थान सर्वोपरि है. ये राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में अहम् भूमिका निभाती हैं. जब तक महिलाएं जागरूक नहीं होंगी तथा राष्ट्रीय विकास की धारा में अपनी सक्रिय भूमिका तथा भागीदारी नहीं निभाएंगी, तब तक राष्ट्र का सर्वांगीण विकास सम्भव नहीं है.

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि समाज के प्रत्येक तबके के लोगों को सभी मूलभूत सुविधाएं प्रदान करना तथा समस्त जाति, धर्म, समुदाय व वर्ग इत्यादि के साथ समानता का व्यवहार करना अर्थात् किसी के साथ भी किसी तरह का भेदभाव नहीं करना ही सही मायने में 'सामाजिक' न्याय है. लोकतांत्रिक व्यवस्था में समानभाव तथा सहभागिता व सामाजिक सक्रियता रूपी गुण बहुत अधिक आवश्यक हैं और ये सामाजिक न्याय को मजबूत करते हैं. समाज में समानता स्थापित करने के लिए शासन तथा प्रत्येक व्यक्ति को भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, अराजकता, अव्यवस्था, अनाचार, वैमनस्य, घृणा, द्वेष, अनैतिकता, मानसिक कुंठा, अलगाववाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद आदि कुकृत्यों से बचना होगा. यह सब तभी सम्भव होगा जब वर्तमान शिक्षा पद्धति में संस्कारों, नैतिकता एवं मानवीय मूल्यों को समाविष्ट किया जाएगा और राजनेताओं को वोट बैंक रूपी नीतियों को अपनाना बन्द कर जनहित व जनकल्याण के लिए कार्य करना होगा. ●●●

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

1. असममितीय वितरण ····· का संकेत करता है.
   (A) परास (Range)
   (B) मानक विचलन
   (C) वैषम्य
   (D) वक्रता मात्रा (Kurtosis)

2. व्यक्ति के महत्व का विश्वास ····· से सम्बन्धित है.
   (A) समाज कार्य मूल्य
   (B) समाज कार्य तकनीक
   (C) समाज कार्य सिद्धान्त
   (D) समाज कार्य विधि

3. निम्नलिखित में से कौनसा आनुवंशिक गुण नहीं है ?
   (A) नाक की आकृति
   (B) दंत-क्षय
   (C) रक्त समूह
   (D) त्वचा का रंग

4. रीढ़ की पार्श्विक विचलन को मापते हैं–
   (A) वर्टिब्रो ग्राफ
   (B) स्कोलियो मीटर
   (C) इन्फ्रा स्कोलियो
   (D) गोनियो स्पाइन

5. संयुक्त राष्ट्र संघ की 2017 की रिपोर्ट के अनुसार निम्नलिखित में से किस वर्ष भारत की जनसंख्या चीन से अधिक हो जाएगी ?
   (A) 2024 (B) 2030
   (C) 2034 (D) 2050

6. इ इकॉनोमिस्ट के अनुसार निम्नलिखित में से कौनसा देश 2018 में विश्व का सर्वाधिक प्रसन्न देश रहा ?
   (A) न्यूजीलैंड (B) नार्वे
   (C) स्वीट्जरलैंड (D) फिनलैंड

7. निम्नलिखित में से भारत के किस राज्य में शहरीकृत गरीबी अनुपात सर्वाधिक है ?
   (A) मणिपुर (B) बिहार
   (C) झारखण्ड (D) असम

8. वाणिज्यिक बैंक अपने द्वारा वितरित ऋणों पर ब्याज-दर का निर्धारण किस प्रणाली के अन्तर्गत करते हैं ?
   (A) प्राइम लेण्डिंग रेट
   (B) बेस रेट
   (C) MCLR
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

9. निम्नलिखित में से किस औषधि का उपयोग दर्द एवं चिन्ता-निवारण में होता है ?
   (A) बॉरबीट्यूरेट्टस
   (B) ओपिऐट्स
   (C) कोकिन
   (D) हैलोसिनाजिन्स

10. 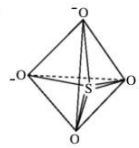
    उपर्युक्त ज्यामितिक संरचना निम्न में से किस पदार्थ की है ?
    (A) सल्फर डाईऑक्साइड
    (B) सल्फ्यूरिक अम्ल
    (C) हाइड्रोजन सल्फाइड
    (D) सल्फेट आयन

11. बैरोरीसेटर्स उस समय क्रियाशील/उद्दीप्त होते हैं, जब–
    (A) रक्तचाप बहुत अधिक होता है
    (B) पेशियों में रक्त-प्रवाह कम होता है
    (C) मस्तिष्क में रक्त-प्रवाह कम होता है
    (D) हृदय में रक्त-प्रवाह कम होता है

12. निम्नलिखित में से कौनसा संगठन के सिद्धान्त के विरुद्ध है ?
    (A) शक्तियों का प्रत्यायोजन
    (B) उचित संवाद
    (C) उचित विकेन्द्रीकरण
    (D) प्राधिकार की अतिव्याप्ति

13. फ्रायडवादी मनोवैश्लेषिक सिद्धान्त में मृत्यु अथवा आक्रमणशील वृत्ति को कहा जाता है–
    (A) ट्रीव
    (B) लिबिडो
    (C) थैनाटास
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

14. समाज का उच्चतर तथा निम्नतर श्रेणी में विभाजन क्या कहलाता है ?
    (A) वर्ग
    (B) जाति
    (C) स्तरीकरण
    (D) विभेदीकरण

15. निम्नलिखित में से कौनसा पदार्थ हाइड्रोजन से अभिक्रिया करके ठोस में बदल जाता है ?
    (A) ट्राइओलिन
    (B) एथिलीन
    (C) ग्लिसरॉल
    (D) एसीटिक ऐनहाइड्राइड

16. संस्पन्दन का कारण है–
    (A) सिग्मा इलेक्ट्रॉनों का अस्थानीकरण
    (B) पाई इलेक्ट्रॉनों का अस्थानीकरण
    (C) H परमाणुओं का अभिगमन
    (D) प्रोटॉनों का अभिगमन

17. $AgNO_3$ के 0·1 N विलयन 500 मिली को KCl के 0·1 N विलयन के 500 मिली में मिलाया गया. प्राप्त मिश्रण में नाइट्रेट आयन की सान्द्रता होगी–
    (A) 0·05 (B) 0·1 N
    (C) 0·2 N (D) 0

18. 300 हर्ट्ज आवृत्ति का स्वरित्र एक ओर से बन्द वायु-स्तम्भ से 27°C पर अनुनाद करता है. 0°C पर स्वरित्र और वायु-स्तम्भ के कम्पनों में प्रति सेकण्ड कितने विस्पंद सुनाई देंगे?
    (A) 110 (B) 3
    (C) 14 (D) 86

19. किस राज्य के आरक्षण विधेयक को नवीं अनुसूची में शामिल किया गया है ?
    (A) तमिलनाडु (B) कर्नाटक
    (C) उत्तर प्रदेश (D) उड़ीसा

20. "Peace be within thy walls and prosperity within thy palaces" उपर्युक्त वाक्य निम्नलिखित में से किस ग्रंथ से लिया गया है ?
    (A) Unwise Peace Treaties
    (B) Bible
    (C) Philippicoe
    (D) Specimens of Jerrold Wit "Peace"

21. सल्तनकाल में गाँव का शासन करता था–
    (A) नायब (B) मुकद्दम
    (C) ग्रामिक (D) पटवारी

22. बंगाल की खाड़ी को 'चोलों की झील' कहलाने का कारण था–
    (A) विशाल नौसेना
    (B) लंका पर विजय
    (C) विशाल विदेश व्यापार
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

23. गुप्तकालीन शिव-मूर्तियों के मुँह हैं–
    (A) 2 अथवा 4 (B) 1 अथवा 4
    (C) 1 अथवा 3 (D) केवल 1

24. निम्नलिखित में से किस रेडियोधर्मी विघटन में न्यूट्रॉन, प्रोटोन एवं इलेक्ट्रॉन टूट जाते हैं ?
(A) He^{++} उत्सर्जन (B) β-उत्सर्जन
(C) γ-उत्सर्जन (D) पॉजीट्रॉन उत्सर्जन

25. तीन वैद्युत आवेश $4q$, Q और q एक सरल रेखा पर 0, 1/2 और 1 स्थिति पर क्रमशः रखे गए हैं. आवेश q पर परिणामी बल शून्य होगा. यदि Q बराबर हो—
(A) $-q$ (B) $-2q$
(C) $-\frac{q}{2}$ (D) $4q$

26. यदि एक तंत्रिका रेशा और सभी रेशे तंत्रिका में स्फूर्ति उत्पन्न करते हैं, तो उसे निम्नलिखित में से क्या कहा जाता है ?
(A) अंतर्ग्रथनी संचरण
(B) मोटर एंडप्लेट
(C) मोटर यूनिट
(D) पारस्परिक तंत्रिकोत्तेजन

27. पार्श्व में दिए गए चित्र को पहचानिए—

(A) आलोक वर्मा
(B) रंजन गोगोई
(C) जॉन अब्राहम
(D) उर्जित पटेल

28. संलग्न चित्र को पहचानिए—

(A) मार्लिन मुनरो
(B) लेडी डायना
(C) थेरेसा मे
(D) महारानी विक्टोरिया

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में सम्मिलित होने के नियम

1. इसमें सभी विद्यार्थी अथवा किसी प्रतियोगिता परीक्षा में सम्मिलित होने वाले प्रत्याशी भाग ले सकेंगे.
2. प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्याशियों को निर्धारित तिथि तक अपने उत्तर भेजना आवश्यक है. प्रविष्टियाँ सामान्य डाक से ही भेजी जाएं तथा लिफाफे पर बाईं ओर **'सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता'** अवश्य लिखें.
3. प्रतियोगिता के उत्तर पत्रिका में दिए गए प्रपत्र पर ही मान्य होंगे.
4. प्रश्न के क्रमांक के आगे चार खाने बने हैं. प्रतियोगी जिस उत्तर को ठीक समझें उस कॉलम में केवल गुणा (×) का चिह्न लगाएं. एक प्रश्न का एक से अधिक उत्तर देने पर वह प्रश्न निरस्त कर दिया जाएगा.
5. प्रतियोगी जितने प्रश्न हल करें उनकी संख्या स्वयं अवश्य लिखें.
6. अशुद्ध उत्तर देने पर अंक काटे जाएंगे.
7. सर्वाधिक शुद्ध हल भेजने वाले प्रतियोगी को प्रथम पुरस्कारस्वरूप ₹ 700 दिए जाएंगे. उससे कम शुद्ध हल भेजने वाले प्रतियोगियों को क्रमशः द्वितीय व तृतीय पुरस्कार दिया जाएगा, जो क्रमशः ₹ 500 व ₹ 300 का होगा. यदि किसी पुरस्कार को प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों की संख्या एक से अधिक होगी, तो पुरस्कार राशि उनमें समान रूप से विभक्त कर दी जाएगी.
8. पुरस्कार के विषय में सम्पादक का निर्णय सर्वमान्य होगा. किसी भी दशा में वह न्यायालय का विषय नहीं होगा.

प्रतियोगिता प्रवेश प्रारूप

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक–189 का हल भेजने की अन्तिम तिथि 10 फरवरी, 2019

नाम श्री/कु./श्रीमती _____

पूरा पता _____

_____

_____

राज्य ..... पिन कोड नं. □□□□□□

मो. नं. _____

आयु ..... शैक्षणिक योग्यता .....

प्रतियोगिता परीक्षा जिसकी तैयारी कर रहे/रही हैं _____

_____

मैंने प्रतियोगिता दर्पण द्वारा आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के नियमों का अध्ययन कर लिया है और मैं उनसे सहमत हूँ।

.....
(हस्ताक्षर)

परिणाम

कुल हल किए प्रश्नों की संख्या _____

शुद्ध हल प्रश्नों की संख्या _____

अशुद्ध हल प्रश्नों की संख्या _____

अर्जित अंक _____

उत्तर-पत्र

प्रश्न संख्या	A	B	C	D	प्रश्न संख्या	A	B	C	D
1.	□	□	□	□	15.	□	□	□	□
2.	□	□	□	□	16.	□	□	□	□
3.	□	□	□	□	17.	□	□	□	□
4.	□	□	□	□	18.	□	□	□	□
5.	□	□	□	□	19.	□	□	□	□
6.	□	□	□	□	20.	□	□	□	□
7.	□	□	□	□	21.	□	□	□	□
8.	□	□	□	□	22.	□	□	□	□
9.	□	□	□	□	23.	□	□	□	□
10.	□	□	□	□	24.	□	□	□	□
11.	□	□	□	□	25.	□	□	□	□
12.	□	□	□	□	26.	□	□	□	□
13.	□	□	□	□	27.	□	□	□	□
14.	□	□	□	□	28.	□	□	□	□

सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक महेन्द्र जैन द्वारा मैसर्स प्रतियोगिता दर्पण के लिए उन्हीं के द्वारा प्रतियोगिता दर्पण (प्रिंटिंग यूनिट) 5 एवं 6 बाई पास रोड, आगरा से मुद्रित एवं 2/11A, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2 से प्रकाशित